प्रतियोगिता दर्पण

जनवरी 2020 मूल्य ₹ 90.00

हिन्दी मासिक

शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये

For e-magazine:
http://emagazine.pdgroup.in

- 2019-20 की दूसरी तिमाही में जीडीपी में वृद्धि केवल 4-5 प्रतिशत : सीएसओ के अनंतिम अनुमान
- अयोध्या विवाद में सर्वोच्च न्यायालय का फैसला • करतारपुर साहिब कॉरिडोर श्रद्धालुओं के लिए खुला
- पीएसएलवी-सी47 के जरिए कार्टोसैट-3 का प्रक्षेपण
- आसियान का 35वाँ शिखर सम्मेलन, 14वाँ पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन, आरसीईपी का तीसरा शिखर सम्मेलन तथा भारत-आसियान 16वीं वार्षिक बैठक (बैंकाक)
- ब्रिक्स का 11वाँ शिखर सम्मेलन (2019), ब्राज़ीलिया • एपेक का 31वाँ शिखर सम्मेलन रद्द
- खुदरा मुद्रास्फीति 16 माह के उच्चतम स्तर पर जबकि थोक मुद्रास्फीति का 40 माह में निम्नतम स्तर
- भारत के विदेशी मुद्रा कोष रिकॉर्ड स्तर पर • लुइस हैमिल्टन फार्मूला-1 रेसों के वर्ष 2019 के विश्व चैम्पियन
- फेड कप, डेविस कप (2019) • भारत का 39वाँ अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (नई दिल्ली)

MAGAZINE KING

मॉडल हल

• उ.प्र. पीसीएस
प्रारम्भिक परीक्षा 2019

समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

हल प्रश्न-पत्र

- उत्तराखण्ड सिविल जज (प्रा.), 19
- बी.पी.एस.सी. प्रारम्भिक, 19
- उत्तराखण्ड बी.एड. प्रवेश, 19
- यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ., 19
- उत्तर प्रदेश प्रवक्ता भर्ती, 16
- स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया पी.ओ. (प्रा.), 19
- आर.बी.आई. (ग्रेड B) ऑफीसर, 18

अर्द्ध-वार्षिकांक

50th International Film Festival of India, Goa

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

- **सम्पादक**
  महेन्द्र जैन
- **प्रधान सलाहकार**
  डॉ. रवि कान्त
- **रजिस्टर्ड ऑफिस**
  2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–282 002
- **सम्पादकीय ऑफिस**
  1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
  फोन–2531101, 2530966
  ईमेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in
  कस्टोमर केयर : care@pdgroup.in
- **दिल्ली ऑफिस**
  4845, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110 002
  फोन–011-23251844, 43259035
- **हैदराबाद ऑफिस**
  16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड (आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036 (तेलंगाना) फोन–040-24557283
  मो.–09391487283
- **पटना ऑफिस**
  पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, पटना–800 004
  फोन–0612-2303340
  मो.–09334137572
- **कोलकाता ऑफिस**
  H-3, ब्लॉक- B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर, कोलकाता–700 003 (W.B.)
  फोन–033-25551510
- **लखनऊ ऑफिस**
  B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया, लखनऊ–226 004
  फोन–0522-4109080
  मो.–09760181118
- **नागपुर ऑफिस**
  1461, जूनी शुक्रवारी, सक्करदरा रोड, हनुमान मन्दिर के सामने, नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
  मो.–09370877776
- **इन्दौर ऑफिस**
  30-31, जिन्सी हाट मैदान, बाबा रामदेव मन्दिर के निकट, मल्हारगंज, इन्दौर–452 002 (म.प्र.)
  फोन–9203908088
- **हल्द्वानी ऑफिस**
  8-310/1, ए.के. हाउस हीरानगर, हल्द्वानी, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) मो.–07060421008

के पाठकों से

प्रिय पाठको !

आपकी सर्वाग्रगण्य एवं लोकप्रिय पत्रिका '**प्रतियोगिता दर्पण**' का जनवरी 2020 अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष एवं सन्तोष की अनुभूति हो रही है. पत्रिका के प्रस्तुत अंक को आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है. प्रकाशन से सम्बन्धित सभी लोगों के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से यह अंक इतना अधिक परीक्षोपयोगी बन पाया है.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी बनाने की दृष्टि से इस अंक में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित एवं विश्लेषणात्मक निबन्ध दिए गए हैं. इनमें से कुछ लेख इस प्रकार हैं– भारतीय इस्पात क्षेत्र : प्रगति और क्षमता, भारत में राष्ट्रपति शासन : ऐतिहासिक विवेचन, भारत के संविधान में संशोधन : प्रक्रिया एवं सीमाएं, जलवायु-परिवर्तन : दोहराहे पर खड़ी पीढ़ी, बाढ़ की भयानक विभीषिका: पर्यावरण असंतुलन का दुष्परिणाम.

पत्रिका के सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाग में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के चयनित हल प्रश्न-पत्र आवश्यक व्याख्या एवं संकेतों के साथ दिए गए हैं. इनमें से कुछ प्रश्न-पत्र इस प्रकार हैं–

वस्तुनिष्ठ सामान्य अध्ययन–उत्तराखण्ड सिविल जज (प्रा.) परीक्षा, 2019. बी.पी.एस.सी. प्रारम्भिक परीक्षा, 2019. उत्तराखण्ड बी.एड. प्रवेश परीक्षा, 2019.

ऐच्छिक विषय–वाणिज्य-यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2019.

तर्कशक्ति–स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया पी.ओ. (प्रा.) परीक्षा, 2019.

संख्यात्मक अभियोग्यता–आरबीआई ग्रेड B ऑफीसर परीक्षा, 2018.

हम आपको स्मरण कराना चाहते हैं कि **"कठिन परिश्रम एवं उचित और सामयिक मार्गदर्शन सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र है." प्रतियोगिता दर्पण** आपका सही एवं सामयिक मार्गदर्शन करने में बेजोड़ है. आप प्रयास कीजिए, आपकी सुनिश्चित सफलता के लिए प्रतियोगिता दर्पण आपके साथ है.

नियमित रूप से एवं समझदारी के साथ प्रतियोगिता दर्पण पढ़िए. यह आपको अभीष्ट सफलता दिलाने एवं आपके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में पूर्णतः सक्षम है.

आपकी चतुर्दिक सफलता एवं स्वर्णिम भविष्य की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

महेन्द्र जैन
(सम्पादक)

All rights reserved. No part of this Magazine may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form by any means, Electronic, Mechanical, Photocopying, Recording or otherwise, without the prior written permission of the publisher. While every effort has been made to ensure accuracy of the information published in this edition, neither publisher nor any of its employees accept any responsibility for any error or omission. Articles that cannot be used are returned to the authors if accompanied by a self addressed and sufficiently stamped envelope. But no responsibility is taken for any loss or delay in returning the material. Pratiyogita Darpan assumes no responsibility for statements and opinions advanced by the authors nor for any claims made in the advertisements published in the Magazine.

MAGAZINE KING

497 वाँ सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

वर्ष 42
षष्ठम् अंक
जनवरी 2020

इस अंक में...

9 सम्पादकीय
11 राष्ट्रीय घटनाक्रम
20 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
27 आर्थिक-वाणिज्यिक परिदृश्य
32 नवीनतम सामान्य ज्ञान
37 राज्य समाचार
40 खेलकूद
45 रोजगार समाचार
47 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
49 जम्मू-कश्मीर और लद्दाख संघ राज्य क्षेत्रों सहित भारत का नया मानचित्र
51 युवा प्रतिभाएँ

फोकस

55 (1) शहरों की जहरीली होती हवा और पराली
57 (2) वैश्विक निर्देशांकों में भारत : 2019-20
59 (3) निष्ठा : समग्र शिक्षा में बुनियादी परिवर्तन हेतु समेकित शिक्षक प्रशिक्षण
61 विश्व परिदृश्य
68 स्मरणीय तथ्य
71 वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएँ
76 ऐतिहासिक स्थल एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व
81 कला एवं संस्कृति

लेख

83 औद्योगिक लेख—भारतीय इस्पात क्षेत्र : प्रगति और क्षमता
85 संवैधानिक लेख—भारत में राष्ट्रपति शासन : ऐतिहासिक विवेचना
88 विधिक/संवैधानिक लेख—भारत के संविधान में संशोधन : प्रक्रिया एवं सीमाएं
90 सामयिक लेख—जलवायु-परिवर्तन : दोराहे पर खड़ी पीढ़ी
93 कॅरियर लेख—उत्तर प्रदेश राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) परीक्षा, 2019 : विधिवत् रणनीति, समसामयिक घटनाएँ, उत्तर प्रदेश करेंट अफेयर्स
97 शैक्षिक लेख—केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना एक महत्वपूर्ण कड़ी
98 पर्यावरण लेख—बाढ़ की भयानक विभीषिका : पर्यावरण असंतुलन का दुष्परिणाम
99 कृषि लेख—संरक्षण खेती से उच्च एवं निरन्तर उत्पादन
101 सार संग्रह

वस्तुनिष्ठ सामान्य अध्ययन—

105 (i) आगामी उत्तर प्रदेश पीसीएस प्रारम्भिक परीक्षा, 2019 हेतु विशेष मॉडल हल प्रश्न
115 (ii) उत्तराखण्ड सिविल जज (प्रा.) परीक्षा, 2019
118 (iii) बी.पी.एस.सी. प्रारम्भिक परीक्षा, 2019
127 उत्तराखण्ड बी.एड. प्रवेश परीक्षा, 2019
130 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
133 उद्योग व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता
135 ऐच्छिक विषय—(i) वाणिज्य—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2019
142 (ii) शिक्षाशास्त्र—उत्तर प्रदेश प्रवक्ता भर्ती परीक्षा, 2016

विविध/सामान्य

148 वार्षिक रिपोर्ट—2018-19—सूचना एवं प्रसारण क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियाँ—नए क्षितिज की ओर
150 हिमाचल प्रदेश सरकार की नवीनतम योजनाएं
151 तर्कशक्ति—स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया पी.ओ. (प्रा.) परीक्षा, 2019
154 संख्यात्मक अभियोग्यता— आरबीआई (ग्रेड-B) ऑफीसर परीक्षा, 2018
159 क्या आप जानते हैं ?
160 अपना ज्ञान बढ़ाइए
161 प्रथम पुरस्कृत समीक्षा—भारतीय संविधान में समानता जैसे मौलिक अधिकारों के बावजूद जातिगत वर्जनाएं आज भी विद्यमान हैं
163 प्रथम पुरस्कृत निबन्ध—बीती ताहि बिसार दे, आगे की सुधि लेय
165 निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक—486 का परिणाम
166 अर्द्धवार्षिकांक

MAGAZINE KING

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. -सम्पादक

• E-mail : publisher@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in

आगामी प्रतियोगिता परीक्षाएं

2019

दिसम्बर–हरियाणा सहकारी समितियाँ सब-इंस्पेक्टर (जनरल लाइन) परीक्षा, 2019
दिसम्बर–उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग कृषि अधिकारी वर्ग-3 (समूह 'ग') सीधी भर्ती परीक्षा
दिसम्बर–उ.प्र. अधीनस्थ सेवा चयन आयोग कनिष्ठ सहायक (सामान्य चयन) प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 2019
11-13 दिसम्बर–केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल/दिल्ली पुलिस सब-इंस्पेक्टर्स व सीआईएसएफ असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर परीक्षा, 2019
14 एवं 21 दिसम्बर–आई.बी.पी.एस. बैंक क्लर्क भर्ती परीक्षा 2020-21
15 दिसम्बर–उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. प्रारम्भिक परीक्षा, 2019
15 दिसम्बर–एनटीए सीएसआईआर–यूजीसी नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा दिसम्बर, 2019
22 दिसम्बर–बिहार सब-इंस्पेक्टर प्रारम्भिक परीक्षा, 2019
22 दिसम्बर–उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2019
22 दिसम्बर–हिमाचल प्रदेश वन रक्षक भर्ती परीक्षा, 2019
28-29 दिसम्बर–आई.बी.पी.एस. बैंक विशेषज्ञ अधिकारी प्रारम्भिक परीक्षा, 2019

2020

जनवरी–उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग वनरक्षक एवं वन्य जीव रक्षक (सामान्य चयन) प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 2019
जनवरी–उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर समूह 'ग', सहायक लेखाकार सीधी भर्ती परीक्षा, 2019
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 15 दिसम्बर, 2019)
5 जनवरी–अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा–2020 (कक्षा VI व IX)
11 जनवरी–जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, 2019 (कक्षा–VI)
12 जनवरी–मध्य प्रदेश पी.एस.सी. राज्य सेवा/वन सेवा प्रा. परीक्षा, 2019
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 9 दिसम्बर, 2019)
12 जनवरी–उ.प्र. सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा, 2020-21 (कक्षा–VII व कक्षा–IX)
19 जनवरी–आई.बी.पी.एस. बैंक लिपिकीय संवर्ग मुख्य परीक्षा, 2019
25 जनवरी–आई.बी.पी.एस. बैंक विशेषज्ञ अधिकारी मुख्य परीक्षा, 2019
फरवरी–भारतीय नौसेना आर्टिफिशर अप्रेन्टिस (AA) व सीनियर सेकण्डरी रिक्रूट परीक्षा (SSR) परीक्षा, 2019
फरवरी–भारतीय नौसेना नाविक मैट्रिक रिक्रूट (MR) भर्ती परीक्षा
2 फरवरी–सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (I), 2020
8 फरवरी–जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, 2020-21 (कक्षा-IX)
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 10 दिसम्बर, 2019)
9 फरवरी–छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. राज्य सेवा प्रारम्भिक परीक्षा, 2019
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 4 जनवरी, 2020)
2-11 मार्च–एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा, 2019 (चरण–I)
5-7 मई–एस.एस.सी. स्टेनोग्राफर ग्रेड 'C' एवं 'D' परीक्षा, 2019
17-20 जून–छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. राज्य सेवा मुख्य परीक्षा
21 जून–एस.एस.सी. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल/दिल्ली पुलिस सब-इंस्पेक्टर
22-25 जून–एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तर परीक्षा, 2019 (Tier-II)

निबन्ध प्रतियोगिता

विषय–"महानगरों में वायु-प्रदूषण : समस्या और निदान."
अन्तिम तिथि–28 जनवरी, 2020.
शब्द संख्या–लगभग 2000 शब्द.

1. निबन्ध कागज के एक ओर ही टंकित अथवा स्वहस्तलिखित होना चाहिए.
2. निबन्ध के साथ प्रतियोगी अपना पासपोर्ट आकार का छायाचित्र भेजें. प्रथम तीन निबन्धों पर क्रमशः ₹ 1500, ₹ 1000 व ₹ 500 चेक के माध्यम से व प्रमाण-पत्र पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे. अन्य 5 अनुशंसित निबन्धों को आकर्षक प्रमाण-पत्र व उपकार प्रकाशन की ₹ 200 मूल्य तक की वांछित पुस्तक पुरस्कारस्वरूप दी जाएगी.
3. प्रत्येक प्रविष्टि पर अपना नाम English के Capital Letter में लिखें जिस नाम से आपका बैंक खाता हो, बैंक का नाम, खाता नम्बर व बैंक का IFSC कोड नं. भी अवश्य लिखें.

चन्दे की दरें

प्रतियोगिता दर्पण

	हिन्दी	अंग्रेजी
एक प्रति मूल्य	80.00	80.00
वार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	725·00	720·00
रजिस्टर्ड डाक से	945.00	940·00
द्विवार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	1350·00	1345·00
रजिस्टर्ड डाक से	1790·00	1785·00

सामान्य ज्ञान दर्पण

एक प्रति मूल्य	₹ 35.00
वार्षिक मूल्य :	
साधारण डाक से	₹ 315.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 530.00
द्विवार्षिक मूल्य :	
साधारण डाक से	₹ 580.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 1020.00

- कृपया अपना सदस्यता-शुल्क मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट द्वारा ही प्रेषित करें. चेक स्वीकार नहीं होंगे. आप हमारी Website : www.pdgroup.in द्वारा भी सदस्यता शुल्क अदा कर सकते हैं.
- अपने स्पष्ट पते के साथ यह भी सूचित करें कि आप किस माह से किस माह तक के लिए ग्राहक बन रहे हैं.
- पुराने ग्राहक कृपया अपनी ग्राहक संख्या का उल्लेख अवश्य करें.
- मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट **'प्रतियोगिता दर्पण'** के नाम से आगरा में देय ही स्वीकार किए जाएंगे.

ऑर्डर फार्म

मैं प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी/अंग्रेजी मासिक)/ सामान्य ज्ञान दर्पण (हिन्दी मासिक) का वार्षिक/ द्विवार्षिक नियमित ग्राहक बनना चाहता हूँ/चाहती हूँ. कृपया मेरी प्रति मुझे निम्नांकित पते पर प्रेषित करने की कृपा करें.

नाम _____

पता _____

_____

_____

पिन ☐☐☐☐☐☐

मो. नं.....

मैं ₹.....मनीऑर्डर/बैंक ड्राफ्ट द्वारा प्रेषित कर रहा हूँ/रही हूँ.

दिनांक _____ प्रेषक के हस्ताक्षर _____

प्रतियोगिता दर्पण
2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, **आगरा**–282 002
फोन : 2530966, 2531101
Website : www.pdgroup.in
E-mail : care@pdgroup.in

MAGAZINE KUNJ

सम्पादकीय

भारतीय जनतंत्र का अवमूल्यन मत होने दीजिए

भारतीय जनतंत्र विश्व का सबसे बड़ा जनतंत्र है. भारत की जनता ने पिछले कई चुनावों में यह प्रमाणित कर दिया है कि वह जनतंत्र की निर्वाचन प्रणाली को स्वीकार ही नहीं, बल्कि पूर्णत: आत्मसात कर चुकी है. यह भी ध्यातव्य है कि एशिया महाद्वीप में केवल भारत ऐसा देश है जहाँ जनतंत्र स्थापित है और निरापद रूप से कार्य कर रहा है. यह कहना भी अप्रासंगिक नहीं होगा कि पंचायती राज-व्यवस्था के रूप में भारत में जनतंत्र की जड़ें सुदूर अतीत तक गई हैं. आज से चार सौ वर्ष से अधिक पहले रचित 'रामचरितमानस' में हमें जनतंत्र के परिपक्व रूप के दर्शन होते हैं. इसे हम संवैधानिक राजतंत्र भी कह सकते हैं अथवा राजतंत्रात्मक जनतंत्र भी मान सकते हैं.

आधुनिक भारतीय जनतंत्र की नींव यूरोप से आयातित स्तम्भों पर रखी गई है. व्यावहारिक दृष्टि से ये स्तम्भ हैं–धर्म निरपेक्षता, समाजवाद, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा तथा भाषायी राज्य हैं.

उक्त चारों शब्द आरम्भ से ही विवाद-ग्रस्त बने हुए हैं और वे नित्य नई समस्याएँ उत्पन्न करते रहे हैं. हमारे देश में प्राय: ऐसी घटनाएँ घटित होती रहती हैं–साम्प्रदायिक दंगे, आरक्षण सम्बन्धी विवाद, भ्रष्टाचार एवं घोटालों का पर्दाफाश, राजनीतिक अपहरण, हत्याएं आदि. इनके फलस्वरूप भारतीय जनतंत्र/लोकतंत्र एवं भारतीय अखण्डता के सम्मुख प्राय: स्थायी रूप से एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न लग गया है.

हमें स्मरण रखना चाहिए कि भारतीय संविधान में संशोधन करना वस्तुत: उसके साथ खिलवाड़ करना है, सम्भवत: इस खिलवाड़ में निहित गम्भीर परिणामों की ओर हमारे कर्णधारों का ध्यान नहीं जाता है. भारतीय राज्यों के राजाओं को राजनीति से हटाने के लिए उनकी पेंशन (Privy Purse) बन्द करने के लिए किए गए संशोधन तथा शाहबानो के मामले में कट्टरपंथी मुसलमानों की संतुष्टि हेतु किए गए संशोधन ने भारत के प्रबुद्ध जनमानस को झकझोर कर रख दिया था और संविधान के प्रति विश्वसनीयता एवं आस्था का बहुत कुछ अवमूल्यन हो गया था. संविधान को सुविधा-वादी कवच बनाने की प्रक्रिया कितनी खतर-नाक है, इसको हमारे युवा वर्ग को समझना चाहिए और अपने प्रभाव द्वारा इस प्रक्रिया को रोकने का प्रयत्न करना चाहिए. कुछ लोग इस प्रक्रिया को तानाशाही की ढाल के रूप में देखते हैं. पाठक स्मरण कर लें–इंगलैंड की लेबर पार्टी की सरकार ने भारत को स्वतंत्र करने की घोषणा की थी. एक पत्रकार ने निवर्तमान प्रधानमंत्री श्री विंस्टन चर्चिल से प्रश्न किया था "आसन्न चुनावों के फलस्वरूप यदि आपकी सरकार

> भारतीय जनतंत्र विश्व का सर्वाधिक बड़ा जनतंत्र है. इसका वर्तमान रूप यूरोप से आयातित मान्यताओं के आधार पर निर्मित है. पंचायत राज एवं राजतांत्रिक प्रजातंत्र के रूप में इसकी जड़ें सुदूर अतीत तक फैली हुई हैं. हमारे देश में समाज एवं शासन, दोनों स्तरों पर कुछ ऐसी घटनाएं घटित होती रहती हैं जो जनतंत्र एवं भारतीय अखण्डता के सम्मुख प्रश्नचिह्न लगा देती हैं. बात पीछे अपनी स्वार्थ पूर्ति हेतु संविधान में संशोधन करने की प्रक्रिया इस संदर्भ में सबसे बड़ा खतरा प्रस्तुत करती है. यह प्रक्रिया वस्तुत: संविधान को तानाशाही की ढाल अथवा उसका कवच बना देती है.
>
> भारतीय न्यायालय संविधान को अक्षुण्ण रखने एवं निष्कलंक बनाए रखने के लिए अपने कर्त्तव्य का यथाशक्ति निर्वाह करते रहते हैं. हमारे युवा वर्ग का कर्त्तव्य है कि वह समस्त घटनाक्रम एवं परिवेश पर गम्भीरतापूर्वक विचार करे और जनतंत्र को निष्कलंक बनाए रखने के संदर्भ में अपने कर्त्तव्य का निर्धारण करे.

बन जाएगी, तब भारत की स्वतंत्रता का क्या होगा." "The words of the British Prime Minister are irrevocable." (ब्रिटिश प्रधानमंत्री के शब्द अपरिवर्तनीय हैं.) चर्चिल का त्वरित उत्तर था. भारत के भावी कर्णधार हमारे युवा वर्ग को समझ लेना चाहिए कि देश के संविधान एवं शासन के प्रति विश्वसनीयता को किस प्रकार अक्षुण्ण रखा जा सकता है. वर्तमान पीढ़ी के लोग सोच भी नहीं सकते हैं कि जिस ब्रितानी सरकार से भारतवासी दिल से घृणा करते थे, उसी ब्रिटिश हुकूमत के प्रति भारतीय जनमानस में श्रद्धा-विश्वास के अंकुर जमने लगे थे. ब्रिटिश राष्ट्रकुल (Common-wealth) में भारत का शामिल होना इसका ज्वलन्त उदाहरण था. मंडल आयोग के सन्दर्भ में हमारे प्रधानमंत्रीजी ने घोषणा कर दी थी कि यदि संविधान आड़े आएगा, तो उसको भी बदल दिया जाएगा. पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी न्यायपालिका को शासन के प्रति प्रतिबद्ध होने का सुझाव दे ही चुकी थीं आदि. न्यायालय की दुस्साहसिकपूर्ण अवज्ञा के उदाहरण आज भी देखने को मिल रहे हैं. यह प्रक्रिया कितनी आत्मघाती सिद्ध हो सकती है, हमारा युवा वर्ग इसकी गम्भीरता पर विचार करे और निर्धारित करे कि प्रशासनिक सेवा में कार्य करने के अवसर मिलने की स्थिति में वे देश की अखण्डता, संविधान की अस्मिता तथा जनतंत्र में निहित लोक भावना की रक्षा किस प्रकार करेंगे.

हम चाहते हैं कि हमारा युवावर्ग यानी हमारे देश के भावी कर्णधार लोकतंत्र और तानाशाही के मध्य लक्ष्मण रेखा के निर्धारण पर गम्भीरतापूर्वक विचार करें. वे यह भी ध्यान में रखें कि लोकतंत्र एक शासन पद्धति मात्र न होकर एक जीवन-पद्धति भी है और उसको लक्ष्य करके उच्च आदर्शों की स्थापना करनी चाहिए.

आरक्षण, विशेष सुविधाएं आदि देना, जातिसूचक शब्द के प्रयोग को अपराध घोषित करना आदि उपायों को लक्ष्य करके कहा जाता है कि हम जातिवाद एवं साम्प्रदायिकता को समाप्त करना चाहते हैं, परन्तु वास्तविक तथ्य इसके सर्वथा विपरीत कहानी कहते हैं. इस सन्दर्भ में आज से 30 वर्ष पूर्व, अप्रैल 1976 में सर्वोच्च न्यायालय ने एक व्यवस्था देकर हमारा मार्गदर्शन किया था. चूँकि अभी पानी सिर से ऊपर नहीं गुजरा है, अत: युवा वर्ग के विचारार्थ हम उक्त निर्णय के आवश्यक अंश प्रस्तुत करते हैं–"शूद्र वर्ग अथवा अनुसूचित जाति का व्यक्ति वह है जो अपने को वैसा कहता है. इसके लिए जन्मजात शूद्र अथवा अनुसूचित होना आवश्यक नहीं है." हमें यदि जन्मजात भेद-भावना समाप्त करके सच्चे समाजवाद की स्थापना करनी है, तो हमारा कर्त्तव्य है कि हम अपने मार्गदर्शन हेतु उच्चतम न्यायालय के उक्त निर्णय के अनुरूप निर्देशक सूत्रों का निर्माण करें. तत्कालीन एवं अल्पकालीन स्वार्थ सिद्धि की नीतियाँ हमें कुर्सी दिला सकती हैं, परन्तु जनतंत्र के भवन को सुदृढ़ नहीं बना सकती हैं. हमारे युवा वर्ग को गम्भीरतापूर्वक विचार करना चाहिए कि हम अपने जनतंत्र को किस प्रकार अक्षुण्ण एवं निष्कलंक बनाए रख सकते हैं. स्मरण रखिए Eternal vigilance is the price of democracy अर्थात् निरन्तर जागरूकता द्वारा जनतंत्र की कीमत चुकाई जाती है.

●●●

MAGNET IAS

हम कैरियर पत्रिकाएं (मैगजीन) क्यों पढ़ें ?

छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अति आवश्यक

समाचार–पत्र

ज्ञान का मूल जिज्ञासा है, समाचार-पत्र देश-दुनिया की घटनाओं के प्रति हमारी जिज्ञासा की पूर्ति करते हैं। भारत में अखबार केवल घटनाओं और खबरों के बारे में जानकारी लेने का जरिया है, बल्कि यह विद्यार्थियों के लिए कॅरियर में सफल होने का जरिया है। अखबार में हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ होता है जो उनकी जिज्ञासा को शान्त करता है।

पत्रिकाएं

पत्रिकाओं में किसी विशेष समय-अन्तराल जैसे मासिक, त्रैमासिक आदि की राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं का संक्षिप्त, सुव्यवस्थित अद्यतन वर्णन प्राप्त होता है। उनका विश्लेषणात्मक पहलू होता है तथा महत्वपूर्ण घटनाओं की पृष्ठभूमि एवं उनके क्रमिक विकास का वर्णन होता है।

कॅरियर पत्रिकाएं

कॅरियर मैगजीन में चयनित परीक्षाओं के हल प्रश्न-पत्र, आवश्यक संकेत एवं व्याख्याओं के साथ उपलब्ध होते हैं, जो प्रतियोगी परीक्षाओं में मार्गदर्शन के लिए मील का पत्थर सिद्ध होते हैं। खेलकूद प्रतियोगिता की जीत-हार के साथ महत्वपूर्ण व समसामयिक विषयों पर सारगर्भित लेख तथा विश्लेषणात्मक टिप्पणियाँ होती हैं। साथ ही साथ निबन्ध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत सामग्री का भी समावेश होता है। इसके अतिरिक्त इनमें विचारोद्दीपक सम्पादकीय लेख पाठकों के व्यक्तित्व की आधारशिला रखने एवं उनके प्रखर व्यक्तित्व का निर्माण करने में अद्वितीय भूमिका निभाते हैं। सभी जानते हैं कि वर्तमान समय में प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता पाना परिश्रम का काम है, जिसमें सफल होने के लिए उपयुक्त ज्ञान का होना आवश्यक ही नहीं, अपरिहार्य है। इन सबका एक ही स्थान पर समावेश केवल कॅरियर पत्रिकाओं में ही मिलता है, जो सुविधानुसार समय पर पढ़ने, रिवीजन करने के साथ-साथ समय की भी बचत करता है।

MAGAZINE KING

कॅरियर पत्रिकाएं हमें प्रदान करती हैं

- उच्चकोटि के सम्पादकीय जो हमारे चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होते हैं। इनसे विषय, भाषा, शैली एवं व्याकरण पर पकड़ मजबूत होती है.
- राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों का संक्षिप्त, विश्लेषणात्मक एवं क्रमबद्ध वर्णन, जो किसी भी प्रतियोगी परीक्षा के वर्णनात्मक पहलू एवं साक्षात्कार के लिए अपरिहार्य होता है।
- खेलकूद प्रतियोगिताओं का वर्णन, उनमें हार-जीत का अभिलेख एवं अन्य रोचक सामग्री।
- आर्थिक एवं वाणिज्यिक घटनाक्रम

- नवीनतम सामान्य ज्ञान
- राज्य समाचार
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का अद्यतन ज्ञान
- सामयिक विषयों पर सारगर्भित लेख
- चयनित परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों के हल, संकेत एवं व्याख्याएं
- टॉपरों एवं अन्य सफल प्रतियोगियों की भेंटवार्ता एवं उनके अनुभवों का ज्ञान
- निबन्ध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं की पुरस्कृत सामग्री

अभिभावक क्या करें ?

यह तथ्य निर्विवाद है कि प्रत्येक अभिभावक अपने बच्चे की सफलता के लिए जागरूक होता है और चाहता है कि उसके बच्चे कुशाग्र बुद्धि होकर सर्वश्रेष्ठ बनें। इसके लिए उन्हें देखना चाहिए कि उनके बच्चे पाठ्यक्रम की पुस्तकों के अतिरिक्त अच्छी कॅरियर पत्रिकाएं भी पढ़ें। यह प्रक्रिया उनके आठवीं कक्षा से ही प्रारम्भ करने का प्रबन्ध करें। इससे उनके सामान्य ज्ञान में वृद्धि होगी, दृष्टिकोण में व्यापकता आएगी, जो किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए आवश्यक है। व्यक्तित्व निर्माण के साथ वह एक श्रेष्ठ नागरिक के रूप में प्रस्थापित होंगे। कॅरियर पत्रिकाओं का नियमित पठन उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला को मजबूती प्रदान करता है।

आप क्या करें ?

आप भी समय रहते जाग जाएं। बिना अध्ययन के ज्ञान अर्जन नहीं होता। सफलता के लिए परिश्रम का कोई विकल्प नहीं। सही मार्गदर्शन वांछित सफलता को सरल एवं निश्चित बना देता है। यह सब विभिन्न कॅरियर पत्रिकाओं से ही सुलभ होता है। आपका काम तो सिर्फ उस सामग्री को समझकर पढ़ना, सार्थक परिश्रम करना एवं सफलता में आत्मविश्वास रखना है तथा जब तक वांछित सफलता न मिले, निरन्तर प्रयास करते रहना है। आपकी सफलता सुनिश्चित है।

–संपादक

राष्ट्रीय घटनाक्रम

- अयोध्या में विवादित स्थल पर राम मन्दिर ही बनेगा : सर्वोच्च न्यायालय का फैसला
- करतारपुर कॉरिडोर खुलने से भारतीय श्रद्धालुओं के लिए वीजा के बिना ही पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब के दर्शन करना सम्भव हुआ
- दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव का विलय कर एक केन्द्रशासित क्षेत्र बनाने का सरकार का इरादा वांछित विधेयक लोक सभा में पारित
- भारत का 50वाँ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव गोवा में सम्पन्न
- महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शिव सेना-राकांपा-कांग्रेस की गठबन्धन सरकार (भाजपा के देवेन्द्र फड़नवीस भी 80 घण्टे तक मुख्यमंत्री रहे)
- मेघालय में सक्रिय उग्रवादी संगठन एचएनएलसी पर प्रतिबन्ध
- पीएसएलवी-सी 47 के जरिए स्वदेशी कार्टोसैट-3 व अमरीका के 13 छोटे उपग्रहों का प्रक्षेपण
- लेह में राष्ट्रीय सोवा-रिगपा संस्थान की स्थापना की योजना
- जालियाँवाला बाग ट्रस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष की स्थायी सदस्यता का प्रावधान समाप्त : संशोधन विधेयक संसद में पारित
- 2018 में देश में सड़क दुर्घटनाओं के सम्बन्ध में सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट
- संक्षिप्तकी

अयोध्या में विवादित स्थल पर राम मन्दिर ही बनेगा : सर्वोच्च न्यायालय का फैसला

लगभग पाँच सदी पुराने विवाद व 134 वर्षों की कानूनी लड़ाई के पश्चात् अयोध्या में 2·77 एकड़ विवादित भूमि पर राम जन्मभूमि मन्दिर व बाबरी मस्जिद के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने अपना ऐतिहासिक फैसला 9 नवम्बर, 2019 को सुनाया. शीर्ष अदालत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पाँच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 6 अगस्त–16 अक्टूबर, 2019 के दौरान 40 दिन तक तीनों विवादित पक्षों–रामलला विराजमान, सुन्नी वक्फ बोर्ड व निर्मोही अखाड़ा की दलीलें सुनने के पश्चात् इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, जो कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 9 नवम्बर, 2019 को सुनाया गया. [इस मामले में रामलला विराजमान को एक न्यायिक व्यक्ति (Juristic person) सर्वोच्च न्यायालय ने स्वीकार किया है.] मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था अयोध्या के साथ-साथ अन्य संवेदी स्थानों पर भी की गई थी. तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गोगोई के अतिरिक्त न्यायमूर्ति एस.ए. बोबड़े (जो अब मुख्य न्यायाधीश हैं), न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड़, न्यायमूर्ति अशोक भूषण व न्यायमूर्ति अब्दुल नजीर इस मामले की सुनवाई वाली पाँच सदस्यीय संविधान पीठ में शामिल थे.

- *पीठ ने अपने सर्वसम्मत फैसले में विवादित जमीन पर रामलला विराजमान का हक स्वीकार करते हुए यह समस्त 2·77 एकड़ भूमि मन्दिर निर्माण के लिए एक ट्रस्ट को सौंपने का फैसला सुनाया (ट्रस्ट का गठन तीन माह के भीतर करने को पीठ के फैसले में कहा गया है). इस भूमि पर मालिकाना हक के लिए सुन्नी वक्फ बोर्ड व निर्मोही अखाड़े के दावों को पीठ ने यद्यपि खारिज किया है, तथापि 6 दिसम्बर, 1992 को ढाँचा गिराए जाने को कानून का उल्लंघन बताते हुए मस्जिद के निर्माण के लिए सुन्नी वक्फ बोर्ड को अयोध्या में ही किसी उचित स्थान पर 5 एकड़ जगह उपलब्ध कराने का निर्देश अपने 1049 पृष्ठों के फैसले में पीठ ने सरकार को दिया है.*
- *इस मामले के तीसरे पक्षकार निर्मोही अखाड़े के सेवायत हक के दावे को सर्वोच्च न्यायालय ने स्वीकार नहीं किया है, तथापि मन्दिर निर्माण के लिए गठित किए जाने वाले ट्रस्ट में उसे प्रतिनिधित्व प्रदान करने का निर्देश न्यायालय ने दिया*

MAGAZINE KING

अयोध्या विवाद–पृष्ठभूमि

- *अयोध्या में इस विवाद की नींव 491 वर्ष पूर्व पड़ी थी, जब मुगल बादशाह बाबर के एक सिपहसालार मीर बाकी ने बाबरी मस्जिद का निर्माण 1528 ई. में कराया. उस समय से ही यह आरोप लगाए जाने लगे थे कि मस्जिद का निर्माण वहाँ पहले से विद्यमान एक मन्दिर को तोड़ कर कराया गया था.*
- *मन्दिर-मस्जिद विवाद के परिप्रेक्ष्य में 1853 में अयोध्या में हुए साम्प्रदायिक दंगों के पश्चात् तत्कालीन अंग्रेजी प्रशासन ने विवादित जगह के आसपास बाड़ लगा दी तथा हिन्दुओं व मुस्लिमों, दोनों के लिए पूजा की जगह निर्धारित कर दी थी, जिसमें मुस्लिमों को मस्जिद के अन्दर तथा हिन्दुओं को बाहर चबूतरे पर पूजा की अनुमति दी गई थी.*
- *सन् 1885 में यह मामला पहली बार अदालत की दहलीज पर पहुँचा, जब निर्मोही अखाड़े के महंत रघुबरदास ने फैजाबाद की जिला अदालत में याचिका दायर कर बाबरी मस्जिद के निकट ही राम मन्दिर के निर्माण की अनुमति माँगी. महत की इस याचिका को अदालत ने ठुकरा दिया, जिसके पश्चात् यह मामला गहराता चला गया तथा एक-एक करके हिन्दू-मुस्लिम पक्षकार आते गए.*
- *इस विवाद में नया मोड़ 22-23 दिसम्बर, 1949 की रात्रि में उस समय आया जब भगवान राम की मूर्तियाँ मस्जिद में गुम्बद के नीचे पाई गईं. इस मामले में हिन्दुओं द्वारा भगवान राम के प्रकट होने की बात जहाँ कही गई, वहीं मुस्लिमों का दावा था कि किसी ने चुपचाप मूर्तियाँ वहाँ रख दी थीं. मस्जिद से इन मूर्तियों को हटाने का निर्देश भी प्रदेश सरकार ने यद्यपि जारी किया, किन्तु हिन्दुओं की भावनाएं भड़कने के डर से इसे विवादित स्थल मानते हुए मस्जिद पर ताला लगवा दिया गया.*
- *विवादित स्थल पर पूजा के अधिकार के लिए सर्वप्रथम एक याचिका एक राम-भक्त गोपाल सिंह विशारद ने 1950 में फैजाबाद की सिविल अदालत में दायर की थी. इसी के साथ एक अन्य याचिका में विवादित ढाँचे में भगवान राम की मूर्ति रखने की इजाजत माँगी गई (गोपाल सिंह का निधन 1986 में हो गया, जिसके पश्चात् उनके पुत्र राजेन्द्र सिंह ने इस पैरवी को आगे बढ़ाया). 1959 में निर्मोही अखाड़े द्वारा दायर एक याचिका में राम जन्मभूमि के प्रबन्धन व पूजन का अधिकार माँगा गया, जबकि सुन्नी वक्फ बोर्ड ने 1961 में एक याचिका दायर कर विवादित स्थल पर कब्जे तथा वहाँ से मूर्तियाँ हटाने की माँग की.*
- *विवादित स्थल पर मन्दिर के निर्माण के लिए राम जन्मभूमि आन्दोलन विश्व हिन्दू परिषद् ने 1984 में शुरू किया.*
- *फैजाबाद के जिला जज ने 1 फरवरी, 1986 को विवादित स्थल का गेट खोलकर हिन्दुओं को पूजा के लिए प्रवेश की अनुमति प्रदान की, जिससे देश में विभिन्न भागों में तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई तथा बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी का गठन हुआ.*
- *इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने इस विवाद के सम्बन्ध में फैजाबाद जिला न्यायालय में लम्बित सभी मामलों को उच्च न्यायालय में स्थानान्तरित करने के आदेश 10 जुलाई, 1989 को जारी किए. 1989 में ही विवादित ढाँचे के निकट राम जन्मभूमि मन्दिर के लिए शिलान्यास किया गया.*
- *मन्दिर निर्माण के पक्ष में माहौल विकसित करने के लिए 1990 में भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष श्री लालकृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक की रथ यात्रा 25 सितम्बर, 1990 को सोमनाथ से शुरू की जिसे 30 अक्टूबर, 1990 को अयोध्या पहुँचना था, किन्तु लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व वाली बिहार सरकार ने 23 अक्टूबर को उन्हें बिहार में गिरफ्तार करा दिया (श्री आडवाणी की इस गिरफ्तारी के पश्चात् ही भाजपा ने केन्द्र में विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व वाली गठबन्धन सरकार से समर्थन वापस ले लिया जिससे वह सरकार गिर गई थी.).*
- *हिन्दू कारसेवकों के एक जत्थे ने 6 दिसम्बर, 1992 को बाबरी मस्जिद ढाँचे को गिरा दिया, जिसके पश्चात् देश के अनेक भागों में साम्प्रदायिक दंगे भड़क उठे (बाबरी मस्जिद गिराए जाने के इस कृत्य को सर्वोच्च न्यायालय के 9 नवम्बर, 2019 के फैसले में गैर कानूनी करार दिया गया है). विवादित ढाँचे के विध्वंस की जाँच के लिए लिब्रहान आयोग का गठन तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिंह राव के नेतृत्व वाली सरकार ने 16 दिसम्बर, 1992 को किया था. इस एक सदस्यीय आयोग ने 17 वर्ष अपनी रिपोर्ट तैयार करने में लिए. इसने अपनी रिपोर्ट 30 जून, 2009 को तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को सौंपी थी, जिसमें भाजपा के शीर्ष नेतृत्व व संघ परिवार को ढाँचा गिराए जाने के मामले में दोषी करार दिया था. इस मामले में नामजद आठ आरोपियों– भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह, पूर्व सांसद विनय कटियार व उमा भारती, विहिप नेता अशोक सिंहल, आचार्य गिरिराज किशोर, विष्णुहरि डालमिया और साध्वी ऋतंभरा पर लखनऊ की अदालत ने आरोप तय किए थे. सुनवाई के दौरान आचार्य गिरिराज किशोर एवं अशोक सिंहल का निधन हो चुका है. वर्तमान में इन दोनों को छोड़कर अन्य आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा चल रहा है.*
- *इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के निर्देश पर भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण (ASI) ने 12 मार्च-7 अगस्त, 2003 के दौरान विवादित स्थल पर 82 विभिन्न स्थानों पर खुदाइयाँ की थीं, जिसकी रिपोर्ट का भी अपने फैसले में उल्लेख सर्वोच्च न्यायालय के 9 नवम्बर, 2019 के फैसले में किया गया है (इस रिपोर्ट में कहा गया था कि बाबरी मस्जिद खाली जमीन पर नहीं बनी थी तथा खुदाई में मिले सामान किसी इस्लामिक ढाँचे के नहीं थे).*
- ***इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने इस विवाद से सम्बन्धित याचिकाओं पर फैसला 30 सितम्बर, 2010 को सुनाया था, जिसमें समस्त विवादित 2·77 एकड़ क्षेत्र को तीन समान भागों में बाँटकर इसका एक-एक भाग तीनों पक्षों–रामलला विराजमान, सुन्नी वक्फ बोर्ड व निर्मोही अखाड़े को सौंपने की बात कही गई थी.** यह फैसला सुनाने वाली इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में तीन न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस.यू. खान, न्यायमूर्ति धर्मवीर शर्मा व न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल शामिल थे. तीनों ही विवादित पक्ष इलाहाबाद उच्च न्यायालय के इस फैसले से असन्तुष्ट रहे तथा इसके विरुद्ध 14 अपीलें सर्वोच्च न्यायालय में विभिन्न पक्षों द्वारा दायर की गई थीं. इन पर ही अपना फैसला सर्वोच्च न्यायालय ने अब 9 नवम्बर, 2019 को सुनाया है. **सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 30 सितम्बर, 2010 के फैसले को अतार्किक बताते हुए खारिज किया गया है.***

है. निर्मोही अखाड़े ने सदियों से रामलला के सेवायत होने का दावा करते हुए मन्दिर के पुनर्निर्माण, रखरखाव एवं सेवा के अधिकार का दावा अपनी दलीलों में किया था.

इस संवेदनशील मामले को मध्यस्थता के जरिए सुलझाने का प्रयास भी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किया गया. इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति इब्राहिम कलीफुल्ला की अध्यक्षता में तीन मध्यस्थों का पैनल सर्वोच्च न्यायालय ने 8 मार्च, 2019 को गठित किया, जिसमें शामिल किए गए दो अन्य मध्यस्थ आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर व वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीराम पंचु थे. इस पैनल ने अपनी रिपोर्ट 1 अगस्त, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय को सौंपी थी, जिसमें मध्यस्थता के प्रयास नाकाम रहने की बात कही गई थी. मध्यस्थता के प्रयास नाकाम रहने पर इस मामले में अब पुनः सुनवाई सर्वोच्च न्यायालय ने 6 अगस्त-16 अक्टूबर, 2019 के दौरान सम्पन्न की है. लगातार 40 दिन तक चली इस सुनवाई में हिन्दू पक्ष में रामलला विराजमान की ओर से दलीलें पेश करने वाले अधिवक्ताओं में

करतारपुर कॉरिडोर खुलने से भारतीय श्रद्धालुओं के लिए वीजा के बिना ही पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब के दर्शन करना सम्भव हुआ

भारत के गुरदासपुर (पंजाब) जिले के डेरा बाबा नानक को पाकिस्तान के सीमावर्ती नारोवाल जिले में दरबार साहिब (करतारपुर

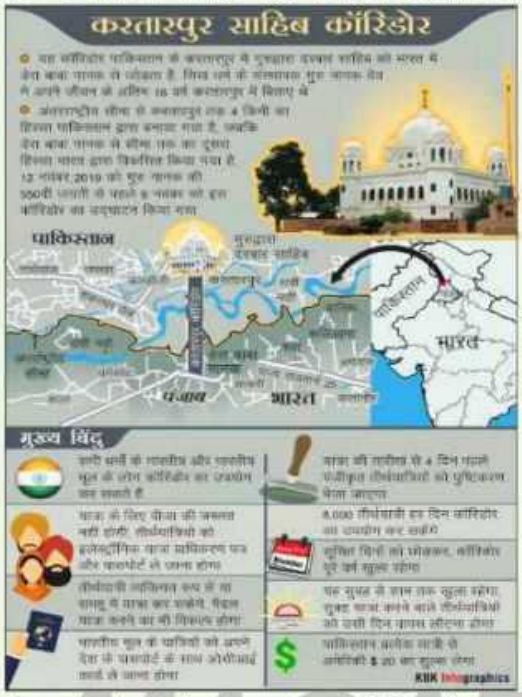

साहिब) गुरुद्वारे से जोड़ने वाले लगभग 4-7 किमी लम्बे करतारपुर कॉरिडोर को 12 नवम्बर से गुरु नानक देव की 550वीं जयंती पर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया. भारतीय सीमा में इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुरदासपुर जिले में डेरा बाबा नानक में 9 नवम्बर को किया. उधर पाकिस्तान में प्रधानमंत्री इमरान खान ने इसका उद्घाटन किया. 9 नवम्बर को ही अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह के नेतृत्व में इस कॉरिडोर के जरिए करतारपुर साहिब जाने वाले पहले भारतीय जत्थे में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टेन अमरिंदर सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, केन्द्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल, सांसद सनी देयोल व पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू आदि शामिल थे. ***9 नवम्बर को डेरा बाबा नानक में करतारपुर कॉरिडोर के इंटीग्रेटेड चैक पोस्ट का उद्घाटन करते हुए गुरु नानक देवजी पर ₹550 का स्मारक सिक्का भी प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जारी किया.***

सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देवजी ने अपने जीवन के अन्तिम 15-16 वर्ष करतारपुर में ही रावी नदी के तट पर एक गुरुद्वारे की स्थापना कर बिताए थे तथा वहीं पर 1539 ई. में समाधि उन्होंने ली थी. इसी गुरुद्वारे में सबसे पहले लंगर की शुरूआत हुई थी. इस गुरुद्वारे का पुन-र्निर्माण बाद में महाराजा रणजीत सिंह ने कराया था. सिखों का यह पवित्र धर्मस्थल विभाजन के समय पाकिस्तान में रह गया था, जिससे भारत में रह रहे असंख्य श्रद्धालुओं को सीमा से केवल 2 किमी दूर स्थित इस गुरुद्वारे के दर्शन के लिए वीज़ा की आवश्यकता होती थी तथा पाकिस्तान न जा पाने वाले श्रद्धालु भारतीय सीमा में डेरा बाबा नानक स्थित गुरुद्वारा शहीद बाबा सिद्ध सैन रंधावा से दूरबीन की मदद से यह दर्शन करते थे. इस गुरुद्वारे के दर्शन के लिए करतारपुर कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव 1999 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने लाहौर बस यात्रा के दौरान दिया था. इस वर्ष गुरु नानक देवजी के 550वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में डेरा बाबा नानक व दरबार साहिब के बीच कॉरिडोर की स्थापना दोनों देशों की सरकारों की सहमति से की गई है. इस सम्बन्ध में दोनों देशों के बीच समझौते पर हस्ताक्षर 24 अक्टूबर, 2019 को किए गए थे, जिसके तहत् अधिकतम 5000-5000 भारतीय श्रद्धालु वीजा के बिना ही प्रतिदिन करतारपुर साहिब गुरुद्वारा जा सकेंगे.

OXFORD
UNIVERSITY PRESS

Indian Foreign Policy
9780199494262
Paperback | ₹ 325

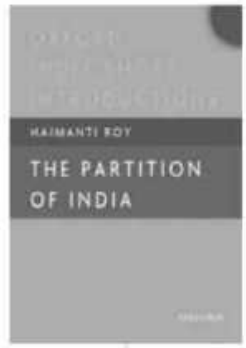

Partition of India
9780199488698
Paperback | ₹ 325

Indian Nuclear Policy
9780199489022
Paperback | ₹ 325

Panchayati Raj
9780198090434
Paperback | ₹ 230

The Indian Constitution
9780198075387
Paperback | ₹ 275
(*Also available in Hindi)

Academic Division
Oxford University Press
12th Floor, World Trade Tower,
C-1, Sector 16, Main DND Road, Rajnigandha Chowk,
Noida, Uttar Pradesh, India – 201301
Email Address: GAImarketing@oup.com

The Oxford India Short Introductions (OISI) are accessible, concise and stimulating introductions to different aspects of India on selected themes and issues from Indian society, economy, culture, polity and contemporary history.

MAHAVEER KING

92 वर्षीय पूर्व एटॉर्नी जनरल के. परासरन के अतिरिक्त सी.एस. वैद्यनाथन व पूर्व एडिशनल सॉलीसिटर जनरल पी. एस. नरसिम्हा जहाँ थे, वहीं गोपाल सिंह विशारद की ओर से पूर्व सॉलीसिटर जनरल रंजीत कुमार ने, अखिल भारतीय श्रीराम जन्मभूमि पुनरुद्धार समिति की ओर से पी.एन. मिश्र ने, अखिल भारत हिन्दू महासभा की ओर से हरी शंकर जैन ने, निर्मोही अखाड़ा की ओर से सुशील कुमार जैन ने, निर्वाणी अखाड़ा के धर्मदास की ओर से जयदीप गुप्ता आदि ने दलीलें पेश की थीं. शिया वक्फ बोर्ड के वकील एम. सी. ढींगरा ने भी मन्दिर के पक्ष में दलीलें न्यायालय में प्रस्तुत कीं.

- *मस्जिद के पक्ष में सुन्नी वक्फ बोर्ड व अन्य की ओर से दलीलें पेश करने वाले अधिवक्ताओं में मुख्यतः राजीव धवन, जफरयाब जिलानी, शेखर नाफड़े, निजामुद्दीन पाश व मीनाक्षी अरोड़ा शामिल थे.*
- *सर्वोच्च न्यायालय के 9 नवम्बर, 2019 के फैसले के प्रति सुन्नी वक्फ बोर्ड ने असन्तोष व्यक्त किया है. असन्तुष्ट पक्षों द्वारा फैसले के विरुद्ध 30 दिन के भीतर पुनर्विचार याचिका दायर की जा सकती है.*

दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव का विलय कर एक केन्द्रशासित क्षेत्र बनाने का सरकार का इरादा वांछित विधेयक लोक सभा में पारित

दिसम्बर 1961 से पूर्व लम्बे समय तक पुर्तगाली उपनिवेश रहे केन्द्रशासित क्षेत्रों दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव का विलय कर इन्हें एक ही केन्द्रशासित क्षेत्र के रूप में रूपान्तरित किया जाएगा. इसके लिए **दादरा-नगर हवेली और दमन-दीव (संघ राज्य क्षेत्रों का विलय) विधेयक, 2019 [The Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu (Merger of Union Territories) Bill 2019] को केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री जी किशन रेड्डी ने 26 नवम्बर, 2019 को लोक सभा में प्रस्तुत किया गया, जो अगले ही दिन ध्वनिमत से पारित हो गया.**

- *इस विधेयक के अधिनियमित होने से इन दोनों केन्द्रशासित क्षेत्रों का विलय एक ही केन्द्रशासित क्षेत्र के रूप में हो जाएगा, जिसे **दादरा नगर हवेली, दमन एवं दीव** (Dadra, Nagar Haveli, Daman and Diu) नाम से जाना जाएगा. **इससे देश में केन्द्रशासित क्षेत्रों की संख्या 9 से घटकर 8 रह जाएगी.***
- *पश्चिमी तट पर गुजरात के निकट स्थित इन दोनों क्षेत्रों के बीच आपसी दूरी केवल 35 किमी है. इनमें दादरा और नगर हवेली में केवल एक ही जिला है, जबकि दमन और दीव में दो जिले हैं. इसके बावजूद इनका प्रशासन अलग-अलग है तथा दोनों के लिए अलग-अलग बजट तैयार होता है. ऐसे में Minimum Government, Maximum Governance की सरकार की नीति के तहत् प्रशासनिक सुधार के लिए इन दोनों क्षेत्रों का विलय कर एक ही केन्द्रशासित प्रदेश के रूप में रूपान्तरित करने का निर्णय सरकार ने किया है.*
- *दोनों क्षेत्रों के औपचारिक विलय के पश्चात् विलयित केन्द्रशासित क्षेत्र दादरा एवं नगर हवेली, दमन एवं दीव में तीन जिले होंगे तथा लोक सभा में इसकी सीटों की संख्या 2 होगी. यहाँ के विधिक मामले बम्बई उच्च न्यायालय के दायरे में ही आएंगे.*

दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव लम्बे समय से पुर्तगाली उपनिवेश रहे थे. दादरा एवं नगर हवेली पर पुर्तगालियों ने कब्जा जून 1783 में किया था तथा पुर्तगाली शासन से इसे मुक्ति 2 अगस्त, 1954 को मिली थी, जिसके पश्चात् इस क्षेत्र का शासन 'दादरा एवं नगर हवेली की वरिष्ठ पंचायत' द्वारा चलाया जाता रहा था. 11 अगस्त, 1961 को दसवें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत् इसे भारत में केन्द्रशासित क्षेत्र के रूप में शामिल किया गया था. दमन एवं दीव लम्बे समय से पुर्तगाली शासन के अधीन था तथा दिसम्बर 1961 में पुर्तगाली शासन से मुक्त कराकर इसे गोवा के साथ ही भारतीय केन्द्रशासित क्षेत्र के रूप में भारतीय संघ में शामिल किया गया था. 1987 में गोवा के पूर्ण राज्य बनने के पश्चात् दमन एवं दीव एक पृथक् केन्द्रशासित क्षेत्र हो गया था.

भारत का 50वाँ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव गोवा में सम्पन्न

भारत का 50वाँ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (International Film Festival of India—IFFI) 20–28 नवम्बर, 2019 को गोवा में पणजी में सम्पन्न हुआ. प्रसिद्ध गायक एवं म्यूजिक कम्पोजर शंकर महादेवन व उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत संगीत के भव्य कार्यक्रम के साथ इस महोत्सव का उद्घाटन 20 नवम्बर को हुआ. सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर तथा देश विदेश की फिल्म जगत् की गणमान्य हस्तियों के बीच भारतीय सिनेमा के दो महारथियों अमिताभ बच्चन व रजनीकांत ने उद्घाटन समारोह में दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह के शुभारम्भ की घोषणा की. समारोह का संचालन जाने-माने फिल्म निर्माता करण जौहर ने किया.

उद्घाटन समारोह में दीप प्रज्ज्वलित करते अमिताभ बच्चन व रजनीकांत, साथ में हैं केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर व अन्य.

- *केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर के अतिरिक्त केन्द्रीय आयुष मंत्री श्रीपद नाइक, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री बाबुल सुप्रियो, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव अमित खरे, प्रसार भारती के चेयरमैन ए. सूर्यप्रकाश, केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सेंसर बोर्ड) के चेयरमैन प्रसून जोशी तथा आईएफएफआई-2019 की अन्तर्राष्ट्रीय ज्यूरी के सदस्यों सहित सिनेमा जगत की जानी-मानी हस्तियाँ उद्घाटन समारोह में उपस्थित थी.*
- **भारतीय सिनेमा में असाधारण योगदान के लिए रजनीकांत को आइकन ऑफ गोल्डन जुबली अवार्ड (Icon of Golden Jubilee Award) से उद्घाटन समारोह में ही सम्मानित किया गया. फ्रांसीसी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री इसाबेल एनी मेडेलिन हप्पर्ट (Isabelle Anne Madeleine Huppert) को लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार उद्घाटन समारोह में प्रदान किया गया.**
- *अमरीकी सिनेमेटोग्राफर व एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एण्ड साइंस के पूर्व अध्यक्ष जॉन बैली (John Bailey) आईएफएफआई-2019 की अन्तर्राष्ट्रीय ज्यूरी के अध्यक्ष थे. फ्रांसीसी फिल्म निर्माता रॉबिन कांपिलो (Robin Campillo) चीन के फिल्म निर्माता जांग यांग (Zhang Yang) ब्रिटिश सिनेमा की लायने रामसे (Lynne Ramsay) के अतिरिक्त भारतीय फिल्म निर्माता रमेश सिप्पी अन्तर्राष्ट्रीय ज्यूरी के अन्य सदस्यों में शामिल थे.*
- *सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर ने (50वें) आईएफएफआई-2019 पर एक स्मारक डाक टिकट उद्घाटन समारोह में जारी किया.*
- *गोरान पास्कलजेविक (Goran Paskaljevic) द्वारा निर्देशित इतालवी फिल्म डिस्पाइट द फॉग (Despite the Fog) आईएफएफआई-2019 की उद्घाटन फिल्म थी.*
- *आईएफएफआई-2019 में फोकस कंट्री रूस था. रूस की 8 फिल्मों का प्रदर्शन फोकस खण्ड में किया गया.*

MAGAZINE KING

यह लगातार 16वाँ वर्ष था, जब इस समारोह का आयोजन गोवा में हुआ. गोवा में पहली बार 35वाँ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह नवम्बर 2004 में आयोजित किया गया था, जिसके पश्चात् इसे ही इस समारोह के लिए स्थायी समारोह स्थल निर्धारित कर किया गया था. तद्नुरूप उसके बाद से प्रतिवर्ष यह आयोजन गोवा में ही किया जाता रहा है.

20 नवम्बर को उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर ने भारत में फिल्म निर्माण की स्वीकृतियों हेतु एकल 'विंडो प्रणाली' की घोषणा करते हुए कहा कि इससे अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माता भारत में फिल्म निर्माण हेतु और अधिक आकर्षित होंगे. उन्होंने कहा कि भारत में प्राकृतिक सुंदरता से भरे अनेक शूटिंग स्थल हैं, किन्तु इन स्थलों पर शूटिंग के लिए 15-20 स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है. एकल खिड़की प्रणाली से ये सारी स्वीकृतियाँ एक बार में प्राप्त होंगी.

भारत सहित 76 देशों की 200 से अधिक फिल्मों का प्रदर्शन इस महोत्सव में विभिन्न खण्डों में किया गया. वर्ल्ड पैनोरमा व इंडियन पैनोरमा के अतिरिक्त इंटरनेशनल कम्पिटीशन, डेब्यू फिल्म कम्पिटीशन, फेस्टीवल कैलीडियोस्कोप, व रिट्रोस्पेक्टिव खण्ड आदि इनमें शामिल थे. इंटरनेशनल कम्पिटीशन खण्ड में शामिल 15 फिल्मों में दो भारतीय फिल्में–लिजो जॉस पल्लिसेरी द्वारा निर्देशित मलयालम फिल्म **जल्लीकट्टू** व अनत नारायण महादेवन द्वारा निर्देशित मराठी फिल्म **माई घाट : क्राइम नं: 103/2005** शामिल थी. अभिषेक शाह द्वारा निर्देशित गुजराती फिल्म हेल्लारो भारतीय पैनोरमा खण्ड की उद्घाटन फिल्म थी. महोत्सव के पुरस्कारों का वितरण 28 नवम्बर को समापन समारोह में किया गया. **इनमें सर्वश्रेष्ठ फिल्म का स्वर्ण मयूर (Golden Peacock)** ब्लेज़ हैरिसन (Blaise Harrison) द्वारा निर्देशित फ्रेंच-स्विस फिल्म पार्टिकल्स (Particles) के लिए दिया गया. स्वर्ण मयूर (Golden Peacock) के साथ ₹ 40 लाख की राशि इस पुरस्कार के तहत् प्रदान की गई. भारत की मलयालम फिल्म जल्लीकट्टू के निर्देशन के लिए लिजो जोस पेलिसेरि (Lijo Jose Pellissery) को **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक** का पुरस्कार दिया गया. ब्राजीली फिल्म मेरीघेल्ला (Marighella) में भूमिका के लिए **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता** का पुरस्कार सियु जोर्ग (Seu Jorge) को दिया गया. रजत मयूर (Silver Peacock) के साथ क्रमशः 15 लाख व ₹ 10 लाख की राशियाँ इन पुरस्कारों के लिए इन्हें दी गई. **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री** का रजत मयूर मराठी फिल्म माई घाट : क्राइम नं: 103/2005 में भूमिका के लिए भारत की उषा जाधव को दिया गया. ज्यूरी का विशेष पुरस्कार (रजत मयूर के साथ ₹ 15 लाख) तिब्बती फिल्म बैलून (Balloon) के लिए पेमा त्सिदान को दिया गया

शान्ति, अहिंसा व सहिष्णुता को निरूपित करने वाली उत्कृष्ट फिल्म के लिए पेरिस स्थित इंटरनेशनल काउन्सिल फॉर फिल्म टेलीविजन एण्ड ऑडियो विजुअल कम्यूनिकेशन (ICFT) व यूनेस्को के सहयोग से शुरू किया गया ICFT-UNESCO Gandhi Medal रिकार्डो साल्वेत्ती (Riccardo Salvetti) द्वारा निर्देशित इतालवी फिल्म **रवांडा** (Rwanda) के लिए प्रदान किया गया. तीन वर्ष पूर्व ही इस महोत्सव में शुरू किया गया. **किसी निर्देशक की पहली ही सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार** (Award for the Best Debut Film of a Director) अल्जीरियाई निर्देशक अमीन सीदी बूमेडीन द्वारा निर्देशित फिल्म अबू लीला (Abou Leila) तथा रूमानिया के मेरियस ओल्टीनू द्वारा निर्देशित फिल्म मोंस्टर्स (Monsters) के लिए दिया गया. फ्रांसीसी अभिनेत्री इसाबेल एने मैडेलिन हप्पर्ट (Isabelle Anne Madeleine

MAGAZINE KING

Huppert) को लाइफटाइम एचीवमेन्ट पुरस्कार तथा भारतीय अभिनेता रजनीकांत को **आइकन ऑफ गोल्डन जुबली अवार्ड** उद्घाटन समारोह में ही प्रदान कर दिया गया था. 28 नवम्बर को महोत्सव का समापन भी रंगारंग कार्यक्रम के साथ हुआ. समापन समारोह को राज्यपाल श्री सत्यपाल मलिक ने भी सम्बोधित किया.

- *भारत में अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के आयोजन की शुरूआत 1952 में हुई थी तथा ऐसा पहला महोत्सव मुम्बई में आयोजित किया गया था. इसके पश्चात् चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता व तिरुवनंतपुरम् आदि शहरों में आयोजन के पश्चात् 2004 में इसका आयोजन गोवा में हुआ. तब से गोवा में ही यह प्रतिवर्ष आयोजित होता रहा है तथा इसे ही इस महोत्सव का स्थायी आयोजन स्थल बना दिया गया है.*
- *अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माता एसोसिएशनों के फेडरेशन (International Federation of Producer's Associations) ने भारत के अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव को ए श्रेणी का महोत्सव करार दिया हुआ है.*
- **भारत के अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के 50 वर्ष पूर्ण होने पर इसके लिए इंटर-नेशनल काउंसिल फॉर फिल्म टेलीविजन एण्ड ऑडियो-विजुअल कम्यूनिकेशन (ICFT) ने ICFT-UNESCO Fellini Medal प्रदान करने की घोषणा की है.**

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शिव सेना-राकांपा-कांग्रेस की गठबन्धन सरकार (भाजपा के देवेन्द्र फड़नवीस भी 80 घण्टे तक मुख्यमंत्री रहे)

शिव सेना के श्री उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाते महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी

एक माह से भी अधिक समय तक चली राजनीतिक उठा-पटक के पश्चात् महाराष्ट्र में तीन दलों–शिव सेना-कांग्रेस-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गठबंधन महाविकास अघाड़ी की सरकार का गठन 28 नवम्बर, 2019 को हुआ है. राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी ने 28 नवम्बर को मुम्बई में शिवाजी पार्क में सार्वजनिक समारोह में श्री उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई. उन्होंने मराठी में शपथ ग्रहण की. उनके साथ ही शिव सेना, राकांपा व कांग्रेस के दो-दो मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण की. मंत्रिपरिषद् का विस्तार विश्वास मत पारित कराए जाने के पश्चात् किया जाएगा. यह पहला ही अवसर है जब शिव सेना के संस्थापक ठाकरे परिवार के किसी सदस्य ने किसी संवैधानिक पद पर कार्यभार सँभाला है. महाविकास अघाड़ी गठबंधन की इस सरकार की गठन से चार दिन पूर्व भाजपा के देवेन्द्र फड़नवीस को 23 नवम्बर को मुख्यमंत्री पद की शपथ राज्यपाल श्री कोश्यारी ने ग्रहण कराई थी. बहुमत के अभाव में श्री फड़नवीस ने 26 नवम्बर को ही त्यागपत्र दे दिया था.

महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधान सभा के लिए 21 अक्टूबर, 2019 को सम्पन्न चुनाव के परिणाम 24 अक्टूबर को घोषित हुए थे, जिसमें भाजपा-शिव सेना गठबन्धन (दोनों पार्टियों ने मिलकर चुनाव लड़ा था) को 161 (भाजपा 105 व शिव सेना 56) सीटें प्राप्त हुई थीं, किन्तु मुख्यमंत्री पद हेतु शिव सेना की दावेदारी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

यशवंतराव चव्हाण (कांग्रेस) 1 मई 1960 से 19 नवंबर 1962	बाबासाहेब भोंसले (कांग्रेस) 21 जनवरी 1982 से 1 फरवरी 1983	सुशील कुमार शिंदे (कांग्रेस) 18 जनवरी 2003 से 30 अक्टूबर 2004
मरोतराव कन्नमवार (कांग्रेस) 20 नवंबर 1962 से 24 नवंबर 1963	वसंतदादा पाटिल (कांग्रेस) 2 फरवरी 1983 से 1 जून 1985	विलासराव देशमुख (कांग्रेस) 1 नवंबर 2004 से 4 दिसंबर 2008
पी.के. सावंत (कांग्रेस) 25 नवंबर 1963 से 4 दिसंबर 1963	शिवाजीराव निलंगेकर (कांग्रेस) 3 जून 1985 से 6 मार्च 1986	अशोक चव्हाण (कांग्रेस) 8 दिसंबर 2008 से 15 अक्टूबर 2009 7 नवंबर 2009 से 9 नवंबर 2010
वसंतराव नाईक (कांग्रेस) 5 दिसंबर 1963 से 1 मार्च 1967 1 मार्च 1967 से 13 मार्च 1972 13 मार्च 1972 से 20 फरवरी 1975	शंकरराव चव्हाण (कांग्रेस) 12 मार्च 1986 से 26 जून 1988	पृथ्वीराज चव्हाण (कांग्रेस) 11 नवंबर 2010 से 26 सितंबर 2014
शंकरराव चव्हाण (कांग्रेस) 21 फरवरी 1975 से 16 अप्रैल 1977	शरद पवार (कांग्रेस) 26 जून 1988 से 25 जून 1991	राष्ट्रपति शासन 28 सितंबर 2014 से 31 अक्टूबर 2014
वसंतदादा पाटिल (कांग्रेस) 17 अप्रैल 1977 से 2 मार्च 1978 7 मार्च 1978 से 18 जुलाई 1978	सुधाकरराव नाईक (कांग्रेस) 25 जून 1991 से 22 फरवरी 1993	देवेंद्र फडणवीस (बीजेपी) 31 अक्टूबर 2014 से 12 नवंबर 2019
शरद पवार (पीडीएफ) 18 जुलाई 1978 से 17 फरवरी 1980	शरद पवार (कांग्रेस) 6 मार्च 1993 से 14 मार्च 1995	राष्ट्रपति शासन 12 नवंबर 2019 से 23 नवंबर 2019
राष्ट्रपति शासन 17 फरवरी 1980 से 8 जून 1980	मनोहर जोशी (शिव सेना) 14 मार्च 1995 से 31 जनवरी 1999	देवेंद्र फडणवीस (बीजेपी) 23 नवंबर 2019 से 26 नवंबर 2019
अब्दुल रहमान अंतुले (कांग्रेस) 9 जून 1980 से 12 जनवरी 1982	नारायण राणे (शिव सेना) 1 फरवरी 1999 से 17 अक्टूबर 1999	उद्धव ठाकरे (शिवसेना) 28 नवंबर 2019 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली
	विलासराव देशमुख (कांग्रेस) 18 अक्टूबर 1999 से 16 जनवरी 2003	

KBK Infographics — स्रोत: cmo.maharashtra.gov.in

IMAGINE KING

भारत का 50वाँ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव

आयोजन तिथियाँ एवं स्थल–20-28 नवम्बर, 2019 गोवा
महोत्सव की उद्घाटन फिल्म–इटली की फिल्म डिस्पाइट द फॉग (निर्देशक गोरान पास्कलजेविक)
महोत्सव की समापन फिल्म–मर्धे एण्ड हर मदर (निर्देशक–मोहसेन मखमलबाफ)
फोकस कंट्री–रूस
अन्तर्राष्ट्रीय ज्यूरी के अध्यक्ष–जॉन बैली (अमरीका)
फिल्म-पुरस्कार के साथ दी जाने वाली ट्रॉफी–स्वर्ण/रजत मयूर

महोत्सव के पुरस्कार

पुरस्कार	पुरस्कार राशि (₹ में)
सर्वश्रेष्ठ फिल्म (स्वर्ण मयूर)–पार्टिकल्स (निर्देशक–ब्लेज़ हैरिसन)	40,00,000
सर्वश्रेष्ठ निर्देशक–लिजो जोस पैलिसेरी (मलयालम फिल्म जल्लीकट्टू हेतु)	15,00,000
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता–सियु जोर्ग (फिल्म मेरीघेल्ला में भूमिका हेतु)	10,00,000
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री–उषा जाधव (मराठी फिल्म माई घाट : क्राइम नम्बर 103/2005 में भूमिका हेतु)	10,00,000
ज्यूरी का विशेष पुरस्कार–तिब्बती फिल्म बैलून (निर्देशक पेमात्सेदन)	15,00,000
किसी निर्देशक की पहली ही सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार (Best Debut Film of a Director)–अबू लीला (निर्देशक–अमीन सीदी बूमेडीन) तथा मॉस्टर्स (निर्देशक मेरियस ओल्टीनू)	10,00,000
ICFT–UNESCO गांधी पदक–इटली की फिल्म रवांडा (निर्देशक रिकार्डो साल्वेत्ती)	10,00,000
सिनेमा में जीवनपर्यंत योगदान के लिए पुरस्कार (Award for Lifetime Achievement)–फ्रांसीसी अभिनेत्री इजाबेल ह्प्पर्ट	10,00,000
आइकन ऑफ द गोल्डन जुबली अवार्ड	रजनीकांत

के चलते चुनावोपरान्त यह गठबन्धन टूट गया तथा 56 सीटों वाली शिव सेना द्वारा 54 सीटों वाली राकांपा व 44 सीटों वाली कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाने के प्रयास किए गए. इसी बीच 12 नवम्बर, 2019 को राष्ट्रपति शासन भी वहाँ लगाया गया तथा राष्ट्रपति शासन के दौरान भी राकांपा व कांग्रेस के साथ गठबंधन के प्रयास शिव सेना द्वारा किए जाते रहे. इसी बीच राकांपा विधायक दल के नेता श्री अजित पवार को साथ लेकर बहुमत का दावा भाजपा के देवेन्द्र फड़नवीस ने किया तथा उन्हें ही मुख्यमंत्री पद की शपथ राज्यपाल कोश्यारी ने 23 नवम्बर को ग्रहण कराई, जिसमें अजित पवार को उपमुख्यमंत्री बनाया गया. विधान सभा में 27 नवम्बर को फ्लोर टेस्ट कराने के सर्वोच्च न्यायालय के 26 नवम्बर के आदेश के बाद पहले अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद से व उसके कुछ घण्टे बाद देवेन्द्र फड़नवीस ने मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र 26 नवम्बर को दे दिया. **इस प्रकार अपने इस दूसरे कार्यकाल में केवल 80 घण्टे तक ही मुख्यमंत्री वह रहे.**

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली गठबन्धन सरकार ने विधान सभा में अपना बहुमत 30 नवम्बर, 2019 को साबित कर दिया है. भाजपा के 105 सदस्यों के सदन से बहिर्गमन के पश्चात् सरकार के विश्वास मत के समर्थन में 169 मत पड़े, जो बहुमत के आँकड़े (145) से 24 अधिक है.

मेघालय में सक्रिय उग्रवादी संगठन एचएनएलसी पर प्रतिबन्ध

मेघालय में सक्रिय उग्रवादी संगठन हिनीवट्रेप नेशनल लिबरेशन काउंसिल (Hynniewtrep National Liberation Council–HNLC) को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में लिप्त मानते हुए सरकार ने इसे अवैध गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम [Unlawful Activities (Prevention) Act], 1967 के तहत् प्रतिबन्धित संगठन नवम्बर 2019 में घोषित किया है. इसकी गतिविधियों को राष्ट्र की एकता व अखंडता के लिए घातक मानते हुए इसके विरुद्ध यह प्रतिबन्ध गृह मंत्रालय ने आरोपित किया है. मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि नागरिकों को धमकियाँ देकर उनसे अवैध वसूली करने, अन्य विद्रोही गुटों से सम्बन्ध बनाने आदि के अतिरिक्त प्रशिक्षण आदि के लिए बांग्लादेश में इसके द्वारा कैम्प स्थापित करने के मामले हाल ही के वर्षों में सामने आए हैं.

पीएसएलवी-सी 47 के जरिए स्वदेशी कार्टोसैट-3 व अमरीका के 13 छोटे उपग्रहों का प्रक्षेपण

जुलाई 2019 में चन्द्रयान-II के प्रक्षेपण के पश्चात् भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन (Indian Space Research Organisation–ISRO) ने एक स्वदेशी

ENGLISH
by
Mrs.Annie
Incomparable in English Language Teaching
UPSC
PCS
SSC
Batch Starts Every Month
PO
CDS
JUDICIARY
ASCENT STUDY CIRCLE PVT. LTD.
202, A-40/41, Ansal Building (Near UCO Bank), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-9 | 011-27654594

पीएसएलवी की उड़ानें व उनके द्वारा प्रक्षेपित उपग्रह

पीएसएलवी–डी 1	20 सितम्बर, 1993	आईआरएस–1 ई के प्रक्षेपण का प्रयास **विफल**
पीएसएलवी–डी 2	15 अक्टूबर, 1994	आईआरएस पी–2
पीएसएलवी–डी 3	21 मार्च, 1996	आईआरएस पी–3
पीएसएलवी–सी 1	29 सितम्बर, 1997	आईआरएस–1डी
पीएसएलवी–सी 2	26 मई, 1999	आईआरएस–पी4 (ओशनसैट–1) के साथ जर्मनी का डीएलआर टुबसैट व दक्षिण कोरिया का किटसैट–3
पीएसएलवी–सी 3	22 अक्टूबर, 2001	प्रौद्योगिकी परीक्षण उपग्रह (TES) के साथ बेल्जियम का **प्रोबा** व जर्मनी का **बर्ड**
पीएसएलवी–सी 4	12 सितम्बर, 2002	मौसम सम्बन्धी उपग्रह **मैटसैट** का भूस्थैतिक कक्षा में प्रक्षेपण मैटसैट का नामकरण बाद में कल्पना–1 किया गया.
पीएसएलवी–सी 5	17 अक्टूबर, 2003	आईआरएस-पी 6 (रिसोर्स सैट)
पीएसएलवी–सी 6	5 मई, 2005	कार्टोसैट–1 के साथ छोटा उपग्रह हैमसैट
पीएसएलवी–सी 7	10 जनवरी, 2007	कार्टोसैट–2 के साथ 3 विदेशी उपग्रह, एसआरई–1 (Space Capsule Recovery Experiment) का भी परीक्षण
पीएसएलवी–सी 8	23 अप्रैल, 2007	इटली के **'एजाइल'** के साथ **'इसरो'** का छोटा एडवांस्ड एवियोनिक्स मॉड्यूल
पीएसएलवी–सी 10	21 जनवरी, 2008	इजराइल के **टेकसार**
पीएसएलवी–सी 9	28 अप्रैल, 2008	**कार्टोसैट–2ए** के साथ इंडियन मिनी सैटेलाइट (IMS–1) व 8 अन्य विदेशी नैनो सैटेलाइट
पीएसएलवी–सी 11	22 अक्टूबर, 2008	चन्द्रयान–1
पीएसएलवी–सी 12	20 अप्रैल, 2009	**रिसैट–2** के साथ अनुसैट
पीएसएलवी–सी 14	23 सितम्बर, 2009	**ओशनसैट–2** के साथ 6 विदेशी नैनो सैटेलाइट
पीएसएलवी–सी 15	12 जुलाई, 2010	**कार्टोसैट–2बी** के साथ 4 छोटे उपग्रह
पीएसएलवी–सी 16	20 अप्रैल, 2011	**रिसोर्ससैट–2** के साथ दो छोटे उपग्रह एक्स सैट व यूथ सैट
पीएसएलवी–सी 17	15 जुलाई, 2011	संचार उपग्रह **जीसैट–12** का भूसमस्थानिक स्थानांतरण कक्षा में प्रक्षेपण
पीएसएलवी–सी 18	12 अक्टूबर, 2011	भारत-फ्रांस के संयुक्त **मेघा ट्रॉपिक्स** के साथ तीन छोटे उपग्रह **वीसेलसैट** (लक्जेमबर्ग), जुगनू (आईआईटी कानपुर) व SRM Sat (एसआरएम यूनिवर्सिटी)
पीएसएलवी–सी 19	26 अप्रैल, 2012	स्वदेशी रडार इमेजिंग सैटेलाइट (रीसैट–1)
पीएसएलवी–सी 21	9 सितम्बर, 2012	फ्रांस का **स्पॉट-6** व जापान का माइक्रो सैटेलाइट **प्रोइटेरेस** (इसरो का 100वाँ मिशन)
पीएसएलवी–सी 20	25 फरवरी, 2013	भारत-फ्रांस का संयुक्त **'सरल'** व 6 अन्य लघु एवं सूक्ष्म विदेशी उपग्रह
पीएसएलवी–सी 22	1 जुलाई, 2013	नेवीगेशनल सैटेलाइट **आईआरएनएसएस-1 ए**
पीएसएलवी–सी 25	5 नवम्बर, 2013	मंगल की कक्षा हेतु **मंगलयान** (Mars Orbiter Mission)
पीएसएलवी–सी 24	4 अप्रैल, 2014	नेवीगेशनल सैटेलाइट **आईआरएनएसएस-1बी**
पीएसएलवी–सी 23	30 जून, 2014	फ्रांस का **स्पॉट-7** तथा जर्मनी, कनाडा व सिंगापुर का एक-एक उपग्रह
पीएसएलवी-सी 26	16 अक्टूबर, 2014	नेवीगेशनल **सैटेलाइट** आईआरएनएसएस-1सी
पीएसएलवी-सी 27	28 मार्च, 2015	नेवीगेशनल **सैटेलाइट** आईआरएनएसएस-1डी
पीएसएलवी-सी 28	10 जुलाई, 2015	ब्रिटेन के पाँच उपग्रह
पीएसएलवी-सी 30	28 सितम्बर, 2015	एस्ट्रोसैट तथा अमरीका के 4 नैनो सैटेलाइट्स व इंडोनेशिया का एक माइक्रो सैटेलाइट
पीएसएलवी-सी 29	16 दिसम्बर, 2015	सिंगापुर के 6 उपग्रह
पीएसएलवी-सी 31	20 जनवरी, 2016	आईआरएनएसएस-1ई
पीएसएलवी-सी 32	10 मार्च, 2016	आईआरएनएसएस-1एफ
पीएसएलवी-सी 33	28 अप्रैल, 2016	आईआरएनएसएस-1जी
पीएसएलवी-सी 34	22 जून, 2016	मानचित्रण उपग्रह कार्टोसैट-2 सहित कुल 20 उपग्रहों का प्रक्षेपण (इनमें 17 विदेशी)
पीएसएलवी-सी 35	26 सितम्बर, 2016	मौसम उपग्रह स्कैटसैट-1 व 7 अन्य उपग्रहों का दो अलग-अलग कक्षाओं में प्रक्षेपण (इनमें पाँच विदेशी उपग्रह शामिल)
पीएसएलवी-सी 36	7 दिसम्बर, 2016	दूरसंवेदी उपग्रह रिसोर्स सैट-2ए.
पीएसएलवी-सी 37	**15 फरवरी, 2017**	मानचित्रण उपग्रह कार्टोसैट-2ए **सहित रिकॉर्ड 104 उपग्रहों का प्रक्षेपण (इनमें 101 विदेशी उपग्रह)**
पीएसएलवी-सी 38	23 जून, 2017	कार्टोसैट-2 सहित 15 देशों के 31 उपग्रहों का एक साथ प्रक्षेपण
पीएसएलवी-सी 39	31 अगस्त, 2017	नेवीगेशन सैटेलाइट आईआरएनएसएस-1एच के प्रक्षेपण का मिशन विफल
पीएसएलवी-सी 40	12 जनवरी, 2018	**कार्टोसैट-2** सहित 31 उपग्रहों (जिनमें 28 विदेशी) का एक साथ प्रक्षेपण
पीएसएलवी-सी 41	12 अप्रैल, 2018	नैविगेशन सैटेलाइट आई ओएनएसएस–1 आई
पीएसएलवी-सी 42	16 सितम्बर, 2018	दो ब्रिटिश उपग्रह नोवासार व ए 1–4 (इसरो की पूर्णतः व्यावसायिक उड़ान)
पीएसएलवी-सी 43	29 नवम्बर, 2018	अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट **हाइसिस** व 30 अन्य छोटे उपग्रह
पीएसएलवी-सी 44	24 जनवरी, 2019	**माइक्रोसैट आर** व कलामसैट बी2
पीएसएलवी-सी 45	1 अप्रैल, 2019	**एमिसैट** व 28 छोटे विदेशी उपग्रह
पीएसएलवी-सी 46	22 मई, 2019	**रिसैट-2बी**
पीएसएलवी-सी 47	27 नवम्बर, 2019	**कार्टोसैट-3** व अमरीका के 13 नैनो उपग्रह

लेह में राष्ट्रीय सोवा-रिगपा संस्थान की स्थापना की योजना

*लद्दाख की स्थानीय संस्कृति व वहाँ की सोवा-रिगपा औषधि प्रणाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लेह में **राष्ट्रीय सोवा-रिगपा संस्थान** (National Institute of Sowa Rigpa–NISR) की स्थापना की सरकार की योजना है. आयुष मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्तशास्त्री संस्थान के रूप में इसकी स्थापना के प्रस्ताव को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की 20 नवम्बर, 2019 की बैठक में मंजूरी प्रदान की गई है. यह संस्थान न केवल भारत, बल्कि अन्य देशों के सोवा-रिगपा के छात्रों को अवसर प्रदान करेगा. इसकी लागत ₹47·25 करोड़ अनुमानित की गई है.*

सोवा-रिगपा (Sowa-Rigpa) हिमालय पट्टी की एक पारम्परिक औषधि प्रणाली है. यह प्रणाली सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, दार्जिलिंग (प. बंगाल) व हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ केन्द्रशासित प्रदेश लद्दाख व अब पूरे भारत में लोकप्रिय है.

अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट कार्टोसैट-3 (Cartosat-3) का प्रक्षेपण आन्ध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अन्तरिक्ष केन्द्र से 27 नवम्बर, 2019 को किया. कार्टोसैट श्रृंखला का यह नौवाँ उपग्रह है. इसरो के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (Polar Satellite Launch Vehicle–PSLV)-सी 47 के जरिए किए गए इस प्रक्षेपण के तहत् अमरीका के 13 अन्य नैनो उपग्रहों का प्रक्षेपण भी किया गया. अमरीकी उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए अन्तरिक्ष विभाग की वाणिज्यिक कम्पनी न्यू स्पेस इंडिया लि. के साथ वाणिज्यिक अनुबन्ध अमरीका द्वारा किया गया था. पीएसएलवी की यह 49वीं उड़ान इसके XL संस्करण की 21वीं उड़ान थी.

पीएसएलवी-सी 47 के जरिए प्रक्षेपित **कार्टोसैट-3** तीसरी पीढ़ी का उच्च रिजॉल्यूशन वाला उपग्रह है, जो पृथ्वी पर एक फुट से भी छोटी चीजों की निगरानी कर सकेगा. शहरी नियोजन, ग्रामीण क्षेत्रों में ढाँचागत विकास व संसाधनों की मैपिंग तथा तटवर्ती क्षेत्रों में भू-उपयोग आदि में सहायक होने के साथ दुश्मन देशों की चप्पे-चप्पे की गतिविधियों की निगरानी में भी यह सहायक होगा. इसे 509 किमी की ऊँचाई पर सन सिंक्रोनस ऑर्बिट' में स्थापित किया गया है. 1625 किग्रा वजन वाले इस उपग्रह का जीवनकाल 5 वर्ष अनुमानित है.

MAGAZINE KING

2018 में देश में सड़क दुर्घटनाओं के सम्बन्ध में सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट

वर्ष 2018 के दौरान देश में हुई सड़क दुर्घटनाओं व उनके परिणामस्वरूप हुई मौतों के सम्बन्ध में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (Ministry of Road Transport and Highways) ने अपनी रिपोर्ट नवम्बर 2019 में जारी की, 'भारत में सड़क दुर्घटनाएं–2018' शीर्षक से जारी इस रिपोर्ट में बताया गया है कि–

- *वर्ष 2018 के दौरान देश में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में 0·46 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई है. 2017 में देश में सड़क दुर्घटनाओं की कुल संख्या 4,64,910 थी, जो बढ़कर 2018 में 4,67,044 रही है.*
- *सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतों की संख्या में 2·37 प्रतिशत की वृद्धि 2018 में हुई. रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की कुल संख्या 2017 में 1,47,913 थी, जो 2018 में 1,51,471 रही है. सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की संख्या में 2017 की तुलना में 2018 में 0·33 प्रतिशत की कमी आई.*
- *रिपोर्ट में बताया गया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग देश के कुल सड़क नेटवर्क का 1·94 प्रतिशत है. इसके बावजूद 2018 में कुल सड़क दुर्घटनाओं की 30·2 प्रतिशत दुर्घटनाएं राष्ट्रीय राजमार्गों पर हुईं, जबकि इन राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या सड़क दुर्घटना की कुल मौतों का 35·7 प्रतिशत रही.*
- *देश में राजमार्ग (State Highways) कुल सड़क नेटवर्क का 2·97 प्रतिशत हैं. इसके बावजूद इन राजमार्गों पर 2018 में हुई दुर्घटनाएं कुल सड़क दुर्घटनाओं का 25·2 प्रतिशत रहीं, जबकि राज्य राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतों की संख्या ऐसी दुर्घटनाओं में हुई कुल मौतों का 26·8 प्रतिशत रही.*
- *अन्य सड़कें जो देश के कुल सड़क नेटवर्क का 95·1 प्रतिशत हैं, में 2018 में हुई दुर्घटनाएं पूरे वर्ष में हुई सड़क दुर्घटनाओं का 45 प्रतिशत थीं तथा इन दुर्घटनाओं में हुई मौतों की संख्या वर्ष के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में हुई कुल मौतों का 38 प्रतिशत थी.*
- *2018 के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में हुई कुल मौतों में 15 प्रतिशत मौतें पैदल चलने वालों की, 2·4 प्रतिशत मौतें साइकिल सवारों की तथा 36·5 प्रतिशत दो पहिया वाहन चालकों की हुईं. इस प्रकार सड़क दुर्घटना में हुई कुल मौतों में 53·9 प्रतिशत मौतें इन श्रेणियों में हुईं.*
- *2018 के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में 69·6 प्रतिशत 18-45 वर्ष आयु वर्ग के थे. 18-60 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे शिकारों की संख्या कुल मौतों का 84·7 प्रतिशत थी.*
- ***2018 के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में 86 प्रतिशत पुरुष व 14 प्रतिशत महिलाएं थीं.***
- ***रिपोर्ट के अनुसार 2018 में सर्वाधिक सड़क दुर्घटनाएं तमिलनाडु में हुईं जबकि सड़क दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप हुई मौतों की सर्वाधिक संख्या उत्तर प्रदेश में रही. इन मामलों में यही स्थिति 2017 में भी रही थी.***

2018 के दौरान विभिन्न राज्यों में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या

क्र.	राज्य	सड़क दुर्घटनाओं की संख्या
1.	तमिलनाडु	63,920
2.	मध्य प्रदेश	51,397
3.	उत्तर प्रदेश	42,568
4.	महाराष्ट्र	35,717
5.	प. बंगाल	12,705
6.	हरियाणा	11,238
7.	बिहार	9,600
8.	दिल्ली	6,515
9.	पंजाब	6,428
10.	हिमाचल प्रदेश	3,110

2018 में सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतों की संख्या

देश में स्थान	राज्य	मौतों की संख्या
1	उत्तर प्रदेश	22,256
2	महाराष्ट्र	13,261
5	मध्य प्रदेश	10,706
9	बिहार	6,729
11	प. बंगाल	5,769
13	हरियाणा	5,118
14	पंजाब	4,740
19	दिल्ली	1,690
20	हिमाचल प्रदेश	1,208

MAGAZINE KING

जालियाँवाला बाग ट्रस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष की स्थायी सदस्यता का प्रावधान समाप्त : संशोधन विधेयक संसद में पारित

संसद के उच्च सदन (राज्य सभा) ने जालियाँवाला बाग के न्यास प्रबन्धन से सम्बन्धित जालियाँवाला बाग (संशोधन) विधेयक, 2019 को 19 नवम्बर, 2019 को पारित किया है. लोक सभा में पहले ही 2 अगस्त, 2019 को पारित इस संशोधन विधेयक में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष को इस ट्रस्ट का स्थायी सदस्य रहने से सम्बन्धित प्रावधान को हटाकर इस ट्रस्ट को अराजनीतिक बनाने का प्रयास किया गया है. **इस प्रकार इसके अधिनियमित होने से कांग्रेस अध्यक्ष के इस ट्रस्ट का पदेन सदस्य होने का अधिकार समाप्त हो जाएगा तथा उसके स्थान पर लोक सभा में विपक्ष के नेता या सबसे बड़े दल के नेता को यह अधिकार दिया गया है.** इसके अतिरिक्त ट्रस्ट के किसी नामित सदस्य को उसका पाँच वर्षीय कार्यकाल पूरा होने से पूर्व ही हटा सकने का अधिकार संशोधित अधिनियम के तहत् सरकार को प्रदान किया गया है.

राज्य सभा में इस विधेयक पर चर्चा के दौरान केन्द्रीय संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री स्वतन्त्र प्रभार ने कहा कि इस वर्ष जालियाँवाला बाग नरसंहार की 100वीं बरसी है और इस घटना के 100 वर्ष बीत जाने के पश्चात् यह आवश्यक है कि जालियाँवाला बाग राष्ट्रीय स्मारक को सही मायने में राष्ट्रीय स्मारक बनाया जाए. उन्होंने कहा कि उपर्युक्त संशोधन इस स्मारक को सही मायने में राष्ट्रीय स्मारक बनाएंगे.

संक्षिप्तकी

सेना के आतंकरोधी दस्तों व सुरक्षा बलों के लिए रोबोटिक यूनिट्स की तैयारी

बदलते परिवेश की आवश्यकताओं के अनुरूप भारतीय सेना को अत्याधुनिक बनाने के प्रयास के तहत् रोबोटिक्स सर्विलांस यूनिट की खरीद रक्षा मंत्रालय द्वारा की जा रही है. यह रोबोट आतंक प्रभावित क्षेत्रों में सेना की आतंकरोधी यूनिट्स व सुरक्षा बलों के लिए सहायक सिद्ध होंगे. शुरू में इन रोबोट्स को कश्मीर में सेना की मदद के लिए सौंपा जाएगा. यह रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में घुसकर न केवल उनकी सही स्थिति बताएंगे बल्कि उन्हें तबाह करने में भी सहायक होंगे.

●●●

अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

- मॉरिशस में आम चुनाव : प्रविंद जगन्नाथ प्रधानमंत्री पुनर्निर्वाचित
- आसियान का 35वाँ शिखर सम्मेलन 14वाँ पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन व अन्य सम्बन्धित बैठकें थाइलैण्ड में सम्पन्न
- 'ब्रिक्स का 11वाँ शिखर सम्मेलन ब्राजीलिया में सम्पन्न
- चिली में आंतरिक जन-विद्रोह के चलते एपेक का 31वाँ शिखर सम्मेलन रद्द
- प्रिंस ऑफ वेल्स प्रिंस चार्ल्स की भारत यात्रा
- पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के छोटे भाई गोटबाया राजपक्षे श्रीलंका में नए राष्ट्रपति निर्वाचित : महिंदा राजपक्षे प्रधानमंत्री बनाए गए
- विरोधियों की हत्या के 37 वर्ष पुराने मामले में सूरीनाम के राष्ट्रपति बोउटर्सी को 20 वर्ष के कारावास की सजा अदालत ने सुनाई
- जापान में सर्वाधिक समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड अब शिंजो आबे के नाम हुआ
- श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे की भारत यात्रा

मॉरिशस में आम चुनाव : प्रविंद जगन्नाथ प्रधानमंत्री पुनर्निर्वाचित

हिन्द महासागर में स्थित द्वीपीय राष्ट्र मॉरिशस (Mauritius) में 7 नवम्बर, 2019 को सम्पन्न संसदीय चुनाव में निवर्तमान प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ (Pravind Juganauth) के नेतृत्व वाले गठबंधन को भारी सफलता मिली है, जिससे पाँच वर्ष के कार्यकाल हेतु वह पुनः प्रधानमंत्री बने हैं. 12 नवम्बर, 2019 को पोर्ट लुइस (Port Louis) स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में इस नए कार्यकाल हेतु प्रधानमंत्री पद की शपथ उन्होंने ग्रहण की है.

57 वर्षीय प्रविंद जगन्नाथ ने जनवरी 2017 में अपने पिता अनिरुद्ध जगन्नाथ के त्यागपत्र के पश्चात् प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार सँभाला था (अनिरुद्ध जगन्नाथ 2014 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री निर्वाचित हुए थे) तथा अब नवम्बर 2019 में सम्पन्न चुनाव में उनके नेतृत्व वाले गठबंधन मिलिटेंट सोशलिस्ट मूवमेंट (MSM) ने संसद की 62 में से 38 सीटें जीतकर सत्ता पर कब्जा बरकरार रखा है. दूसरे स्थान पर लेबर पार्टी ने 14 तथा तीसरे स्थान पर मॉरीशियन मिलिटेंट मूवमेंट ने 8 सीटें इस चुनाव में प्राप्त की हैं शेष 2 सीटें रॉड्रिग्ज़ पीपुल्स ऑर्गेनाइजेशन को मिली हैं. इन परिणामों के चलते 57 वर्षीय प्रविंद नाथ ने ही पाँच वर्ष के नए कार्यकाल हेतु प्रधानमंत्री पद की शपथ 12 नवम्बर को ग्रहण की है.

- *अफ्रीकी राष्ट्र मॉरिशस को 1968 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी तथा अफ्रीकी महाद्वीप में सर्वाधिक स्थिरता वाले लोकतंत्रों में अपनी पहचान इसने बनाई हुई है.*
- *लगभग 13 लाख जनसंख्या वाले इस देश में धन का निष्पक्ष वितरण नवम्बर 2019 के चुनावों में मुख्य मुद्दा था तथा इस दिशा में कदम उठाते हुए न्यूनतम मजदूरी की व्यवस्था प्रधानमंत्री प्रविंद ने पहले ही कर दी थी.*

आसियान का 35वाँ शिखर सम्मेलन, 14वाँ पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन व अन्य सम्बन्धित बैठकें थाइलैण्ड में सम्पन्न

दक्षिण पूर्व एशिया के 10 देशों के समूह आसियान (ASEAN—Association of South East Asian Nations) का 35वाँ शिखर सम्मेलन व उससे सम्बन्धित विभिन्न अन्य बैठकें थाइलैण्ड में बैंकॉक में 31 अक्टूबर-4 नवम्बर, 2019 को सम्पन्न हुईं. शिखर सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन 3 नवम्बर, 2019 को हुआ. 14वाँ पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन (East Asia Summit), **क्षेत्रीय समग्र आर्थिक साझेदारी** (Regional Comprehensive Economic Partnership—RCEP) **हेतु तीसरी शिखर बैठक** तथा भारत सहित कुछ अन्य देशों के साथ 'आसियान' की शिखर बैठकें तथा **आसियान +3** बैठक (चीन, दक्षिण कोरिया व जापान के साथ आसियान की शिखर बैठक) आदि इन अन्य बैठकों में शामिल थे. थाइलैण्ड के प्रधानमंत्री प्रयुत चान-ओ-चा (Prayut Chan-o-Cha) की मेजबानी में सम्पन्न आसियान शिखर सम्मेलन का थीम **स्थिरता के लिए भागीदारी को आगे बढ़ाना** (Advancing Partnership for Sustainability) था तथा बहुपक्षवाद (Multilateralism) व कनेक्टिविटी पर विशेष फोकस इसकी विभिन्न चर्चाओं में किया गया.

3 नवम्बर को उद्घाटन समारोह में अपने सम्बोधन में मेजबान प्रधानमंत्री प्रयुत चान-ओ-चा ने सम्पन्न एवं सतत् क्षेत्र (Prosperous and sustainable region) के निर्माण के लिए विश्व व्यापार संगठन के दायरे के तहत् बहुपक्षीय व्यापार के लिए क्षेत्रीय सहयोग संवर्द्धन पर बल दिया. व्यापार एवं निवेश के साथ-साथ आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय समग्र आर्थिक साझेदारी (RCEP) सम्बन्धी वार्ताओं को इस वर्ष के अन्त तक पूरा करने का आह्वान मेजबान प्रधानमंत्री ने किया.

आसियान शिखर सम्मेलन से ही सम्बद्ध (14वें) **पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन** (East Asia Summit) का आयोजन बैंकॉक में 4 नवम्बर को हुआ. आसियान के 10 सदस्यों के अतिरिक्त आठ अन्य देश (आस्ट्रेलिया, चीन, जापान, भारत, न्यूजीलैण्ड, रूस, दक्षिण कोरिया व अमरीका) इसमें भागीदार रहते हैं. थाइलैण्ड के प्रधानमंत्री प्रयुत चान-ओ-चा की ही मेजबानी में सम्पन्न एक दिन के सम्मेलन में आसियान राष्ट्रों के शासन प्रमुखों के अतिरिक्त आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन (Scott Morrison), चीनी प्रधानमंत्री ली केकियांग (Li Keqiang), जापान के प्रधानमंत्री शिंजो एबे (Shinzo Abe), न्यूजीलैण्ड की प्रधानमंत्री जैसिंडा आर्डेन (Jacinda Arden),

आसियान के साथ भारत की शिखर बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी.

MAGAZINE KING

रूसी प्रधानमंत्री दमित्री मेदवेदेव (Dmitry Medvedev), दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन (Moon Jae In) व भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी ने इस सम्मेलन में भाग लिया. सम्मेलन में अमरीका का प्रतिनिधित्व वहाँ के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओ ब्रिएन (Robert O'Brien) ने किया. अमरीका के वाणिज्य मंत्री विल्बर रॉस (Wilbur Ross) भी सम्मेलन में अमरीकी प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे. आपसी सम्बन्धों को गहन बनाने व साझा चुनौतियों से निपटने पर चर्चा इस सम्मेलन में की गई. एशिया प्रशान्त क्षेत्र में सम्पन्नता एवं सुरक्षा के विस्तार के लिए व्यापार एवं निवेश पर विशेष फोकस का आह्वान प्रधानमंत्री मोदी ने इस सम्मेलन में किया. विश्व के समक्ष विद्यमान समस्याओं व चुनौतियों को चिह्नित करते हुए इनके संयुक्त समाधान के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान भारतीय प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस सम्मेलन में किया.

ईस्ट एशिया समिट डेवलपमेंट इनीशिएटिव पर नॉम पेन्ह घोषणा-पत्र (Phnom Penh Declaration on EAS Development Initiative) के सम्बन्ध में **मनीला कार्ययोजना** के सम्बन्ध में प्रगति पर चर्चा पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हुई. कनेक्टिविटी के महत्व एवं आवश्यकता को स्वीकारते हुए आसियान कनेक्टिविटी के मास्टर प्लान (MPAC) 2025 के कार्यान्वयन में तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया गया. समुद्री सहयोग (Maritime co-operation) के विस्तार पर भी बल सम्मेलन में दिया गया. EAC के भागीदार देशों में व्यापार निवेश एवं अन्य आर्थिक सहयोग पर संतोष व्यक्त करते हुए इस दिशा में आगे के प्रयासों के लिए चर्चा इस सम्मेलन में हुई. अवैध दवाओं के व्यापार, सीमापारीय अपराधों व सतत् विकास के लिए आपसी सहयोग पर तीन घोषणा-पत्र सम्मेलन में स्वीकार किए गए.

पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन

क्र.	तिथि	आयोजन स्थल
1.	14 दिसम्बर, 2005	कुआलालम्पुर (मलेशिया)
2.	15 जनवरी, 2007	सेबू सिटी (फिलीपींस)
3.	21 नवम्बर, 2007	सिंगापुर (सिंगापुर)
4.	25 अक्टूबर, 2009	चा आम व हुआ हिन (थाइलैण्ड)
5.	30 अक्टूबर, 2010	हनोई (वियतनाम)
6.	19 नवम्बर, 2011	बाली (इण्डोनेशिया)
7.	20 नवम्बर, 2012	नोमपेन्ह (कम्बोडिया)
8.	10 अक्टूबर, 2013	बांदर सेरी बागवान (ब्रूनेई)
9.	13 नवम्बर, 2014	ने पी तॉ (म्यांमार)
10.	22 नवम्बर, 2015	कुआलालम्पुर (मलेशिया)
11.	8 सितम्बर, 2016	वियनतियाने (लाओस)
12.	13-14 नवम्बर, 2017	मनीला (फिलीपींस)
13.	15 नवम्बर, 2018	सिंगापुर
14.	4 नवम्बर, 2019	बैंकॉक (थाइलैण्ड)
15.	अक्टूबर/नवम्बर 2020	वियतनाम (प्रस्तावित)

पूर्वी एशियाई सम्मेलन के भागीदार राष्ट्र
(आसियान के 10 सदस्य व 8 अन्य राष्ट्र)

आसियान सदस्य–ब्रूनेई, कम्बोडिया, इण्डोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाइलैण्ड एवं वियतनाम.

अन्य 8 सदस्य–आस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, न्यूजीलैण्ड, रूस, द. कोरिया व अमरीका.

रूस व अमरीका को नवम्बर 2011 में छठे पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन में ही इसमें शामिल किया गया था.

आसियान के साथ भारत की 16वीं शिखर बैठक में उपस्थित शासन प्रमुख.

3 नवम्बर को ही आसियान नेताओं के साथ भारत की अनौपचारिक शिखर बैठक बैंकॉक में सम्पन्न हुई. आसियान शिखर सम्मेलन के साथ ही होने वाली यह 16वीं शिखर बैठक थी, जिसमें आसियान के सभी शासन प्रमुखों व भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भाग लिया. आसियान व भारत के बीच सहयोग पर चर्चा विशेषत: इस बैठक में हुई. इस सहयोग पर बल देते हुए श्री मोदी ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारत और इस समूह के 10 राष्ट्रों के बीच जमीन, वायु व समुद्री सम्पर्क बढ़ाने से क्षेत्रीय व्यापार और आर्थिक विकास को काफी बढावा मिलेगा. समुद्री सुरक्षा व ब्ल्यू इकोनॉमी के साथ-साथ कृषि, इंजीनियरिंग, डिजिटल, प्रौद्योगिकी व वैज्ञानिक अनुसंधान आदि क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों की उपलब्धता का उल्लेख करते हुए, इन दिशाओं में आगे बढने की आवश्यकता उन्होंने बताई. हिन्द प्रशांत क्षेत्र में भारत की बढ़ती हुई भूमिका की सराहना आसियान देशों ने इस बैठक में की. दक्षिण चीन सागर पर भी चर्चा बैठक में हुई तथा इस मामले में नियम आधारित व्यवस्था की आवश्यकता पर बल सभी ने दिया. दक्षिणी चीन सागर क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए आसियान देशों के साथ मिलकर करने की तत्परता चीन ने व्यक्त की. आतंकवाद के विरुद्ध मिलकर लड़ने की आवश्यकता पर चर्चा

14वें पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन में उपस्थित नेता.

बैठक में की गई. आतंकवाद को वैश्विक शांति एवं सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बैठक में स्वीकार किया गया.

बैंकॉक में 35वें आसियान-शिखर सम्मेलन के तहत् श्री मोदी का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम **क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी** (Regional Comprehensive Economic Partnership—RCEP) की तीसरी शिखर बैठक में भागीदारी का था. **आसियान के 10 सदस्य राष्ट्रों व उसके वार्ता भागीदार 6 अन्य राष्ट्रों (चीन, भारत, जापान, द. कोरिया, आस्ट्रेलिया व न्यूजीलैण्ड) सहित 16 देशों के बीच होने वाले इस प्रस्तावित समझौते का लक्ष्य विश्व का सबसे बड़ा स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र बनाने का है. इस मामले में भारत के हितों की असुरक्षा को देखते हुए भारत के इस समझौते से बाहर ही रहने की बात श्री मोदी ने कही.** इसके अधिकांश सदस्य देशों के साथ भारत का आयात उसके निर्यात की तुलना में काफी अधिक होने के कारण इस समझौते से भारत के व्यापार घाटे में और अधिक वृद्धि होने की बात कही जाती है, जिनके परिप्रेक्ष्य में अपनी शंकाओं के निराकरण की अपेक्षा भारत ने की है.

बैंकॉक में दो दिन तक चले आसियान शिखर सम्मेलन के तहत् अन्य बैठकों में जापान, अमरीका व चीन के साथ अलग-अलग शिखर बैठकों के अतिरिक्त **आसियान + 3 शिखर बैठक** (चीन, जापान व द. कोरिया) के साथ आसियान की शिखर बैठक भी शामिल थी. 4 नवम्बर, 2019 को सम्मेलन के समापन पर एक वर्ष के लिए इस समूह की अध्यक्षता वियतनाम को सौंप दी गई.

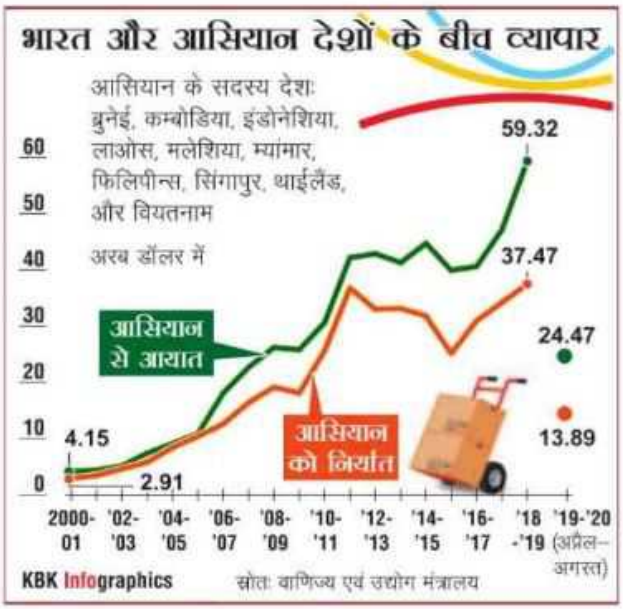

आसियान का आगामी 36वाँ शिखर सम्मेलन वियतनाम की राजधानी हनोई में 2020 को होगा.

दो दिन के बैंकॉक प्रवास के दौरान आसियान की विभिन्न बैठकों में भागीदारी से इतर अनेक नेताओं के साथ अनौपचारिक बैठकें श्री मोदी ने सम्पन्न कीं. इनमें मेजबान प्रधानमंत्री प्रयुत चान-ओ-चा के अतिरिक्त म्यांमार की स्टेट काउंसलर आंग सान सू की (Auag San Suu Kyi), इण्डोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो (Joko Widodo), आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन (Scott Morrison) वियतनाम के प्रधानमंत्री न्गुयेन शुआन फुक (Nguyen Xuan Phuc) व जापान के प्रधानमंत्री शिंजो एबे (Shinzo Abe) शामिल थे. इसके अतिरिक्त भारत मूल के समुदाय को सम्बोधन तथा बैंकॉक में आदित्य बिड़ला समूह की स्वर्ण जयंती के एक कार्यक्रम में भागीदारी के भी इनके कार्यक्रम थे. इन व्यस्त कार्यक्रमों के पश्चात् उनकी स्वदेश वापसी 4 नवम्बर को ही हुई.

आसियान : संक्षिप्त परिचय

- *'आसियान' दक्षिण पूर्व एशिया के 10 राष्ट्रों का एक संगठन है, जिसकी स्थापना 8 अगस्त, 1967 को मूलतः पाँच देशों—इण्डोनेशिया, मलेशिया, फिलीपीन्स, सिंगापुर व थाइलैण्ड द्वारा आसियान घोषणा-पत्र (बैंकॉक घोषणा-पत्र) पर हस्ताक्षर के साथ ही हुई थी. 1984 में ब्रुनेई उसका छठा सदस्य बना. 1995 में वियतनाम, 1997 में लाओस व म्यांमार तथा कम्बोडिया 1999 में इसका सदस्य बना.* ***जिससे इसके सदस्य देशों की संख्या अब 10 है.***
- *One Vision, One Identity, One Community इस समूह का आदर्श वाक्य (motto) है.*

रीजनल कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप
(Regional Comprehensive Economic Partnership—RCEP)

यह आसियान के 10 देशों (इण्डोनेशिया, मलेशिया, ब्रुनेई, कम्बोडिया, म्यांमार, लाओस, फिलीपींस, सिंगापुर, थाइलैण्ड एवं वियतनाम) व एशिया प्रशान्त के 6 अन्य देशों—आस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया व न्यूजीलैण्ड जिनके साथ आसियान के स्वतन्त्र व्यापार समझौते हैं, के बीच प्रस्तावित एक व्यापक स्वतन्त्र व्यापार समझौता है. इसके लिए इन देशों के बीच वार्ता नवम्बर 2012 में आसियान के कम्बोडिया में सम्पन्न शिखर सम्मेलन में शुरू हुई थी तथा वार्ता के अनेक दौर इन वर्षों में सम्पन्न हो चुके हैं. इसके लिए सम्बन्धित देशों की शिखर बैठक भी नवम्बर 2017 में आसियान के 31वें शिखर सम्मेलन के साथ ही, नवम्बर 2018 में सिंगापुर में आसियान के 33वें शिखर सम्मेलन के साथ तथा 4 नवम्बर, 2019 को बैंकॉक में आसियान के 35वें शिखर सम्मेलन के साथ सम्पन्न हुई थी. भारत की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इन तीनों ही शिखर बैठकों में भाग लिया है. भारत के अतिरिक्त अन्य सभी 15 देशों ने इसके फ्रेमवर्क को स्वीकार कर लिया है. भारत आरसीईपी के अधिकांश देशों के साथ भारत का व्यापार संतुलन प्रतिकूल रहने के कारण भारत ने बैंकॉक में स्पष्ट कर दिया है कि भारत की शंकाओं का समाधान नहीं होने पर भारत इस समझौते में शामिल नहीं होगा. ऐसी स्थिति में 15 देश ही इस समझौते पर हस्ताक्षर 2020 में करेंगे.

बैंकॉक में आरसीईपी के तीसरे शिखर सम्मेलन में उपस्थित 16 देशों के शासन प्रमुख (बाएं से छठे स्थान पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं)

MAGBOOK KING

आसियान शिखर सम्मेलन

क्र.	तिथि	स्थल
1.	23-24 फरवरी, 1976	बाली (इंडोनेशिया)
2.	4-5 अगस्त, 1977	कुआलालम्पुर (मलेशिया)
3.	14-15 दिसम्बर, 1987	मनीला (फिलीपींस)
4.	27–29 जनवरी, 1992	सिंगापुर
5.	14-15 दिसम्बर, 1995	बैंकॉक (थाइलैण्ड)
6.	15-16 दिसम्बर, 1998	हनोई (वियतनाम)
7.	5-6 नवम्बर, 2001	बांदर सेरी बेगवान (ब्रूनेई)
8.	4-5 नवम्बर, 2002	नॉमपेन्ह (कम्बोडिया)
9.	7-8 अक्टूबर, 2003	बाली (इंडोनेशिया)
10.	29-30 नवम्बर, 2004	विएंटिएन (लाओस)
11.	12–14 दिसम्बर, 2005	कुआलालम्पुर (मलेशिया)
12.	11–14 जनवरी, 2007	सेबू सिटी (फिलीपींस)
13.	18–22 नवम्बर, 2007	सिंगापुर
14.	27 फरवरी–1 मार्च, 2009 व 10-11 अप्रैल, 2009	चाआम व हुआहिन (पटाया) थाइलैण्ड
15.	23 अक्टूबर, 2009	चाआम व हुआहिन (पटाया) थाइलैण्ड
16.	8-9 अप्रैल, 2010	हनोई (वियतनाम)
17.	28–31 अक्टूबर, 2010	हनोई (वियतनाम)
18.	7-8 मई, 2011	जकार्ता (इंडोनेशिया)
19.	17–19 नवम्बर, 2011	बाली (इंडोनेशिया)
20.	3-4 अप्रैल, 2012	नॉमपेन्ह (कम्बोडिया)
21.	19-20 नवम्बर, 2012	नॉमपेन्ह (कम्बोडिया)
22.	24-25 अप्रैल, 2013	बांदर सेरी बागवान (ब्रूनेई)
23.	9-10 अक्टूबर, 2013	बांदर सेरी बागवान (ब्रूनेई)
24.	10-11 मई, 2014	ने पी तॉ (म्यामार)
25.	12-13 नवम्बर, 2014	ने पी तॉ (म्यामार)
26.	26-27 अप्रैल, 2015	कुआलालम्पुर (मलेशिया)
27.	18–22 नवम्बर, 2015	कुआलालम्पुर (मलेशिया)
28 व 29.	6–8 सितम्बर, 2016	वियनतियाने (लाओस)
30.	28-29 अप्रैल, 2017	मनीला (फिलीपींस)
31.	10–14 नवम्बर, 2017	मनीला (फिलीपींस)
32.	27-28 अप्रैल, 2018	सिंगापुर
33.	14-15 नवम्बर, 2018	सिंगापुर
34.	20-23 जून, 2019	बैंकॉक (थाइलैण्ड)
35.	31 अक्टूबर-4 नवम्बर, 2019	बैंकॉक (थाइलैण्ड)
36.	अप्रैल/मई 2020	वियतनाम (प्रस्तावित)
37.	अक्टूबर/नवम्बर 2020	वियतनाम (प्रस्तावित)
38.	अप्रैल/मई 2021	ब्रूनेई (प्रस्तावित)
39.	अक्टूबर/नवम्बर 2021	ब्रूनेई (प्रस्तावित)

- आसियान का पहला शिखर सम्मेलन इण्डोनेशिया में बाली में 1976 में हुआ था. मनीला में 1987 में हुए शिखर सम्मेलन के पश्चात् पाँच-पाँच वर्ष के अन्तराल पर शिखर सम्मेलन का फैसला किया गया, किन्तु 1992 में ही यह 3-3 वर्ष के अन्तराल पर करने का तथा 2001 में यह प्रतिवर्ष करने का फैसला किया गया. **वर्ष 2007 से आसियान का शिखर सम्मेलन वर्ष में दो बार आयोजित होता है.**
- आसियान देशों का कुल क्षेत्रफल लगभग 45 लाख वर्ग किमी है (पृथ्वी के कुल क्षेत्रफल का 3 प्रतिशत) तथा इसके 10 देशों की कुल जनसंख्या लगभग 64·70 करोड (विश्व की कुल संख्या का 8·5 प्रतिशत), 2018 में इन देशों का कुल जीडीपी 2·922 ट्रिलियन (नॉमिनल) व 8·530 ट्रिलियन (पीपीपी आधार पर).
- एशिया की तीन अन्य मजबूत अर्थव्यवस्थाओं (चीन, दक्षिण कोरिया व जापान) को शामिल करते हुए आसियान +3 का गठन 1997 में किया गया था.
- आसियान के साथ विश्व की अन्य अर्थव्यवस्थाओं को जोडते हुए पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की शुरूआत 2005 से हुई थी. इसमें आसियान के 10 सदस्यों के साथ आठ अन्य राष्ट्र भारत, आस्ट्रेलिया, चीन, जापान, न्यूजीलैण्ड, दक्षिण कोरिया, रूस व अमरीका शामिल हैं (रूस व अमरीका को 2011 में छठे पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में ही इसमें शामिल किया गया था.
- रिश्तों में मजबूती लाने के लिए भारत सहित कुछ प्रमुख देशों के साथ अलग से सालाना शिखर बैठक आसियान द्वारा प्रतिवर्ष सम्पन्न की जाती है. वर्ष 2019 में भारत के साथ ऐसी 16वीं बैठक आसियान द्वारा सम्पन्न की गई थी.
- भारत व आसियान के बीच वर्तमान में 30 संवाद मंच (Dialogue Mechanisms) हैं, जो नियमित आधार पर मिलते हैं. इनमें एक शिखर सम्मेलन व सात मन्त्रिस्तरीय बैठकें शामिल हैं. मन्त्रिस्तरीय बैठकें विदेशी मामलों, वाणिज्य, पर्यटन, कृषि, पर्यावरण, अक्षय ऊर्जा व दूरसंचार के क्षेत्र की हैं.
- भारत एवं आसियान के बीच व्यापार 2017 में 73·6 अरब डॉलर का रहा था, जो 9·8 प्रतिशत बढ़कर 2018 में 80·8 अरब डॉलर का हो गया था.

ब्रिक्स का 11वाँ शिखर सम्मेलन ब्राजीलिया में सम्पन्न

पाँच देशों के समूह **ब्रिक्स** (BRICS ब्राजील, रूस, भारत, चीन व द. अफ्रीका) का 11वाँ शिखर सम्मेलन ब्राजील की राजधानी ब्राजीलिया (Brasillia) में 13-14 नवम्बर, 2019 को सम्पन्न हुआ. इसमें भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 13 नवम्बर को ही प्रातः ब्राजीलिया पहुँचे थे. उच्चस्तरीय आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के अतिरिक्त भारत का एक बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी इस यात्रा पर उनके साथ था. **व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य शिखर सम्मेलन के साथ ही होने वाली ब्रिक्स बिजनेस फोरम की बैठक में भाग लेना था.**

ब्राजीलिया में ब्रिक्स नेताओं का ग्रुप फोटो

- यह तीसरा अवसर था जब 'ब्रिक्स' शिखर सम्मेलन का आयोजन ब्राजील में हुआ. इससे पूर्व 2010 में दूसरे तथा 2014 में छठे शिखर सम्मेलन की मेजबानी ब्राजील ने की थी.
- मई 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार सँभालने के पश्चात् उसके सभी छह शिखर सम्मेलनों में भारतीय शिष्टमंडलों का नेतृत्व श्री मोदी ने किया है. उससे पूर्व

MAGAZINE KKD

2009 से 2013 तक इसके सभी पाँच शिखर सम्मेलनों में भारतीय शिष्टमंडलों का नेतृत्व तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने किया था.

ब्रिक्स बिजनेस फोरम की बैठक में अपने सम्बोधन में श्री मोदी ने भारत को निवेश के लिए विश्व की सबसे खुली और सबसे फ्रेंडली इकोनॉमी बताते हुए भारत में निवेश कर असीमित सम्भावनाओं एवं अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान उन्होंने व्यापार जगत् से किया. उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 तक भारत को पाँच ट्रिलियन डॉलर की

ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल व न्यू डेवलपमेंट बैंक की संयुक्त बैठक को सम्बोधित करते हुए श्री मोदी.

अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य है, जिसके लिए आधारभूत ढाँचे (Infrastructure) में ही 1·5 ट्रिलियन डॉलर निवेश की आवश्यकता होगी. बाद में **ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल व न्यू डेवलपमेंट बैंक** की संयुक्त बैठक में भी इसी तरह के विचार व्यक्त करते हुए श्री मोदी ने कहा कि ब्रिक्स देशों की जनसंख्या वैश्विक जनसंख्या का 40 प्रतिशत से अधिक है, जबकि इनके साथ होने वाला भारत का व्यापार केवल 15 प्रतिशत ही है. इसके विस्तार के लिए ब्रिक्स देशों के आपसी सहयोग को और अधिक प्रभावी बनाने का आह्वान उन्होंने किया. ब्रिक्स देशों के न्यू डेवलपमेंट बैंक का क्षेत्रीय कार्यालय भारत में शीघ्र ही खोलने का आह्वान श्री मोदी ने इस बैठक में किया.

MAGAZINE KING

ब्रिक्स शिखर सम्मेलनों के आयोजन स्थल

क्र.	तिथि	आयोजन स्थल
1.*	16 जून, 2009	येकाटेरिनबर्ग (रूस)
2.*	16 अप्रैल, 2010	ब्रासीलिया (ब्राजील)
3.	14 अप्रैल, 2011	सान्या (चीन)
4.	29 मार्च, 2012	नई दिल्ली (भारत)
5.	26-27 मार्च, 2013	डरबन (दक्षिण अफ्रीका)
6.	14-16 जुलाई, 2014	फोर्टालेजा (ब्राजील)
7.	8-9 जुलाई, 2015	ऊफा (रूस)
8.	15-16 अक्टूबर, 2016	गोवा (भारत)
9.	3–5 सितम्बर, 2017	शियामेन (चीन)
10.	25-27 जुलाई, 2018	जोहांसबर्ग (दक्षिण अफ्रीका)
11.	13-14 नवम्बर, 2019	ब्राजीलिया (ब्राजील)
12.	जुलाई 2020	सेंटपीटर्सबर्ग (रूस) में प्रस्तावित

* पहले दो शिखर सम्मेलनों तक दक्षिण अफ्रीका 'ब्रिक्स' का सदस्य नहीं था तथा यह चार देशों के समूह के रूप में 'ब्रिक' (BRIC) ही था. दक्षिण अफ्रीका के भी शामिल हो जाने से ब्रिक्स अब पाँच उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का मंच हो गया है. विश्व की लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या इन देशों में निवास करती है तथा वैश्विक जीडीपी में इनका संयुक्त योगदान लगभग 40 प्रतिशत है.

- श्री मोदी के अतिरिक्त ब्रिक्स के चारों अन्य देशों के शासन प्रमुख–रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन (Vladimir Putin), चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग (Xi Jinping), द. अफ्रीका के राष्ट्रपति साइरिल रामाफोसा (Cyril Ramaphosa), ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो (Jair Bolsonaro) की मेजबानी में सम्पन्न इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजीलिया में उपस्थित थे.
- **एक अभिनव भविष्य के लिए आर्थिक विकास (Economic Growth for an Innovative Future) इस वर्ष ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का थीम था.**
- शिखर सम्मेलन में पहले दिन ब्रिक्स नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकों के अतिरिक्त **ब्रिक्स बिजनेस फोरम** को सम्बोधन के श्री मोदी के कार्यक्रम थे. इस परिप्रेक्ष्य में मेजबान राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के अतिरिक्त रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें श्री मोदी ने सम्पन्न कीं. द्विपक्षीय सम्बन्धों को मजबूत करने के सम्बन्ध में बातचीत इन बैठकों में हुई. **ब्राजील के राष्ट्रपति बोल्सोनारो के साथ वार्ता में उन्हें भारत के गणतंत्र दिवस समारोह (2020) में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने के लिए निमंत्रण श्री मोदी ने दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार किया है.** भारतीयों के लिए ब्राजील में वीजा मुक्त प्रवेश प्रदान करने के लिए सहमति भी ब्राजीली राष्ट्रपति ने व्यक्त की.

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का पूर्ण अधिवेशन 14 नवम्बर को सम्पन्न हुआ. ब्राजीलिया के ऐतिहासिक इतामराती पैलेस (Itamaraty Palace) में पूर्ण सत्र में अपने सम्बोधन में सम्मेलन की थीम नवोन्मेष की बात करते हुए नवोन्मेष के लिए आपसी

सहयोग मजबूत करने पर बल श्री मोदी ने दिया तथा इसके लिए ब्रिक्स मैकेनिज्म पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता उन्होंने बताई. उन्होंने कहा कि दस वर्ष पूर्व वित्तीय संकट की शुरूआत के समय ब्रिक्स की शुरूआत हुई थी तथा इन दस वर्षों में ब्रिक्स देश वैश्विक विकास के इंजन रहे हैं. आतंकवाद व संगठित अपराधों के विरुद्ध ब्रिक्स सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने का आह्वान करते हुए श्री मोदी ने बताया कि आतंकी हिंसा के कारण 10 खरब डॉलर का नुकसान विश्व अर्थव्यवस्था को हुआ है. जल प्रबन्धन की आवश्यकता पर बल देते हुए ब्रिक्स देशों के जल संसाधन मंत्रियों की बैठक भारत में करने का प्रस्ताव भी उन्होंने दिया. अन्तर्राष्ट्रीय संगठित अपराधों, मनी लाउंड्रिंग व नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी, वैश्विक संस्थाओं में वांछित सुधार व अन्य मौजूदा वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा ब्रिक्स नेताओं की बैठक में इस अधिवेशन में विशेषतः की गई. संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO), विश्व व्यापार संगठन (WTO) व अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (IMF) सहित अन्य बहुपक्षीय संगठनों को मजबूत करने के लिए इनमें तत्काल सुधार करने की आवश्यकता पर बल ब्रिक्स नेताओं ने दिया. बायोलॉजिल एवं रसायनिक हथियारों के उत्पादन के प्रति कड़ी चिंता व्यक्त करते हुए इन पर अंकुश का आह्वान ब्रिक्स नेताओं ने किया. सीरिया, अफगानिस्तान एवं सूडान आदि की स्थिति पर चर्चा भी सम्मेलन में की गई. संयुक्त राष्ट्र संघ के सतत् विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals—SDGs) के प्रति प्रतिबद्धता ब्रिक्स नेताओं ने सम्मेलन में व्यक्त की. इन्हीं मुद्दों पर लिए गए निर्णयों का उल्लेख बाद में सम्मेलन के समापन पर जारी घोषणा-पत्र में किया गया है. ब्रिक्स का आगामी 12वाँ शिखर सम्मेलन जुलाई 2020 में रूस में सेंटपीटर्सबर्ग में होना है.

चिली में आंतरिक जन-विद्रोह के चलते एपेक का 31वाँ शिखर सम्मेलन रद्द

एशिया-प्रशान्त क्षेत्र के 21 देशों के समूह एपेक (APEC—Asia-Pacific Economic Co-operation) का 31वाँ शिखर सम्मेलन रद्द कर दिया गया. यह शिखर सम्मेलन चिली की राजधानी सांटियागो (Santiago) में 16-17 नवम्बर, 2019 को होना था, किन्तु मेजबान देश (चिली) में सरकार विरोधी आंदोलन के प्रबल होने के कारण इस सम्मेलन के आयोजन को रद्द करने की घोषणा चिली के राष्ट्रपति सेबास्टियन पिनेरा (Sebastian Pinera) ने 30 अक्टूबर, 2019 को ही कर दी. **एपेक शिखर सम्मेलन के अतिरिक्त एक अन्य महत्वपूर्ण सम्मेलन–जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (United Nations Framework Convention on Climate Change—COP 25) का आयोजन भी सांटियागो में 2–13 दिसम्बर, 2019 को प्रस्तावित था. इस सम्मेलन की मेजबानी से भी चिली के राष्ट्रपति पिनेरा ने इंकार कर दिया था.** (बाद में संयुक्त राष्ट्र संघ, चिली व स्पेन की सहमति से कॉप 25 सम्मेलन का आयोजन इन्हीं तिथियों में मैड्रिड (स्पेन) में करने को सहमति बनी है. मैड्रिड में 2–13 दिसम्बर, 2019 को कॉप 25 की मेजबानी चिली के राष्ट्रपति ही करेंगे. कॉप-25 सम्मेलन मूलतः ब्राजील में नवम्बर 2019 में होना था, किन्तु वहाँ के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो (Jair Bolsonaro) ने आर्थिक कठिनाइयों का हवाला देते हुए इसकी मेजबानी के लिए अपना अनुरोध नवम्बर 2018 में ही वापस ले लिया था.)

एपेक प्रशान्त क्षेत्र के ऐसे देशों का संगठन है, जिनकी सीमाएं प्रशान्त महासागर से मिलती हैं. 1989 में स्थापित इस संगठन के सदस्यों में आस्ट्रेलिया, ब्रूनेई, कनाडा, चिली, चीन, हांगकांग, इण्डोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, मेक्सिको, न्यूजीलैण्ड, पापुना न्यू गिनी, पेरू, फिलीपीन्स, रूस, सिंगापुर, चीनी ताइपे (ताइवान), थाइलैण्ड, अमरीका एवं वियतनाम शामिल हैं (इस संगठन का मुख्यालय सिंगापुर में है.)

- *चिली सरकार ने पेंशन में वृद्धि व विद्युत् शुल्क में कमी सहित कुछेक राहतें प्रदान करने के लिए मेट्रो किरायों में 30 प्रतिशत वृद्धि की घोषणा अक्टूबर 2019 में की थी, जिसके विरोध में व्यापक जन-विद्रोह वहाँ हो गया था तथा राष्ट्रपति पिनारा के त्यागपत्र व नए चुनावों की माँग वहाँ उठ खड़ी हुई थी. जन-विद्रोह से निपटने के लिए कुछ शहरों में आपातकाल की घोषणा भी सरकार को करनी पड़ी थी. ऐसे में उपर्युक्त दोनों सम्मेलन रद्द करने की घोषणा राष्ट्रपति पिनेरा ने 30 अक्टूबर, 2019 को कर दी थी.*
- *एपेक के सांटियागो सम्मेलन में अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी भाग लेने का कार्यक्रम था तथा अमरीका व चीन के बीच पहले चरण के व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर भी होने थे.*
- *मूल योजना के तहत् एपेक का आगामी शिखर सम्मेलन दिसम्बर 2020 में मलेशिया में होना है.*

प्रिंस ऑफ वेल्स प्रिंस चार्ल्स की भारत यात्रा

ब्रिटेन के प्रिंस ऑफ वेल्स प्रिंस चार्ल्स ने भारत की दो दिन की यात्रा 13-14 नवम्बर, 2019 को सम्पन्न की. भारत एवं ब्रिटेन के सम्बन्धों में मजबूती लाने के उद्देश्य से सम्पन्न इस यात्रा में उनकी पत्नी डचेस ऑफ कॉर्नवैल (Duchess of Cornwall) कैमिला स्वास्थ्य सम्बन्धी कारणों से उनके साथ नहीं थी.

दो दिन की इस यात्रा के दौरान नई दिल्ली के अतिरिक्त मुम्बई में भी प्रिंस चार्ल्स

नई दिल्ली के गुरुद्वारा बंगला साहिब में प्रिंस चार्ल्स

के कार्यक्रम थे. (14 नवम्बर को अपना 71वाँ जन्म दिवस मुम्बई में ही स्कूली बच्चों के साथ प्रिंस चार्ल्स ने मनाया) ब्रिटिश राजगद्दी के उत्तराधिकारी प्रिंस चार्ल्स की भारत की यह 10वीं यात्रा थी. इस यात्रा से पूर्व 2017 में वह सपत्नीक भारत आए थे. प्रिंस चार्ल्स की नवम्बर 2019 की भारत की इस यात्रा से एक माह पूर्व उनके पुत्र प्रिंस विलियम्स ने पत्नी केट मिडलटोन के साथ पाकिस्तान की यात्रा 14–18 अक्टूबर, 2019 को की थी.

13 नवम्बर को नई दिल्ली में राष्ट्रपति रामनाथ कोविद के साथ भेंट के दौरान सतत् विकास व जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा उन्होंने की तथा गुरु नानक देव जी की 550वीं जयंती के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा बंगला साहिब में मत्था टेकने वह गए. नई दिल्ली में भारतीय मौसम विभाग के कार्यालय के अवलोकन भी उन्होंने किया. बाद में 14 नवम्बर को अपने 71वें जन्म दिवस का जश्न मुम्बई में स्कूली बच्चों के साथ एक कार्यक्रम में उन्होंने मनाया. इसके अतिरिक्त जाने माने उद्यमियों मुकेश अम्बानी व रतन टाटा आदि के साथ भी अपने जन्म दिन के एक चैरिटी कार्यक्रम में वह शामिल रहे. जिसमें प्रसिद्ध गायिक कैटी पैरी (Katy Perry) ने प्रस्तुतियाँ दीं.

पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के छोटे भाई गोटबाया राजपक्षे श्रीलंका में नए राष्ट्रपति निर्वाचित : महिंदा राजपक्षे प्रधानमंत्री बनाए गए

श्रीलंका में राष्ट्रपति पद के लिए 16 नवम्बर, 2019 को सम्पन्न चुनाव में श्रीलंका पोदुजना पेरामुना (श्रीलंका पीपुल्स फ्रंट) गठबंधन के गोटबाया राजपक्षे (Gotabaya Rajapaksa) विजयी रहे हैं. गृह युद्ध के दौरान विवादित रक्षा सचिव रहे 70 वर्षीय राजपक्षे ने इस चुनाव में सत्तारूढ़ यूनाइटेड नेशनल पार्टी के उम्मीदवार सजीत प्रेमदास को 13 लाख से भी अधिक मतों से पराजित किया है. 83·73 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग इस चुनाव में

किया था. कुल पड़े मतों 52·25 प्रतिशत मत गोटबाया को तथा 41·99 प्रतिशत

गोटबाया राजपक्षे : श्रीलंका के नए राष्ट्रपति

सत्तारूढ़ गठबंधन के प्रेमदास को प्राप्त हुए. 5·76 प्रतिशत मत अन्य विभिन्न उम्मीदवारों को मिले. सत्तारूढ़ यूएनपीके उम्मीदवार प्रेमदास को देश के उत्तरी व पूर्वी तमिल बहुल क्षेत्रों में अधिक मत प्राप्त हुए जबकि सिंहली बहुल जिलों में राजपक्षे आगे रहे. **नवनिर्वाचित राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के छोटे भाई हैं.** महिंदा राजपक्षे 2005–2015 के दौरान श्रीलंका के राष्ट्रपति रहे थे. (निवर्तमान राष्ट्रपति मैत्रीपाल सिरिसेना ने रानिल विक्रमसिंघे के स्थान पर महिंदा राजपक्षे को अपना प्रधानमंत्री भी अक्टूबर 2018 में नियुक्त किया था किन्तु उनकी इस विवादित नियुक्ति को कोलम्बो की एक अदालत ने अवैध करार दिया था. संसद ने भी इस मामले में अपना समर्थन विक्रमसिंघे को ही दिया था जिसके चलते महिंदा राजपक्षे ने दिसम्बर 2018 में ही प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया था) श्रीलका में राष्ट्रपति पद के लिए यह पहला ही ऐसा चुनाव था जिसमें कोई पूर्व अथवा निवर्तमान राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या विपक्ष का नेता चुनाव मैदान में नहीं था.

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे, जिनका विदेश नीति के मामले में झुकाव चीन की ओर रहता रहा है तथा अपने चुनाव अभियान के दौरान श्रीलंका के सबसे बड़े ऋणदाता चीन के साथ सम्बन्ध मजबूत करने की घोषणा उन्होंने कई बार यद्यपि की थी, तथापि राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण करने के पश्चात् अपनी पहली विदेश यात्रा भारत की ही उन्होंने 28–30 नवम्बर, 2019 को सम्पन्न की है.

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने अपने अंतरिम मंडल का गठन 21 नवम्बर को किया है जिसमें अपने बडे भाई महिंदा राजपक्षे को प्रधानमंत्री के अतिरिक्त रक्षा एवं वित्त मंत्रालय का प्रभार दिया गया है जबकि दूसरे भाई चमल राजपक्षे को व्यापार एवं खाद्य सुरक्षा मंत्रालय के प्रभार दिए गए हैं. अगले ससदीय चुनावों तक सरकार का संचालन उनके इस मंत्रिमंडल द्वारा किया जाएगा. **अगले संसदीय चुनाव वहाँ 2020 में होने हैं.**

विरोधियों की हत्या के 37 वर्ष पुराने मामले में सूरीनाम के राष्ट्रपति बोउटर्सी को 20 वर्ष के कारावास की सजा अदालत ने सुनाई

सत्ता में रहते हुए अपने 15 राजनीतिक प्रतिद्वन्द्वियों की हत्या कराने के 37 वर्ष

डेसी बोउटर्सी 20 वर्ष के कारावास की सजा

पुराने मामले में सूरीनाम के राष्ट्रपति डेसी बोउटर्सी (Desi Bouterse) को पैरामारिबो (सूरीनाम की राजधानी) की एक सैन्य अदालत ने 20 वर्ष के कारावास की सजा 30 नवम्बर, 2019 को सुनाई है. अदालत ने इस फैसले के विरुद्ध अपील के लिए दो सप्ताह का समय देते हुए उनकी गिरफ्तारी का आदेश नहीं दिया है. इस फैसले के समय बोउटर्सी चीन की यात्रा पर थे तथा वहाँ से वापसी के पश्चात् वह इसके विरुद्ध अपील करेंगे.

सैन्य अदालत का यह फैसला 1982 के मामले का है जब बोउटर्सी इस दक्षिण अमरीकी देश के सैन्य तानाशाह शासक थे. वर्तमान में 2010 से वह वहाँ निर्वाचित राष्ट्रपति हैं. अपने 15 राजनीतिक प्रतिद्वन्द्वियों को गोली मरवाने का आरोप उनके विरुद्ध 2007 में दर्ज हुआ था. इन प्रतिद्वन्द्वियों में वकील, पत्रकार व शिक्षक आदि शामिल थे. राष्ट्रपति बोउटर्सी ने इस आरोप का खंडन करते हुए कहा था कि मारे गए इन लोगों को सीआईए की मदद से तख्ता पलट के लिए षड्यंत्र रचने के मामले में गिरफ्तार किया गया था तथा भागने की कोशिश के दौरान उन्हें गोली मारी गई थी.

जापान में सर्वाधिक समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड अब शिंजो आबे के नाम हुआ

जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे (Shinzo Abe) ने देश में सर्वाधिक समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड नवम्बर 2019 में अपने नाम किया है. 20 नवम्बर, 2019 को इस पद पर उनके 2887 दिन पूरे हुए हैं तथा इस मामले में पूर्व प्रधानमंत्री तारो कतसूरा (Taro Katsura) का रिकॉर्ड उन्होंने भंग किया है. कतसूरा 1901 से 1913 के बीच तीन बार जापान के प्रधानमंत्री बने थे. आबे ने पहली बार 52 वर्ष की उम्र में 14 जुलाई, 2006 को प्रधानमंत्री पद सँभाला था तथा 2007 तक वह इस पद पर रहे थे. बाद में 28 दिसम्बर, 2012 को उन्होंने यह कार्यभार

शिंजो आबे : सर्वाधिक समय तक जापान के प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड

ग्रहण किया जिसके पश्चात् वह अभी तक लगातार इस पद पर बने हुए हैं. प्रधानमंत्री पद पर शिंजो आबे का मौजूदा कार्यकाल 2021 तक है.

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे की भारत यात्रा

श्रीलंका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने राष्ट्रपति के रूप में अपनी पहली विदेश यात्रा भारत की 28–30 नवम्बर, 2019 को की. 18 नवम्बर को राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने के 10 दिन पश्चात् ही भारत की यात्रा कर उन्होंने भारत के साथ द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूती प्रदान करने में अपनी रुचि का संकेत दिया है. आम तौर पर चीन की ओर झुकाव के लिए वह जाने जाते हैं तथा अपने चुनाव प्रचार के दौरान भी चीन के साथ सम्बन्धों में मजबूती लाने की बात उन्होंने कई बार दोहराई थी. राष्ट्रपति के रूप में अपनी इस पहली ही विदेश यात्रा के दौरान इस मामले में भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द मोदी को उन्होंने आश्वासन दिया है कि किसी भी तीसरे देश को श्रीलका-भारत के रिश्तों के बीच नहीं आने दिया जाएगा.

श्रीलंकाई राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे का नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत

तीन दिन की इस यात्रा के लिए 28 नवम्बर को नई दिल्ली पहुँचे श्री गोटबाया की दिल्ली में हवाई अड्डे पर अगवानी केन्द्रीय मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वी. के. सिंह ने की. बाद में 29 नवम्बर को राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर के साथ औपचारिक स्वागत से पूर्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने होटल आईटीसी मौर्य में उनसे

शेष पृष्ठ 44 पर

आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

- देश में आर्थिक वृद्धि दर में गिरावट का सिलसिला जारी : 2019-20 की दूसरी तिमाही में जीडीपी में वृद्धि 4·5 प्रतिशत व जीवीए में वृद्धि 4·3 प्रतिशत ही रही
- उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में वृद्धि : अक्टूबर 2019 में यह 16 माह के सर्वोच्च स्तर पर
- थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 40 माह के निम्नतम स्तर पर : अक्टूबर 2019 में यह 0·16 प्रतिशत
- नवम्बर 2019 में भारत के विदेशी मुद्रा कोष रिकॉर्ड स्तर पर
- 2019-20 में चीनी उत्पादन में भारी कमी आने का अनुमान
- 15वें वित्त आयोग के कार्यकाल में एक वर्ष की वृद्धि
- औद्योगिक प्रतिष्ठानों के सम्बन्ध में औद्योगिक श्रम संहिता विधेयक लोक सभा में प्रस्तुत
- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रमों का देश के जीडीपी एवं निर्यातों में योगदान
- जनवरी-सितम्बर 2019 की अवधि में देश में विदेशी पर्यटक आगमन में 4·3 प्रतिशत वृद्धि
- भारत में विद्युत् उत्पादन क्षमता : अक्टूबर 2019 की स्थिति
- भारत में कार्यरत् 22 परमाणु ऊर्जा रिएक्टर
- भारत का 39वाँ अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला नई दिल्ली में सम्पन्न

देश में आर्थिक वृद्धि दर में गिरावट का सिलसिला जारी : 2019-20 की दूसरी तिमाही में जीडीपी में वृद्धि 4·5 प्रतिशत व जीवीए में वृद्धि 4·3 प्रतिशत ही रही

भारत में आर्थिक वृद्धि में गिरावट की प्रवृत्ति पर सरकार के राजकोषीय तथा रिजर्व बैंक के मौद्रिक कदम रोक लगाने में विफल रहे हैं. गत वित्तीय वर्ष 2018-19 की चार तिमाहियों में देश में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में वृद्धि क्रमशः 8·0, 7·0, 6·6 व 5·8 प्रतिशत रही थी जो इस वित्तीय वर्ष 2019-20 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2019) में और घटकर 5·0 प्रतिशत रही तथा दूसरी तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2019) में यह और घटकर 4·5 प्रतिशत ही रह गई है.

चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2019) के जीडीपी सम्बन्धी आँकड़े केन्द्र सरकार के केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा 29 नवम्बर, 2019 को जारी किए गए. **इन आँकड़ों के अनुसार सन्दर्भित तिमाही में स्थिर मूल्यों पर (2011-12 के मूल्य स्तर पर) देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में वृद्धि** जहाँ **4·5 प्रतिशत रही है, सकल मूल्यवर्द्धन (GVA) में वृद्धि 4·3 प्रतिशत ही रही है. इससे पूर्व** 2018-19 की पहली व दूसरी तिमाहियों में जीडीपी में क्रमशः 8·0 व 7·0 प्रतिशत **तथा जीवीए में वृद्धि क्रमशः 7·7 व 6·9 प्रतिशत रही थीं.** 2019-20 की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि की यह दर (4·5 प्रतिशत) पिछले छह वर्षों में इसकी न्यूनतम दर है. सीएसओ के ताजा आँकड़ों के अनुसार 2019-20 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2019) के दौरान कृषि, वानिकी व मत्स्य-पालन के क्षेत्र में 2·1 प्रतिशत तथा खनन एवं उत्खनन क्षेत्र में 0·1 प्रतिशत की वृद्धि ही दर्ज की गई. विनिर्माणी (Manufacturing) क्षेत्र में अप्रैल-जून 2019 में 0·6 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की गई थी, जबकि दूसरी तिमाही में 1·0 प्रतिशत की ऋणात्मक वृद्धि इस क्षेत्र में रही है. निर्माण (Construction) क्षेत्र में वृद्धि इस वित्तीय

अर्थव्यवस्था के विभिन्न उत्पादक क्षेत्रों में जीवीए में वृद्धि (2011-12 के स्थिर मूल्यों के आधार पर) (प्रतिशत में)

	उत्पादक क्षेत्र	2019-20			2018-19
		Q_1 (अप्रैल-जून 2019)	Q_2 (जुलाई-सितम्बर 2019)	H_1 (अप्रैल-सितम्बर 2019)	H_1 (अप्रैल-सितम्बर 2018)
1.	कृषि, वानिकी एवं मत्स्यिकी (Agriculture, Forestry and Fishing)	2·0	**2·1**	2·1	5·0
2.	खनन व उत्खनन (Mining and Quarrying)	2·7	**0·1**	1·6	4·7
3.	विनिर्माणी (Manufacturing)	0·6	**– 1·0**	– 0·2	9·4
4.	विद्युत्, गैस, जलापूर्ति व अन्य उपयोगी सेवाएं (Electricity, Gas, Water Supply and Other Utility Services)	8·6	**3·6**	6·1	7·7
5.	निर्माण (Construction)	5·7	**3·3**	4·6	9·1
6.	व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण से सम्बन्धित सेवाएँ (Trade, Hotels, Transport, Communications and Services related to Broadcasting)	7·1	**4·8**	6·0	7·4
7.	वित्तीय, रीयल एस्टेट, एवं व्यावसायिक सेवाएँ (Financial Real Estate and Professional Services)	5·9	**5·8**	5·9	6·8
8.	सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा व अन्य सेवाएँ (Public Administration, Deffence and other Services)	8·5	**11·6**	10·1	8·1
	मूल कीमतों पर जीवीए (GVA at Basic Prices)	**4·9**	**4·3**	**4·6**	**7·3**

MAGAZINE KING

वर्ष की पहली तिमाही में 5·7 प्रतिशत ही थी, जो दूसरी तिमाही में 3·3 प्रतिशत ही रही है. इन चारों उप समूहों में खराब निष्पादन के कारण इस तिमाही में आर्थिक वृद्धि कमजोर रही है. सीएसओ के 29 नवम्बर, 2019 के इन आँकड़ों के अनुसार 2011-12 के मूल्यों पर 2019-20 की दूसरी तिमाही में जीडीपी ₹ 35·99 लाख करोड़ रहा है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि (जुलाई-सितम्बर 2018) में ₹ 34·43 लाख करोड़ था. स्थिर मूल्यों पर 2019-20 की दूसरी तिमाही में **जीवीए** ₹ 33·16 लाख करोड़ आकलित किया गया है, जो पूर्व वर्ष की समान अवधि में ₹ 31·79 लाख करोड़ था. 2019-20 की पहली दोनों तिमाहियों में विभिन्न क्षेत्रों में हुई जीवीए वृद्धि को बॉक्स में दर्शाया गया है.

2019-20 की दूसरी तिमाही के आँकड़े आ जाने से अब इस वित्तीय वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितम्बर 2019) के राष्ट्रीय आय सम्बन्धी आँकड़े भी उपलब्ध हो गए हैं. ताजा अनंतिम आँकड़ों के अनुसार स्थिर मूल्यों पर (2011-12 के मूल्य स्तर पर) 2019–20 की पहली छमाही में जीवीए में वृद्धि 4·6 प्रतिशत ही रही है, जो पूर्व वर्ष 2018-19 की पहली छमाही में 7·3 प्रतिशत थी. दोनों वर्षों की पहली छमाहियों में अर्थव्यवस्था के विभिन्न उपक्षेत्रों में जीवीए में वृद्धियाँ भी बॉक्स में दर्शाई गई हैं.

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में वृद्धि : अक्टूबर 2019 में यह 16 माह के सर्वोच्च स्तर पर

वित्तीय वर्ष 2019-20 के उत्तरार्द्ध में देश में मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ रहा है तथा उपभोक्ता मूल्य आधारित मुद्रास्फीति अक्टूबर 2019 में रिजर्व बैंक के 4 प्रतिशत के मध्यावधि लक्ष्य को पार कर गई थी.

खाद्य पदार्थों, विशेषत: सब्जियों की कीमतों में वृद्धि के चलते खुदरा मुद्रास्फीति पर भारी दबाव सितम्बर-अक्टूबर 2019 में रहा है. अक्टूबर माह में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर **अखिल भारतीय स्तर पर 4·62 प्रतिशत (अनंतिम) रही, जो विगत 16 महीनों में इसका सर्वोच्च स्तर था.** सन्दर्भित माह (अक्टूबर 2019) में ग्रामीण क्षेत्रों में यह 4·29 प्रतिशत व शहरी क्षेत्रों में 5·11 प्रतिशत थी. एक माह पूर्व सितम्बर 2019 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 2012) आधारित मुद्रास्फीति की दर अखिल भारतीय स्तर पर 3·99 प्रतिशत (ग्रामीण क्षेत्रों में 3·24 प्रतिशत व शहरी क्षेत्रों में 4·78 प्रतिशत) रही थी, जबकि एक वर्ष पूर्व अक्टूबर 2018 में मुद्रास्फीति की यह दर अखिल भारतीय स्तर पर 3·38 प्रतिशत थी. इस प्रकार मुद्रास्फीति दर में लगभग 1·2 प्रतिशत बिन्दु की वृद्धि विगत एक वर्ष के दौरान दर्ज की गई है.

भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (Consumer Price Index–CPI) आधारित मुद्रास्फीति की दर के आँकड़े केन्द्र सरकार

MAGAZINE KING

के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मन्त्रालय (Ministry of Statistics and Programme Implimentation) द्वारा मासिक आधार पर प्रति माह जारी किए जाते हैं. अक्टूबर 2019 के लिए यह अनंतिम आँकड़े मन्त्रालय द्वारा 13 नवम्बर, 2019 को जारी किए गए.

सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति

(प्रतिशत में)

	अक्टूबर 2019 (अनंतिम)	सितम्बर 2019 (फाइनल)	अक्टूबर 2018 (फाइनल)
ग्रामीण क्षेत्रों में	4·29	3·24	2·82
शहरी क्षेत्रों में	5·11	4·78	4·04
सम्मिलित	**4·62**	**3·99**	**3·38**

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) के साथ-साथ **उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक** (Consumer Food Price Index–CFPI) के आँकड़े भी मई 2014 से सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मन्त्रालय द्वारा जारी किए जाते हैं, सीएफपीआई आधारित मुद्रास्फीति की दर अक्टूबर 2019 में 7·89 प्रतिशत (अनंतिम) दर्ज की गई, जबकि ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के लिए यह क्रमशः 6·42 प्रतिशत व 10·47 प्रतिशत थी.

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति दर का प्रकाशन फरवरी 2011 से ही शुरू किया गया था तथा पहले ऐसे आँकड़े जनवरी 2011 के लिए जारी किए गए थे. इस सूचकांक का आधार वर्ष शुरू में 2010 था, जिसे जनवरी 2015 से 2012 किया गया था.

इस सूचकांक हेतु वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य सम्बन्धी आँकड़े राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (National Sample Survey Organisation–NSSO) द्वारा चुनींदा शहरों से संगृहीत किए जाते हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मूल्यों के आँकड़ों का संग्रहण डाक विभाग द्वारा किया जाता है.

थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 40 माह के निम्नतम स्तर पर : अक्टूबर 2019 में यह 0·16 प्रतिशत

2019-20 के उत्तरार्द्ध में देश में खुदरा मुद्रास्फीति में वृद्धि का सिलसिला जहाँ बना हुआ है, वहीं थोक मूल्यों पर आधारित मुद्रास्फीति में भारी गिरावट की प्रवृत्ति है. अक्टूबर 2019 में देश में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) आधारित मुद्रास्फीति की अनंतिम दर जहाँ 4·62 प्रतिशत थी, वहीं थोक मूल्य सूचकांक (Wholesale Price Index–WPI) आधारित मुद्रास्फीति की दर 0·16 प्रतिशत (अनंतिम) ही दर्ज की गई, जो पिछले 40 माह में इसका निम्नतम स्तर था. इससे कम यह जून 2016 में – 0·1 प्रतिशत थी. **एक माह पूर्व सितम्बर 2019 में मुद्रा-**

थोक मूल्य सूचकांक (Wholesale Price Index–WPI) का आधार वर्ष अप्रैल 2017 तक 2004-05 था, जिसे मई 2017 में बदलकर 2011-12 किया गया था.

नवम्बर 2019 में भारत के विदेशी मुद्रा कोष रिकॉर्ड स्तर पर

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान भारत के आरक्षित विदेशी मुद्रा कोषों में 12·5 करोड़ डॉलर की भारी गिरावट दर्ज की गई थी, जबकि चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 की पहली छमाही में लगभग 35 अरब डॉलर की वृद्धि इन कोषों में हुई है, जिससे यह कोष अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गए हैं. मार्च 2019 के अंत में देश के आरक्षित विदेशी मुद्रा कोष (जिसमें विदेशी मुद्रा परिसम्पत्तियों (Foreign Currency Assets) के अतिरिक्त स्वर्ण कोष, एसडीआर (Special Drawing Rights) तथा अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के पास आरक्षित राशि शामिल की जाती है,) 411·905 अरब डॉलर के थे, जो 8 नवम्बर, 2019 को 447·808 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर थे. विदेशी मुद्रा कोष में यह वृद्धि विदेशी मुद्रा परिसम्पत्तियों में लगभग 31 अरब डॉलर की भारी वृद्धि के चलते दर्ज की गई है.

8 नवम्बर, 2019 के विदेशी मुद्रा कोष के आँकड़े भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 15 नवम्बर, 2019 को जारी किए गए. इन आँकड़ों के अनुसार 8 नवम्बर, 2019 को कुल 477·808 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा कोष (Foreign Exchange Reserve) में विदेशी मुद्रा परिसम्पत्तियाँ (Foreign Currency Assets) 415·828 अरब डॉलर, स्वर्ण कोष 26·910 अरब डॉलर, एसडीआर (Special Drawing Rights–SDRs) 1·440 अरब डॉलर व अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के पास आरक्षित निधि (Reserve Tranche with IMF) 3·630 अरब डॉलर थी.

भारत के विदेशी मुद्रा कोष

(अरब डॉलर में)

मद	30 मार्च, 2018 की स्थिति	29 मार्च, 2019 की स्थिति	8 नवम्बर, 2019 की स्थिति
कुल विदेशी मुद्रा कोष	424·361	411·905	447·808
जिसमें–विदेशी मुद्रा परिसम्पत्तियाँ (Foreign Currency Assets)	399·118	384·053	415·828
स्वर्ण (Gold)	21·615	23·408	26·910
विदेशी आहरण अधिकार (SDR)	1·544	1·457	1·440
अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास सुरक्षित राशि (Tranch with IMF)	2·084	2·986	3·630

WWW.GAURAVBOOKS.COM

स्फीति की यह दर 0·33 प्रतिशत (अनंतिम) थी, जबकि एक वर्ष पूर्व अक्टूबर 2018 में यह 5·54 प्रतिशत थी.

थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रा-स्फीति के आँकड़े केन्द्र सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय द्वारा प्रति माह जारी किए जाते हैं. अक्टूबर 2019 में मुद्रास्फीति की दर के अनंतिम आँकडे मन्त्रालय द्वारा 14 नवम्बर, 2019 को जारी किए गए. वाणिज्य मन्त्रालय के 14 नवम्बर, 2019 के इन आँकड़ों में बताया गया है कि थोक मूल्य सूचकांक, जिसका आधार वर्ष अब 2011-12 है, अक्टूबर 2019 में 122·2 (अनंतिम) रहा था, जबकि एक माह पूर्व सितम्बर 2019 में यह 121·3 (अनंतिम) था.

2019-20 में चीनी उत्पादन में भारी कमी आने का अनुमान

2018-19 की तुलना में चालू चीनी वर्ष (अक्टूबर-सितम्बर) 2019-20 में देश में चीनी उत्पादन में 20 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है. केन्द्र सरकार के उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय (Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution) द्वारा राज्य सभा में 29 नवम्बर, 2019 को प्रदत्त एक जानकारी के अनुसार 2018-19 में देश में चीनी का कुल उत्पादन लगभग 332 लाख टन रहा था, जो 2019-20 में 273 लाख टन ही रहने का अनुमान है.

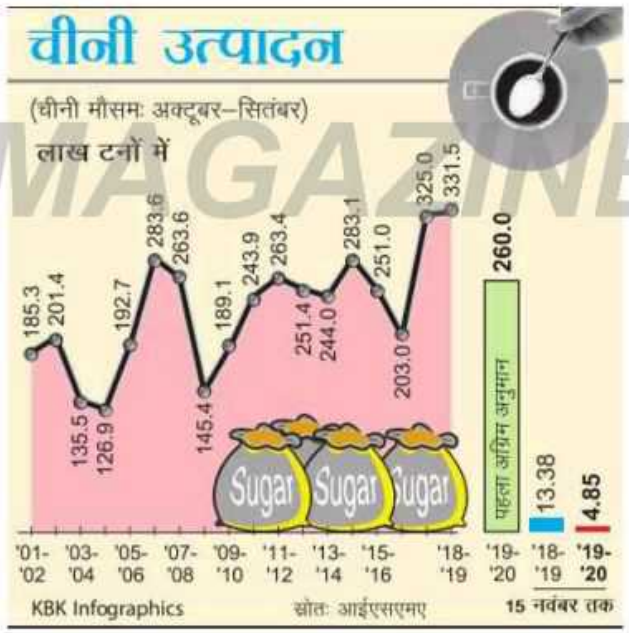

15वें वित्त आयोग के कार्यकाल में एक वर्ष की वृद्धि

एन.के. सिंह की अध्यक्षता वाले 15वें वित्त आयोग के कार्यकाल में एक वर्ष की वृद्धि सरकार ने नवम्बर माह में की है. इससे यह आयोग अब अक्टूबर 2020 तक कार्यशील रहेगा. नवम्बर 2017 में गठित इस आयोग का कार्यकाल मूलतः अक्टूबर 2019 तक था, जिसमें एक माह की वृद्धि कर 30 नवम्बर, 2019 तक यह कर दिया गया था. **केन्द्रीय मंत्रिमंडल की 27 नवम्बर, 2019 की बैठक में लिए गए निर्णय के तहत् आयोग के कार्यकाल में एक वर्ष की वृद्धि करते हुए इसे अब दो हिस्सों में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है–**

- पहले खण्ड में 2020-21 के लिए रिपोर्ट इसके द्वारा प्रस्तुत की जाएगी.
- दूसरे खण्ड में 2021-22 से 2025-26 तक के लिए रिपोर्ट इसके द्वारा 30 अक्टूबर, 2020 तक प्रस्तुत की जाएगी.

औद्योगिक प्रतिष्ठानों के सम्बन्ध में औद्योगिक श्रम संहिता विधेयक लोक सभा में प्रस्तुत

औद्योगिक प्रतिष्ठानों/उपक्रमों में रोजगार की शर्तों एवं औद्योगिक विवादों के निपटारे आदि से सम्बन्धित औद्योगिक सम्बन्ध संहिता विधेयक, 2019 (Industrial Relations Code Bill 2019) सरकार ने 28 नवम्बर, 2019 को लोक सभा में पेश किया है. मंत्रि-मण्डल द्वारा 20 नवम्बर, 2019 को स्वीकृत औद्योगिक श्रम संहिता पर आधारित विधेयक के प्रावधानों में निम्नलिखित बिन्दु शामिल हैं—

(i) श्रम विवादों के त्वरित निपटान के लिए दो सदस्यीय न्यायाधिकरण के गठन का प्रावधान इसमें है, जो महत्वपूर्ण मामलों में संयुक्त रूप से निर्णय लेगा. शेष मामलों में एकल सदस्य द्वारा निर्णय लिया जा सकेगा.

(ii) निश्चित अवधि के रोजगार (Fixed Term Employment) की अवधारणा विधेयक में प्रस्तुत की गई है, जिसके चलते कम्पनियाँ श्रमिकों को एक निश्चित अवधि के लिए अनुबंधित कर सकेंगी. अनुबन्ध की अवधि के दौरान इन श्रमिकों को स्थायी कर्मचारियों की तरह ही सामाजिक सुरक्षा के लाभ दिए जाएंगे.

(iii) निश्चित अवधि के रोजगार वाले अनुबंधित कर्मचारियों को छँटनी की स्थिति में किसी तरह के मुआवजे का भुगतान नहीं किया जाएगा तथा नोटिस अवधि की कोई सुविधा भी उन्हें नहीं दी जाएगी.

कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने विधेयक को श्रमिकों के हितों के प्रतिकूल बताते हुए इसका विरोध जहाँ किया है, वहीं श्रम मंत्री श्री संतोष गंगवार ने विधेयक प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह विधेयक श्रम सन्नियमों में सुधार की सरकार की पहल के तहत् विभिन्न श्रम कानूनों के प्रावधानों पर आधारित है.

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रमों का देश के जीडीपी एवं निर्यातों में योगदान

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रमों (Micro, Small and Medium Enterprises—MSME) के निष्पादन के सम्बन्ध में सम्बन्धित मंत्रालय ने 21 नवम्बर, 2019 को लोक सभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि—

(I) केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (CSO) के आँकड़े के अनुसार इन उपक्रमों का देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में योगदान 2015-16, 2016-17 व 2017-18 में क्रमशः 29·5 प्रतिशत, 29·3 प्रतिशत व 29·7 प्रतिशत रहा था.

(II) विदेशी व्यापार के महानिदेशालय (DGCIS) के आँकड़ों के अनुसार इन उपक्रमों का देश के निर्यातों में योगदान 2016-17, 2017-18 व 2018-19 में क्रमशः 49·6 प्रतिशत, 48·56 प्रतिशत व 48·10 प्रतिशत रहा था. चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 के पहले पाँच महीनों (अप्रैल–अगस्त 2019) में यह योगदान 49·66 प्रतिशत रहा है.

जनवरी-सितम्बर 2019 की अवधि में देश में विदेशी पर्यटक आगमन में 4·3 प्रतिशत वृद्धि

पर्यटन मन्त्रालय के आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2019 के पहले नौ महीनों में देश में विदेशी पर्यटक आगमन में 4·3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि पूर्व वर्ष 2018 में इन नौ महीनों में देश में विदेशी पर्यटक

MAGAZINE KING

आगमन में वृद्धि 6·7 प्रतिशत रही थी. **पर्यटन मंत्रालय के इन आँकड़ों के अनुसार जनवरी-सितम्बर 2019 की नौ माह की अवधि में 76·33 लाख विदेशी पर्यटकों ने भारत की यात्रा की, जबकि पूर्व वर्ष की समान अवधि (जनवरी-सितम्बर 2018) में यह संख्या 74·64 लाख थी.** मंत्रालय की विज्ञप्ति में बताया गया है कि जनवरी-सितम्बर 2019 के दौरान भारत की यात्रा पर आए 76·33 लाख विदेशी यात्रियों में से 18·99 लाख ने अपनी इस यात्रा के लिए ई-टूरिस्ट वीजा की सुविधा का उपयोग किया, जबकि पूर्व वर्ष की समान अवधि में ई-टूरिस्ट वीजा पर भारत आने वाले विदेशी यात्रियों की संख्या 15·77 लाख थी. इस प्रकार लगभग 20·4 प्रतिशत की वृद्धि इसमें हुई.

भारत में विद्युत् उत्पादन क्षमता : अक्टूबर 2019 की स्थिति

विद्युत् उत्पादन के मामले में भारत का चीन व अमरीका के पश्चात् विश्व में तीसरा स्थान है. देश में विद्युत् उत्पादन की कुल क्षमता अक्टूबर 2019 के अंत में 3,63,370 मेगावाट थी, जिसमें 2,27,644 मेगावाट क्षमता ताप-विद्युत् की, 45,399 मेगावाट जलविद्युत् की, 6,780 मेगावाट नाभिकीय विद्युत् की तथा 82,589 मेगावाट क्षमता अन्य नवीकरणीय ऊर्जा (Renewable Energy) क्षेत्र में थी. इस प्रकार कुल विद्युत् क्षमता में 63·2 प्रतिशत भाग तापीय विद्युत् का जहाँ था, जलविद्युत् क्षमता का भाग 12·6 प्रतिशत, नाभिकीय विद्युत् क्षमता का 1·9 प्रतिशत तथा नवीकरणीय विद्युत् का भाग 22·7 प्रतिशत था. कुल विद्युत् स्थापित क्षमता में 54·2 प्रतिशत भाग कोल आधारित विद्युत् का, 1·7 प्रतिशत लिग्नाइट आधारित विद्युत् का, 6·9 प्रतिशत गैस आधारित विद्युत् का तथा 0·1 प्रतिशत भाग तेल आधारित विद्युत् का था (इन चारों की गणना तापीय विद्युत् में की जाती है).

विद्युत् उत्पादन क्षमता (अक्टूबर 2019 के अन्त की स्थिति)

विद्युत्	क्षमता (मेगावाट)	कुल उत्पादन क्षमता में भाग (प्रतिशत में)
तापीय विद्युत् जिसमें–	**2,27,644**	**63·2**
कोयला आधारित	1,96,895	54·2
लिग्नाइट आधारित	6260	1·7
गैस आधारित	24,937	6·9
तेल आधारित	510	0·2
जलविद्युत्	**45,399**	**12·6**
नाभिकीय विद्युत्	**6,780**	**1·9**
नवीकरणीय स्रोत विद्युत्	**82,589**	**22·7**
कुल विद्युत् क्षमता	**3,63,370**	**100**

विद्युत् मंत्रालय के आँकड़ों के अनुसार सितम्बर 2019 के अन्त में देश में विद्युत् की कुल 3,60,456 मेगावाट स्थापित क्षमता में 1,03,015 मेगावाट (28·5 प्रतिशत) क्षमता राज्य क्षेत्र (State Sector) में 91,497 मेगावाट (25·2 प्रतिशत) केन्द्रीय क्षेत्र (Central Sector) में व शेष 1,68,858 मेगावाट (46·5 प्रतिशत) क्षमता निजी क्षेत्र (Private Sector) में थी.

भारत में कार्यरत् 22 परमाणु ऊर्जा रिएक्टर

स्थान	संयंत्र क्षमता व इकाइयों की संख्या	कुल क्षमता (मेगावाट)
कैगा (कर्नाटक)	220 × 4	880
काकरापार (गुजरात)	220 × 2	440
कुंडनकुलम (तमिलनाडु)	1000 × 2	2000
चेन्नई (कलपक्कम) (तमिलनाडु)	220 × 2	440
नरौरा (उत्तर प्रदेश)	100 × 2	440
रावतभाटा (राजस्थान)	100 × 1	
	200 × 1	
	220 × 4	1180
तारापुर (महाराष्ट्र)	160 × 2	
	540 × 2	1400
योग	**(22)**	**6780**
निर्माणाधीन संयंत्र		
काकरापार (KAPP 3 × 4) (गुजरात)	700 × 2	1400
रावतभाटा (RAPP 7 & 8) राजस्थान	700 × 2	1400
गोरखपुर (फतेहाबाद, हरियाणा (GHAVP 1 & 2)	700 × 2	1400
कुंडनकुलम (KKNPP 3 & 4) तमिलनाडु	1000 × 2	2000
कलपक्कम (PFBR) तमिलनाडु	500 × 1	500
योग	**(9)**	**6700**
ऐसे संयंत्र जिनके लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय मंजूरियाँ दी जा चुकी हैं तथा परियोजना पूर्व कार्य जारी हैं.		
चुटका (मंडला, मध्य प्रदेश)	700 × 2	1400
कैगा (Kaiga 5 & 6) कर्नाटक	700 × 2	1400
माही बाँसवाड़ा (बाँसवाड़ा, राजस्थान) 1 × 2	700 × 2	1400
3 × 4	700 × 2	1400
गोरखपुर (हरियाणा) (GHAVP 3 × 4)	700 × 2	1400
कुंडनकुलम (KKNPP 5 × 6) तमिलनाडु	1000 × 2	2000
योग	**(12)**	**9000**
प्रस्तावित संयंत्र, जिनके लिए सैद्धांतिक मंजूरी सरकार द्वारा प्रदान की जा चुकी है (इनमें से कुछ स्थानों पर नाभिकीय संयंत्रों की स्थापना का स्थानीय लोगों द्वारा विरोध भी किया जा रहा है)		
भीमपुर (मध्य प्रदेश)	700 × 4	2800
जैतपुर (महाराष्ट्र)	1650 × 6	9900
कोवाडा (आन्ध्र प्रदेश)	1208 × 6	7248
छाया मीठी विर्डी (गुजरात)	1000 × 6	6000
हरीपुर (पश्चिम बंगाल)	1000 × 6	6000
योग	**(28)**	**31948**

भारत का 39वाँ अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला नई दिल्ली में सम्पन्न

इण्डिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन (ITPO) के तत्वावधान में भारत का 39वाँ अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (India International Trade Fair—IITF-2019) 14-27

शेष पृष्ठ 39 पर

MAGAZINE KING

नवीनतम सामान्य ज्ञान

शब्द संक्षेप
(Abbreviation)

आईआरआईएफएम–इंडियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंशियल मैनेजमेंट

IRIFM—Indian Railway Institute of Financial Management.

व्याख्या–रेलवे वित्त के सम्बन्ध में प्रशिक्षण हेतु इस संस्थान की स्थापना सिकन्दराबाद (हैदराबाद) (तेलंगाना) में की गई है. इसका उद्घाटन रेलवे बोर्ड के चेयरमैन विनोद कुमार यादव ने 24 नवम्बर, 2019 को किया.

नियुक्तियाँ
(Appointments)

गोबिन्द सिंह लोंगोवाल लगातार तीसरी बार एसजीपीसी के अध्यक्ष

पंजाब में चार बार विधायक एवं मन्त्री रह चुके जत्थेदार गोबिन्द सिंह लोंगोवाल शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी (SGPC) के अध्यक्ष सर्वसम्मति से पुनर्निर्वाचित हुए हैं. शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के करीबी जत्थेदार लोंगोवाल लगातार तीसरी बार इस पद पर सर्वसम्मति से चुने गए हैं.

जी. कमला वर्धना राव

भारतीय प्रशासनिक सेवा के जी. कमला वर्धना राव भारतीय पर्यटन विकास निगम (ITDC) के नए चेयरमैन सह प्रबन्ध निदेशक (CMD) नवम्बर 2019 में बनाए गए हैं. इस नियुक्ति से पूर्व विभिन्न पदों पर रहे श्री राव केरल पर्यटन के सचिव भी रह चुके हैं.

सोमा राय बर्मन भारत की नई लेखा महानियंत्रक

भारतीय नागरिक सेवा लेखा Indian Civil Accounts Service—ICAS) सेवा की 1986 बैच की अधिकारी श्रीमती सोमा राय बर्मन भारत की नई लेखा महानियंत्रक (Controller General of Accounts—CGA) नियुक्त की गई हैं. अपना यह कार्यभार 1 दिसम्बर, 2019 से उन्होंने ग्रहण किया है. वह भारत की 24वीं लेखा महानियंत्रक हैं तथा इस पद पर नियुक्त होने वाली सातवीं महिला वह हैं. इस नियुक्ति से पूर्व वह लेखा महानियंत्रक कार्यालय में अतिरिक्त लेखा महानियंत्रक थीं.

पुरस्कार/सम्मान
(Awards/Honours)

पूर्टोरिको की नेलीज़ पिमेंटल मिस अर्थ (2019) प्रतियोगिता की विजेता

वर्ष 2019 की मिस अर्थ प्रतियोगिता का आयोजन फिलीपींस में पैरानैक (Paranaque) सिटी में 26 अक्टूबर, 2019 को हुआ, जिसमें भारत सहित 85 देशों की सुन्दरियों ने भाग लिया. इस प्रतियोगिता का ताज पूर्टोरिको की नैलीज़ पिमेंटल (Nellys Pimental) ने जीता. गत वर्ष की मिस अर्थ वियतनाम की न्युयेन फुओंग ने उन्हें इसका ताज पहनाया. यह पहला ही अवसर है जब पूर्टोरिको की किसी सुन्दरी ने मिस अर्थ का ताज जीता है.

चैक गणराज्य की क्लारा वावरुस्कोवा को मिस अर्थ (वाटर) 2019, बेलारूस की अलेसा मानेनोक को मिस अर्थ (फायर) 2019 तथा अमरीका की इमानी डेविस को मिस अर्थ (एयर) 2019 का ताज इस प्रतियोगिता में प्राप्त हुआ. 85 देशों की सुन्दरियों ने इस वर्ष की मिस अर्थ प्रतियोगिता में भाग लिया था. इनमें भारत की तेजस्वनी मनोगना शामिल थीं.

भारत की केवल एक सुन्दरी (निकोल फारिया ने 2010 में) मिस अर्थ का खिताब अब तक जीता है.

पत्रकारिता के क्षेत्र के प्रेस काउंसिल ऑफ इण्डिया के पुरस्कार (2019)

पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI) के वर्ष 2019 के पुरस्कारों की घोषणा नवम्बर 2019 में की गई. **इनमें प्रमुख राजा राममोहन राय पुरस्कार राजस्थान पत्रिका समाचार पत्र समूह के चेयरमैन गुलाब कोठारी को प्रदान किया गया है.** काउंसिल के अन्य पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है–

विकासात्मक रिपोर्टिंग की श्रेणी का –पुरस्कार–शिव स्वरूप अवस्थी (दैनिक जागरण) व अनु अब्राहम (मातृभूमि, कालीकट) को संयुक्त रूप से

ग्रामीण पत्रकारिता के क्षेत्र का पुरस्कार–संजय सैनी (दैनिक भास्कर मंडी) व राज चेंगप्पा (इंडिया टुडे) को संयुक्त रूप से

जैंडर बेस्ड रिपोर्टिंग–अनुराधा मास्करान्हेहास (इंडियन एक्सप्रेस) व रूबी सरकार को संयुक्त रूप से

वित्तीय रिपोर्टिंग–सदीप सिंह (इंडियन एक्सप्रेस) व कृष्ण कौशिक को संयुक्त रूप से

फोटो पत्रकारिता–पी. जी. उन्नीकृष्णन (मातृभूमि) व ईएस अखिल (मातृभूमि) को संयुक्त रूप से

फोटो पत्रकारिका (फोटो फीचर कैटेगरी)–सिप्रा दास (इंडियन एम्पायर मैगजीन)

खेल रिपोर्टिंग–सुभाष दुग्गल (हिन्दुस्तान टाइम्स)

इंफोसिस साइंस फाउंडेशन के पुरस्कार (2019)

इंफोसिस साइंस फाउंडेशन के वर्ष 2019 के पुरस्कारों की घोषणा बेंगलूरू में 7 नवम्बर, 2019 को की गई. **यह पुरस्कार इंजीनियरिंग एवं कम्प्यूटर साइंस, ह्यूमेनिटीज़ लाइफ साइंसेज, मैथेमैटिकल साइंसेज फिजीकल साइंसेज व सोशल साइंसेज़ सहित कुल 6 श्रेणियों में प्रतिवर्ष दिए जाते हैं.**

इंफोसिस साइंस फाउंडेशन द्वारा इन पुरस्कारों की स्थापना 2009 में की गई थी, तथा शुरू में पाँच श्रेणियों में ही यह पुरस्कार दिए जाते थे. **ह्यूमेनिटीज़ के क्षेत्र के पुरस्कार की शुरूआत 2012 में की गई थी.**

इन पुरस्कारों के तहत् शुद्ध सोने के पदक व प्रशस्ति-पत्र के साथ नकद राशि पुरस्कृतों को प्रदान की जाती है. नकद राशि में वृद्धि विभिन्न वर्षों में की जाती रही है. वर्तमान में प्रत्येक पुरस्कार के तहत् दी जाने वाली राशि एक-एक लाख डॉलर है. वर्ष 2019 के यह पुरस्कार निम्नलिखित को प्रदान करने की घोषणा फाउंडेशन द्वारा की गई है–

इंजीनियरिंग एवं कम्प्यूटर साइंस–प्रो. सुनीता सरबागी (आईआईटी, मुम्बई)

MAGAZINE KING

ह्यूमेनिटीज़–मनु वी. देवदेवन (स्कूल ऑफ ह्यूमेनिटीज़ एण्ड सोशल साइंसेज, आईआईटी मंडी)

लाइफ साइंसेज़–मंजुला रेड्डी (सेंटर फॉर सेल्युलर एण्ड मॉलिक्युलर बायोलॉजी, हैदराबाद)

मैथेमेटिकल साइंसेज़–प्रो. सिद्धार्थ मिश्र (ईटीएच, ज्यूरिच)

फिज़ीकल साइंसेज–प्रो. जी. मुगेश (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बेंगलूरू)

सोशल साइंसेज़–प्रो. आनन्द पांडियान जॉंस हॉपकिंस यूनीवर्सिटी)

फोर्ब्स इण्डिया लीडरशिप पुरस्कार (2019)

फोर्ब्स इण्डिया के वर्ष 2019 के उद्योग व्यापार जगत् के (नौवें) पुरस्कारों (FILA-2019) का वितरण मुम्बई में 22 नवम्बर, 2019 को किया गया. नौ विभिन्न श्रेणियों में यह पुरस्कार निम्नलिखित को दिए गए हैं–

वर्ष के आउटस्टैंडिंग स्टार्ट-अप (Outstanding Start up for the Year)–उड़ान (B_2B ई कॉमर्स कम्पनी)

जेन नैक्स्ट एंटरप्रिन्योर फॉर द ईयर (Gen Next Entrepreneur for the Year)–नाडिया चौहान (पार्ले एग्रो)

एंटरप्रिन्योर विद सोशल इम्पैक्ट (Entrepreneur with Social Impact)–संदीप पटेल (संस्थापक ने प्रा)

सर्वश्रेष्ठ सीईओ-मल्टीनेशनल कम्पनी–मनु कुमार जैन (सीएमडी शियाओमी इंडिया)

सर्वश्रेष्ठ सीईओ-पब्लिक सेक्टर कम्पनी–ईएस रंगनाथन (एमडी इन्द्रप्रस्थ गैस)

सर्वश्रेष्ठ सीईओ-प्राइवेट सेक्टर–सौगाता गुप्ता (मैरिको)

लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार– शिव नाडार (चेयरमैन एचसीएल)

एंटरप्रिन्योर ऑफ द ईयर–अनिल राय गुप्ता चेयरमैन एण्ड मैनेजिंग डायरेक्टर हैवेल्स इंडिया)

ज्यूरी का विशेष पुरस्कार–भास्कर भट (टाइटन इंडस्ट्रीज़)

मिस्टर यूनीवर्स (2019)

दिल्ली के 33 वर्षीय 'बॉडी बिल्डर' चित्रेश नटेसन (Chitharesh Natesan) द. कोरिया में जेजू द्वीप में नवम्बर 2019 में सम्पन्न 11वीं वर्ल्ड बॉडी बिल्डिंग एण्ड फिज़ीक स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप में मिस्टर यूनीवर्स (2019) चुने गए हैं. मूलतः केरल के चित्रेश ने यह खिताब 90 किग्रा वर्ग में जीता है. यह खिताब जीतने वाले वह पहले भारतीय हैं.

शान्ति, निःशस्त्रीकरण एवं विकास हेतु इंदिरा गांधी पुरस्कार (2019)

शान्ति, निःशस्त्रीकरण एवं विकास हेतु वर्ष 2019 ***का इंदिरा गांधी पुरस्कार*** *(Indira Gandhi Prize for Peace, Disarmament and Development) ब्रिटेन के प्रसिद्ध प्रकृतिवादी एवं प्रसारक सर डेविड एटनबरो (David Attenborough) को दिया जाएगा. पुरस्कार प्रदान करने वाले इंदिरा गांधी स्मारक न्यास ने यह घोषणा 19 नवम्बर, 2019 को इंदिरा गांधी के जन्म दिवस पर की. लम्बे समय से बीबीसी से सम्बद्ध रहे डेविड एटनबरो प्रसिद्ध फिल्म निर्माता निर्देशक रिचर्ड एटनबरो के छोटे भाई हैं तथा नाइटहुड से भी सम्मानित हैं. इंदिरा गांधी शान्ति पुरस्कार हेतु उनका चयन पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी की अध्यक्षता वाली अन्तर्राष्ट्रीय ज्यूरी ने किया. इससे पूर्व वर्ष 2018 का यह पुरस्कार पर्यावरण एवं विकास सम्बन्धी थिंक टैंक सेंटर फॉर साइंस एण्ड एनवायरनमेंट (CSE) को, वर्ष 2017 का पुरस्कार पूर्व प्रधानमन्त्री डॉ. मनमोहन सिंह को व उससे पूर्व 2015 का पुरस्कार शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त कार्यालय (Office of the United Nation High Commissioner for Refugees–UNHCR) को दिया गया था.*

भारत की पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी की 1984 में हुई हत्या के पश्चात् भारत सरकार के इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा इस पुरस्कार की शुरूआत 1986 से की गई थी. यह अन्तर्राष्ट्रीय वार्षिक पुरस्कार किसी ऐसे व्यक्ति अथवा संस्था को प्रदान किया जाता है, जिसने समाज सेवा, निःशस्त्रीकरण अथवा विकास की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो. पुरस्कार के तहत् ₹ 25 लाख की राशि प्रदान की जाती है. यह पुरस्कार अब तक निम्नलिखित को प्रदान किया जा चुका है–

वर्ष	पुरस्कृत व्यक्ति/संस्था
1986	पार्लियामेंटेरियंस फॉर ग्लोबल एक्शन
1987	मिखाइल गोर्बाच्योव (तत्कालीन सोवियत संघ के नेता)
1988	ग्रो हार्लेम ब्रड्टलैण्ड (नॉर्वे की पूर्व प्रधानमंत्री)
1989	यूनीसेफ
1990	सैम नुजोमा (नामीबिया के पहले राष्ट्रपति)
1991	राजीव गांधी (भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, मरणोपरान्त)
1992	साबुरो ओकिता (जापानी अर्थशास्त्री)
1993	वाक्लाव हावेल (चैक गणराज्य के तत्कालीन राष्ट्रपति)
1994	ट्रेवोर हडलेस्टन (रंगभेद विरोधी नेता)
1995	ओलुसेगुन ओबसाजो (नाइजीरिया के तत्कालीन राष्ट्रपति)
1996	मेडिसिस सांस फ्रंटियर्स (स्वयंसेवी संस्था)
1997	जिमी कार्टर (अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति)
1998	मोहम्मद यूनुस (बांग्लादेश के ग्रामीण बैंक के संस्थापक)
1999	एम. एस. स्वामीनाथन (भारत के कृषि वैज्ञानिक)
2000	मेरी रॉबिसन (आयरलैण्ड की पूर्व राष्ट्रपति)
2001	सदाको ओगाटा (जापान) (भूतपूर्व यू एन हाईकमिश्नर फॉर रिफ्यूजीस)
2002	श्रीदत्त रामफल (राष्ट्रमण्डल के द्वितीय महासचिव)
2003	कोफी अन्नान (यूएनओ के 7वें महासचिव)
2004	महाचक्री सिरिनधोर्न (थाइलैण्ड की राजकुमारी)
2005	हामिद करजई (अफगानिस्तान के राष्ट्रपति)
2006	वंगारी मथाई (कीनिया की पर्यावरणवादी)
2007	बिल एण्ड मिलिडा गेट्स फाउण्डेशन (अमरीका की समाजसेवी संस्था)
2008	मोहम्मद अल बरदेई (मिस्र) (अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के चौथे महासचिव)
2009	शेख हसीना (बांग्लादेश की प्रधानमंत्री)
2010	लुइस इनासियो लुला ड सिल्वा (ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति)
2011	इला भट्ट (भारत) 'सेवा' (SEWA) की संस्थापक
2012	एलन जॉनसन सरलीफ (लाइबेरिया की राष्ट्रपति)
2013	एंजेला मर्केल (जर्मनी की चांसलर)
2014	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)
2015	शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त (UNHCR) कार्यालय
2017	डॉ. मनमोहन सिंह
2018	सेंटर फॉर साइंस एण्ड एनवायरमेंट (CSE)
2019	सर डेविड एटनबरो

MAGAZINE KING

किपचोगे व दलिलाह मुहम्मद वर्ष 2019 के सर्वश्रेष्ठ एथलीट

दो घण्टे से कम समय में मैराथन दौड़ पूरी करने वाले विश्व के एकमात्र एथलीट एल्युड किपचोगे (Eliud Kipchoge) को पुरुषों में तथा 400 मी बाधा दौड़ में नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने वाली दलिलाह मुहम्मद (Dalilah Muhammad) को महिलाओं में वर्ष 2019 के सर्वश्रेष्ठ एथलीट का पुरस्कार अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ (International Association of Athelatics Federation—IAAF) ने नवम्बर 2019 में प्रदान किया है. पुरस्कारों का वितरण मोनाको में 23 नवम्बर, 2019 को हुआ. **कीनिया के लम्बी दूरी के धावक किपचोगे को लगातार दूसरे वर्ष आईएएएफ का यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है.**

एल्युड किपचोगे व दलिलाह मुहम्मद वर्ष 2019 के सर्वश्रेष्ठ एथलीट्स की अपनी ट्रॉफियों के साथ.

35 वर्षीय किपचोगे रिकॉर्ड 4 बार लंदन मैराथन के तथा 3 बार बर्लिन मैराथन के विजेता रहे हैं तथा 2016 के रियो डि जेनेरो ओलम्पिक्स में भी मैराथन दौड़ में स्वर्ण पदक उन्होंने जीता था. **12 अक्टूबर, 2019 को विएना (आस्ट्रिया) में एक मैराथन दौड़ केवल 1 घण्टा 59 मिनट 40 सेकण्ड में पूरी करके दो घण्टे से कम समय में मैराथन पूरी करने वाले विश्व के पहले एथलीट वह बने थे, किन्तु अधिकृत दौड़ न होने के कारण इसे विश्व रिकॉर्ड के रूप में दर्ज नहीं किया गया था.**

महिलाओं में सर्वश्रेष्ठ एथलीट का पुरस्कार जीतने वाली अमरीका की 29 वर्षीय धाविका दलिलाह मुहम्मद (Dalilah Muhammad) ने इस वर्ष अक्टूबर 2019 में कतर में दोहा में सम्पन्न विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 400 मी बाधा दौड़ नए विश्व रिकॉर्ड (52·16 सेकण्ड) के साथ जीती थी. इस दौड़ में अपना ही पिछला विश्व रिकॉर्ड उन्होंने भंग किया था.

23 नवम्बर, 2019 को अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ के मोनाको में सम्पन्न पुरस्कार वितरण समारोह में इथियोपिया के लम्बी दूरी के धावक सेलेमन बारेगा शिर्तागा (Selemon Barega Shirtaga) को पुरुषों में तथा यूक्रेन की ऊँची कूद एथलीट यारोस्लावा माहुचिख (Yaroslava Mahuchikh) को महिलाओं में **राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर** के पुरस्कार दिए गए.

मलयालम कवि अक्कीथम को ज्ञानपीठ पुरस्कार (2019)

मलयालम के प्रसिद्ध कवि अक्कीथम को वर्ष 2019 के (55वें) ज्ञानपीठ पुरस्कार हेतु चुना गया है. उन्हें यह पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय ज्ञानपीठ चयन समिति की नई दिल्ली में 29 नवम्बर, 2019 को सम्पन्न बैठक में लिया गया. साहित्य के क्षेत्र में देश के इस सर्वोच्च पुरस्कार के तहत् बागदेवी की प्रतिमा व प्रशस्ति-पत्र के साथ ₹ 11 लाख की राशि उन्हें प्रदान की जाएगी.

अक्कीथम अच्युतन नम्बूदिरी

- *2019 के ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित मलयालम साहित्यकार अक्कीथन का पूरा नाम **अक्कीथम अच्युतन नम्बूदिरी** है और वह अक्कीथम के नाम से प्रसिद्ध हैं. 93 वर्षीय अक्कीथम की कुल 55 पुस्तकें प्रकाशित हैं, जिनमें 45 कविता संग्रह हैं. उनकी चर्चित पुस्तकों में खण्ड काव्य, कथा काव्य व चरित्र काव्य के अतिरिक्त श्री महाभागवतम्, बालिदर्शनम, निमिषा क्षेत्रम अमृतघटिका आदि शामिल हैं. वह साहित्य के क्षेत्र के साहित्य अकादमी पुरस्कार, केरल साहित्य अकादमी पुरस्कार, मातृभूमि पुरस्कार व कबीर सम्मान आदि के अतिरिक्त पद्म श्री (2017) से भी सम्मानित हैं.*
- *ज्ञानपीठ पुरस्कार भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भारतीय भाषाओं में से ही किसी भाषा में उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान के लिए 1965 से दिया जाता रहा है तथा यह छठा अवसर है, जब मलयालम भाषा के लिए यह पुरस्कार दिया गया है. वर्ष 1965 का पहला ज्ञानपीठ पुरस्कार मलयालम साहित्यकार जी. शंकर कुरूप को दिया गया था. बाद में इस पुरस्कार से सम्मानित अन्य मलयालम साहित्यकारों में एस. के. पोट्टेकट (1980 का पुरस्कार), तक्षी शिवशंकर पिल्लई (1984), एम. टी. वासुदेवन नायर (1995), ओ एन वी. कुरूप (2007 का पुरस्कार शामिल हैं)*

ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार

वर्ष	पुरस्कार विजेता	वर्ष	पुरस्कार विजेता
1965	जी. शंकर कुरूप (मलयालम)	1992	नरेश मेहता (हिन्दी)
1966	ताराशंकर बंध्योपाध्याय (बांग्ला)	1993	डॉ. सीताकान्त महापात्र (ओडिया)
1967	(1) के. वी. पुटप्पा (कन्नड़),	1994	प्रो. यू. आर. अनंतमूर्ति (कन्नड़)
	(2) उमाशंकर जोशी (गुजराती)	1995	एम. टी. वासुदेवन नायर (मलयालम)
1968	सुमित्रानन्दन पन्त (हिन्दी)	1996	श्रीमती महाश्वेता देवी (बांग्ला)
1969	फिराक गोरखपुरी (उर्दू)	1997	अली सरदार जाफरी (उर्दू)
1970	विश्वनाथ सत्यनारायण (तेलुगू)	1998	गिरीश कर्नाड (कन्नड़)
1971	विष्णु डे (बांग्ला)	1999	(1) निर्मल वर्मा (हिन्दी),
1972	रामधारी सिंह 'दिनकर' (हिन्दी)		(2) गुरदयाल सिंह (पंजाबी)
1973	(1) डॉ. दत्तात्रेय रामचन्द्र बेन्द्रे (कन्नड़)	2000	इन्दिरा गोस्वामी (असमिया)
	(2) गोपीनाथ मोहन्ती (ओडिया)	2001	राजेन्द्र केशवलाल (गुजराती)
1974	विष्णु सखा खाण्डेकर (मराठी)	2002	डी. जयकांतन (तमिल)
1975	ए. वी. अकिलन्दम (तमिल)	2003	विंदा करंदीकर (मराठी)
1976	श्रीमती आशापूर्णा देवी (बांग्ला)	2004	रहमान राही (कश्मीरी)
1977	शिवराम कारन्थ (कन्नड़)	2005	कुँवर नारायण (हिन्दी)
1978	एच. एस. अज्ञेय (हिन्दी)	2006	(1) रवीन्द्र केलकर (कोंकणी),
1979	डॉ. वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य (असमिया)		(2) सत्यव्रत शास्त्री (संस्कृत)
1980	एस. के. पोट्टेकट (मलयालम)	2007	ओ. एन. वी. कुरूप (मलयालम)
1981	अमृता प्रीतम (पंजाबी)	2008	अखलाख मोहम्मद खान (शहरयार)
1982	महादेवी वर्मा (हिन्दी)	2009	(1) अमरकांत (हिन्दी) (2) श्री लाल शुक्ला (हिन्दी)
1983	मस्ति वेंकटेश आयंगर (कन्नड़)	2010	चन्द्रशेखर कंबार (कन्नड़)
1984	तक्षी शिवशंकर पिल्लई (मलयालम)	2011	प्रतिभा राय (ओडिया)
1985	पन्नालाल पटेल (गुजराती)	2012	डॉ. रावुरी भारद्वाज (तेलुगू)
1986	सच्चिदानन्द राउतराय (ओडिया)	2013	प्रो. केदारनाथ सिंह (हिन्दी)
1987	वि. वा. शिरवाडकर (मराठी)	2014	भालचन्द्र नेमाडे (मराठी)
1988	सी. नारायण रेड्डी (तेलुगू)	2015	रघुवीर चौधरी (गुजराती)
1989	कुर्रतुल एन. हैदर (उर्दू)	2016	शंख घोष (बांग्ला)
1990	विनायक कृष्ण गोकाक (कन्नड़)	2017	कृष्णा सोबती (हिन्दी)
1991	सुभाष मुखोपाध्याय (बांग्ला)	2018	अमिताव घोष (अंग्रेजी)
		2019	अक्कीथम अच्युतम नम्बूदिरी (मलयालम)

निधन
(Death)

कैलाश जोशी

मध्य प्रदेश के पहले गैर-कांग्रेसी मुख्यमन्त्री श्री कैलाश जोशी का 91 वर्ष की आयु में 24 नवम्बर, 2019 को भोपाल में निधन हो गया. भारतीय जनसंघ के

MAGAZINE KING

संस्थापकों में रहे श्री जोशी आठ बार विधायक, दो बार लोक सभा के व एक बार राज्य सभा के सदस्य रहे थे. वह जून 1977 से जनवरी 1978 तक लगभग सात माह तक मध्य प्रदेश के मुख्यमन्त्री रहे थे. उनके निधन पर तीन दिन का राजकीय शोक प्रदेश सरकार द्वारा घोषित किया गया.

सुशील कुमार

पूर्व नौसेनाध्यक्ष एडमिरल सुशील कुमार का 27 नवम्बर, 2019 को नोएडा के एक अस्पताल में निधन हो गया. वह 79 वर्ष के थे. 1998-2001 के दौरान भारतीय नौसेना के प्रमुख वह रहे थे.

सुधीर दर

जाने माने कार्टूनिस्ट सुधीर दर का 87 वर्ष की आयु में गुरुग्राम में 26 नवम्बर, 2019 को निधन हो गया. हिन्दुस्तान टाइम्स, द पायनियर, द स्टेट्समैन व द इंडिपिडेंट आदि के अतिरिक्त न्यूयॉर्क टाइम्स, वाशिंगटन पोस्ट आदि विश्व विख्यात विदेशी समाचार पत्रों के लिए भी कार्टून उन्होंने बनाए थे.

यासुहिरो नकासोने

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री यासुहिरो नकासोने (Yasuhiro Nakasone) का 6 नवम्बर, 2019 को निधन हो गया. वह 101 वर्ष के थे. 50 वर्षों से भी अधिक समय तक जापान की प्रतिनिधि सभा (जापानी संसद 'डायट' का निचला सदन) के सदस्य रहे थे. 1982-87 के दौरान वह लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष रहने के साथ जापान के प्रधानमंत्री रहे थे. सरकारी कम्पनियों के निजीकरण के पक्षधर वह रहे थे.

टी.एन. शेषन

भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी. एन. शेषन का 87 वर्ष की आयु में 10 नवम्बर, 2019 को चेन्नई में निधन हो गया. भारतीय प्रशासनिक सेवा के दौरान मार्च-दिसम्बर 1989 के दौरान केबिनेट सेक्रेटरी रहे श्री शेषन दिसम्बर 1990 में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (Chief Election Commissioner) नियुक्त किए गए थे. वह 1996 तक इस पद पर रहे थे. **मुख्य चुनाव आयुक्त पद पर उनके कार्यकाल के दौरान स्वतंत्र स्वच्छ एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए नियमों का कड़ाई से पालन किया गया था जिसके चलते तत्कालीन सरकार व अन्य विभिन्न राजनीतिक नेताओं के साथ अनेक विवाद उनके हुए थे.** सरकारी सेवा के लिए 1996 में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से उन्हें सम्मानित किया गया था.

टी.एन. शेषन

रमाकांत गुंदेचा

भोपाल के प्रसिद्ध ध्रुपद गायक रमाकांत गुंदेचा का 56 वर्ष की आयु में हृदयाघात से 8 नवम्बर, 2019 को निधन हो गया. 'गुंदेचा भाइयों' में से छोटे रमाकांत पद्मश्री के अतिरिक्त संगीत जगत् के अनेक पुरस्कारों से सम्मानित थे.

वशिष्ठ नारायण सिंह

प्रसिद्ध गणितज्ञ वशिष्ठ नारायण सिंह का 74 वर्ष की आयु में 14 नवम्बर, 2019 को पटना में निधन हो गया. वह लम्बे समय से बीमार थे. कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त प्रो. वशिष्ठ नारायण सिंह वाशिंगटन यूनीवर्सिटी में कुछ समय तक अध्यापन के पश्चात् 'नासा' से भी सम्बद्ध रहे थे. 1971 में भारत लौटने के पश्चात् वह आईआईटी कानपुर, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (मुम्बई) व इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट (कोलकाता) आदि से सम्बद्ध रहे थे. वह मानसिक रोग सिजोफ्रेनिया (Schizophrenia) से लम्बे समय तक पीड़ित रहे थे, जिसके चलते पटना में अधिकांश समय तक गुमनामी का जीवन उन्होंने व्यतीत किया था.

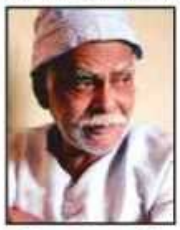
वशिष्ठ नारायण सिंह

शेख सुल्तान बिन जायद अल नाहयान

संयुक्त अरब अमीरात के शाही अल नाहयान परिवार के सुल्तान बिन जायद बिन सुल्तान अल नाहयान का 62 वर्ष की आयु में 18 नवम्बर, 2019 को ह्यूस्टन टेक्सास में निधन हो गया.

वर्ष/दिवस/सप्ताह
(Year/Days/Week)

नवम्बर 2019

1 नवम्बर–हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक व केरल के स्थापना दिवस

7 नवम्बर–राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस

9 नवम्बर–उत्तराखण्ड का स्थापना दिवस

(9 नवम्बर, 2019 को उत्तराखण्ड की स्थापना की 19वीं वर्षगाँठ राज्य में मनाई गई.)

9 नवम्बर–राष्ट्रीय विधिक साक्षरता दिवस

10 नवम्बर–शांति एवं विकास हेतु विश्व विज्ञान दिवस

11 नवम्बर–राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

(भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस 11 नवम्बर, 2008 से राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में देश में मनाया जा रहा है.)

11 नवम्बर–प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति का स्मरण दिवस

(1914–18 के प्रथम विश्व युद्ध के युद्ध विराम पर हस्ताक्षर 11 नवम्बर, 1918 को हुए थे, जब आर्मिस्टिक सन्धि पर हस्ताक्षर किए गए थे. इस उपलक्ष्य में 11 नवम्बर को 'रिमेम्ब्रेंस डे' के रूप में मनाया जाता है. कुछ देशों में इसे 'आर्मिस्टिक डे' व 'पॉपी डे' भी कहा जाता है.)

14 नवम्बर–बाल दिवस (भारत)

(दिवंगत प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म दिवस)

14 नवम्बर–विश्व मधुमेह दिवस

(इंसुलिन की खोज करने वाले वैज्ञानिक फ्रेडरिक का जन्म दिवस)

15 नवम्बर–झारखण्ड का स्थापना दिवस

(15 नवम्बर, 2000 को गठित झारखण्ड की स्थापना का 19वाँ स्थापना दिवस 15 नवम्बर, 2019 को मनाया गया.)

15 नवम्बर–बिरसा मुण्डा जयन्ती

16 नवम्बर–अन्तर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस (International Day for Tolerance)

16 नवम्बर–राष्ट्रीय प्रेस दिवस

17 नवम्बर–राष्ट्रीय मिर्गी रोग दिवस

19 नवम्बर–अन्तर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस

19 नवम्बर–विश्व शौचालय दिवस

19 नवम्बर–पूर्व प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी का जन्म दिवस

20 नवम्बर–यूनीवर्सल चिल्ड्रन्स डे

21 नवम्बर–विश्व मत्स्यिकी दिवस

21 नवम्बर–विश्व टेलीविजन दिवस (संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 17 दिसम्बर 1996 को एक प्रस्ताव पारित कर 21 नवम्बर को विश्व टेलीविजन दिवस के रूप में स्वीकार किया था)

25 नवम्बर–महिलाओं के विरुद्ध हिंसा पर रोक हेतु अन्तर्राष्ट्रीय दिवस

26 नवम्बर–राष्ट्रीय विधि दिवस (संविधान दिवस)

(भारत का संविधान 26 नवम्बर, 1949 को संविधान सभा में अंगीकृत किया गया था. इसी परिप्रेक्ष्य में 26 नवम्बर को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय विधि दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है)

पुस्तकें
(Books)

गुड इकोनॉमिक्स फॉर हार्ड टाइम्स
(Good Economics for Hard Times)

–अभिजीत वी. बनर्जी व एस्थर डुफ्लो

(12 नवम्बर, 2019 को प्रकाशित)

MAGAZINE KING

नो वन इज टू स्मॉल टु मेक ए डिफरेंस (No one is Too Small to Make a Difference) –ग्रेटा थुनबर्ग

(12 नवम्बर, 2019 को प्रकाशित)

अन्तरिक्ष (Space)

20 नए उपग्रहों की खोज से शनि अब सर्वाधिक ज्ञात उपग्रहों वाला ग्रह हुआ

वाशिंगटन डीसी स्थित कार्नेगी इंस्टीट्यूशन फॉर साइंस (Carnegie Institution for Science) के वैज्ञानिकों ने शनि (Saturn) के 20 नए उपग्रहों की खोज का दावा अक्टूबर 2019 में किया है. नए उपग्रहों की खोज हवाई स्थित सुबारू टेलीस्कोप (Subaru Telescope) की मदद से की गई. शनि के ज्ञात उपग्रहों की कुल संख्या अब 82 हो गई है तथा सौरमण्डल में सर्वाधिक ज्ञात उपग्रहों वाला ग्रह यह अब हो गया है. इससे पूर्व यह दर्जा बृहस्पति (Jupiter) का था, जिसके ज्ञात उपग्रहों की संख्या 79 है. बृहस्पति 1990 के अन्त से ही सर्वाधिक उपग्रहों वाला ग्रह माना जाता रहा है.

शनि के नए खोजे गए उपग्रहों का व्यास 2 से 5 किमी तक है तथा इनमें से 17 उपग्रह शनि के चक्कर लगाने की दिशा के विपरीत दिशा (Retrograde) में इसके चक्कर लगा रहे हैं, जबकि शेष तीन शनि की दिशा में (Prograde) इसके चक्कर लगा रहे हैं. वैज्ञानिकों का मानना है कि रेट्रोग्रेड व प्रोग्रेड उपग्रह तीन बड़े पिंडों से टूट कर बने हैं.

वॉयजर-2 अब इंटर स्टेलर स्पेस में

बाहरी ग्रहों, बृहस्पति, शनि, यूरेनस व नेपच्यून आदि ग्रहों के अध्ययन हेतु अमरीकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा (NASA-National Aeronautics and Space Administration) द्वारा 42 वर्ष पूर्व 20 अगस्त, 1977 को प्रक्षेपित मानव रहित अंतरिक्ष शोधयान वॉयजर-2 (Voyager-2) के 'इंटरस्टेलर स्पेस' (Interstellar Space–सौरमण्डल के बाहर तारों के बीच) में एक वर्ष नवम्बर 2019 को पूरे हुए हैं. बृहस्पति (Jupiter), शनि (Saturn), यूरेनस (Uranus) व नेपच्यून (Neptune) के पास से गुजरते हुए 5 नवम्बर, 2018 को सौरमण्डल की अंतिम सीमा हीलियोस्फीयर (Heliosphere) को पार कर इंटरस्टेलर स्पेस में इसने प्रवेश कर लिया था. सौरमण्डल के बाहर तारों के बीच इसका एक वर्ष नवम्बर 2019 में पूरा हो गया है.

- *वॉयजर-2 सौरमण्डल के बाहर निकलने वाला दूसरा मानव निर्मित यान है. इससे पूर्व इसका ही जुड़वाँ वॉयजर-1, 25 अगस्त, 2012 को हीलियोस्फीयर को पार कर 'इंटरस्टेलर स्पेस' में प्रवेश कर गया था.*
- *वॉयजर-1 का प्रक्षेपण वॉयजर-2 के प्रक्षेपण के 16 दिन पश्चात् 5 सितम्बर, 1977 को किया गया था.*

महोत्सव (Festival)

पूर्वोत्तर राज्यों का आठवाँ अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (2019) मणिपुर में इंफाल में सम्पन्न

केन्द्रीय पर्यटन मन्त्रालय के तत्वावधान में (पूर्वोत्तर राज्यों हेतु आठवें) अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट का आयोजन मणिपुर की राजधानी इंफाल में 23–25 नवम्बर, 2019 को हुआ. मणिपुर सरकार व पूर्वोत्तर राज्यों के सहयोग से आयोजित इस पर्यटन मार्ट का उद्घाटन केन्द्रीय पर्यटन राज्य मन्त्री (स्वतन्त्र प्रभार) श्री प्रहलाद सिंह पटेल व मणिपुर के मुख्यमन्त्री एन. बीरेन सिंह ने संयुक्त रूप से किया. घरेलू टूर ऑपरेटरों व आठ पूर्वोत्तर राज्यों के विक्रेताओं के अतिरिक्त विभिन्न अन्य देशों के ऐसे ही प्रतिनिधिमण्डल इस पर्यटन मार्ट में उपस्थित थे. सतत् पर्यटन को आर्थिक विकास व रोजगार के इंजन के रूप में प्रचारित करने का प्रयास इस आयोजन के जरिए किया गया.

अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट का आयोजन आठ पूर्वोत्तर राज्यों–अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैण्ड, त्रिपुरा एवं सिक्किम में बारी-बारी से होता है. इसके अब तक सभी आठ आयोजनों की तिथियों एवं स्थलों के नाम निम्नलिखित हैं–

क्र.	आयोजन स्थल	तिथि
I	गुवाहाटी (असम)	18-20 जनवरी, 2013
II	तवांग (अरुणाचल प्रदेश)	18-20 अक्टूबर, 2013
III	शिलांग (मेघालय)	13-15 अक्टूबर, 2014
IV	गंगटोक (सिक्किम)	14-16 अक्टूबर, 2015
V	इम्फाल (मणिपुर)	23-25 नवम्बर, 2016
VI	गुवाहाटी (असम)	5-7 दिसम्बर, 2017
VII	अगरतला (त्रिपुरा)	22-24 नवम्बर, 2018
VIII	इंफाल (मणिपुर)	23-25 नवम्बर, 2019

आदि महोत्सव–राष्ट्रीय जनजातीय उत्सव

*जनजातीय शिल्पकारों के उत्पादों की पहुँच महानगरों, राज्यों की राजधानियों व अन्य प्रमुख शहरों तक बनाने के लिए प्रमुख शहरों में आदि महोत्सवों के आयोजन की **ट्राइफेड** (TRIFED) की योजना है. चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान ऐसे 26 उत्सवों के आयोजन की जनजातीय कार्य मन्त्रालय के इस संगठन की योजना है. ऐसे 8 राष्ट्रीय जनजातीय उत्सवों का आयोजन शिमला, ऊटी, लेह-लद्दाख, विशाखापट्टनम, नोएडा, इंदौर, पुणे व भुवनेश्वर में अक्टूबर 2019 के अन्त तक किया जा चुका था. 2019-20 का ऐसा नौवाँ **दिल्ली आदि महोत्सव** दिल्ली हाट में 16-30 नवम्बर, 2019 को आयोजित किया गया. केन्द्रीय जनजातीय कार्यमन्त्री (Union Minister for Tribal Affairs) श्री अर्जुन मुंडा व अन्य गणमान्य हस्तियों की उपस्थिति में इसका उद्घाटन केन्द्रीय गृह मन्त्री श्री अमित शाह ने किया. दो सप्ताह तक चले इस मेले का थीम–**जनजातीय शिल्प, संस्कृति और व्यापार का भाव उत्सव** (A Celebration of the Spirit of Tribal Crafts, Culture and Commerce) था.*

जनजातीय हस्तशिल्प, कला, चित्रकारी, वस्त्र एवं आभूषण आदि की बिक्री के लिए स्टॉल इस मेले में लगाए गए थे.

विविध (Miscellaneous)

11 हजार से अधिक वैज्ञानिकों द्वारा जलवायु आपातकाल की घोषणा

153 विभिन्न देशों के 11 हजार से अधिक वैज्ञानिकों ने बायोसाइंस पत्रिका में प्रकाशित एक शोध-पत्र में **जलवायु आपातकाल** (Climate Emergency) की घोषणा नवम्बर 2019 में की है. इनमें भारत के 69 वैज्ञानिक भी शामिल हैं वैज्ञानिकों द्वारा यह घोषणा ऊर्जा उपयोग सतह के तापमान, जनसंख्या वृद्धि, वनों की कटाई ध्रुवीय बर्फ की स्थिति व प्रजननता आदि की स्थिति के वैज्ञानिक विश्लेषण पर आधारित है वैज्ञानिकों का मानना है कि स्थिति में सुधार के लिए जलवायु पर हो रहे आघात को तुरन्त रोकना होगा.

समुद्र शक्ति 2019 : भारत व इंडोनेशिया का संयुक्त नौसैनिक अभ्यास

भारत व इंडोनेशिया की नौसेनाओं का संयुक्त अभ्यास **समुद्र शक्ति-2019** बंगाल की खाड़ी में 6-7 नवम्बर, 2019 को सम्पन्न हुआ. दोनों देशों की नौसेनाओं का समुद्र शक्ति श्रृंखला में यह दूसरा संयुक्त अभ्यास था. ऐसा पहला संयुक्त अभ्यास इंडोनेशिया में सुराबाया के तट पर नवम्बर 2018 में सम्पन्न हुआ था.

'क्लाइमेट एमरजेंसी' वर्ष 2019 का वर्ड ऑफ द ईयर

ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने वर्ष 2019 के लिए 'क्लाइमेट एमरजेंसी' (Climate Emergency) को 'वर्ड ऑफ द ईयर' चुना है. डिक्शनरी के अनुसार यह शब्द ग्लोबल वार्मिंग के विरुद्ध संघर्ष में त्वरित कार्यवाही पर बल देता है.

दस्तलिक 2019 : भारत व उज्बेकिस्तान का संयुक्त सैन्य अभ्यास

भारत व उज्बेकिस्तान की थलसेनाओं का 10 दिवसीय संयुक्त फील्ड ट्रेनिंग

शेष पृष्ठ 39 पर

MAGAZINE KING

उत्तर प्रदेश

जेवर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण स्विट्जरलैण्ड की ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल द्वारा किया जाएगा

उत्तर प्रदेश में नोएडा में प्रस्तावित जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का पहला चरण

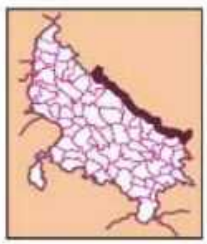

2023 तक पूरा होने की सम्भावना है. पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप आधारित) इस एयरपोर्ट का निर्माण स्विट्जरलैण्ड की ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल ए.जी. द्वारा किया जाएगा. इसके लिए तीन अन्य कम्पनियों–अदानी एंटरप्राइजेज लि., दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. (DIAL) व एंकरेज इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट होल्डिंक लि. को पीछे छोडते हुए स्विट्जरलैण्ड की कम्पनी ने बाजी मारी है.

पीपीपी मोड पर इस एयरपोर्ट के निर्माण के लिए ग्लोबल टेंडर 30 मई, 2019 को जारी किए गए थे तथा इस मामले में प्री बिड कॉन्फ्रेंस 15 जुलाई को आयोजित की गई थी. इसके लिए तकनीकी बिड्स 6 नवम्बर, 2019 को खोली गई थी, जिनके आधार पर उपर्युक्त चार कम्पनियों–ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल ए.जी., अदानी एंटरप्राइजेज, दिल्ली इंटरनेशनल व एंकरेज इन्फ्रास्ट्रक्चर को एयरपोर्ट निर्माण के लिए पात्र पाया गया था. इन चारों कम्पनियों द्वारा प्रस्तुत वित्तीय निविदाएं बाद में 29 नवम्बर, 2019 को दिल्ली में खोली गईं, जिनमें ज्यूरिख इंटरनेशनल की बोली सर्वोच्च ₹ 400·97 प्रति यात्री पाई गई. अन्य कम्पनियों में अदानी एंटरप्राइजेज़ की बोली ₹ 360 प्रति यात्री, दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट की ₹ 351 तथा एंकरेज इन्फ्रास्ट्रक्चर की ₹ 205 प्रति यात्री थी.

डेफ़ एक्सपो-2020 का आयोजन फरवरी 2020 में लखनऊ में

*भारत में हथियारों की सबसे बड़ी प्रदर्शनी डेफ़ एक्सपो (Def Expo) का आयोजन 2-2 वर्ष के अन्तराल पर होता है. इसका पिछला (10वाँ) आयोजन अप्रैल 2018 में चेन्नई में व इससे पूर्व 9वाँ आयोजन मार्च 2016 में गोवा में हुआ था. रक्षा मत्रालय के तत्वावधान में आयोजित होने वाली ऐसी 11वीं प्रदर्शनी **डेफ़ एक्सपो-2020** का आयोजन 5-8 फरवरी, 2020 को लखनऊ में होना है. उत्तर प्रदेश में पहली बार आयोजित होने वाली इस प्रदर्शनी का थीम–**भारत : उभरता हुआ रक्षा विनिर्माण केन्द्र** (India : The Emerging Defence Manufacturing Hub) रखा गया है.*

लखनऊ में डेफ़ एक्सपो-2020 में उत्तर प्रदेश को रक्षा क्षेत्र के लिए तेजी से उभरते निवेश केन्द्र के रूप में दर्शाया जाएगा.

उत्तराखण्ड

देहरादून में अप्रैल 2020 में वेलनैस समिट

प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए वेलनैस (Wellness) को एक उद्योग के

रूप में विकसित करने की उत्तराखण्ड सरकार की योजना है. इसी सन्दर्भ में एक 'वेलनैस समिट' का आयोजन प्रदेश सरकार द्वारा अप्रैल 2020 में किया जाएगा. देहरादून में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में होने वाले इस दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी करेंगे.

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में वेलनैस उद्योग का तेजी से विस्तार वैश्विक स्तर पर हो रहा है. इस उद्योग में अपार सम्भावना को देखते हुए प्रदेश में वेलनैस समिट के आयोजन के प्रस्ताव को प्रदेश मंत्रिमण्डल की 28 नवम्बर, 2019 की बैठक में मंजूरी दी गई है. दो दिवसीय इस समिट में वेलनैस इकोनॉमी, वेलनैस टूरिज्म, ऑर्गेनिक फूड व वेलनैस उत्पाद सहित आठ विभिन्न क्षेत्रों पर देश-विदेश के निवेशकों के साथ मंथन किया जाएगा. इस सम्मेलन की सफलता के लिए दिल्ली, मुम्बई, कोच्चि, अहमदाबाद, बेंगलूरू व हैदराबाद में रोड शो के आयोजन की राज्य सरकार की योजना है.

चमोली का ऐतिहासिक गोचर मेला सम्पन्न

चमोली में ऐतिहासिक (69वें) गोचर औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक मेले का आयोजन 14-20 नवम्बर, 2019 को हुआ. इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र रावत ने किया. संस्कृति, बाजार और उद्योग, तीनों के समन्वय के कारण यह मेला पूरे उत्तराखण्ड में लोकप्रिय है. भारत-तिब्बत व्यापार से जुड़े इस मेले को राज्य की सांस्कृतिक विरासत माना जाता है. आकर्षक बाजार के साथ-साथ बॉलीवुड स्टारनाइट, फूड फेस्टिवल व योगा कैम्प आदि इस वर्ष गोचर मेले के प्रमुख आकर्षण थे.

जैविक कृषि विधेयक के मसौदे को मंत्रिमंडल की मंजूरी

उत्तराखण्ड को ऑर्गेनिक कृषि स्टेट बनाने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए प्रदेश की त्रिवेन्द्र रावत सरकार ने जैविक कृषि विधेयक (Organic Farming Bill) के मसौदे को मंजूरी 13 नवम्बर, 2019 को प्रदान की है. इसे विधान सभा में पारित कराकर जैविक कृषि अधिनियम का रूप दिया जाएगा. इस अधिनियम के तहत् 'जैविक ब्लॉक' घोषित किए गए क्षेत्रों में रसायनिक उर्वरकों की बिक्री प्रतिबंधित होगी तथा इसका उल्लंघन करने वालों के लिए सजा का प्रावधान अधिनियम में होगा.

बिहार

दरभंगा हवाई अड्डे का नामकरण विद्यापति के नाम पर

बिहार में दरभंगा में निर्माणाधीन हवाई अड्डे का नामकरण महाकवि मैथिल कोकिल

विद्यापति के नाम पर होगा. यह जानकारी राज्य के जल संसाधन मंत्री द्वारा विधान सभा में 28 नवम्बर, 2019 को एक प्रश्न के उत्तर में दी गई. उन्होंने बताया कि विद्यापति के नाम पर इस हवाई अड्डे के नामकरण का प्रस्ताव दिसम्बर 2018 में हवाई अड्डे के शिलान्यास के साथ ही मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने दिया जिसे तत्कालीन नागरिक उड्डयन मंत्री द्वारा तत्काल स्वीकार किया गया था.

न्यायमूर्ति संजय करोल पटना उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश

त्रिपुरा उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश रहे न्यायमूर्ति संजय करोल को अब

MAGAZINE KING

पटना उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश नवम्बर 2019 में नियुक्त किया गया है. मूलतः हिमाचल प्रदेश के न्यायमूर्ति संजय करोल 2017-18 के दौरान हिमाचल उच्च न्यायालय में भी कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रह चुके थे. बाद में नवम्बर 2018 में उन्हें त्रिपुरा उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है.

11 नवम्बर, 2019 को पटना में राज्यपाल श्री फागू चौहान ने उन्हें पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई. राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित इस शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री श्री सुशील मोदी, विधान सभाध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी व राज्य सरकार के अनेक मंत्रियों सहित अनेक गणमान्य हस्तियाँ उपस्थित थीं.

21 जनवरी को प्रदेश में तीसरी मानव शृंखला की तैयारी

*2017 व 2018 में सफल मानव शृंखलाओं के द्वारा विश्व रिकॉर्ड बना चुके बिहार में अब 21 जनवरी, 2020 को ऐसी तीसरी मानव शृंखला के आयोजन की प्रदेश सरकार की योजना है. **नशा मुक्ति** व **जल-जीवन-हरियाली** के पक्ष में तथा सामाजिक कुरीति **दहेज** एवं **बाल विवाह** के विरोध में इस शृंखला के आयोजन की घोषणा मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 26 नवम्बर, 2019 को पटना में एक समारोह में की. उपर्युक्त तीनों मुद्दों पर बनने वाली मानव शृंखला प्रदेश में तीसरी मानव शृंखला होगी. ऐसी पहली मानव शृंखला 21 जनवरी, 2017 को शराबबन्दी के पक्ष में आयोजित हुई थी. 11,292 किमी लम्बी उस शृंखला में 2 करोड से अधिक लोग शामिल हुए थे, जबकि 21 जनवरी, 2018 को ऐसी दूसरी मानव शृंखला बाल विवाह व दहेज प्रथा के विरोध में आयोजित हुई थी. यह शृंखला 13,654 किमी लम्बी थी.*

झारखण्ड

न्यायमूर्ति रवि रंजन झारखण्ड उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश

न्यायमूर्ति डॉ. रवि रंजन झारखण्ड उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश नवम्बर 2019 में नियुक्त किए गए हैं. इस नियुक्ति से पूर्व वह पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे. 17 नवम्बर, 2019 को राज्यपाल श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने राँची में राजभवन में एक समारोह में उन्हें इस पद की शपथ दिलाई. मुख्यमंत्री श्री रघुबर दास सहित अनेक गणमान्य हस्तियाँ इस अवसर पर मौजूद थीं.

झारखण्ड उच्च न्यायालय के पिछले मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस को मई 2019 में सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में प्रोन्नत किया गया था, जिसके पश्चात् न्यायमूर्ति प्रशान्त कुमार ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में यह दायित्व सँभाला था. उनका निधन 29 अगस्त, 2019 को हो गया था.

मध्य प्रदेश

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ए+ ग्रेड प्राप्त करने वाला मध्य प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय

मध्य प्रदेश के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् नैक (National Assessment and Accreditation Council—NAAC) मूल्यांकन में ए+ ग्रेड नवम्बर 2019 में प्राप्त हुई है. **'नैक' से ए+ ग्रेड प्राप्त करने वाला यह प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है.** विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं एवं उनके स्तरों के मूल्यांकन हेतु 'नैक' की टीम ने नवम्बर माह में ही विश्वविद्यालय का दौरा किया था. इससे पूर्व 2014 में नैक मूल्यांकन में **ए ग्रेड** इस विश्वविद्यालय को प्राप्त हुआ था. इन पाँच वर्षों में किए गए बदलावों व अन्य विभिन्न उपलब्धियों के चलते ताजा मूल्यांकन में **ए प्लस** ग्रेड इसे प्राप्त हुई है.

नगर पालिकाओं व नगर निगमों की सीमाओं को बढ़ाने-घटाने की प्रक्रिया पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की रोक

मध्य प्रदेश में नगर निगमों व नगर पालिकाओं की सीमाओं को बढ़ाने-घटाने की सरकारी प्रक्रिया पर प्रदेश उच्च न्यायालय ने नवम्बर 2019 में रोक लगा दी है. इंदौर नगर निगम की सीमा में कुछ गाँवों को शामिल किए जाने की प्रक्रिया को दोषपूर्ण बताते हुए इसके विरुद्ध याचिका उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में दो पार्षदों द्वारा दायर की गई थी. इस मामले में राज्य सरकार का पक्ष सुनने के पश्चात् न्यायालय ने अपना उपर्युक्त फैसला 13 नवम्बर, 2019 को सुनाया.

न्यायमूर्ति अजय कुमार मित्तल मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश

न्यायमूर्ति अजय कुमार मित्तल मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश नवम्बर 2019 में बने हैं. राज्यपाल श्री लालजी टंडन ने 3 नवम्बर को भोपाल में राजभवन में आयोजित समारोह में इस पद की शपथ उन्हें दिलाई. मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ व विधान सभाध्यक्ष श्री एन. पी. प्रजापति, प्रदेश मंत्रिमंडल के अनेक सदस्य

न्यायमूर्ति अजय कुमार मित्तल मुख्य न्यायाधीश की शपथ लेते हुए.

तथा भोपाल से भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह सहित अनेक गणमान्य हस्तियाँ उनके इस शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थे. न्यायमूर्ति अजय मित्तल मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के 25वें मुख्य न्यायाधीश बने हैं. इससे पूर्व वह मेघालय उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे.

वर्ष 2013 के व्यापम घोटाले में 30 दोषियों को 7-7 वर्ष की तथा एक को 10 वर्ष के कारावास की सजा

मध्य प्रदेश के व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) की पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा 2013 में हुए घोटाले के मामले में दोषी पाए गए 30 आरोपियों को 7-7 वर्ष की तथा एक को 10 वर्ष के कारावास की सजा भोपाल की विशेष अदालत ने 25 नवम्बर, 2019 को सुनाई है. 7-7 वर्ष की सजा पाने वाले 30 दोषियों में 12 परीक्षार्थी, 12 फर्जी परीक्षार्थी व 6 दलाल शामिल हैं, जबकि घोटाले के मुख्य सूत्रधार दलाल को 10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई है. यह परीक्षा 15 सितम्बर, 2013 को सम्पन्न हुई थी. इस मामले के विशेष लोक अभियोजक ने अदालत में बताया कि दोषी परीक्षार्थियों ने अपनी जगह किसी अन्य परीक्षार्थी से परीक्षा दिलाने की तैयारी परीक्षा के आवेदन के समय ही कर ली थी, जिसके तहत् अपना स्पष्ट फोटो आवेदन में उन्होंने नहीं लगाया था.

दोषियों को सजा के साथ ही व्यापम की कार्यप्रणाली पर भी कड़ी टिप्पणी करते हुए विशेष न्यायाधीश एस. बी. साहू ने अपने

MAGAZINE KING

फैसले में लिखा है कि व्यापम त्रुटिरहित परीक्षा प्रणाली देने में असफल रहा, जिसके चलते दलाल असली के स्थान पर नकली परीक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल करवाने में सफल रहे.

सांची में अन्तर्राष्ट्रीय महाबोधि मेला

*मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में विश्व धरोहर सांची स्तूप में दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय महाबोधि मेले का आयोजन 23-24 नवम्बर, 2019 को हुआ. देश-विदेश के 65 हजार से अधिक बौद्ध अनुयायियों ने भगवान बुद्ध के शिष्य सारिपुत्र व महामोग्गलान के सांची स्तूप में सुरक्षित अस्थि कलशों के दर्शन इस 67वें वार्षिक मेले में किए. इससे पूर्व स्तूप परिसर स्थित चैत्यगिरि विहार में श्रीलंका महाबोधि सोसायटी के अध्यक्ष वानगल उपतिस्स नायक थेरो ने इस पवित्र अस्थि कलशों की पूजा की. **यह दोनों अस्थिकलश वर्ष भर तलघर में रखे रहते हैं, जिसकी एक चाबी रायसेन के जिलाधिकारी के पास व दूसरी श्रीलंका की महाबोधि सोसायटी के पास रहती है.** श्रीलंका के लोक कलाकारों ने नृत्य की प्रस्तुति भी मंदिर प्रांगण में दी. राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री श्री कैलाश जोशी के निधन के परिणामस्वरूप तीन दिन के राजकीय शोक के चलते 24 नवम्बर का सांस्कृतिक कार्यक्रम रद्द कर दिया गया था.*

सांची में अन्तर्राष्ट्रीय महाबोधि मेले की शुरूआत 1952 में हुई थी, जब भगवान बुद्ध के शिष्य सारिपुत्र व महामोग्गलान के अस्थि कलश श्रीलंका से सांची लाए गए थे. ब्रिटिश शासनकाल में यह अस्थि कलश मूलतः सांची स्थित स्तूप क्रमांक 3 में खुदाई के दौरान पाए गए थे, जो श्रीलंका पहुँच गए थे.

राजस्थान

नागौर-गंगानगर बेसिन में पोटाश के भण्डारों की खोज

खनिज तेल के पश्चात् अब पोटाश के भण्डारों की खोज राजस्थान में हुई है. प्रदेश

के नागौर-गंगानगर बेसिन में लगभग 2400 मिलियन टन पोटाश के भण्डार विद्यमान होने का अनुमान भूगर्भीय अध्ययनों में लगाया गया है. यह विश्व में पोटाश के कुल ज्ञात भण्डारों का लगभग तीन गुना है. इसके उत्खनन से आयातों पर निर्भरता दूर हो सकेगी.

इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए राज्य के मुख्य सचिव श्री डी. बी. गुप्ता ने 15 नवम्बर, 2019 को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में बताया कि 2013-14 से 2018-19 के दौरान लगभग 5 मिलियन टन पोटाश का वार्षिक आयात भारत द्वारा किया जाता रहा है तथा इसकी माँग में 6-7 प्रतिशत की वृद्धि प्रतिवर्ष हो रही है. इसके आयात के लिए विदेशी मुद्रा के खर्च के साथ-साथ प्रतिवर्ष ₹ 10 से 15 हजार करोड़ की सब्सिडी भी सरकार द्वारा प्रदान की जाती है. उन्होंने बताया कि खोजे गए पोटाश का उचित तरीके से उत्खनन भारत को पोटाश के आयातक देश से निर्यातक देश में बदल सकता है. ●●●

शेष पृष्ठ 31 का

नवम्बर, 2019 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान पर सम्पन्न हुआ. वाणिज्य मंत्रालय के इस वार्षिक व्यापार मेले का उद्घाटन सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) मंत्री श्री नितिन गडकरी ने किया. प्रगति मैदान के

39वें अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के उद्घाटन समारोह में केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी व अन्य गणमान्य हस्तियाँ

अभी अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी सह सम्मेलन केन्द्र (IECC) के रूप में निर्माणाधीन होने के कारण इस बार भी प्रगति मैदान में काफी कम क्षेत्र में यह मेला आयोजित किया गया था. अगले वर्ष नवम्बर 2020 तक यह प्रदर्शनी स्थल पूरी तरह से तैयार हो जाने की सम्भावना है, जिससे अगले वर्ष 2020 में यह व्यापार मेला अब तक का सबसे बड़ा व्यापार मेला होने की सम्भावना है. इस मेले में इस वर्ष भारत के अतिरिक्त चीन, बहरीन, ब्राजील, टर्की, थाइलैण्ड, नेपाल, म्यांमार, ईरान, भूटान व बांग्लादेश आदि सहित लगभग 15 देशों की कम्पनियों के कारोबारियों ने स्टॉल लगाए थे. भारत के विभिन्न राज्यों, केन्द्रशासित क्षेत्रों व केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों ने भी पूर्व वर्षों की भाँति इस वर्ष भी अपने स्टॉल इस मेले में लगाए थे. इन स्टॉलों पर सम्बन्धित राज्यों एवं विभागों में हो रहे प्रौद्योगिकीय विकास के साथ-साथ इनकी कलाओं एवं संस्कृतियों का प्रदर्शन किया गया था. इस वर्ष मेले का थीम (Theme) **ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस (Ease of Doing Business) था. बिहार व झारखण्ड को फोकस राज्य का दर्जा इस वर्ष प्रदान किया गया था. मेले में साझीदार देश (Partner Country) का** दर्जा अफगानिस्तान को तथा **फोकस कन्ट्री** का दर्जा द. कोरिया को इस वर्ष प्रदान किया गया था. दो सप्ताह के इस मेले का समापन 27 नवम्बर, 2019 को हुआ. समापन समारोह में पुरस्कारों का वितरण वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने 27 नवम्बर को किया. प्रमुख पुरस्कार अग्र-लिखित को मिले–

राज्यों व केन्द्रशासित क्षेत्रों की श्रेणी में स्वर्ण पदक बिहार को, रजत असम को तथा कांस्य पदक आन्ध्र प्रदेश को दिया गया. झारखण्ड व प. बंगाल को विशेष प्रशंसा प्रमाण-पत्र इस श्रेणी में प्रदान किए गए. विदेशी पैविलियनों की श्रेणी में बहरीन की Syed Junaid Alam को स्वर्ण, टर्की की (Tillo Hediyelik Esya) को रजत तथा चीन की Shandong Brightway International को कांस्य पदक दिया गया. मंत्रालयों/विभागों/सार्वजनिक उपक्रमों/बोर्डों आदि की श्रेणी में स्वर्ण पदक पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय को, रजत केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड को तथा कांस्य पदक खादी एवं ग्रामीण उद्योग आयोग (KVIC) को प्राप्त हुआ. पूर्वोत्तर राज्यों की श्रेणी में अलग से पुरस्कार दिए गए.

भारत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले का आयोजन वाणिज्य मंत्रालय के 'इण्डिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाजेशन' (ITPO) द्वारा प्रतिवर्ष 14–27 नवम्बर को ही किया जाता है. वर्तमान में (भारतीय प्रशासनिक सेवा के एल.सी. गोयल आईटीपीओ के चेयरमैन सह-प्रबन्ध निदेशक (CMD) हैं). ऐसा पहला मेला 1980 में आयोजित हुआ था. इस मेले का आयोजन नई दिल्ली में प्रगति मैदान पर होता है. प्रगति मैदान पर वर्तमान में विश्वस्तरीय इटरनेशनल एक्जिहीबिशन-सह-कन्वेंशन सेंटर (IECC) निर्माणाधीन होने के कारण काफी कम स्थान ही इस वर्ष मेले के लिए उपलब्ध था, जिसके कारण मेले में दर्शकों की संख्या को सीमित रखा गया था. इसके बावजूद लगभग चार लाख दर्शकों ने मेले का अवलोकन इस वर्ष किया. अगले वर्ष कन्वेंशन सेंटर तैयार हो जाने पर मेले को इस बार की तुलना में पाँच गुना करने की मंत्रालय की योजना है. अगले वर्ष मेले में दर्शकों की संख्या 15 लाख तक पहुँचने की संभावना व्यक्त की गई है.

●●●

शेष पृष्ठ 36 का

अभ्यास दस्तलिक–2019 (Dustlik–2019) उज्बेकिस्तान में ताशकंद के निकट चिरचिक ट्रेनिंग एरिया में 4–13 नवम्बर, 2019 को सम्पन्न हुआ. आतंकवाद के विरुद्ध मुकाबले पर केन्द्रित यह अभ्यास दोनों देशों की सेनाओं के अनुभवों को साझा करने के उद्देश्य से सम्पन्न किया गया था तथा दोनों देशों की सेनाओं के बीच यह पहला ही संयुक्त अभ्यास था.

जायर अल बहर (Zair-al-Bahr)

यह भारत व कतर के बीच नवम्बर 2019 में सम्पन्न पहले ही संयुक्त नौसैनिक अभ्यास का नाम है. कतर में दोहा के तट पर 17–21 नवम्बर, 2019 को सम्पन्न इस नौसैनिक अभ्यास जायर अल बहर (Zair-al-Bahr) में तीन दिन बंदरगाह चरण (Harbour phase) के व दो दिन सामुद्रिक चरण (Sea phase) के थे. ●●●

खेलकूद

एथलेटिक्स

इंदिरा मैराथन (2019)

19 नवम्बर, 2019 को स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी के जन्मदिवस पर प्रयागराज में आयोजित 35वीं अखिल भारतीय इंदिरा मैराथन दौड़ में पुरुष वर्ग में अमेठी के राहुल कुमार पाल ने व महिला वर्ग में प. बंगाल की श्यामली सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किए. पुरुषों में गाजीपुर के हरेन्द्र चौहान व पुणे के हेतराम क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे, जबकि महिलाओं में दूसरा व तीसरा स्थान क्रमशः नीता पटेल (प्रयागराज) व अनीता सिंह (हरियाणा) ने प्राप्त किया. पुरुषों में पहले स्थान पर रहे सेना के राहुल पाल ने 42·195 किमी की यह दौड़ 2 घण्टे 28 मिनट व 36 सेकण्ड में पूरी की, जबकि महिला वर्ग की विजेता श्यामली सिंह ने यह दूरी तय करने में 2 घण्टे 53 मिनट व 29 सेकण्ड लिए.

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी के जन्मदिवस पर इस दौड़ का आयोजन खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में किया जाता है.

क्रिकेट

इंडिया बी टीम देवधर ट्रॉफी की विजेता

बीसीसीआई की एकदिवसीय क्रिकेट की 2019-20 की देवधर ट्रॉफी के लिए फाइनल मैच इंडिया बी व इंडिया सी टीमों के बीच रांची में 4 नवम्बर, 2019 को खेला गया. **यह मैच 51 रन से जीतकर इंडिया बी टीम ने ट्रॉफी अपने नाम की. सीमित ओवरों के क्रिकेट के बीसीसीआई के इस टूर्नामेन्ट में तीन ही टीमें**–इंडिया ए, बी व सी ही शामिल रहती हैं. इस वर्ष विजेता रही इंडिया बी टीम के कप्तान पार्थिव पटेल थे.

भारत-बांग्लादेश शृंखला (2019)

भारत के दौरे पर बांग्लादेश की क्रिकेट टीम ने तीन ट्वेंटी-20 व दो टेस्ट मैचों की शृंखलाएं नवम्बर 2019 में खेलीं. **यह दोनों शृंखलाएं भारत ने क्रमशः 2-1 व 2-0 से जीतीं.** इनमें विराट कोहली जहाँ टेस्ट शृंखला के लिए भारतीय टीम के कप्तान थे, ट्वेंटी-20 शृंखला में रोहित शर्मा को कप्तानी सौंपी गई थी.

ट्वेंटी-20 मैचों की शृंखला में भारतीय टीम 2-1 से विजयी रही. इस शृंखला का दूसरा मैच रोहित शर्मा का 100वाँ टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैच था. ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 100 मैच खेलने वाले पहले भारतीय पुरुष क्रिकेटर वह बने. इस शृंखला के तीसरे मैच में नागपुर में हैट्रिक दीपक चाहर ने बनाई तथा ऐसे मैचों में हैट्रिक बनाने वाले पहले भारतीय गेंदबाज वह बने. ट्वेंटी-20 शृंखला के पश्चात् खेली गई दो टेस्ट मैचों की शृंखला का पहला टेस्ट मैच इंदौर में पारी व 130 रन से भारत ने जीता, जबकि कोलकाता में 22–26 नवम्बर को खेले गए डे-नाइट टेस्ट को तीसरे ही दिन पारी व 46 रनों से भारतीय टीम ने जीत लिया. **इससे दो टेस्ट मैचों की शृंखला भी भारत ने 2–0 से अपने नाम की.** दीपक चाहर को टी-20 शृंखला के लिए तथा इशांत शर्मा को टेस्ट शृंखला के लिए प्लेयर ऑफ द सीरिज घोषित किया गया.

भारतीय टीम लगातार चार टेस्ट मैच पारी के अन्तर से जीतने वाली विश्व की पहली टीम

24 नवम्बर, 2019 को कोलकाता में बांग्लादेश की टीम को पारी व 46 रनों से हराकर विराट कोहली के नेतृत्व वाली भारतीय क्रिकेट टीम विश्व की ऐसी पहली टीम हो गई, जिसने लगातार चार टेस्ट मैच पारी के अन्तर से जीते हैं.

भारतीय टीम की पारी के अन्तर से लगातार 4 टेस्ट विजय

टेस्ट तिथि	विरुद्ध	स्थान	विजय का अन्तर
10-14 अक्टूबर, 2019	द. अफ्रीका	पुणे	पारी व 137 रन
19-23 अक्टूबर, 2019	द. अफ्रीका	रांची	पारी व 202 रन
14–18 नवम्बर, 2019	बांग्लादेश	इंदौर	पारी व 130 रन
22–26 नवम्बर, 2019	बांग्लादेश	कोल-काता	पारी व 46 रन

घरेलू धरती पर भारत की लगातार 12वीं टेस्ट शृंखला विजय

नवम्बर 2019 में बांग्लादेश के विरुद्ध 2 टेस्ट मैचों की शृंखला में भारत की 2–0 से विजय घरेलू सरजमीं पर भारतीय क्रिकेट टीम की रिकॉर्ड लगातार 12वीं टेस्ट शृंखला विजय थी. इस मामले में आस्ट्रेलियाई टीम का लगातार 10 टेस्ट शृंखला विजय (घरेलू धरती पर) का रिकॉर्ड भारतीय टीम ने अक्टूबर 2019 में द. अफ्रीका के विरुद्ध टेस्ट शृंखला विजय के पश्चात् ही तोड़ दिया था.

भारत का पहला डे-नाइट टेस्ट मैच

भारत ने अपना पहला डे-नाइट टेस्ट मैच 22–26 नवम्बर, 2019 को कोलकाता में ईडन गार्डंस में बांग्लादेश के विरुद्ध खेला. भारत के साथ-साथ बांग्लादेश का भी यह पहला ही डे-नाइट टेस्ट मैच था. गुलाबी गेंद से खेले गए इस टेस्ट मैच को तीसरे ही दिन भारतीय टीम ने पारी व 46 रनों के अन्तर से जीत लिया.

टेस्ट क्रिकेट के 142 वर्षों के इतिहास में यह 12वाँ डे-नाइट टेस्ट मैच था तथा भारत डे-नाइट टेस्ट मैच खेलने वाला सातवाँ देश है.

- *पहला डे-नाइट टेस्ट मैच आस्ट्रेलिया व न्यूजीलैण्ड के विरुद्ध एडीलेड में 27 नवम्बर-1 दिसम्बर, 2015 को खेला गया था, जिसमें आस्ट्रेलियाई टीम विजयी रही थी.*
- *आस्ट्रेलिया ने अब तक कुल 5 डे-नाइट टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें सभी में वह विजयी रहा है.*

दीपक चाहर ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में हैट्रिक बनाने वाले भारत के पहले गेंदबाज

दीपक चाहर : ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैचों में हैट्रिक बनाने वाले पहले भारतीय गेंदबाज

10 नवम्बर, 2019 को नागपुर में बांग्लादेश के विरुद्ध टी-20 मैच में भारत के दीपक चाहर ने हैट्रिक बनाने में सफलता प्राप्त की. ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में यह 12वीं हैट्रिक है तथा ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में हैट्रिक बनाने वाले दीपक पहले भारतीय गेंदबाज हैं.

रोहित शर्मा 100 ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाले भारत के पहले पुरुष क्रिकेटर

रोहित शर्मा ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 100 से अधिक मैच खेलने वाले

MAGNET KING

रोहित शर्मा : 100 टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाले पहले भारतीय पुरुष क्रिकेटर

भारत के पहले पुरुष क्रिकेटर हैं (इस मामले में पहली भारतीय क्रिकेटर हरमनप्रीत कौर हैं, जिन्होंने अपना 100वाँ टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैच 4 अक्टूबर, 2019 को सूरत में द. अफ्रीका के विरुद्ध खेला था.)

रोहित शर्मा ने अपना 100वाँ ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैच 7 नवम्बर, 2019 को राजकोट में बांग्लादेश के विरुद्ध खेला (नवम्बर 2019 के अन्त में उनके मैचों की कुल संख्या 101 हो गई थी).

ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक मैच खेलने का विश्व रिकॉर्ड पाकिस्तान के शोएब मलिक के नाम है, जिन्होंने कुल 111 टी-20 मैच नवम्बर 2019 के अन्त तक खेले थे.

अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय क्रिकेटरों के शतकों की संख्या

(नवम्बर 2019 के अंत की स्थिति)

टेस्ट मैच		एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मैच		ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैच	
बल्लेबाज	शतकों की संख्या	बल्लेबाज	शतकों की संख्या	बल्लेबाज	शतकों की संख्या
सचिन तेंदुलकर	51	सचिन तेंदुलकर	49	रोहित शर्मा	4
राहुल द्रविड़	36	विराट कोहली	43	के. एल. राहुल	2
सुनील गावस्कर	34	रोहित शर्मा	27	सुरेश रैना	1
विराट कोहली	27	सौरभ गांगुली	22		
वीरेन्द्र सहवाग	23	शिखर धवन	17		
मोहम्मद अजहरुद्दीन	22	वीरेन्द्र सहवाग	15		

टेस्ट क्रिकेट में 31वाँ तिहरा शतक

आस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर ने 29-30 नवम्बर, 2019 को एडीलेड में पाकिस्तान के विरुद्ध डे-नाइट टेस्ट मैच में 335 रन की अविजित पारी खेली. टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह 31वाँ तिहरा शतक है.

डेविड वार्नर : टेस्ट क्रिकेट में 31वाँ तिहरा शतक

- *तीन वर्ष के अंतराल के पश्चात् टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक किसी बल्लेबाज ने बनाया है. इससे पूर्व 30वाँ तिहरा शतक भारत के करुणा नायर ने 16 दिसम्बर, 2016 को चेन्नई में इंगलैण्ड के विरुद्ध टेस्ट मैच में बनाया था.*
- *विभिन्न देशों के कुल 27 बल्लेबाजों ने टेस्ट मैचों में यह 31 तिहरे शतक बनाए हैं (चार बल्लेबाजों ने यह उपलब्धि 2-2 बार प्राप्त की है. इनमें आस्ट्रेलिया के डॉन ब्रेडमैन, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल व ब्रायन लारा तथा भारत के वीरेन्द्र सहवाग शामिल हैं.)*
- *भारत के दो बल्लेबाजों (वीरेन्द्र सहवाग व करुण नायर) ने टेस्ट मैचों में तिहरे शतक अब तक बनाए हैं. इनमें वीरेन्द्र सहवाग ने 2 बार यह उपलब्धि प्राप्त की है.*

अरुण जेटली स्टेडियम में अब गौतम गंभीर स्टैण्ड

नई दिल्ली स्थित अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम (पूर्व नाम फिरोज शाह कोटला मैदान) में अब एक स्टैण्ड का नामकरण पूर्व टेस्ट क्रिकेटर व सांसद गौतम गंभीर के नाम पर किया गया है. इसका औपचारिक उद्घाटन स्वयं श्री गंभीर ने 26 नवम्बर, 2019 को किया. पूर्व टेस्ट क्रिकेटर बिशन सिंह बेदी, मोहिंदर अमरनाथ एवं विराट कोहली के नाम पर स्टैण्ड पहले से ही इस स्टेडियम में विद्यमान है.

टेनिस

डब्ल्यूटीए इलीट ट्रॉफी (2019)

डब्ल्यूटीए फाइनल्स से पूर्व विमेन टेनिस एसोसिएशन की एक अन्य सत्रांत ट्रॉफी 'इलीट ट्रॉफी' (WTA Elite Trophy) की एकल व युगल स्पर्द्धाओं के मैच चीन में झुआई (Zhuhai) में 22–27 अक्टूबर, 2019 को खेले गए थे. इनमें **एकल खिताब** बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने नीदरलैण्ड्स की कीनी बर्टेन्स को हराकर जीता, जबकि युगल खिताब के लिए यूक्रेन की ल्यूडमिला किचेनॉक व स्लोवेनिया की आंद्रेजा क्लेपैक की जोड़ी ने चीनी खिलाड़ियों की जोड़ी को हराकर अपने नाम किया.

- *डब्ल्यूटीए इलीट ट्रॉफी विमेंस टेनिस एसोसिएशन का दूसरा सत्रांत टेनिस टूर्नामेन्ट है.*
- *इस टूर्नामेन्ट ने **डब्ल्यूटीए टूर्नामेन्ट ऑफ चैम्पियंस**, जो 2009–14 के दौरान खेला गया था, का स्थान 2015 से लिया है.*
- *डब्ल्यूटीए इलीट ट्रॉफी की शुरूआत 2015 से हुई थी तथा 2015 से 2019 के दौरान यह टूर्नामेन्ट चीन में झुहाई में ही आयोजित हुआ है.*
- *अक्टूबर 2019 में सम्पन्न उपर्युक्त टूर्नामेन्ट इसका पाँचवाँ आयोजन था.*

डब्ल्यूटीए फाइनल्स (2019)

विमेन टेनिस एसोसिएशन (WTA) की वर्ष 2019 की अन्तिम स्पर्द्धा डब्ल्यूटीए फाइनल्स का आयोजन शेनज़ेन (चीन) में 27 अक्टूबर-3 नवम्बर, 2019 को हुआ. इस प्रतियोगिता का एकल खिताब आस्ट्रेलिया की एश्ले बार्टी ने फाइनल में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को हराकर जीता, जबकि युगल खिताब के लिए हंगरी की टीमिया बाबोस (Timea Babos) व फ्रांस की क्रिस्टीना म्लाडेनोविक की जोड़ी ने बारबोरा स्ट्रिकोवा (चैक गणराज्य) व हसीह सून्वी (चीनी ताइपै) की जोड़ी को फाइनल में पराजित किया.

- *सत्र की इस अन्तिम डब्ल्यूटीए प्रतियोगिता में आठ शीर्ष खिलाड़ी एकल स्पर्द्धा में तथा आठ टीमें युगल स्पर्द्धा में भाग लेती हैं.*
- *इस वर्ष की यह प्रतियोगिता एकल खिताब के मामले में 49वाँ तथा युगल खिताब के मामले में 44वाँ संस्करण थी.*

पुरुषों की एटीपी टूर्स फाइनल्स (2019)

एटीपी टूर्स फाइनल्स पुरुषों का सत्रांत टेनिस टूर्नामेन्ट है. लंदन में नवम्बर माह में खेले जाने वाले इस टूर्नामेन्ट में इस वर्ष एकल खिताब के लिए फाइनल मुकाबला ग्रीस के स्टेफानोस त्सित्सिपास (Stefanos Tsitsipas) व ऑस्ट्रिया के डॉमिनिक थिएम (Dominic Thiem) के बीच हुआ, जिसमें स्टेफानोस विजेता रहे. स्टेफानोस का सत्र 2019 का यह तीसरा खिताब है. एटीपी टूर्स फाइनल पहली बार ही उन्होंने जीता है.

युगल स्पर्द्धा के लिए फाइनल मुकाबला रावेन क्लासेन (द. अफ्रीका) व माइकल वीनस (न्यूजीलैण्ड) की जोड़ी तथा पियरे ह्यूग्स हरबर्ट व निकोलस माहूत की फ्रांसीसी जोड़ी के बीच था. फ्रांसीसी जोड़ी इस खिताब की विजेता रही.

- *एटीपी टूर्स फाइनल्स **एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स (ATP)** का सत्र का अन्तिम टूर्नामेन्ट होता है तथा यह प्रतिवर्ष **नवम्बर माह** में ही लंदन में आयोजित होता है.*

MAGAZINE KING

- *वर्ष के सर्वश्रेष्ठ 8 खिलाड़ी ही हार्ड कोर्ट पर खेले जाने वाले इस टूर्नामेन्ट की एकल स्पर्द्धा में भाग लेते हैं, जबकि युगल स्पर्द्धा में 8 जोड़ियाँ टूर्नामेन्ट में शामिल की जाती हैं.*
- *वर्ष 2019 का उपर्युक्त आयोजन एकल खिताब हेतु 50वाँ तथा युगल खिताब हेतु 45वाँ आयोजन था.*

टेनिस खिलाड़ियों की वर्षांत रैंकिंग (2019)

(2019 की अन्तिम रैंकिंग)

पुरुष खिलाड़ियों की एटीपी रैंकिंग

रैंक	खिलाड़ी
1	राफेल नडाल (Rafael Nadal) (स्पेन)*
2	नोवाक जोकोविच (Novak Djokovic) (सर्बिया)
3	रोजर फेडरर (Roger Federer) (स्विट्जरलैण्ड)
4	डोमिनिक थिएम (Dominic Thiem) (ऑस्ट्रिया)
5	डेनिल मेदवेदेव (Denill Medvedev) (रूस)
6	स्टेफानोस त्सित्सिपास (Stefanos Tsitsipas) (ग्रीस)
7	एलेक्जेंडर ज्वेरेवे (Alexander Zverev) (जर्मनी)
8	मैटियो बैरेटिनी (Matteo Berrettini) (इटली)
9	रॉबेर्टो बाउतिस्ता आगुट (Roberto Bautista Agut) (स्पेन)
10	गाएल मॉनफिल्स (Gael Monfils) (फ्रांस)

* राफेल नडाल पाँचवीं बार वर्षांत में नम्बर एक खिलाड़ी रहे हैं.

महिला खिलाड़ियों की डब्ल्यूटीए रैंकिंग

रैंक	खिलाड़ी
1	एश्ले बार्टी (Ashleigh Barty) (आस्ट्रेलिया)
2	कैरोलिना प्लिस्कोवा (Karolina Pliskova) (चैक गणराज्य)
3	नाओमी ओसाका (Naomi Osaka) (जापान)
4	सिमोना हालेप (Simona Halep) (रूमानिया)
5	बियांका आन्द्रेस्कू (Bianca Andreescu) (कनाडा)
6	एलिना स्वितोलिना (Elina Svitolina) (यूक्रेन)
7	पेत्रा क्वितोवा (Petra Kvitova) (चैक गणराज्य)
8	बेलिंडा बेनसिक (Belinda Bencic) (स्विट्जरलैण्ड)
9	किकी बर्टेन्स (Kiki Bertens) (नीदरलैण्ड्स)
10	सेरेना विलियम्स (Serena Williams) (अमरीका)

- *स्विट्जरलैण्ड के रोजर फेडरर ने एटीपी टूर्स फाइनल्स का एकल खिताब सर्वाधिक 6 बार जीता है, जबकि इवान लेंडल (तत्कालीन नाम चैकोस्लोवाकिया), पीट सम्प्रास (अमरीका) व नोवाक जोकोविच (सर्बिया) 5-5 बार इसके विजेता रहे हैं.*

फेड कप (2019) : 16 वर्ष के अंतराल के पश्चात् फ्रांस विजेता

महिलाओं की टेनिस (टीम) चैम्पियनशिप के फेड कप (2019) के लिए फाइनल

फेड कप ट्रॉफी के साथ फ्रांस की टीम.

मुकाबला फ्रांस व आस्ट्रेलिया के बीच हुआ. पर्थ (आस्ट्रेलिया) में 9-10 नवम्बर, 2019 को सम्पन्न इस मुकाबले में 7 बार के विजेता आस्ट्रेलिया को 3-2 से हराकर फ्रांस ने यह खिताब जीता. 16 वर्ष के अंतराल के पश्चात् फ्रांस ने यह टूर्नामेन्ट जीता है.

- *इस वर्ष टूर्नामेन्ट के फाइनल में स्थान बनाने के लिए फ्रांस ने रूमानिया को तथा आस्ट्रेलिया ने बेलारूस को अप्रैल 2019 में सेमीफाइनल मुकाबलों में हराया था.*
- *इस टूर्नामेन्ट की शुरूआत 1963 में हुई थी तथा इस वर्ष (2019 में) इसका यह 57वाँ आयोजन था.*
- *मौजूदा प्रारूप में फेड कप टूर्नामेन्ट का यह अंतिम आयोजन था. अगले वर्ष से इसके प्रारूप में परिवर्तन होगा.*

डेविस कप (2019)

टेनिस में पुरुषों की टीम चैम्पियनशिप का प्रतिष्ठित (108वाँ) डेविस कप (2019)

स्पेन की टीम डेविस कप के साथ

कनाडा को फाइनल में हराकर स्पेन ने जीता है. 24 नवम्बर, 2019 को मैड्रिड (स्पेन) में खेले गए फाइनल में कनाडा को 2-0 से हराकर स्पेन ने यह टूर्नामेन्ट जीता. **स्पेन ने छठी बार पुरुषों की विश्व चैम्पियनशिप का यह टूर्नामेन्ट जीता है.** वह इससे पूर्व 2011 में इसका विजेता रहा था.

- *इस टूर्नामेन्ट के फाइनल में स्थान बनाने के लिए कनाडा ने रूस को तथा स्पेन ने ब्रिटेन को 23 नवम्बर को ही सेमीफाइनल में पराजित किया था.*
- *इस वर्ष यह टूर्नामेन्ट बदले हुए नए प्रारूप के तहत् खेला गया था.*

इस खिताब के लिए पहले स्पेन के राबर्टो बतिस्ता एगुट ने अपना पहला एकल जीत कर 1-0 की बढ़त बना दी थी. बाद में राफेल नडाल ने भी दूसरे एकल में कनाडा के डेनिस शापोवालोव को हराकर 2-0 की निर्णायक बढत स्पेन को दिला दी, जिससे युगल मैच की आवश्यकता ही नहीं पड़ी.

हाल ही के वर्षों में डेविस कप के विजेता

वर्ष	विजेता	उपविजेता
2000	स्पेन	आस्ट्रेलिया
2001	फ्रांस	आस्ट्रेलिया
2002	रूस	फ्रांस
2003	आस्ट्रेलिया	स्पेन
2004	स्पेन	अमरीका
2005	क्रोएशिया	स्लोवाकिया
2006	रूस	अर्जेन्टीना
2007	अमरीका	रूस
2008	स्पेन	अर्जेन्टीना
2009	स्पेन	चैक गणराज्य
2010	सर्बिया	फ्रांस
2011	स्पेन	अर्जेन्टीना
2012	चैक गणराज्य	स्पेन
2013	चैक गणराज्य	सर्बिया
2014	स्विट्जरलैण्ड	फ्रांस
2015	ब्रिटेन	बेल्जियम
2016	अर्जेन्टीना	क्रोएशिया
2017	फ्रांस	बेल्जियम
2018	क्रोएशिया	फ्रांस
2019	स्पेन	कनाडा

पाकिस्तान को हराकर भारत ने डेविस कप 2020 क्वालिफायर दौर में स्थान बनाया

डेविस कप 2020 के क्वालीफायर दौर में स्थान बनाने के लिए एशिया/ओसियाना ग्रुप–1 का भारत व पाकिस्तान की टीमों के बीच मुकाबला कजाखिस्तान की राजधानी नूर सुल्तान में 29-30 नवम्बर, 2019 को हुआ. इस मुकाबले में पाकिस्तान को 4-0 से हराकर भारत ने 2020 क्वालिफायर में स्थान सुनिश्चित किया. **क्वालिफायर दौर में भारत का मुकाबला दो बार के चैम्पियन क्रोएशिया से होगा तथा यह मैच क्रोएशिया में ही 6-7 मार्च, 2020 को खेले जाएंगे.**

पाकिस्तान के विरुद्ध 29-30 नवम्बर, 2019 के मुकाबले में भारत के सुमित नागल व रामकुमार रामनाथन ने अपने-अपने एकल मैच जीत कर 2-0 की बढ़त 29 नवम्बर को ही बना ली थी. 30 नवम्बर को भारत के लिएंडर पेस व जीवन नेदुचेझियान की जोड़ी ने भी अपना युगल मैच जीत लिया. (डेविस कप में लिएंडर पेस

MAGAZINE KING

की यह रिकॉर्ड 44वीं जीत थी.) 30 नवम्बर को ही उलट एकल में भी सुमित नागल की जीत के साथ भारत की बढ़त 4-0 की हो गई थी. ऐसे में निरर्थक हो चुके पाँचवें मैच को न खेलने का निर्णय दोनों टीमों ने किया.

लिएंडर पेस का डेविस कप में 44 युगल मुकाबले जीत का विश्व रिकॉर्ड

डेविस कप में युगल मुकाबलों में 43वाँ मैच जीत कर ऐसे सर्वाधिक मैच जीतने का विश्व रिकॉर्ड भारत के लिएंडर पेस ने अप्रैल 2018 में अपने नाम किया था. 30 नवम्बर, 2019 को नूर सुल्तान (कजाखिस्तान) में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के विरुद्ध युगल मैच में विजय हासिल कर लिएंडर पेस ने डेविस कप में 44वीं युगल विजय अपने नाम की है तथा इस मामले में अपने विश्व रिकॉर्ड में सुधार किया है.

लिएंडर पेस

डेविस कप में 44 युगल मैचों के साथ ही 48 एकल मैच भी लिएंडर पेस ने जीते हैं. इस प्रकार डेविस कप में कुल मिलाकर 92 मैच 45 वर्षीय पेस ने जीते हैं. इस मामले में सर्वाधिक 120 जीतों का विश्व रिकॉर्ड इटली के निकोला पीटरअंगेली (Nicola Pietrangeli) के नाम है. इनमें 78 एकल व 42 युगल जीतें शामिल हैं.

भारत व पाकिस्तान के बीच उपर्युक्त मुकाबले के लिए भारतीय टीम ने गैर खिलाड़ी कप्तान पूर्व टेनिस खिलाड़ी तथा नेशनल टेनिस फेडरेशन की चयन समिति के अध्यक्ष रोहित राजपाल थे. यह मुकाबला मूलतः सितम्बर 2019 में पाकिस्तान में इस्लामाबाद में होना था किन्तु खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिन्ता व्यक्त करते हुए भारत ने किसी तटस्थ स्थान पर इसे आयोजित करने की माँग अन्तर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ (ITF) से की थी जिसे स्वीकार करते हुए नूर सुल्तान में यह मैच 29-30 नवम्बर को कराए गए.

बैडमिन्टन

सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन टूर्नामेन्ट (2019)

भारतीय बैडमिंटन संघ (BAI) के तत्वावधान में वर्ष 2019 का (26वाँ) सैयद मोदी अन्तर्राष्ट्रीय बैडमिंटन टूर्नामेन्ट लखनऊ में 26 नवम्बर–1 दिसम्बर, 2019 को सम्पन्न हुआ. इसमें पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिताब क्रमशः वांग त्जू-वी (Wang Tzu-Wei) व कैरोलिन मारिन (Caroline Marin) ने जीते. चीनी ताइपै के वांग त्जू-वी ने फाइनल मुकाबले में भारत के सौरभ वर्मा को हराकर पुरुषों का एकल खिताब जहाँ जीता वहीं महिलाओं के एकल खिताब के लिए थाइलैण्ड की फिटायापोर्न चाइवान को फाइनल में स्पेन की ओलम्पिक चैम्पियन कैरोलिना मारिन ने हराया. पुरुषों का युगल खिताब हे जिटिंग ((He Jiting) व तान कियांग की चीनी जोड़ी ने फाइनल में दक्षिण कोरियाई खिलाड़ियों की जोड़ी को हराकर जहाँ जीता वहीं महिलाओं का युगल द. कोरिया की बाएक हा-ना व जुंग क्युंग इयुन की जोड़ी ने हमवतन जोड़ी को फाइनल में हराकर जीता. इस टूर्नामेन्ट का मिश्रित युगल खिताब रूस के रोडिओन अलीमोव व एलिना दावले तोवा की जोड़ी ने ब्रिटिश जोड़ी को फाइनल में हराकर जीता.

फॉर्मूला-1 रेस

मर्सिडीज टीम के ब्रिटिश चालक लुइस हैमिल्टन फॉर्मूला-1 रेसों के वर्ष 2019 के विश्व चैम्पियन

वर्ष 2019 की सभी 21 फॉर्मूला-1 रेसों में प्राप्त किए गए अंकों के आधार पर

लुइस हैमिल्टन वर्ष 2019 के फॉर्मूला-1 रेसों के विश्व चैम्पियन.

वर्ष 2019 की फॉर्मूला-1 रेसों के विजेता

क्र.	तिथि	आयोजन स्थल	रेस	विजेता
1.	17 मार्च	मेलबर्न	आस्ट्रेलियाई ग्राण्ड प्रिक्स	वाल्टेरी बोट्टास (मर्सिडीज)
2.	31 मार्च	साखिर	बहरीन ग्राण्ड प्रिक्स	लुइस हैमिल्टन (मर्सिडीज)
3.	14 अप्रैल	शंघाई	चीनी ग्राण्ड प्रिक्स	लुइस हैमिल्टन (मर्सिडीज)
4.	28 अप्रैल	बाकू	अजरबेजान ग्राण्ड प्रिक्स	वाल्टेरी बोट्टास (मर्सिडीज)
5.	12 मई	बार्सीलोना	स्पेनिश ग्राण्ड प्रिक्स	लुइस हैमिल्टन (मर्सिडीज)
6.	26 मई	मोनाको	मोनाको ग्रांड प्रिक्स	लुइस हैमिल्टन (मर्सिडीज)
7.	9 जून	मॉट्रियल	कनाडा ग्राण्ड प्रिक्स	लुइस हैमिल्टन (मर्सिडीज)
8.	23 जून	पॉल रिकर्ड (ली कैस्टेलिट)	फ्रांसीसी ग्राण्ड प्रिक्स	लुइस हैमिल्टन (मर्सिडीज)
9.	30 जून	रैडबुल रिंग, स्पीलबर्ग	आस्ट्रियाई ग्राण्ड प्रिक्स	मैक्स वर्स्टापेन (रेड बुल)
10.	14 जुलाई	सिल्वरस्टोन	ब्रिटिश ग्राण्ड प्रिक्स	लुइस हैमिल्टन (मर्सिडीज)
11.	28 जुलाई	होकेन हीम	जर्मन ग्राण्ड प्रिक्स	मैक्स वर्स्टापेन (रेड बुल)
12.	4 अगस्त	मोग्योरोड	हंगेरियन ग्राण्ड प्रिक्स	लुइस हैमिल्टन (मर्सिडीज)
13.	1 सितम्बर	स्पा फ्रेंकोर्चैम्प्स	बेल्जियम ग्राण्ड प्रिक्स	चार्ल्स लेकलेर्क (फरारी)
14.	8 सितम्बर	मोंजा	इटैलियन ग्राण्ड प्रिक्स	चार्ल्स लेकलेर्क (फरारी)
15.	22 सितम्बर	सिंगापुर	सिंगापुर ग्राण्ड प्रिक्स	सेबेस्टियन वेट्टल (फरारी)
16.	29 सितम्बर	सोचि	रूसी ग्राण्ड प्रिक्स	लुइस हैमिल्टन (मर्सिडीज)
17.	13 अक्टूबर	सुजुका	जापानी ग्राण्ड प्रिक्स	वाल्टेरी बोट्टास (मर्सिडीज)
18.	27 अक्टूबर	मेक्सिको सिटी	मेक्सिकन ग्राण्ड प्रिक्स	लुइस हैमिल्टन (मर्सिडीज)
19.	3 नवम्बर	ऑस्टिन	अमरीकी ग्राण्ड प्रिक्स	वाल्टेरी बोट्टास (मर्सिडीज)
20.	17 नवम्बर	साओ पाउलो	ब्राजीली ग्राण्ड प्रिक्स	मैक्स वर्सटापेन (रेड बुल)
21.	1 दिसम्बर	यस मारिना, आबू-धाबी	आबूधाबी ग्राण्ड प्रिक्स	लुइस हैमिल्टन (मर्सिडीज)

यह ..... अवसर है, जब फॉर्मूला-1 रेसों के विश्व चैम्पियन बने हैं.

MAGAZINE KING

मर्सिडीज टीम के लुइस हैमिल्टन इस वर्ष के फॉर्मूला-1 रेसों के विश्व चैम्पियन बने हैं. इस वर्ष (2019) की 21वीं अंतिम रेस आबूधाबी ग्रांड प्रिक्स थी, जो आबूधाबी में 1 दिसम्बर, 2019 को सम्पन्न हुई. लुइस हैमिल्टन इसमें विजेता रहे, जबकि दूसरा स्थान रैडबुल के एम. वर्स्टापेन का रहा. **वर्ष 2019 की सभी 21 रेसों में से 11 में विजयी रहे लुइस हैमिल्टन के वर्षांत में अंकों की कुल संख्या 413 हो गई थी, जबकि 326 अंकों के साथ वाल्टेरी बोट्टास दूसरे स्थान पर रहे. वाल्टेरी बोट्टास ने पूरे वर्ष में 4 रेसें जीती थीं. अंकों के साथ रैडबुल टीम के एम. वर्स्टापेन का तीसरा स्थान 2019 में रहा. लुइस हैमिल्टन छठी बार फॉर्मूला-1 रेसों के विश्व चैम्पियन बने हैं.** वर्ष 2019 की सभी फॉर्मूला-1 रेसों के विजेताओं के नाम निम्नलिखित हैं–

तीन या तीन से अधिक बार विश्व चैम्पियन रहे चालकों के नाम (2019 तक)

कितनी बार विश्व चैम्पियन रहे	चालक (देश)	वर्ष
7 बार	माइकल शुमाकर (जर्मनी)	1994, 1995, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004
6 बार	लुइस हैमिल्टन (ब्रिटेन)	2008, 2014, 2015, 2017, 2018, 2019
5 बार	जुआन मैन्युएल फेंजियो (अर्जेन्टीना)	1951, 1954, 1955, 1956, 1957
4 बार	एलेन प्रोस्ट (फ्रांस)	1985, 1986, 1989, 1993
4 बार	सेबेस्टियन वेट्टल (जर्मनी)	2010, 2011, 2012, 2013
3 बार	जैक ब्राभम (आस्ट्रेलिया)	1959, 1960, 1966
3 बार	निकी लाउदा (ऑस्ट्रिया)	1975, 1977, 1984
3 बार	नेल्सन पीक्वेट (ब्राजील)	1981, 1983,1987
3 बार	आयर्टन सेन्ना (ब्राजील)	1988, 1990, 1991
3 बार	जैकी स्टीवर्ट (ब्रिटेन)	1969, 1971, 1973

वर्ष 2020 की फॉर्मूला-1 रेसों का कार्यक्रम

वर्ष 2020 के दौरान कुल मिलाकर 22 रेसों के आयोजन का कार्यक्रम प्रस्तावित है. यह फॉर्मूला-1 रेसों के इतिहास में किसी एक वर्ष में अब तक आयोजित रेसों की सर्वाधिक संख्या है. इन रेसों का कार्यक्रम निम्नलिखित है–

क्र.	तिथि	आयोजन स्थल	रेस
1.	15 मार्च	मेलबर्न	आस्ट्रेलियाई ग्राण्ड प्रिक्स
2.	22 मार्च	साखिर	बहरीन ग्राण्ड प्रिक्स
3.	5 अप्रैल	हनोई	वियतनाम ग्रांड प्रिक्स
4.	19 अप्रैल	शंघाई	चीनी ग्राण्ड प्रिक्स
5.	3 मई	झांडवूर्ट	नीदरलैण्ड्स ग्राण्ड प्रिक्स
6.	10 मई	बार्सीलोना	स्पेनिश ग्राण्ड प्रिक्स
7.	24 मई	मोनाको	मोनाको ग्राड प्रिक्स
8.	7 जून	बाकू	अजरबैजान ग्राण्ड प्रिक्स
9.	14 जून	मॉंट्रियल	कनाडा ग्राण्ड प्रिक्स
10.	28 जून	पॉल रिकर्ड (ली कैस्टेलिट)	फ्रांसीसी ग्राण्ड प्रिक्स
11.	5 जुलाई	रैडबुल रिंग, स्पीलबर्ग	आस्ट्रियाई ग्राण्ड प्रिक्स,
12.	19 जुलाई	सिल्वरस्टोन	ब्रिटिश ग्राण्ड प्रिक्स
13.	2 अगस्त	मोग्योरोड (बुडापेस्ट)	हंगेरियन ग्राण्ड प्रिक्स
14.	30 अगस्त	स्पा फ्रेंकोर्चैम्प्स	बेल्जियम ग्राण्ड प्रिक्स
15.	6 सितम्बर	मोंजा	इटैलियन ग्राण्ड प्रिक्स
16.	20 सितम्बर	सिंगापुर	सिंगापुर ग्राण्ड प्रिक्स
17.	27 सितम्बर	सोचि	रूसी ग्राण्ड प्रिक्स
18.	11 अक्टूबर	सुजुका	जापानी ग्राण्ड प्रिक्स
19.	25 अक्टूबर	ऑस्टिन	अमरीकी ग्राण्ड प्रिक्स
20.	1 नवम्बर	मेक्सिको सिटी	मेक्सिकन ग्राण्ड प्रिक्स
21.	15 नवम्बर	साओ पाउलो	ब्राजीली ग्राण्ड प्रिक्स
22.	29 नवम्बर	यस मारिना, आबूधाबी	आबूधाबी ग्राण्ड प्रिक्स

●●●

शेष पृष्ठ 26 का

भेंट की. (श्री जयशंकर ने एक सप्ताह पूर्व ही उनसे मिलने के लिए कोलंबो की यात्रा 20 नवम्बर, 2019 को की थी), जिसके पश्चात् राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि मेहमान राष्ट्रपति गोटबाया ने अर्पित की. 29 नवम्बर को ही हैदराबाद हाउस में भारतीय प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ मेहमान राष्ट्रपति की वार्ता हुई. पहले अकेले में व उसके पश्चात् प्रतिनिधिमंडल स्तर पर हुई इस वार्ता के मुद्दे मुख्यतः आर्थिक, सामाजिक व सामरिक सहयोग पर केन्द्रित रहे. वार्ता में श्री मोदी ने स्पष्ट किया कि एक स्थिर, सुरक्षित व समृद्ध श्रीलंका न केवल भारत के बल्कि सम्पूर्ण हिन्द महासागर क्षेत्र के हित में है. दोनों देशों के बीच बहुमुखी साझेदारी व सहयोग को मिलकर और मजबूत करने को सहमति दोनों पक्षों में रही. प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्पष्ट किया कि यह सहयोग श्रीलंका के लोगों की प्राथमिकताओं के अनुरूप होगा. श्रीलंका में आधारिक संरचना के विकास हेतु 400 मिलियन डॉलर की एक नई लाइन ऑफ क्रेडिट की घोषणा श्री मोदी ने इस वार्ता में की. आतंकवाद से निपटने के लिए 50 मिलियन डॉलर की एक अन्य लाइन ऑफ क्रेडिट की घोषणा भी उन्होंने की. इनके अतिरिक्त श्रीलंका में सोलर प्रोजेक्ट्स के लिए पहले से घोषित 100 मिलियन डॉलर की क्रेडिट लाइन को जल्दी उपयोग में लाने के लिए भी दोनों पक्ष सहमत हुए. श्रीलंकाई तमिलों की स्थिति पर चर्चा करते हुए श्री मोदी ने आशा व्यक्त की कि श्री राजपक्षे की नई सरकार तमिलों की आकांक्षाओं को भी पूरा करेगी. श्री मोदी ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि श्रीलंका के उत्तरी व पूर्वी प्रांतों में तमिल विस्थापितों के लिए भारत की मदद से चलाई जा रही आवासीय परियोजना के तहत् 46000 घरों का निर्माण पूरा हो चुका है तथा भारतीय मूल के तमिलों के लिए 14000 घरों के निर्माण में अच्छी प्रगति हो रही है.

29 नवम्बर को ही बाद में मेहमान राष्ट्रपति के लिए रात्रि भोज की मेजबानी भारतीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में की. इस अवसर पर विकास सहयोग को भारत-श्रीलंका सम्बन्धों का महत्वपूर्ण स्तम्भ बताते हुए अपने लोगों के आपसी लाभ के लिए व अपने बहुआयामी सम्बन्धों को और मजबूत करने के लिए नए मार्ग खोजने की आवश्यकता श्री कोविंद ने बताई. 29 नवम्बर के इन कार्यक्रमों के पश्चात् श्रीलंकाई राष्ट्रपति की स्वदेश वापसी 30 नवम्बर को हुई.

●●●

MAGAZINE KING

रोजगार समाचार

बिहार पुलिस बल में चालक सिपाहियों के 1722 रिक्त पद

बिहार पुलिस, बिहार सैन्य पुलिस व अन्य पुलिस इकाइयों में चालक सिपाहियों के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु सुयोग्य उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) द्वारा 30 दिसम्बर, 2019 तक आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत् उपलब्ध रिक्त पदों की कुल संख्या 1722 है. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता– इंटरमीडिएट (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण या समकक्ष योग्यता तथा मोटर वाहन चालक हेतु वांछित अनुज्ञप्ति.

आयु सीमा–(1 अगस्त, 2019 को) 20–25 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के तहत् पहले चरण में अर्ह उम्मीदवारों की लिखित परीक्षा ली जाएगी. 100 अंकों की इस परीक्षा में वस्तुनिष्ठ किस्म के सामान्य ज्ञान व समसामयिक मुद्दों से सम्बन्धित 100 प्रश्न होंगे. लिखित परीक्षा के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों को आगे के चरण शारीरिक योग्यता परीक्षा में शामिल किया जाएगा. इस भर्ती के मामले में न्यूनतम योग्यताओं के सम्बन्ध में व अन्य विस्तृत जानकारी हेतु केन्द्रीय चयन पर्षद की वेबसाइट www.esbe.bih.nic.in देखें. इस वेबसाइट पर ही सम्बन्धित खण्ड में जाकर आवेदन किया जा सकता है.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित बिहार सामान्य ज्ञान की पुस्तकों का अध्ययन लाभकारी होगा.

बिहार में परिवहन विभाग में प्रवर्तन अवर निरीक्षकों की रिक्तियाँ

बिहार में परिवहन विभाग के अधीन प्रवर्तन अवर निरीक्षक (Enforcement Sub-Inspector) के पद पर नियुक्ति हेतु लिखित प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग द्वारा दो चरणों में किया जाएगा. पहले चरण में 200 अंकों की प्रारम्भिक परीक्षा में सामान्य ज्ञान व समसामयिक मुद्दों से सम्बन्धित प्रश्न होंगे. इसमें प्राप्त अंकों के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों को दूसरे चरण की मुख्य लिखित परीक्षा में अभ्यर्थियों को शामिल किया जाएगा. मुख्य परीक्षा में दो प्रश्न-पत्र होंगे. पहला प्रश्न-पत्र सामान्य हिन्दी (200 अंक) का होगा, जबकि दूसरे प्रश्न-पत्र में सामान्य अध्ययन, सामान्य विज्ञान, नागरिक-शास्त्र, भारतीय इतिहास, भारतीय भूगोल, गणित एवं मानसिक योग्यता जाँच से सम्बन्धित प्रश्न होंगे. पहले प्रश्न-पत्र में प्राप्त अंक मेधा सूची में नहीं जोड़े जाएंगे.

इस नियुक्ति के लिए पात्र एवं योग्य उम्मीदवारों से निर्धारित प्रारूप पर आवेदन बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग द्वारा आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत् उपलब्ध रिक्त पदों की कुल संख्या 212 है. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता–स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण.

आयु सीमा (1 अगस्त, 2019 को)– 21–42 वर्ष. (सामान्य कोटे के अभ्यर्थियों के लिए) विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है. (1 अगस्त, 2014 को सरकार द्वारा निर्धारित अधिकतम आयु सीमा धारित करने वाले अभ्यर्थी भी आवेदन के पात्र हैं.)

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु आयोग की वेबसाइट www.bpssc.bih.nic. in देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित पुस्तक बिहार पुलिस सब-इंस्पेक्टर प्रारम्भिक परीक्षा का अध्ययन करें.

छत्तीसगढ़ राज्य सेवा परीक्षा–2019

छत्तीसगढ़ राज्य सिविल सेवा, पुलिस सेवा, वित्त सेवा, वाणिज्य कर अधिकारी, खाद्य अधिकारी आदि व अधीनस्थ लेखा सेवा आदि के कुल 75 पदों पर भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल होने के पात्र अभ्यर्थियों के चयन के लिए राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा प्रारम्भिक परीक्षा का आयोजन राज्य में चुने हुए केन्द्रों पर 9 फरवरी, 2020 को किया जाएगा. प्रारम्भिक परीक्षा में सफल होने वाले अभ्यर्थियों को ही इन सेवाओं के लिए आयोजित होने वाली मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल किया जाएगा. मुख्य परीक्षा के लिए निर्धारित तिथियाँ 17, 18, 19 व 20 जून, 2020 है.

न्यूनतम शैक्षिक योग्यता– स्नातक अथवा समकक्ष.

आयु सीमा–1 जनवरी, 2019 को 21–30 वर्ष (उपअधीक्षक पुलिस के पदों के लिए 21–28 वर्ष). **छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों** व अन्य विभिन्न मामलों में उच्च आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

परीक्षा योजना–प्रारम्भिक परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों वाले दो अनिवार्य प्रश्न-पत्र क्रमशः सामान्य अध्ययन व योग्यता परीक्षा के होंगे. दूसरा योग्यता परीक्षा का प्रश्न-पत्र अर्हकारी प्रकृति का होगा तथा उसमें प्राप्त अंकों को मुख्य परीक्षा के लिए मेरिट सूची तैयार करते समय नहीं जोड़ा जाएगा.

प्रारम्भिक परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों के ऑनलाइन आवेदन 6 दिसम्बर, 2019 से 4 जनवरी, 2020 के दौरान आयोग की वेबसाइट www.psc.cg.gov.in पर स्वीकार किए जाएंगे.

उपर्युक्त प्रारम्भिक परीक्षा के लिए उपकार प्रकाशन द्वारा प्रकाशित छत्तीसगढ़ पी. एस.सी. राज्य सेवा प्रारम्भिक परीक्षा एवं छत्तीसगढ़ सामान्य ज्ञान की पुस्तकों का अध्ययन आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा.

राजस्थान में जिला न्यायालयों एवं जिला विधिक प्राधिकरणों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की सीधी भर्ती–2019

राजस्थान के जिला न्यायालयों एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों (चपरासी/समतुल्य पद) के बड़ी संख्या में रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन-पत्र राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर द्वारा 17 दिसम्बर, 2019 तक आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत् उपलब्ध रिक्त पदों में गैर-अनुसूचित क्षेत्र हेतु रिक्त पद शामिल हैं.

विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता–देवनागरी लिपि में लिखित हिन्दी तथा राजस्थानी संस्कृति के ज्ञान के अतिरिक्त सेकण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण.

आयु सीमा (1 जनवरी, 2020 को) 18-40 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के लिए लिखित प्रतियोगिता परीक्षा में सामान्य हिन्दी, सामान्य अंग्रेजी तथा राजस्थान की संस्कृति सम्बन्धी वस्तुनिष्ठ प्रश्न

MAGAZINE KING

होंगे. इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी व आवेदन हेतु राजस्थान उच्च न्यायालय की वेबसाइट http://www.hcraj.nic.in एवं ई-मित्र के पोर्टल्स देखें.

उत्तराखण्ड में गोविंद वल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय पन्त नगर में सहायक लेखाकार के रिक्त पद

उत्तराखण्ड में गोविंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पन्त नगर में समूह ग के अन्तर्गत सहायक लेखाकार के 13 बैकलॉग पदों सहित कुल 93 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आमंत्रित किए गए हैं. ऑनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि 15 दिसम्बर, 2019 है. (रिक्तियों की संख्या घटाई-बढ़ाई जा सकती है). विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है.

शैक्षणिक योग्यता—वाणिज्य में स्नातक/बीबीए/पोस्ट ग्रेजुएट इन एकाउंटेंसी.

आयु सीमा—21–42 वर्ष. (जो अभ्यर्थी इन पदों के लिए पूर्व में आयोजित लिखित परीक्षा में शामिल हो चुके हैं, उनके लिए आयु गणना की निश्चायक तिथि 1 जनवरी, 2017 होगी. अन्य नए अभ्यर्थियों के मामले में यह 1 जनवरी, 2019 है. विभिन्न अन्य मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है. आयु की गणना हेतु सन्दर्भ तिथि विस्तृत विज्ञापन में देखें.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली 100 अंकों की वस्तुनिष्ठ किस्म के प्रश्नों वाली 2 घण्टे की लिखित प्रतियोगिता परीक्षा होगी जिसमें पद की न्यूनतम अर्हता से सम्बन्धित विषयों पर आधारित प्रश्न होंगे. इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की वेबसाइट www.sssc.uk.gov.in देखें. आवेदन के इच्छुक अभ्यर्थी इस वेबसाइट पर ही ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

Suggested Books Code–816, 985, 2652

भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग एवं ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं में चयन हेतु एयर फोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट (AFCAT–1/2020 NCC Special Entry)

भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग/ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं में शॉर्ट सर्विस/परमानेंट कमीशन हेतु जनवरी 2021 में शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्र पुरुष व महिला उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन 30 दिसम्बर, 2019 तक आमंत्रित किए गए हैं. विभिन्न शाखाओं के लिए आवश्यक न्यूनतम योग्यताएं अलग-अलग हैं, जोकि सम्बन्धित शाखाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं. इनकी जानकारी हेतु वायुसेना की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन देखें.

आयु सीमा (1 जनवरी, 2021 को) फ्लाइंग ब्रांच हेतु 20–24 वर्ष, ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच हेतु 20–26 वर्ष.

इस चयन हेतु सभी पात्र आवेदकों को पहले चरण में ऑनलाइन **एयर फोर्स कॉमन एडमीशन टेस्ट (AFCAT)** में शामिल किया जाएगा. इस परीक्षा के आधार पर अल्पसूचीबद्ध उम्मीदवारों को ही आगे की चयन प्रक्रिया हेतु एयरफोर्स सेलेक्शन बोर्ड में आमंत्रित किया जाएगा. इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु इंडियन एयरफोर्स की सम्बन्धित वेबसाइट्स https://careerindianairforce.cdac.in अथवा https://afcat.cdac.in देखें. आवेदन के इच्छुक अभ्यर्थी इन वेबसाइटों पर ही ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

सीबीएसई में जूनियर/सीनियर असिस्टेंट, स्टेनोग्राफर व अन्य रिक्तियाँ

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) में सीनियर असिस्टेंट के 60, जूनियर असिस्टेंट के 204, स्टेनोग्राफर के 25 तथा ऐसे ही अन्य पदों पर नियुक्ति हेतु सुयोग्य उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन बोर्ड द्वारा 16 दिसम्बर, 2019 तक आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत् विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान उपलब्ध है. अन्य उपलब्ध रिक्त पदों में असिस्टेंट सेक्रेटरी एनेलिस्ट व एकाउंटेंट आदि के पद शामिल हैं. इनके सम्बन्ध में जानकारी हेतु सीबीएसई की वेबसाइट पर विस्तृत विज्ञापन देखें.

शैक्षणिक योग्यता—जूनियर असिस्टेंट हेतु 12वीं कक्षा उत्तीर्ण तथा सीनियर असिस्टेंट/स्टेनोग्राफर हेतु स्नातक, टंकण/ कम्प्यूटर सम्बन्धी निर्धारित योग्यताएं भी आवश्यक हैं.

इन भर्तियों के लिए आयोजित की जाने वाली कम्प्यूटर आधारित प्रतियोगिता परीक्षा में सामान्य ज्ञान, रीजनिंग, करेंट अफेयर्स व कम्प्यूटर ज्ञान आदि के प्रश्न होंगे. परीक्षा पाठ्यक्रम की जानकारी हेतु विस्तृत विज्ञापन देखें. इन भर्तियों के सम्बन्ध में ऑनलाइन आवेदन व अन्य विस्तृत जानकारी हेतु सीबीएसई की वेबसाइट www. cbse.nic.in देखें.

मध्य प्रदेश राज्य सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा–2019

मध्य प्रदेश राज्य सेवा के तहत् विभिन्न विभागों के उपलब्ध रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल होने की अर्हता निर्धारण के लिए प्रारम्भिक परीक्षा का आयोजन मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा 12 जनवरी, 2020 को किया जाएगा (**राज्य वन सेवा परीक्षा 2019 के लिए प्रारम्भिक परीक्षा भी यही है तथा राज्य सेवा परीक्षा के लिए आवेदन के साथ ही राज्य वन सेवा परीक्षा के लिए भी आवेदन ऑनलाइन किया जा सकता है**). राज्य वन सेवा के तहत् उपलब्ध रिक्तियों में सहायक वन संरक्षक की 6 रिक्तियाँ जहाँ शामिल हैं, वहीं राज्य सेवा की उपलब्ध रिक्तियों में 8 रिक्तियाँ उपजिलाध्यक्ष (सामान्य प्रशासन विभाग) की, 20 रिक्तियाँ नायब तहसीलदार (राजस्व विभाग) की, 21 रिक्तियाँ सहायक संचालक (सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग) की, 6 रिक्तियाँ राज्य पुलिस सेवा की व कुछ अन्य रिक्तियाँ शामिल हैं. उपलब्ध रिक्तियों में से कुछ रिक्तियाँ विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए नियमानुसार आरक्षित हैं. पदों की संख्या घट-बढ़ सकती है. अभ्यर्थियों का मध्य प्रदेश राज्य के रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना आवश्यक है)

न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता—स्नातक अथवा समकक्ष.

आयु सीमा (1 जनवरी, 2020 को)—21–40 वर्ष. कुछ पदों के लिए आयु सीमाएं अलग हैं. इनके लिए विस्तृत विज्ञापन देखें. विभिन्न वर्गों के मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

12 जनवरी, 2020 को आयोजित की जाने वाली प्रारम्भिक परीक्षा में 2–2 घण्टे की अवधि के 200–200 अंकों के वस्तुनिष्ठ किस्म के दो प्रश्न-पत्र क्रमशः सामान्य अध्ययन व सामान्य अभिरुचि परीक्षण के होंगे. प्रारम्भिक परीक्षा मध्य प्रदेश में विभिन्न शहरों में आयोजित होगी. इस परीक्षा में प्राप्त किए गए अंकों के आधार पर ही राज्य सेवा मुख्य परीक्षा के लिए अर्ह उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा.

इस परीक्षा के सम्बन्ध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिए रोजगार और निर्माण (भोपाल) एवं प्रदेश लोक सेवा आयोग की वेबसाइट www.mponline.gov.in अथवा www.mppsc.nic.in अथवा www.mppsc.com देखें. इन्हीं वेबसाइट्स पर परीक्षा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी उपलब्ध है. परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को इन्हीं वेबसाइट्स पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा. ऑनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि 9 दिसम्बर, 2019 है.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित प्रथम प्रश्न-पत्र एवं द्वितीय प्रश्न-पत्र की पुस्तकों का अध्ययन लाभकारी होगा.

Suggested Books Code–2524, 2189, 624, 715

●●●

MAGAZINE KING

आ रही है एलियन की पुकार

वैज्ञानिक ब्रह्माण्ड के विभिन्न भागों में विद्यमान उच्च चेतनायुक्त प्राणियों से सम्पर्क करने का प्रयास कर रहे हैं. इन प्राणियों को 'एलियन' कहा जाता है. अभी हाल ही में वैज्ञानिकों ने रहस्यमयी तीव्र रेडियो सिग्नल (एफ.आर.बी.) को पकड़ा है. इन रेडियो संकेतों को एलियन से जोड़कर देखे जा रहे हैं. वैज्ञानिकों के अनुसार ये रेडियो संकेत एलियन की मौजूदगी के संकेत हैं.) इस समय इन रेडियो संकेतों की गहन जाँच चल रही है. इन रहस्यमयी संकेतों को ब्रिटिश कोलम्बिया यूनिवर्सिटी की दूरबीन ने रिकॉर्ड किया है. इस तरह के संकेत दूसरी बार पकड़े गए इन संदेशों को कौन भेज रहा है?

रेडियो दूरबीन जिसने एलियन के सन्देश को रिकॉर्ड किया.

हाल में देखे गए संकेत आकाशगंगा से 1·5 अरब प्रकाश वर्ष की दूरी से पृथ्वी पर पहुँचे हैं. विस्फोटक रेडियो संकेतों का वास्तविक स्रोत क्या है? यह तो अभी तक स्पष्ट नहीं है, लेकिन कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि ये अन्तरिक्ष में मौजूद शक्तिशाली चीज से बने हो सकते हैं. वहीं कुछ विशेषज्ञ इस बहस में उलझे हैं कि इन रेडियो संकेतो के लिए ब्लैक होल्स या जबरदस्त चुम्बकीय क्षेत्र वाले न्यूट्रॉन स्टार जिम्मेदार हो सकते हैं. इनमें अमरीका की हार्वर्ड-स्मिथसोनिया सेंटर फॉर एस्ट्रो-फिजिक्स के प्रोफेसर एवीड लोएब का मानना है कि ये संकेत अविश्वसनीय रूप से उन्नत तकनीक के सबूत हो सकते हैं.

क्या है एफआरबी ?

रेडियो खगोलिकी में तीव्र रेडियो प्रस्फोट या एफआरबी अज्ञात कारणों से उत्पन्न एक बेहद ऊर्जावान खगोल भौतिक घटना होती है, जिसमें बहुत कम समय के लिए रेडियो संकेत आते हैं. यह कुछ मिलीसेकण्ड के लिए ही आते हैं.

नई किस्म की रेडियो दूरबीन के द्वारा बीते एक वर्ष में 13 रेडियो संकेतों का पता लगाया गया है. इनमें से एक रेडियो संकेत की तो पुनरावृत्ति भी हुई है. दोबारा आए एफआरबी 121102 या 'द रिपीटर' नाम के रेडियो संकेत ने वैज्ञानिकों को अपने मूल स्रोत का अध्ययन करने का अवसर दिया है. 13 संकेतों के अलावा कनाडा के वैज्ञानिकों का ध्यान इस दोबारा आए संकेत पर आ टिका है. वहीं पिछले एक दशक में 60 रेडियो संकेत खोजे जा चुके हैं. पहली बार 2007 में एफआरबी का पता लगाया गया था. दरअसल वर्ष 2001 में एकत्र रेडियो खगोल डेटा में रेडियो संकेत देखे जाने के बाद इनका पता लगा था. वैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि इन एफआरबी को खोजना तो मुश्किल है ही, इनका अध्ययन और भी जटिल है.

2025 तक भारत में घट जाएगा मॉरिशस जितना बड़ा वन-क्षेत्र

तिरुवनंतपुरम् स्थित इसरो के इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी तथा हैदराबाद स्थित नेशनल रिमोट सेंसिंग सेन्टर के संयुक्त शोध दल द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार पूर्वोत्तर के छह राज्यों (असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैण्ड, त्रिपुरा) और केन्द्र-शासित प्रदेश अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह में 2025 तक मॉरिशस जितना वन-क्षेत्र समाप्त हो जाएगा. यह शोध 'अर्थ सिस्टम' शोध पत्रिका में प्रकाशित हुआ है.

शोध में वैज्ञानिकों ने वर्ष 1880 में देश में 10·42 लाख वर्ग किमी वन क्षेत्रफल होने का अनुमान लगाया. यह देश के 37·1 प्रतिशत भौगोलिक हिस्से को दर्शाता है. उनके मुताबिक 1880 से 2013 के बीच देश के वन क्षेत्र में 40 प्रतिशत कमी दर्ज की गई. कम्प्यूटर पर 1880 के दौरान भारत के वन क्षेत्र में बढ़ोतरी दर्ज की गई, लेकिन 2025 तक इसमें भारी कमी देखने को मिली.

असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैण्ड, त्रिपुरा और अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह में 2005 से 2013 के बीच वन क्षेत्र में 0·3 प्रतिशत की दर से कमी दिखी. वैज्ञानिकों ने इन्हीं राज्यों के घटते क्षेत्र को 2025 के वन क्षेत्र के अनुमान के लिए आधार बनाया.

उत्तर-पूर्वी भारत में मौजूद मानस नेशनल पार्क, सोनई-रुपई अभयारण्य, नामेरी नेशनल पार्क और मारत लोंगरी अभयारण्य को छोड़कर अधिकांश संरक्षित क्षेत्रों में कुशल प्रबन्धन के कारण वन क्षेत्र का संरक्षण सफल रहा है, लेकिन अभी भी कई क्षेत्रों को बचाने की जरूरत है.

उत्तर-पूर्वी राज्यों में गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा अधिकांश वन क्षेत्र की भूमि को लीज पर लेने और बड़े स्तर पर वन क्षेत्रों को कृषि के लिए उपयोग में लाने के कारण ही वन क्षेत्र में लगातार गिरावट हो रही है.

वैज्ञानिकों ने कम्प्यूटर पर लैण्ड चेंज मॉडलर सॉफ्टवेयर पर प्राचीन भारत के वन क्षेत्र का मॉडल तैयार किया. इनमें उन इलाकों का पर्यवेक्षण किया गया, जहाँ वन क्षेत्र में सर्वाधिक कमी हो रही है.

मोटापा, कुपोषण और जलवायु-परिवर्तन–मानव के सबसे बड़े खतरे

अन्तर्राष्ट्रीय मेडिकल शोध पत्रिका 'लेसेंट' में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में मानव स्वास्थ्य के लिए तीन सबसे बड़े खतरे हैं– कुपोषण, मोटापा और जलवायु-परिवर्तन. इस रिपोर्ट में भारत सहित 14 देशों का अध्ययन किया गया.

इस रिपोर्ट के अनुसार कुपोषण और मोटापा मनुष्यों के लिए सबसे बड़े स्वास्थ्य खतरे हैं और वैश्विक स्तर पर समय से पहले मौत के बड़े कारण हैं. दुनिया भर में दो अरब से अधिक लोग मोटापे से त्रस्त हैं. इसके कारण प्रतिवर्ष 40 लाख लोगों की जान जाती है. इसकी वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था में हर वर्ष 2 अरब डॉलर की हानि होती है.

मौत के मुहाने पर खड़े कुपोषण के शिकार ये नौनिहाल.

- *14·8 करोड़ 2050 तक भारत में जलवायु परिवर्तन से प्रभावित गर्म क्षेत्र में निवास करेंगे लोग.*
- *15·5 करोड़ दुनिया भर में औसत से छोटे कद वाले बच्चे.*
- *5·2 करोड़ शारीरिक रूप से कमजोर बच्चों की संख्या.*
- *40 लाख हर वर्ष मोटापे से चली जाती है जान.*
- *दुनिया भर में 2 अरब मोटापे से प्रभावित लोग.*

मानव स्वास्थ्य के लिए यह दोधारी तलवार साबित हो रही है. एक तरफ मोटापा तो दूसरी तरफ कुपोषण. फसलों की पोषकता कम हो रही है. उनकी पैदावार घट रही है. विश्व की खाद्य सुरक्षा खतरे में है.

ग्लोबल न्यूट्रिशन रिपोर्ट के अनुसार, भारत, दुनिया के लगभग एक-तिहाई औसत से कम कद वाले बच्चों का घर है. वैश्विक

MAGAZINE RING

स्तर ऐसे बच्चों की संख्या वर्ष 2000 में 32·6 प्रतिशत से 2017 में 22·2 प्रतिशत तक गिर गई है. भारत ने पिछले कुछ वर्षों में मधुमेह पीड़ित मरीजों की तेज वृद्धि देखी गई है. 2016 में लगभग 6·5 करोड़ लोग मधुमेह से पीड़ित मिले. इन 6·5 करोड़ में से 35 प्रतिशत लोग मोटापे से प्रभावित मिले. 2016 में अधिक वजन वाले वयस्कों की संख्या लगभग 21 प्रतिशत तक बढ़ गई.

भारत ने विकसित किया एण्टी-रेडिएशन मिसाइल

भारत ने नई पीढ़ी की एंटी-रेडिएशन मिसाइल का परीक्षण किया है, जो तमाम सर्विलांस और राडार सिस्टम को ध्वस्त कर सकता है. इस मिसाइल का परीक्षण सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट से दागकर किया गया है. न्यू-जेनरेशन एंटी-रेडिएशन मिसाइल (एनजीआरएएम) करीब 100 किलोमीटर दूर तक मार कर सकती है. हवा से जमीन में मार करने वाली इस मिसाइल को रक्षा अनुसन्धान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बनाया है.

मिसाइल का परीक्षण बालासोर में सुखोई-30 से किया गया. मिसाइल के सारे सिस्टम सही काम कर रहे थे और इसने बंगाल की खाड़ी में स्थित लक्ष्य को सटीक तरीके से भेद दिया. एनजीआरएएम को सुखोई विमानों से अलग-अलग कोणों और गति से दागा जा सकता है.

शनि और बृहस्पति ग्रहों पर हीरों की वर्षा

बृहस्पति एवं शनि ग्रहों पर दमकते और झिलमिलाते हीरों की वर्षा हो रही है. नासा के जेट प्रोपल्सन लैबोरेटरी और विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय के संयुक्त शोध दल ने इन विशालकाय ग्रहों के वातावरण के नए आँकड़ों का विश्लेषण करके यह निष्कर्ष निकाला कि इन ग्रहों पर झिलमिलाते क्रिस्टल के रूप में प्रचुर मात्रा में कार्बन विद्यमान हैं.

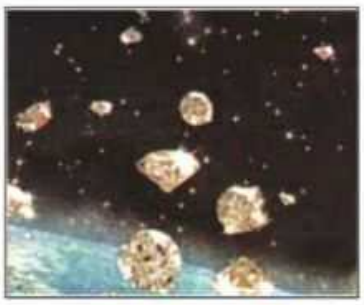

बृहस्पति पर हीरों की वर्षा

इन ग्रहों पर गरज-चमक और तूफान के साथ ओलावृष्टि मीथेन को कार्बन में बदल देते हैं, जो गिरने पर ठोस होकर ग्रेफाइट का रूप ले लेते हैं और फिर हीरे में तब्दील हो जाते हैं. वैज्ञानिकों का कहना है कि शनि पर हर वर्ष एक हजार टन से भी ज्यादा हीरा वृष्टि हो रही है.

शनि पर आने वाले प्रलयंकारी तूफान कार्बन के काले बादल बना देते हैं, जो गिरने पर ठोस होकर हीरा बन जाते हैं. अरुण-वरुण ग्रहों में तो बेशकीमती रत्नों का भण्डार होने की बात पता थी, लेकिन शनि और बृहस्पति का वातावरण इसके लिए उपयुक्त नहीं माना जाता था. शोध दल ने इन ग्रहों के आन्तरिक तापमान और दबाव के ताजा आँकड़ों का विश्लेषण किया. साथ ही विभिन्न स्थितियों में कार्बन कैसे काम करता है इसका भी पता लगाया ? इस शोध की अभी समीक्षा होनी बाकी है, लेकिन ग्रह सम्बन्धी विज्ञान से जुड़े कई वैज्ञानिकों का मानना है कि हीरा वृष्टि के सिद्धान्त को खारिज नहीं किया जा सकता है.

अरुण और वरुण पर रत्न होने का सिद्धान्त प्रतिपादित करने वाले प्रोफेसर रेमंड जीनलोज का कहना है कि शनि और बृहस्पति के विशाल आकार को देखते हुए कार्बन की यह मात्रा बहुत मामूली है. सांताक्रूज के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय की डॉ. नादिने नेट्टमैन ने कहा कि इसकी पुष्टि के लिए और शोध की जरूरत है.

भारत में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन 21% घटा

जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने के लिए भारत ने पेरिस में घोषित अपने लक्ष्यों के समय से पहले ही पूरा कर लिया. वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मन्त्रालय की नवीन रिपोर्ट के अनुसार भारत ने घोषित 2020 के लक्ष्य को पहले ही प्राप्त कर लिया.

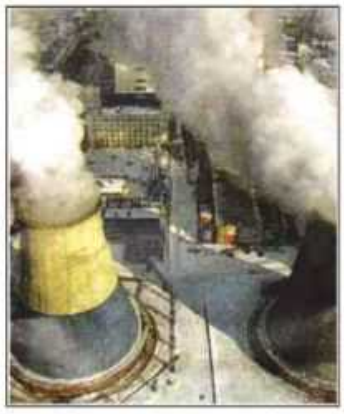

ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन

संयुक्त राष्ट्र क्लाईमेट चेंज फेमवर्क (यूनएफसीसी) के तहत् देशों को हर दो वर्ष में अपने जलवायु लक्ष्यों को लेकर किए प्रयासों का ब्योरा पेश करना होता है. भारत ने रिपोर्ट यूएनएफसीसी को भेजी है. रिपोर्ट के अनुसार दस वर्षों में उत्सर्जन में 21 प्रतिशत की कमी दर्शाती है कि प्रतिवर्ष यह कमी दो प्रतिशत की आ रही है. 2030 तक उत्सर्जन की तीव्रता 35 प्रतिशत तक की कमी लानी है.

- *9 गुना बढ़ोत्तरी हुई है सौर ऊर्जा की क्षमता में*
- *35·5 प्रतिशत हो गई गैर-जीवाश्म ईंधन की खपत 2018 में*
- *24·39% हुआ वन क्षेत्रफल कुल भौगोलिक क्षेत्र का*
- *170 पुराने कोयला बिजलीघरों को हटाने की प्रक्रिया शुरू*
- *21 करोड़ एलईडी लाइटों का वितरण किया गया*

मिला वायुमण्डलयुक्त ग्रह

अब तक जितने भी ग्रहों की खोज हुई है, उनमें से कुछ ही ग्रह ठोस धरातल वाले हैं. जीवन के लिए वायुमण्डल आवश्यक है. अब वैज्ञानिकों ने पहली बार बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए सौरमण्डल के बाहर पृथ्वी से कुछ बड़े आकार वाले ग्रह पर वायुमण्डल की उपस्थिति का पता लगाया है. इस ग्रह का नाम 'जीजे-1132 बी' रखा गया है. यह पृथ्वी से लगभग 39 प्रकाश-वर्ष दूर है. इसकी त्रिज्या पृथ्वी से 1·4 गुना अधिक है और इसका द्रव्यमान पृथ्वी के 1·6 गुना है.

वायुमंडलयुक्त ग्रह 'जीजे-1132 बी'.

जब पहली बार इस ग्रह को खोजा गया था, तो शोधकर्ताओं ने यहाँ चट्टानों और सतह पर काफी ज्यादा तापमान की वजह से इसे शुक्र ग्रह की तरह का एक और ग्रह माना था. बाद में शोधकर्ताओं ने दोनों ग्रहों पर एक ही तरह के वायुमण्डल की समानता को भी रेखाकित किया.

इस अध्ययन में शामिल शोधकर्ताओं ने बताया कि पर्यवेक्षकों ने पहले इस ग्रह के आसपास बृहस्पति ग्रह जैसे विशाल गैस के आवरण होने की बात कही थी, जो 'जीजे-1132' के पास वातावरण की पुष्टि का पहला सबूत था. लन्दन के कीले विश्व-विद्यालय के शोधकर्ता जॉन साउथ वर्थ ने एक वक्तव्य में कहा, किसी भी दूसरे ग्रहों में अब तक जीवन की खोज नहीं हुई है इसलिए यह सही दिशा में काफी महत्वपूर्ण पहल है. 'सुपर अर्थ जीजे-1132बी' में वायुमण्डल की उपस्थिति का पता चलने से मानव के किसी दूसरे ग्रह में बसने और सौरमण्डल से इतर जीवन की सम्भावनाओं के बारे में पता चला है. ●●●

MAGAZINE KING

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख संघ राज्य क्षेत्रों सहित भारत का नया मानचित्र

संसद की सिफारिश पर राष्ट्रपतिजी द्वारा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को प्रभावी तौर से निराकृत करने तथा जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 जारी करने के उपरान्त भूतपूर्व जम्मू और कश्मीर राज्य 31 अक्टूबर, 2019 को नए जम्मू-कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र तथा लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र के रूप में पुनर्गठित हो गया है.

- नए लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र में कारगिल तथा लेह दो जिले हैं और भूतपूर्व जम्मू और कश्मीर राज्य का बाकी हिस्सा नए जम्मू-कश्मीर राज्य संघ क्षेत्र में है
- 1947 में भूतपूर्व जम्मू और कश्मीर राज्य में 14 जिले थे–कठुआ, जम्मू, ऊधमपुर, रियासी, अनंतनाग, बारामूला, पुँछ, मीरपुर, मुजफ्फराबाद, लेह और लद्दाख, गिलगित, गिलगित वजारत, चिल्हास और ट्राइबल टेरिटॉरी.

MAGAZINE KING

MAGAZINE KING

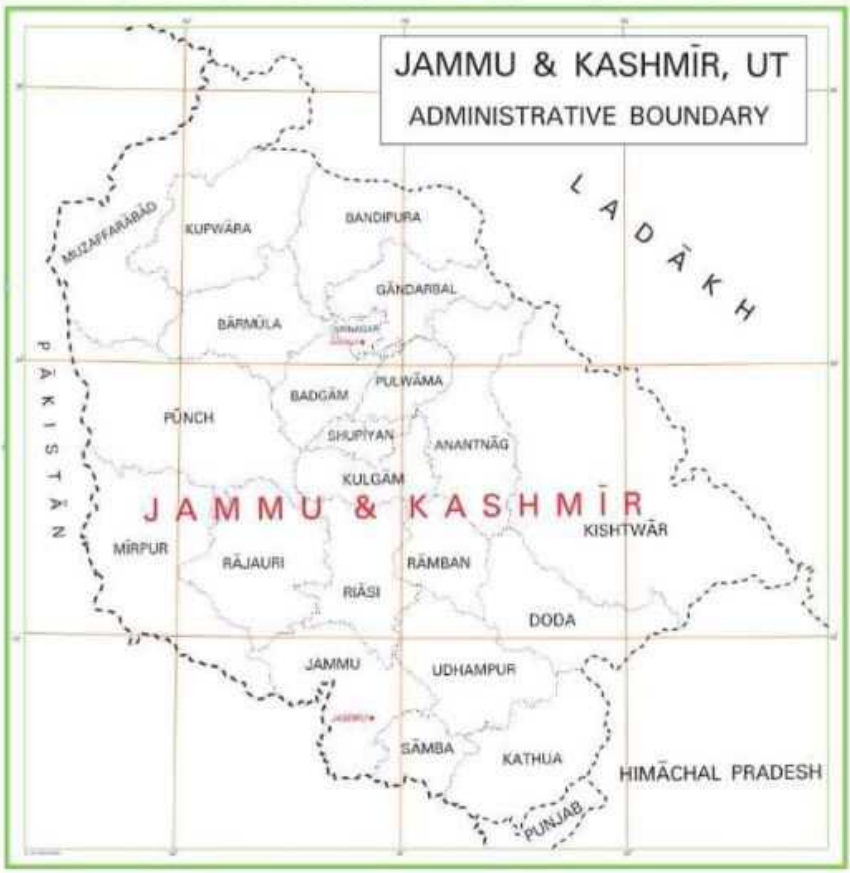

- 2019 तक भूतपूर्व जम्मू और कश्मीर की राज्य सरकार ने इन 14 जिलों के क्षेत्रों को पुनर्गठित करके 28 जिले बना दिए थे. 14 नए जिलों के नाम निम्न प्रकार से हैं—कुपवारा, बान्दीपुर, गंडेरबल, श्रीनगर, बडगाम, पुलवामा, शूपियान, कुलगाम, राजौरी, रामबन, डोडा, किश्तवार, साम्बा और कारगिल.
- इनमें से कारगिल जिले को लेह और लद्दाख जिले के क्षेत्र में से अलग करके बनाया गया था.
- राष्ट्रपतिजी ने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (कठिनाइयों को हटाना) के दूसरे आदेश, 2019 द्वारा नए लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र के लेह जिले को कारगिल जिला बनने के बाद 1947 के लेह और लद्दाख जिले के बाकी क्षेत्र में 1947 के गिलगित, गिलगित वजारत, चिल्हास और ट्राइबल टेरिटॉरी जिलों के क्षेत्रों को समावेशित करते हुए परिभाषित किया है.
- इस आधार पर 31 अक्टूबर, 2019 को सृजित नए जम्मू-कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र, लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र और भारत के मानचित्र में इन दोनों नए संघ क्षेत्रों को दर्शाते हुए सर्वेअर जनरल ऑफ इंडिया द्वारा तैयार किए गए मानचित्र संलग्न हैं.
- 31 अक्टूबर, 2019 के बाद से भारत में 28 राज्य एवं 9 संघशासित प्रदेश हो गए हैं. ●●●

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, ''स्वभाव में दृढ़ता एवं धैर्य के साथ गहन अध्ययन.''

– श्रेयांश तिवारी

बिहार सिविल सेवा परीक्षा, 63वीं में चयनित (प्रथम स्थान).

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होकर श्री श्रेयांश तिवारी ने एक स्वर्णिम उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

.....Go however far to find honest joy

–श्रेयांश तिवारी

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री श्रेयांश–जी, धन्यवाद.

प्र. द.–किस तरह और कब आपको सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

श्री श्रेयांश–जब मैं 11वीं कक्षा में था, तब अतिक्रमण-विरोधी अभियान के दल का नेतृत्व करते SDM को मैंने देखा था, तब, सिविल सेवा की ओर मैं प्रेरित हुआ.

प्र. द.–वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कॅरियर की सम्भावनाएं तलाशने का फैसला लिया ?

श्री श्रेयांश–सिविल सेवा में जाने के लिए मैंने 11वीं कक्षा में तय कर लिया था.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ? क्या आप पिछले वर्षों की परीक्षा के टॉपर्स के साक्षात्कारों का कोई असर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन में अनुभव करते हैं ? इन टॉपर्स में से किसने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?

श्री श्रेयांश–वर्ष 2014 की संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त इड़ा सिंघल की संघर्षपूर्ण कहानी ने मुझे सर्वाधिक प्रभावित किया. वह दिव्यांग हैं, फिर भी भारत की इस कठिनतम परीक्षा में सभी को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान पर सुशोभित हुईं.

प्र. द.–प्रारंभिक परीक्षा में प्रथम प्रश्न-पत्र (सामान्य अध्ययन) और प्रश्न-पत्र II (अभिवृत्ति परीक्षा) की तैयारी आपने कैसे की ? प्रत्येक के लिए कितना-कितना समय और प्रयासों को विभाजित किया ?

श्री श्रेयांश–बिहार की सिविल सेवा परीक्षा में केवल सामान्य अध्ययन पेपर होता है.

प्र. द.–सिविल सेवा–केवल यह ही एक लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री श्रेयांश–प्रारंभ में, मैं सिंडीकेट बैंक में P.O. था. वहाँ से त्यागपत्र देकर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी में समर्पित भाव से जुट गया.

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किन्हें देना चाहेंगे ?

श्री श्रेयांश–मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने स्वर्गीय पिताजी, माताजी एवं परिवार के सदस्यों को देता हूँ. साथ ही, इसका श्रेय अपने गुरुजनों–श्री राहुल शर्मा सर, श्री बालियान सर, श्री सर्वेश सर एवं श्री रजनीश सर को देता हूँ, जिनका अचूक मार्गदर्शन मेरे लिए कल्याणकारी रहा.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम क्या रहा ? तैयारी हेतु दिशा एवं सही मार्गदर्शन कहाँ से मिला ?

श्री श्रेयांश–इस क्षेत्र में मेरे प्रथम गुरु श्री राहुल शर्मा सर थे, जो तैयारी के प्रारंभिक चरण में निरन्तर राह दिखाते रहे. प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित होने वाले टॉपर्स के साक्षात्कारों तथा सिलेवस और पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्रों के विश्लेषण से सही निर्णय पर पहुँचने में मुझे बड़ी मदद मिली. अपनी रुचि के अनुसार मैंने वैकल्पिक विषय का चयन किया.

प्र. द.–इस प्रयास में आपने इच्छित सफलता प्राप्त कर ली. आप अपने पिछले प्रयासों को किस रूप में देखते हैं ?

श्री श्रेयांश–बिहार में यह मेरा प्रथम प्रयास था. संघीय सिविल सेवा, उ. प्र. सिविल सेवा एवं म.प्र. सिविल सेवा में, मैंने अनेक विफलताएं झेली, लेकिन ये सभी विफलताएं सफलता की सीढ़ियाँ सिद्ध हुईं.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थे और सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री श्रेयांश–इतनी गरिमामयी परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के बारे में शायद ही कोई आशा करता होगा. मेरी मुख्य परीक्षा अच्छी हुई थी और साक्षात्कार भी अच्छा हुआ था. अतः मैं आश्वस्त था.

प्र. द.–इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है ?

श्री श्रेयांश–बिहार प्रशासनिक सेवा मेरी पहली प्राथमिकता है, क्योंकि इसमें विविधता है और सामाजिक विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है. यह सेवा समाज में सकारात्मक और रचनात्मक बदलाव लाने के लिए एक मंच प्रदान करती है.

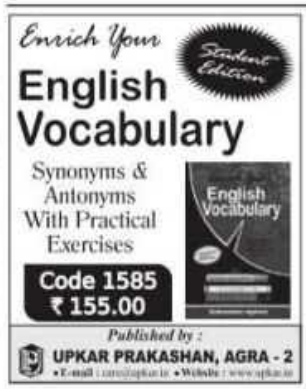

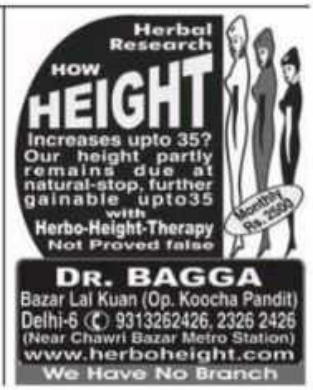

MAGAZINE KING

प्र. द.–बदलते हुए आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में आज सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगे रहे. किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

श्री श्रेयांश–यह मेरा बचपन का सपना था. मेरे स्वर्गीय पिताजी का भी यही सपना था. इसके साथ ही, जन-कल्याण के लिए एक मंच की तलाश थी.

प्र. द.–यह सफलता कितने प्रयासों में प्राप्त की और आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं ?

श्री श्रेयांश–बिहार सिविल सेवा में, यह मेरा प्रथम प्रयास है.

प्र. द.–समय प्रबंधन–चाहे वह तैयारी हो या फिर परीक्षा में उत्तर लिखते समय–समय एक महत्वपूर्ण कारक है. क्या आपने इस दौरान समय को लेकर कोई कठिनाई महसूस की ? यदि हाँ, तो कैसे आपने इसका सामना किया ?

श्री श्रेयांश–अनेक छद्म प्रश्न-पत्रों को हल करने का मैंने अभ्यास किया, जिससे मुख्य परीक्षा में प्रश्न-पत्रों को समय पर हल करने में सफल रहा. मेरी 3R (Read, Revise, Repeat) की रणनीति से गुणवत्ता को उन्नत करने में मदद मिली.

व्यक्ति परिचय

नाम–श्रेयांश तिवारी
पिता का नाम–श्री अवधेश कुमार तिवारी
माता का नाम–श्रीमती सरिता तिवारी
जन्म-तिथि–23 जून, 1990
शैक्षिक योग्यता–
हाईस्कूल–2004-05, एम.पी. बोर्ड, सेंट पॉल हाईस्कूल, 83%
इण्टरमीडिएट–2006-07, सी.बी.एस.सी., केवीडीएफ, कटनी, 77·2%
बी.ई.–2007-11, आरजीपीवी, एलएन-सीटी, 74·16%
पूर्व चयन–सिंडीकेट बैंक में पी.ओ.

प्र. द.–आपके ऐच्छिक विषय क्या थे एवं इनके चुनाव का क्या आधार था ?

श्री श्रेयांश–इतिहास

प्र. द.–वैकल्पिक विषय के चयन में किन-किन कारकों को ध्यान में रखना चाहिए ?

श्री श्रेयांश–वैकल्पिक विषय का चुनाव विषय में अभिरुचि, अपनी पृष्ठभूमि, पाठ्य-सामग्री तथा मार्गदर्शन की उपलब्धता, उस विषय में विगत वर्षों में मार्किंग पैटर्न तथा सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में उस विषय से होने वाले लाभ को ध्यान में रखना चाहिए.

प्र. द.–साक्षात्कार की तैयारी आपने कैसे की और आपका साक्षात्कार कब था, किस बोर्ड में था एवं क्या-क्या प्रश्न पूछे गए ? क्या आप अपने साक्षात्कार से सन्तुष्ट थे ?

श्री श्रेयांश–दृष्टि आईएएस के छद्म साक्षात्कार में, मैं शामिल हुआ. हिन्दू, इंडियन एक्सप्रेस आदि समाचार-पत्रों को मैं नियमित रूप से पढ़ता था. R3TV पर होने वाले वार्तालापों पर मैं नजर रखता था. इन सबसे मुझे बड़ी सहायता मिली.

प्र. द.–किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवाओं की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्री श्रेयांश–सिविल सेवा परीक्षा के संदर्भ में स्नातक स्तर से तैयारी के बारे में गम्भीरतापूर्वक सोचना चाहिए. प्रत्येक की प्रतिभा का स्तर अलग-अलग होता है. अतः, तैयारी में कितना समय लगेगा, यह अभ्यर्थी की शैक्षिक, आर्थिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि पर निर्भर करता है.

प्र. द.–आपके अनुसार विज्ञान और मानविकी विषयों में से किस विषय में ज्यादा अंक प्राप्त किए जा सकते हैं ?

श्री श्रेयांश–गलत है या सही है, इस संदर्भ में यह खुली बहस का विषय रहा है. अधिक अंकदायी होने के कारण, मेरे अनुसार विज्ञान अधिक अच्छा विषय है.

प्र. द.–आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम को लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

श्री श्रेयांश–इस परीक्षा में सफलता के लिए प्रत्येक भाषा में गुणवत्तापूर्ण पाठ्य-सामग्री उपलब्ध है.

प्र. द.–क्या अभ्यर्थी के परिवार की शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव अध्ययन पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

श्री श्रेयांश–इन कारकों का अभ्यर्थी की तैयारी पर व्यापक प्रभाव पड़ता है.

प्र. द.–सिविल सेवा जैसी परीक्षाओं की तैयारी में प्रतियोगी पत्रिकाओं के योगदान के बारे में आपके क्या विचार हैं ?

श्री श्रेयांश–प्रतियोगी पत्रिकायें जो अध्ययन-सामग्री उपलब्ध कराती हैं, वह सिविल सेवा की अनिवार्यता है. इनसे सम-सामयिकी की तैयारी में पूरी मदद मिलती है. टॉपर्स के साक्षात्कार से तैयारी की रणनीति बनाने में सहायता मिलती है.

प्र. द.–भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता दर्पण कैसी लगी ? क्या यह आपकी अपेक्षाओं के अनुरूप है ?

श्री श्रेयांश–मुख्यतः, मैंने इसका गहन अध्ययन किया और मुख्य परीक्षा में यह पर्याप्त सहायक रही. इसके आँकड़े एवं सांख्यिकी काफी उपयोगी हैं.

प्र. द.–क्या आपने सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तांकों की सीरीज का उपयोग किया, जो पिछले वर्षों से अभ्यर्थियों के बीच बहुत पसन्द की जा रही है ?

श्री श्रेयांश–प्रतियोगिता दर्पण के अतिरिक्तांक अत्यधिक परीक्षोपयोगी हैं और अभ्यर्थियों के ज्ञान-वृद्धि में सहायक है.

प्र. द.–भविष्य को ध्यान में रखते हुए क्या आपने तैयारी और प्रयासों हेतु कोई समय-सीमा निर्धारित की थी ?

श्री श्रेयांश–नहीं ! मैं सदैव बहुत अच्छा करने की आशा करता था, लेकिन विपरीत स्थिति के लिए भी मैं मानसिक रूप से तैयार रहता था. घुटने टेकने की मेरी नीति कभी नहीं रही अर्थात् जब तक मेरी आयु बची हुई है, मैं प्रयास करता रहूँगा.

प्र. द.–क्या सिविल सेवा, आपका योजनाबद्ध निर्णय या अथवा आपके माता-पिता की इच्छा ?

श्री श्रेयांश–यह मेरा निजी निर्णय था.

व्यक्तिगत विशेषताएं

आपका पसंदीदा
व्यक्तित्व – *सचिन तेंदुलकर*
सबल पक्ष – *अध्ययन के प्रति मेरी दृढ़ इच्छा-शक्ति*
रुचियाँ – *सामयिक उपन्यास पढ़ना और अच्छी पिक्चरें देखना*

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री श्रेयांश–दृढ़ता, निरन्तर परिश्रम और लक्ष्य के प्रति ध्रुव निष्ठा–मेरी सफलता के मूल मंत्र हैं.

प्र. द.–कोई सुझाव या संदेश आगामी अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे.

श्री श्रेयांश–प्रगति के लिए इंटरनेट का उपयोग करें, समय नष्ट करने के लिए नहीं. कठोर परिश्रम करें;

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ.

श्री श्रेयांश–जी, धन्यवाद. ●●●

UPKAR'S
Multi-Dimensional
REASONING
(VERBAL & NON-VERBAL)
Useful for Various Competitive Exams.
By : Dr. Lal, Mishra & Kumar
Code No. 1624 ₹ 350/-
UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2
E-mail : care@upkar.in Website : www.upkar.in

MAGAZINE KING

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "धैर्य के साथ कठिन परिश्रम, आत्म-अनुशासन तथा विपरीत परिस्थितियों में भी सहजता."

– विवेक त्रिपाठी

उत्तर प्रदेश सिविल सेवा परीक्षा-2017 में चयनित.

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, 2017 में सहायक नगर आयुक्त के पद पर चयनित होकर श्री विवेक त्रिपाठी ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

..... *प्रतियोगिता दर्पण प्रासंगिक सामग्री सहजता से उपलब्ध कराकर भटकाव से बचाती है. इसकी प्रस्तुति सटीक होती है और यह समसामयिक तथ्यों की समग्र जानकारी हेतु अपरिहार्य है. यह अभ्यर्थियों के उज्ज्वल भविष्य की जननी है. इसके अतिरिक्तांक एवं समसामयिक वार्षिकी अतुलनीय है.*

प्र. द.–उत्तर प्रदेश सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री विवेक–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद.

प्र. द.–परीक्षा में लिखने का माध्यम.

श्री विवेक–हिन्दी.

प्र. द.–साक्षात्कार के लिए माध्यम.

श्री विवेक–हिन्दी

प्र. द.–यह आपका कौनसा प्रयास था.

श्री विवेक–द्वितीय.

प्र. द.–आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं ?

श्री विवेक–पिछले प्रयास (2016) में कुछ अंक से साक्षात्कार नहीं दे पाया था. इस प्रयास में साक्षात्कार देने का अवसर प्राप्त हुआ और सफलता भी प्राप्त की.

प्र. द.–वैकल्पिक विषय का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

श्री विवेक–सर्वाधिक जरूरी रुचि का होना है. इसके बाद उस विषय में अच्छे मार्गदर्शक की उपस्थिति भी जरूरी है. साथ ही आपके द्वारा चयनित माध्यम में पठन सामग्री की उपलब्धता भी होनी चाहिए.

प्र. द.–आपके वैकल्पिक विषय क्या थे ?

श्री विवेक–(1) राजनीति विज्ञान, (2) रक्षा अध्ययन.

प्र. द.–इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी और इसका कोई विशेष कारण ?

श्री विवेक–(1) SDM, (2) E.O., (3) DPRO, (4) ACCT, (5) BDO

सौभाग्य से मुझे E.O. (सहायक नगर आयुक्त) का पद प्राप्त हुआ. यह पद काफी चुनौतीपूर्ण है, इसी वजह से मैं इसकी तरफ आकृष्ट हुआ.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री विवेक–इतना संतुष्ट तो नहीं था कि E.O. का पद प्राप्त हो जाएगा, परन्तु प्राप्त हुआ. विश्वास करने में आश्चर्य हुआ.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री विवेक–मैं स्नातक से ही प्रतियोगिता दर्पण पढ़ता रहा हूँ, यहीं से मुझे उचित सलाह एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुए.

प्र. द.–समय-प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में या फिर परीक्षा भवन में कोई कठिनाई हुई ?

श्री विवेक–निश्चित रूप से समय-प्रबंधन इस परीक्षा में सबसे चुनौतीपूर्ण है. मैं शुरू से ही सभी खण्डों को अंक के अनुपात में महत्त्व देकर तैयार करता था. परीक्षा के समय में भी सभी प्रश्नों के उत्तर को लिखने का समय, पहले निर्धारित करता था एवं कुल समय में 10 मिनट दोहराने के लिए बचाता था. अच्छे अंक लाने के लिए यह बहुत जरूरी है.

प्र. द.–प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

श्री विवेक–सभी खण्डों को विस्तार से पढ़ा. भूगोल, इतिहास एवं राज्यव्यवस्था को अधिक महत्त्व दिया. परीक्षा के कुछ समय पूर्व (4-5 दिन) केवल समसामयिकी पढ़ी. समसामयिकी के लिए प्रतियोगिता दर्पण का हर माह का नोट्स बनाया. इन्हीं अन्तिम दिनों में जनगणना को भी पढ़ता था, क्योंकि छोटा खण्ड होते हुए भी 4 से 5 प्रश्न आ जाते हैं.

प्र. द.–शुरू से ही मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना क्या रही ?

श्री विवेक–सबसे पहले अपने विषय (वैकल्पिक) को मजबूत करना चाहिए. फिर अनिवार्य हिन्दी की अच्छी प्रैक्टिस होनी चाहिए. निबन्ध मौलिक लिखे. GS के सभी प्रश्न-पत्रों के लिए नोट्स बनाए, लगातार लिखने का अभ्यास किया एवं मुख्य परीक्षा के नजदीक आते-आते लिखने की मात्रा बढ़ाता जाता था.

प्र. द.–साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ?

श्री विवेक–यह आपके व्यक्तित्व का परीक्षण है. इसके लिए मैंने BBC News, लल्लनटॉप चैनल, प्रतियोगिता दर्पण के लेख तथा संपादकीय से सहायता प्राप्त की. अपने मूल वैकल्पिक विषय, वरीयता क्रम, तात्कालिक घटनाएं एवं उस दिन का News paper तैयार करके गया. News paper जरूर उस दिन साथ लेकर जाएं और अपना नम्बर आने तक देखते रहें.

प्र. द.–**सिविल सेवा**–केवल यही एकमात्र लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री विवेक–यही एकमात्र लक्ष्य था. मैं लम्बे समय से (2009 से) प्रयासरत् था और जीविकोपार्जन के लिए एक कोचिंग संस्था में शिक्षण का कार्य कर रहा था.

MAGAZINE KING

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री विवेक–मेरी सफलता का मूलमंत्र मेरा अपना धैर्य न खोना रहा. आपके जीवन में बहुत उतार-चढ़ाव आते हैं. उनसे हिम्मत नहीं हारनी चाहिए.

व्यक्ति परिचय

नाम–विवेक त्रिपाठी
पिता का नाम–श्री विजय मणि त्रिपाठी
माता का नाम–श्रीमती मिथिलेश त्रिपाठी
जन्म तिथि–2-07-1985
शैक्षिक योग्यता–
एम.ए. (राजनीति विज्ञान)–2007, D.D.U. Gorakhpur University, D.D.U. University Campus, 58·3%

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री विवेक–मैं अपनी सफलता का श्रेय अपनी माताजी, पिताजी, परिवार के सदस्यों एवं अपने गुरुदेव को देता हूँ.

प्र. द.–इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

श्री विवेक–सर्वप्रथम तथ्य एवं आँकड़े त्रुटिहीन होने चाहिए, परीक्षा के अनुसार ही विषयों का पत्रिका में संकलन होना चाहिए.

प्र. द.–भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका, प्रतियोगिता दर्पण, को इन मानकों के कितना करीब पाया ?

श्री विवेक–निश्चित तौर पर प्रतियोगिता दर्पण उत्कृष्ट पत्रिका है, क्योंकि इसमें गलतियाँ न के बराबर होती हैं एवं इसका उद्देश्य छात्रोन्मुखी होता है.

प्र. द.–प्रतियोगिता दर्पण के अतिरिक्तांकों की सीरीज के बारे में क्या विचार हैं जो टॉपर्स द्वारा बहुत पसंद की जाती रही हैं.

श्री विवेक–बहुत अच्छी पुस्तकें हैं खासकर अर्थव्यवस्था खण्ड मैंने पढ़ी है.

प्र. द.–प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी को आपने कितना उपयोगी पाया ?

श्री विवेक–वार्षिकी की उपयोगिता अत्यंत बढ़ चुकी है, क्योंकि UPPCS में समसामयिकी के प्रश्नों की संख्या अत्यधिक बढ़ गई है.

प्र. द.–क्या आपने हमारे नये प्रकाशन **'उपकार भारत 2018'** का अध्ययन किया ? इसके बारे में आपकी राय.

श्री विवेक–जी हाँ. मैंने मुख्य परीक्षा 2018 एवं अन्य परीक्षाओं के लिए इसे पढ़ा. इसमें सभी भागों को परीक्षा की दृष्टि से दिया गया है, जो एक अच्छा प्रयास है.

प्र. द.–प्रतियोगिता दर्पण के पाठक होने के साथ क्या आपने अतुल कपूर द्वारा लिखित सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी सम्बन्धी लेख पढ़े और इन्हें अपनी तैयारी में कितना उपयोगी पाया ?

श्री विवेक–सच कहूँ, बहुत मोटीवेशन मिलता था, क्योंकि मजबूत से मजबूत इंसान भी कभी-कभी निराश होने लगता है.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व	–	*आचार्य चाणक्य*
सबल पक्ष	–	*धैर्यशीलता, सकारात्मक सीन.*
दुर्बल पक्ष	–	*जल्दी ही किसी पर विश्वास कर लेना.*
रुचियाँ	–	*कुकिंग*

प्र. द.–कोई सुझाव या सन्देश भावी अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे ?

श्री विवेक–इस क्षेत्र में आने का निर्णय काफी सोच-विचार करके लें, क्योंकि जितनी चुनौती परीक्षा पास करने की होती है, उतनी ही या उससे ज्यादा ही सेवा करने की.

निर्णय लेने के बाद, कड़ी मेहनत, दृढ़ निश्चय, अनुशासन एवं दूर दृष्टि, इन चार आधार स्तम्भों को ध्यान में रखते हुए तैयारी शुरू करें.

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री विवेक–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद.

MAGAZINE KING

UPKAR'S
Dictionary of Quotations

Compiled & Edited by : Radharaman Agarwal

Quotations give a unique sharpness to your expressions and representations. They show how you illuminate your imagination, elaborate the excellent ideas, illustrate your particular point, and project your perfect personality.

This book is purposedly designed to stimulate the taste of students, so that they can fruitfully use the quotations to enhance effect in their speech, write-up or even daily conversation.

- More than 7,500 quotations covering 725 topics, arranged thematically for easy look-up.
- Topics of modern times such as Animal Rights, Genetic Engineering, Science and Religion, The Internet, End of World, etc., also included.
- An index of more than 1900 authors (with a short individual biography for G.K. purpose.)

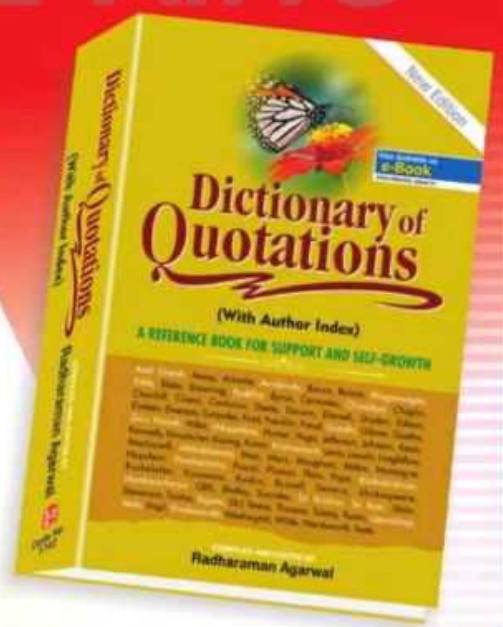

Code No. 1742 Price ₹ 250.00

UPKAR PRAKASHAN | 2/11 A, Swadeshi Bima Nagar, Agra-282 002. Ph. : (0562) 2530966, 2531101
E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in
• New Delhi 23251844, 43259035 • Hyderabad 24557283 • Patna 2303340 • Kolkata 25551510 • Lucknow 4109080 • Haldwani M. 07060421008 • Nagpur M. 09370877776 • Indore 9203908088

फोकस 1

शहरों की जहरीली होती हवा और पराली

✍ डॉ. श्याम सुन्दर सिंह चौहान

अनियन्त्रित एवं अनियमित विकास की अंधी दौड़ ने भारत के अधिकाँश बड़े शहरों को गैस का चैम्बर बना दिया है. इन शहरों में वायु की गुणवत्ता का स्तर इस सीमा तक खराब हो चुका है कि लोगों को सांस लेने में भी कठिनाई हो रही है. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में प्रतिवर्ष नवम्बर-जनवरी के दौरान वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुँच जाता है. विद्यालयों को बन्द करना पड़ता है. सड़कों पर वाहनों की संख्या को कम करने के लिए ''ऑड-ईविन' नीति अपनायी जाती है जिसमें सम दिनांक को सम पंजीकरण संख्या वाले वाहनों-कारों आदि को तथा विषम दिनांक को विषम पंजीकरण संख्या वाले वाहनों को सड़कों पर चलने की अनुमति दी जाती है. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सरकार, सर्वोच्च न्यायालय और केन्द्रीय प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड इस क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण का ठीकरा पंजाब, हरियाणा, पं. उत्तर प्रदेश के उन किसानों के सिर फोड़ते हैं जो हार्वेस्टर से कटाई किए गए धान की फसल के खेतों में खड़ी पराली को जला कर खेत को गेहूँ की फसल के लिए तैयार करते हैं. मीडिया, प्रशासन और राजनीतिज्ञ भी किसानों के विरुद्ध खड़े दिखाई देते हैं. किसी भी स्तर पर विवेकशील एवं वैज्ञानिक तरीके से इस तथ्य पर विचार नहीं किया जाता कि शहरों के बढ़ते वायु प्रदूषण एव वातावरण में कार्बन कणों की बढ़ती सघनता के लिए क्या केवल और केवल पराली को जलाया जाना ही उत्तरदायी है ? देश के जिन भागों में पराली नहीं जलायी जाती उन भागों में स्थित शहरों में वायु प्रदूषण और वातावरण में धुंध की अधिकता का कारण क्या है ?

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में वायु प्रदूषण एवं धुंध की भयावहता

14 नवम्बर, 2019 को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 500 से ऊपर निकल गया. कहीं-कहीं यह 800 के खतरनाक स्तर पर था. SAFAR (System of Air Quality Weather Forecasting and Research) के अनुसार PM 2·5—2·5 माइक्रोन से कम व्यास वाले छोटे कण जो श्वांस के साथ फेफड़ों में जाकर रक्त प्रवाह में शामिल होते हैं—की मात्रा 322 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर थी (आपातकालीन सीमा 300) जो सुरक्षित सीमा 0—60 से लगभग 6 गुना अधिक थी. इसी प्रकार PM 10 कणों का स्तर सुरक्षित सीमा 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से पाँच गुना अधिक 487 माइक्रो ग्राम प्रति घन मीटर था.

निसन्देहात्मक रूप से कहा जा सकता है कि पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं बिहार के शहरों में वायु प्रदूषण की स्थिति अत्यधिक गम्भीर है.

वायु गुणवत्ता सूचकांक और स्वास्थ्य पर उसके प्रभाव

वायु गुणवत्ता सूचकांक	स्तर	स्वास्थ्य पर सम्भावित प्रभाव
0—50	अच्छा	न्यूनतम प्रभाव
51—100	सन्तोषजनक	सवेदनशील लोगों को सांस लेने में हल्की सी कठिनाई
101—200	साधारण	फेफड़े के रोगों, दमा एवं हृदय रोग से ग्रसित लोगों को सांस लेने में कठिनाई
201—300	घटिया	लम्बे समय तक ऐसे वातावरण में रहने वाले अधिकाश लोगों को सांस लेने में कठिनाई
301—400	बहुत खराब	लम्बे समय तक ऐसे वातावरण में रहने वाले लोगों को श्वास के रोग
401—500	घातक	स्वस्थ्य व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव तथा विद्यमान बीमार व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य का संकट

भारत के विभिन्न शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक

क्रम	शहर	राज्य	वायु गुणवत्ता सूचकांक (14 नवम्बर, 2019)
1	गाजियाबाद	उत्तर प्रदेश	486
2	नोएडा	उत्तर प्रदेश	486
3	ग्रेटर नोएडा	उत्तर प्रदेश	467
4	पलवल	हरियाणा	465
5	दिल्ली	रा.रा.क्षे.	463
6	मानेसर	हरियाणा	463
7	भिवाड़ी	हरियाणा	450
8	फरीदाबाद	हरियाणा	437
9	हिसार	हरियाणा	433
10	दारुहेड़ा	हरियाणा	430
11	गुरुग्राम	हरियाणा	412
12	बागपत	उत्तर प्रदेश	412
13	भिवानी	हरियाणा	400
14	पटना	बिहार	389
15	कानपुर	उत्तर प्रदेश	386
16	रोहतक	हरियाणा	385
17	पानीपत	हरियाणा	377
18	मुजफ्फरपुर	बिहार	341
19	मुरादाबाद	उत्तर प्रदेश	338
20	लखनऊ	उत्तर प्रदेश	329
21	मेरठ	उत्तर प्रदेश	321
22	वाराणसी	उत्तर प्रदेश	301
23	गया	बिहार	281
24	जयपुर	राजस्थान	253
25	चण्डीगढ़	चण्ढीगढ़	214
26	कोलकाता	पश्चिम बंगाल	187

वायु प्रदूषण के घटक

सामान्य तौर पर निम्नलिखित को वायु प्रदूषण के लिए उत्तरदायी माना जाता है—

- तापीय विद्युत सयन्त्र.
- डीजल-पेट्रोल से चलने वाले वाहनों से निकलने वाला धुआँ.
- कोयला और डीजल से चलने वाले कल-कारखाने.
- डीजल-पेट्रोल से चलने वाले जनरेटर और पम्पिंग सैट.
- कम्बाइन हार्वेस्टर, ट्रैक्टर आदि.
- कृषि अवशिष्टों (पराली) को जलाया जाना.
- भवन निर्माण, सड़क एवं राजमार्ग निर्माण.
- नालों आदि की खुदाई.

विगत् दशकों में कृषि विकास में तेजी लाने के क्रम में कृषि यन्त्रीकरण को बढ़ावा दिया गया जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डीजल चालित पम्पों, ट्रैक्टर, कम्बाइन हार्वेस्टर जैसी मशीनों का बड़े पैमाने पर प्रयोग किया जाने लगा. आज से तीन दशक पूर्व तक धान, गेहूँ, ज्वार, बाजरा आदि फसलों की कटाई हाथ से की जाती थी. धान का पुआल (पराली), गेहूँ का भूसा, ज्वार-बाजरा (करनी) का प्रयोग पशुओं-गाय, बैल, भैंस आदि के चारे के लिए किया जाता था. बढ़ते कृषि यन्त्रीकरण से बैलों का पालना लगभग बन्द हो गया. फसलों की कटाई मशीनों से की जाने लगी. किसान ने केवल मुख्य उपज— धान, गेहूँ, ज्वार, बाजरा, जौ, चना आदि को ही उठाया. पराली (कृषि अवशिष्ट) को खेतों में ही छोड़ा गया. खेत को अगली फसल के लिए तैयार करने के

MAGAZINE King

लिए पराली को जला कर समाप्त करने की नीति अपनायी गयी. कम्बाइन हार्वेस्टर ने पराली की समस्या को और अधिक गम्भीर रूप प्रदान किया. कम्बाइन हार्वेस्टर से फसल की कटाई किए जाने पर मशीन केवल बाली काटती है तना (1-2 फुट) खेत मे ही छूट जाता है उसे जलाकर नष्ट किया जाता है.

पराली को जलाकर खेत को मात्र 2-3 दिन में ही खाली तो कर लिया जाता है, लेकिन इसका खामियाजा अन्ततः किसानों को ही उठाना पड़ता है जिनका ज्ञान उन्हें नहीं है. इसके कतिपय दोष निम्नलिखित हैं–

- पराली जलाने से उठने वाला धुआँ वातावरण में फैलता है जिससे वातावरण में कार्बन कणों की परत बन जाती है जो सूर्य की किरणों को पृथ्वी पर पड़ने के बाद परावर्तित होकर वापस नहीं जाने देती जिससे पृथ्वी के तापमान में वृद्धि होती है.
- धुएँ के कण PM 2·5 और PM 10 के रूप में वातावरण में धुंध के रूप में जमा होते हैं. सांस लेने के साथ ये फेफड़ों में जमा होते तथा रक्त संचार में भी शामिल हो जाते हैं. अधिकाधिक लोग श्वास के रोगों से ग्रसित होने लगते हैं.
- वातावरण में धुंध जमा हो जाने पर दृश्यता कम हो जाती है. सड़कों पर वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनाए बढ़ जाती हैं. वायु यातायात पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है.
- पराली जलाए जाने पर मिट्टी में मौजूद सभी लाभकारी सूक्ष्म जीवाणु एवं केंचुए आदि जलकर भस्म हो जाते हैं जो अन्ततः मिट्टी की उर्वरा शक्ति को कम करके कृषि की सम्पोषणीयता को प्रभावित करते हैं.
- कृषि अवशिष्ट–पुआल (पराली), भूसा, पत्तियाँ आदि मिट्टी में गलकर मिट्टी में कार्बन और अन्य पोषक तत्वों की मात्रा की प्रतिपूर्ति करती है. जब कृषि अवशिष्टों को जला दिया जाता है तो कार्बन एवं अन्य पोषक तत्वों की प्रतिपूर्ति नहीं हो पाती. इससे फसलों की उत्पादकता में ह्रास आता है. उत्पादकता बढ़ाने के लिए रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग किया जाता है जिसके लिए अधिक सिंचाई की आवश्यकता होती है. दोनों ही स्थितियों में उत्पादन लागत में वृद्धि होती है.
- कृषि अवशिष्टों को जलाकर समाप्त करने से खेत में खरपतवार अधिक उगते हैं जो प्रमुख फसल की संवृद्धि को प्रतिकूल ढंग से प्रभावित करते हैं. खरपतवार को न उपजने देने के लिए खरपतवारनाशक रसायनों को प्रयुक्त किया जाता है जो उत्पादन लागत में वृद्धि तो करते ही हैं साथ ही जैव आवर्धीकरण (Biomagnification) को बढ़ा देते हैं.
- एक अध्ययन के अनुसार फसल अवशिष्टों के जलाने से वातावरण में 149·24 मिलियन टन कार्बन डाइ ऑक्साइड, 9 मिलियन टन कार्बन मोनोक्साइड, 0·25 मिलियन टन सल्फर के आक्साइड, 1·28 मिलियन टन कणिका तत्व, 0·07 मिलियन टन काला कार्बन उत्सर्जित होता है.
- पराली जलाने से जो ऊष्मा उत्पन्न होती है वह मिट्टी की सतह को एक सेमी तक और अधिक गर्म करके मिट्टी के तापमान को 33·8°C से बढ़ाकर 42·2°C तक कर देती है. इससे उर्वरक मिट्टी में मौजूद जीवाणु और कवकीय जीव मर जाते हैं.
- पराली जलाए जाने से मिट्टी की ऊपरी सतह की घुलनशीलता क्षमता भी कम हो जाती है.
- एक टन पराली जलाने से 5·5 किलोग्राम नाइट्रोजन, 2·3 किलोग्राम फॉस्फोरस, 25 किलोग्राम पोटैशियम तथा 1 किलोग्राम से अधिक सल्फर नष्ट हो जाता है.
- SAFAR के एक आकलन के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के वातावरण में फैली धुंध और वायु प्रदूषण में पराली जलाए जाने का योगदान 40–44 प्रतिशत तक है.
- विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि पंजाब सरकार द्वारा "दी पंजाब प्रज़र्वेशन ऑफ सब सोइल वाटर अधिनियम, 2009 को पारित करके पराली जलाए जाने की घटनाओं में वृद्धि की. इस अधिनियम का कथित उद्देश्य यह बताया गया था कि इससे खेतों में धान की रोपाई देर से लगभग उस समय होगी जब पंजाब में मानसून सक्रिय हो जाता है. साथ ही सरकार यह भी चाहती थी कि किसान धान के स्थान पर कपास, मक्का और बासमती चावल की खेती को प्रमुखता दें क्योंकि उन फसलों में सिंचाई की आवश्यकता कम होती है. इससे पहले पंजाब में धान की रोपाई मानसून आने से पूर्व की जाती थी और फसल की कटाई के बाद भी मानसून की सक्रियता से पराली खेतों में सड़ जाती थी उसे जलाने की आवश्यक नहीं होती थी. अब ऐसा नहीं हो पाता.

समस्या का समाधान कहाँ है ?

उत्तर भारत में नवम्बर-दिसम्बर-जनवरी के दौरान वातावरणीय प्रदूषण की गम्भीरता और नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले इसके प्रभावों से सभी वर्ग चिन्तित हैं. सर्वोच्च न्यायालय को न केवल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सरकार को वरन् पंजाब, हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश की सरकारों को प्रदूषण को नियन्त्रित करने के लिए कड़े से कड़े उपाय अपनाने के निर्देश देने पड़े. इस दिशा में उठाए गए कदमों का विवरण निम्नलिखित प्रकार है–

- भारत सरकार के ऊर्जा मन्त्रालय ने 15 नवम्बर, 2018 को यह निर्णय लिया कि पंजाब एवं हरियाणा के तापीय विद्युत संयन्त्रों में न्यूनतम 5 प्रतिशत तथा अधिकतम 10 प्रतिशत तक बायोमास पेलेट्स को कोयला के साथ मिलाकर ईंधन के रूप में प्रयुक्त किया जाए.
- 2018-19 के बजट में फसलों के अवशिष्टों के स्वच्छ संग्रहण एवं निस्तारण हेतु सब्सिडाइज़ड मशीनें कृषकों को उपलब्ध कराने के लिए Promotion of Agricultural Mechanisation for In-Situ Management of Crop Residue in the State of Punjab, Haryana, Uttar Pradesh and NCT of Delhi" नामक एक केन्द्र प्रायोजित योजना 2018-19 एवं 2019-20 के लिए क्रमशः ₹ 591·65 करोड़ तथा ₹ 560·15 करोड़ प्रावधान के साथ लागू की गई.
- 2014 में केन्द्र सरकार द्वारा जारी फसल अवशिष्ट प्रबन्धन हेतु राष्ट्रीय नीति के तहत् किसानों को ऐसी मशीनें प्रयुक्त करने के लिए प्रेरित किया गया जो फसलों की कटाई के बाद खेतों में पराली नहीं छोड़तीं तथा फसल अवशिष्टों के पर्यावरण मित्रवत निस्तारण में सहायक होती हैं. ऐसी मशीनें निम्नलिखित हैं–
  1. **हैपी सीडर**–खेतों में खड़ी पराली में ही नई फसल की बुवाई करने वाली.
  2. **रोटावेटर**–खेतों की अगली फसल हेतु तैयार करना तथा फसल अवशिष्ट के छोटे-छोटे टुकड़े करके उसे मिट्टी में मिलाना.
  3. **जीरोटिल सीड ड्रिल**–खेतों की जुताई किए बिना ही पूर्व की फसल की पराली के बीच ही बीजों की बुवाई.
  4. **बेलर**–पराली/भूसे को एकत्रित करके उसकी गाँठें बनाना.
  5. **पैडी स्ट्रा बनाना चोपर**–पुआल / पराली को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर मिट्टी में आसानी से मिलाने लायक करना.

शेष पृष्ठ 66 पर

MAGAZINE KING

फोकस 2

वैश्विक निर्देशांकों में भारत : 2019-20

✍ डॉ. दीप्ती

2019-20 में भारतीय अर्थव्यवस्था में घरेलू स्तर पर भले ही सुस्ती का दौर हो, लेकिन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति में अन्य देशों की तुलना में सुधार दिखाई दे रहा है. उदाहरणार्थ वैश्विक नवोन्मेषी सूचकांक 2019 में भारत पाँच पायदान ऊपर चढ़कर 52वें स्थान पर पहुँच गया है. विश्व बैंक द्वारा 190 देशों के लिए तैयार किए गए कारोबारी सुगमता सूचकांक 2019 (20) में भारत ने एक बार फिर ऊँची छलांग लगाई है और 14 पायदान ऊपर चढ़कर 63वें स्थान पर पहुँच गया है. वैश्विक ट्रैवल एण्ड टूरिज्म प्रतिस्पर्द्धात्मक सूचकांक 2019 में भारत 2017 के सापेक्ष 6 पायदान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर आ गया है. इस सूचकांक के शीर्ष के 25% देशों में सर्वाधिक अच्छी उपलब्धि दर्ज करने वाला देश भारत ही है.

सामाजिक प्रगति सूचकांक 2019

डेलोइट तथा सोशल प्रोग्रेसिव इम्पेरेटिव (SPI) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित सामाजिक प्रगति सूचकांक सम्पत्ति से इतर लोगों के जीवन की गुणवत्ता एवं समाज की खुशहाली का वैश्विक परिदृश्य प्रस्तुत करता है. सामाजिक प्रगति सूचकांक स्वास्थ्य देखभाल, अधोरचना, नागरिक स्वतंत्रताएं आदि का मापन करता है, क्योंकि आम नागरिक के लिए इनका ही सर्वाधिक महत्व है तथा ये सम्पोषणीय समाजों की बुनियाद है. सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के पूरक माप के रूप में विकसित सामाजिक प्रगति सूचकांक में बुनियादी मानवीय आवश्यकताओं, खुशहाली एवं अवसरों की बुनियाद जैसे तीन आयामों के बारे में आधिकारिक दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए सामाजिक एवं पर्यावरणीय उपलब्धि संकेतकों को प्रयुक्त करता है.

सामाजिक प्रगति सूचकांक रिपोर्ट 2019, 18 सितम्बर, 2019 को जारी की गई. पहली रिपोर्ट 2014 में जारी किए जाने के बाद से वैश्विक स्तर पर सामाजिक प्रगति के मामले में औसत स्कोर 62·14 से बढ़कर 2019 में 64·47 हो गया है. सर्वाधिक प्रगति सूचना एवं सम्प्रेषणों तक पहुँच के मामले में हुई है, जिसका स्कोर 2014 एवं 2019 के बीच 11·49 बिन्दु उछल कर 71·74 के स्तर पर पहुँच गया है. इसमें विकासशील देशों में इंटरनेट पहुँच तथा मोबाइल फोन ग्राहकों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है.

इसके बावजूद प्रगति असमान एवं धीमी है. वैश्विक प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद की संवृद्धि दर की तुलना में सामाजिक प्रगति धीमी है. यह इस बात का संकेत है कि वैश्विक स्तर पर खुशहाली लाने के लिए हमारे पास संसाधन तो हैं, लेकिन बढ़ते हुए सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़े समाज द्वारा सामना की जा रही वास्तविकताओं तथा सामान्य नागरिकों द्वारा झेले जा रहे संघर्षों को कहीं-न-कहीं छुपा रहे हैं. सामाजिक प्रगति सूचकांक को वैकल्पिक रूप से संयुक्त राष्ट्र संघ के सम्पोषणीय विकास लक्ष्यों (SDGs) के सापेक्ष हुई प्रगति के मापन हेतु भी प्रयुक्त किया जा सकता है. सामाजिक प्रगति सूचकांक 2019 पर आधारित प्रक्षेपणों के अनुसार वर्ष 2073 तक भी सभी सम्पोषणीय विकास लक्ष्यों को हासिल कर पाना सम्भव नहीं होगा.

सामाजिक प्रगति सूचकांक 2019 रिपोर्ट के निष्कर्ष 2017 के आँकड़ों पर आधारित है. रिपोर्ट के निष्कर्ष निम्नलिखित प्रकार हैं–

- सामाजिक प्रगति सूचकांक 2019 में नॉर्वे का विश्व में पहला स्थान है. उसके बाद डेनमार्क स्विट्जरलैण्ड, फिनलैण्ड तथा आइसलैण्ड का स्थान है.
- सामाजिक प्रगति सूचकांक 2019 में 149 देशों के 51 संकेतांकों में आँकड़े प्रस्तुत किए गए हैं.
- 12 बड़े खण्डों में से 8 खण्डों में सामाजिक प्रगति खराब ही रही है. सर्वाधिक खराब उपलब्धि वाले क्षेत्रक हैं–पेयजल एवं स्वच्छता, पोषण एवं बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल, बसेरा, वैयक्तिक अधिकार.
- 149 देशों में से 91 देशों में धर्म और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे वैयक्तिक अधिकारों के मामले में ह्रास ही आया है.
- सामाजिक प्रगति सूचकांक 2019 में दक्षिणी सूडान मात्र 24·44/100 स्कोर के साथ सबसे निचले पायदान पर है.
- विकसित देशों (G 7) में 88·84/100 स्कोर के साथ जर्मनी (रैंक 8) की उपलब्धि सबसे अच्छी रही है.
- सामाजिक प्रगति सूचकांक 2019 में विभिन्न देशों का स्कोर एवं रैंक अग्रलिखित प्रकार है–

सामाजिक प्रगति सूचकांक 2019 में विभिन्न देशों की रैंकिंग

रैंक (2019)	विकसित देश	स्कोर
1	नॉर्वे	90·95
2	डेनमार्क	90·09
3	स्विट्जरलैण्ड	89·89
4	फिनलैण्ड	89·56
5	स्वीडन	89·45
6	आइसलैण्ड	89·29
7	न्यूजीलैण्ड	88·93
8	जर्मनी	88·84
9	कनाडा	88·61
10	जापान	88·34
	ब्रिक्स देश	
49	ब्राजील	72·87
62	रूस	69·71
89	चीन	64·54
102	भारत	59·10
NA	दक्षिण अफ्रीका	NA
	भारत और उसके पड़ोसी देश	
65	श्रीलंका	69·09
76	भूटान	67·26
99	नेपाल	60·23
102	भारत	59·10
108	बांग्लादेश	54·11
125	पाकिस्तान	48·20
149	अफगानिस्तान	38·60

जहाँ तक भारत का प्रश्न है तो 2014 एवं 2019 के बीच सामाजिक प्रगति में ह्रास ही हुआ है. 2014 में सामाजिक प्रगति सूचकांक में भारत का रैंक 103 था, जो 2019 में 102 ही रह गया है. बुनियादी मानवीय आवश्यकताओं के मामले में भारत का रैंक 2014 में 107 से उठकर 2019 में 103 हो गई है. खुशहाली आधार सूचकांक में भारत का रैंक 2014 में 107 से गिर कर 2019 में 109 हो गया है. इसी प्रकार अवसरों के मामले में सूचकांक 78 से 79 हो गया है.

कारोबारी सुगमता सूचकांक रिपोर्ट 2020

विश्वबैंक प्रतिवर्ष विश्व के विभिन्न देशों के प्रमुख व्यावसायिक केन्द्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के 12 क्षेत्रकों में सघन अध्ययन करके कारोबार करने के मामलों में सरकारी विनियमनों का विश्लेषण करके दक्षता को प्रोत्साहित करता है तथा व्यवसाय करने के लिए स्वतंत्र वातावरण सृजित करने में सहायता देता है. कारोबार करने सम्बन्धी सर्वेक्षण में सरकार के बारे में तीन बुनियादी प्रश्नों का उत्तर खोजा जाता है.

MAGAZINE KING

1. निजी क्षेत्र को विकसित करने की दृष्टि से सरकार विनियमनों को कब परिवर्तित करती है ?
2. सुधारवादी सरकार के अभिलक्षण कौन-कौन से हैं ?
3. आर्थिक अथवा निवेश गतिविधियों के विभिन्न पहलुओं में विनियामकीय परिवर्तनों के प्रभाव क्या हैं.

कारोबारी सुगमता सुनिश्चित करने में 2020 की अध्ययन रिपोर्ट ऐसे शीर्ष 10 देशों का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है, जिन्होंने तीन या तीन से अधिक क्षेत्रों में सुधार किए हैं. इन शीर्ष 10 देशों में भारत भी शामिल है. रिपोर्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विदेशी निवेश को आकर्षित करने, निजी क्षेत्र में जान फूँकने–विशेष रूप से विनिर्माणी क्षेत्रक में तथा समग्र रूप से देश की प्रतिस्पर्द्धात्मकता में सुधार लाने पर 'मेक इन इण्डिया' कार्यक्रम का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है. 2015 में भारत सरकार का लक्ष्य कारोबारी सुगमता रैंकिंग में भारत को वर्ष 2020 तक शीर्ष 50 देशों की सूची में शामिल कर लिए जाने का लक्ष्य था. विगत् पाँच वर्षों में सरकार ने यूँ तो कारोबारी सुगमता सूचकांक के सभी 12 सूचकों में सुधारों को लागू किया, लेकिन सर्वाधिक फोकस करों के भुगतान, सीमा-पार व्यापार तथा दिवालियापन को निपटाने पर रहा. इन सुधारों की बदौलत ही भारत ने कारोबारी सुगमता सूचकांक में ऊँची छलांग लगाई है. "डूईंग बिज़नेस 2016 में भारत का रैंक 130 से 67 पायदान ऊपर उठकर डूईंग बिज़नेस 2020 में 63 हो गया है.

कारोबारी सुगमता के विभिन्न 12 सूचकों में भारत की उपलब्धि निम्नलिखित प्रकार रही है–

डूईंग बिज़नेस 2020 रिपोर्ट के अनुसार विभिन्न सूचकों में भारत की उपलब्धि

	कारोबारी सुगमता का व्यक्तिगत प्राचल	2018 रैंक डूईंग बिज़नेस 2019	2019 रैंक डूईंग बिजनेस 2020	प्राचल में परिवर्तन
1.	व्यवसाय प्रारम्भ करना	137	136 (81·6)	+ 1
2.	निर्माण प्रमाण-पत्र प्राप्त करना	52	27 (78·7)	+ 25
3.	बिजली का कनेक्शन प्राप्त करना	24	22 (89·4)	+ 2
4.	सम्पत्ति की रजिस्ट्री	166	154 (47·6)	+ 12
5.	साख प्राप्त करना	22	25 (80·0)	–3
6.	अल्पांश निवेशकों के हितों का संरक्षण	7	13 (80·0)	–6
7.	करों का भुगतान करने में सुगमता	121	115 (67·6)	+ 6
8.	सीमा पार व्यापार	80	68 (82·5)	+ 12
9.	अनुबंधों का अनुपालन	163	163 (41·2)	0
10.	ऋण शोधन अक्षमता का समाधान	108	52 (62·0)	+ 56
11.	सरकार से अनुबंध करना*	—	—	—
12.	कार्मिकों की नियुक्ति*	—	—	—
समग्र कारोबारी सुगमता सूचकांक		77	63 (71·0)	+ 14

* 2020 की रिपोर्ट में आगणित नहीं किए गए.

डूईंग बिज़नेस 2020 रिपोर्ट में 0-100 पैमाने पर 86·8 स्कोर के साथ न्यूजीलैण्ड पहले स्थान पर है, उसके बाद सिंगापुर (86·2) हांगकांग (85·3), डेनमार्क (85·3) तथा दक्षिण कोरिया (84·0) एवं सं. रा. अमरीका का स्थान है.

ब्रिक्स देशों में ब्राजील (59·1) 124वें, रूस (78·2) 28वें, भारत (71·0) 63वें, चीन (77·9) 31वें तथा दक्षिण अफ्रीका (67·0) 86वें स्थान पर है. भारत के पड़ोसी देशों में पाकिस्तान (61·0) 108 वें, बांग्लादेश (45·0) 168वें, श्रीलंका (61·8) 99वें स्थान पर है. मात्र 20 स्कोर के साथ सोमालिया 190वें पायदान पर है.

ट्रैवल एवं टूरिज्म प्रतिस्पर्द्धात्मकता सूचकांक 2019

दि ट्रैवल एण्ड टूरिज्म कम्पटीटिवनेस रिपोर्ट वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम के प्लेटफॉर्म फॉर शेपिंग दी फ्यूचर ऑफ मोबिलिटी का एक फलैगशिप उत्पाद है. यह रिपोर्ट दो वर्ष में एक बार जारी की जाती है. विश्व की 140 अर्थव्यवस्थाओं के लिए जारी की जाने वाली यह रिपोर्ट निम्नलिखित सूचकों/प्राचलों पर आधारित है–

1. पर्यटन के अनुकूल वातावरण विकसित करना

- व्यवसाय वातावरण (12 संकेतांक)
- सुरक्षा एवं संरक्षा (5 संकेतांक)
- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विज्ञान (6 संकेतांक)
- मानव संसाधन एवं श्रम बाजार (9 संकेतांक)
- सूचना संचार प्रौद्योगिकी तैयारी (8 संकेतांक)

2. यात्रा एवं पर्यटन नीति एवं सक्रिय करने की दशाएं

- यात्रा एवं पर्यटन को प्राथमिकता प्रदान करना (6 संकेतांक)
- अन्तर्राष्ट्रीय खुलापन (3 संकेतांक)
- कीमत प्रतिस्पर्द्धात्मकता (4 संकेतांक)
- पर्यावरणीय सम्पोषणीयता (10 संकेतांक)

3. अधोरचना

- वायु परिवहन अधोरचना (6 संकेतांक)
- भूतल एवं बन्दरगाह अधोरचना (7 संकेतांक)
- टूरिस्ट सर्विस अधोरचना (4 संकेतांक)

4. प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक संसाधन

- प्राकृतिक संसाधन (5 संकेतांक)
- सांस्कृतिक संसाधन एवं व्यवसाय यात्राएं (5 संकेतांक)

शेष पृष्ठ 60 पर

MAGAZINE KING

फोकस 3

निष्ठा (NISHTHA) : समग्र शिक्षा में बुनियादी परिवर्तन हेतु समेकित शिक्षक प्रशिक्षण

डॉ. राधा परमार

निष्ठा : विद्यालय प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र प्रगति के लिए एक राष्ट्रीय पहल है. "समेकित शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार" के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रारम्भिक स्तर पर सभी शिक्षकों और विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की क्षमता का निर्माण करना है. पदाधिकारियों (राज्य, जिला, विकासखण्ड, क्लस्टर-स्तर पर) को सीखने के प्रतिफलों विद्यालय आधारित मूल्यांकन, शिक्षार्थी-केन्द्रित शिक्षाशास्त्र, शिक्षा में नई पहल, बहुल शिक्षाशास्त्रों आदि के माध्यम से बच्चों की विविध आवश्यकताओं को सम्बोधित करने पर एकीकृत तरीके से प्रशिक्षित किया जा रहा है. यह राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर राष्ट्रीय संसाधन समूह और राज्य संसाधन समूहों (SRG) का गठन करके आयोजित किया जाएगा. इस क्षमता निर्माण की पहल के साथ एक कड़ी निगरानी और सहायक तन्त्र का भी उपयोग किया जाएगा.

निष्ठा कार्यक्रम को केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मन्त्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' द्वारा 21 अगस्त, 2019 को डॉ. अम्बेडकर अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्ली में शुभारम्भ किया. यह अपने प्रकार का विश्व का सबसे बड़ा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम है. 'निष्ठा' का बुनियादी उद्देश्य विद्यार्थियों में ज्ञान और शिक्षा के प्रति विशिष्ट दृष्टिकोण विकसित करने के लिए शिक्षकों को प्रेरित और प्रोत्साहित करना है; साथ ही उन्हें शिक्षा एवं शिक्षण के अत्याधुनिक उपागमों के माध्यम से इस योग्य बनाना है कि वे विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान प्रस्तुत करते हुए उन्हें अपने कैरियर को बनाने के लिए रणनीति सुनिश्चित करने लायक बनाना है.

इस कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षण संस्थाओं के प्रधानाचार्य तथा शिक्षक निम्नलिखित पहलुओं से सम्बन्धित विषयों पर अपने ज्ञान और कौशल को विकसित कर पाने में सक्षम हो सकेंगे–

- प्रवीणता निष्पादन
- सामर्थ्य आधारित सीखना (शिक्षा प्राप्त करना) तथा परीक्षण
- विद्यार्थी केन्द्रित शिक्षण कला
- विद्यालय सुरक्षा एवं संरक्षा
- वैयक्तिक सामाजिक गुण
- समावेशी शिक्षा
- कृत्रिम मेधा सहित शिक्षण-ज्ञानार्जन में सूचना-संचार प्रौद्योगिकी
- योग सहित स्वास्थ्य एवं खुशहाली
- पुस्तकालय सहित स्कूल शिक्षा में पहलें
- ईको क्लब, यूथ क्लब
- किचिन गार्डन
- स्कूल नेतृत्व गुणों का विकास
- पर्यावरणीय चिन्ताएं
- पूर्व-विद्यालयी, पूर्व-वोकेशनल शिक्षा
- आनन्ददायक ज्ञानार्जन वातावरण में स्कूल आधारित मूल्यांकन

'निष्ठा' की विशिष्टता एवं इसके उद्देश्य

'निष्ठा' एक अति वृहत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जो अपने उद्देश्यों; दृष्टि के साथ-साथ निष्पादन के पूरे प्रारूप के सन्दर्भ में अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों से भिन्न है. 'निष्ठा' के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित प्रकार हैं–

- प्रारम्भिक चरण के सभी शिक्षकों को सीखने के परिणामों, स्कूल आधारित मूल्यांकन, शिक्षार्थी केन्द्रित शिक्षण, शिक्षा में नई पहल और कई शिक्षाविदों आदि के माध्यम से शिक्षार्थियों की विविध आवश्यकताओं को सम्बोधित करना एवं इनसे युक्त बनाना.

'निष्ठा' के प्रमुख तन्त्र

- शिक्षार्थियों के सीखने के परिणामों में सुधार के मद्देनजर इन शिक्षकों को कक्षा स्तर तक कई तरीकों का उपयोग करके व्यापक सहायता प्रदान करना.
- राज्य के शिक्षा विभाग के अधिकारियों और प्रधानाचार्यों को सीखने के परिणामों, राष्ट्रीय निष्पादन सर्वेक्षण, शिक्षार्थी केन्द्रित शिक्षाशास्त्र और स्कूली शिक्षा में नई पहल पर उन्मुख करना ताकि वे स्कूल की निगरानी और नई पहल के कार्यान्वयन के लिए स्कूलों को समर्थ बनाने में सहायता प्रदान कर सके.

'निष्ठा' का क्रियान्वयन

देश के 120 राष्ट्रीय संसाधन समूह प्रमुख राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों के संसाधन व्यक्तियों (KRPs) राज्य संसाधन व्यक्तियों-नेतृत्व (SRPL) को प्रशिक्षित करेंगे. एक राष्ट्रीय संसाधन समूह में 15 राष्ट्रीय स्तर के संसाधन व्यक्ति है.

⇓

एक राज्य संसाधन समूह 5 प्रमुख संसाधन व्यक्तियों (KRPs) तथा राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (SCERTs), जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIETs), (CTEs), (IASEs) से चयनित 1 राज्य संसाधन व्यक्ति नेतृत्व (SRG) स्कूलों के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे. जिला, विकासखण्ड एवं क्लस्टर स्तर पर ऐसे व्यक्तियों की संख्या 33120 होगी.

⇓

राज्य संसाधन समूह व्यक्तियों द्वारा देश के सभी विद्यालयों के 42 लाख प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, बीआरसी एवं क्लस्टर संसाधन केन्द्र समन्वयकों को प्रशिक्षित किया जाएगा.

यह अपने आप में एक अनूठी पहल है जहाँ प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए देश के सभी राज्यों एवं केन्द्रशासित क्षेत्र की विद्यालयी शिक्षा की विशिष्ट आवश्यकता और उनमें अन्तर्निहित कमजोरियों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर मानकीकृत प्रशिक्षण माड्यूल विकसित किए गए हैं. तथापि, राज्यों एवं केन्द्रशासित क्षेत्रों को यह विकल्प दिया गया है कि वे 'निष्ठा' के प्रमुख विषयों तथा अपेक्षित निष्पादनों को ध्यान में रखते हुए अपने स्वयं के प्रशिक्षण माड्यूल एवं प्रशिक्षण सामग्री विकसित कर सकते हैं.

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यालय शिक्षा की आधारशिला–प्राथमिक शिक्षा को निम्नलिखित प्रकार लाभान्वित करेगा–

(1) प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर कार्य कर रहे सभी प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, ब्लॉक संसाधन समन्वयकों, क्लस्टर संसाधन समन्वयकों को सीखने के परिणाम, बच्चों के सामाजिक व्यक्तिगत गुणों में सुधार, स्कूल-आधारित मूल्यांकन, नई पहल, स्कूल सुरक्षा और विभिन्न विषयों की शिक्षा आदि

MAGZINE KING

के लिए शिक्षार्थी-शिक्षक प्रशिक्षण में समाविष्ट किया जाएगा.

(2) इसी प्रकार जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, आईएएसई, सीटीई आदि के संकाय सदस्यों को सीखने के परिणामों, स्कूल आधारित मूल्यांकन, शिक्षार्थी-केन्द्रित शिक्षण, शिक्षा में नई पहल, बच्चों के सामाजिक गुणों को बेहतर बनाने और विभिन्न विषयों की शिक्षा आदि शिक्षार्थी के प्रशिक्षण के लिए समाविष्ट किया जाएगा.

यह देखा गया है कि वर्तमान समय में शिक्षकों से की जाने वाली अपेक्षाओं की प्रकृति पहले की तुलना में सर्वथा भिन्न है. आज के शिक्षक से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वह लिंग सम्बद्ध जटिलताओं, दिव्यांगजनों के अधिकारों, यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा अधिनियम, (POCSO Act), पर्यावरणीय प्रदूषण, बच्चों एवं उनके अभिभावकों में विभिन्न धर्मों/मतों के प्रति भावना जैसे विशिष्ट मुद्दों के प्रति न केवल जागरूक रहें, वरन् इनसे सम्बन्धित कोई विवाद उत्पन्न होने पर उसका त्वरित समाधान भी खोजें. प्रथम स्तर के परामर्श-दाता के रूप में प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को एक सार्थक भूमिका निभाने लायक बनाने के लिए तथा उन्हें विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने के लिए प्रशिक्षण का यह समेकित कार्यक्रम एक अच्छी पहल है. इस प्रशिक्षण के द्वारा शिक्षकों को विद्यालय में एक आनन्ददायक वातावरण विकसित करके विशिष्ट वर्गों के बच्चों दिव्यांग बच्चों, मन्दबुद्धि बच्चों, समाज के कमजोर वर्गों के बच्चों, की भौतिक और बौद्धिक आवश्यकताओं को समझ लेने में सक्षम बनाना है.

शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यों के पेशेवर विकास में समृद्धि हेतु विशेष बल देते हुए प्रशिक्षण माड्यूल विकसित किए गए हैं. निष्ठा हेतु प्रशिक्षण मॉड्यूल राज्यों/केन्द्र-शासित क्षेत्रों की शिक्षण संस्थाओं/विनियामकीय संस्थाओं, शिक्षा परिषदों, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय संगठन, प्रधानाचार्यों/शिक्षकों के संघों, गैर-सरकारी संगठनों जैसेकि कैवल्य फाउण्डेशन, टाटा ट्रस्ट, अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन, अरविन्दों सोसाइटी, प्रथम आदि के साथ परामर्श करके तैयार किया गया है. इस मेगा प्रशिक्षण कार्यक्रम को शिक्षण, सूचना एवं संचार की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत किया गया है ताकि इसका क्रियान्वयन आसान बनाया जा सके और शिक्षकों को शिक्षण की डिजिटल तकनीक तथा डिजिटल शिक्षण सामग्री भी उपलब्ध कराई जा सके. राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण (NCERT) द्वारा MOODLE (Modular Objecte–Oriented Dynamic learning Environment) पर आधारित एक मोबाइल एप और शिक्षाग्राही (लर्निंग) मैनेजमेन्ट सिस्टम (LMS) भी विकसित किया गया है. LMS का प्रयोग संसाधन व्यक्तियों तथा शिक्षकों के पंजीयन, संसाधनों के विकीर्णन (प्रचार-प्रसार), प्रशिक्षण अन्तराल एवं प्रभाव विश्लेषण, अनुश्रवण, मार्ग निर्देशन तथा ऑनलाइन प्रगति आकलन हेतु भी किया जाएगा.

कक्षाओं में किए गए विचार-विमर्श के सतत् प्रभाव को सुनिश्चित करने के लिए इस समेकित प्रशिक्षण कार्यक्रम को मार्गदर्शन सहित प्रशिक्षण पश्च हस्तक्षेपों के साथ भी जोड़ा गया है. प्रमुख संसाधन व्यक्तियों के प्रशिक्षणोपरान्त राष्ट्रीय संसाधन व्यक्ति नियमित रूप से प्रमुख संसाधन व्यक्तियों के सम्पर्क में रहेंगे (फेसबुक/ ह्वाटसएप के माध्यम में) तथा गुणवत्ता सर्किल बनाएंगे जिसके माध्यम से प्रशिक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने-अपने अनुभवों, विचारों, सर्वोत्तम प्रक्रियाओं और पहलों को साझा किया जा सकेगा. इससे शिक्षणशास्त्र कौशल के निर्माण में सहायता मिलेगी और विशेषज्ञों के साथ जुड़कर विद्यार्थियों के लिए एक बेहतर शिक्षण वातावरण सृजित किया जा सकेगा.

●●●

शेष पृष्ठ 58 का

उपर्युक्त 7 संकेतांकों–जो किसी भी देश में यात्रा और पर्यटन की दिशा और दशा को बताते हैं–के आधार पर 1-7 पैमाने (1 = सर्वाधिक खराब तथा 7 = सर्वोत्तम) पर 140 देशों को रैंक प्रदान की गई है.

ट्रैवल एवं टूरिज्म प्रतिस्पर्द्धात्मकता सूचकांक 2019 में विभिन्न देशों की रैंकिंग

रैंक	देश	स्कोर
शीर्ष के 5 देश		
1	स्पेन	5·4
2	फ्रांस	5·4
3	जर्मनी	5·4
4	जापान	5·4
5	संयुक्त राज्य अमरीका	5·3
ब्रिक्स देश		
13	चीन	4·9
34	भारत	4·4
37	ब्राजील	4·5
39	रूस	4·3
61	दक्षिणी अफ्रीका	4·0
भारत और उसके पड़ोसी देश		
34	भारत	4·4
77	श्रीलंका	3·7
102	नेपाल	3·3
120	बांग्लादेश	3·1
121	पाकिस्तान	3·1

ट्रैवल एवं टूरिज्म प्रतिस्पर्द्धात्मकता सूचकांक 2019 की विभिन्न स्तम्भों में भारत का स्कोर

पर्यटन के अनुकूल वातावरण विकसित करना		
1	व्यवसाय वातावरण	4·9
2	सुरक्षा एवं संरक्षा	4·5
3	स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विज्ञान	4·4
4	मानव संसाधन एवं श्रम बाजार	4·5
5	सूचना संचार प्रौद्योगिकी	3·6
यात्रा एवं पर्यटन नीति एवं सक्रिय करने की दशाएं		
6	यात्रा एवं पर्यटन को प्राथमिकता प्रदान करना	4·3
7	अन्तर्राष्ट्रीय खुलापन	3·8
8	कीमत प्रतिस्पर्द्धात्मकता	6·1
9	पर्यावरणीय सम्पोषणीयता	3·6
अधोरचना		
10	वायु परिवहन अधोरचना	4·2
11	भूतल एवं बन्दरगाह अधोरचना	4·5
12	टूरिस्ट सर्विस अधोरचना	2·8
प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक संसाधन		
13	प्राकृतिक संसाधन	4·5
14	सांस्कृतिक संसाधन एवं व्यवसाय यात्राएं	5·5

ट्रैवल एवं टूरिज्म प्रतिस्पर्द्धात्मकता सूचकांक 2019 में भारत का रैंक 34वाँ है. विगत् 10 वर्षों के भीतर भारत में वायु परिवहन (33वाँ रैंक), भूतल एवं बन्दरगाह (28वाँ रैंक) में अनेक सुधार किए गए हैं. भारत का प्राकृतिक सौंदर्य (14वाँ रैंक और सांस्कृतिक धरोहर की समृद्धता (8वाँ रैंक) वैश्विक पर्यटकों को आकर्षित करता है. पर्यटन के क्षेत्र में भारत को कीमत प्रतिस्पर्द्धात्मकता (13वाँ रैंक) भी हासिल है तथापि भारत को पर्यावरणीय अनुकूलन (98वाँ रैंक) पर्यटक सेवाए अधोरचना (109 वाँ रैंक) तथा पर्यावरणीय सम्पोषणीयता (128वाँ रैंक) के क्षेत्र में बहुत कुछ किया जाना बाकी है.

●●●

MAGZINE KING

विश्व परिदृश्य

डॉ. अरुणोदय बाजपेयी

भारत व आसियान-सम्बन्धों की नई दिशा

आसियान-भारत सम्बन्ध, भारत की एक्ट ईस्ट नीति का अभिन्न हिस्सा है. भारत ने शीत युद्ध की समाप्ति के बाद 1991 में पूरब की ओर देखो की नीति का आरम्भ किया था. इस नीति में आसियान देशों के साथ आर्थिक, व्यापारिक तथा सांस्कृतिक सम्बन्धों को बढ़ाने पर बल दिया गया था. लेकिन इस नीति में सहयोग के कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देने के लिये 2014 में इसका नाम बदलकर एक्ट ईस्ट नीति कर दिया गया था. भारत-आसियान सम्बन्धों की शुरूआत 1992 से हुई. 1991 में पूरब की ओर देखो की नीति को अपनाने के बाद 1992 में ही भारत को आसियान में **आंशिक वार्ताकार** (Sectoral Dialogue Partner) के रूप में शामिल किया गया. 1996 में भारत को आसियान में **पूर्ण वार्ताकार राष्ट्र** (Full Dialogue Partner) के रूप में भागीदारी का अवसर प्राप्त हो गया. इसी वर्ष सम्बन्धों को सुदृढ़ बनाने के लिए आसियान-भारत संयुक्त सहयोग परिषद् की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य दोनों के मध्य सहयोग के क्षेत्रों व उपायों का पता लगाना था. उसी वर्ष दोनों पक्षों के व्यापारिक समूहों के मध्य सहयोग के लिए आसियान-भारत व्यवसाय परिषद् (ASEAN—India Business Council) की स्थापना की गई. दोनों ने पारस्परिक सहयोग के तीन क्षेत्रों–विकास, विज्ञान एवं तकनीकि तथा व्यापार एवं निवेश में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए तीन अलग-अलग कार्यदलों का गठन किया. इस समय भारत के प्रति आसियान के आकर्षण का प्रमुख कारण यह था कि आसियान के देश आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे थे तथा उन्हें भारत में उपलब्ध बड़ा बाजार, तकनीकी क्षमता तथा भारत की निरंतर आर्थिक प्रगति, आपसी सहयोग के लिए प्रेरित कर रही थी.

आसियान और भारत के मध्य सहयोग के दूसरे चरण की शुरूआत तब हुई जब 2001 में दोनों ने आपसी सहयोग को उच्च स्तर पर गति प्रदान करने के लिए नियमित वार्षिक शिखर सम्मेलन के आयोजन का निर्णय लिया. इसके परिणामस्वरूप वर्ष 2002 में कम्बोडिया के शहर नामपेन्ह में **प्रथम भारत-आसियान शिखर सम्मेलन** का आयोजन किया गया. तब से लेकर अब तक प्रतिवर्ष भारत आसियान शिखर सम्मेलन नियमित रूप से सम्पन्न हो रहे हैं.

भारत-आसियान शिखर सम्मेलन की 20वीं वर्षगाँठ के अवसर पर पहली बार 2012 में यह सम्मेलन भारत में सम्पन्न हुआ. इस सम्मेलन में दोनों पक्षों द्वारा आगे आने वाले दशक के लिए रणनीतिक साझेदारी से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया. इसी तरह भारत व आसियान के बीच सम्बन्धों की 25वीं वर्षगाँठ के अवसर पर भारत में 2017 में भारत-आसियान शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया. शिखर सम्मेलन की व्यवस्था का मुख्य लाभ यह है कि दोनों पक्ष शीर्ष स्तर पर महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श कर नीतिगत निर्णयों को अन्तिम रूप दे सकते हैं. इससे दोनों के मध्य सम्बन्धों को गरिमा तथा गति प्राप्त करने में मदद मिली है.

1992 से लेकर अब तक भारत व आसियान के बीच व्यापारिक निवेश तथा सांस्कृतिक सम्बन्धों का तेजी से विकास हुआ है. 2009 में दोनों ने व्यापार के सम्बन्ध में एक मुक्त व्यापार समझौते पर भी हस्ताक्षर किये थे. सेवाओं तथा निवेश के सम्बन्ध में भारत व आसियान के बीच 2014 में एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये गये थे. भारत-आसियान के बीच 2018-19 में 97 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ था, लेकिन इस व्यापार में भारत को 22 बिलियन डॉलर का घाटा उठाना पड़ रहा है. इसीलिये भारत के आग्रह पर 2019 में दोनों पक्षों द्वारा मुक्त व्यापार समझौते के पुनर्मूल्यांकन का निर्णय लिया गया है.

16वाँ भारत-आसियान शिखर सम्मेलन, 2019

16वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने प्रधानमंत्री 2-4 नवम्बर, 2019 को तीन दिन की थाइलैंड यात्रा पर गये थे. यह शिखर सम्मेलन बैंकाक में सम्पन्न हुआ. इस शिखर सम्मेलन का महत्व इस बात में भी है कि इस दौरान बैंकॉक में ही पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन तथा क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (RCEP or Regional Comprehensive Economic Partnership) के तीसरे शिखर सममेलन का भी आयोजन किया गया.

भारत-आसियान शिखर सम्मेलन 4 नवम्बर, 2019 को सम्पन्न हुआ. इस शिखर सम्मेलन में दिये गये अपने सम्बोधन में श्री मोदी ने निम्न बिन्दुओं पर जोर दिया–

1. आसियान के साथ सम्बन्ध भारत की एक्ट ईस्ट नीति का अहम् हिस्सा है. हिन्द-प्रशान्त के बारे में आसियान का जो दृष्टिकोण है भारत उससे सहमत है. इस सम्मेलन में आसियान देशों ने हिन्द-प्रशान्त आउटलुक (Indo-pacific Outlook) नामक दृष्टिकोण को स्वीकार किया है. यह दृष्टिकोण हिन्द महासागर तथा पश्चिमी प्रशान्त सागर के क्षेत्र में शांति, स्थिरता व विकास से सम्बन्धित है. श्री मोदी ने इस दृष्टिकोण के साथ भारत के सहयोग व समन्वय का आश्वासन दिया. उन्होंने कहा कि एक संगठित व विकसित आसियान भारत के लिये भी लाभदायक है.

2. श्री मोदी ने भारत की ओर से आसियान देशों के साथ भौतिक व डिजिटल सम्पर्कता बढ़ाने के लिये एक बिलियन डॉलर के निवेश की भी घोषणा की. इसमें भूमि, समुद्र, वायु तथा डिजिटल नेटवर्क की सम्पर्कता शामिल है. इस सम्पर्कता से भारत व आसियान के देशों के बीच आपसी जनसम्पर्क का विकास होगा, जिससे दोनों के बीच निवेश, व्यापार तथा सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा.

3. भारतीय प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत आसियान देशों के साथ आपसी हित के विषयों में सहयोग बढ़ाने के लिये बचनबद्ध है. इन क्षेत्रों में कृषि, शोध, विज्ञान, इंजीनियरिंग, समुद्री सुरक्षा, सूचना तकनीकी, समुद्री अथवा नीली अर्थव्यवस्था तथा मानवीय सहायता आदि में क्षमता विकास तथा साझेदारी शामिल है.

4. श्री मोदी ने आतंकवाद को क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा के लिये सबसे बड़ा खतरा बताया तथा इस चुनौती का सामना करने के लिये भारत व आसियान के बीच प्रभावी सहयोग व समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया.

5 श्री मोदी ने भारत व आसियान के बीच 2009 में हुये मुक्त व्यापार समझौते के पुनर्मूल्यांकन पर बनी सहमति का समर्थन किया. इसके द्वारा दोनों पक्षों के बीच संतुलित व्यापारिक सम्बन्धों को बढ़ावा मिलेगा. उल्लेखनीय है कि इस मुक्त व्यापार समझौते के बाद अधिकांश आसियान देशों के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़ गया है. भारत इस व्यापार घाटे को सन्तुलित करना चाहता है.

इस अवसर पर भारतीय प्रधानमंत्री ने जापान के प्रधानमंत्री **शिन्जो अबे**, थाइलैंड के प्रधानमंत्री **प्रयुत चान ओ चा**, इण्डोनेसिया के राष्ट्रपति **जोको विडोडो** तथा म्यांमार की नेता **आंग सान सू की** से भी आपसी हित के द्विपक्षीय मामलों पर बातचीत की.

आसियान के उद्देश्य तथा आसियान शैली

आसियान की स्थापना 1967 में बैंकॉक में हुई थी. वर्तमान में दस देश इसके सदस्य हैं. बैंकॉक घोषणा के अनुसार इस संगठन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं–

1. सदस्य राष्ट्रों में आर्थिक वृद्धि, सामाजिक उन्नति तथा सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देना.

2. इस क्षेत्र में शान्ति तथा स्थिरता को सुनिश्चित करना है.

3. सदस्य राष्ट्रों को शान्तिपूर्ण तरीकों से अपने मतभेदों पर चर्चा करने व समाधान का अवसर प्रदान करना.

4. सदस्य राष्ट्रों में सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक क्षेत्रों में आपसी सहयोग को बढ़ावा देना.

5. शैक्षणिक, व्यावसायिक, तकनीकी तथा प्रशासनिक मामलों में प्रशिक्षण व शोध-सुविधाओं के लिए एक-दूसरे को सहायता प्रदान करना.

6. दक्षिण-पूर्वी एशिया में अध्ययनों (Studies) को प्रोत्साहित करना.

7. समान उद्देश्य वाले अन्य क्षेत्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ घनिष्ठ व लाभकारी सम्बन्ध बनाना तथा उनके साथ व्यापक सहयोग हेतु सम्भावनाओं का पता लगाना.

आसियान के उक्त उद्देश्यों के अध्ययन से स्पष्ट है कि इसमें केवल सदस्य देशों के मध्य आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक क्षेत्र में सहयोग की ही नहीं की गई, बल्कि इस सहयोग के लिए आवश्यक शोध एवं अध्ययन तथा तकनीकि सहायता पर भी बल दिया गया है. उल्लेखनीय है कि राजनीतिक मुद्दों को आसियान के अधिकार क्षेत्र से बाहर रखा गया है. यह भी स्पष्ट है कि दक्षिण एशिया में सार्क के लक्ष्य और उद्देश्य भी आसियान के लक्ष्य एवं उद्देश्यों से प्रेरित होते हैं.

आसियान शैली (ASEAN Way)

शीतयुद्ध के तनाव तथा वियतनाम युद्ध के कारण आरम्भ के एक दशक में आसियान को अपने उद्देश्यों में कोई खास सफलता प्राप्त नहीं हुई. 1975 में वियतनाम युद्ध की समाप्ति के उपरान्त सदस्य राष्ट्रों में आर्थिक व राजनीतिक सहयोग को बढ़ाने की प्रक्रिया को गति प्रदान की गई. परिणामत:, आसियान देशों का **पहला शिखर सम्मेलन** फरवरी 1976 में इन्डोनेशिया के शहर बाली में सम्पन्न हुआ. इस सम्मेलन में सदस्य राष्ट्रों के शीर्ष नेताओं ने दक्षिण-पूर्व एशिया सद्भाव व सहयोग संधि (TAC—Treaty of Amity and Cooperation) की संधि तथा आसियान कॉनकॉर्ड-I (ASEAN Concord-I) पर हस्ताक्षर किये, जिनका उद्देश्य क्षेत्रीय स्थायित्व तथा आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना था. उल्लेखनीय है कि सद्भाव व सहयोग की इस संधि द्वारा कतिपय सिद्धान्तों को निर्धारित किया गया, जो आज भी आसियान की कार्यप्रणाली का आधार है तथा इन सिद्धान्तों को '**आसियान शैली**' की संज्ञा दी जाती है. आसियान शैली की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं–

1. सभी राष्ट्रों की स्वतंत्रता, सम्प्रभुता, समानता, क्षेत्रीय अखण्डता तथा राष्ट्रीय पहचान को पारस्परिक सम्मान प्रदान करना.

2. बाहरी हस्तक्षेप, दबाव तथा धमकी के बिना प्रत्येक सदस्य राष्ट्र को अपना स्वतंत्र राष्ट्रीय अस्तित्व बनाये रखने का अधिकार.

3. एक-दूसरे के आन्तरिक मामलों में अहस्तक्षेप की नीति .

4. आपसी विवादों का शान्तिपूर्ण तरीकों से समाधान.

5. सदस्य राष्ट्रों द्वारा शक्ति के प्रयोग या उसकी धमकी का एक नीति के रूप में त्याग करना.

6. सदस्य राष्ट्रों के बीच प्रभावी सहयोग को सुनिश्चित करना.

क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (RCEP or Regional Comprehensive Economic Partnership) का तीसरा शिखर सम्मेलन, 2019

उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर 4 नवम्बर, 2019 को ही थाइलैंड में क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते का तीसरा सम्मेलन भी सम्पन्न हुआ. इस शिखर सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि इसमें आसियान के दस देश तथा भारत सहित 6 अन्य देशों के बीच एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौता को अन्तिम रूप दिया जाना था. आसियान के दस देश हैं–**थाइलैण्ड, मलेशिया, इन्डोनेशिया, सिंगापुर, फिलीपीन्स, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्यांमार तथा कम्बोडिया.** इस मुक्त व्यापार समझौते में शामिल होन वाले 6 अन्य देश वे हैं जिनके साथ आसियान ने पहले से ही द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किये हैं. ये देश हैं–**चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, भारत, आस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैंड.** इन देशों को आसियान प्लस 6 की संज्ञा भी दी जाती है. पहले तीन देशों को आसियान प्लस थ्री की भी संज्ञा दी जाती है, जो आसियान के साथ इन देशों के विशेष सम्बन्धों का परिचायक है.

आसियान के नेतृत्व में क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते की वार्ताओं की शुरूआत 2012 में हुई थी. यह विश्व का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता है. इसमें विश्व व्यापार का 40 प्रतिशत हिस्सा आच्छादित है. इन देशों की कुल जनसंख्या विश्व की जनसंख्या की कुल 50 प्रतिशत है तथा विश्व के सकल राष्ट्रीय उत्पाद में इनका हिस्सा 39 प्रतिशत है.

2012 से लेकर अब तक इस समझौते को अन्तिम रूप देने के लिये 27 चक्रों की बातचीत हो चुकी है. इसके साथ ही समझौते पर उच्च स्तरीय विचार-विमर्श के लिये अब तक तीन शिखर सम्मेलनों का भी आयोजन किया जा चुका है–2017 में मनीला में, 2018 में सिंगापुर में तथा 2019 में बैंकॉक में.

भारत की आपत्तियाँ

बैंकॉक में 4 नवम्बर को सम्पन्न हुये तीसरे शिखर सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाग लिया. उन्होंने भारत की चिन्ताओं व आपत्तियों को व्यक्त करते हुये वर्तमान रूप में इस समझौते में भाग लेने से मना कर दिया है. उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत के हित मे नहीं है. भारत ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते में निम्न आपत्तियाँ व्यक्त की हैं–

1. भारत का समझौते में शामिल लगभग सभी देशों के साथ व्यापार घाटा चल रहा है. अकेले चीन के साथ ही भारत का व्यापार घाटा 53 बिलियन डॉलर है. इस समझौते में विदेशों से आने वाले सस्ते आयात पर रोक लगाने की कोई व्यवस्था नहीं है. भारत संतुलित व्यापार का पक्षधर है.

2. भारत के किसानों तथा उत्पादकों को इस बात का भय है कि उस समझौते के बाद विदेश से सस्ते आयात के कारण उनका नुकसान होगा. इस सम्बन्ध में भारत के किसानों तथा उत्पादकों द्वारा इस समझौते का व्यापक विरोध किया गया है. भारत चाहता है कि आयात होने वाली वस्तुओं की एक न्यूनतम कीमतें तय की जायें, ताकि उससे नीचे कीमतें गिरने पर उन पर टैक्स बढाया जा सके. लेकिन समझौते में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है. इसे तकनीकी भाषा में **ट्रिगर प्राइस मैकेनिज्म** कहा जाता है.

3. भारत की एक आपत्ति यह भी है कि इसमें कोई भी एक देश अपने यहाँ से दूसरे देश की वस्तुओं को भी भारत में निर्यात कर सकता है. अत: भारत वस्तुओं के उत्पादक देश की गारण्टी चाहता है. इसे व्यापारिक भाषा में **रूल ऑफ ओरिजिन** कहते हैं. ऐसी व्यवस्था के न होने पर उदाहरण के लिये थाइलैंड भारत में चीन की वस्तुओं का भी निर्यात कर सकता है.

4. समझौते में कस्टम ड्यूटी घटाने के लिये वर्ष 2014 को आधार वर्ष माना गया है.

MRUNAL.ORG

उपकार

अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा

(गत वर्षों के प्रश्न-पत्र हल सहित)

For Class VI

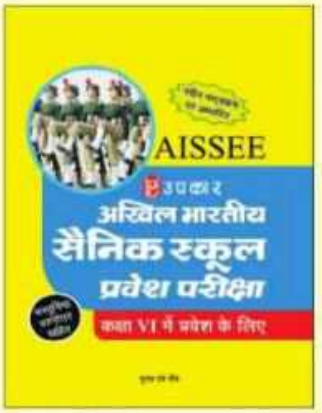

Code 2526 ₹ 240/-

Code 57 ₹ 235/-

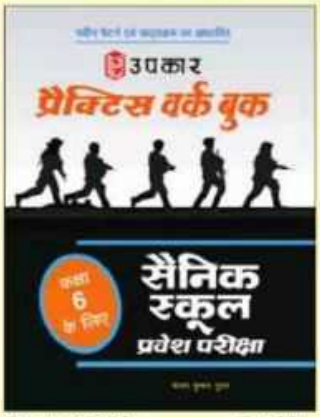

Code 2392 ₹ 185/-

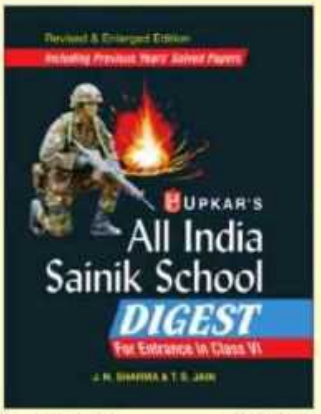

Code 331 ₹ 235/-

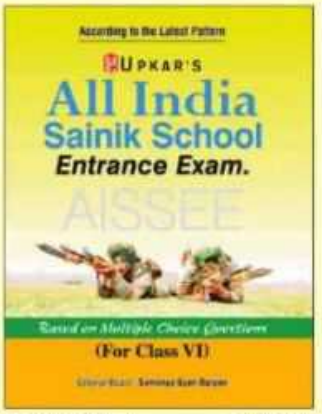

Code 1951 ₹ 260/-

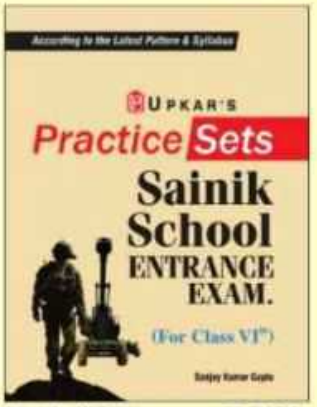

Code 1896 ₹ 140/-

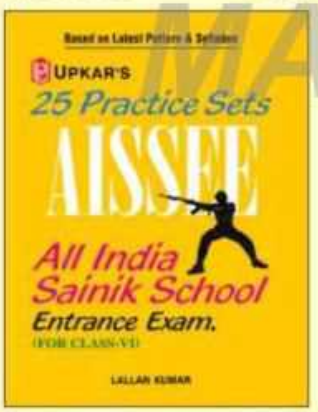

Code 3021 ₹ 220/-

Code 2662 ₹ 240/-

English Edition

For Class IX

Code 2530 ₹ 395/-

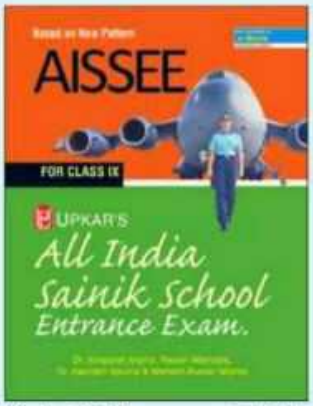

Code 1992 ₹ 440/-

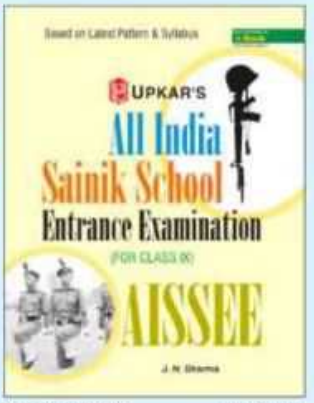

Code 1982 ₹ 315/-

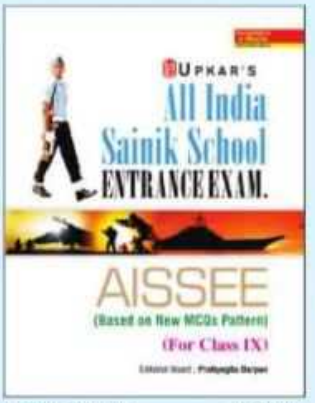

Code 1955 ₹ 399/-

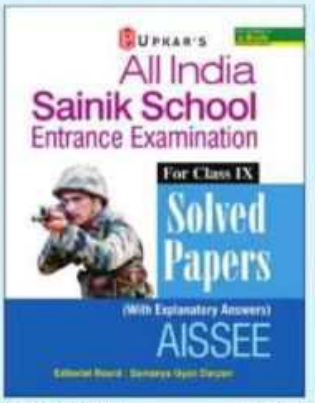

Code 1685 ₹ 75/-

MAGAZINE KING

उपकार प्रकाशन | 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-282 002 फोन : (0562) 2530966, 2531101
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in
• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • कोलकाता 25551510 • लखनऊ 4109080 • हल्द्वानी मो. 07060421008 • नागपुर मो. 09370877776 • इन्दौर 9203908088

जबकि भारत 2019 को ही आधार वर्ष मानने का पक्षधर है. इसके अलावा भारत सेवा क्षेत्र में भी अधिक उदार नीतियों का पक्षधर है.

उक्त आपत्तियों के कारण भारत ने वर्तमान रूप में इस समझौते में शामिल होने से मना कर दिया है. अतः इस बात की संभावना है कि भारत के बिना ही इस समझौते को अन्तिम रूप दिया जाये. फिर भी अधिकांश देश इस बात को समझते हैं कि भारत के बिना यह व्यापार समझौता पर्याप्त प्रभावी नहीं हो पायेगा. इसका निहितार्थ यह है कि यदि भविष्य में भी यदि भारत की चिन्ताओं का समाधान हो जाता है, तो भारत इस समझौते में आगे शामिल हो सकता है.

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि आसियान के साथ सम्बन्धों का विस्तार भारत की एक्ट ईस्ट नीति का आवश्यक अंग है. इसके अन्तर्गत भारत व आसियान के बीच गत 27 वर्षों में व्यापारिक, निवेश तथा सांस्कृतिक आदि क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है. लेकिन भारत इन देशों के साथ अपने असंतुलित व्यापार को लेकर चिन्तित है.

गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के बदलते आयाम

उत्तर–शीत युद्ध काल में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की उपादेयता एक बार फिर चर्चा का विषय है. गुटनिरपेक्ष देशों का 18वाँ शिखर सम्मेलन 25-26 अक्टूबर, 2019 को अजरबैजान की राजधानी बाकू में सम्पन्न हुआ. गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की शुरूआत 1960 के दशक में तीसरी दुनिया के देशों द्वारा तब की गई थी जब विश्व दो विरोधी गुटों–अमेरिका के नेतृत्व में पूँजीवादी गुट तथा सोवियत संघ के नेतृत्व में साम्यवादी गुट में बँटा हुआ था. शीत युद्ध के तनाव के माहौल में दोनों ही गुट एशिया, अफ्रीका तथा लैटिन अमेरिका के नवोदित तीसरी दुनिया के देशों को अपने प्रभाव में लेना चाहते थे. दूसरी तरफ ये देश अपनी विदेश नीति की स्वतंत्रता के साथ ही अपने विकास को लेकर चिन्तित थे. अतः इन देशों ने गुटनिरपेक्षता की नीति अपना कर शीत युद्ध काल के तनावों से दूर रहकर अपने हितों की पूर्ति का प्रयास किया. भारत के प्रधानमंत्री नेहरू, यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति मार्शल टीटो तथा मिस्र के राष्ट्रपति नासिर को गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का जनक माना जाता है. इसके पहले भारत के प्रयासों से 1955 में इण्डोनेशिया के बांडुंग शहर में एशिया व अफ्रीका के नवोदित देशों का एक सम्मेलन हुआ था, जिसमें गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के सिद्धान्तों का निर्धारण किया गया था. इस पृष्ठभूमि में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के देशों का पहला शिखर सम्मेलन 1961 में बेलग्रेड में सम्पन्न हुआ था.

बाकू शिखर सम्मेलन

बाकू में सम्पन्न 18वें शिखर सम्मेलन में सभी 120 सदस्य देशों के प्रतिनिधियों सहित 30 देशों के शासनाध्यक्षों ने भाग लिया था. इसके अलावा इस सम्मेलन में 17 पर्यवेक्षक देशों तथा 10 पर्यवेक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया था. इस सम्मेलन की थीम थी–'Upholding the Bandung Principles to ensure concerted and adequate response to the challenges of the contemporary world'. सम्मेलन में समकालीन विषयों तथा उनमें आन्दोलन की उपादेयता पर विचार-विमर्श कर चार घोषणा पत्र जारी किये गये हैं. ये हैं–बाकू फाइनल एक्ट, बाकू राजनीतिक घोषणा, फिलीस्तीन घोषणा, तथा अजरबैजान के जनता व सरकार के प्रति समर्थन की घोषणा.

बाकू राजनीतिक घोषणा 26 अक्टूबर, 2019

इनमें सबसे प्रमुख बाकू राजनीतिक घोषणा है. इसमें गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की उपादेयता के साथ ही समकालीन चुनौतियों के समाधान में उसकी भूमिका को रेखांकित किया गया है. इसमें निम्न बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया है–

1. सदस्य देशो का प्रतिनिधित्व करने तथा उनके हितों के संरक्षण के लिये गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की प्रभावशीलता को बढ़ाना.

2. वर्तमान वैश्विक भू-सामरिक परिदृश्य में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के आधारभूत सिद्धान्तों के आधार पर इसकी भूमिका को मजबूत करना, जिससे यह आन्दोलन पूर्व की भाँति अपनी सार्थकता को बनाये रख सके.

3. अन्तर्राष्ट्रीय शांति, सुरक्षा तथा विकास के समकालीन खतरों का सामना करने के लिये गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के सदस्यों ने अपनी एकता को मजबूत बनाये रखने का निश्चय किया.

4. सदस्य देशों ने विकासशील देशों के हितों की पूर्ति के लिये एक पारदर्शी, समेकित, न्यायोचित व प्रभावी वैश्विक व्यवस्था का समर्थन किया. सदस्य देशों ने कहा कि वे विश्व मामलों के प्रबन्धन में संयुक्त राष्ट्र की केन्द्रीय भूमिका को स्वीकार करते हुये बहुपक्षीय व्यवस्था (Multilateral Order) के पक्षधर हैं.

5. सदस्यों का मानना था कि संयुक्त राष्ट्र की महासभा विश्व स्तर पर सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक व प्रतिनिधि संस्था है. अतः विश्व शांति सहित अन्य मामलों में भी इस संस्था की भूमिका को मजबूत बनाये जाने की आवश्यकता है.

6. सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राष्ट्र की व्यवस्था व नियमों के अन्तर्गत आतंकवाद के प्रत्येक रूप का समाना करने के लिये सदस्य देशों के प्रयासों को भी मजबूत बनाये जाने की आवश्यकता है.

7. सदस्य देशों ने विकासशील देशों पर जलवायु परिवर्तन के अत्यधिक नकारात्मक प्रभावों को लेकर चिन्ता व्यक्त की. इससे उनका जीवन्त विकास प्रभावित हो रहा है. अतः, इस सम्बन्ध में विश्व समुदाय द्वारा प्रभावी कदम उठाये जाने की आवश्यकता है.

8. सदस्य देशों ने माँग की कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित शांति मिशनों का संचालन पूरी तरह संयुक्त राष्ट्र के निर्धारित नियमों के अन्तर्गत ही किया जाना चाहिये. इसमें निष्पक्षता तथा बचाव को छोड़कर बल प्रयोग की मनाही के नियमों का पालन किया जाना आवश्यक है.

9. सदस्य देशों ने विभिन्न देशों में कतिपय देशों द्वारा बलात व धमकाने वाली कार्यवाहियों का विरोध किया. इससे मानव अधिकारों के उल्लंघन के साथ-साथ इन देशों का विकास भी प्रभावित होता है.

10. अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों तथा संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न प्रस्तावों के आलोक में 1967 से इजरायल द्वारा फिलीस्तीन क्षेत्रों पर कब्जे को समाप्त किया जाना चाहिये.

11. सदस्यों ने माना कि दक्षिण-दक्षिण सहयोग, दक्षिण के देशों के मध्य सहयोग व भाईचारे की भावना की अभिव्यक्ति का प्रतीक है. अतः दक्षिण-दक्षिण सहयोग को मजबूत बनाने की आवश्यकता है.

12. सदस्यों ने माना कि प्रत्येक देश में मानवाधिकारों तथा विकास के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिये, ताकि विश्व में स्थाई शान्ति व विकास का मार्ग प्रशस्त हो सके.

13. आन्दोलन के घोषणा पत्र में स्वीकार किया गया है कि सदस्य देशों की यह प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वे अपने यहाँ आन्तरिक रूप से विस्थापित लोगों की सुरक्षा तथा अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित करें.

14. घोषणा में कहा गया कि सभी सदस्य देशों द्वारा अन्य देशों की राष्ट्रीय संप्रभुता, क्षेत्रीय अखण्डता तथा राष्ट्रीय समानता का सम्मान किया जाना चाहिये. साथ ही दूसरे देशों के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप से बचना चाहिये.

15. सदस्यों देशों ने जोर देकर कहा कि डब्ल्यूटीओ की दोहा विश्व व्यापार वार्ताओं में विकास के पहलू को केन्द्र में रखे जाने की आवश्यकता है. 2001 में आरंभ की गई दोहा वार्ताओं का समापन विकासशील देशों के हितों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिये.

सदस्य देशों ने इस बात पर भी अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की कि बाकू घोषणा को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित किया जाये.

MAGBOOK.in

गुटनिरपेक्षता के प्रमुख सिद्धान्त

गुटनिरपेक्ष आन्दोलन उपनिवेशवादी शासन से मुक्त एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों का आन्दोलन है. इन देशों की आर्थिक व राजनीतिक विकास की समस्यायें लगभग एक जैसी है. इन देशों को तीसरी दुनिया के देश भी कहा जाता है. इसका कारण यह है कि जहाँ पहली दुनिया में अमेरिका सहित पश्चिम के पूँजीवादी देशों को शामिल किया जाता था, वहीं सोवियत संघ के नेतृत्व में विकसित साम्यवादी देशों को दूसरी दुनिया के अन्तर्गत माना जाता था. सोवियत संघ व उसके गुट के विघटन के बाद यह वर्गीकरण अब अधिक महत्वपूर्ण नहीं रह गया है. गुटनिरपेक्ष देशों ने अपने व्यापक राष्ट्रीय हितों जैसे विकास व स्वतंत्रता तथा विश्व शांति की स्थापना की दृष्टि से कतिपय महत्वपूर्ण सिद्धान्तों पर जोर दिया, जो निम्नलिखित हैं–

1. राष्ट्रों की सम्प्रभुता समानता, क्षेत्रीय अखण्डता तथा राजनीतिक स्वतंत्रता में विश्वास.

2. विश्व शांति, सुरक्षा तथा अन्तर्राष्ट्रीय कानून व इस उद्देश्य के लिए गठित बहुपक्षीय संस्थाओं में आस्था.

3. उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद तथा नव-उपनिवेशवाद के प्रत्येक रूप का विरोध.

4. रंगभेद नीति तथा जातीय असमानता का विरोध.

5. निःशस्त्रीकरण का समर्थन तथा राष्ट्रों के मध्य शस्त्रों की दौड़ का विरोध.

*6. विकासशील देशों के मध्य आपसी सहयोग को बढ़ावा देना, जिसे दूसरे शब्दों में **दक्षिण-दक्षिण सहयोग** के रूप में जाना जाता है.*

7. समानता, न्याय तथा आपसी लाभ पर आधारित एक नई विश्व आर्थिक व्यवस्था की स्थापना का प्रयास, जिसे नई अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था (New International Economic Order) के नाम से जाना जाता है.

भारत व गुटनिरपेक्ष आन्दोलन

भारत गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के संस्थापक देशों में से एक है. नेहरू के नेतृत्व में भारत ने ही सबसे पहले गुटनिरपेक्ष की नीति को अपनी विदेश नीति के रूप में क्रियान्वित किया था. नेहरू के अनुसार गुटनिरपेक्षता गुटों से अलग रहने की एक नकारात्मक धारणा न होकर एक सकारात्मक विचार है, जिसका तात्पर्य विदेश नीति की स्वतंत्रता से है, वर्तमान में भारत की विदेश नीति में सामरिक स्वायत्तता का विचार भी गुटरिपेक्षता से ही प्रेरित है. भारत ने शीत युद्ध काल में उपनिवेशवाद, रंगभेद नीति की समाप्ति, विश्व शांति व निःशस्त्रीकरण आदि के लिये काम किया था. भारत शीत युद्ध की समाप्ति के बाद भी गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की उपादेयता को स्वीकार करता है.

गुटनिरपेक्ष देशों के 18वें शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व भारत के उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू तथा विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने किया. वेंकैया नायडू ने अपने सम्बोधन में कहा कि आतंकवाद आज दुनिया का सबसे बड़ा खतरा है तथा यह निरन्तर अपनी शाखाओं का विस्तार कर रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद का केन्द्र है. आतंकवाद के विरुद्ध प्रभावी लड़ाई का एकमात्र उपाय इसके विरुद्ध सभी वैश्विक उपायों को मजबूत किया जाना है. ऐसे उपायों के द्वारा ही आतंकवाद तथा इसके समर्थकों से निबटा जा सकता है.

उन्होंने अपने सम्बोधन में यह भी कहा कि गुटनिरपेक्ष आन्दोलन को प्रभावशाली समूह बने रहने के लिये अपने कार्यों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है. इसके लिये गुटनिरपेक्ष आन्दोलन को विश्व की समकालीन चुनौतियों, जैसे आतंकवाद, वैश्विक संस्थाओं में सुधार, जीवन्त विकास तथा दक्षिण-दक्षिण सहयोग आदि के लिये अपनी प्रभावशीलता दिखानी होगी. उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण तथा तीव्र तकनीकी विकास के कारण 21वीं शताब्दी में अप्रत्याशित बदलाव हो रहे हैं. जब हम जीवन्त विकास तथा अपनी जनता के कल्याण को प्राप्त करने का प्रयास

CCC
NIELIT (Formerly DOEACC Society) के नवीनतम परिवर्तित पाठ्यक्रम पर आधारित
उपकार
Just Released
कोर्स ऑन कम्प्यूटर कॉन्सेप्ट्स
- गत वर्षों में पूछे गए प्रश्नों का समावेश
- अध्यायवार वस्तुनिष्ठ एवं सत्य/असत्य प्रश्नोत्तर सहित
- 8 मॉडल टेस्ट पेपर्स
- कम्प्यूटर शब्दावली

Code 2646
₹ 140.00
लेखिका : आकांक्षा
English Edition
Code 3011 ₹ 155/-
उपकार प्रकाशन, आगरा–2
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

उपकार
भारतीय नौसेना
नाविक मैट्रिक भर्ती (MR) परीक्षा

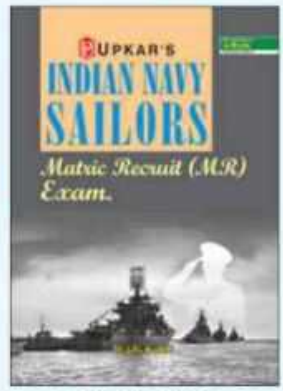

कोड नं. 2628
मूल्य : ₹ 195/-

कोड नं. 2002
मूल्य : ₹ 190/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–2
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

MAGZIVE KING

करते हैं, तो हमें यह सोचना होगा कि हमारा भविष्य एक-दूसरे के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है.

फिर भी पिछले दो शिखर सम्मेलनों से भारत की भागीदारी का स्तर प्रधानमंत्री के स्तर का नहीं रहा है. 2016 में सम्पन्न हुये 17वें सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री ने हिस्सा नहीं लिया था. कतिपय समीक्षकों का मानना है कि इतने बड़े गुट में प्रधानमंत्री की भागीदारी न होने से भारत के दीर्घकालीन हितों, जैसे सुरक्षा परिषद् की स्थाई सदस्यता में भारत को नुकसान हो सकता है. इसके पहले केवल एक बार भारत के प्रधानमंत्री चरण सिंह ने देश में राजनीतिक अस्थिरता के चलते 1979 के हवाना सम्मेलन में भाग नहीं लिया था. भारत एक बार 1983 में सातवें शिखर सम्मेलन की मेजबानी भी कर चुका है.

समकालीन विश्व में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का औचित्य

1991 में सोवियत संघ के विघटन तथा शीतयुद्ध की समाप्ति के उपरान्त कई समीक्षकों ने यह सवाल उठाया है कि वर्तमान परिवेश में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन औचित्यहीन हो गया है. यह बात सच है कि गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की उत्पत्ति 1960 के दशक में महाशक्तियों के दो सैनिक गुटों में विभाजित शीतयुद्ध के परिवेश में हुई थी. लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का उद्देश्य केवल गुटों से अलग रहने की नीति तक सीमित नहीं है. वस्तुतः इसका सही अर्थ गुटबन्दी से दूर रहकर सभी मुद्दों में अपनी मान्यताओं के आधार पर स्वतंत्र विदेश नीति का पालन करना है. स्वतंत्र विदेश नीति की आवश्यकता आज भी बनी हुई है. वर्तमान अन्तर्राष्ट्रीय परिवेश में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के महत्व को हम निम्नलिखित बिन्दुओं के माध्यम से रेखांकित कर सकते हैं–

1. सोवियत संघ के विघटन के उपरान्त शीतयुद्ध का अन्त हो गया. 1992 में सोवियत गुट के सैनिक गठबन्धन 'वार्सा पैक्ट' का विघटन हो गया. परिणामस्वरूप, विश्व राजनीति में एक ध्रुवीय व्यवस्था के लक्षण दिखाई देने लगे, क्योंकि अमेरिका व पश्चिमी देशों के सैनिक गठबन्धन नाटो का अस्तित्व ज्यों का त्यों बना रहा. इसके विपरीत नाटो का पूर्वी यूरोप के दशों में विस्तार किया गया. वर्तमान में नाटो एक वैश्विक पुलिसमैन की तरह है. इस एक ध्रुवीय व्यवस्था में विकासशील देशों की राजनीतिक व आर्थिक स्वतंत्रता के खतरे बढ़ गये हैं. अतः, एक नैतिक संतुलनकारी मंच के रूप में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन विकासशील देशों की विदेश नीति की स्वतंत्रता बनाये रखने के लिए आज भी आवश्यक है.

2. वर्तमान युग, वैश्वीकरण का युग है, जिसमें नवउदारवादी विचारधारा से समर्थित बाजारू प्रतियोगिता की उत्कृष्टता का सिद्धान्त स्वीकार किया गया है. वर्तमान व्यवस्था में वही देश आर्थिक रूप से सफल हो सकते हैं, जो आर्थिक व तकनीकी दृष्टि से विश्व प्रतियोगिता का सामना करने में समर्थ हैं. अतः वर्तमान असन्तुलित विश्व अर्थव्यवस्था में विकासशील देशों की हितों की रक्षा के लिए इन्हें एक मंच की आवश्यकता है और गुटनिरपेक्ष आन्दोलन सामूहिक रूप से इनके आर्थिक हितों की रक्षा के लिए आवश्यक है. विश्व व्यापार वार्ताओं तथा जलवायु परिवर्तन वार्ताओं आदि में विकासशील देशों के पक्ष को सशक्त रूप से प्रस्तुत करने के लिये भी दक्षिण के देशों को एक प्रभावी मंच की आवश्यकता है. इस दृष्टि से गुटनिरपेक्ष आन्दोलन विकासशील देशों तथा संयुक्त राष्ट्र संघ के बाद देशों का सबसे बड़ा संगठन है.

3. वर्तमान समय में विश्व की अनेक समस्यायें ऐसी हैं, जिन पर विकसित और विकासशील देशों में मतभेद होते हुए भी उनके मध्य आपसी सहयोग की आवश्यकता है. वर्तमान वैश्विक समस्याओं, जैसे–आतंकवाद, मानव अधिकारों का उल्लंघन, जलवायु परिवर्तन, अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार आदि के समाधान में विकासशील देशों का सहयोग प्राप्त करने तथा उनके हितों की रक्षा के लिए गुटनिरपेक्ष आन्दोलन एक सशक्त माध्यम सिद्ध हो सकता है.

4. विकासशील देशों में सामूहिक आत्म-निर्भरता तथा विकास की प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए आपसी सहयोग की आवश्यकता है, जिसे **दक्षिण-दक्षिण सहयोग** के नाम से जाना जाता है. वर्तमान में दक्षिण-दक्षिण सहयोग की प्रबल सम्भावनायें मौजूद हैं, क्योंकि विकासशील देशों में ही कई देश, जैसे–भारत, ब्राजील व दक्षिण अफ्रीका आदि तकनीकि व आर्थिक दृष्टि से काफी आगे बढ़ चुके हैं. इन तीनों देशों ने दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ाने के लिए 2003 में इब्सा नामक संगठन की स्थापना की है. गुटनिरपेक्ष आन्दोलन आज भी दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है तथा इसको आगे बढ़ाने के लिए एक व्यापक माध्यम है. ●●●

शेष पृष्ठ 56 का

6. **शियर वाइण्डर**–धान की कटाई करके उसके बण्डल बनाना.

चूँकि ये मशीनें महँगी हैं इसलिए सरकार इनके क्रय हेतु किसानों की इनकी कीमत का 50-80 प्रतिशत तक सब्सिडी प्रदान करने के लिए पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सरकारों को 2018-19 एवं 2019-20 में ₹ 1151·80 करोड़ का अनुदान दिया गया.

- सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा तय किए गए दिशा निर्देशों के तहत पंजाब एवं हरियाणा की सरकारों ने किसानों को पराली न जलाने के लिए सीमान्त एवं लघु कृषकों को ₹ 2500 प्रति एकड़ की दर से 2019-20 के लिए बोनस स्वीकृत किया है.
- हरियाणा सरकार ने इसके अतिरिक्त कस्टम हायरिंग केन्द्रों एवं स्ट्रा बेलर इकाइयों को ₹ 1000 प्रति एकड़ की दर से प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है.
- उत्तर प्रदेश सरकार ने कृषि अवशिष्टों के निस्तारण की समस्या से निपटने के लिए प्रत्येक जिले में जैव-ईंधन संयन्त्र स्थापित किए जाने की घोषणा की है. ऐसे दो संयन्त्र सीतापुर एवं गोरखपुर में स्थापित किए जा रहे हैं. किसान अपना कृषि अवशिष्ट इन संयन्त्रों पर बेच सकेंगे जहाँ इनसे बिजली बनाई जाएगी.

निष्कर्ष

उत्तर भारत के शहरों में वायु प्रदूषण की स्थिति उत्तरोत्तर गम्भीर होती जा रही है. पराली जलाए जाने से स्थिति और भी अधिक खराब हुई है. लेकिन शहरों के बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए अन्य घटकों पर स्थानीय नगर निकायों, राज्य सरकारों तथा केन्द्र सरकार की भी कोई स्पष्ट नीति नहीं है. ऑटोमोबाइल उद्योग के विकास के नाम पर सड़कों पर बसों, ट्रकों, कारों, तिपहिया वाहनों, दुपहिया वाहनों की संख्या में प्रतिवर्ष 10-15 प्रतिशत की दर से वृद्धि होती जा रही है लेकिन पुराने वाहनों को स्क्रेप करके उन्हें सड़कों से बाहर करने की कोई कारगर नीति नहीं है. सरकार की ओर से प्रत्येक शहर में स्क्रैप निस्तारण हेतु इकाइयों को लाइसेंस दिए जाएं. वाहन स्वामियों के लिए यह अनिवार्य कर दिया जाए कि वे 15 वर्ष पुरानी गाड़ी को स्क्रैप डीलर को बेच कर उससे प्रमाणपत्र ले सकें. जब तक वाहनों के रिप्लेसमेन्ट की दर 1 के स्तर पर नहीं आ जाती तब तक वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर नियन्त्रण नहीं लगाया जा सकता.

इसी प्रकार सड़कों एवं राजमार्गों के फुटपाथों को अनिवार्यतः पक्का किया जाए क्योंकि जब सड़कों पर जाम लगता है तो लोग अपने वाहन कच्ची मिट्टी वाले फुटपाथों से निकालते हैं जहाँ से धूल उड़ती है.

सड़कों/खुले में भवन-निर्माण सामग्री–बालू मौरम, बजरी आदि के भण्डारण पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाया जाए.

बिजली की सतत् आपूर्ति की व्यवस्था की जाए और डीज़ल चालित जनरेटरों पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाया जाए.

तापीय विद्युत सृजन के स्थान पर नवीकरणीय ऊर्जा के विकास को प्राथमिकता दी जाए.

●●●

उपकार कॅरियर डेवलपमेंट सीरीज

Best Sellers Books

अब कामयाबी आपके नजदीक है...

₹ 140/-

₹ 80/-

₹ 99/-

₹ 120/-

₹ 75/-

₹ 60/-

₹ 99/-

₹ 130/-

₹ 110/-

₹ 125/-

₹ 99/-

₹ 99/-

MAGAZINE KING

उपयोगी पुस्तकें	Code No.	Price
उपकार डायनेमिक्स ऑफ पर्सनेलिटी डेवलपमेंट	1049	110.00
उपकार एचीविंग गोल्स	1126	130.00
उपकार असली कामयाबी	591	95.00
उपकार पॉजिटिव पर्सनेलिटी	592	99.00
उपकार टीम लीडरशिप	1055	30.00
उपकार सक्सैसफुल कैरियर थॉट्स	623	75.00
उपकार इम्प्रूव योर पर्सनेलिटी	25	50.00
उपकार साइंस ऑफ टाइम मैनेजमेंट	1418	99.00
उपकार भाषण कला (लेखक : डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी)	197	80.00
उपकार भाषण कला (लेखक : डॉ. राजकिशोर ओझा)	736	115.00
उपकार व्यक्तित्व विकास	239	99.00
उपकार प्रेरणाशक्ति के चमत्कार	233	78.00
उपकार इम्प्रूव योर माइन्ड पावर	230	85.00
उपकार सफलता के अद्भुत रहस्य	227	45.00
उपकार महान व्यक्तित्व	226	140.00

उपयोगी पुस्तकें	Code No.	Price
उपकार भारतवर्ष की चर्चित महिलाएँ	525	175.00
उपकार महान व्यक्तियों के विचार	1295	99.00
उपकार विश्व विभूतियाँ	279	80.00
उपकार वाक् कला	299	85.00
उपकार मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	605	95.00
उपकार सफल प्रबंधन के सरल सूत्र	69	120.00
उपकार योग्य बनें	2398	90.00
उपकार सौ कदम सफलता के	619	140.00
उपकार सूक्ति संग्रह	1099	70.00
उपकार मैनेजमेंट टिप्स	1054	35.00
उपकार महापुरूषों के अकाट्य सूत्र	143	125.00
Upkar's Successful Career Thought	335	75.00
Upkar's Great Personalities	1533	199.00
Upkar's 2828 Inspiring Quotations & Proverbs	1577	170.00
Upkar's 50000 Inspiring Quotations	1529	150.00
Upkar's Dictionary of Quotations	1742	250.00
Upkar's Dynamics of Achieving Goals	458	130.00

100 रु. से अधिक मूल्य की पुस्तक / पुस्तकों का पूरा मूल्य अग्रिम भेजने पर पोस्टेज फ्री

उपकार प्रकाशन | 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-282 002 फोन : (0562) 2530966, 2531101
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in
• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • कोलकाता 25551510 • लखनऊ 4109080 • हल्द्वानी मो. 07060421008 • नागपुर मो. 09370877776 • इन्दौर 9203906088

स्मरणीय तथ्य

राष्ट्रीय

1. दक्षिण भारतीय फिल्मों के किस अभिनेता को आइकन ऑफ गोल्डन जुबली अवार्ड से नवम्बर 2019 में सम्मानित किया गया ?
– रजनीकांत

☛ *गोवा में नवम्बर 2019 में आयोजित 50वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI) में दक्षिण भारतीय फिल्मों के सर्वाधिक लोकप्रिय अभिनेता रजनीकांत को आइकन ऑफ गोल्डन जुबली अवार्ड से सम्मानित किया गया.*

2. भारतीय क्रिकेट टीम के किस खिलाड़ी/कप्तान को 'पेटा (PETA) पर्सन ऑफ द ईयर फॉर 2019' से सम्मानित करने की घोषणा नवम्बर 2019 में की गई ?
– विराट कोहली

☛ *विराट कोहली को उनके पशुओं के प्रति प्रेम एवं उनकी अवस्था में सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए पेटा (People for the Ethical Treatment of Animals–PETA) के भारतीय पर्सन ऑफ द ईयर-2019 घोषित किया है.*

3. राजस्थान की नमकीन पानी की किस झील पर नवम्बर 2019 में 1800 से अधिक देशी-विदेशी पक्षियों की मृत्यु हुई थी ?
– साँभर झील

☛ *जयपुर से 80 किमी दक्षिण-पश्चिम में स्थित नमकीन पानी की झील 'साँभर' जिसके पानी से खाने का नमक भी बनाया जाता है, पर आने वाले देशी-विदेशी 1800 से अधिक पक्षियों की मृत्यु बैक्टीरिया (Clostridium Botulinum) के संक्रमण के कारण हुई.*

4. इसरो (ISRO) द्वारा नवम्बर 2019 में कौनसा उपग्रह प्रक्षेपित किया ?
– कार्टोसैट-3 (Cartosat-3)

☛ *इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (ISRO) द्वारा पीएसएलवी-C47(PSLV-C47) रॉकेट से तीसरी पीढ़ी के एडवांस्ड रिमोट सेंसिंग एवं मैपिंग सैटेलाइट-कार्टोसैट-3 का प्रक्षेपण नवम्बर 2019 में श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से किया ?*

5. उच्चतम न्यायालय में न्यायमूर्ति रंजन गोगोई के मुख्य न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त होने के बाद कौन मुख्य न्यायाधीश नियुक्त हुए हैं ?
– शरद अरविंद बोबडे

☛ *न्यायमूर्ति शरद अरविन्द बोबडे ने 18 नवम्बर, 2019 को मुख्य न्यायाधीश का पद ग्रहण किया है. न्यायमूर्ति बोबडे 65 वर्ष की आयु तक (23 अप्रैल, 2021) इस पद पर रहेंगे. ये 47वें मुख्य न्यायाधीश हैं.*

6. भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा 9 नवम्बर, 2019 की बहुचर्चित, विवादित एवं दीर्घकाल से लम्बित अयोध्या मंदिर-मस्जिद वाद में निर्णय देते हुए विवादित भूमि किसे प्रदान की ?
– रामलला (विराजमान)

☛ *अयोध्या में राम मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद बनाने एवं 6 दिसम्बर, 1992 को बाबरी मस्जिद ढाँचा गिराए जाने आदि घटनाक्रम से विवादित 2·77 एकड़ भूमि को उच्चतम न्यायालय ने रामलला विराजमान की सौंपते हुए एक ट्रस्ट बनाकर मंदिर निर्माण का रास्ता साफ कर दिया. साथ ही सुन्नी वक्फ बोर्ड को अयोध्या में कहीं भी मस्जिद निर्माण के लिए 5 एकड़ जमीन देने का आदेश दिया है. तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पाँच सदस्यीय पीठ ने यह निर्णय दिया.*

7. 31 अक्टूबर, 2019 को भारत में कौनसे दो संघ राज्य क्षेत्र अस्तित्व में आए ?
– जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख

☛ *जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम-2019 द्वारा जम्मू-कश्मीर राज्य का, राज्य का स्तर समाप्त कर दो संघ राज्य क्षेत्र(Union Territories)–जम्मू-कश्मीर और लद्दाख 31 अक्टूबर, 2019 को अस्तित्व में आ गए. भारत में किसी राज्य का राज्य स्तर समाप्त कर संघ राज्य क्षेत्र बनाए जाने की यह पहली घटना है.*

8. 9 नवम्बर, 2019 को भारत-पाकिस्तान के मध्य श्रद्धालुओं के लिए खोला गया करतारपुर कॉरिडोर किस धर्म से सम्बन्धित है ? **– सिख**

☛ *पाकिस्तान में भारत की सीमा के समीप सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी ने करतारपुर में रावी नदी के तट पर गुरुद्वारा की स्थापना कर जीवन के अन्तिम वर्ष बिताए थे. सिखों के लिए इस पवित्र स्थान की यात्रा हेतु दो धर्म स्थलों डेरा बाबा नानक (भारत) एवं गुरुद्वारा दरबार साहिब (पाकिस्तान) के बीच करतारपुर कॉरिडोर दोनों देशों की सहमति से बना है.*

9. किस समुद्री चक्रवात ने भारत के समुद्री तटवर्ती राज्यों में नवम्बर 2019 में भारी क्षति पहुँचाई ?
– बुलबुल

☛ *नवम्बर में उत्तरी अंडमान सागर में सक्रिय हुए इस चक्रवात (Cyclone) का नाम भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा 'बुलबुल' दिया गया. इसने बांग्लादेश, के साथ-साथ भारत के ओडिशा और पंश्चिम बंगाल के तटवर्ती क्षेत्रों में भारी तबाही की.*

10. 31 अक्टूबर, 2019 को अस्तित्व में आए दो संघ राज्य क्षेत्रों–जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में क्रमशः कौन पहले उपराज्यपाल बने हैं ?
– गिरीश चन्द्र मुर्मु (जम्मू-कश्मीर) राधा कृष्ण माथुर (लद्दाख)

☛ *जम्मू-कश्मीर राज्य के अन्तिम राज्यपाल सत्यपाल मलिक थे तथा इसके पुनर्गठन से बने संघ राज्य क्षेत्र (केन्द्रशासित प्रदेश) जम्मू-कश्मीर के प्रथम उपराज्यपाल गिरीश चन्द्र मुर्मु और लद्दाख के प्रथम उपराज्यपाल राधा कृष्ण माथुर नियुक्त हुए हैं.*

11. ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में हैट्रिक बनाने वाले पहले भारतीय गेंदबाज कौन हैं ?
– दीपक चाहर

☛ *उत्तर प्रदेश के दीपक चाहर ने 10 नवम्बर, 2019 को नागपुर में बांग्लादेश के विरुद्ध टी-20 मैच में हैट्रिक बनाई. अन्तर्राष्ट्रीय टी-20 मैचों में यह 12वीं हैट्रिक है तथा दीपक चाहर यह सफलता प्राप्त करने वाले पहले भारतीय हैं.*

12. भारत के किस क्रिकेट खिलाड़ी ने 100 से अधिक टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं ?
– रोहित शर्मा

☛ *क्रिकेट खिलाड़ी रोहित शर्मा ने टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट का 100वाँ मैच 7 नवम्बर, 2019 को भारत में राजकोट में बांग्लादेश के विरुद्ध खेला. 100 अन्तर्राष्ट्रीय टी-20 मैच खेलने वाले ये प्रथम भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं. सर्वाधिक 111 मैच खेलने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के शोएब मलिक का है.*

MAGAZINE KING

13. बीसीसीआई (BCCI) की 2019-20 की देवधर ट्रॉफी की विजेता नवम्बर 2019 में खेले गए फाइनल में कौनसी टीम रही ?

– इंडिया बी टीम

☛ *घरेलू क्रिकेट की देवधर ट्रॉफी के लिए नवम्बर 2019 में रांची में खेले गए फाइनल मैच में इंडिया 'बी' टीम ने इंडिया 'सी' टीम को पराजित कर विजय प्राप्त की. विजेता टीम के कप्तान पार्थिव पटेल थे. इस प्रतियोगिता में इंडिया-ए बी सी टीमें ही सम्मिलित थीं.*

अन्तर्राष्ट्रीय

1. भारत के 50वें अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI) में किस अभिनेत्री को लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया ?

– इसाबेल ह्यूपर्ट (Isabelle Huppert)

☛ *फ्रांस की सुविख्यात फिल्म अभिनेत्री इसाबेल ह्यूपर्ट को उनके द्वारा फिल्मों में योगदान एवं उपलब्धियों के लिए नवम्बर 2019 में गोवा में आयोजित भारत के अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया. इसाबेल की प्रथम फिल्म 1971 में आई फिल्म ली प्रूसीएन (Le Prussion) थी तथा अब तक 120 से अधिक फिल्मों में अभिनय कर चुकी हैं.*

2. भारत के किस पड़ोसी राष्ट्र में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री पद पर दोनों भाई आसीन हैं ? **– श्रीलंका**

☛ *श्रीलंका में 21 नवम्बर, 2019 को महिंदा राजपक्षे (Mahinda Rajapaksa) को इनके भाई राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे (Gotabaya Rajapaksa) ने प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई. गोटाबाया हाल ही में राष्ट्रपति का चुनाव जीते हैं.*

3. इंदिरा गांधी प्राइज फॉर पीस, डिसआर्मामेंट एण्ड डेवलपमेंट-2019 किसे देने की घोषणा नवम्बर 2019 में की गई है ?

– डेविड एटनबरो (David Attenborough)

☛ *ब्रिटिश ब्राड कास्टिंग कॉर्पोरेशन (BBC) के लिए उद्घोषक, वृत्तचित्र निर्माण, प्रोग्रामर आदि महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करने वाले लेखक पत्रकार डेविड एटनबरो का शांति, निशस्त्रीकरण एवं विकास के लिए इंदिरा गांधी अवार्ड-2019 के लिए चयन किया गया है.*

4. किस भारतीय महिला मुक्केबाज को इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (AIBA) में एशिया का प्रतिनिधि सदस्य नवम्बर 2019 में निर्विरोध निर्वाचित किया गया ? **– लैशराम सरिता देवी**

☛ *मणिपुर की लैशराम सरिता देवी (Laishram Sarita Devi) इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन के एथलीट आयोग की सदस्य एशिया ब्लॉक से निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं. इस आयोग में एक-एक पुरुष तथा एक-एक महिला मुक्केबाज प्रत्येक पाँच क्षेत्रीय संगठनों से निर्वाचित होते हैं.*

5. आस्ट्रेलिया की किस महिला टेनिस खिलाड़ी ने 2019 डब्लूटीए (WTA) फाइनल्स में एकल खिताब जीता ?

– एश्ले बार्टी (Ashleigh Barty)

☛ *आस्ट्रेलिया की एश्ले बार्टी चीन में शेंजेन में नवम्बर 2019 में आयोजित डब्लूटीए (WTA : Women's Tennis Association) फाइनल्स 2019 में विजेता रहीं. युगल खिताब हंगरी की टीमिया बाबोस तथा फ्रांस की क्रिस्टीना ग्लाडिनोविक ने जीता.*

6. चीन के अल्पसंख्यक समुदाय उइघुर (Uyghur) के अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे किस अर्थशास्त्री को 2019 का सखारोव प्राइज प्रदान किया जाएगा ? – **इल्हाम तोहती (Ilham Tohti)**

☛ *यूरोपियन पार्लियामेंट द्वारा मानवाधिकारों एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए कार्य करने वालों को 1988 से दिए जाने वाला सखारोव (Sakharov) प्राइज 2019 चीनी उइघुर नेता इल्हाम तोहती, जो जेल में बंद हैं, को 18 दिसम्बर, 2019 को फ्रांस में दिया जाएगा.*

7. ब्रिक्स (BRICS) राष्ट्रों का ग्यारहवाँ शिखर सम्मेलन 13-14 नवम्बर, 2019 में कहाँ आयोजित किया गया ? – **ब्रासीलिया (Brasilia)**

☛ *ब्राजील, रूस, इंडिया, चीन, साउथ अफ्रीका के संगठन (BRICS) का वार्षिक ग्यारहवाँ सम्मेलन ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में नवम्बर 2019 में सम्पन्न हुआ. सम्मेलन का थीम था–"ब्रिक्स : इकॉनोमिक ग्रोथ फॉर एन इन्नोवेटिव फ्यूचर". 10वाँ सम्मेलन 2018 में जोहान्सबर्ग (दक्षिण-अफ्रीका) में हुआ तथा 12वाँ सम्मेलन 2020 में सेंट पीटर्सबर्ग (रूस) में प्रस्तावित है.*

8. अफ्रीकी देश मॉरिशस में किस नेता ने पुनः प्रधानमंत्री पद 12 नवम्बर, 2019 को सँभाला है ? – **प्रविंद जगन्नाथ (Pravind Jugnauth)**

☛ *भारतीय मूल के पूर्व प्रधानमंत्री अनिरुद्ध जगन्नाथ के पुत्र प्रविंद जगन्नाथ 2017 में पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तथा 2019 के आम चुनाव में उनकी पार्टी मिलिटेंट सोशलिस्ट मूवमेंट (MSM) को संसद में सर्वाधिक सीट प्राप्त होने के कारण पुनः प्रधानमंत्री बने हैं. 2017 में प्रविंद जगन्नाथ को भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रवासी भारतीय सम्मान प्रदान किया गया था.*

9. किस राष्ट्र ने 16 वर्ष बाद टेनिस का फेड कप (Fed cup) नवम्बर 2019 में जीता ? – **फ्रांस (France)**

☛ *आस्ट्रेलिया में आयोजित महिला टेनिस की प्रीमियर अन्तर्राष्ट्रीय टीम प्रतियोगिता फेड कप-2019 फ्रांस की टीम ने जीता. फ्रांस ने यह प्रतियोगिता इससे पूर्व 1997 एवं 2003 में जीती थी. अमरीका की टीम ने यह प्रतियोगिता सर्वाधिक 18 बार जीती है.*

10. पुरुषों की टेनिस प्रतियोगिता एटीपी (ATP) फाइनल्स-2019 का एकल खिताब किस खिलाड़ी ने नवम्बर 2019 में जीता ?

– **स्टीफेनोस त्सित्सीपास (Stefanos Tsitsipas)**

☛ *लंदन (U.K.) में नवम्बर 2019 में आयोजित एटीपी (ATP) फाइनल्स में ग्रीस के स्टीफेनोस त्सित्सीपास ने ऑस्ट्रिया के डॉमनिक थीम को हराकर एकल खिताब जीता.*

11. नवम्बर 2019 में ब्राजीलियन और अमरीकन ग्राण्ड प्रिक्स फॉर्मूला-1 रेस में क्रमशः कौन विजेता रहे ?

– **एम. वर्सताप्पेन और वी. बोट्टास**

☛ *ब्राजीलियन रेस में बेल्जियन-डच ड्राइवर रेडबुल के एम. वर्सताप्पेन (M. Versatappen) विजेता रहे तथा मर्सिडीज के वी. बोट्टास (V. Bottas) अमरीकन ग्राण्ड प्रिक्स के विजेता रहे.*

12. चीन द्वारा शासित किस विशेष प्रशासनिक क्षेत्र में लोकतंत्र समर्थक आन्दोलन चल रहा है ? – **हाँग काँग (Hong Kong)**

☛ *विश्व के सबसे घने बसे स्थानों में से एक हाँग काँग, जो ब्रिटिश उपनिवेश रहा तथा 1997 में एक समझौते के तहत् वापस चीन को मिला. साम्यवादी चीन ने एक राष्ट्र दो व्यवस्था के तहत् इसकी प्रशासनिक एवं आर्थिक व्यवस्था को पृथक् रखा, लेकिन धीरे-धीरे व्यवस्था में चीन परिवर्तन कर रहा है, जिसके विरुद्ध वहाँ के निवासी लोकतंत्र समर्थक आन्दोलन चला रहे हैं.* ●●●

MAGZINE KING

तथ्य एक दृष्टि में :

महत्वपूर्ण एक्ट व कानून

	कानून/एक्ट	गवर्नर जनरल/वायसराय	मुख्य प्रावधान
1.	रेग्यूलेटिंग एक्ट 1773	वारेन हेस्टिंग्स	भारत पर ब्रिटिश शासन का सीमित नियंत्रण
2.	पिट्स इण्डिया एक्ट 1784	वारेन हेस्टिंग्स	बोर्ड ऑफ कन्ट्रोल की स्थापना
3.	चार्टर एक्ट 1813	लॉर्ड मिंटो	कम्पनी का व्यापारिक एकाधिकार समाप्त
4.	सती प्रथा निषेध कानून 1829	विलियम बैंटिक	सती प्रथा पर प्रतिबन्ध
5.	चार्टर एक्ट 1833	विलियम बैंटिक	बंगाल का गवर्नर जनरल भारत का गवर्नर जनरल बना
6.	चार्टर एक्ट 1853	लॉर्ड डलहौजी	कम्पनी मात्र न्यास के रूप में भारत की नियंत्रण
7.	हिन्दू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 1856	लॉर्ड डलहौजी	विधवा विवाह की मान्यता
8.	भारतीय परिषद् अधिनियम 1861	लॉर्ड कैनिंग	कौंसिल में भारतीयों को प्रवेश
9.	सम्मति आयु अधिनियम 1891	लेंसडॉउन	बाल विवाह (12 वर्ष से कम आयु में विवाह पर प्रतिबंध)
10.	भारतीय परिषद् अधिनियम 1892	लेंसडॉउन	निर्वाचन पद्धति की शुरूआत
11.	मिंटो-मार्ले अधिनियम 1909	लॉर्ड मिंटो	पृथक् निर्वाचन क्षेत्रों की व्यवस्था
12.	मॉंटेग्यू चेम्सफोर्ड अधिनियम 1919	लॉर्ड चेम्सफोर्ड	प्रांतों में द्वैध शासन
13.	साइमन कमीशन 1927	लॉर्ड इरविन	संविधान निर्माण योजना
14.	शारदा कानून 1930	लॉर्ड इरविन	विवाह आयु 18 वर्ष व 14 वर्ष हुई
15.	भारत सरकार अधिनियम 1935	लॉर्ड वेलिंगटन	प्रांतीय स्वायत्तता
16.	अगस्त घोषणा प्रस्ताव 1940	लिनलिथगो	प्रादेशिक स्वशासन
17.	क्रिप्स मिशन प्रस्ताव 1942	लिनलिथगो	संविधान सभा की योजना
18.	वेवेल योजना 1945	लॉर्ड वेवेल	सभी दलों को मिलाकर कौंसिल निर्माण
19.	कैबिनेट मिशन योजना 1946	लॉर्ड वेवेल	संघ निर्माण व प्रांतों की स्वायत्तता
20.	माउंटबेटन योजना 1947	लॉर्ड माउंटबेटन	भारत विभाजन

वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएँ

कला एवं संस्कृति

नागर शैली

चर्चा में क्यों ?

अयोध्या पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद राम मंदिर के डिजाइन को लेकर यही चर्चा है कि अयोध्या में राम मंदिर प्रसिद्ध नागर शैली के आधार पर बनेगा.

प्रमुख तथ्य

- अयोध्या में राम मंदिर का डिजाइन तैयार करने वाले शिल्पकार **चंद्रकांत सोमपुरा** ने बताया कि अयोध्या में राम मंदिर प्रसिद्ध नागर शैली के आधार पर बनेगा. राम मंदिर के लिए डिजाइन 1989 में ही तैयार किया गया था.
- नागर शैली उत्तर भारतीय हिन्दू स्थापत्य कला की एक शैली है. वास्तु-शास्त्र के अनुसार नागर शैली के मंदिरों की पहचान **आधार से लेकर सर्वोच्च अंश तक इसका चतुष्कोण** होना है.
- नागर शैली की दो बड़ी विशेषताएं हैं इसकी **विशिष्ट योजना** और **विमान**. इसकी **मुख्य भूमि आयताकार** होती है जिसमें मध्य से दोनों ओर **क्रमिक विमान** होते हैं जिनके चलते इसका **पूर्ण आकार तिकोना** हो जाता है.
- मंदिर के सबसे ऊपर शिखर होता है, जिसे **रेखा शिखर** भी कहते हैं. मंदिर में दो भवन भी होते हैं, **एक गर्भगृह** और **दूसरा मंडप**. गर्भगृह ऊँचा होता है और मंडप छोटा होता है. गर्भगृह के ऊपर एक **घंटाकार संरचना** होती है जिससे मंदिर की ऊँचाई बढ़ जाती है.
- नागर शैली के मंदिरों में चार कक्ष होते हैं, **गर्भगृह, जगमोहन, नाट्यमंदिर** और **भोगमंदिर**.
- प्रारम्भिक नागर शैली के मंदिरों में स्तम्भ नहीं होते थे, लेकिन धीरे-धीरे इसमें बदलाव भी हुआ है. बनावट में भी बदलाव देखने को मिले. स्थानीय विविधताओं का भी मिश्रण देखने को मिला.
- खास बात यह है कि इन मंदिरों में लोहे और सीमेंट का इस्तेमाल नहीं होता है.
- भुवनेश्वर में स्थित **लिंगराज मंदिर नागर शैली का एक उत्कृष्ट उदाहरण** है. इसके अलावा **खजुराहो के मंदिर भी इसी शैली में बनाए गए हैं. ओडिशा का** विश्वप्रसिद्ध **कोणार्क मंदिर भी नागर शैली में** ही बना हुआ है.

डेरा बाबा नानक एवं करतारपुर कॉरिडोर

पाकिस्तान और भारत के बीच एक समझौते के तहत् ही इस करतारपुर कॉरिडोर का निर्माण किया गया है. करतारपुर कॉरि-डोर के जरिए पाकिस्तान के कस्बे करतारपुर को पंजाब के गुरुदासपुर जिले में स्थित डेरा बाबा नानक के साथ जोड़ा गया है.

चर्चा में क्यों ?

17 नवम्बर, 2019 को श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व पर पाकिस्तान स्थित करतारपुर साहिब के दर्शन करने के लिए बना करतारपुर कॉरिडोर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनता को समर्पित किया. भारत ने जीरो प्वाइंट, इंटरनेशनल बाउंड्री, डेरा बाबा नानक पर करतारपुर साहिब कॉरिडोर के संचालन के तौर-तरीकों पर 24 अक्टूबर, 2019 को पाकिस्तान के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए थे.

प्रमुख तथ्य

- श्री गुरु नानक देव जी की याद में बनाया गया **डेरा बाबा नानक** भारत में **रावी नदी** के किनारे स्थित है.
- यह भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से लगभग एक किलोमीटर दूर है. यह **पंजाब के गुरदासपुर जिले में** आता है.
- माना जाता है कि **बाबा नानक यहाँ 12 साल तक रहे.** मक्का जाने पर उनको दिए गए कपड़े यहाँ संरक्षित हैं.
- गुरु नानक देव जी ने **1506 में अपनी पहली उदासी (धार्मिक यात्रा)** के बाद इस जगह को ध्यान लगाने के लिए चुना था. जहाँ वह ध्यान लगाने बैठे थे, वहाँ एक कुआँ था जिसे **अजीता रंधावा दा खू (कुआँ)** के नाम से जाना जाता था.
- भारत से लगी सीमा से करीब चार किलोमीटर दूर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में **रावी नदी के किनारे** स्थित **श्री करतारपुर साहिब गुरुद्वारा** सिखों का पवित्र तीर्थस्थल है. यह लाहौर से 120 किमी दूर स्थित है.
- गुरु नानक जी के **माता-पिता का देहांत** भी यहीं पर हुआ था. यहाँ **बाबा**

Read Upkar's
LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH
(English-Hindi Medium)

₹ 280·00
CORRECT ENGLISH: HOW TO WRITE IT
(English Medium)
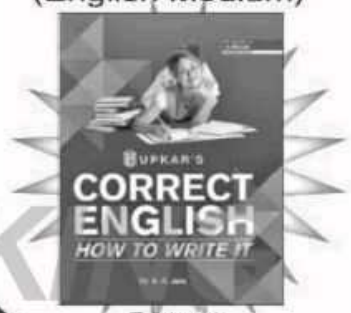

₹ 240·00
LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH
(English-Bangla)

₹ 275·00
By : Dr. B.B. Jain
As the Latest and All Comprehensive Books for All Competitive Examinations.
Purchase from nearest bookseller or get the copy by V.P.P. sending M. O. of ₹ 100/- on the following address
UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2

MAGBOOK.IN

नानक ने अपनी जिंदगी का अंतिम समय बिताया था. यहाँ उन्होंने **17 वर्ष 5 माह 9 दिन अपने हाथों से खेती तक की**.

- **श्री गुरुनानक देव जी** ने ही **करतारपुर साहिब की स्थापना** की थी.
- सिख इतिहास के अनुसार, श्री गुरु नानक देव जी **1522 में अपनी** सभी उदासियों (धार्मिक यात्राओं) के बाद करतारपुर साहिब आकर रहने लगे थे.
- इसी पवित्र स्थान पर श्री गुरु नानक देव जी ने **22 सितम्बर, 1539 को आखिरी सांस ली थी.** इससे पहले उन्होंने इसी स्थान पर दूसरे **गुरु अंगद देव साहिब को गद्दी सौंपी** थी.
- इसी स्थान से उन्होंने **समूची मानवता को काम करने** तथा **बाँट कर खाने जैसे उपदेश दिए** थे.
- करतारपुर साहिब का स्थल बँटवारे के बाद कई वर्षों तक उजाड़ रहा, मगर उस दौर में भी बाबा नानक के कुछ मुसलमान भक्त वक्त-वक्त पर यहाँ दर्शन के लिए आते रहे.
- करतारपुर गुरुद्वारा में **बाबा नानक की समाधि और कब्र आज भी मौजूद** है. कब्र बाहर आँगन में है और समाधि इमारत के अंदर.
- पुरानी इमारत, जिसे गुरु नानक देव जी ने बनवाया था वह बाढ में बर्बाद हो गई थी.
- **1920-1929** तक **महाराजा पटियाला भूपिंदर सिंह ने गुरुद्वारा फिर से बनवाया,** जिस पर उस समय ₹ 1 लाख 35 हजार 600 का खर्च आया था.
- अभी गुरुद्वारे की, जो इमारत है, वह नई है, जो **2001** में बनाई गई थी. यहाँ बँटवारे के बाद पहली बार लंगर तभी लगा था.

बाल संगम महोत्सव

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) परिसर, दिल्ली में 9 से 12 नवम्बर, 2019 के बीच बाल संगम महोत्सव का 11वाँ संस्करण सम्पन्न हुआ.

प्रमुख तथ्य

- यह महोत्सव बच्चों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न पारम्परिक कला रूपों का एक समूह है.
- इस संस्करण में भारत के **12 राज्यों के बाल कलाकारों द्वारा** लोक और पारम्परिक मंचन कलाओं और लोक रंगमंच का प्रदर्शन किया गया.
- रंगमंच और लोक मंचन कला बच्चों को मुद्दों की खोज और संवेदनशीलता के लिए एक महान् शिक्षण माध्यम है.
- बाल संगम **संस्कार रंग टोली (थिएटर-इन-एजुकेशन कम्पनी) का एक प्रमुख कार्यक्रम** है, जो हर दूसरे वर्ष पारम्परिक कलाओं और मंचन कला की विरासत को सामने लाता है.
- इन कलाओं का प्रदर्शन परम्परागत मंचन कला वाले परिवारों, गुरु परम्पराओं और संस्थानों से सम्बन्धित बच्चों द्वारा किया जाता है.
- **एनएसडी** विश्व में अग्रणी थिएटर प्रशिक्षण संस्थानों में से एक है. यह भारत में अपने किस्म का अकेला संस्थान है.
- एनएसडी की **संस्कार रंग टोली की स्थापना 16 अक्टूबर, 1989 को** हुई थी और इसने अपनी स्थापना के 30 वर्ष पूरे कर लिए हैं.
- संस्कार रंग टोली देश में एकमात्र थिएटर शिक्षा संसाधन केन्द्र हैं और विभिन्न कार्यशालाओं में अब तक लगभग 20 हजार बच्चों के साथ काम कर चुकी है.

पर्यावरण एवं प्रदूषण

स्वच्छ-निर्मल तट अभियान

चर्चा में क्यों ?

देश के समुद्र तटों को स्वच्छ बनाने और जनता में तटीय पारिस्थितिकी तंत्र के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने स्वच्छ-निर्मल तट अभियान के तहत् 11 से 17 नवम्बर, 2019 तक 50 चिह्नित किए गए समुद्र तटों में व्यापक स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान शुरू किया.

प्रमुख तथ्य

- इस अभियान के लिए चिह्नित किए गए समुद्र तट 10 तटीय राज्यों/केन्द्र-शासित प्रदेशों-गुजरात, दमन एवं दीव, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पुदुचेरी, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में हैं.
- इन समुद्र तटों को सम्बन्धित राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के साथ परामर्श के बाद चिह्नित किया गया है.
- सभी समुद्र तटों में चलने वाले इन स्वच्छता अभियानों में ईको-क्लबों के स्कूल/कॉलेज छात्रों, जिला प्रशासन, संस्थानों, स्वयंसेवकों, स्थानीय समुदायों और अन्य हितधारकों को शामिल किया जा रहा है.
- ईको-क्लब के लिए राज्य की नोडल एजेंसियों को इन सभी 10 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों में सप्ताह भर चलने वाले व्यापक स्वच्छता अभियान की सुविधा प्रदान की जाएगी.
- ईको-क्लबों के नोडल शिक्षक पूरे स्वच्छता अभियान के दौरान मौके पर उपस्थित रहेंगे.
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधिकारियों को भी इस अभियान की निगरानी करने के लिए तैनात किया गया है.
- तटों की सफाई की गतिविधियाँ प्रतिदिन दो घण्टे की अवधि के दौरान चलाई जाएंगी.
- इसके लिए तट के न्यूनतम एक किलोमीटर हिस्से की पहचान की जाएगी.
- चिह्नित लगभग 15 समुद्र तटों पर रेत सफाई करने वाली मशीनें भी तैनात की जाएंगी.
- इसके बाद एकत्रित हुए कचरे को **अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2016** के अनुसार संसाधित किया जाएगा.
- मंत्रालय के तत्वावधान में पर्यावरण शिक्षा प्रखंड और एकीकृत तटीय प्रबंधन सोसायटी इन 50 समुद्र तटों पर चलाए जाने वाले अभियान में पूरा तालमेल स्थापित करने के लिए जिम्मेदार होंगे.
- सम्बन्धित राज्य सरकारें और केन्द्रीय मंत्रालय तट स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भागीदारी करेंगे.
- मंत्रालय ने यह भी निर्णय लिया है कि अभियान की समाप्ति पर सर्वश्रेष्ठ तीन समुद्र तटों को उचित रूप से पुरस्कार दिया जाएगा और सभी भाग लेने वाले ईको-क्लबों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा.

2-जी एथेनॉल

चर्चा में क्यों ?

पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की प्रति-बद्धता को आगे बढ़ाते हुए, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 10 नवम्बर, 2019 को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) को पानीपत में नया 2-जी एथेनॉल संयंत्र स्थापित करने के लिए पर्यावरण सम्बन्धी स्वीकृति दे दी है.

प्रमुख तथ्य

- एथेनॉल एक तरह का अल्कोहल है जिसे पेट्रोल में मिलाकर गाड़ियों में फ्यूल की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है. इसका उत्पादन **मुख्य रूप से गन्ने की फसल** से होता है, लेकिन कई अन्य फसलों से भी इसे तैयार किया जा सकता है.

MAGAZINE KING

- जैव पदार्थ से अल्कोहल बनाना कोई नई बात नहीं है, लेकिन अब तक अधिकतर एथेनॉल **गन्ने, मक्के या ऐसे ही किसी खाद्य पदार्थ का इस्तेमाल** करके बनाया जाता रहा है. इसे पहली पीढ़ी का एथेनॉल कहते हैं.
- फसल की कटाई के बाद बचे गैर-खाद्य कृषि कचरे का उपयोग करके जिस एथेनॉल का उत्पादन किया जाता है उसे **दूसरी पीढ़ी का (2-जी) एथेनॉल** कहा जाता है.
- 2-जी एथेनॉल में पूरी तरह सभी कृषि अपशिष्टों (जैसे मक्के के गोले, चावल के भूसे और गेहूँ के भूसे शामिल हैं) का इस्तेमाल किया जाता है, जो सेलूलोज में बदल जाता है, जिससे बाद में एथेनॉल बनाया जाता है.
- आईओसीएल ने हरियाणा के पानीपत जिले के बहोली में अपने प्रस्तावित 100 केएलपीडी लिग्नोसेलुलोसिक 2-जी एथेनॉल प्लांट के लिए पर्यावरण सम्बन्धी स्वीकृति की मंजूरी की माँग की थी.
- उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार ने आयात निर्भरता को कम करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए एथेनॉल के उत्पादन और उपयोग को एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया है. इस उत्पादित एथेनॉल का इस्तेमाल परिवहन ईंधन में मिश्रण के लिए किया जाएगा.
- प्रस्तावित 2-जी एथेनॉल संयंत्र बढ़ते प्रदूषण की समस्या के समाधान के रूप में देखा जा रहा है.

आर्थिक एवं वित्तीय अवधारणाएँ

'स्पेशल विंडो' फंड

चर्चा में क्यों ?

केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने 6 नवम्बर, 2019 को उन अधूरी या अटकी पड़ी आवास परियोजनाओं को पूरा करने हेतु प्राथमिकता के आधार पर ऋण वित्त पोषण उपलब्ध कराने के लिए एक "स्पेशल विंडो' फंड बनाने को मंजूरी दी है.

प्रमुख तथ्य

- सरकार प्रस्तावित फंड के लिए एक प्रायोजक की भूमिका निभाएगी और उसके पास विशेष अधिकार एवं जवाबदेही होगी, जैसा कि सेबी (एआईएफ) नियमन, 2012 में निर्दिष्ट किया गया है. उधर, निवेश प्रबंधक धनराशि जुटाने, निवेश और फंड से जुड़ी टीम के प्रबंधन के लिए उत्तरदायी होगा.
- किफायती और मध्य आय वर्ग आवास क्षेत्र के लिए विशेष विंडो के जरिए सरकार ₹ 10,000 करोड़ की धनराशि प्रदान करेगी. इस फंड में बैंकों, एलआईसी और अन्य के योगदान के माध्यम से ₹ 25,000 करोड़ का फंड बनाया जाएगा.
- विशेष विंडो के अन्तर्गत पहले एआईएफ के लिए एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड को निवेश प्रबंधक नियुक्त किया गया है.
- विशेष विंडो के अन्तर्गत गठित किए गए/कोष उपलब्ध कराए गए एआईएफ सरकार और अन्य निजी निवेशकों से निवेश आकर्षित करेंगे. इनमें वित्तीय संस्थाएँ, सोवेरन वेल्थ फंड, सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के बैंक, घरेलू पेंशन और भविष्य निधि, वैश्विक पेंशन कोष और अन्य संस्थागत निवेशक शामिल हैं.
- इस विशेष विंडो का फोकस उन परियोजनाओं पर है, जो विनिर्माण फंडिंग के अभाव में रुकी हुई हैं. यह फंड उन परियोजनाओं पर भी ध्यान देगा, जो एनपीए हो गई है या एनसीएलटी कार्रवाई के अंतर्गत हैं, विशेषकर ऐसी परियोजनाएँ जहाँ धनराशि उपलब्ध कराने पर निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किया जा सकता है.
- क्योंकि रियल एस्टेट उद्योग आंतरिक रूप में अनेक अन्य उद्योगों के साथ जुड़ा हुआ है, इसलिए इस क्षेत्र के विकास से भारतीय अर्थव्यवस्था के अन्य प्रमुख क्षेत्रों में व्याप्त तनाव को दूर करने के बारे में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा.

आरसीईपी समझौता

चर्चा में क्यों ?

भारत ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) का हिस्सा बनने से 4 नवम्बर, 2019 को इनकार कर दिया. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई मुद्दों का सही समाधान नहीं दिखने पर इस समझौते से बाहर रहना ही बेहतर समझा. केन्द्र सरकार के फैसले का भारत के सभी विपक्षी नेताओं ने स्वागत किया, जो इस सौदे पर हस्ताक्षर करने के खिलाफ थे.

प्रमुख तथ्य

- आरसीईपी (क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी) एक व्यापार समझौता है. यह सदस्य देशों को एक-दूसरे के साथ व्यापार करने की सहूलियत प्रदान करता है.
- समझौते के अनुसार सदस्य देशों को आयात और निर्यात पर लगने वाला टैक्स (कर) या तो बिल्कुल नहीं भरना

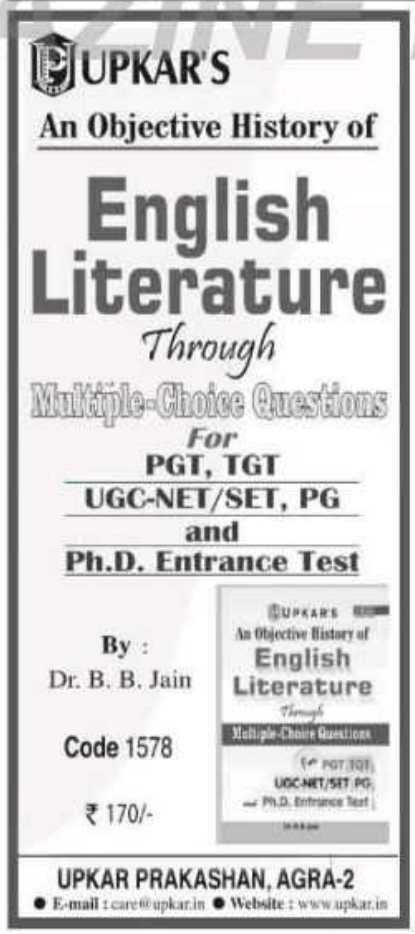

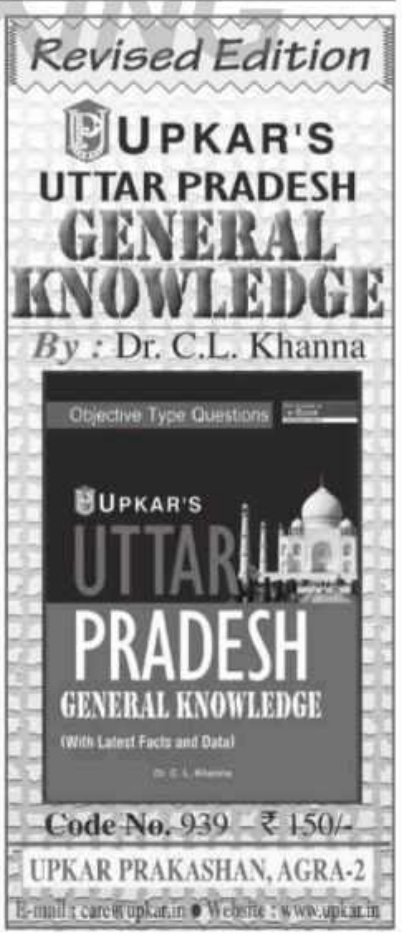

MAGAZINE KING

पड़ता है या बहुत ही कम भरना पड़ता है.

- आरसीईपी समझौते पर दस आसियान देशों के अतिरिक्त भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैण्ड को हस्ताक्षर करने थे. इस समझौते का उद्देश्य 16 देशों के बीच विश्व में सबसे बड़ा मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाना है.
- भारत में आरसीईपी को लेकर बहुत लम्बे समय से चिंता जताई जा रही थी. किसान और व्यापारी संगठन इसका यह कहते हुए विरोध कर रहे थे कि यदि भारत इसमें शामिल हुआ तो पहले से परेशान किसान और छोटे व्यापारी तबाह हो जाएंगे.
- भारत के क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) समझौते से बाहर होने के फैसले से देश के किसानों, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) तथा डेयरी क्षेत्र को बड़ी राहत मिलेगी.

अनुबंध कृषि

चर्चा में क्यों ?

30 अक्टूबर, 2019 को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने तमिलनाडु कृषि उपज और पशुधन संविदा खेती और सेवा (संवर्धन और सुविधा) अधिनियम को मंजूरी प्रदान की. इस मंजूरी के साथ ही तमिलनाडु अनुबंध कृषि पर कानून बनाने वाला देश का पहला राज्य बन गया.

अनुबन्ध खेती किसानों एवं कृषि विपणन कम्पनियों के बीच पूर्व निर्धारित दरों पर कृषि तथा बागवानी उपजों के लेन-देन का समझौता है. यह कम्पनियों, किसानों एवं सरकार के बीच का समझौता भी हो सकता है. अनुबन्ध खेती के तहत् किसानों को एक निश्चित मूल्य पर निश्चित समयावधि निश्चित मात्रा तथा निश्चित गुणवत्ता वाले विशिष्ट उत्पाद के उत्पादन और आपूर्ति के लिए नियुक्त किया जाता है. कम्पनी किसानों को बीज, उर्वरक, कृषि प्रौद्योगिकी, ऋण तथा कृषि उपकरण भी प्रदान करती है.

प्रमुख तथ्य

- भारत में पेप्सी फूड्स, मार्क्स स्पेंसर, केल्लॉग, गॉडफ्रे, कैडबरी इण्डिया, आईटीसी, कारगिल, रैलीस आदि राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ अनुबन्ध खेती में संलग्न हैं. इसके साथ कई अन्य कम्पनियाँ भी इस क्षेत्र में हैं. जैसे बल्लारपुर इण्डस्ट्रीज, ग्रीन एग्रो पैक, ग्लोबल ग्रीन, यूनाइटेड ब्रेवरीज आदि कई भारतीय कम्पनियों ने विदेशी कम्पनियों के साथ मिलकर संयुक्त उद्यम के रूप में अनुबंध खेती के रूप में प्रवेश किया है.
- भारत में अनुबंध खेती की शुरूआत 1980 के दशक में की गई थी.
- पंजाब में बीज की नवीन किस्मों, गहरी जुताई, नवीन तकनीकी तथा शॉवेल तकनीक जैसे बुआई के नए तरीकों का समावेश किया गया.
- इसी प्रकार आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में सूरजमुखी, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में फलों एवं सब्जियों का उत्पादन किया जा रहा है.
- इनमें अनुबंध खेती के अन्तर्गत किसानों की औसत उपज राज्य के औसत उत्पादन से 25 से 50 प्रतिशत तक अधिक है, जबकि अन्य किसानों के मुकाबले अनुबन्धित किसानों की प्रति हेक्टेयर आय 40 प्रतिशत से अधिक है.
- यह अनुबन्धित कम्पनियाँ बीजों की नई किस्मों, गहरी जुताई, नवीन तकनीक, बुआई के नए तरीकों का भी समावेश कर रही हैं.
- कृषिगत बीजों के उत्पादन एवं आपूर्ति के व्यवसाय में 150 से भी अधिक कम्पनियाँ अपना व्यवसाय अनुबन्धित कम्पनियों पर आधारित कर चला रही हैं.
- गेहूँ उत्पादन के लिए हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड ने मध्य प्रदेश सरकार के साथ एक संयुक्त पहल की. जिसमें 250 एकड़ भूमि में शुरू हुई परियोजना 15,000 एकड़ भूमि में फैल गई है.
- रैलीस किसान केन्द्रों ने फल, सब्जियों और बासमती चावल से सम्बन्धित अनुबंध खेती की पायलट परियोजना होशंगाबाद (मध्य प्रदेश), बेंगलूरू (कर्नाटक), नासिक (महाराष्ट्र) तथा पानीपत (हरियाणा) में स्थापित की है.
- आईटीसी के ई-चौपाल (सूचना तकनीकी पर आधारित एक हस्तक्षेप) ने किसानों एवं उपभोक्ताओं के बीच मध्यस्थों का उन्मूलन करके कृषि विपणन का एक सीधा चैनल विकसित किया है.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अवधारणाएँ

अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आई-आईएसएफ-2019)

चर्चा में क्यों ?

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और दूसरे विभागों द्वारा संयुक्त रूप से चार दिन का वार्षिक विज्ञान महोत्सव कोलकाता में 5-8 नवम्बर तक आयोजित किया गया.

प्रमुख तथ्य

- अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आई-आईएसएफ-2019) का आयोजन भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और विभागों तथा विज्ञान भारती (विभा) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया.
- विज्ञान महोत्सव की प्रमुख गतिविधियाँ मुख्य रूप से कोलकाता के **विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर और सांइस सिटी में आयोजित** किया गया.
- आईआईएसएफ-2019 भारत और दुनिया के दूसरे देशों के विद्यार्थियों, नवाचारी, शिल्पकारों, किसानों, वैज्ञानिकों तथा तकनीकविदों का समागम है. इसी को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2019 के महोत्सव का मुख्य विषय **'राइजेन इंडिया'** (राष्ट्र को सशक्त बनाता अनुसंधान, नवाचार और विज्ञान) रखा गया.
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियों का उत्सव मनाने के उद्देश्य से देशभर के विद्यार्थियों, अनुसंधानकर्ताओं, नवाचारियों, शिल्पकारों और आम लोगों को एक साथ लाने का सम्भवत: सबसे बड़ा मंच 'आईआईएसएफ' है.
- विज्ञान महोत्सव का एक मुख्य आकर्षण **छात्र विज्ञान गाँव (स्टूडेंट साइंस विलेज)** है, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों के करीब 2500 स्कूली बच्चों को आमंत्रित किया गया था.
- विज्ञान महोत्सव का दूसरा सबसे बड़ा कार्यक्रम **युवा वैज्ञानिक सम्मेलन** था, जिसमें करीब 1500 युवा वैज्ञानिक और शोधकर्ता शामिल हुए.
- **'विज्ञानिका'** नामक विज्ञान साहित्य समारोह इस वर्ष के आईआईएसएफ का एक अन्य आकर्षण था.
- इसका उद्देश्य **समावेशी उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए नीति निर्धारित करना** था.
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की स्वायत्त संस्था विज्ञान प्रसार आईआई-एसएफ-2019 का समन्वय करने वाली नोडल एजेंसी है.
- **विज्ञान प्रसार,** विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का एक स्वायत्त संस्थान है. इसे बड़े पैमाने पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी का लोकप्रियकरण करने हेतु वर्ष 1989 में स्थापित किया गया था.

MAGAZINE KING

- विज्ञान प्रसार का उद्देश्य समाज में वैज्ञानिक और तर्कसंगत दृष्टिकोण को यथासम्भव व्यापक रूप से बढ़ावा देना और प्रचार-प्रसार करना है. विज्ञान लोकप्रियकरण से जुड़े कार्यक्रमों को बढ़ावा देना, समन्वय करना तथा लोगों में वैज्ञानिक स्वभाव को विकसित करना इसका मुख्य उद्देश्य है.
- **विज्ञान भारती (विभा)**, जिसे पहले 'स्वदेशी विज्ञान आंदोलन' के रूप में जाना जाता था. यह एक गैर-लाभकारी संगठन है. यह भारत में आधुनिक प्रौद्योगिकी और प्राचीन विज्ञान के लोकप्रियकरण तथा कार्यान्वयन का कार्य करता है. इसकी स्थापना भारतीय विज्ञान संस्थान के प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा की गई थी, जिसका नेतृत्व प्रोफेसर के. आई. वासु ने किया था.

अब तक आयोजित आईआईएसएफ

- *आईआईएसएफ 2015-आईआईटी-दिल्ली, नई दिल्ली-नोडल एजेंसी-डीएसटी*
- *आईआईएसएफ 2016-सीएसआईआर-एनपीएल, नई दिल्ली-नोडल एजेंसी-सीएसआईआर*
- *आईआईएसएफ 2017-आईआईटी-चेन्नई, अन्ना विश्वविद्यालय और एनआईओटी, चेन्नई-नोडल नोडल एजेंसी-एमओईएस*
- *आईआईएसएफ 2018-इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ-नोडल एजेंसी-डीबीटी*
- *आईआईएसएफ 2019-बीबीसीसी एवं साइंस सिटी, कोलकाता-नोडल एजेंसी-डीएसटी*

'आइसडैश' और 'अतिथि'

चर्चा में क्यों ?

वित्त मंत्री ने 4 नवम्बर, 2019 को आयातित वस्तुओं की त्वरित कस्टम मंजूरी एवं बेहतर निगरानी और अन्तर्राष्ट्रीय यात्रियों के आगमन को सुविधाजनक बनाने के लिए दो नई आईटी पहलों 'आइसडैश' और 'अतिथि' का शुभारम्भ किया.

प्रमुख तथ्य

- आइसडैश भारत के सीमा शुल्क विभाग का एक ऐसा डैश बोर्ड है, जो कारोबार में सुगमता (ईओडीबी) की निगरानी करता है. इससे आम जनता को विभिन्न बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर आयात कार्गो के दैनिक कस्टम क्लीयरेंस समय को देखने में मदद मिल रही है.
- 'आइसडैश' की बदौलत भारत के सीमा शुल्क विभाग ने एक ऐसे कारगर साधन (टूल) को मुहैया कराने में वैश्विक स्तर पर बढ़त हासिल कर ली है, जिससे कारोबारियों को विभिन्न बंदरगाहों पर कस्टम क्लीयरेंस में लगने वाले समय की तुलना करने और फिर उसके अनुसार अपनी लॉजिस्टिक्स की योजना बनाने में मदद मिलती है.
- इस डैश बोर्ड को केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने एनआईसी के सहयोग से विकसित किया है. सीबीआईसी की वेबसाइट के जरिए आइसडैश पर विजिट किया जा सकता है.
- 'अतिथि' की बदौलत सीबीआईसी ने कस्टम सम्बन्धी घोषणा अग्रिम रूप से दाखिल करने के लिए मोबाइल एप को उपयोग में लाना अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए आसान कर दिया है.
- यात्री भारत के लिए जहाज पर सवार होने से पहले ही भारत के सीमा शुल्क विभाग में शुल्क अदायगी वाली वस्तुओं और मुद्रा के बारे में अपनी घोषणा दाखिल करने के लिए इस एप का उपयोग कर सकते हैं.
- 'अतिथि' एप से हवाई अड्डों पर बाधा रहित एवं त्वरित कस्टम मंजूरी सम्भव हो पाएगी और देश के हवाई अड्डों पर आने वाले अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों एवं अन्य आगंतुकों को बेहतर अनुभव होगा.
- 'अतिथि' एप आईओएस और एंड्रायड दोनों पर ही उपलब्ध है.
- सीबीआईसी द्वारा लागू किए गए आईटी एवं अन्य सुधारों की बदौलत 'सीमा पार व्यापार में भारत की वैश्विक रैंकिंग' में उल्लेखनीय सुधार भी विशेष मायने रखता है. विशेषकर आइसडैश तथा अतिथि दोनों ही इस दिशा में और ज्यादा बेहतरी सुनिश्चित करने में काफी मददगार साबित होंगे, क्योंकि वे कस्टम के कामकाज में इंटरफेस में कमी लाने के साथ-साथ पारदर्शिता को बढ़ा देंगे.

●●●

नवीन संशोधित संस्करण

उपकार

छत्तीसगढ़ वृहद् संदर्भ

(नवीन आँकड़ों एवं तथ्यों सहित)

लेखकद्वय : संजय त्रिपाठी एवं श्रीमती चंदन त्रिपाठी

कोड नं. : 1437 मूल्य : ₹ 370/-

पुस्तक की विशेषताएँ

पुस्तक का प्रथम खण्ड 'छत्तीसगढ़ : विविध अध्ययन' सामान्य विषयों का है जिसमें छत्तीसगढ़ के भूगोल, जलवायु, कृषि, खनिज, वन, उद्योग, जल संसाधन, अर्थव्यवस्था एवं अन्य विविध विषयों पर प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध कराई गई है.

पुस्तक का द्वितीय खण्ड 'छत्तीसगढ़ का इतिहास, कला एवं स्थापत्य' का है जिसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास के प्रत्येक काल का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है.

पुस्तक का तृतीय खण्ड 'छत्तीसगढ़ की संस्कृति' का है जिसमें छत्तीसगढ़ी संस्कृति से सम्बन्धित प्रदेश की संस्कृतिगत विशिष्टताओं से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों का उल्लेख किया गया है.

छत्तीसगढ़ राज्य से सम्बन्धित प्रामाणिक जानकारी अब एक ही पुस्तक में उपलब्ध

उपकार प्रकाशन, आगरा-2
● E-mail : care@upkar.in
● Website : www.upkar.in

MAGAZINE KING

ऐतिहासिक स्थल एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व

भारत के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल

एलोरा की गुफाएँ–एलोरा की गुफाएँ भारत के **शैल कृत्य स्थापत्य (Rock-cut-Architecture)** का अद्भुत नमूना हैं. ये गुफाएँ महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर के उत्तर-पश्चिम में 29 किमी की दूरी पर हैं.

एलोरा की कुछ प्रमुख गुफाएँ

- गुफा संख्या **10**—बौद्ध चैत्य गुफा विश्वकर्मा.
- गुफा संख्या **14**—रावण की खाई.
- गुफा संख्या **15**—दशावतार मंदिर
- गुफा संख्या **16**—कैलाश मंदिर

प्रमुख तथ्य

- ये गुफाएँ लगभग **छठी-सातवीं शताब्दी से ग्यारहवीं-बारहवीं शताब्दी ईस्वी तक** की हैं. कुल मिलाकर पहाड़ी क्षेत्र में लगभग **100 गुफाएँ** हैं जिनमें से **34 गुफाएँ सुप्रसिद्ध** हैं.
- इन गुफाओं में से **1 से 12 गुफाएँ बौद्ध धर्म** से **13 से 29 गुफाएँ ब्राह्मणीय शैली** से जुड़ी हैं तथा **30 से 34 गुफाएँ जैन धर्म से** सम्बन्धित हैं.
- **गुफा संख्या 5** का **निर्माण स्वतन्त्र रूप से** हुआ है.
- कला की दृष्टि से सर्वाधिक श्रेष्ठ गुफा **संख्या 12** है, जोकि **तीन थाल** के नाम से प्रसिद्ध है.
- यहाँ की सभी जैन गुफाएँ (30 से 34) दिगम्बर सम्प्रदाय से जुड़ी हैं.
- ये गुफाएँ **कथानक** और **वास्तुशास्त्रीय पद्धतियों के दृष्टिकोण से स्वाभाविक विविधता** प्रदर्शित करती हैं.
- स्थानीय स्तर पर एलोरा की गुफाओं को **'वेरूल लेणी'** के नाम से जाना जाता है.
- ये गुफाएँ महाराष्ट्र की **ज्वालामुखीय बेसाल्टी संरचनाओं** से काट कर बनाई गई हैं. जिन पहाड़ियों को काट कर गुफाएँ बनाई गई हैं, वे **दक्कन की सह्यादि पर्वतमाला का हिस्सा** हैं.
- यह सम्पूर्ण **विश्व की सबसे बड़ी चट्टानों को काट कर** बनाए गए मठ-मंदिर परिसरों में से एक है.
- एलोरा, **विश्व में सबसे बड़े एकल एकाश्म उत्खनन** (Largest Single Monolithic Excavation) विशाल कैलाश (गुफा 16) के लिए विख्यात है.
- इन धार्मिक संस्थापनाओं को विभिन्न राजवंशों (**कलचुरी, चालुक्य और राष्ट्रकूट**) से राजकीय संरक्षण मिला होगा. हालांकि इनमें से अधिकांश के शिलालेखीय साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं.
- केवल एक निश्चित शिलालेखीय साक्ष्य मिला है, जो **गुफा 15** के अग्रमंडप की पिछली दीवार पर **राष्ट्रकूट दन्तिदुर्ग (लगभग 753-57 ई.)** का है. **विशाल कैलाश (गुफा-16)** का श्रेय **कृष्णा-I (लगभग 757-83 ई.)** को जाता है, जो दन्तिदुर्ग का उत्तराधिकारी था.
- यह सर्वविदित है कि राष्ट्रकूटों के यहाँ पहुँचने से पूर्व उत्खनन आरम्भ हो गया था तथा गुफा संख्या 1 से 10 तथा गुफा 21 (रामेश्वर) उनके पदार्पण से पूर्व निश्चित रूप से तैयार हो चुकी थी.
- इन उत्खननों का श्रेय **महिष्मती के कलचुरियों** को तथा **बादामी के चालुक्यों** को जाता है, जिन्होंने अपने जागीरदारों राष्ट्रकूटों के शासन सँभालने से पूर्व संक्षिप्त अवधि के लिए इस क्षेत्र पर राज किया.
- एलोरा गुफाओं की विशेषता यह है कि **व्यापार मार्ग के अत्यन्त निकट** होने के कारण इनकी कभी उपेक्षा नहीं हुई.
- 10वीं सदी ईसवी के अरब भूगोलवेत्ता, **अल-मसूदी को सर्वप्रथम आगन्तुक** माना जाता है.
- वर्ष 1983 में यूनेस्को ने **एलोरा की गुफाओं** को 'विश्व विरासत स्थल' घोषित किया है.

कंदरिया महादेव मंदिर

शिव की स्तुति में बनाए गए कंदरिया महादेव मंदिर का निर्माण **चंदेल राजवंश के राजा धंगदेव द्वारा 999 में** किया गया था.

प्रमुख तथ्य

- कंदरिया महादेव मंदिर खजुराहो के **पश्चिमी समूह के मंदिरों में सबसे बड़ा** मंदिर है. **सप्तरथ शैली में बना** यह मंदिर तत्कालीन स्थापत्य कला का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है.
- कंदरिया महादेव मंदिर **107 फुट ऊँचा है. मकर तोरण इसकी विशेषता है.**
- इसकी **बाह्य दीवारों पर 646 मूर्तियाँ हैं तथा भीतर भी 226 मूर्तियाँ हैं.**
- एक अलंकृत द्वार से इसके प्रवेश भाग और मुख्य सभा भवन (**महामंडप**), जहाँ **नृत्य का आयोजन** होता था, तक पहुँचा जाता था.
- प्रमुख देवता की मूर्ति मुख्य मंदिर (गर्भगृह) में रखी जाती थी. धार्मिक अनुष्ठान इसी जगह सम्पन्न किए जाते थे तथा इसमें केवल राजा, उनका निकटतम परिवार तथा पुरोहित एकत्रित होते थे.
- खजुराहो समूह में राजकीय मंदिर सम्मिलित थे, जहाँ सामान्य जनमानस को जाने की अनुमति नहीं थी.
- ये मंदिर **सुपरिष्कृत उत्कीर्णित मूर्तियों से अलंकृत** थे.
- मंदिर का निर्माण एक ऊँचे चबूतरे पर किया गया है, जिसे **जगतपीठ** के नाम से जाना जाता है.
- यह मंदिर **नागर शैली** का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है.

प्राचीन ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थल एवं उनके प्राप्त अन्य नाम

प्राग्ज्योतिषपुर	*कामाख्य (फलिका पुराण)*
साकल (स्यालकोट)	*सागल (बौद्धग्रन्थ) संगाल (यूनानी) योनकान नगर*
सारनाथ	*ऋषिपत्तन*
उज्जयिनी	*हिरण्यवती, भागवती, पद्मावती, विशाला*
मथुरा	*मेथोरा (मेगस्थनीज), मधुपुर*
मदुरा	*दक्षिणी मथुरा, कदम्बन*
साँची	*चैत्यगिरी चेतिय*
कन्नौज	*कान्यकुब्ज महोदय, कुशास्थल*
गजाम	*कांगोद*
नागार्जुन कोंड	*श्री पर्वत, विजयपुरी*
पाटलिपुत्र	*कुसुमध्वज, पुष्पपुर, पालिब्रोथा*
प्रतिष्ठान	*प्लीथान, बैथन, पीथान*
वैराठ (जयपुर के पास)	*विराट (महाभारतकाल में)*
भृगुकच्छ	*भुरुकच्छ, भृगुपुर, भृगुतीर्थ, भड़ौच, भारतीय लेखक*
मामल्लपुर	*महाबलीपुरम्*
बादामी	*वातापी*
वैशाली	*सांकाश्य*
सोपारा	*शूपारिक*
होयसल	*हेलविड*
एरकिण	*एरण*
चम्पा	*मालिनी*
थानेश्वर	*स्थानेश्वर, स्थाणीश्वर*
मन्दसोर	*दसपुर*
नासिक	*गोवर्धन*
पेशावर	*पुरुषपुर*
वेसनगर	*विदिशा*
नेवासा	*श्रीनिवास*
धौली	*धवलगिरी, तोसलि*

MAGAZINE KING

- इस मंदिर के प्रवेश द्वार को सामने से देखने पर किसी **कंदरा या गुफा की आकृति जैसा** आभास होता है.
- मंदिर के चबूतरे की दीवारों पर हाथी, घोड़े, आयुध तथा शिकार व नृत्य करते मनुष्यों के दृश्य अंकित किए गए हैं.
- यह अपने बाह्य आकार में 84 समरस आकृति के छोटे-छोटे अंग तथा शृंग शिखरों को जोड़कर बनाया गया है.

बुर्जहोम

बुर्जहोम श्रीनगर के **पुरातात्विक महत्व वाले** कश्मीर का एक प्रमुख ऐतिहासिक स्थल है. स्थानीय भाषा में बुर्जहोम को **'प्लेस ऑफ बिर्ज'** कहा जाता है.

प्रमुख तथ्य

- सन् **1935 में डी. टेरा** और **पेटरसन** के द्वारा इस स्थान को खोजा गया, जिन्होंने इसे **हड़प्पा सभ्यता के एक हिस्से** के रूप में देखा.
- वर्ष **1960-71** के बीच **टी.एन. खजांची** के नेतृत्व में भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने यहाँ पर उत्खनन कार्य सम्पन्न किया.
- बुर्जहोम में **चार पुरातात्विक विन्यास की प्राप्ति हुई**, जिनमें से **प्रथम दो नवपाषाण** एवं **तीसरा महापाषाण (Megalithic)** काल से सम्बन्धित था.
- **चौथा स्तर प्रारम्भिक ऐतिहासिक** काल का प्राप्त हुआ है.
- **बुर्जहोम-I** की रेडियोकार्बन तिथि लगभग **2920 सा. सं. पू.** से पहले की आँकी गई है.
- बुर्जहोम-I की **सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यहाँ से प्राप्त गड्ढों में बनाया गया आवास** है. इसे **गर्तवास** कहा जाता है.
- इनमें उतरने के लिए सीढ़ियाँ होती थीं. इससे उन्हें ठण्ड के मौसम में सुरक्षा मिलती होगी.
- सामान्यतः सभी आवासीय गड्ढों का आकार **गोलाकार** है, जिनका **ऊपरी भाग संकीर्ण** और **निचला भाग उत्तरोत्तर चौड़ा** होता जाता है.
- बड़ा आवासीय गड्ढा **3·96 मीटर गहरा** तथा ऊपरी हिस्से में **2·74 मीटर व्यास** तथा निचले हिस्से में **4·57 मीटर व्यास के आकार** का है.
- इन गड्ढे वाले घरों को ऊपर से शायद चीड़ तथा बर्च की लकड़ियों से ढका जाता था.
- इन आवासों के अतिरिक्त कुछ बड़े आकार वाले अथवा आयताकार गड्ढे भी प्राप्त हुए हैं. इनमें से एक गड्ढा **6·4 × 7 मी** और **1 मीटर गहरा** है.
- कुछ गड्ढों के अन्दर **पत्थर और मिट्टी के चूल्हे** भी मिले हैं.
- बुर्जहोम से एक विकसित **अस्थि-औजार उद्योग** भी प्राप्त हुआ है.
- **बारसिंहा के सींग** से भी औजार बनाए जाते थे.
- **बुर्जहोम-II** काल में लोग गड्ढे से बाहर निकलकर **खुले मैदानों में आवास** बनाने लगे.
- इस काल में **शवों को दफनाया** जाने लगा.
- शवों को दफनाने के साथ-साथ **द्वितीयक शवाधान की भी परम्परा** थी.
- नवपाषाण बुर्जहोम-II काल की दूसरी विशेषता यह भी देखी गई कि कई बार **शवों के साथ जंगली तथा पालतू जानवरों को दफनाया** गया था. मानव के साथ पालतू कुत्ते भी दफनाए जाते थे.
- कालखण्ड-II के **मृदभाण्ड** भी **अधिकांशतः हस्तनिर्मित** थे.
- बुर्जहोम के **नवपाषाण लोग मुख्य रूप से आखेट और मछली पकड़कर** अपनी जीविका चलाते थे.
- बुर्जहोम के लोग **रूखी, भूरी मिट्टी** के बर्तनों का प्रयोग करते थे.

MAGAZINE KING

उपकार

नवीन पुस्तक

राजस्थान शीघ्रलिपिक

(Stenographer)

संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा

लेखकद्वय
डॉ. लाल एवं विश्नोई
कोड 2590 ₹ 340/-

विशेषताएँ

- सामान्य ज्ञान
- राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
- दैनिक विज्ञान
- राजस्थान : एक परिचय
- राजस्थान वस्तुनिष्ठ प्रश्न
- सामान्य हिन्दी
- सामान्य अंग्रेजी

उपकार प्रकाशन, आगरा–2
E-mail : care@upkar.in
Website : www.upkar.in

उपकार

हरियाणा पुलिस कॉंस्टेबिल

(पुरुष/महिला)

भर्ती परीक्षा (जनरल ड्यूटी)

लेखकद्वय : डॉ. लाल एवं जैन
कोड 2384 ₹ 180/-

विशेषताएँ

- गत वर्ष के प्रश्न-पत्र हल सहित
- हरियाणा : एक दृष्टि में
- सामान्य ज्ञान
- राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
- कृषि एवं पशुपालन
- सामान्य विज्ञान
- गणितीय योग्यता
- तर्कशक्ति परीक्षण
- कम्प्यूटर ज्ञान

उपकार प्रकाशन, आगरा–2
E-mail : care@upkar.in
Website : www.upkar.in

धौलावीरा

गुजरात के **कच्छ प्रांत** से प्राप्त यह विशाल हड़प्पा स्थल लगभग **100 हेक्टेयर में बसा** हुआ था, जिसमें आधे से अधिक क्षेत्र **धुर्गीकृत** थे. यहाँ की **नगर योजना, स्मारकीय संरचना, कलानिष्ठ स्थापत्य व जल प्रबन्धन व्यवस्था विशिष्ट** थी.

प्रमुख तथ्य

- कच्छ के इलाके में खादिर बेल के किनारे धौलावीरा नगर बसा था.
- वहाँ **साफ पानी** मिलता था तथा **जमीन उपजाऊ** थी.
- जहाँ हड़प्पा सभ्यता के कई **नगर दो भागों में विभक्त** थे, वहीं **धौलावीरा नगर को तीन भागों में बाँटा** गया था.
- इसके हर हिस्से के चारों ओर **पत्थर की ऊँची-ऊँची दीवार बनाई गई** थी. इसके अन्दर जाने के लिए **बड़े-बड़े प्रवेश द्वार** थे.
- इस नगर में एक **खुला मैदान** भी था, जहाँ **सार्वजनिक कार्यक्रम** आयोजित किए जाते थे.
- यहाँ मिले कुछ अवशेषों में **हड़प्पा लिपि के बड़े-बड़े अक्षरों को पत्थरों में खुदा पाया** गया है. इन अभिलेखों को संभवत: लकड़ी में जडा गया था. यह एक अनोखा अवशेष है, क्योंकि आमतौर पर हड़प्पा के लेख मुहर जैसी छोटी वस्तुओं पर पाए जाते हैं.
- यहाँ से एक साथ जो दस बड़े अक्षरों के साइनबोर्ड प्राप्त हुए हैं उन्हें **'विश्व के प्रथम साइनबोर्ड'** माना जाता है.
- आज के आधुनिक महानगरों जैसी **पक्की गटर व्यवस्था** लगभग 5000 वर्ष पहले धौलावीरा में थी.
- पूरे नगर में धार्मिक स्थलों के कोई अवशेष नहीं पाए गए.

अयोध्या

उत्तर प्रदेश के फैजाबाद जिले में सरयू नदी के किनारे स्थित अयोध्या एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगरी है. पुरातात्विक साक्ष्यों से ज्ञात होता है कि ई. पू. आठवीं शताब्दी में यह नगर अपने अस्तित्व में था तथा शिक्षा, कला, व्यापार आदि के लिए विख्यात था. मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्मस्थली होने के कारण एक पवित्र नगरी के रूप में इसकी गणना की जाती है. पुष्यमित्र शुंग ने यहाँ अश्वमेध यज्ञ किया था. यहाँ के राजा प्रसेनजित ने बुद्ध की अस्थियों को रखने के लिए यहाँ एक बौद्ध स्तूप का निर्माण करवाया था.

- धौलावीरा के प्राचीन टीले की खोज सर्वप्रथम भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के **डॉ. जे. पी. जोशी** ने की थी तथा इसका व्यापक उत्खनन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के डॉ. आर. एस. बिष्ट के नेतृत्व में 1990-91 के मध्य हुआ था.
- इस नगर की विशेषताएँ, इसकी विशालता, व्यापक, दुर्गबंदी या सुरक्षा व्यवस्था से युक्त प्रभावशाली नगर योजना, उत्कृष्ट स्थापत्य, सुन्दर जल प्रणाली और सहस्त्राब्दी से अधिक समय तक स्थायी रहने वाली क्रमिक बस्तियाँ थीं.
- धौलावीरा से प्राप्त कुछ महत्वपूर्ण पुरावशेष हैं–बारीकी से तराशी गयी गारे की सिल्लियाँ, प्रस्तर स्तम्भ का आधार और सीढियाँ हैं. ऐसे उत्कृष्ट पुरावशेष किसी भी अन्य हड़प्पा स्थल से नहीं प्राप्त हुए हैं.
- यहाँ से प्राप्त कुछ अन्य भौतिक पुरावशेष हैं–घोड़े के अवशेष, पशु की छोटी कांस्य आकृति सहित कई ताम्र वस्तुएँ, ताम्र-कार्य, मनका कार्य तथा अन्य दस्तकारी गतिविधियों के साक्ष्य.
- हड़प्पाकालीन सभ्यता का अब तक का प्राप्त एकमात्र क्रीडागार (Stadium) धौलावीरा की एक और विशेषता है.

उज्जयिनी

मध्य प्रदेश में क्षिप्रा नदी के तट पर स्थित उज्जयिनी प्राचीनकाल में मालवा प्रान्त का मुख्य नगर तथा अवन्ती राज्य की राजधानी थी. विक्रमादित्य यहाँ के प्रसिद्ध राजा हुए. उन्होंने अपने शासनकाल में नौरत्नों को आश्रय यही दिया. परिणाम-स्वरूप उज्जयिनी की अत्यधिक उन्नति हुई. यहाँ 'महाकालेश्वर' का प्रसिद्ध शिव मंदिर है, जो देश में शिवजी के बारह ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से एक है. देश के सभी भागों से लोग इस मंदिर के दर्शन करने आते हैं. नगर के दक्षिण में जयपुर के महाराजा जयसिंह द्वारा निर्मित 'जन्तर मन्तर' स्थित है. यहाँ भगवान कृष्ण, बलराम व उनके मित्र सुदामा के गुरु संदीपन के नाम पर एक आश्रम का निर्माण किया गया है. इस आश्रम के समीप ही 'मंगलनाथ का मंदिर' स्थित है. यहाँ से 11 किमी दूर भर्तृहरि की गुफाएँ हैं. 'गोपालजी का मंदिर', 'कृष्ण मंदिर' आदि यहाँ के कुछ प्रसिद्ध मंदिर हैं. वर्तमान में यह नगर उज्जैन के नाम से जाना जाता है.

भारत के प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्तित्व

बसवेश्वर (बासवण्णा)

संत बसवेश्वर का जन्म बारहवीं शताब्दी में कर्नाटक के बागेवाड़ी (कर्नाटक के संयुक्त बीजापुर जिले में स्थित) में हुआ था. बसवेश्वर एक भक्त श्रेष्ठ तथा आध्यात्मिक नेता थे. बसवेश्वर प्रारम्भ में जैन मत को मानने वाले थे और चालुक्य राजा के दरबार में मंत्री थे.

मुख्य तथ्य

- संत बसवेश्वर ने कर्नाटक में एक नवीन आन्दोलन की नींव रखी.
- इनके अनुयायी **वीरशैव (शिव के वीर)** व **लिंगायत (लिंग धारण करने वाले)** कहलाए.
- वे शिव की आराधना लिंग के रूप में करते थे.
- लिंगायतों का विश्वास है कि मृत्योपरांत भक्त शिव में लीन हो जाएंगे तथा इस संसार में पुन: नहीं लौटेंगे.
- संत बसवेश्वर एक ऐसे संत थे, जिन्होंने 800 वर्ष पहले **नारी प्रताड़ना को खत्म करने की लड़ाई** लड़ी तथा मठों, **मंदिरों में फैली कुरीतियाँ, अंधविश्वासों और अमीरों की सत्ता को चुनौती** दी.
- बसवेश्वर खुद ब्राह्मण परिवार में जन्मे थे. उन्होंने **ब्राह्मणों की वर्चस्ववादी व्यवस्था का विरोध** किया.
- वे जन्म आधारित व्यवस्था की जगह **कर्म आधारित व्यवस्था में विश्वास** करते थे.
- उन्होंने कुरीतियों को हटाने के लिए **लिंगायत संप्रदाय की स्थापना** की थी.
- लिंगायत संप्रदाय के लोग न तो वेदों में विश्वास रखते हैं और न ही मूर्ति पूजा में. लिंगायत हिन्दुओं के भगवान शिव की पूजा नहीं करते, लेकिन भगवान की उचित आकार **'इष्टलिंग' के रूप में पूजा** करते हैं.
- संत बसवेश्वर ने समाज के शोषित वर्ग को आध्यात्मिक प्रशिक्षण देने के लिए **'अनुभव मंडप'** की स्थापना की.
- अनुभव मंडप को **विश्व की पहली संसदीय प्रणाली** भी कहा जाता है.
- कर्नाटक के **बसवकल्याण में 'अनुभव मंडप' मंदिर** स्थित है, जहाँ संत बसवेश्वर ने अपने जीवन के 36 वर्ष गुजारे तथा आध्यात्म को जनता के बीच पहुँचाया.
- यह उस समय एक तरह की धार्मिक संसद थी, जहाँ प्रतिदिन सुबह और रात के समय गोष्ठी चलती थी. यह वही स्थल है, जहाँ से चिन्तन और चर्चा के बाद महान संत का संदेश दुनिया भर में प्रसारित हुआ.

बप्पा रावल

बप्पा रावल **मेवाड़ राजवंश** के सबसे प्राचीन योद्धा थे. बप्पा रावल का मूल नाम

MAGAZINE KING

'कालभोज' था तथा बप्पा इसकी उपाधि थी. बप्पा रावल **'महेन्द्र द्वितीय' के पुत्र** थे.

मुख्य तथ्य

- बप्पा रावल ने मेवाड़ के **गुहिल (गहलोत) वंश की स्थापना** थी. वह 728 ई. में गद्दी पर बैठे. बप्पा रावल **गहलोत राजपूत वंश के आठवें शासक** थे.
- उनकी **राजधानी चित्तौड़** थी. वह एक योग्यतम शासक थे.
- साहित्यिक स्रोतों से पता चलता है कि बप्पा ने कांधार, कश्मीर, ईरान, तूरान आदि अनेक देशों को जीतकर, वहीं की यवन राजकुमारियों के साथ विवाह किया.
- बप्पा रावल ने **कैलाशपुरी में एकलिंग मंदिर का निर्माण** करवाया.
- बप्पा रावल ने भगवान **एकलिंग नाथ को अपना कुल देवता माना था.**
- बप्पा ने **सोने के सिक्के चलवाए**. बप्पा की स्वर्ण मुद्राएँ उनके समृद्ध युग के प्रमाण हैं.
- उनके समय में कला तथा साहित्य के क्षेत्र में भी उन्नति हुई.
- इतिहासकार सी. वी. वैद्य ने बप्पा को **चार्ल्स मार्टल'** कहा है.
- बप्पा के सैन्य ठिकाने के कारण ही पाकिस्तान के शहर का नाम **रावलपिंडी** पड़ा.
- उनके द्वारा स्थापित सिसोदिया अथवा गुहिल वंश मेवाड़ में लम्बे समय तक शासन करता रहा.
- उनकी **मृत्यु नागदा (उदयपुर के समीप)** में हुई, वहाँ आज भी उनकी समाधि है.

अमीर खुसरो

अमीर खुसरो (1253–1323) महान कवि, संगीतज्ञ तथा **शेख निजामुद्दीन औलिया के अनुयायी** थे.

मुख्य तथ्य

- अमीर खुसरो का जन्म उत्तर प्रदेश के **एटा जिले के पटियाली नामक स्थान पर** माना जाता है.
- उनका मूल नाम **मुहम्मद हसन** था.
- वह बलबन के काल में शाही सेवा में आ गया तथा खुसरो ने ग्यासुद्दीन तुगलक तक **7 सुल्तानों का शासन-काल देखा**.
- खुसरो की ऐतिहासिक महत्व की रचनाओं में **किरानुस्सादैन, नूह सिपिहर, खजाइनुल फतूह या तारीख-ए-अलाई, देवल देवी, खिज्रखाँ** तथा **तुगलकनामा** प्रमुख हैं.
- उन्होंने **पाँच दीवान तथा पाँच खम्सों की भी रचना** की.
- संगीत के क्षेत्र में खुसरो ने **'आवाज-ए-खुसरवी'** नामक ग्रन्थ की रचना की तथा अनेक नवीन रागों का आविष्कार किया.
- वे **'हिन्दवी'** भाषा (खड़ी बोली) में लिखने वाले **प्रथम कवि** थे.
- अलाउद्दीन ने खुसरो को **'भारतशुक'** की उपाधि प्रदान की.
- अमीर खुसरो केवल अरबी या फारसी के ही नहीं, बल्कि संस्कृत के भी जानकार थे. इन्हें **'हिन्द का तोता'** कहा जाता था.
- अमीर खुसरो हिन्दू-मुस्लिम एकता के समर्थक थे.
- इनकी मृत्यु **1325 ई.** में हुई.

मौलवी अहमदुल्ला शाह

फैजाबाद के मौलवी अहमदुल्ला शाह 1857 के विद्रोह में अहम् भूमिका निभाने वाले बहुत सारे मौलवियों में से एक थे. हैदराबाद में शिक्षित शाह काफी कम उम्र में ही उपदेशक बन गए थे.

MAGAZINE KING

उपकार
बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग
पुलिस सब-इंस्पेक्टर
प्रारम्भिक परीक्षा
मॉडल प्रश्न-पत्र हल सहित

कोड नं. 1132 ₹ 195/-

कोड नं. 2678 ₹ 135/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–2
E-mail : care@upkar.in
Website : www.upkar.in

उपकार
दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड
फायर ऑपरेटर
परीक्षा

लेखकद्वय : डॉ. लाल एवं जैन कोड नं. 1439 मूल्य : 265/-

प्रमुख आकर्षण
- दिल्ली : एक दृष्टि में
- सामान्य ज्ञान एवं विज्ञान
- राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
- सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति
- संख्यात्मक अभियोग्यता
- हिन्दी भाषा
- English Language & Comprehension

उपकार प्रकाशन, आगरा–2
E-mail : publisher@upkar.in
Website : www.upkar.in

मुख्य तथ्य

- 1856 ई. में अहमदुल्ला शाह को अंग्रेजों के खिलाफ जिहाद का प्रचार करते और विद्रोह के लिए तैयार करते हुए गाँव-गाँव जाते देखा गया था.
- वे एक पालकी में बैठकर चलते थे. पालकी के आगे-आगे ढोल और पीछे उनके समर्थक होते थे. इसीलिए उन्हें लोग **डंकाशाह (नक्काराशाह)** कहने लगे थे.
- **होम्स** ने मौलवी को उत्तर भारत में अंग्रेजों का 'जबरदस्त शत्रु' बताया है.
- बगावत के बाद उन्होंने शाहजहाँपुर को अपनी गतिविधियों का केन्द्र बनाया.
- 15 जून, 1858 को शाहजहाँपुर की पुवाया रियासत के विश्वासघाती राजा जगन्नाथ सिंह के भाई बलदेव सिंह ने उनकी हत्या कर दी.
- 1857 की क्रांति के दौरान साधु-फकीरों, सिपाहियों व चौकीदारों के जरिये **रोटी व कमल** का जो फेरा लगता था. वह भी मौलवी अहमदुल्ला की ही सूझ थी.
- फैजाबाद में मौलवी अहमदुल्ला शाह ने भविष्यवाणी कर दी कि अंग्रेजों का शासन जल्द खत्म हो जाएगा. वे समझ चुके थे कि जनता क्या चाहती है. इसी आधार पर उन्होंने अपने समर्थकों की एक विशाल संख्या जुटा ली.
- अपने समर्थकों के साथ वे भी अंग्रेजों से लड़ने लखनऊ जा पहुँचे.
- ब्रिटिश अफसर इस बात से परेशान थे कि मौलवी के साथ हजारों लोग जुट रहे थे और बहुत से लोग उन्हें पैगम्बर मानने लगे थे.
- जब 1856 में अहमदुल्ला शाह लखनऊ पहुँचे, तो पुलिस ने उन्हें शहर में उपदेश देने से रोक दिया.
- 1857 में उन्हें फैजाबाद जेल में बन्द कर दिया गया.
- रिहा होने पर उन्हें **22वीं नेटिव इन्फैन्ट्री** के विद्रोहियों ने अपना नेता चुन लिया.
- उन्होंने **चिनहाट** के विख्यात संघर्ष में हिस्सा लिया, जिसमें **हेनरी लारेंस** की अगुवाई वाली टुकड़ियों को मुँह की खानी पड़ी.
- वे देश के इतिहास में पहले ऐसे व्यक्ति थे, जिनके बाँटे बगावत के पर्चों में **अंग्रेजों को काफिर** कहा गया.
- अहमदुल्ला शाह को उनकी बहादुरी एवं ताकत के लिए जाना जाता था. बहुत सारे लोग मानते थे कि उनको कोई नहीं हरा सकता, उनके पास जादुई शक्तियाँ हैं.

ई. वी. रामास्वामी पेरियार

ई. वी. रामास्वामी एक सामाजिक कार्यकर्ता और राजनीतिज्ञ थे. उन्हें **द्रविड़ राजनीति का जनक** कहा जाता है.

प्रमुख तथ्य

- ई. वी. रामास्वामी 'पेरियार' का **जन्म 17 सितम्बर, 1879** में तमिल परिवार में हुआ था.
- उनका पूरा नाम **ई. वी. रामास्वामी नायकर** था.
- पेरियार के नाम से प्रसिद्ध **ई. वी. रामास्वामी नायकर** एक मध्यवर्गीय परिवार में पले बढ़े थे.
- अपने प्रारम्भिक जीवन में वे संन्यासी थे और उन्होंने संस्कृत के शास्त्रों का गंभीरता से अध्ययन किया था.
- वे महात्मा गांधी से प्रभावित थे, बाद में वे **1919 ई. में कांग्रेस के सदस्य बने**.
- केरल में कांग्रेस नेताओं के निवेदन पर उन्होंने मार्च 1924 में वैकोम आन्दोलन में हिस्सा लिया.
- जब उन्होंने राष्ट्रवादियों द्वारा आयोजित की गई एक दावत में देखा कि वहाँ बैठने के लिए जातियों के हिसाब से अलग अलग इंतजाम किया हुआ है, तो उन्होंने हताश होकर **1925 ई. में कांग्रेस पार्टी छोड़** दी.
- उनका मानना था कि **सरकार ब्राह्मण और उच्च जाति के लोगों का हित साधती** है.
- पेरियार की समझ में आ चुका था कि 'अछूतों' को अपने स्वाभिमान के लिए खुद लड़ना होगा.
- इसी बात को ध्यान में रखते हुए उन्होंने **'स्वाभिमान आन्दोलन'** शुरू किया. 1929 में उन्होंने अपने उपनाम नायकर का त्याग कर दिया.
- **सच्ची रामायण** पेरियार की एक चर्चित कृति है. इस किताब की वजह से काफी विवाद हुआ.
- इस किताब में राम सहित रामायण के कई चरित्रों को खलनायक के रूप में पेश किया गया.
- 24 दिसम्बर, 1973 को उनका निधन हो गया.
- उनका कहना है कि मूल तमिल और द्रविड़ संस्कृति के असली वाहक 'अछूत' ही हैं, जिन्हें ब्राह्मणों ने अपने अधीन कर लिया है.
- पेरियार हिन्दू **वेद-पुराणों के कट्टर आलोचक** थे. खासतौर से मनु द्वारा रचित संहिता, भगवद्गीता और रामायण के वे कटु आलोचक थे.
- उनका मानना था कि ब्राह्मणों ने निचली जातियों पर अपनी सत्ता तथा महिलाओं पर पुरुषों का प्रभुत्व स्थापित करने के लिए इन पुस्तकों का सहारा लिया.
- वर्ष 1929-32 में उन्होंने ब्रिटेन, यूरोप और रूस का दौरा किया.
- वर्ष **1939 में वे 'जस्टिस पार्टी' के प्रमुख बने**, जोकि कांग्रेस के प्रमुख विकल्पों में से एक थी.
- 1944 में जस्टिस पार्टी का नाम **द्रविड़ कड़गम** कर दिया गया.
- यूनेस्को ने अपने उद्धरण में उन्हें **'नए युग का पैगम्बर', 'दक्षिण पूर्व एशिया का सुकरात', समाज सुधार आन्दोलन के पिता, 'अज्ञानता, अंधविश्वास और बेकार के रीति-रिवाजों का दुश्मन'** कहा.

मदनमोहन मालवीय

पण्डित मदनमोहन मालवीय का जन्म **25 दिसम्बर, 1861 को इलाहाबाद में** हुआ था. ये भारत के नरमपंथीय कांग्रेस के प्रमुख नेता थे. उन्होंने अपना जीवन एक वकील के रूप में प्रारम्भ किया. वे केन्द्रीय तथा प्रान्तीय व्यवस्थापिकाओं के कई बार सदस्य रहे. वे एक अच्छे पत्रकार थे.

प्रमुख तथ्य

- उन्होंने **'हिन्दुस्तान', 'इण्डियन यूनियन'** तथा **'अभ्युदय'** नामक समाचार पत्रों का प्रकाशन किया.
- उन्होंने भारत में स्वदेशी वस्तुओं तथा उद्योगों को प्रोत्साहन दिया.
- सन् **1893 ई.** में मालवीयजी ने **काशी नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना** की.
- सन् **1902 ई.** में इनका **चुनाव प्रान्तीय विधान परिषद्** के लिए हुआ.
- उन्होंने संयुक्त प्रांत में **1907 ई. में 'यूनाइटेड प्रोविन्सियल इण्डस्ट्रियल एसोसिएशन' की स्थापना** में महत्वपूर्ण योगदान दिया.
- मालवीयजी ने अखिल भारतीय कांग्रेस के **1909 ई. के लाहौर और 1918 ई. के दिल्ली अधिवेशन की** अध्यक्षता की थी.
- सन् 1910 ई. में वे इम्पीरियल लेजिस्लेटिव कौंसिल के सदस्य चुन लिए गए और सन् 1920 ई. तक सदस्य रहे.
- **1916 ई.** में उन्होंने बनारस में **'हिन्दू विश्वविद्यालय'** की स्थापना की तथा कई वर्षों तक इसके कुलपति रहे.

शेष पृष्ठ 82 पर

MAGAZINE KING

कला एवं संस्कृति
(संगीत एवं नृत्य विषयक तथ्य)

संगीत विषयक तथ्य

- ऋग्वेद और सामवेद को संगीत का प्रारम्भिक उदाहरण माना जाता है.
- संगीत कला के सात स्वर हैं–साज (सा), ऋषभ (रे), गांधार (ग), मध्यम (म), पंचम (प), धैवत (ध), निषाद (नि).
- कर्नाटक शैली के दो प्रमुख राग हैं– (1) कीर्तन, (2) कृति.
- हिन्दुस्तानी शैली के राग हैं–गजल, दादरा तथा तराना.
- संगीत के अन्तर्गत 'ख्याल' का विशेष महत्व है. 'ख्याल' का शाब्दिक अभिप्राय 'कल्पना' से है.
- प्रसिद्ध सूफी संत अमीर खुसरो को 'ख्याल' का जनक कहा जाता है.
- अठारहवीं शताब्दी में 'ख्याल' को शास्त्रीय स्वरूप प्रदान करने का श्रेय 'सदानन्द नियामत खाँ' को जाता है. ख्याल का सर्वाधिक प्रचलन शर्की सुल्तानों के काल में हुआ.
- 'ख्याल' को 'अलाप' से प्रारम्भ करना आवश्यक नहीं है.
- त्यागराज, श्यामशास्त्री एवं मुत्तूस्वामी संगीत की दुनिया में कर्नाटक शैली के 'त्रिरत्न' कहे जाते हैं.
- हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति 'समय' अथवा 'काल' सिद्धान्त पर आधारित है.
- हिन्दुस्तानी संगीत में ध्रुपद सर्वाधिक पुरानी रचना है, ध्रुपद के विकास का श्रेय संगीत सम्राट् तानसेन को जाता है.
- 'ध्रुपद' को अलाप से प्रारम्भ करना अति आवश्यक है.
- राधा-कृष्ण भक्ति सम्प्रदाय से सम्बन्धित 'ठुमरी' एक अलग प्रकार की संगीत विधा है.
- 19वीं शताब्दी में वाजिद अली शाह के जमाने में 'ठुमरी' एक अलग प्रकार की संगीत विधा है.
- 'गजल' हिन्दुस्तानी संगीत की एक और विधा है. 'मिर्जा गालिब' को 'गजल' का जनक स्वीकार किया जाता है.
- 'राग हिण्डोली' वसन्त ऋतु में गाया जाने वाला राग है.
- 'राग भैरव' प्रातःकाल की ताजगी का राग है.
- 'राग यमन' रात्रि के प्रथम प्रहर में गाया जाने वाला राग है.
- 'राग काफ' यह होली पर्व के अवसर पर रात्रि में गाया जाने वाला राग है.
- 'राग भूपाली' रात्रि के प्रथम प्रहर में गाया जाने वाला राग है.
- 'राग विहाग' रात्रि के प्रथम प्रहर में गाये जाने वाला राग है.
- संगीत विद्यालय लाहौर की स्थापना 1901 में विष्णु दिगम्बर पलुस्कर द्वारा की गई थी.
- अखिल भारतीय संगीत अकादमी की स्थापना 1919 में की गई थी.
- 'संगीत अकादमी' की स्थापना 1921 मद्रास में की गई थी.
- 1921 में लखनऊ में स्थापित 'मारिस कॉलेज' हिन्दुस्तानी संगीत भातखण्डे विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ.
- नत्थन खान एवं पीरबक्श 'ग्वालियर घराने' के प्रमुख ख्याल गायक हैं.
- इन्दिराबाई हाल्वे 'जयपुर घराने' की प्रख्यात ख्याल गायिका हैं.
- भारत में वायलिन वाद्ययन्त्र की शुरूआत **बालुस्वामी दीक्षित** ने की थी.
- भरत का नाट्यशास्त्र भारतीय साहित्य तथा संगीत का बृहद्कोष है.
- शास्त्रीय संगीत का अपना शास्त्र तथा नियम है. शास्त्रीय संगीत की एक विशेषता ताल है. इसके अन्तर्गत गायन, वादन एवं नर्तन तीनों ही कलाओं में ताल तथा लय पर सीमाबद्ध अंकुश रहता है.
- भारत में संगीत की दो प्रचलित धाराएँ हैं–प्रथम हिन्दुस्तानी संगीत, द्वितीय कर्नाटक संगीत.
- हिन्दुस्तानी संगीत के सात शुद्ध स्वर हैं तथा पाँच विकृत स्वर.
- हिन्दुस्तानी संगीत में तीन प्रकार की रागें होती हैं–(1) सम्पूर्ण, (2) षाडव, (3) औडव. इसके अतिरिक्त आधुनिक हिन्दुस्तानी संगीत में दस थाट माने गए हैं इन थाटों के नाम दस विशेष रागों पर पड़े हैं, जिनके नाम हैं–इमन, बिलावल, खमाज, भैरव, पूर्वी, माखा, काफी, आसावरी, भैरवी और तोड़ी.
- पंजाब में ऊँट हाँकने वाले टप्पा नामक लोक गीत गाते थे.
- ठुमरी में गीत काव्य स्वर एवं ताल के समन्वय में काव्य पक्ष अधिक प्रबल दिखाई देता है, जबकि ख्याल एवं ध्रुपद में व्यक्ति काव्य की अपेक्षा स्वर, ताल और लय पर अधिक बल दिया जाता है.
- ठुमरी गायन का उद्देश्य सौंदर्य, रस एवं भावाभिव्यक्ति है.
- संगीत सम्राट् तानसेन को ध्रुपद गायन की चारों बानियों पर सिद्धहस्तता प्राप्त थी. ये बानियाँ हैं–
  (1) गौड़हार बानी
  (2) डागुर बानी
  (3) खडार बानी
  (4) नौहार बानी

नृत्य विषयक तथ्य

- बसंतरास मणिपुर का नृत्य है, जो चैत्र माह में पूर्व चन्द्र की चाँदनी में किया जाता है.
- संकीर्तन मणिपुर का नृत्य है, जिसका आयोजन धार्मिक पर्वों, विवाह एवं शिशु जन्मोत्सव पर किया जाता है.
- 'थांगटा' मणिपुर का एक अनुष्ठानिक नृत्य है, जो तलवार और भालों के साथ किया जाता है.
- (i) मणिपुरी नृत्यों में प्रायः कृष्ण एवं राधा की रास लीलाओं को आधार बनाया गया है, इनमें महारास, बसंतरास, कुंजरास, नित्यरास, गोपरास, उलुखल रास आदि प्रसिद्ध हैं.
  (ii) दर्शन झावेरी, रंजना झावेरी, थोरानीसबी देवी, नयना झावेरी, सुवेर्ना झावेरी, विनोदिनी देवी, गाम्बिनी देवी आदि मणिपुरी नृत्य की प्रसिद्ध नृत्यांगना हैं.
- 'झुमरा' असम राज्य का नृत्य है. इसमें उन ग्वालों की व्यथा का वर्णन किया जाता है, जिनकी पत्नियाँ कृष्ण के साथ रास करने चली जाती हैं.
- 'माडूभांगी' असम राज्य का आधुनिक नृत्य है, जो महिला समूह द्वारा किया जाता है.
- 'चाकरी' कश्मीर राज्य का जनप्रिय लोकनृत्य है.
- 'तेराताली' राजस्थान का एक अनुष्ठानिक नृत्य है. इस नृत्य का प्रदर्शन महिलाओं द्वारा किया जाता है, किन्तु गायन का दायित्व पुरुष निभाता है.
- लूहर नृत्यनाट्य राजस्थान स्थित 'झुंझुनू' के आसपास अधिक प्रचलित है.
- 'पुंगी' राजस्थान का एक कलात्मक नृत्य है. इस नृत्य में सर्प को मंत्रमुग्ध किया जाता है.

MAGAZINE KING

- पंथी नृत्य छत्तीसगढ़ के सतनामी समुदाय का अनुष्ठानिक नृत्य है.
- **यक्षगान**–यह कर्नाटक राज्य की एक सम्पन्न नाट्य शैली है. पहले इसे 'भगवताराअता' के नाम से भी जाना जाता था.
- वीरगास्से कुनीता कर्नाटक राज्य का नृत्य है, जो शक्ति और शौर्य का प्रतीक है. इस नृत्य में दक्ष-यक्ष की गाथा प्रस्तुत की जाती है.
- कुचिपुडी 'आंध्र प्रदेश' का प्रचलित नृत्य है, जो नाट्यशास्त्र के सिद्धान्तों पर आधारित है.
- (i) कुचिपुडी नृत्य में कलाकार भड़कीले व रंगीन वस्त्र पहनते हैं.
  (ii) अप्सराओं, देवी-देवताओं की कुचिपुडी नृत्य भंगिमाओं का अमरावती के मंदिरों में नागार्जुन-कोण्डा की खुदाई, पालमपेट रामप्पा मंदिरों तथा भैरवनी कोंडा (जिला नेल्लोर) के गुफा मंदिरों में श्रेष्ठ अंकन हुआ है.
  (iii) आंध्र प्रदेश में तीन प्रकार के नृत्य प्रचलित हुए. देवदासियों के भक्तिपूर्ण नृत्य, ब्राह्मणों के शास्त्रीय यक्षगान नृत्य नाटक तथा राजनर्तकियों के धर्म-निरपेक्ष नृत्य. यह सभी शास्त्रीय नृत्य पर आधारित हैं.
  (iv) परम्परागत कुचिपुडी नृत्य नाटक में प्राय: पुरुष ही नर्तक होते हैं. महिला पात्रों का अभिनय छोटे-छोटे बालक करते हैं. यद्यपि आजकल महिला नर्तकियों ने भी इस नृत्य में पारंगतता प्राप्त कर ली है.
  (v) कुचिपुडी स्कूल के नृत्य में दो कथानक–'कुचिपुडी भामा कल्पम' व 'गोपियों का गोल्ला कल्पम' प्रसिद्ध हैं.
  (vi) जयपा सेनानी, वेन्नलकान्ति सूर्यमाता, पसुमती सिमैया, चिन्ता वेंकटरत्नम्, चिन्ता वेंकट रमैया, नाट्याचार्य, गुण्डमाल्या, चिंता नारायणमूर्ति आदि कुचिपुडी के प्रमुख ज्ञाता व विद्वान् हुए हैं.
  (vii) यामिनी कृष्णमूर्ति, सुधा डोराई स्वामी व इन्द्रानी रहमान भी कुचिपुडी नृत्य में पारंगत हुई हैं.
- 'ओडिसी' ओडिशा प्रदेश का शास्त्रीय नृत्य है, जो भरतनाट्य पर आधारित है.
  (i) ओडिसी में हावभाव भंगिमा, अभिनय 'नाट्यशास्त्र' व सारंग-देव की संगीत रत्नाकर का अनुकरण किया जाता है, साथ ही महेश्वर महापात्र व राजमणि पात्र द्वारा रचित एक ही नाम की दो पुस्तकें 'अभिनय चन्द्रिका' का भी अनुकरण किया जाता है.
  (ii) ओडिसी नृत्य को महान् नृत्य गुरुओं व उनके शिष्यों के साथ-साथ मंदिर की देवदासियों ने जीवित रखा है. महान् गुरुओं–प्रताप रुद्रदेव, रामानन्द पट्ट-नायक, केलुचरन महापात्र ने इसे लोकप्रियता व उन्नति की चरम सीमा पर पहुँचाया.
  (iii) पुरी व भुवनेश्वर ओडिसी नृत्य के प्रमुख केन्द्र हैं.
  (iv) इन्द्रानी, यामिनी कृष्णमूर्ति इस नृत्य की प्रमुख कलाकार हुई हैं.
- भरतनाट्यम मुख्यत: तमिलनाडु का शास्त्रीय नृत्य है.
- मृणालिनी साराभाई, यामिनी कृष्णमूर्ति, एम. के. सरोज, कुमारी कमला, शिरिन वाजिवदार, सुधा डोराइस्वामी, रीथा देवी, रामगोपाल, रुक्मिणी देवी, बाला सरस्वती आदि भरतनाट्यम के प्रमुख कलाकार हुए हैं.

●●●

शेष पृष्ठ 80 का

- सन् 1919 ई. में इन्होंने रौलट एक्ट के विरोध में जोरदार ऐतिहासिक भाषण दिया था.
- इन्होंने जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड का जोरदार विरोध किया तथा इसके विरोधस्वरूप व्यवस्थापिका से त्याग-पत्र दे दिया.
- सन् 1924 ई. में मालवीयजी भारतीय विधान सभा के सदस्य चुने गए.
- सन् **1926 ई. में** उन्होंने **'राष्ट्रवादी दल' (Nationalist Party) का गठन** किया.
- सन् 1931 ई. में मालवीयजी **द्वितीय गोलमेज परिषद् की बैठक में भाग** लेने के लिए लंदन गए.
- **20 जुलाई, 1933 ई.** को मालवीयजी ने **'सनातन धर्म' नामक पत्र निकाला.**
- इन्होंने **'भारत धर्म महामण्डल'** और **अखिल भारतीय सनातन धर्म सभा** की नींव डाली.
- इनकी माँग पर सरकार ने **उत्तर प्रदेश की अदालतों में देवनागरी हिन्दी को व्यवहार योग्य भाषा** लिपि के रूप में स्वीकार किया था.
- **12 नवम्बर, 1946 ई.** को इस महान राजनीतिज्ञ, देशभक्त, समाजोद्धारक तथा शिक्षाशास्त्री ने अपने नश्वर शरीर को त्याग दिया.

एन. गोपालस्वामी आयंगर

गोपालस्वामी आयंगर का जन्म दक्षिण भारत की मद्रास प्रेसिडेंसी के **तजांवुर जिले** में **31 मार्च, 1882** को हुआ था. उन्होंने वेस्टले स्कूल और कॉलेज (प्रेसीडेंसी कॉलेज और मद्रास लॉ कॉलेज) दोनों में पढ़ाई की.

प्रमुख तथ्य

- 1905 में ये सिविल सेवा के लिए चुने गए तथा 30 वर्षों तक इसके अन्तर्गत विभिन्न पदों पर रहे.
- सेवानिवृत्ति के पश्चात् ये कश्मीर गए तथा वहाँ के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने लगे.
- आजादी के पहले दक्षिण भारत के रहने वाले आयंगर 1937 में जम्मू-कश्मीर के प्रधानमंत्री बने, जो इस पद पर 1943 तक बने रहे.
- उस समय जम्मू-कश्मीर में अपने प्रधानमंत्री और सदर-ए-रियासत होते थे. सदर-ए-रियासत की भूमिका राज्यपाल के समकक्ष होती थी, लेकिन प्रधानमंत्री की जिम्मेदारियाँ समय के अनुसार बदलती रहती थीं.
- गोपालस्वामी आयंगर के कार्यकाल के दौरान उनके पास सीमित शक्तियाँ थीं.
- वे सप्रू समिति की रिपोर्ट के सह लेखक थे.
- 1946 में ये भारतीय संविधान सभा के सदस्य रहे थे.
- स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् इन्हें रेलवे और यातायात मन्त्री बनाया गया तथा इन्होंने रेलवे की कार्यप्रणाली को दक्ष बनाया.
- सरदार पटेल की 1950 ई. में मृत्यु के पश्चात् ये उनके स्थान पर नियुक्त हुए तथा इन्होंने भारत के एकीकरण के पटेल के अधूरे कार्य को पूरा किया.
- इसके पश्चात् कुछ समय तक ये रक्षामंत्री भी रहे.
- आयंगर ने कश्मीर विवाद पर संयुक्त राष्ट्र में भारतीय प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व किया था.
- 71 वर्ष की आयु में **फरवरी 1953 में चेन्नई में गोपालस्वामी आयंगर** का निधन हो गया.

●●●

MAGAZINE KING

औद्योगिक लेख

भारतीय इस्पात क्षेत्र : प्रगति और क्षमता

भारत में इस्पात एक ऐसा उद्योग है जिसने भारतीय गणतंत्र की स्थापना की शुरूआत से ही राष्ट्रीय विकास में अपना योगदान दिया है. राष्ट्र की बुनियादी जरूरतों के विकास में सहयोग देने से लेकर अर्थव्यवस्था का उत्प्रेरक बनकर विकास को दिशा देने तक में, इसकी भूमिका एक मिश्र धातु से कहीं अधिक बढ़कर रही है. इस्पात की वजह से सम्भव हो सके बहुआयामी विकास के बावजूद इसके इस्तेमाल को ठीक प्रकार से पहचान नहीं मिल सकी है. इस क्षेत्र में जो भी विकास हुआ है वह बुनियादी ढाँचों की प्रमुख परियोजनाओं और योजनाओं की पृष्ठभूमि में हुआ है. आने वाले 10 वर्षों में, भारत में इस्पात की माँग में 10 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) की गति से वृद्धि होने का अनुमान है. इस अवधि में भारत की इस्पात उत्पादन क्षमता में इसी दर से बढ़ोतरी होने का भी अनुमान है.

आकलनों से यह संकेत प्राप्त होता है कि वर्ष 2020 तक भारत की इस्पात उत्पादन क्षमता 120 मिलियन टन तक पहुँच जाएगी, जबकि वर्तमान क्षमता 78 मिलियन टन है. यदि ग्रामीण भारत में इस्पात की माँग में वृद्धि होती है, तो इसमें और अधिक बढ़ोतरी हो सकती है. इसके लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उद्यमों द्वारा बड़े पैमाने पर क्षमता वृद्धि की आवश्यकता है. इस्पात मन्त्रालय द्वारा समय पर किए गए रणनीतिक प्रयासों के कारण इसकी शुरूआत हो चुकी है.

अब देश में इस्पात उत्पाद में क्षमता वृद्धि पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है, ताकि राष्ट्र इस्पात की घरेलू माँग के स्वयं पूरा कर सके. विस्तारण की प्रक्रिया में बहुतसी निजी कम्पनियों के अलावा स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने भी परियोजना प्रारम्भ कर दी है, ताकि भविष्य में इस्पात की माँग की पूर्ति की जा सके.

इस्पात का उत्पादन, खपत और वृद्धि

इस्पात के उत्पादन के साथ-साथ रोजगार सृजन को ध्यान में रखते हुए भारतीय इस्पात उद्योग ने भारतीय अर्थव्यवस्था में एक नई उम्मीद जगाई है. आजादी के समय की 1 मिलियन टन उत्पादन क्षमता से बढ़ते हुए आज भारत कच्चे इस्पात के मामले में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और स्पंज स्टील का सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है. इस्पात उत्पादों की बढ़ती माँग के अनुरूप उत्पादन बढ़ा है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में इस्पात के इस्तेमाल का भी विस्तार हुआ है.

दिए गए बॉक्स में देश में 2013-14 से 2018-19 (अनंतिम) के दौरान परिष्कृत इस्पात (मिश्र धातु/जंगरोधी इस्पात एवं गैर-मिश्र धातु) की बिक्री, निर्यात एवं वास्तविक खपत की प्रवृत्ति को दिखाया गया है.

2013-14 से 2018-19 तक तैयार इस्पात (मिश्र/जंगरोधी + गैर-मिश्र) की प्रवृत्ति

(मिलियन टन में)

विवरण	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
बिक्री के लिए उत्पादन	99·38	104·578	106·602	120·14	126·855	131·572
आयात	5·45	9·320	11·712	7·226	7·482	7·834
निर्यात	5·985	5·596	4·079	8·242	9·62	6·361
वास्तविक खपत	74·096	76·994	81·525	84·042	90·708	97·536

MAGAZINE KING

- वर्ष 2018-19 के दौरान कुल तैयार इस्पात मिश्र धातु/जंगरोधी + गैर-मिश्र धातु) का उत्पादन 1315·72 लाख टन था, जबकि वर्ष 2014-15 के दौरान यह 1045·78 लाख टन था और इसकी औसत वार्षिक वृद्धि (सीएजीआर) 5 प्रतिशत रही.
- वर्ष 2018-19 के दौरान कुल तैयार इस्पात (मिश्र धातु/जंगरोधी + गैर-मिश्र धातु) का निर्यात 63·61 लाख टन रहा, जो वर्ष 2014-15 के दौरान 55·96 लाख टन था.
- वर्ष 2018-19 के दौरान कुल तैयार इस्पात (मिश्र धातु/जंगरोधी + गैर-मिश्र धातु) का आयात 78·34 लाख टन रहा जो वर्ष 2014-15 के दौरान 93·20 लाख टन था.
- वर्ष 2018-19 के दौरान कुल तैयार इस्पात (मिश्र धातु/जंगरोधी + गैर-मिश्र धातु) की वास्तविक घरेलू खपत 975·36 लाख टन रही, जो वर्ष 2014-15 के दौरान 769·94 लाख टन थी. पिछले पाँच वर्षों में इसकी औसत वार्षिक वृद्धि (सीएजीआर) 5 प्रतिशत रही.
- भारत 2017-18 में कुल तैयार इस्पात का शुद्ध निर्यातक बन गया, जबकि यह 2018-19 के दौरान शुद्ध आयातक है.

मिश्रित और गैर-मिश्रित इस्पात की उपलब्धता

- पिछले 5 वर्षों में मिश्र एवं गैर मिश्र इस्पात का उत्पादन लगातार बढ़ता रहा है, जबकि कुल तैयार इस्पात में मिश्र इस्पात का योगदान वर्ष 2014-15 के 8·51 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2018-19 में 8·36 प्रतिशत हो गया.
- गैर-मिश्र इस्पात का आयात बढ़ने के कारण वर्ष 2017-18 और 2016-17 के दौरान तैयार इस्पात उत्पादों का व्यापार संतुलन हमारी ओर रहा, जबकि 2018-19 में यह संतुलन हमारे पक्ष में नहीं था.
- कुल इस्पात खपत में मिश्र इस्पात की हिस्सेदारी 2014-15 के 8·78 प्रतिशत से बढ़कर 2018-19 में 10·64 प्रतिशत हुई है.
- भारत की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है, जबकि 2014-15 के 59 किग्रा से 2017-18 के 69 किग्रा तक इस्पात उत्पादों की प्रतिव्यक्ति बढ़ती खपत के साथ इस्पात उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि की दर धीमी रही.

कच्चे इस्पात उत्पादन की प्रवृत्ति

- पिछले पाँच वर्षों में कच्चे इस्पात के उत्पादन में क्षमता के साथ स्थिर बढ़ोतरी देखी गई है.
- कच्चे इस्पात का उत्पादन 3·67 प्रतिशत प्रतिवर्ष (सीएजीआर) बढ़ा है, जो वर्ष 2014-15 के 889·79 लाख टन से बढ़कर वर्ष 2018-19 में 1065·65 लाख टन हो गया.
- उत्पादन में यह वृद्धि क्षमता विस्तार के कारण हुई, जो वर्ष 2013-14 के 1022·61 लाख टन से बढ़कर वर्ष

2017-18 में 1379·75 लाख टन हो गयी. इस पाँच वर्ष की अवधि के दौरान सीएजीआर वृद्धि दर 6·17 प्रतिशत रही (2018-19 में कोई क्षमता विस्तार नहीं हुआ).

2013-14 से 2018-19 तक कच्चे इस्पात उत्पादन की प्रवृत्ति

(मिलियन टन में)

वर्ष	कार्यशील पूँजी	उत्पादन	प्रतिशत उपयोगिता
2013-14	102·261	81·694	80
2014-15	109·851	88·979	81
2015-16	121·971	89·791	74
2016-17	128·277	97·936	76
2017-18	137·975	103·131	75
2018-19*	137·975^	106·565	77

स्रोत : जेपीसी; *अनंतिम (^ पूरे वर्ष के आँकड़े)

स्पंज आयरन के उत्पादन की प्रवृत्ति

- स्पंज आयरन का निर्माण लौह अयस्क को तुरन्त ही ठोस स्थिति में लाने से होता है और इसका उपयोग द्वितीय रूट के माध्यम से इस्पात बनाने के लिए होता है.
- भारत अपनी विभिन्न राज्यों में स्थित खनिज सम्पन्न इकाइयों के कारण कोयला आधारित संयंत्रों के साथ स्पंज आयरन का भी बहुत बड़ा उत्पादक है.
- बीते वर्षों के दौरान कोयला आधारित रूट कुल उत्पादन में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में उभर कर सामने आया है और देश में कुल स्पंज लौह उत्पादन में इसका योगदान वर्ष 2017-18 और 2018-19 (अनंतिम) के दौरान 79 प्रतिशत रहा.
- स्पंज आयरन उद्योग में भी बीते वर्षों के दौरान वृद्धि हुई है और 2017-18 में यह 496·2 लाख टन रहा.
- दिए गए बॉक्स में 2013-14 से 2018-19 (अनंतिम) के दौरान देश में स्पंज आयरन का मार्ग के अनुसार उत्पादन के आँकड़ों का ब्यौरा दिया गया है.

पिग आयरन उत्पादन की प्रवृत्ति

- पिग आयरन एक मध्यवर्ती उत्पाद है और इसका उपयोग इस्पात उत्पादन में होता है.
- बाजार में लॉन्ग इस्पात की माँग बढ़ने के साथ-साथ पिग आयरन की भी माँग बढ़ी और इसके कारण पिग आयरन के कई निजी उत्पादकों ने संयंत्रों की स्थापना की.
- इसने देश में पिग आयरन के आयात को कम किया और जब भारत इसका शुद्ध निर्यातक बन गया है.
- वर्ष 2018-19 (अनंतिम) में कुल पिग आयरन के उत्पादन में 91 प्रतिशत योगदान निजी क्षेत्र का रहा.
- वर्ष 2018-19 के दौरान पिग आयरन का उत्पादन 60·55 लाख टन रहा, जो वर्ष 2014-15 के दौरान 96·94 लाख टन था, औसत वार्षिक गिरावट (सीएजीआर) 9 प्रतिशत रही.
- वर्ष 2018-19 के दौरान पिग आयरन का निर्यात 3·19 लाख टन रहा, जो वर्ष 2014-15 के दौरान 5·40 लाख टन था.
- वर्ष 2018-19 के दौरान पिग आयरन का आयात 0·67 लाख टन रहा, जो वर्ष 2014-15 के दौरान 0·23 लाख टन था.
- वर्ष 2018-19 के दौरान कुल पिग आयरन की घरेलू खपत 50·62 लाख टन रही, जो वर्ष 2014-15 के दौरान 90·57 लाख टन थी और पिछले पाँच वर्षों में औसत वार्षिक गिरावट (सीएजीआर) 11 प्रतिशत रही.
- पिछले पाँच वर्षों से भारत पिग आयरन का शुद्ध निर्यातक बना हुआ है.

2013-14 से 2018-19 तक पिग आयरन उत्पादन की प्रवृत्ति

(मिलियन टन में)

विवरण	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19*
बिक्री के लिए उत्पादन	7·950	9·694	9·228	9·388	5·728	6·055
आयात	0·034	0·023	0·022	0·034	0·016	0·067
निर्यात	0·943	0·540	0·297	0·387	0·518	0·319
वास्तविक खपत	**7·110**	**9·057**	**9·021**	**9·040**	**5·189**	**5·062**

स्रोत : जेपीसी *(अनंतिम)

2018 में विश्व में कच्चे इस्पात का उत्पादन*

(मिलियन टन में)

रैंक	देश	2017	2018	% वृद्धि	% अंश
1	चीन	870·855	928·264	6·59	51·87
2	भारत	101·455	106·463	4·94	5·95
3	जापान	104·662	104·324	– 0·32	5·83
4	अमरीका	81·612	86·607	6·12	4·84
5	उत्तर कोरिया	71·030	72·464	2·02	4·05
6	रूस	71·491	71·680	0·26	4·01
7	जर्मनी	43·297	42·435	– 1·99	2·37
8	तुर्की	37·524	37·312	– 0·57	2·08
9	ब्राजील	34·365	34·735	1·08	1·94
10	ईरान	21·236	25·000	17·72	1·40
	शीर्ष 10 देश	1437·527	1509·284	4·99	84·34
	कुल 64 देश	1729·000	1808·000	4·51	100·00

स्रोत : वर्ल्डस्टील, *अनंतिम

पिछले पाँच वर्षों में स्पंज आयरन के उत्पादन की प्रवृत्ति

(मिलियन टन में)

वर्ष	कोयला आधारित	गैस आधारित	कुल
2013-14	20·189 (88%)	2·683 (12%)	22·872 (100%)
2014-15	21·889 (90%)	2·354 (10%)	24·243 (100%)
2015-16	19·987 (89%)	2·44 (11%)	22·427 (100%)
2016-17	23·908 (83%)	4·854 (17%)	28·762 (100%)
2017-18	24·053 (79%)	6·458 (21%)	30·511 (100%)
2018-19*	26·10 (79%)	6·94 (21%)	33·04 (100%)

स्रोत : जेपीसी; *अनंतिम ब्रैकेट () में दिए गए आँकड़े कुल उत्पादन में % अंश का संकेत है.

भारतीय इस्पात की वैश्विक रैंकिंग

- विश्व इस्पात संघ के आँकड़ों के अनुसार कैलेंडर वर्ष 2018 की अवधि के दौरान विश्व में कच्चे इस्पात का उत्पादन 17896·12 लाख टन था, जो

शेष पृष्ठ 87 पर

MAGAZINE KING

संवैधानिक लेख

भारत में राष्ट्रपति शासन : ऐतिहासिक विवेचना

✍ धीरज पाण्डेय

राष्ट्रपति शासन भारत में शासन के संदर्भ में उस समय प्रयोग किया जाने वाला एक पारिभाषिक शब्द है, जब किसी राज्य सरकार को भंग या निलम्बित कर दिया जाता है और राज्य प्रत्यक्ष संघीय शासन के अधीन आ जाता है. किसी भी राज्य में जब राज्यपाल को लगता है कि कोई भी पार्टी सरकार बनाने की स्थिति में नहीं है, तो वह राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करते हैं, इसके अलावा यदि राज्य सरकार केन्द्र सरकार द्वारा दिए गए संवैधानिक निर्देशों का पालन नहीं करती है, तो उस हालत में भी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है. राष्ट्रपति शासन को "राज्य आपातकाल" या "संवैधानिक आपातकाल" भी कहते हैं.

स्वतंत्रता के बाद से अभी तक 126 मौके आए, जब राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाया गया. अभी तक जिन राज्यों में राष्ट्रपति शासन नहीं लगा है, वे हैं छत्तीसगढ और तेलंगाना.

राष्ट्रपति शासन से जुड़े संवैधानिक प्रावधान

- राष्ट्रपति शासन से जुड़े प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 356 और 365 में हैं.
- अनुच्छेद 356 के मुताबिक राष्ट्रपति किसी भी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा सकते हैं, यदि वे इस बात से सन्तुष्ट हों कि राज्य सरकार संविधान के विभिन्न प्रावधानों के मुताबिक काम नहीं कर रही है. ऐसा जरूरी नहीं है कि वे राज्यपाल की रिपोर्ट के आधार पर ही करे.
- राष्ट्रपति शासन लगाए जाने के दो महीनों के अन्दर संसद के दोनों सदनों द्वारा इसका अनुमोदन किया जाना जरूरी है, यदि इस बीच लोक सभा भंग हो जाती है, तो इसका राज्य सभा द्वारा अनुमोदन किए जाने के बाद नई लोक सभा द्वारा अपने गठन के एक महीने के भीतर अनुमोदन किया जाना जरूरी है.
- अनुच्छेद 365 के मुताबिक यदि राज्य सरकार, केन्द्र सरकार द्वारा दिए गए संवैधानिक निर्देशों का पालन नहीं करती है, तो उस हालत में भी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है.
- किसी भी राज्य में एक बार में अधिकतम 6 महीने के लिए ही राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है.
- वहीं, किसी भी राज्य में अधिकतम 3 वर्ष के लिए ही राष्ट्रपति शासन लगाने की व्यवस्था है,. इसके लिए भी हर 6 महीने में दोनों सदनों से अनुमोदन जरूरी है.

राष्ट्रपति शासन लगने का कारण

- राज्य में अनुच्छेद 356 के अन्तर्गत दो प्रकार से राष्ट्रपति शासन लगाया जाता है.
- राज्य में संविधान के अनुसार प्रशासन नहीं चलाने पर राज्यपाल द्वारा राज्य सरकार की रिपोर्ट राष्ट्रपति को दी जाती है, इसके बाद राष्ट्रपति शासन लगाने का निर्णय राष्ट्रपति के द्वारा किया जाता है.
- यदि कोई राज्य सरकार केन्द्र द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन नहीं करती है, तो उस राज्य में राष्ट्रपति शासन लग सकता है.
- राष्ट्रपति शासन लगने को घोषणा होने के पश्चात् इसको दो महीने के अन्दर संसद के दोनों सदनों से स्वीकृति दिलाना अनिवार्य है, यह निर्णय सामान्य बहुमत से किया जाता है.
- यदि संसद के दोनों सदनों द्वारा इसकी स्वीकृति प्राप्त हो जाती है, तो अगले 6 महीने तक राष्ट्रपति शासन चलता रहता है, जिसको प्रत्येक 6-6 माह के रूप में लगातार 3 वर्ष तक लगाया जा सकता है.

एसआर बोम्मई मामला

1994 में एसआर बोम्मई मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला बेहद अहम् माना जाता है. सुप्रीम कोर्ट ने राज्य की सरकारों को बर्खास्त सम्बन्धी अनुच्छेद की व्याख्या की थी और कहा था कि अनुच्छेद 356 के तहत् यदि केन्द्र सरकार राज्य में चुनी हुई सरकार को बर्खास्त करती है, तो सुप्रीम कोर्ट सरकार बर्खास्त करने के कारणों की समीक्षा कर सकता है.

- 90 के दशक तक ऐसा अक्सर देखा जाता था कि केन्द्र की सरकारें राज्यपाल की मदद से ऐसी परिस्थितियाँ पैदा कर देती थीं, हालांकि सन् 1994 में उच्चतम न्यायालय के एक फैसले के बाद इसका अनुचित इस्तेमाल कम हो गया.

राष्ट्रपति शासन की अवधि

- यदि ससद के दोनों सदनों द्वारा राष्ट्रपति शासन का अनुमोदन कर दिया जाता है, तो राष्ट्रपति शासन 6 माह तक चलता रहेगा. इस प्रकार 6-6 माह कर इसे 3 वर्ष तक आगे बढ़ाया जा सकता है.

बहुमत मिलने पर हट सकता है राष्ट्रपति शासन

- किसी भी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगने के बाद अगर कोई राजनीतिक दल सरकार बनाने के लिए जरूरी सीटें हासिल कर लेता है (बहुमत प्राप्त करने की स्थिति में आ जाता है) तो राष्ट्रपति शासन हटाया भी जा सकता है.

राष्ट्रपति शासन क्यों कहते हैं ?

- इसे राष्ट्रपति शासन इसलिए कहा जाता है, क्योंकि, इसके द्वारा राज्य का नियंत्रण एक निर्वाचित मुख्यमंत्री की जगह सीधे भारत के राष्ट्रपति के अधीन आ जाता है, लेकिन प्रशासनिक दृष्टि से राज्य के राज्यपाल को केन्द्रीय सरकार द्वारा कार्यकारी अधिकार प्रदान किए जाते हैं. प्रशासन में मदद करने के लिए सलाहकारों की नियुक्ति होती है, जो आमतौर पर सिविल सेवक होते हैं, सामान्यतः, इस स्थिति में राज्य में केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी की नीतियों का अनुसरण होता है.

राष्ट्रपति शासन के समय होने वाले परिवर्तन

- मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद् को राष्ट्रपति द्वारा भंग कर दिया जाता है.
- राज्य सरकार के सभी कार्य राष्ट्रपति द्वारा ले लिए जाते हैं, उन कार्यों को राज्यपाल या फिर किसी अन्य अधिकारी के द्वारा किया जाता है.
- राज्य का प्रशासन राज्यपाल के द्वारा राष्ट्रपति के नाम पर किया जाता है, राज्यपाल सलाहकारों की सहायता से राज्य का शासन चलाता है, इसलिए अनुच्छेद 356 के माध्यम से की गई घोषणा को राष्ट्रपति शासन कहा जाता है.

MAGAZINE KING

- राज्य विधायिका की शक्तियों का प्रयोग राष्ट्रपति की घोषणा के बाद संसद द्वारा किया जा सकता है.
- संसद उस राज्य के बजट और विधेयक को पारित करती है.
- संसद को यह शक्ति प्राप्त होती है, कि वह राज्य के लिए कानून बनाने का अधिकार किसी नामित अधिकारी को प्रदान कर सकती है.
- संसद का सत्र न चलने पर राष्ट्रपति, "अनुच्छेद 356 शासित राज्य" के लिए अध्यादेश जारी कर सकता है.

पहली बार राष्ट्रपति शासन

- सरकारी आँकड़ों के मुताबिक, आजादी के बाद पंजाब (1951 में) वह राज्य था, जहाँ राष्ट्रपति शासन लगाया गया था. कांग्रेस में फूट की वजह से यहाँ 20 जून 1951 से 17 अप्रैल, 1952 के बीच राष्ट्रपति शासन लगाया गया.
- नेहरू की कैबिनेट ने पहली बार केरल की लोकतांत्रिक ढंग से चुनी गई ई.एम.एस. नंबुदीरीपाद सरकार को बर्खास्त किया था. तब विधान सभा में नंबुदीरीपाद की सरकार को बहुमत था, लेकिन राज्यपाल बुरगुला रामाकृष्णा राव ने सूबे की सरकार को बर्खास्त करने की अनुशंसा की थी.
- देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के कार्यकाल में कुल 8 बार राष्ट्रपति शासन लगाया गया.

इंदिरा गांधी के शासन में राष्ट्रपति शासन

- देश में सबसे ज्यादा बार राष्ट्रपति शासन इंदिरा गांधी के दौर में लगा, उनके 11 वर्ष और 59 दिन के कार्यकाल में 50 बार राष्ट्रपति शासन लगा. 1977 तक के पहले कार्यकाल में 35 और 1980 से 1984 तक के कार्यकाल में 15 बार राष्ट्रपति शासन लगा.
- जनता पार्टी की सरकार गिरने के बाद 1980 में इंदिरा गांधी चौथी बार प्रधानमंत्री बनीं और 17 फरवरी को एक साथ 9 राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था.

आपातकाल के बाद राष्ट्रपति शासन

- आपातकाल के बाद 24 मार्च, 1977 को मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने. उन्होंने 30 अप्रैल, 1977 को 9 राज्यों में एक साथ राष्ट्रपति शासन लगा दिया.
- सबसे ज्यादा दूसरी बार राष्ट्रपति शासन मोरारजी देसाई के कार्यकाल में लगा था. 2 वर्ष 126 दिन के कार्यकाल में 16 बार राष्ट्रपति शासन राज्यों में लगाया गया.
- इस दौरान मोरारजी देसाई के अलावा चरण सिंह भी करीब 6 महीने के लिए कांग्रेस के समर्थन से प्रधानमंत्री बने थे. इनमें 12 बार मोरारजी देसाई और 4 बार चरण सिंह के कार्यकाल में राष्ट्रपति शासन लगा था.
- प्रधानमंत्री वीपी सिंह के दौरान दिसम्बर 1989 से नवम्बर 1990 तक (2) राष्ट्रपति शासन लगा.
- प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर सरकार के समय नवम्बर 1990 से जून 1991 तक (2), एच.डी. देवगौड़ा के वक्त जून 1996 से अप्रैल 1997 तक (1), बार राष्ट्रपति शासन लागू हुआ.

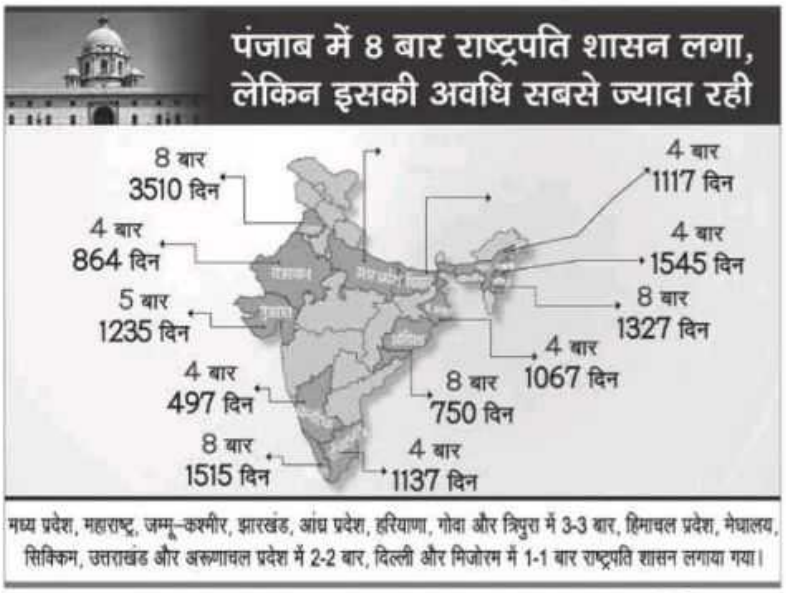

खराब कानून-व्यवस्था की स्थिति के कारण राष्ट्रपति शासन

- *पंजाब में 80 के दशक में उग्रवादी गतिविधियों के चलते 1987-92 के बीच लगातार 5 वर्ष तक राष्ट्रपति शासन लागू रहा. यह पहला मौका था, जब किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू रखने की अधिकतम सीमा (3 साल) से ज्यादा दिन तक राष्ट्रपति शासन लागू रहा. पंजाब में इसे 3 से 5 वर्ष करने पर संविधान में इसका उल्लेख भी किया गया.*
- *1993-94 में नागा-कुकी संघर्षों के कारण राष्ट्रपति शासन लगा.*
- *जम्मू-कश्मीर में 1990-96 के बीच आतंकी गतिविधियाँ बढ़ने और संवैधानिक व्यवस्था के असफल रहने के कारण लगातार 6 वर्ष तक राष्ट्रपति शासन लगाया गया. यह दूसरी बार था जब संविधान के अनुसार राष्ट्रपति शासन की अधिकतम सीमा (3 वर्ष) को बढ़ाया गया.*
- *मणिपुर में 1972 में राज्य के पुनर्गठन, 1979-80 के दौरान कानून व्यवस्था बिगड़ने के चलते राष्ट्रपति शासन लगा.*
- *आंध्र प्रदेश में 1973 में अलग आंध्र राज्य बनाने की माँग के लिए हुए हिंसक आन्दोलन से राज्य सरकार निपटने में असफल रही. इसके बाद यहाँ राष्ट्रपति शासन लगाया गया, जो करीब 11 महीने तक लागू रहा.*
- *उत्तर प्रदेश में 1973 में पुलिस विद्रोह के कारण 5 महीने तक और 1992 में बाबरी विध्वंस के बाद भड़के दंगों के चलते पूरे 1 वर्ष तक राष्ट्रपति शासन लगाया गया.*
- *तमिलनाडु में 1976 में राज्यपाल की सिफारिश पर केन्द्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रपति को प्रस्ताव भेजा. राज्य में भ्रष्टाचार को इसका कारण बताया गया.*

राजीव गांधी के शासन में राष्ट्रपति शासन

- राजीव गांधी के 5 साल 32 दिनों के कार्यकाल में कुल 6 बार राष्ट्रपति शासन लगाया गया.

1989 से 1999 के बीच राष्ट्रपति शासन

- 1989 से लेकर 1999 तक 7 प्रधानमंत्री बने. इस दौरान 20 बार राष्ट्रपति शासन लगाया गया.
- चौथी सबसे ज्यादा बार राष्ट्रपति शासन पी.वी. नरसिम्हा राव के कार्यकाल में लगा था. 4 वर्ष 330 दिन में 11 बार राष्ट्रपति शासन लगा था.

अटल बिहारी वाजपेयी के शासन में राष्ट्रपति शासन

- प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मार्च 1999 से मई 2004 तक प्रधानमंत्री रहने वाले अटल

MAGAZINE KING

बिहारी वाजपेयी ने 5 बार इस प्रावधान का इस्तेमाल किया.

- अटल बिहारी वाजपेयी तीन बार प्रधानमंत्री बने.

मनमोहन सिंह सरकार के दौरान राष्ट्रपति शासन

- तीसरी सबसे ज्यादा बार राष्ट्रपति शासन मनमोहन सिंह के कार्यकाल (2004 से 2014 तक) में लगा था.
- 10 वर्ष और 4 दिन के उनके कार्यकाल में 12 बार राष्ट्रपति शासन लगा.

जम्मू-कश्मीर में राज्यपाल और राष्ट्रपति शासन

- *अनुच्छेद 370 के तहत् जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा हासिल था. इसके तहत् राज्य में किसी भी तरह की राजनीतिक अस्थिरता या बिगड़ती कानून व्यवस्था से निपटने के लिए पहले राज्यपाल शासन ही लगाया जा सकता था.*
- *राज्यपाल शासन लगने के बाद अगर राज्यपाल सिफारिश करते थे, तो वहाँ राष्ट्रपति शासन लगता था. हालांकि, अनुच्छेद 370 को हटा दिया गया है, जिसके बाद अब वहाँ राष्ट्रपति शासन ही लगेगा.*
- *1990 में राज्य में आतंकवाद अपने चरम पर था और उस वक्त 6 वर्ष तक वहाँ पर राष्ट्रपति शासन लगाया गया था.*
- *जम्मू-कश्मीर में अब तक 8 बार राज्यपाल और तीन बार राष्ट्रपति शासन लग चुका है.*

नरेन्द्र मोदी सरकार में राष्ट्रपति शासन

- वर्ष 2014 के बाद से केन्द्र में नरेन्द्र मोदी सरकार के आने के बाद अब तक 7 बार राष्ट्रपति शासन लगाया जा चुका है, जोकि देश के चार राज्यों में लगा है.
- इसमें महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड, अरुणाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर राज्य भी शामिल हैं.
- पर्वतीय राज्य उत्तराखण्ड में भी वर्ष 2016 में दो बार राष्ट्रपति शासन लग गया था, पहले 25 दिन और बाद में 19 दिन के लिए. पहले कांग्रेस में फूट पड़ने के बाद और दूसरी बार मई में एक बार फिर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू हुआ.
- मोदी सरकार में ही अरुणाचल प्रदेश वर्ष 2016 में 26 दिनों के लिए राष्ट्रपति शासन लगा था. कांग्रेस के 21 विधायकों ने 11 बीजेपी और दो निर्दलीय विधायकों के साथ हाथ मिला लिया था. इसके चलते राज्य सरकार अल्पमत में आ गई थी, जिस के चलते राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था. हालाँकि, राष्ट्रपति शासन लगाए जाने को कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी और कोर्ट ने अपने फैसले में कांग्रेस सरकार को बहाल कर दिया था.
- जम्मू-कश्मीर में जून 2018 में बीजेपी ने पीडीपी के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस ले लिया था. इसके चलते महबूबा मुफ्ती ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया गया था. राष्ट्रपति शासन के दौरान ही राज्य में आर्टिकल 370 को रद्द कर दिया गया और राज्य से विशेष राज्य का दर्जा भी वापस ले लिया गया है.
- हालाँकि इससे पहले भी वर्ष 2015 में विधान सभा चुनावों में एक खण्डित फैसले के बाद सरकार गठन में विफलता के चलते जम्मू-कश्मीर में केन्द्रीय शासन राज्य में लागू किया गया था.
- महाराष्ट्र में चुनाव नतीजे आने के 19 दिन बाद भी सरकार बनने की सम्भावना नहीं दिखने पर वहाँ 12 नवम्बर, 2019 को राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया.
- महाराष्ट्र में 12 नवम्बर, 2019 से पहले तक दो बार राष्ट्रपति शासन लग चुका है. अब यह तीसरी बार लागू किया गया है. महाराष्ट्र के इतिहास में यह तीसरा मौका है, जब राष्ट्रपति शासन लगाया गया है. पहली बार 17 फरवरी से 9 जून, 1980 तक और दूसरी बार 2014 में 32 दिनों के लिए राष्ट्रपति शासन लगाया गया था.
- महाराष्ट्र राज्य के 59 वर्ष के इतिहास में पहली ऐसी घटना है जब विधान सभा चुनाव के बाद राजनीतिक दलों के सरकार नहीं बना पाने के चलते अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल किया गया. वर्तमान का महाराष्ट्र एक मई 1960 को अस्तित्व में आया था.

●●●

राष्ट्रपति शासन से सम्बन्धित प्रमुख तथ्य

- *उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 10 बार राष्ट्रपति शासन लगाया गया.*
- *सबसे ज्यादा दिन तक राष्ट्रपति शासन लागू रहने के मामले में पंजाब सबसे आगे है. यहाँ अलग-अलग मौकों पर कुल 3510 दिन यानी लगभग 10 वर्ष राष्ट्रपति शासन रहा.*
- *दूसरे नम्बर पर जम्मू-कश्मीर है, जहाँ 3 बार राष्ट्रपति शासन लगा और यह कुल 2375 दिन लागू रहा.*
- *जम्मू-कश्मीर में 8 बार राज्यपाल और 3 बार राष्ट्रपति शासन लगा.*
- *जम्मू-कश्मीर में पहले राज्यपाल शासन लगाया जाता रहा, इसके बाद राष्ट्रपति शासन की सिफारिशें हुईं.*
- *न्यूनतम राष्ट्रपति शासन कर्नाटक राज्य में 7 दिनों के लिए चला है.*
- *अभी तक जिन राज्यों में राष्ट्रपति शासन नहीं लगा है वे हैं छत्तीसगढ़ और तेलगाना.*
- *देश के 27 राज्यों में कम-से-कम एक बार राष्ट्रपति शासन लगा.*
- *देश में सबसे ज्यादा बार राष्ट्रपति शासन इंदिरा गांधी के दौर में लगा.*
- *सबसे ज्यादा दूसरी बार राष्ट्रपति शासन मोरारजी देसाई के कार्यकाल में लगा था.*
- *तीसरी सबसे ज्यादा बार राष्ट्रपति शासन मनमोहन सिंह के कार्यकाल में लगा था.*
- *चौथी सबसे ज्यादा बार राष्ट्रपति शासन पी. वी. नरसिम्हा राव के कार्यकाल में लगा था.*
- *आमतौर पर राष्ट्रपति शासन उन राज्यों में लगाया जाता है, जहाँ केन्द्र में विराजमान पार्टी सत्ता में नहीं होती, लेकिन दो ऐसे भी मौके आए हैं, जब इंदिरा गांधी सरकार ने कांग्रेस शासित राज्यों में भी राष्ट्रपति शासन लगा दिया था. पंजाब में सन् 1983 और आंध्र प्रदेश में 1973 में ऐसा हुआ था.*

शेष पृष्ठ 84 का

वर्ष 2017 के दौरान हुए उत्पादन से 4·46 प्रतिशत अधिक रहा.

- वर्ष 2018 के दौरान चीन में कच्चे इस्पात का उत्पादन 9280 लाख टन हुआ, जो वर्ष 2017 में हुए उत्पादन से 6·59 प्रतिशत अधिक रहा. चीन विश्व में कच्चे इस्पात का सबसे बड़ा उत्पादक बना रहा, जिसने वर्ष 2018 के दौरान एशिया के 74 प्रतिशत और विश्व के 52 प्रतिशत कच्चे इस्पात का उत्पादन किया.
- वर्ष 2018 के दौरान भारत 1064·63 लाख टन कच्चे इस्पात के उत्पादन के साथ विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक था.
- जिसकी वर्ष 2017 में वृद्धि 4·94% दर प्रतिशत रही. भारत ने 2018 के दौरान एशिया के इस्पात उत्पादन का 8 प्रतिशत और विश्व का कुल 6 प्रतिशत उत्पादन किया.

●●●

MAGAZINE KING

भारत के संविधान में संशोधन : प्रक्रिया एवं सीमाएं

✍ शंकर प्रसाद तिवारी (विनय)

26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू होने के बाद से यद्यपि देश ने कई प्रकार के उत्तार-चढ़ाव देखे हैं, मगर इसके बावजूद देश में लोकतंत्र की मूल अवधारणा कायम रही है, भारत में लोकतंत्र की मूल भावनाएं तमाम विविधताओं, विसंगतियों, चुनौतियों तथा उतार-चढ़ावों के बावजूद अगर अक्षुण्ण, उपादेय, प्रासंगिक तथा प्रगतिशील बनी रही है, तो इसमें भारत के 'मूल संविधान' तथा उसमें समय-काल परिस्थितियों के अनुसार किए गए आवश्यक संशोधनों का बेहद महत्वपूर्ण योगदान रहा है.

संविधान संशोधन की प्रक्रिया के प्रकार

1. साधारण बहुमत से संसद के सदनों में संशोधन

ऐसे उपबंध जिनका कोई विशेष संवैधानिक महत्व नहीं होता, में संशोधन 'अनुच्छेद 368' से इत्तर संसद के दोनों सदनों में साधारण बहुमत से किया जाता है, संविधान के ऐसे उपबंधों को संशोधन के लिए संसद का साधारण बहुमत अर्थात् लोक सभा तथा राज्य सभा के दोनों सदनों में उपस्थित अथवा मत देने वाले आधे या उससे अधिक सदस्यों की सहमति आवश्यक होती है ऐसे उपबंध जो साधारण बहुमत से संशोधित किए जा सकते हैं निम्नलिखित हैं–

(i) अनुच्छेद-2 (भाग-1)—नये राज्यों का प्रवेश अथवा स्थापना (गठन)

(ii) अनुच्छेद-3 (भाग-1)—नये राज्यों का निर्माण और वर्तमान राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं (परिसीमन) या नामों में परिवर्तन.

(iii) अनुच्छेद-4 (भाग-1)—'पहली अनुसूची' (राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों का उल्लेख) तथा 'चौथी अनुसूची' (राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों के लिए राज्य सभा में सीटों के आवंटन का उल्लेख) में संशोधन तथा अनुपूरक आनुषंगिक और पारिणामिक विषयों का उपबंध करने के लिए अनुच्छेद-2 तथा 'अनुच्छेद-3' के अंतर्गत बनाई गई विधियाँ.

(iv) दूसरी अनुसूची–राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, लोकसभाध्यक्ष, नियंत्रक एवं महा लेखा परीक्षक (CAG) आदि के वेतन तथा भत्तों का विवरण.

(v) संसद में गणपूर्ति

(vi) राज्य विधान परिषद् का निर्माण या समाप्ति

(vii) संसद सदस्यों के वेतन एवं भत्ते

(viii) उच्च/उच्चतम न्यायालयों में अवर न्यायाधीशों की संख्या

(ix) राजभाषा का प्रयोग

(x) संसद या राज्य विधान मण्डल हेतु निर्वाचन

(xi) निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण

(xii) नागरिकता की प्राप्ति एवं समाप्ति

(xiii) **पाँचवीं अनुसूची**–अनुसूचित क्षेत्रों तथा अनुसूचित जनजातियों के प्रशासन एवं नियंत्रण से सम्बन्धित प्रावधान.

(xiv) **छठी अनुसूची**–असम, मेघालय, त्रिपुरा तथा मिजोरम जैसे पूर्वोत्तर के राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में उपबंध.

2. विशेष बहुमत के आधार पर होने वाले संशोधन

भारतीय संविधान के 'भाग-20' के अन्तर्गत 'अनुच्छेद-368' (संविधान संशोधन की संसद की शक्तियाँ तथा उसके लिए प्रक्रिया) के अन्तर्गत की संविधान संशोधन प्रक्रिया का उल्लेख किया गया है, जिन उपबंधों का सम्बन्ध भारत के संघीय ढाँचे से है, उन्हें छोड़कर अनुच्छेद-368 के अन्तर्गत 'संशोधन' माने जाने वाले शेष सारे उपबंध इसी वर्ग में शामिल हैं.

विशेष बहुमत द्वारा संविधान संशोधन विधेयक के पारित किए जाने की दो प्रमुख शर्तें हैं–

(i) संशोधन को सदन की कुल संख्या के बहुमत का समर्थन मिलना आवश्यक है (सदन की कुल सदस्य संख्या से तात्पर्य सदन की औपचारिक समस्त संख्या से है, न कि तात्कालिक संख्या से)

(ii) संसद के प्रत्येक सदन में संशोधन विधेयक को 'सदन में उपस्थित तथा मतदान करने वाले' सदस्यों में से कम-से-कम दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन या बहुमत हासिल होना आवश्यक है.

इस प्रक्रिया के द्वारा निम्नलिखित संशोधन किए जा सकते हैं–

(i) मूल अधिकार, (ii) राज्य के नीति-निर्देशक तत्व तथा (iii) वे सभी उपबंध जो अन्य दूसरी श्रेणियों के अन्तर्गत संशोधन में नहीं आते.

3. संसद के विशेष बहुमत तथा कम-से-कम आधे राज्यों की विधान सभा/विधानमण्डलों के समर्थन के आधार पर संशोधन

संघीय ढाँचे के अन्तर्गत शामिल उपबंधों को इस प्रक्रिया के तहत् संशोधित किया जाता है, इस प्रकार के विधेयक दो चरणों में पारित किए जाते हैं–(i) प्रथम चरण के अन्तर्गत संशोधन विधेयक को विशेष बहुमत द्वारा संसद के दोनों सदनों में पारित किया जाता है तथा (ii) दूसरे चरण में इसे पारित होने के पश्चात् देश की कम- से-कम आधे राज्यों की विधान सभाओं द्वारा इस आशय का 'संकल्प' पारित कर अनुसमर्थन प्राप्त करना आवश्यक माना जाता है, इस प्रक्रिया के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रकार से संशोधन किए जाते हैं–

(i) राष्ट्रपति का चुनाव तथा राष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया [भाग-5 (संघ के अन्तर्गत अनुच्छेद-54 तथा अनुच्छेद-55)]

(ii) इस प्रक्रिया के अन्तर्गत संविधान के 'भाग-11' (संघ तथा राज्यों के बीच सम्बन्ध) के 'अध्याय-1' [विधायी सम्बन्ध (विधायी शक्तियों का वितरण)] में अनुच्छेद-245 से लेकर अनुच्छेद-255 तक निम्न-लिखित विषय शामिल हैं–

(क) अनुच्छेद-245—संसद द्वारा और राज्यों के विधानमण्डलों द्वारा बनाई गई विधियों का विस्तार.

(ख) अनुच्छेद-246—संसद द्वारा और राज्य के विधानमण्डलों द्वारा बनाई गई विधियों की विषय-वस्तु.

(ग) अनुच्छेद-247—कुछ अतिरिक्त न्यायालयों की स्थापना का उपबंध करने की संसद की शक्ति.

(घ) अनुच्छेद-248—अवशिष्ट विधायी शक्तियाँ.

(ङ) अनुच्छेद 249—राज्य सूची के विषय के सम्बन्ध में राष्ट्रीय हित में विधि (कानून) बनाने की संसद की शक्ति.

(च) अनुच्छेद-250—यदि आपातकाल की उद्घोषणा प्रवर्तन में हो तो राज्य सूची के विषय के सम्बन्ध में विधि बनाने की संसद की शक्ति.

(छ) अनुच्छेद-251—संसद द्वारा 'अनुच्छेद-249' तथा 'अनुच्छेद-250' के अधीन बनाई गई विधियों और राज्यों के विधानमण्डलों द्वारा बनाई गई विधियों में असंगति.

MAGAZINE KING

(ज) **अनुच्छेद-252**—दो या दो से अधिक राज्यों के लिए उनकी सहमति से विधि बनाने की संसद की शक्ति और ऐसी विधि का किसी अन्य राज्य द्वारा अंगीकार किया जाना.

(झ) **अनुच्छेद-253**—अन्तर्राष्ट्रीय करारों को प्रभावी करने के लिए विधान.

(ञ) **अनुच्छेद-254**—संसद द्वारा बनाई गई विधियों और राज्यों के विधान मण्डलों द्वारा बनाई गई विधियों में असंगति.

(ट) **अनुच्छेद-255**—सिफारिशों और पूर्व मंजूरी के बारे में अपेक्षाओं को केवल प्रक्रिया के विषय मानना.

(iii) 7वीं अनुसूची से सम्बद्ध विषय, 7वीं अनुसूची में केन्द्र तथा राज्यों के मध्य विधायी शक्तियों के वितरण से सम्बन्धित 'संघ सूची' (97), 'राज्य सूची' (66) एवं 'समवर्ती सूची' (47) का उल्लेख किया गया है.

(iv) उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय.

(v) संसद में राज्यों का प्रतिनिधित्व

(vi) संविधान संशोधन करने की शक्ति.

संविधान संशोधन की प्रक्रिया के चरण

- सर्वप्रथम संशोधन सम्बन्धी विधेयक का प्रस्ताव संसद के दोनों सदनों (राज्य सभा तथा लोक सभा) में से किसी भी सदन में प्रस्तुत किया जाता है, इसके लिए राष्ट्रपति की अनुमति लेनी आवश्यक नहीं मानी जाती.
- विधेयक किसी मंत्री या गैर-सरकारी सदस्य द्वारा प्रस्तावित या प्रस्तुत किया जा सकता है, संविधान संशोधन विधेयक के मामले में 'संयुक्त बैठक' (संयुक्त संसदीय बैठक) का कोई प्रावधान नहीं है.
- विधेयक को पृथक्-पृथक् दोनों सदनों में विशेष बहुमत द्वारा पारित करना अनिवार्य है.
- संघात्मक (संघीय) ढाँचे में संशोधन से सम्बन्धित विधेयक को कम-से-कम आधे राज्यों के विधानमंण्डलों का समर्थन/बहुमत हासिल होना आवश्यक है.
- राष्ट्रपति संवैधानिक रूप से संविधान संशोधन विधेयक को अनुमति या सहमति देने को बाध्य है, वह पुनर्विचार हेतु विधेयक को नहीं भेज सकते, '24वें संविधान संशोधन अधिनियम, (1971)' के माध्यम से 'अनुच्छेद-368(2)' में संशोधन करके 'अनुमति देगा' शब्द रख दिए गए हैं, जिनके माध्यम से ऐसे विधेयकों को 'वीटो' करने की शक्ति राष्ट्रपति से छिन गयी है.

संविधान-संशोधन की शक्ति पर निर्धारित सीमाएं

- वर्ष 1951 में 'शंकरी प्रसाद *बनाम* भारत संघ' वाले मामले में उच्चतम न्यायालय ने निर्धारित किया कि अगर 'अनुच्छेद-368' का प्रयोग करते हुए कोई संविधान संशोधन अधिनियम पारित किया जाता है, तो वह 'अनुच्छेद-13-(2) के अन्तर्गत विधि नहीं माना जाएगा. दरअसल 'भाग-3' (मूल अधिकार) के अंतर्गत 'अनुच्छेद-13(2)' में 'विधि' एव अध्यादेश' की परिभाषा दी गई है जिसमें कहा गया है कि राज्य के द्वारा किसी भी ऐसी विधि (अध्यादेश/अधिनियम) का निर्माण नहीं होगा, जो भाग-3 में वर्णित मूल अधिकारों के प्रतिकूल हो, अगर ऐसी विधियाँ सरकार द्वारा लाई जाती हैं, तो उन्हें असंवैधानिक घोषित कर दिया जाएगा.
- वर्ष 1965 में 'सज्जन सिंह *बनाम* राजस्थान राज्य मामले' में भी उच्चतम न्यायालय ने निर्धारित किया कि 'अनुच्छेद-368' के अन्तर्गत मूल अधिकारों में संशोधन किया जा सकता है.
- वर्ष 1967 में गोलकनाथ *बनाम* पंजाब राज्य के मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह निर्णय दिया था कि 'अनुच्छेद-368' के तहत भी संसद को यह शक्ति नहीं दी जा सकती कि वह मूल अधिकारों को छीनने, हनन करने या उन्हें न्यूनतम करने की विधि बनाए, मगर इस निर्णय का प्रभाव कम करने के लिए सरकार द्वारा' 24वाँ संविधान संशोधन अधिनियम' (1971) पारित किया गया.
- वर्ष 1973 में 'केशवानंद भारती *बनाम* केरल राज्य' मामले में उच्चतम न्यायालय के 13 न्यायाधीशों की खण्डपीठ ने यह तय किया कि—(i) संसद अनुच्छेद-368 के तहत मूल अधिकारों के संसोधन करने के लिए उतनी ही सक्षम है जितनी कि संविधान के किसी अन्य भाग का तथा (ii) परन्तु संसद को संविधान का संशोधन कर- 'संविधान के आधारभूत ढाँचे' (Basic structure) का उल्लंघन या अतिक्रमण करने का अधिकार नहीं है, केशवानंद भारती के मामले में दिए गए उच्चतम न्यायालय के निर्णय के प्रभाव को न्यूनतम या खत्म करने के लिए '42वाँ' संविधान संशोधन अधिनियम' (1976) पारित किया. इसके तहत् अनुच्छेद-368 में खण्ड-4 और खण्ड-5 जोड़े गए, जिनमें इस बात का स्पष्ट उल्लेख किया गया कि संविधान में संशोधन करने के संसद के अधिकार पर किसी प्रकार का कोई निर्बंधन या प्रतिबंध नहीं होगा.
- वर्ष 1980 में 'मिनर्वा मिल्स *बनाम* भारत संघ' मामले में उच्चतम न्यायालय ने अनुच्छेद-368 के खण्ड-4 तथा खण्ड-5 को अवैध घोषित कर दिया, क्योंकि ये दोनों खण्ड संसद को संविधान संशोधन की अतिरिक्त व असीमित शक्ति देकर न्यायिक प्रक्रिया तथा न्यायिक पुनरीक्षण की शक्ति को सीमित/न्यूनतम कर रहे थे, जबकि 'न्यायिक पुनरीक्षण' संविधान के आधारभूत लक्षणों में शामिल है.
- वर्ष 1981 में 'वामन राव *बनाम* भारत संघ' के मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा स्पष्ट किया गया कि 24 अप्रैल, 1973 के बाद यदि कोई भी अधिनियम 9वीं अनुसूची [प्रथम संविधान संशोधन अधिनियम-1951 के अन्तर्गत 9वीं अनुसूची को जोड़ा गया था, इसमें भूमि सुधार सम्बन्धी ऐसे विषय शामिल हैं जिन पर न्यायिक पुनर्विचार (पुनरावलोकन) करना सम्भव नहीं है, इस सूची में सम्मिलित विषयों को इस आधार पर अवैध घोषित नहीं किया जा सकता कि वे मूल अधिकारों का उल्लंघन करते हैं] में डाला गया है तो उसकी न्यायिक समीक्षा की जा सकती है.

संविधान के आधारभूत ढाँचे में शामिल तत्व

संविधान के आधारभूत ढाँचे की संकल्पना सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 1973 में 'केरल राज्य एव केशवानंद भारती वाद के दौरान की गई थी, न्यायपालिका द्वारा इस संदर्भ में यह कहा गया है कि—'आधारभूत ढाँचा संविधान का वह मूल, अभिन्न एव आधारभूत भाग है, जिसके परिवर्तन का आशय समूचे संविधान का ही परिवर्तन होगा,' परन्तु न्यायपालिका ने संविधान के किसी ऐसे भाग का उल्लेख नहीं किया है जो संविधान के अभिन्न भाग हों, बल्कि न्यायपालिका के अनुसार यह प्रत्येक वाद के अनुसार निर्धारित होगा. इस प्रकार अब तक के विभिन्न वादों में आधारभूत ढाँचे के विभिन्न तत्वों का उल्लेख किया गया है, मगर यह सूची अभी भी पूर्ण नहीं है तथा न्यायपालिका इसका निरन्तर विकास कर रही है ताकि संविधान के आधारभूत ढाँचे को सही ढंग से परिभाषित किया जाय, यहाँ

शेष पृष्ठ 129 पर

MAGAZINE KING

सामयिक लेख

जलवायु-परिवर्तन : दोराहे पर खड़ी पीढ़ी

✍ डॉ. सूर्यनारायण पाण्डेय

संयुक्त राष्ट्र संघ ने सितम्बर 2019 में जलवायु-परिवर्तन पर एक वैश्विक आयोजन किया. यह बहुप्रतीक्षित आयोजन विशिष्ट है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र संघ सहित विभिन्न देशों ने अपने अनुभवों को साझा किया तथा जलवायु-परिवर्तन के खतरों से निपटने के अपने सुझावों को रेखांकित किया. यह आयोजन जलवायु-परिवर्तन के ज्वलन्त मुद्दे पर महत्वाकांक्षी कार्यवाही के प्रयासों को ऊर्जा देने और पेरिस समझौते को तत्काल अमल में लाने के लिए एक कार्यवाही सम्मेलन था. जलवायु-परिवर्तन एक ऐसा असन्तुलन है, जो मानव-जाति के क्रिया-कलापों से उपजा है, जिसके परिणाम भावी पीढ़ी को भुगतने होंगे. यदि समय रहते चेता नहीं गया और इस असन्तुलन को सन्तुलित नहीं किया गया, तो परिणाम अत्यन्त भयावह होंगे. इस खतरे व पर्यावरणीय पीड़ा को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 73वें सत्र की अध्यक्ष रहीं **मारिया फर्नान्डा एस्पिनोसा** (Maria Fernanda Espinosa) ने इस प्रकार रेखांकित किया है—"प्रकृति की देखभाल करने का अर्थ वास्तव में लोगों की देखभाल करना है. हम वह आखिरी पीढ़ी हैं, जो पृथ्वी और उसके निवासियों को होने वाली अपूरणीय क्षति से बचा सकते हैं. हम इस समय दोराहे पर खड़े हैं. यह वह समय है, जब हमें तय करना है कि हम किस मार्ग पर चलेंगे जिससे वैश्विक तापमान में वृद्धि के मामले में हम ऐसे मुकाम पर न पहुँच जाएं, जहाँ से लौटना असम्भव हो."

जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने की दिशा में कृत कार्यवाही पर विश्व के देशों ने अपने-अपने अनुभव सितम्बर 2019 में साझा किए. 21–23 सितम्बर, 2019 के दौरान न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में **संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्यवाही शिखर सम्मेलन 2019** आयोजित किया गया. शिखर सम्मेलन का लक्ष्य ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए जलवायु कार्यवाही को आगे बढ़ाना था, जिससे औसत वैश्विक तापमान 1·5 डिग्री से अधिक बढ़ने से रोका जा सके.

जलवायु कार्यवाही शिखर वार्ता से पूर्व संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने विश्व नेताओं से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती तथा वर्ष 2050 तक नेट कार्बन उत्सर्जन शून्य करने के लिए ठोस समाधान अपने साथ लाने की अपील की थी.

सम्मेलन के एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत् युवा जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थुनबर्ग के सम्बोधन ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया. यह उल्लेखनीय है. ग्रेटा थुनबर्ग दुनिया भर से न्यूयॉर्क में एकत्र हुए राष्ट्राध्यक्षों, व्यवसाय जगत् के नेताओं और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को सीधे सम्बोधित करते हुए कहा कि "खोखली बातों से तुमने मेरे सपने और मेरा बचपन चुरा लिया है और मैं फिर भी भाग्यशाली लोगों में हूँ. लोग मुश्किलों का सामना कर रहे हैं. लोग मर रहे हैं, पारिस्थतिकी तन्त्र समाप्त हो रहे हैं. हम पूरी तरह लुप्त होने की तरफ बढ़ रहे हैं और आप सिर्फ धन और निरन्तर जारी रहने वाली आर्थिक वृद्धि की परीकथाओं सरीखी बातें करते हैं. आपकी हिम्मत कैसे हुई ?

शिखर वार्ता से पूर्व वैश्विक तापमान बढ़ने के विनाशकरी नतीजों की जानकारी देने वाली एक वैज्ञानिक रिपोर्ट जारी की गई थी. इस रिपोर्ट में अभूतपूर्व जलवायु कार्यवाही की आवश्यकता को सशक्त रूप से रेखांकित किया गया है. शिखर वार्ता प्रारम्भ करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि 'यह शिखर वार्ता बात करने के लिए नहीं है. बातचीत बहुत हो गई हैं. यह जलवायु के लिए मोलभाव करने के लिए भी बैठक नहीं है. आप प्रकृति के साथ मोलभाव नहीं करते. यह जलवायु कार्यवाही के लिए शिखर वार्ता है.'

शिखर सम्मेलन के दौरान जलवायु परिवर्तन के सन्दर्भ में कई वायदे किए गए और घोषणाएं भी की गईं. यह सम्मेलन निजी क्षेत्र के लिए सकारात्मक बदलाव लाने के रास्ते प्रदर्शित करने के एक अवसर के रूप में रेखांकित किया गया. सम्मेलन में बाजार में 2·3 ट्रिलियन डॉलर पूँजी वाली

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्यवाही शिखर सम्मेलन-2019 में सम्बोधन

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 23 सितम्बर, 2019 को जलवायु कार्यवाही शिखर सम्मेलन, 2019 में अपना सशक्त सम्बोधन किया तथा जलवायु परिवर्तन के खतरों के साथ ही भारत द्वारा किए गए प्रयासों को रेखांकित किया. श्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2018 में चैम्पियन ऑफ अर्थ अवार्ड (Champion of the Earth Award) मिलने के बाद संयुक्त राष्ट्र में उनका यह पहला सम्बोधन है और यह भी सुखद संयोग है कि न्यूयॉर्क दौरे में मेरी पहली सभा 'जलवायु' (Climate) विषय पर हो रही है. उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर दुनियाभर में अनेक प्रयास हो रहे हैं, लेकिन हमें यह बात स्वीकार करनी होगी कि इस गम्भीर चुनौती का मुकाबला करने के लिए उतना नहीं किया जा रहा है, जितना कि होना बहुत अनिवार्य है. श्री मोदी ने इसके लिए एक व्यापक दृष्टिकोण (Comprehensive Approach) की आवश्यकता बतायी, जिसमें शैक्षिक मूल्य व जीवनशैली से लेकर विकासात्मक दर्शन (Developmental Philosophy) भी शामिल हो. उन्होंने व्यवहार परिवर्तन (Behavioral Change) के लिए एक विश्वव्यापी जन-आन्दोलन खड़ा करने की आवश्यकता बतायी. उन्होंने कहा कि प्रकृति का सम्मान और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण यह हमारी परम्परा और वर्तमान प्रयासों का हिस्सा रहा है.

*वर्ष 2022 तक परिवर्तनीय ऊर्जा (Renewable Energy) में अपनी क्षमता को 175 गीगावाट तक ले जाने और आगे इसे 450 गीगावाट तक ले जाने के लिए उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की. उन्होंने कहा कि भारत ने 150 मिलियन परिवारों को स्वच्छ कुकिंग गैस कनेक्शन दिए हैं. भारत ने जल संरक्षण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग तथा जल संसाधन विकास के लिए **मिशन जल जीवन** शुरू किया है तथा एक मंत्रालय का गठन भी किया है.*

अपने सम्बोधन में श्री मोदी ने उल्लेख किया कि लगभग 80 देश हमारी International Solar Alliance की पहल के साथ जुड़ चुके हैं. उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत और स्वीडन अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर Industry transition track के लीडरशिप समूह (Leadership group) को लॉंच कर रहे हैं. यह पहल सरकारों और निजी क्षेत्र को साथ लेकर उद्योगों के लिए न्यूनतम कार्बन मार्ग (Low Carbon Pathways) बनाने में अहम् भूमिका अदा करेगी. उन्होंने कहा कि वैश्विक Infrastructure natural disaster का सामना करने के लिए भारत Coalition for Disaster Resilient Infrastructure की शुरूआत कर रहा है. श्री मोदी ने सभी देशों को इससे जुड़ने के लिए आमन्त्रित किया. उन्होंने बताया कि भारत ने 15 अगस्त, 2019 को अपने स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर Single Use Plastic से मुक्ति के लिए जन-आन्दोलन का आह्वान किया. उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की इमारत में भारत द्वारा लगाए गए सौर पैनल (Solar Panels) का भी उल्लेख किया, जिसका उद्घाटन 24 सितम्बर, 2019 को हुआ.

MAGAZINE KING

और 42 लाख कर्मचारियों वाली 87 से अधिक बड़ी कम्पनियों ने अपने कामकाज में जलवायु लक्ष्यों को निर्धारित करने का संकल्प लिया है. इन कम्पनियों का वार्षिक उत्सर्जन कोयले से चलने वाले 73 ऊर्जा संयन्त्रों से होने वाले उत्सर्जन के बराबर है. इन बड़ी कम्पनियों में बरबैरी, डेनोन, एरिक्सन, इलेक्ट्रोलक्स, इकेआ व नैस्ले शामिल हैं. इनमें से कुछ कम्पनियों ने तो और अधिक कदम बढ़ाते हुए विज्ञान पर आधारित लक्ष्य निर्धारित करने का संकल्प लिया. वित्तीय क्षेत्र में पेंशन फण्ड और बीमा जगत् के बड़े व चर्चित नामों ने एओडब्ल्यू (Asset Owner Alliance) का गठन किया है. इसके माध्यम से उनके पोर्टफोलियो वर्ष 2050 तक कार्बन न्यूट्रल निवेश की दिशा में बढ़ेंगे. इसके तहत् 2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का निवेश होगा.

शिखर सम्मेलन में जलवायु संकट से निपटने के लिए प्रकृति की शक्ति के प्रयोग की गणना सबसे प्रभावी और तात्कालिक उपायों में की गई. इसके लिए कई पहलों की घोषणा की गई. वन जैसे प्राकृतिक पारिस्थितिकी तन्त्रों को सशक्त बनाना ऐसा ही एक समाधान है. अधिक वन क्षेत्र होने से कार्बन सोखने की क्षमता बढ़ती है तथा बाढ़ व तटीय रेखा के क्षरण की रोकथाम के लिए सहयोग मिलता है. प्रकृति आधारित समाधानों में प्रमुख हैं–

- Global Campaign for Nature, जिसके अन्तर्गत भूमि और महासागरों के 30 प्रतिशत भाग को वर्ष 2030 तक संरक्षित रखना.
- महासागरों को सुदृढ़ और समुद्री जीवन के लिए संरक्षित क्षेत्रों के निर्माण के लिए 'High Level Panel for the Sustainable Ocean Economy'.
- मध्य अफ्रीका में 6 करोड़ लोगों की आजीविका चलाने में मदद देने वाले वन क्षेत्र की सुरक्षा के लिए 'Central African Forest Initiative'.

विश्व में ऐसे भवनों का निर्माण किया जा सकता है, जिनसे शत-प्रतिशत नैट शून्य कार्बन उत्सर्जित हो. सम्मेलन में 'Zero Carbon Buildings for All' पहल पर चर्चा हुई. इसके माध्यम से पुरानी और नई, सभी इमारतों को वर्ष 2050 तक नेट जीरो कार्बन बनाने का लक्ष्य रखा गया है. 2030 तक विकासशील देशों में इससे 01 ट्रिलियन डॉलर के निवेश की सम्भावना व्यक्त की गई.

विश्व परिवहन व्यवस्था भी चर्चा के केन्द्र में रहा. इसके लिए 'Action Towards Climate Friendly Transport Initiative' की संकल्पना की गई. इसका उद्देश्य ट्रैफिक जाम और प्रदूषण की समस्या से निपटना है. इसके तहत् शहर का विकास इस तरीके से किया जाएगा, जिससे यात्रा में लगने वाला समय कम-से-कम हो, जीवाश्म ईंधन से चलने वाले वाहनों के बजाय मोटर के बिना चलने वाले और सार्वजनिक परिवहन पर जोर हो. साथ ही शून्य-उत्सर्जन वाली तकनीकों को बढ़ावा देना भी इसके उद्देश्यों में प्रमुख है.

वर्ष 2019 के उक्त सम्मेलन के दृष्टिगत जलवायु परिवर्तन के विविध पहलुओं, वैश्विक स्थिति, इसके खतरे आदि की मीमांसा, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समीचीन होगा. पर्यावरण हमारे चारों ओर विद्यमान प्रकृति की अद्वितीय, सम्मोहक एवं विशिष्ट संरचना है. यह सबको लुभाता है. पर्यावरण की विविधताएं मन को झकझोर देती हैं. सुखद आश्चर्य होता है. ऐसा लगता है प्रकृति ने हमें बहुत समृद्ध किया है. नदियाँ, पहाड़, वन, पशु-पक्षी सब मनुष्य को आकर्षित करते हैं.

भारतीय संविधान के मौलिक कर्तव्यों में पर्यावरण के संरक्षण पर विशेष बल दिया गया है. भारतीय संविधान के **अनुच्छेद-48** में स्पष्ट किया गया है कि 'राज्य, देश के पर्यावरण के संरक्षण तथा सुधार और वनों तथा वन्य जीवन की रक्षा का प्रयास करेगा. इसी प्रकार भारतीय संविधान के **अनुच्छेद-51क** में कहा गया है कि 'भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा कि वह वनों, झीलों, नदियों तथा वन्य जीवन सहित प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण और सुधार करे और सभी सजीव प्राणियों के प्रति करुणा रखें'.

वर्तमान में पर्यावरण संकट के दौर से गुजर रहा है. कोई धीरे-धीरे इसे डस रहा है. पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है. यह चिन्ता का विषय है. दूसरी तरफ जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में समय रहते, जो कार्यवाही की जानी है, वह मन्द गति से आगे बढ़ रही है. समय रहते कुछ करने का अवसर हाथ से निकलता जा रहा है. दुनिया में इसके लिए लगातार कई प्रयास हुए हैं, हो रहे हैं और भविष्य की कार्ययोजना भी बनी है.

संयुक्त राष्ट्र कार्ययोजना, 2019 के प्रमुख क्षेत्र

पेरिस समझौते के कार्यान्वयन में तेजी लाने के परिप्रेक्ष्य में जलवायु कार्ययोजना शिखर सम्मेलन ने 9 उपायों पर ध्यान दिया है. इन उपायों को 19 देश आगे बढ़ा रहे हैं तथा इन्हें अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों का समर्थन प्राप्त है. शिखर सम्मेलन के तहत् महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समाधान विकसित करने के लिए विभिन्न देशों की सरकारें, निजी क्षेत्र, सिविल सोसाइटी, स्थानीय निकाय और अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठन एकजुट हुए हैं. जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कई कार्ययोजनाओं को प्राथमिकता दी है. चिह्नित प्रमुख क्षेत्र इस प्रकार हैं–

- ***वित्त** (Finance)–सभी प्राथमिकता वाले सेक्टरों में कार्बन की कमी लाने (Decarbonization) और उन्नत रोधी क्षमता के लिए सार्वजनिक तथा निजी वित्त स्रोतों को लामबन्द करना (Mobilizing).*
- ***ऊर्जा अन्तरण** (Energy Transition)– नवीकरणीय ऊर्जा (Renewable Energy) की दिशा में तेज कदम बढ़ाना तथा ऊर्जा क्षमता में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करना.*
- ***उद्योग अन्तरण** (Industry Transition)–तेल एवं गैस, इस्पात, सीमेण्ट, रसायन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे उद्योगों में परिवर्तन करना.*
- ***प्रकृति आधारित समाधान** (Nature Based Solutions)–उत्सर्जन में कमी लाना तथा जैव विविधता संरक्षण (Biodiversity Conservation), आपूर्ति शृंखला एवं प्रौद्योगिकी के प्रयोग के माध्यम से वन, कृषि, महासागर तथा खाद्य प्रणालियों में रोधी क्षमता बढ़ाना तथा पर्यावरण को अवांछित सहायक उत्पादों तथा खपत के दुष्प्रभावों को सहने योग्य बनाना.*
- ***शहर और स्थानीय कार्ययोजना** (Cities and Local Action)–शहरी और स्थानीय स्तर पर रोधी क्षमता बढ़ाना. इसके तहत् कम उत्सर्जन वाले, जन-यातायात, शहरी अवसंरचना पर विशेष ध्यान दिया जाना. इसके अतिरिक्त शहरी गरीबों के अनुकूल कदम उठाना.*
- ***आपदारोधी उपाय अपनाना** (Resilience and Adaptation)–सबसे अधिक संवेदनशील समुदायों और देशों को देखते हुए जलवायु परिवर्तन के जोखिमों और दुष्प्रभावों का हल निकालने के लिए वैश्विक प्रयासों को बढ़ाना.*
- ***उपशमन रणनीति** (Mitigaiton Strategy)–पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वाकांक्षी एनडीसी और दीर्घकालीन रणनीतियों में तेजी लाना.*
- ***युवाओं और जनता को लामबन्द करना** (Yough Engagement and Public Mobilization)–जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने में दुनियाभर के लोगों को लामबन्द करना तथा 6 परिवर्तनीय क्षेत्रों सहित शिखर सम्मेलन के सभी पहलुओं के सम्बन्ध में युवाओं के प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करना.*
- ***सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी** (Social and Political Drivers)–वायु प्रदूषण को कम करने, बेहतर रोजगारों के सृजन, जलवायु सम्बन्धी रणनीतियों को मजबूत बनाने तथा कामगारों और संवेदनशील समूहों की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर प्रतिबद्धता जाहिर करना.*

MAGAZINE KING

जलवायु जोखिम सूचकांक, 2019

जर्मन वॉच द्वारा जारी जलवायु जोखिम सूचकांक (Climate Risk Index–CRI), 2019 में भारत को पिछले 20 वर्षों में चरम मौसम की घटनाओं से प्रभावित देशों में 14वें स्थान पर रखा गया है. इस रैंकिंग में देश के चार पड़ोसियों को भारत की तुलना में और भी उच्च स्थान दिया गया है. रिपोर्ट के अनुसार इस रैंकिंग में म्यांमार तीसरे, बांग्लादेश सातवें, पाकिस्तान आठवें और नेपाल ग्यारहवें स्थान पर है. यह सूचकांक स्पष्ट करता है कि भारत के चारों पड़ोसी देश चरम मौसमी घटनाओं द्वारा अधिक प्रभावित क्यों होते हैं ? 2017 की सूची के लिए पूर्टो रिको (शीर्ष स्थान पर), श्रीलंका (दूसरे) और डोमिनिका (तीसरे) वर्ष 2017 में चरम मौसमी घटनाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित देश थे.

जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक, 2019

जर्मन वॉच, न्यूक्लाइमेट इंस्टीट्यूट और क्लाइमेट एक्शन नेटवर्क द्वारा जारी जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक 2019 (Climate Change Performance Index –CCPI) में भारत 62·93 अंक प्राप्त कर 11वें स्थान पर है, जबकि 2018 में वह 14वें स्थान पर था. स्वीडन 76·28 अंकों के साथ शीर्ष (चौथे स्थान पर क्योंकि पहले तीन स्थान पर किसी को नहीं रखा गया है.) पर जबकि सबसे नीचे सऊदी अरब (60वें) है. मोरक्को को स्वीडन के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला देश घोषित किया गया है. उत्तर अफ्रीकी देश मोरक्को (Morocco) ने पिछले पाँच वर्षों में नवीकरणीय वस्तुओं की हिस्सेदारी में अत्यधिक वृद्धि करते हुए नवीकरणीय अक्षय ऊर्जा को बढ़ाया है. उल्लेखनीय है कि मोरक्को विश्व के सबसे बड़े सौर ऊर्जा सयन्त्र को ग्रिड से जोड़ने में सफल रहा है.

उक्त के परिप्रेक्ष्य में दिसम्बर 2015 में पेरिस में सम्पन्न जलवायु परिवर्तन समझौते (Cop-21) पर भारत सहित 171 देशों ने हस्ताक्षर 22 अप्रैल, 2016 को किए. समझौतों पर विभिन्न राष्ट्रों के हस्ताक्षर हेतु संयुक्त राष्ट्र महासचिव बान की-मून द्वारा विशेष समारोह का आयोजन 22 अप्रैल, 2016 को 'पृथ्वी दिवस' के अवसर पर किया. यह समझौता विकासशील देशों की अनिवार्यताओं को स्वीकार करता है तथा विकास के लिए विकासशील देशों के विकास के अधिकारों (Developing Countries Right to Development) तथा पर्यावरण के साथ विकास (Development with Environment) को मान्यता देता है. यह समझौता 4 नवम्बर, 2016 से लागू हो गया.

2–17 दिसम्बर, 2018 के दौरान काटोविच, पोलैण्ड में जलवायु परिवर्तन सम्मेलन सीओपी-24 (Cop-24) सम्पन्न हुआ था. कॉप-24 अर्थात् 24वाँ कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज टु द यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज पर पोलैण्ड में 2015 के पेरिस जलवायु समझौते को लागू करने पर सहमति बनी. यह समझौता वर्ष 2020 से लागू होना है. कॉप-24 सम्मेलन में 2015 के पेरिस जलवायु समझौते को 2020 से कैसे लागू किया जाए, इस पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ. पेरिस समझौते में अमीर देशों के लिए नियम पर कोई सहमति नहीं बन पाई थी. गरीब देशों और अमीर देशों के कार्बन उत्सर्जन की सीमा को लेकर विवाद था. इस मामले में चीन ने पहल करते हुए 2015 के पेरिस समझौते को आगे बढ़ाने के लिए हामी भरी है और इससे इस सम्मेलन को काफी बल मिला. एक सबसे बड़ी असहमति इंटरगवर्नमेंटल पैनल की जलवायु परिवर्तन पर वैज्ञानिक रिपोर्ट को लेकर रही है. कुछ देशों के समूह, जिनमें सऊदी अरब, अमरीका, कुवैत और रूस सम्मिलित हैं, ने आईपीसीसी की रिपोर्ट को खारिज कर दिया है. इसे लेकर कोई बीच का रास्ता निकालने की कोशिश की जा रही है. यद्यपि अब भी इस प्रश्न का हल नहीं निकल पाया है.

कई देशों में राष्ट्रवाद के उफान को लेकर भी चिन्ता जताई जा रही है. ब्राजील में हाल ही में चुनाव हुआ और जाइल बोलसोनरो के राष्ट्रपति बनने से जलवायु समझौते के संकट में पड़ने की बात कही जा रही है. अमरीका ने भी राष्ट्रपति ट्रंप के आने के बाद इस जलवायु परिवर्तन समझौते से बाहर निकलने की घोषणा कर दी थी. पेरिस जलवायु समझौता, 2015 को लागू कराने को लेकर अब भी दुनिया के विकसित, अविकसित और विकासशील देशों में कई मुद्दों पर मतभेद है. आईपीसीसी ने कार्बन उत्सर्जन को लेकर, जो सीमा तय की है उस पर कई देशों के बीच मतभेद हैं. भारत ने भी 2030 तक 30–35 प्रतिशत कम कार्बन उत्सर्जन करने की बात कही है.

1992 में संयुक्त राष्ट्र ने रियो डि जनेरो में पृथ्वी शिखर सम्मेलन नाम से एक बड़ा आयोजन किया था, जिसमें यूएन फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (UNFCCC) का अनुमोदन किया गया था. इस सन्धि में देशों ने वायुमण्डल में ग्रीनहाउस गैसों की सघनता को स्थिर करने पर सहमति दी थी. उद्देश्य था मानवीय गतिविधियों से जलवायु प्रणाली में हानिकारक हस्तक्षेप न होने दिया जाए. इस सन्धि पर 197 हस्ताक्षर हो चुके हैं. वर्ष 1994 से यह सन्धि लागू हुई. इसके बाद प्रति वर्ष सम्बन्धित पक्षों का यह सम्मेलन–सीओपी (Cop) आगे बढ़ने के तरीकों पर चर्चा के लिए आयोजित किया जाता है. अब तक 24 सीओपी हो चुके हैं.

पेरिस समझौता

पेरिस समझौता जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए दुनिया को एकमात्र व्यावहारिक विकल्प प्रदान करता है. 184 पक्षों के अनुसमर्थन से यह समझौता नवम्बर 2016 में लागू हुआ. पेरिस समझौते में शामिल महत्वपूर्ण संकल्प निम्नवत् हैं–

- *दुनिया में औसत तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखना और तापमान वृद्धि को 1·5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के प्रयास करना.*
- *जलवायु कार्यवाही के लिए धन की व्यवस्था बढ़ाना, कम आय वाले देशों के लिए दाता देशों से 100 अरब डॉलर वार्षिक दिए जाने का लक्ष्य.*
- *2020 तक स्व-निर्धारित लक्ष्यों और उद्देश्यों के साथ राष्ट्रीय जलवायु योजनाओं का विकास करना.*
- *जंगलों सहित ग्रीनहाउस गैसों को सोखने वाली लाभकारी पारिस्थितिकी प्रणालियों को संरक्षण देना.*
- *जलवायु परिवर्तन का सामना करने की शक्ति बढ़ाना.*
- *2018 में समझौते को लागू करने का कार्यक्रम तय करना.*

उल्लेखनीय है कि अमरीका 2016 में समझौते में शामिल हुआ था, लेकिन जुलाई 2017 में उसने इससे हटने के इरादे की घोषणा की, किन्तु वह कम-से-कम नवम्बर 2020 तक समझौते से सम्बद्ध पक्ष है, क्योंकि वह उससे पहले समझौते से हटने का नियमतः अनुरोध नहीं कर सकता.

जलवायु परिवर्तन के बारे में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक कार्य को समर्थन देने वाली दो एजेंसियाँ हैं–संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) और वर्ल्ड मीटियोरोलॉजिकल ऑर्गेनाइजेशन (WMO). इन दोनों ने मिलकर 1988 में इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (IPCC) की स्थापना की. इसमें सैकड़ों विशेषज्ञ आँकड़ों का जायजा लेने और जलवायु कार्यवाही वार्ताओं के लिए विश्वसनीय वैज्ञानिक प्रमाण प्रदान करने में जुटे हुए हैं.

आईपीसीसी ने वैज्ञानिक अनुसन्धान का जितना आकलन किया है, उसके अनुसार दुनिया में तापमान वृद्धि को औद्योगिक युग से पहले के स्तरों के वैश्विक औसत से 1·5 डिग्री सेल्सियस ऊपर तक सीमित रखने से पृथ्वी और उसके निवासियों के लिए विनाशकारी स्थायी क्षति को रोकने में मदद मिलेगी. संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि यदि हम वैश्विक तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस की बजाय 1·5 डिग्री तक सीमित रखने में सफल रहे, तो 42 करोड़ लोगों को जलवायु परिवर्तन की मार से बचाया जा सकेगा.

शेष पृष्ठ 158 पर

उत्तर प्रदेश राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) परीक्षा, 2019

विधिवत् रणनीति | **समसामयिक घटनाएं** | **उत्तर प्रदेश करेंट अफेयर्स**

✍ संजय सुमन

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारम्भिक परीक्षा आगामी दिसम्बर 2019 में सम्भावित है. यह सेवा युवाओं के लिए एक ऐसा आकर्षक क्षेत्र है, जहाँ कड़ी मेहनत और अध्ययन से प्रशासनिक अधिकारी बनने के अपने सपने को साकार कर सकते हैं.

पाठकों की विशेष माँग पर

पिछले वर्ष 28 सितम्बर, 2018 को हुए सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ (PCS) परीक्षा में प्रतियोगिता दर्पण के नवम्बर 2018 अंक में प्रकाशित सामान्य अध्ययन की उपयोगी सामग्री पेज–104–109 से 5 प्रश्न (प्रश्न सं. 5, 10, 11, 12, 86) पूछे गए थे. सितम्बर 2017 की परीक्षा में भी प्रतियोगिता दर्पण सितम्बर 2017 अंक में प्रकाशित सामान्य अध्ययन सामग्री से पेज–110 से 6 प्रश्न (प्रश्न सं. 26, 29, 42, 45, 55, 56) पूछे गए थे.

पाठकों की भारी माँग को ध्यान में रखते हुए इस बार भी उत्तर प्रदेश पीसीएस प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी कर रहे हमारे प्रिय पाठक उम्मीदवारों के लिए सामान्य अध्ययन-I मॉडल आपके सामने प्रस्तुत कर रहे हैं. सफलता हेतु हमारी शुभकामनाएं आपके साथ हैं.

–सम्पादक

MAGAZINE KING

परीक्षा प्रारूप

● प्रारम्भिक परीक्षा ● मुख्य परीक्षा ● साक्षात्कार

प्रारम्भिक परीक्षा

- प्रारम्भिक परीक्षा दो अनिवार्य प्रश्न-पत्रों की होगी. उत्तर पत्रक ओ.एम.आर. सीट के रूप में होंगे.
- दोनों प्रश्न-पत्र वस्तुनिष्ठ व बहुविकल्पीय प्रकार के होंगे.
- प्रारम्भिक परीक्षा का द्वितीय प्रश्न-पत्र अर्हकारी (Qualifying) होगा जिसमें न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा.
- अभ्यर्थियों के योग्यताक्रम (Merit) का निर्धारण उनके प्रारम्भिक परीक्षा के प्रथम प्रश्न-पत्र में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा.

प्रश्न-पत्र	विषय	अंक	प्रश्नों की संख्या	समय
I	सामान्य अध्ययन	200	150	2 घण्टे
II	सामान्य अध्ययन	200	100	2 घण्टे

मुख्य परीक्षा

- मुख्य परीक्षा के प्रश्न-पत्र परम्परागत (Conventional) प्रकार के होंगे.
- सामान्य हिन्दी के अनिवार्य प्रश्न-पत्र में न्यूनतम अंक प्राप्त करने की अपेक्षा की जाएगी, जो यथास्थिति, शासन या आयोग द्वारा अवधारित किए जाएंगे.
- वैकल्पिक विषय के सभी प्रश्न-पत्रों में 2 खण्ड होंगे. प्रत्येक खण्ड में चार-चार प्रश्न होंगे अभ्यर्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे. प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम दो-दो प्रश्न हल करना आवश्यक है.

	विषय	अंक	समय
●	सामान्य हिन्दी	150	3 घण्टे
●	निबन्ध	150	3 घण्टे
●	सामान्य अध्ययन-I	200	3 घण्टे
●	सामान्य अध्ययन-II	200	3 घण्टे
●	सामान्य अध्ययन-III	200	3 घण्टे
●	सामान्य अध्ययन-IV	200	3 घण्टे

वैकल्पिक विषय

- मुख्य परीक्षा हेतु वैकल्पिक विषयों की सूची में से कोई एक विषय चुनना होगा, जिसके दो प्रश्न-पत्र होंगे.

विषय	अंक	समय
* वैकल्पिक विषय-I	200	3 घण्टे
* वैकल्पिक विषय-II	200	3 घण्टे

वैकल्पिक विषय (29 विषय)–

1. कृषि
2. प्राणि विज्ञान
3. रसायन विज्ञान
4. भौतिक विज्ञान
5. गणित
6. भूगोल
7. अर्थशास्त्र
8. समाजशास्त्र
9. दर्शनशास्त्र
10. भू-विज्ञान
11. मनोविज्ञान
12. वनस्पति विज्ञान
13. विधि
14. पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान
15. सांख्यिकी
16. प्रबन्ध
17. राजनीति विज्ञान एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध
18. इतिहास
19. नृ विज्ञान
20. सिविल अभियान्त्रिकी
21. यान्त्रिक अभियान्त्रिकी
22. विद्युत् अभियान्त्रिकी
23. अंग्रेजी साहित्य
24. उर्दू साहित्य
25. हिन्दी साहित्य
26. संस्कृत साहित्य
27. वाणिज्य एवं लेखांकन
28. लोक प्रशासन
29. चिकित्सा विज्ञान

साक्षात्कार

साक्षात्कार (मौखिक परीक्षा) कुल 100 अंकों की होगी. यह परीक्षा अभ्यर्थियों की सामान्य जागरूकता, बुद्धि, चरित्र, अभिव्यक्ति की क्षमता, व्यक्तित्व एवं सेवा के लिए सामान्य उपयुक्तता को दृष्टि में रखते हुए सामान्य अभिरुचि के विषयों से सम्बन्धित होगी.

विधिवत् तैयारी से मिलेगी सफलता (प्रारम्भिक/मुख्य परीक्षा)

युवाओं को अपने लक्ष्य यानि पीसीएस परीक्षा पास करने के लिए आत्मविश्वास और कड़ी मेहनत की बहुत जरूरत होती है.

***पहला सूत्र* : परीक्षा पैटर्न को समझें**–जिस परीक्षा को देने जा रहे हैं उसमें किस प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं–पूरे सिलेबस और

पैटर्न के बारे में जानें और रणनीति तैयार करें. पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्रों का गहन विश्लेषण कर लें. परीक्षा की दृष्टि से सम्भावित प्रश्नों की स्वयं तलाश भी करें.

पढ़ें उपकार प्रकाशन की पुस्तकें		
पुस्तकें	कोड	मूल्य (₹ में)
● उ.प्र. पीसीएस प्रा. परीक्षा (प्रश्न पत्र–I)	2591	355.00
● उ.प्र. पीसीएस प्रा. परीक्षा (प्रश्न पत्र–II)	2186	420.00
● उत्तर प्रदेश सामान्य ज्ञान	108	105.00
● उत्तर प्रदेश वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान	2346	60·00
● प्रतियोगिता दर्पण की विभिन्न विषयों की अतिरिक्तांक सीरीज		
● वस्तुनिष्ठ सामान्य हिन्दी दिग्दर्शन	19	280·00

पुस्तक मँगाने के लिए सम्पर्क करें–
उपकार प्रकाशन, 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–282002,
फोन–(0562) 4053333, वेब–www.upkar.in

***दूसरा सूत्र* : आत्मविश्वास के साथ बेहतर रणनीति**–सफलता पाकर रहूँगा. अपने अंदर आत्मविश्वास जरूर बनाए रखें.

***तीसरा सूत्र* : नोट्स बनाएं**–किताबों से नोट्स बनाएं. नोट्स बनाते समय विषय और टॉपिक्स का विशेष ध्यान रखें. जहाँ सम्भव हो उस विषय से सम्बन्धित करेंट अफेयर्स का समावेश हो. बहुत किताबों के चक्कर में न रहें दो किताबों से ही नोट्स बनाएं.

***चौथा सूत्र* : टाइम मैनेजमेंट का रखें ध्यान**–सिलेबस को कवर करने के लिए अध्ययन योजना के साथ उचित रणनीति और व्यवस्थित दृष्टिकोण के बिना उम्मीदवार परीक्षा को क्रैक करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं. समय का खराब मैनेजमेंट सिविल सर्विसेज परीक्षा में असफलता के लिए एक और वजह है. लगातार काफी टाइम तक बैठे न रहें. कुछ अंतराल पर आराम भी दें. टाइम मैनेजमेंट इसलिए भी जरूरी है कि समय पर प्रश्न-पत्र हल नहीं कर पाए, तो असफलता ही हाथ लगती है. इसलिए मॉक टेस्ट, प्रैक्टिस टेस्ट, स्पीड टेस्ट को ज्यादा-से-ज्यादा हल करें.

***पाँचवाँ सूत्र* : अध्ययन सामग्री**–अच्छी किताबों का चयन करें. अच्छी किताबों के लिए लेखकों, गुरु, कैरियर सलाहकारों, मित्रों से पूछ सकते हैं. पिछले कई वर्षों के प्रश्नों को भी जरूर हल करते रहें–तैयारी के साथ-साथ, प्रश्नों को समझने में काफी मदद मिलेगी.

***छठा सूत्र* : तैयारी के दौरान दिनचर्या बनाएं**–इस परीक्षा के लिए दिनचर्या बनानी जरूरी है. यदि आप रोज चार-पाँच घण्टे पढ़ते हैं, तो आपको यह नियम हमेशा बनाए रखना चाहिए.

***सातवाँ सूत्र*: इन बातों का विशेष ध्यान रखें**–आपके जीवन में ऐसे लोग हों, जो आपको प्रोत्साहित करें. ऐसे लोगों से दूर रहें, जो आपको कहे तैयारी करते रहोगे, नौकरी कब करोगे ? तैयारी के दौरान फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर से लेकर व्हाट्सऐप से दूरी बना लें.

समसामयिक घटनाएं

- वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक 2019 में 195 देशों में भारत का स्थान है –57वाँ
- केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में जिलों की संख्या 22 है. लद्दाख में जिलों की सख्या कितनी है ?
  —02 (लेह और कारगिल)
- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पहले उपराज्यपाल बने हैं
  —क्रमशः गिरीश चन्द्र मूर्मू व आर. के. माथुर
- वर्ल्ड बैंक के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग-2019 में भारत का कौनसा स्थान है ? —63वाँ (एक वर्ष पूर्व 77वाँ स्थान था)
- फरवरी 2019 में केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शुभारम्भ किया गया 'ऑपरेशन डिजिटल बोर्ड' का उद्देश्य क्या है ?
  —शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने में प्रौद्योगिकी का उपयोग
- कालेश्वरम् लिफ्ट सिंचाई परियोजना किस नदी पर स्थित है ?
  —गोदावरी (तेलंगाना) (लाभान्वित राज्य–तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र)
- जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में स्थित कीरू पनबिजली परियोजना किस नदी पर स्थित है ? —चिनाब
- अवैध अप्रवासियों की पहचान हेतु असम राज्य में लागू किए गए NRC का पूर्णरूप क्या है ?
  —National Register of Citizens
- स्वच्छ सर्वेक्षण–2019 के तहत् राष्ट्रीय स्तर पर शहरों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान इंदौर को प्राप्त हुआ. इस सर्वेक्षण में अंतिम 425वाँ स्थान प्राप्त हुआ —सहरसा (बिहार) को
- अगस्त 2019 में ई-गवर्नेंस पर 22वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कहाँ किया गया ? —शिलांग (मेघालय) में
- नई दिल्ली स्थित 'National War Memorial' समर्पित है
  —स्वतन्त्रता के पश्चात् विभिन्न युद्धों में अपने प्राणों की आहुति देने वाले जवानों की स्मृति को
- रेमन मैग्सेसे पुरस्कार–2019 पाने वाले NDTV पत्रकार रवीश कुमार का सम्बन्ध किस राज्य से है ? —बिहार
- राजीव गांधी खेलरत्न अवार्ड 2019 से नवाजे गए बजरंग पूनिया व दीपा मलिक का सम्बन्ध क्रमशः किस खेल से है ?
  —रेसलिंग व पैरा एथलेटिक्स
- संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2019 किस रूप में मनाया जा रहा है ? —देशी भाषाओं का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष तथा सयम का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
- चन्द्रयान-2 प्रक्षेपित स्थल श्रीहरिकोटा किस राज्य में स्थित है ? —आन्ध्र प्रदेश
- भारत सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल-रोधी मिसाइल 'S-400 ट्रायम्फ' किस देश से प्राप्त करेगा ? —रूस
- 1 अप्रैल, 2019 को सिन्धु नदी पर बने सबसे लम्बे सस्पेंशन ब्रिज का उद्घाटन किया गया. यह स्थित है —लेह में
- FATF का पूर्णरूप क्या है ?
  —फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स
- 13वाँ एसेम शिखर सम्मेलन (ASEM-13) वर्ष 2020 में आयोजित किया जाएगा ? —नोम पेन्ह (कम्बोडिया)
- सितम्बर 2019 में अमरीका के नए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बने हैं —रॉबर्ट ओ ब्रियन
- बाल विवाह व बालश्रम के विरुद्ध संघर्ष हेतु राजस्थान के ..... बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन का चेंजमेकर अवार्ड सितम्बर 2019 में दिया गया. —पायल जांगिड़ को
- फीफा के वर्ष 2019 के सर्वश्रेष्ठ फुटबालर पुरुष व महिला क्रमशः चुने गए —लियोनिल मैसी व मेगन रैपिनो
- लोक प्रशासन, प्रबन्धन व अकादमिक उत्कृष्टता के लिए वर्ष 2019 का लाल बहादुर शास्त्री पुरस्कार किस प्रसिद्ध वनस्पति वैज्ञानिक को प्रदान किया गया ? —डॉ. मंजू शर्मा
- 92वें ऑस्कर पुरस्कार हेतु कौनसी हिन्दी फिल्म, भारत की आधिकारिक प्रविष्टि है ? —गली बॉय
- 2 अक्टूबर, 2019 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर कहाँ आयोजित सरपंचों के विशाल सम्मेलन में प्रधानमन्त्री मोदी ने देश को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया ? —साबरमती में रिवर फ्रंट (गुजरात) पर

MAGAZINE KING

नोबेल पुरस्कार (2019)		
पुरस्कार	पुरस्कृत व्यक्ति	शोध
साहित्य	ओल्गा टोकार्कजुक (पोलैण्ड)	सीमाओं के आर-पार जीवन के एक रूप को दर्शाने की उनकी काल्पनिकता के लिए
	पीटर हैंडके (आस्ट्रिया)	मानवीय अनुभव की परिधि और विशिष्टता को भाषाई सरलता के जरिए खोजने के महत्वपूर्ण के लिए
चिकित्सा	विलियम जी. कैलीन (अमरीका), ग्रेग एल. सीमेंजा (अमरीका), पीटर जे. रैटक्लिफ (ब्रिटेन)	कोशिकाओं में जीवन व ऑक्सीजन को ग्रहण करने की क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान के लिए (एनीमिया, कैंसर व कई अन्य बीमारियों के महत्वपूर्ण)
भौतिक विज्ञान	जेम्स पीबल्स (अमरीका)	भौतिक ब्रह्माण्ड विज्ञान में सैद्धान्तिक खोजों के लिए
	मिशेल मेयर (स्विट्जरलैण्ड), डिडिएर क्वेलीज (ब्रिटेन)	एक सौर प्रकार के तारे की परिक्रमा करने वाले एक्सपोप्लेनेट की खोज के लिए
रसायन विज्ञान	जॉन बी. गुडइनफ* (अमरीका), एम. स्टेनली व्हिटिंघम (ब्रिटेन), अकीरा योशिनो (जापान)	लीथियम ऑयन बैटरियों के विकास के लिए
अर्थशास्त्र	अभिजीत बनर्जी (भारतीय मूल के अमरीकी), एस्थर डुफ्लो (फ्रांसीसी मूल की अमरीकी), माइकल क्रेमर (अमरीका)	वैश्विक गरीबी निवारण के लिए उनके प्रायोगिक दृष्टिकोण के लिए
शांति	अबीय अहमद अली (इथियोपिया के प्रधानमंत्री)	उनके शांति प्रयासों, पड़ोसी देश इरीट्रिया के साथ सीमा विवाद को हल करने में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए
* रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार पाने वाले जॉन बी. गुडइनफ सर्वाधिक उम्र (97 वर्ष) के नोबेल जीतने वाले व्यक्ति हैं.		

- नीति आयोग की स्कूल एज्यूकेशन क्वालिटी इंडेक्स में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता के मामले में पहला स्थान किस राज्य का है ?
  —केरल (दूसरा व तीसरा स्थान क्रमशः राजस्थान व कर्नाटक; बड़े राज्यों में सबसे खराब स्थिति उत्तर प्रदेश की)
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लाभार्थियों की सर्वाधिक संख्या (सितम्बर 2019 तक) किस राज्य में रही है ?
  —उत्तर प्रदेश (17·80 लाख; मध्य प्रदेश में 12·52 लाख)
- भारतीय वायु सेना के किस शुभ अवसर पर भारत को फ्रांस से पहला राफेल फाइटर जैट प्राप्त हुआ ?
  —8 अक्टूबर (विजयादशमी)—वायु सेना दिवस पर
- केरल की किस दिवंगत नन को संत का दर्जा पोप फ्रांसिस ने प्रदान किया है ? —मरियम थ्रेसिया
- सितम्बर 2019 में प्रधानमंत्री मोदी ने अमरीका के टेक्सास प्रांत के ह्यूस्टन शहर के किस स्टेडियम में 'हाउडी मोदी' (Howdy Modi) कार्यक्रम में भाग लिया था ?
  —एनआरजी स्टेडियम
- भारत में चलाए गए किस मिशन के लिए बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को 'ग्लोबल गोलकीपर अवार्ड' से सम्मानित किया ?
  —स्वच्छ भारत मिशन
- भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष हैं
  —सौरभ गांगुली
- महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में भाजपा व शिवसेना कितनी सीटें जीती हैं ?
  —क्रमशः 105 व 56
- हरियाणा के उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का सम्बन्ध किस पार्टी से है ? —जननायक जनता पार्टी (जजपा)
- अक्टूबर 2019 में भारत आए चीनी राष्ट्रपति शी-जिनपिंग व पीएम मोदी की शिखर वार्ता कहाँ सम्पन्न हुई ?
  —महाबलीपुरम (मामल्लपुरम, चेन्नई, तमिलनाडु)
- अक्टूबर 2019 में भारत आए विलेम एलेक्जेंडर किस देश के सम्राट् हैं ? —नीदरलैण्ड्स
- ग्लोबल लिवेबिलिटी इंडेक्स की दृष्टि से भारत के कौनसे दो शहर 140 शहरों की सूची में स्थान पाया है ?
  —दिल्ली (118वाँ) व मुम्बई (140वाँ)
  (विएना रहने के लिए सबसे उपयुक्त)
- अमरीकी सेना के डेल्टा कमांडोज ने किस तिथि को सीरिया के इदलिब प्रांत के सुदूर बारिशा गाँव में एक ऑपरेशन के तहत् इस्लामिक स्टेट (IS) के सरगना आतंकी अबू बकर-अल बगदादी को मार गिराया ? —26 अक्टूबर, 2019 को
- गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का 18वाँ शिखर सम्मेलन अक्टूबर 2019 में कहाँ सम्पन्न हुआ ? —बाकू (अजरबैंजान)
- ग्लोबल कम्पिटीटिवनैस इंडेक्स (2019) में 141 देशों में भारत का स्थान है —68वाँ
- नीति आयोग के पहले इनोवेशन इंडेक्स (2019) में किस राज्य का शीर्ष स्थान है ? —कर्नाटक
- अक्टूबर 2019 में देश में पहली कॉर्पोरेट रेलगाड़ी चलाई गई है —दिल्ली-लखनऊ के बीच (आईआरसीटीसी द्वारा संचालित)
- 20वीं पशुधन गणना (2019) में भारत में पशुधन आबादी की कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है ? —4·6 प्रतिशत
- 18 नवम्बर, 2019 को न्यायमूर्ति शरद अरविंद बोबडे भारत के नए मुख्य न्यायाधीश (47वें) बने हैं. इससे पूर्व कौन मुख्य न्यायाधीश थे ? —न्यायमूर्ति रंजन गोगोई (46वें)
- वर्ष 2019 का बुकर पुरस्कार संयुक्त रूप से किन्हें दिया गया है ? —मार्गरेट एटवुड (कनाडा, कृति-द टेस्टामेंट्स) व बर्नार्डिन एवारिस्टो (ब्रिटेन, कृति-गर्ल, वोमेन, अदर)
- वर्ष 2019 का साहित्य का नोबेल जीतने वाली ओल्गा टोकार्कजुक को किस वर्ष का उपन्यास 'फ्लाइट्स) के लिए मान बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया था ?
  —2018 का
- देश की सबसे लम्बी सड़क-सुरंग चेनानी-नाशरी सुरंग का नाम रखा गया है —डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सुरंग (जम्मू-कश्मीर)
- 15वीं विश्व वूशु (Wushu) चैम्पियनशिप (अक्टूबर 2019) में 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने हैं
  —प्रवीण कुमार (हरियाणा)

MAGZINE KING

* **एकुवेरिन 2019**—भारत व मालदीव का संयुक्त सैन्य अभ्यास, पुणे में
* **धर्म गार्जियन 2019**—भारत व जापान का संयुक्त सैन्याभ्यास मिजोरम के वैरेंटे में.
* **नॉमेडिक एलीफेंट 2019**—भारत व मंगोलिया का संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास हिमाचल के चंबा जिले के बकलोह में.

- कर्नल छिवांग रिनछेन सेतु, किस केन्द्रशासित प्रदेश में है ?
—लद्दाख में
- भारत में किस पर्यावरणविद् को वर्ष 2018 का इंदिरा गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार दिया गया है ?
—चंडीप्रसाद भट्ट को
- अक्टूबर 2019 में सेना विश्व खेल कहाँ आयोजित हुआ था ?
—वुहान (चीन)
- सिखों के किस गुरु की 550वीं जयंती पर आयोजित प्रकाशोत्सव में 12 नवम्बर, 2019 को श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान में स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब, करतारपुर गया ?
—गुरु नानक देव
- आसियान (ASEAN) की 35वीं शिखर बैठक अक्टूबर-नवम्बर 2019 में कहाँ आयोजित हुई ? —बैंकॉक (थाइलैण्ड में)

उत्तर प्रदेश करेंट अफेयर्स

- वह न्यायाधीश जिसने 15 वर्ष के कार्यकाल में 31 अक्टूबर, 2019 तक कुल 1,30,418 मुकदमों का निपटारा किया और रिकॉर्ड बनाया ?
—न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल (इलाहाबाद हाईकोर्ट)
- 15वीं भारत वन स्थिति रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में कुल वनावरण देश के भौगोलिक क्षेत्र का है —6·09 प्रतिशत
- उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक वनावरण क्षेत्र वाला जिला है
—सोनभद्र
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश का देश में स्थान है —दूसरा
- जून 2019 में गृह मंत्रालय द्वारा पुलिस स्टेशन रैंकिंग 2018 के अनुसार उत्तर प्रदेश का वह पुलिस स्टेशन, जिसे प्रदेश में शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है
—बाबरी पुलिस स्टेशन, शामली (देश में 13वाँ स्थान)
(अहमदनगर पु स्टेशन, बुलंदशहर (28वाँ), बदौसा पुलिस स्टेशन, बाँदा (51वाँ)
- 6 जुलाई, 2019 को प्रधानमंत्री द्वारा जल संचयन को लेकर शुरू किए गए अभियान के तहत् देशव्यापी पौधरोपण अभियान की शुरूआत की गई ? —वाराणसी से
- अगस्त 2019 में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने FSSAI की राष्ट्रीय खाद्य प्रयोगशाला का उद्घाटन किया
—गाजियाबाद में
- अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करने वाली उत्तर प्रदेश की पहली महिला क्रिकेटर हैं —पूनम यादव
- अगस्त 2019 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वृक्षारोपण महाकुंभ का शुभारम्भ किया ? —जैतीखेड़ा (लखनऊ)
- वृक्षारोपण महाकुंभ के तहत् उत्तर प्रदेश सरकार ने एक दिन में कितने पौधे लगाकर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया ?
—22 करोड़ से अधिक
- एयर चीफ मार्शल राकेश सिंह भदौरिया का सम्बन्ध किस राज्य से है ? —उत्तर प्रदेश
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में किस तिथि को स्माइल मशाल ज्योति आशीर्वाद कार्यक्रम का शुभारम्भ किया ?
—14 जुलाई, 2019 को
- पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे लखनऊ से प्रारम्भ होकर कहाँ तक जाएगा ? —बलिया
- मार्च 2019 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन कहाँ किया गया ?
—गोरखपुर में
- उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग की ब्रांड एम्बेस्डर बनी हैं
—हेमा मालिनी
- भारत सरकार द्वारा किस राज्य को डिजिटल भूमि (विस्तृत भूमि प्रबंधन प्रणाली) के लिए वर्ष 2018-19 का राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार (स्वर्ण पदक) प्रदान किया गया ?
—उत्तर प्रदेश
- फरवरी 2019 में उत्तर प्रदेश में बालिकाओं के लिए प्रारम्भ की गई योजना है —स्कीम फॉर एडोलसेंट गर्ल्स
- भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम कहाँ स्थित है ? —लखनऊ में
- पहले मल्टी-मॉडल टर्मिनल के माध्यम से जलमार्ग संचालित किया जाएगा —हल्दिया (बंगाल) से वाराणसी तक
- मथुरा के वे पाँच स्थल, जिन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पवित्र तीर्थ स्थल घोषित किया गया है
—गोवर्धन, राधाकुण्ड, नंदगाँव, गोकुल एवं बलदेव
- उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान का, वर्ष 2018 का, सर्वोच्च भारत-भारती सम्मान किसे दिया गया है ?
—डॉ. ऊषा किरण खान (पटना)
- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किस तिथि को सभी जिलों के लिए 'कन्या सुमंगला योजना' की शुरूआत की ?
—25 अक्टूबर, 2019 को

MAGZINE KING

उत्तर प्रदेश एक नजर में

राज्य का पुनर्गठन	—1 नवम्बर, 1956
राज्य का विभाजन	—9 नवम्बर, 2000 (उत्तराखण्ड बना)
उत्तर प्रदेश दिवस	—24 जनवरी
उत्तर प्रदेश के रूप में नामकरण	—24 जनवरी, 1950 को
राजकीय चिह्न	—वृत्त में 2 मछली, 1 तीर-धनुष
राजकीय पुष्प	—पलास (टेसू)
राजकीय वृक्ष	—अशोक
राजकीय पक्षी	—सारस (क्रौंच)
राजकीय पशु	—बारहसिंगा
राजकीय खेल	—हॉकी
राजकीय भाषा	—हिन्दी, उर्दू
प्रदेश की राजधानी पूर्णतः लखनऊ बनी	—1935 में
राजकीय चिह्न स्वीकृत	—1938 में

कुछ महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश से सम्बन्धित प्रश्न

- उत्तर प्रदेश में शस्य जलवायु क्षेत्रों की संख्या है —09
- प्रदेश में वायु मृदा अपरदन से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र है
—पश्चिमी क्षेत्र.
- क्षेत्रफल की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का भारत के राज्यों में स्थान
—चतुर्थ
- उत्तर प्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण नकदी फसल है —गन्ना
- उत्तर प्रदेश में सीमान्त कृषक किन्हें कहा जाता है ?
—1 हेक्टेयर से कम भूमि वालों को.

शेष पृष्ठ 104 पर

शैक्षिक लेख

केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना एक महत्वपूर्ण कड़ी

✍ वेदांत शिवम्

बाढ और सूखे से परेशान देश में नदियों के संगम की परियोजना मूर्त रूप लेने जा रही है, यह देशवासियों के लिए प्रसन्नता की बात है. नरेन्द्र मोदी सरकार ने इसी माह केन और बेतवा नदियों को जोड़ने की शुरूआत करने का संकल्प लिया है. यदि ₹ 5·500 अरब की इस परियोजना को सफलता मिलती है, तो भविष्य में 60 अन्य नदियों के मिलन का रास्ता खुल जाएगा. दरअसल बढ़ते वैश्विक तापमान, जलवायु परिवर्तन और बदलते वर्षा चक्र के चलते जरूरी हो गया है कि नदियों के बाढ़ के पानी को इकट्ठा किया जाए और फिर उसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों में नहरों के जरिए भेजा जाए. ऐसा सम्भव हो जाता है, तो पेयजल की समस्या का निदान तो होगा ही, सिंचाई के लिए भी किसानों को पर्याप्त जल मिलने लग जाएगा. वैसे भी भारत में विश्व की कुल आबादी के करीब 17·5 प्रतिशत लोग रहते हैं और उपयोगी जल की उपलब्धता महज 4 प्रतिशत है. हालांकि पर्यावरणविद् इस परियोजना को यह कहकर विरोध कर रहे हैं कि नदियों को जोडने से इनकी अविरलता खत्म होगी, नतीजतन नदियों के विलुप्त होने का संकट बढ़ जाएगा.

कृत्रिम रूप से जीवनदायिनी नर्मदा और मोक्षदायिनी क्षिप्रा नदियों को जोड़ने के बाद केन और बेतवा नदियों को जोड़ने की तैयारी में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सरकारें बहुत पहले से जुटी हैं, किन्तु इस परियोजना में वन्य जीव समिति बड़ी बाधा के रूप में पेश आ ही रही है. यह आशंका भी जताई जा रही है कि यदि यह परियोजना क्रियान्वित होती है, तो नहरों एवं बाँधों के लिए जिस उपजाऊ भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा, वह नष्ट हो जाएगी. इस भूमि पर फिलहाल जौ, बाजरा, दलहन, तिलहन, गेहूँ, मूँगफली, चना जैसी फसलें पैदा होती हैं. इन फसलों में ज्यादा पानी की जरूरत नहीं पड़ती है, जबकि ये नदियाँ जुड़ती हैं, तो इस पूरे इलाके में धान और गन्ने की फसलें पैदा करने की उम्मीद जताई जा रही है. इन दोनों ही फसलों में पानी अत्यधिक लगता है. पूरे बुन्देलखण्ड क्षेत्र में 4000 से भी ज्यादा तालाब हैं, यदि इन सभी तालाबों को सँवार लिया जाए, तो इन नदियों को जोड़ने की जरूरत रह ही नहीं जाएगी, कई हजार करोड़ रुपए इस परियोजना पर खर्च होने से भी बच जाएंगे. परियोजना को पूरा करने का समय 9 साल बताया जा रहा है, लेकिन हमारे यहाँ भूमि अधिग्रहण और वन भूमि में स्वीकृति में जो अड़चने आती हैं, उनके चलते परियोजना 20–25 साल में भी पूरी हो जाए, तो बड़ी उपलब्धि है.

दोनों प्रदेशों की सरकारें दावा कर रही हैं कि यदि ये नदियाँ परस्पर जुड़ जाती हैं, तो मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के सूखाग्रस्त बुन्देलखण्ड क्षेत्र में रहने वाली 70 लाख आबादी खुशहाल हो जाएगी. यही नहीं यदि इन नदियों को जोड़ने का यह महाप्रयोग सफल हो जाता है, तो अन्य 60 नदियों को जोडने का सिलसिला भी शुरू हो सकता है. नदी जोड़ो कार्यक्रम मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है इस परियोजना के तहत् उत्तर प्रदेश के हिस्से में आने वाली पर्यावरण सम्बन्धी बाधाओं को दूर कर लिया गया है. मध्य प्रदेश में जरूर अभी भी पन्ना राष्ट्रीय उद्यान बाधा बना हुआ है और जरूरी नहीं की जल्दी यहाँ से मंजूरी मिल जाए. वन्य जीव समिति इस परियोजना को इसलिए मंजूरी नहीं दे रही है, क्योंकि पन्ना राष्ट्रीय उद्यान बाघों के प्रजनन, आहार एवं आवास का अहम् वनखण्ड है. इसमें करीब 28 बाघ बताए जाते हैं. अन्य प्रजातियों के प्राणी भी बडी संख्या में हैं. हालांकि मध्य प्रदेश कांग्रेस और केन्द्र में भाजपा की सरकार हैं. अतः उम्मीद की जा सकती है कि बाधाएँ जल्दी दूर हो जाए.

केन नदी जबलपुर के पास कैमूर की पहाड़ियों से निकलकर 427 किमी उत्तर की ओर बहने के बाद बाँदा जिले में यमुना नदी में जाकर गिरती है. वहीं बेतवा नदी मध्य प्रदेश के रायसेन जिले से निकलकर 576 किमी बहने के बाद उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में यमुना में मिलती है. केन-बेतवा नदी जोड़ो योजना की राष्ट्रीय जल विकास प्राधिकरण (एनडब्ल्यूडीए) की रिपोर्ट के अनुसार डोढ़न गाँव के निकट 9000 हेक्टेयर क्षेत्र में एक बाँध बनाया जाएगा. इसके डूब क्षेत्र में छतरपुर जिले के बारह गाँव आएंगे. कुल 7000 लोग प्रभावित होंगे. इन्हें विस्थापित करने में इसलिए समस्या नहीं आएगी, क्योंकि ये ग्राम जिन क्षेत्रों में आबाद हैं, वे पहले से ही वन-संरक्षण अधिनियम के तहत् अधिसूचित हैं. इस कारण शहरवासियों को भूमि-स्वामी होने के बावजूद जमीन पर खेती से लेकर खरीद-बिक्री में परेशानियों का सामना करना पड़ता है. इसलिए ग्रामीण यह इलाका मुआवजा लेकर आसानी से छोड़ने को तैयार हो जाएंगे. ऐसा दावा प्राधिकरण की रिपोर्ट में किया गया है, जबकि सच्चाई यह है कि इन ग्रामों में कमजोर आय वर्ग और अनुसूचित जनजाति के लोग रहते हैं. इन कमजोर वर्गों को समर्थों की अपेक्षा विस्थापित करना आसान होता है.

इस परियोजना के बहुआयामी होने के दावे किए जा रहे हैं. बाँध के नीचे दो जल-विद्युत् संयन्त्र लगाए जाएंगे. 220 किलोमीटर लम्बी नहरों का जाल बिछाया जाएगा. ये नहरें छतरपुर, टीकमगढ़ और उत्तर प्रदेश के महोबा एवं झाँसी जिले से गुजरेंगी. जिनसे 60,000 हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई होगी. विस्थापन और पुनर्वास के लिए ₹ 213·11 करोड़ की आर्थिक मदद की जरूरत पड़ेगी, जिसके मिलने की उम्मीद केन्द्र सरकार से की जा रही है. हम जानते हैं कि धन भले ही कोई सरकार दे, विस्थापितों का पुनर्वास और मुआवजा किसी भी परियोजना में सन्तोषजनक नहीं हुआ है. नर्मदा बाँध की डूब में आने वाली हरसूद के लोग आज भी मुआवजे और उचित पुनर्वास के लिए भटक रहे हैं. न्यूनाधिक यही अन्याय मध्य प्रदेश के ही कूनो-पालपुर अभयारण्य के विस्थापितों के साथ हुआ है.

डीपीआर के मुताबिक उत्तर प्रदेश को केन नदी का अतिरिक्त पानी देने के बाद मध्य प्रदेश करीब इतना ही पानी बेतवा की ऊपरी धारा से निकाल लेगा. परियोजना के दूसरे चरण में मध्य प्रदेश चार बाँध बनाकर रायसेन और विदिशा जिलों में नहरें बिछाकर सिंचाई के इन्तजाम करेगा. ऐसा कहा जा रहा है कि इस व्यवस्था से केन में प्रायः आने वाली बाढ़ से बर्बाद होने वाला पानी बेतवा में पहुँचकर हजारों एकड़ खेतों में फसलों को लहलहाएगा. मध्य प्रदेश का यही वह मालवा क्षेत्र है, जहाँ की मिट्टी उपजाऊ होने के कारण सोना उगलती है. इस क्षेत्र में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो जाता है, तो इसमें कोई दो राय नहीं कि खेत साल में दो से लेकर तीन फसलें तक देने लग जाएंगे, लेकिन मालवा की जो बहुफसली भूमि बाँध और नहरों में नष्ट होगी, उससे होने वाले नुकसान का आकलन प्राधिकरण के पास नहीं है.

देश की विभिन्न नदियों को जोड़ने का सपना स्वतन्त्रता प्राप्ति के तुरन्त बाद देखा गया था. इसे डॉ. मोक्षमुंडम विश्वेश्वरैया,

शेष पृष्ठ 129 पर

पर्यावरण लेख

बाढ़ की भयानक विभीषिका : पर्यावरण असंतुलन का दुष्परिणाम

✍ योगेश कुमार गोयल

भारी बारिश के कारण पहाड़ों से लेकर मैदानों तक केरल, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, तमिलनाडु, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, असम, नगालैण्ड, अरुणाचल प्रदेश इत्यादि देश के कई राज्य बाढ़ की विभीषिका से जूझ रहे हैं, जहाँ जान-माल की भारी क्षति के साथ-साथ जनजीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है. भगवान की धरती माने जाने वाले प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर केरल में तो बाढ़ के चलते हालात कितने भयावह हो चुके हैं, जिसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि प्रदेश के करीब 10 हजार किलोमीटर सड़क मार्गों को बाढ़ के कहर ने निगल लिया है, हवाई, ट्रेन और मेट्रो नेटवर्क बुरी तरह ध्वस्त हुआ है तथा राज्य के तीन करोड़ से अधिक लोगों पर बाढ़ कहर बनकर टूट पड़ा है. बाढ़ प्रभावित राज्यों में अनेक नदियाँ खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं और एक हजार से अधिक लोग अपने प्राण गँवा चुके हैं. 1924 के बाद केरल में बाढ़ का ऐसा कहर पहली बार देखा गया है, किन्तु विनाशलीला उससे कहीं ज्यादा है. राज्य के 35 बाँधों के फाटक खोल देने के बाद भी सभी में जल स्तर खतरे के निशान के ऊपर है और मुल्लापेरियार बाँध में तो पहली बार जलस्तर अत्यधिक बढ़कर 142 फुट तक पहुँच गया है. 26 वर्ष बाद विश्व प्रसिद्ध इडुक्की जलाशय के चेरूथोनी बाँध को खोलने की नौबत आई. प्रदेश की 28 हजार हैक्टेयर कृषि भूमि बाढ़ के पानी में डूबी हुई है.

इस वर्ष भारी वर्षा के कारण अधिकांश भारत बाढ़ की चपेट में.

केरल, देश के उन राज्यों में शुमार है, जहाँ सर्वाधिक मानसूनी वर्षा होती है, किन्तु इसे मानसून की दगाबाजी कहें या पर्यावरण असन्तुलन का दुष्परिणाम कि पिछले साल अगस्त माह में ही जहाँ केरल में 29 प्रतिशत कम वर्षा हुई थी, वहीं इस साल इस प्रदेश में करीब 19 प्रतिशत अधिक वर्षा हो चुकी है और कुछ राज्यों में तो 50 प्रतिशत तक ज्यादा बारिश हुई है. समुद्र की ओर झुकाव के कारण केरल को प्रायः ऐसा राज्य नहीं माना जाता, जहाँ बाढ़ का खतरा रहता हो, क्योंकि भारी बारिश का पानी यहाँ की नदियों में नहीं ठहरता, जो सीधे पश्चिमी घाट और अरब सागर की गहराइयों में मिल जाता है, लेकिन हालात इतने बदतर होने के पीछे प्रकृति में व्यापक मानवीय दखलंदाजी, अवैज्ञानिक विकास, बड़े पैमाने पर वनों की कटाई और हमारी कुव्यवस्थाएं पूरी तरह जिम्मेदार हैं, जिसके चलते समुद्र का तल निरन्तर ऊँचा उठता जा रहा है, जिसकी परिणति अब अक्सर भयानक बाढ़ के रूप में सामने आती है.

बाढ़ के कारण केरल में तबाही

1. *10 हजार किलोमीटर लम्बा सड़क मार्ग ध्वस्त.*
2. *हवाई, ट्रेन और मेट्रो नेटवर्क प्रभावित.*
3. *3 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित.*
4. *एक हजार से अधिक लोगों की मृत्यु.*

अधिकांश पर्यावरण वैज्ञानिक देश के कई राज्यों में उपजे बाढ़ के हालातों को मानव निर्मित त्रासदी की संज्ञा दे रहे हैं. इस प्रकार की अति वर्षा और बाढ़ की स्थिति के लिए जलवायु परिवर्तन, विकास की विभिन्न परियोजनाओं के लिए वनों की अंधाधुंध कटाई तथा नदियों में होते अवैध खनन को मुख्य रूप से जिम्मेदार माना जा रहा है, जिससे मानसून प्रभावित होने के साथ-साथ भू-रक्षण और नदियों द्वारा कटाव की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण होती तबाही के मामले बढ़े हैं. यह विडम्बना ही है कि विश्व भर में बाढ़ के कारण होने वाली मौतों का पाँचवाँ हिस्सा भारत में होता है और प्रति वर्ष बाढ़ के कारण देश को करीब एक हजार करोड़ का नुकसान होता है. केरल में आई बाढ़ से तो इस बार चाय, कॉफी, मसाले और रबर की खेती तबाह होने के करीब ₹ 20 हजार करोड़ का नुकसान होने का अनुमान है.

2010 में बड़े स्तर पर यह चिंता जताई गई थी कि भारतीय उपमहाद्वीप के ऊपर वर्षा के बादलों को तोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला पश्चिमी घाट मानवीय हस्तक्षेप के चलते सिकुड़ रहा है और इसी के बाद इस पर रिपोर्ट देने के लिए केन्द्र द्वारा 'गाडगिल पैनल' का गठन किया था, किन्तु विडम्बना ही है कि हर साल इस तरह की आपदाएं झेलते रहने के बावजूद पारिस्थितिकीय रूप से नाजुक माने जाने वाले पहाड़ी क्षेत्रों को संरक्षित करने के लिए गाडगिल समिति की रिपोर्ट को अब तक लागू नहीं किया गया. भारतीय उष्ण-कटिबन्धीय मौसम विज्ञान संस्थान द्वारा वर्ष 1900 के बाद साल-दर-साल हुई वर्षा के आँकड़ों के आधार पर 2014 में किए गए अध्ययन में बताया गया है कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते मानसूनी बारिश की तीव्रता बढ़ती जा रही है और इस प्रकार की त्रासदियाँ अभी आगे और बढ़ेंगी, जिसे कोई नहीं रोक पाएगा, हाँ, इसके दुष्परिणामों को हम काफी हद तक कम अवश्य कर सकते हैं, लेकिन उसके लिए प्रकृति द्वारा बार-बार दी जा रही गम्भीर चेतावनियों से हमें सबक सीखने होंगे, परन्तु हमारा स्वभाव कुछ ऐसा हो चुका है कि हम साँप गुजरने के बाद लाठी पीटने के आदी हो चुके हैं.

सरकार और प्रशासन द्वारा आपदाओं से निपटने के लिए पहले से कोई तैयारी नहीं होने के चलते हर साल इस प्रकार की आपदाओं को झेलने को हम अभिशप्त होते हैं, किन्तु हालात में सुधार होते ही हम सब कुछ भुलाकर पहले की भाँति प्रकृति के साथ खिलवाड़ में मशगूल हो जाते हैं. तीन साल पहले चेन्नई में बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था, पर्वतीय क्षेत्र श्रीनगर में समुद्र जैसा नजारा देखा गया था, महाराष्ट्र का बदतर हाल प्रति वर्ष देखा ही जाता है, देश की राजधानी दिल्ली तो थोड़ी-सी बरसात के सामने भी अक्सर बेबस नजर आने लगती है. 1950 में देश में करीब ढ़ाई करोड़ हैक्टेयर भूमि बाढ़ के दायरे में आती थी, किन्तु अब बाढ़ के दायरे में आने वाली भूमि बढ़कर सात करोड़ हैक्टेयर हो गई है.

हमें इस प्रश्न का उत्तर जान लेना होगा कि मानसून की जो बारिश हमारे लिए प्रकृति का वरदान होनी चाहिए, वह क्यों इतनी बड़ी आपदा बनकर अक्सर सामने आती है ? दरअसल बाढ़ और सूखे को प्राकृतिक आपदाएं भर मान लेने से कुछ नहीं होने वाला, बल्कि हमें अब भलीभाँति समझ लेना चाहिए कि ये प्रकृति की गम्भीर चेतावनियाँ हैं, जिन्हें हम प्रकृति द्वारा लगातार संकेत दिए जाते रहने के बावजूद समझना ही नहीं चाहते. पर्यावरण और मानसून असन्तुलन का अब यह भयावह दौर चल रहा है. मौसम विज्ञानियों के तमाम पूर्वानुमानों और कयासों को धत्ता बताते हुए प्रकृति साल-दर-साल अपना प्रकोप प्रचण्ड रूप में दिखा रही है, जिसके चलते हर साल कहीं सूखा, तो कहीं बाढ़ के हालात पैदा हो रहे हैं और कभी सूखा तो कभी बाढ़ के नाम पर हाय-तौबा मचाना ही हमारी नियति बन चुकी है. हम हर बार किसी भी आपदा के लिए प्रकृति

शेष पृष्ठ 134 पर

MAGAZINE KING

कृषि लेख

संरक्षण खेती से उच्च एवं निरन्तर उत्पादन

✍ डॉ. आर. एस. सेंगर

परम्परागत खेती की समस्याओं के समाधान के लिए वर्तमान में कई कृषि वैज्ञानिक संरक्षण खेती को अपनाने पर बल दे रहे हैं. संयुक्त राष्ट्र (UN) के खाद्य एवं कृषि संगठन (F.A.O.) के अनुसार संरक्षण खेती **"खेती की वह विधा है, जिसमें प्राकृतिक संसाधनों को बिना हानि पहुँचाए कृषि में स्वीकार्य लाभ प्राप्त किया जाना है."** अर्थात् समीपवर्ती पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर हमेशा उच्च एवं निरन्तर उत्पादन प्राप्त किया जाता है. इससे भूमि की ऊपरी एवं निचली सतहों में प्राकृतिक जैविक क्रियाओं को बढ़ावा दिया जाता है. कम-से-कम जुताई कर कृषि सम्बन्धी कीटनाशक दवाओं और फसल पोषक तत्वों (रासायनिक एवं जैविक) को मृदा में इस दर से डाला जाता है, जिससे कि मृदा की जैविक क्रियाएँ बाधित न हों.

संरक्षण खेती की विशेषताएँ

संयुक्त राष्ट्र के **'खाद्य एवं कृषि संगठन'** (एफ ए ओ) के अनुसार संरक्षण खेती में निम्नलिखित विशेषताएँ होनी चाहिए–

- **निरंतर न्यूनतम जुताई (शून्य जुताई)**–जुताई क्षेत्र एक स्थान पर 15 सेमी से अधिक चौड़ा नहीं होना चाहिए या खेत में कुल जुताई क्षेत्र 25 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए.
- **मृदा सतह आच्छादित**–मृदा सतह को स्थाई तौर पर फसल अवशेषों (फसलों की कड़वी) द्वारा ढककर रखना चाहिए. फसल जुताई के समय कम से कम 30 प्रतिशत मृदा सतह क्षेत्र फसल अवशेषों अथवा अंशों के द्वारा ढका होना चाहिए.
- **उपयुक्त फसल चक्र प्रणाली**–उपयुक्त चक्र प्रणाली में कम से कम तीन विभिन्न प्रकार की फसलों धान्य, दलहनी व तिलहनी (छोटी जड़ों एवं लंबी जड़ों वाली) का समावेश करना चाहिए.

संरक्षण खेती का मृदा के भौतिक गुणों पर प्रभाव

संरक्षण खेती या परम्परागत खेती, दोनों ही परिस्थितियों में मृदा के भौतिक गुणों का फसल उत्पादकता में महत्वपूर्ण योगदान होता है. काफी हद तक मृदा के रासायनिक गुण और जैविक गुण भी मृदा के भौतिक गुणों पर ही निर्भर करते हैं. यदि, मृदा की भौतिक अवस्था ठीक है तो मृदा में उर्वरकों (रासायनिक एवं जैविक) का प्रभाव अधिक प्रभावी होता है. यहाँ परम्परागत खेती की अपेक्षा संरक्षण खेती अपनाने से मृदा के भौतिक गुणों में होने वाले परिवर्तन को दर्शाया जा रहा है.

मृदा संरचना पर प्रभाव

परम्परागत खेती में अधिक एवं असमय (मृदा की नमी में अधिकता अथवा न्यूनता) जुताई से मृदा कणों में बिखराव होता है अर्थात् मृदा के बड़े कण छोटे-छोटे कणों में परिवर्तित हो जाते हैं. ये छोटे-छोटे कण वर्षा की बूँदों से टकराने के बाद आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाकर मृदा की ऊपरी सतह पर जम जाते हैं और मृदा सतह के छिद्रों को भर देते हैं. मृदा छिद्रों के बन्द हो जाने के परिणामस्वरूप जल का मृदा में अंतःस्राव कम हो जाता है और जल मृदा की सतह पर ही एकत्रित हो जाता है. यह एकत्र हुआ जल वाष्पीकरण प्रक्रिया पूर्ण कर पुनः वायुमण्डल में चला जाता है या बहकर खेत के निचले हिस्सों में एकत्र हो जाता है. इससे जल बहाव और मृदा के कटाव में वृद्धि होती है. जल बहाव एवं मृदा कटाव अपने साथ आवश्यक पादप पोषक तत्वों को भी बहाकर ले जाता है. इसके फलस्वरूप मृदा में उपस्थित जल एवं पोषक तत्व व्यर्थ चले जाते हैं और फसल की उत्पादकता में गिरावट आती है. संरक्षण खेती में न्यूनतम एवं शून्य जुताई की जाती है, जिससे मृदा कणों का बिखराव कम होता है, मृदा के छिद्रों के खुले रहने से वर्षा का जल अधिक से अधिक मात्रा में भूमि में प्रवेश करता है. इसके परिणामस्वरूप जल के बहाव एवं मृदा कटाव में कमी आती है. परम्परागत खेती में किसानों के द्वारा फसल कटाई के बाद फसल अवशेषों/अंशों को खेत में ही जला दिया जाता है या खेत से उन्हें हटा दिया जाता है. इसके विपरीत संरक्षण खेती में लगातार फसल अवशेषों को डालने से मृदा के जैविक अंश में बढ़ोत्तरी होती है. ये जैविक अंश अपघटन कर विभिन्न प्रकार के रसायन पैदा करते हैं. वे मृदा के छोटे कणों को आपस में जोड़कर बड़े-बड़े कणों का निर्माणा करते हैं. अनुसंधान के परिणामों से ज्ञात हुआ है कि उपयुक्त फसल चक्र के अपनाने से भी मृदा की संरचना में सुधार देखा गया है. परम्परागत खेती की अपेक्षा संरक्षण खेती में मृदा की संरचना उत्तम पाई गई है. इस दिशा में 'इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ फार्मिंग सिस्टम्स रिसर्च', मोदीपुरम, मेरठ (उ. प्र.) एक उल्लेखनीय अनुसंधान कार्य विगत् कई दशकों से कर रहा है.

मृदा की ऊपरी सतह पर कठोर परत का बनना

परम्परागत खेती में मृदा की सतह पर किसी भी प्रकार का जैविक आवरण नहीं होने के कारण वर्षा की बूँदें सीधे मृदा कणों से ही टकराती हैं, ये कण दृढ़ता से मृदा की सतह पर जम जाते हैं. वर्षा समाप्त होने के कुछ समय बाद (दो से तीन दिनों में) मृदा सतह पर एक कठोर परत बन जाती है. यह कठोर परत फसलों के बीज अंकुरण और मृदा में जल एवं वायु के प्रवेश में बाधा उत्पन्न करती है. इससे फसल के उत्पादन में कमी आती है. संरक्षण खेती में मृदा की सतह जैविक अवशेषों के द्वारा ढकी रहती है, इसलिए मृदा की सतह पर यह कठोर परत नहीं बन पाती है, जिस कारण फसलें अच्छी तरह से उगाई जाती हैं और उनके उत्पादन पर भी कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता.

भूमि की निचली सतह पर कठोर परत का बनना

परम्परागत खेती में किसानों के द्वारा साल-दर-साल एक ही प्रकार के जुताई उपकरणों का उपयोग करने एवं एक ही फसल चक्र प्रणाली को अपनाने से मृदा की एक निश्चित गहराई पर एक कठोर परत बन जाती है. यह परत भूमि के अदर जल प्रवेश एवं जड़ों के विकास को बाधित करती है, जिससे पौधों की जड़ें भूमि से आवश्यक पोषक तत्व एवं जल आदि पर्याप्त रूप से ग्रहण नहीं कर पाती हैं और उत्पादन में गिरावट आती है. संरक्षण खेती में कृषि उपकरणों का न्यूनतम उपयोग किया जाता है जिससे भूमि की निचली सतह पर यह कठोर परत नहीं बन पाती है. पौधों की जड़ें भूमि की निचली सतहों में विद्यमान पोषक तत्वों एवं जल का पूर्ण उपयोग करती हैं तथा इससे फसलोत्पादन में वृद्धि होती है.

मृदा की जल धारण क्षमता पर प्रभाव

मृदा का जैविक अंश, मृदा की जल धारणा क्षमता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. परम्परागत खेती में लगातार जुताई

MAGAZINE KING

करने एवं फसल अवशेषों को खेत से हटाने पर मृदा के जैविक अंश में गिरावट आ जाती है. इसके विपरीत संरक्षण खेती में अधिक जैविक अंश के उपस्थित रहने के कारण मृदा की जल धारण क्षमता बेहतर हो जाती है. यह मृदा के अधिक जल धारण क्षमता फसलोत्पादन को बढ़ाने में बहुत ही सहायक सिद्ध होती है. केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान (**CSSRI, भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय/आई. सी. ए. आर. के अधीनस्थ**) करनाल (हरियाणा) के प्रधान विज्ञानी डॉ. एच. एस. जाट ने **'क्लाइमेट स्मार्ट खेती'** अनुसंधान में सफल प्रयोग से 50 फीसदी सिंचाई जल की बचत एवं 20% लागत में कमी देखी गई है, जो धान, गेहूँ, मक्का की खेती में ड्रिप (टपक बूँद) सिंचाई पद्धति से मिली है.

मृदा के छिद्रों पर प्रभाव

एक आदर्श मृदा संघटन में 45 प्रतिशत खनिज भाग, 5 प्रतिशत जैविक अंश, 25 प्रतिशत जल एवं 25 प्रतिशत मृदा की छिद्रता होनी चाहिए. सामान्य तौर पर मृदा में दो प्रकार के अर्थात् वृहद छिद्र एवं लघु छिद्र पाए जाते हैं. परम्परागत खेती में निरन्तर जुताई के कारण वृहद मृदा छिद्रों में बढ़ोत्तरी एवं लघु छिद्रों में कमी देखने को मिलती है. दूसरे शब्दों में वृहद एवं लघु छिद्रों का प्रतिशत बदलता रहता है, जोकि फसल के उत्पादन को भी प्रभावित करता है. संरक्षण खेती के शुरूआती वर्षों में मृदा का घनत्व अधिक होने से मृदा छिदता कम पाई जाती है, परन्तु कुछ वर्षों के बाद मृदा में जैविक अंश के बढ़ने से मृदा छिद्रों में बढ़ोत्तरी आती है. संरक्षण खेती में जैविक अंश के अधिक होने के कारण मृदा सूक्ष्मजीवाणु, कवक, शैवाल एवं सूत्रकृमि और केंचुए तथा दीमक इत्यादि की क्रियाविधि बढ़ जाती है, परिणामस्वरूप ये मृदा के छोटे-छोटे कणों को जोड़कर मृदा के बड़े कणों में परिवर्तित करते हैं, इससे मृदा छिद्रता में बढ़ोत्तरी होती है.

मृदा के तापमान पर प्रभाव

फसल के उत्पादन में मृदा का तापमान भी महत्वपूर्ण योगदान देता है. मृदा के तापमान में अचानक बढ़ोत्तरी अथवा गिरावट बीज के अंकुरण एवं फसल की बढ़वार को प्रभावित करती हैं. मृदा के तापमान को नियत्रित करने में मृदा की सतह पर उपस्थित फसल अवशेष महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं. परम्परागत खेती में सतह पर उपस्थित जैविक अवशेषों को जला दिया जाता है. अब **'एन जी टी'** (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) द्वारा फसल अवशेष जलाने पर दण्ड घोषित कर दिया गया है, जिसमें 2 एकड़ तक फसल अवशेष जलाने पर 2,500; 2 से 5 एकड़ पर 5,000 तथा 5 से अधिक एकड़ पर 15,000 का दण्ड दिया जाता है. फसल अवशेष जलाने से भूमि का जीवांश कार्बन (0 C) घट जाता है जो वर्तमान में 0·2% से नीचे चला गया है, जबकि आदर्श जीवांश कार्बन की मात्रा 0·80 से 0·85% होनी चाहिए. संरक्षण खेती में मृदा की सतह फसल अवशेषों के द्वारा ढकी रहती है. जिसके कारण परम्परागत खेती की अपेक्षा, गर्मी वाले क्षेत्रों में 2 डिग्री से 8 डिग्री सेल्सियस तापमान की कमी दर्ज की गई है. यह बीज अंकुरण, मृदा जीवों एवं फसल की बढ़वार में सहायक सिद्ध होती है.

जल के बहाव एवं मृदा कटाव पर प्रभाव

मृदा जल बहाव एवं मृदा कटाव, मृदा सतह से जल प्रवेश कम या फिर रुक जाने की स्थिति में होता है. परम्परागत खेती में मृदा सतह पर एक कठोर परत बन जाती है, साथ ही भूमि की एक निश्चित गहराई पर भी एक कठोर परत के बन जाने से मृदा जल-बहाव सतह से खेत के निचले हिस्सों की तरफ, बहना शुरू हो जाता है, जिसके फलस्वरूप जल बहाव एवं मृदा कटाव में वृद्धि होती है. यद्यपि, अनुसन्धानों के परिणामों से ज्ञात हुआ है कि जुताई के एकदम बाद परम्परागत खेती में थोड़े समय के लिए जल बहाव एवं मृदा के कटाव में गिरावट दर्ज की गई है. संरक्षण खेती को अपनाने का सबसे प्रमुख लाभ यह है कि इससे मृदा कटाव एवं जल बहाव में अत्यधिक कमी आती है. इसका प्रमुख कारण मृदा ऊपर एवं भूमि की निचली सतह पर इस कठोर परत का नहीं बनना है.

मृदा की जल संचालकता पर प्रभाव

मृदा जल संचालकता मृदा की विभिन्न परतों द्वारा जल की संचालन क्षमता को दर्शाती है. वर्षा अथवा सिंचाई जल समूह के माध्यम से मृदा में प्रवेश करने के पश्चात् संचालकता द्वारा ही मृदा की निचली परतों में प्रवेश करता है. हालांकि, मृदा जल संचालकता मृदा के भौतिक गुणधर्मों पर निर्भर करती है. परम्परागत खेती में लगातार मशीनों के प्रयोग एवं उपयुक्त फसल चक्र न अपनाने के कारण तथा मृदा जैविक अंश में गिरावट के कारण जल संचालकता संरक्षण खेती की अपेक्षा कम पाई जाती है. संरक्षण खेती में जुताई कम होने से मृदा में बनी छोटी-छोटी केशिकाए, जोकि मृदा में जल की संचालकता को बढ़ाने में सहायक होती हैं, वे नष्ट नहीं होतीं और मृदा जल संचालकता में बढ़ोत्तरी देखने को मिलती है. संरक्षण खेती में मृदा जल संचालकता बढ़ने का दूसरा कारण उपयुक्त फसल चक्र का अपनाना है अर्थात् जब फसल की जड़ें नष्ट होती हैं तो मृदा में केशिकाएँ बन जाती हैं, जो मृदा में जल की संचालकता को बढ़ावा देती हैं. संरक्षण खेती में मृदा जैविक अंश की अधिकता पाई जाती है, जिससे कुल मृदा छिद्रता बढ़ जाती है. इसके परिणामस्वरूप मृदा जल संचालकता में बढ़ोत्तरी देखी गई है.

मृदा जल प्रवेश पर प्रभाव

परम्परागत खेती में जुताई के एकदम बाद मृदा की सतह ढीली हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप जुताई के एकदम बाद मृदा में जल प्रवेश में बढ़ोत्तरी देखने को मिलती है, परन्तु जल प्रवेश की यह स्थिति अधिक समय तक नहीं टिक पाती है और कुछ समय के बाद (वर्षा अथवा सिंचाई के कारण) मृदा की सतह पर पपड़ी बनने से मृदा में जल प्रवेश में गिरावट आती है. संरक्षण खेती में मृदा जल प्रवेश क्रिया पर वैज्ञानिक समूह भिन्न-भिन्न मत रखते हैं, जिनमें से एक समूह ने अनुसंधानों के द्वारा सिद्ध किया कि संरक्षण खेती में मृदा में जल प्रवेश परम्परागत खेती की अपेक्षा अधिक होता है. वहीं वैज्ञानिकों के दूसरे समूह ने अपने अनुसंधानों के द्वारा यह सिद्ध किया है कि मृदा जल प्रवेश, संरक्षण खेती में परम्परागत खेती की अपेक्षा, कम होती है. वैज्ञानिकों के एक अन्य समूह के अनुसार मृदा सतह में जल प्रवेश परम्परागत खेती, संरक्षण खेती में एक समान होता है. मृदा में जल प्रवेश मृदा की संरचना, भौगोलिक स्थिति एवं जलवायु, आदि पर भी काफी हद तक निर्भर करता है.

संरक्षण खेती-परम्परागत खेती की अपेक्षा मृदा के भौतिक गुणों को प्रभावी रूप से सुधार करती है. मृदा के भौतिक गुणों में सुधार होने से फसल अच्छी तरह से स्थापित होकर अपनी बढ़वार को प्राप्त करती है, इससे फसल का भरपूर उत्पादन प्राप्त होता है. मृदा की अधिक उर्वरता एवं उत्तम जैविक गुणों का भरपूर लाभ तब ही लिया जा सकता है, जब मृदा में भौतिक गुण वांछित स्तर तक उपस्थित हों, संरक्षण खेती, मृदा के भौतिक गुणों के वांछित स्तर तक लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. देश में संरक्षण खेती की शुरूआत लगभग तीन-चार दशक पूर्व हुई थी. संरक्षण खेती **"शून्य जुताई"** या **'बिना जुताई'** वाली खेती के नाम से जानी जाती है. सर्वप्रथम संरक्षण खेती या शून्य जुताई वाली खेती गगा नदी के आसपास के मैदानी क्षेत्रों में शुरू की गई थी और इस खेती का अधिक प्रचार-प्रसार उत्तरी व पूर्वी देशीय राज्यों,

शेष पृष्ठ 164 पर

सार संग्रह

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

1. कर्नाटक स्थित किस नवपाषाणिक स्थल से शंख के ढेर और निवास स्थान पाए गए ? – *पिकलीहल*
2. वेदांगों की संख्या है – *6(शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द, ज्योतिष)*
3. सुत्तपिटक विभाजित है – *5 भागों में (दीघनिकाय, मज्झिम निकाय, संयुक्त निकाय, अंगुत्तर निकाय, खुद्दक निकाय)*
4. हड़प्पाकालीन स्थल लोथल का उत्खनन हुआ था – *एस.आर. राव द्वारा 1955–63 में*
5. बौद्ध सिद्धान्त 'प्रतीत्य समुत्पाद' के 12 सिद्धान्त (द्वादश) निदान हैं – *जाति, जरामरण, अविद्या, संस्कार, विज्ञान, नाम-रूप, स्पर्श, तृष्णा, वेदना, षडायतन, भव, उपादान*
6. उत्तरी मदुरा में आयोजित तृतीय संगम की अध्यक्षता की थी – *नक्कीर ने*
7. चोल शासन में वार्षिक समिति को कहा जाता था – *सम्वत्सरवारियम*
8. सल्तनतकाल में दिल्ली में जमातखाना मस्जिद का निर्माण किया था – *अलाउद्दीन खिलजी ने*
9. किस सूफी सन्त को 'महबूब-ए-इलाही' (ईश्वर के प्रेमी) की लोकप्रिय उपाधि मिली ? – *शेख निजामुद्दीन औलिया*
10. किस सिख गुरु ने सिखों को 'सैनिक सम्प्रदाय' में परिवर्तित कर दिया ? – *गुरु हरगोविन्द*

राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

11. असहयोग आन्दोलन के विरोध में किन नेताओं ने कांग्रेस से त्यागपत्र दे दिया ? – *एनी बेसेन्ट, मुहम्मद अली जिन्ना, विपिन चन्द्र पाल, सर नारायण चन्द्रावरकर, शंकर नायर*
12. गुरु का बाग सत्याग्रह (1922-23) में हुआ था – *अमृतसर*
13. दिसम्बर 1924 में बेलगाँव में हुए कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता की थी – *महात्मा गाँधी ने*
14. लंदन में प्रथम गोलमेज सम्मेलन का आयोजन हुआ था – *12 नवम्बर, 1930 से 13 जनवरी, 1931 तक*
15. 1937 में हुए प्रान्तीय मन्त्रिमण्डलों के चुनाव में कितने प्रान्तों में अपनी सरकार बनायी ? – *6 (मद्रास, संयुक्त प्रान्त, मध्य प्रान्त, बिहार, बम्बई एवं उड़ीसा)*
16. कांग्रेस कार्यसमिति की किस बैठक में भारत छोड़ो आन्दोलन का प्रस्ताव पारित किया गया था ? – *14 जुलाई, 1942 को वर्धा में*
17. क्रिप्स मिशन भारत आया था – *22 मार्च, 1942 को*
18. किस क्रान्तिकारी ने सुभाष चन्द्र बोस को इण्डिया इण्डिपेंडेंस लीग और INA का नेतृत्व सौंपा ? – *रास बिहारी बोस ने*
19. मुस्लिम लीग ने किस तिथि को 'सीधी कार्यवाही दिवस (Direct Action Day) के रूप में घोषित किया ? – *16 अगस्त, 1946 को*
20. भारत में 'इंस्पेक्टर जनरल ऑफ एग्रीकल्चर' की नियुक्ति पहली बार कब हुई थी ? – *1901 में*

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

21. बी.आर. अम्बेडकर का संविधान सभा में निर्वाचन किस प्रान्त से हुआ ? – *बम्बई प्रेसीडेंसी से*
22. संविधान सभा की संघ संविधान समिति के अध्यक्ष थे – *जवाहर लाल नेहरू*
23. भारत में न्यायिक पुनरीक्षण की संकल्पना किस देश के संविधान से ली गयी है ? – *अमरीका*
24. यदि भारत संघ के एक नये राज्य का सृजन करना हो, तो संविधान की किस अनुसूची में अवश्य संशोधन किया जाएगा ? – *पहली*
25. भारतीय संविधान का कौनसा भाग और अध्याय संघ और राज्य के बीच विधायी सम्बन्ध के बारे में है ? – *अध्याय 11 का भाग 1*
26. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद व्यक्ति के विदेश यात्रा के अधिकार को संरक्षण प्रदान करता है ? – *अनुच्छेद 21*
27. मन्त्रिपरिषद् के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए लोक सभा के सदस्यों की न्यूनतम संख्या होनी चाहिए – *50*
28. संसद की प्राक्कलन समिति के सदस्यों का कार्यकाल होता है – *1 वर्ष*
29. राज्य की विधान परिषद् किसी साधारण विधेयक को किस अवधि तक रोक सकती है ? – *3 माह तक*
30. जिला न्यायाधीश शब्द संविधान के किस अनुच्छेद में आया है ? – *अनुच्छेद 233 में*

भारत एवं विश्व का भूगोल

31. चौराबाडी ग्लेशियर स्थित है – *उत्तराखण्ड में केदारनाथ मन्दिर के उत्तर में*
32. हिमालय की रचना समान्तर वलय श्रेणियों से हुई है, जिसमें से प्राचीनतम श्रेणी है – *वृहत हिमालय श्रेणी*
33. भारतीय मौसम विभाग के अनुसार वर्षा का दिन वह होता है, जब किसी विशेष स्थान पर वर्षा की मात्रा होती है – *24 घण्टे में 2·5 मिमी से ऊपर*
34. टिहरी पनबिजली कॉम्प्लेक्स किस नदी पर अवस्थित है ? – *भागीरथी*
35. गुलाबी क्रान्ति सम्बन्धित है – *प्याज उत्पादन से*
36. भारत में टिन संसाधन वाला एकमात्र राज्य है – *छत्तीसगढ़*

MAGAZINE KING

37. दक्षिण एशिया में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा देश है
– मालदीव

38. अपवाह क्षेत्र (Drainage Area) की दृष्टि से विश्व की सबसे लम्बी नदी है *– अमेजन*

39. विश्व की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील है
– लेक सुपीरियर

40. मुख्य कारक जो किसी क्षेत्र के जलवायु को निर्धारित करता है, वह है *– अक्षांश*

पर्यावरण एवं जैव विविधता

41. जैवविविधता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है
– पारिस्थितिक तन्त्र का निर्वहन

42. 'रेड डाटा बुक' का प्रकाशन किया जाता है
– आई.यू.सी.एन. (International Union for Conservation of Nature)

43. रामसर सम्मेलन सम्बन्धित है *– आर्द्रभूमियों के संरक्षण से*

44. वायुमण्डल के प्राकृतिक सन्तुलन के लिए कार्बन डाइऑक्साइड की उपयुक्त सान्द्रता मानी जाती है
– 278 PPM (0·03%)

45. अभीष्ट राष्ट्रीय निर्धारित अंशदान (Intended Nationally Determined Contributions) से तात्पर्य है
– जलवायु परिवर्तन के लिए विश्व के देशों के लिए बनायी कार्ययोजना

46. नगालैण्ड के पर्वतीय वन बंजर होते जा रहे हैं, इसका प्रमुख कारण है *– झूम कृषि*

47. पिन वैली राष्ट्रीय उद्यान अवस्थित है
– हिमाचल प्रदेश के लाहौल एवं स्फीति जिले में

48. दाचीगाम अभयारण्य स्थित है *– जम्मू एवं कश्मीर में*

49. इनडोर वायुप्रदूषण की सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रदूषक गैस है
– रेडान गैस

50. अन्तर्राष्ट्रीय अम्ल वर्षा सूचना केन्द्र स्थापित किया गया है
– मैनचेस्टर में

जलवायु परिवर्तन एवं आपदा

51. भारत द्वारा जैवविविधता और अभिसमय पर सौंपी गयी छठी राष्ट्रीय रिपोर्ट (दिसम्बर 2018 में) के अनुसार भारत में कुल प्रजातियों का कितने प्रतिशत संकटापन्न है ? *– 0·08%*

52. केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2015 से 2018 के बीच भारत में कितने तेंदुओं का शिकार किया गया ? *– कम-से-कम 260*

53. चीन द्वारा दिसम्बर 2018 में होंग्युन परियोजना के तहत् प्रक्षेपित पहले उपग्रह का उद्देश्य है
– जलवायु परिवर्तन का मापन

54. किस मंत्रालय द्वारा 'एसडीजी इण्डिया इंडेक्स : बेसलाइन रिपोर्ट 2018' जारी किया गया ?
– पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

55. पेरिस नियम पुस्तिका (Parish Rule Book) का सम्बन्ध है
– जलवायु परिवर्तन

56. प्रोजेक्ट मौसम (Project Mausam) किस मंत्रालय की पहल है ? *– पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय*

57. 'Common but Differentiated Responsibilities and Respective Capabilities : CBDR-RC' का सम्बन्ध है
– जलवायु परिवर्तन समझौते से

58. जलवायु परिवर्तन पर यूएनएफसीसीसी (UNFCCC) के पक्षकारों का 24वाँ सम्मेलन हुआ था
– दिसम्बर 2018 में केटोवाइस (पोलैण्ड) में

59. संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन (UNFCCC) है *– एक अन्तर्राष्ट्रीय समझौता है, जिसका उद्देश्य वायुमण्डल में ग्रीनहाउस गैसों को नियन्त्रण करना है*

60. जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना (NAPCC) का शुभारम्भ हुआ था *– 2008 में*

भारतीय अर्थव्यवस्था

61. अल्पकालिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु जिस ब्याज दर पर कॉमर्शियल बैंक रिजर्व बैंक से नकदी ऋण प्राप्त करते हैं, कहलाती है *– रेपो दर*

62. वाणिज्यिक बैंकों की कुल माँग एवं सावधि देयताओं का वह प्रतिशत (अनुपात) जो उन्हें ग्राहकों को साख मुहैया कराने से पूर्व स्वर्ण या सरकार से अनुमोदित प्रतिभूतियों के रूप में रखना पड़ता है, कहलाता है
– वैधानिक तरलता अनुपात (SLR)

63. विश्व के अत्यल्प विकसित देशों (Least Developed Countries) को कहा जाता है *– चौथी दुनिया*

64. किसी ऋण के मय ब्याज के पूर्ण भुगतान को कहा जाता है
– एमोर्टाइजेशन (Amortization)

65. यदि किसी अर्थव्यवस्था में अच्छी व बुरी मुद्रा एक साथ प्रचलन में हो, तो बुरी मुद्रा अच्छी मुद्रा को प्रचलन से बाहर कर देती है, यह नियम कहलाता है *– ग्रेशम का नियम*

66. किसी औद्योगिक संस्थान में उत्पादन कम हो जाने या उस वस्तु की माँग कम हो जाने पर कर्मचारियों को नौकरी से पृथक् करना कहलाता है *– ले ऑफ (Lay off)*

67. वह कम्पनी जिसमें हर शेयर धारक का दायित्व अपने अंशदान तक ही सीमित होता है, कहलाती है *– लिमिटेड कम्पनी*

68. वह मुद्रा जिसे नीची ब्याज दर (Low Interest Rate) पर प्राप्त किया जा सकता है, कहलाती है
– सस्ती मुद्रा (Cheap Money)

69. 'प्लानिंग एण्ड द पुअर' पुस्तक के लेखक हैं
– डेविड रिकार्डो

70. 'इको मार्क' किसी उत्पाद पर दिए गए इस प्रमाणन का चिह्न होता है कि यह उत्पाद *– नष्ट होने वाला नहीं है*

सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी

71. फोनोमीटर किसके मापन में उपयोग किया जाता है ?
– ध्वनि की तीव्रता एवं स्पंदन आवृति

72. घूमती हुई वस्तुओं की गति नापने वाला यन्त्र है
– गाइरोस्कोप

73. किसी तारे का रंग उसके किस गुण की जानकारी देता है ?
– उसके ताप की

74. ऐसा उपकरण जो रासायनिक ऊर्जा को विद्युत् ऊर्जा में परिवर्तित करता है, कहलाता है *– बैटरी*

MAGAZINE KING

75. भार के अनुसार पानी (H_2O) में हाइड्रोजन की प्रतिशतता है
– *11·11%*

76. कौनसा बहुलक बुलेट-प्रूफ वस्त्र बनाने में उपयोग किया जाता है ? – *पॉली पैराफेनीलीन टेरेफ्थोमैलाइड (पॉलीएमाइड)*

77. पोलियो किस वाइरस द्वारा होता है ? – *पोलियोमेलाइटिस*

78. पुदीना (Mentha Arvensis) के किस भाग में तेल का अधिकतम प्रतिशत पाया जाता है ? – *पत्ती में*

79. कुछ समुद्रीय जन्तु एवं कीट अँधेरे में अपने शरीर से प्रकाश उत्पन्न करते हैं, इस परिघटना को कहते हैं
– *बायोल्युमिनिसेंस*

80. जैव ऑक्सीजन माँग (BOD) किसके लिए एक मानक मापदण्ड है ?
– *जलीय पारिस्थितिक तन्त्रों में प्रदूषण के मापन के लिए*

शिक्षा एवं बाल मनोविज्ञान

81. भाटिया बैटरी का प्रयोग किसके मापन हेतु किया जाता है ?
– *बुद्धि*

82. पियाजे मुख्यत: किसके अध्ययन के लिए जाने जाते हैं ?
– *संज्ञानात्मक विकास*

83. क्रिया प्रसूत अनुकूलन सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था
– *स्किनर ने*

84. मूल्यांकन की प्रक्रिया को किस रूप में माना गया है ?
– *त्रिभुजाकार*

85. फ्रोबेल ने किस शिक्षण पद्धति का प्रतिपादन किया ?
– *बालोद्यान पद्धति (किण्डरगार्डन)*

86. सूत्र, साराश एवं निष्कर्ष किस शिक्षण पद्धति के सोपान हैं ?
– *निगमन*

87. उच्च बौद्धिक विकास किस प्रकार के बालक से सम्बन्धित है ?
– *प्रतिभाशाली*

88. Z.P.D. सिद्धान्त सम्बन्धित है – *वाइगास्की से*

89. अमूर्त चिन्तन की अधिकता होना किस प्रकार के बालक की विशेषता है ? – *प्रतिभाशाली*

90. अधिगम का सम्बन्धवाद सिद्धान्त किसने दिया ? – *थॉर्नडाइक*

सम्प्रेषण/संचार

91. ऐसा नेटवर्क जिसमें समूह का प्रत्येक सदस्य अपने निकटतम सदस्य के साथ कुछ संचार कर सकता है तथा नेटवर्क में सूचना ऊपरी एवं निचली किसी भी दिशा में प्रवाहित हो सकती है, कहलाता है – *शृंखला नेटवर्क*

92. मिलेन ने प्रशासनिक संगठन में संचार को क्या कहा ?
– *प्रशासनिक संगठन की जीवनरेखा*

93. ऐसा खुला संचार जिसमें समूह का प्रत्येक सदस्य दूसरे सदस्य से सीधे संचार स्थापित कर सकता है, कहलाता है
– *कमकम नेटवर्क (Comcom Network)*

94. सूचना के सक्षम अन्तरण हेतु किस प्रकार का संचार सर्वाधिक उपयुक्त होता है ? – *वृत्ताकार संचार*

95. संचार प्रक्रिया में प्रतिक्रिया देने से तात्पर्य है
– *एक संदेश के प्रति अपनी समझ की पुष्टि करना*

96. सम्प्रेषण के प्रक्रम में अन्तिम चरण है – *प्रतिपुष्टि देना*

97. अधिकृत एवं पूर्वनिर्धारित मार्ग के अनुरूप किस प्रकार का संचार होता है ? – *औपचारिक संचार*

98. ऐसा संचार जो संगठन के विभिन्न स्तरों से सम्बद्ध किया जाता है तथा इस प्रकार का संचार एक ही स्तर के अधिकारियों के बीच (वाद-विवाद, सम्मेलन आदि) कहलाता है
– *समस्तरीय संचार*

99. शब्द रहित संदेशों को भेजने एवं प्राप्त करने की सम्प्रेषण प्रक्रिया को कहते हैं – *अशाब्दिक सम्प्रेषण*

100. अपने सहयोगियों एवं अधीनस्थों के बीच संवाद स्थापित करने का सर्वोत्तम विकल्प है – *अनौपचारिक अन्तःसंचार*

कम्प्यूटर ज्ञान

101. वह सूचना जो किसी बाहरी स्रोत से आती है और कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर में फीड की जाती है, कहलाती है – *इनपुट*

102. साधारण शब्दों में नेटवर्कों का नेटवर्क कहलाता है
– *इंटरनेट*

103. डेजी व्हील प्रिंटर का प्रकार है – *इम्पैक्ट*

104. लेजर किस्मों में से कौन लेजर प्रिंटर में प्रयुक्त होती है ?
– *सेमी कंडक्टर लेजर*

105. एक किलोबाइट में बिट्स होते हैं – *8192*

106. किसी आपरेटिंग सिस्टम के एक ही समय पर एक से अधिक उपयोग की क्षमता को कहते हैं – *मल्टी टॉस्किंग*

107. डकडकगो (Duck Duck Go) है, एक – *सर्च इंजन*

108. EX-OR फंक्शन प्राप्त करने के लिए न्यूनतम कितने NAND गेट की आवश्यकता होती है ? – *4*

109. आई.सी. चिपों द्वारा निर्मित प्रथम डिजिटल कम्प्यूटर जाना जाता है – *आई.बी.एम. सिस्टम/360*

110. SMPS का विस्तारण है
– *Switched Mode Power Supply*

खेलकूद

111. राइडर कप (Ryder Cup) किस खेल से सम्बन्धित ट्रॉफी है ? – *गोल्फ*

112. होम, डायमण्ड, पिचर, होम रन आदि शब्दावली किस खेल में प्रयुक्त होती है ? – *बेसबाल*

113. रग्बी फुटबाल में खिलाड़ियों की संख्या होती है – *15*

114. कीनन स्टेडियम अवस्थित है – *जमशेदपुर में*

115. डयूस, कोर्ट, डबल, फॉल्ट, स्मैश आदि शब्दावली सम्बन्धित है – *लॉन टेनिस में*

116. ओलम्पिक ध्वज को सर्वप्रथम किस ओलम्पिक में लहराया गया था ? – *1920 के एंटवर्प ओलम्पिक में*

117. भारत ने ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों में पुरुष हॉकी का आठ बार स्वर्ण जीता है. इन खेलों में पहला स्वर्ण पदक भारत ने जीता था – *1928 में एम्सटर्डम ओलम्पिक में*

118. अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट काउन्सिल (ICC), अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट की प्रमुख नियामक संस्था है, इसका मुख्यालय है – *दुबई में*

119. राष्ट्रमण्डल खेलों का पहले नाम 'ब्रिटिश एम्पायर खेल' था, इन खेलों का नाम राष्ट्रमण्डल खेल किया गया – *1978 में*

120. वाटरपोलो की सर्वोच्च नियामक अन्तर्राष्ट्रीय संस्था है
– *फेडरेशन इंटरनेशनले डी नेशनले (फिना)*

MAGZINE KING

कृषि

121. **'आलू'** (**पोटेटो**–सोलेनम ट्यूबरोसम एल; **कुल**–सोलेनेसी) की सुषुप्तावस्था को तोड़ने के लिए सबसे अच्छी विधि है
– 2% एथिलीन क्लोरोहाइड्रिन के घोल में आलू कंद को डुबोकर रखना

122. *'इण्डियन काउन्सिल ऑफ एग्रीकल्चुरल रिसर्च'* (**आई.सी.ए.आर.**), नई दिल्ली (कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ) के वर्तमान महानिदेशक (**डी.जी.**) हैं
– डॉ. त्रिलोचन महापात्र

123. वर्तमान में, देश में, कृषि-फसलों में औसतन यूरिया का प्रयोग 133 से 134 किग्रा. प्रति हैक्टेयर किया जा रहा है, जबकि कुछ प्रदेशों/कुछ जिलों में यूरिया का प्रयोग हो रहा है
– 300 से 400 किग्रा/हैक्टेयर तक, जो ज्यादा है

124. पंजाब व हरियाणा को छोड़, देश के बाकी हिस्सों में किस प्रमुख पादप पोषक तत्व की भूमि में कमी देखी जा रही है ?
– 'नाइट्रोजन' (N)–प्राथमिक/प्रमुख पादप पोषक तत्व की कमी

125. वर्ष 2022 तक, किसान की आमदनी **'दोगुनी'** करने के उद्देश्य से भारत सरकार के *'कृषि लागत एवं मूल्य आयोग'* ने रबी फसल वर्ष 2020-21 हेतु (विपणन सत्र) गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य कितना रखा है ?
– प्रति कुन्टल 1925/कुन्टल (V/s 1840/कुन्टल वर्ष 2019-20 से ₹ 85 की बढ़ोत्तरी के साथ)

126. उत्तर प्रदेश कितने कृषि जलवायु क्षेत्रों में विभक्त है ?
– 9 कृषि जलवायु क्षेत्र

127. उत्तर प्रदेश में, विलम्ब से बोये जाने की दशा में **'गेहूँ'** की प्रजातियाँ उपयुक्त हैं
– उन्नत हलना; मालवीय-234; डी.बी.डब्ल्यू.-14 व डी.बी.डब्ल्यू.-16

128. धान, गेहूँ, आलू, दलहनी एवं तिलहनी फसलों के बीज शोधन हेतु प्रयोग किए जाते हैं
– ट्राइकोडर्मा; एजोटोबैक्टर; 'पी.एस.बी.' (PSB) आदि

129. *'फसल चक्र पद्धति'* में–एक ही प्रकार का फसल-चक्र अपनाने से क्या नुकसान होता है ?
– एक ही प्रकार के तत्वों का दोहन; भूमि का स्वास्थ्य गिरना; फसल उत्पादन में गिरावट आदि

130. यदि, भूमि का **'पीएच'** (pH) मान 8·5 से अधिक है, तो भूमि सुधारक के रूप में क्या प्रयोग किया जाए ?
– जिप्सम, पाइराइट, चूना आदि. यदि, 'पीएच' (pH) मान 6·5 से कम है, तो चूना का प्रयोग करें

विविध

131. वैज्ञानिक एवं अनुसन्धान परिषद् (CSIR) की स्थापना हुई थी ***– 1942 में***

132. भारत के राष्ट्रीय ध्वज का डिजाइन तैयार किया था
– पिंगली वैंकैया ने

133. मोहिनी अट्टम प्रमुख नृत्य है ***– केरल का***

134. कुचीपुडी प्रमुख नृत्य है ***– आन्ध्र प्रदेश एवं तेलंगाना का***

135. 'ओरेविले' नामक स्थल का सम्बन्ध है
– महर्षि अरविन्द घोष से

●●●

शेष पृष्ठ 96 का

- उत्तर प्रदेश में खरीफ फसल की बुआई होती है –जून-जुलाई के दौरान
- आँवले का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला जिला है –प्रतापगढ़
- उत्तर प्रदेश में किसान बही योजना लागू की गई थी –1992 में
- राज्य में सन्तरे की पैदावार वाला प्रमुख जिला है –सहारनपुर
- उत्तर प्रदेश की सबसे लम्बी नहर कौनसी है ? –शारदा नहर
- हथनीकुण्ड परियोजना किस नदी पर स्थित है ? –यमुना
- उत्तर प्रदेश में परमाणु ऊर्जा केन्द्र स्थापित है –नरौरा में
- ओबरा ताप विद्युत् केन्द्र की स्थापना किस देश के सहयोग से की गई है ? –सोवियत रूस
- द ऑपरेशन ग्रीन परियोजना का उत्तर प्रदेश में शुभारम्भ हुआ था –2001 में
- उत्तर प्रदेश में यूरेनियम उपलब्ध है – ललितपुर जिले में
- प्रदेश में किस जनजाति में दीपावली को शोक के रूप में मनाया जाता है ? –थारू
- पंचायत चुनाव लड़ने हेतु एक व्यक्ति की आयु होनी चाहिए –21 वर्ष
- काकोरी षड्यंत्र केस हुआ था –1925 में
- कौनसा वृक्ष, जो कभी सामाजिक वानिकी में लोकप्रिय था, अब एक पारिस्थितिक आतंकवादी माना जाता है ? –यूकेलिप्टस
- उत्तर-दक्षिण तथा पूर्व-पश्चिम गलियारे मिलते हैं –झाँसी में
- यमुना एक्सप्रेस-वे किन शहरों के बीच है ? –आगरा–ग्रेटर नोएडा
- ठुमरी गायिका गिरिजा देवी का सम्बन्ध किस घराने से है ? –बनारस घराने से
- चरकुला प्रमुख लोक नृत्य है –ब्रज भूमि से
- लठमार होली मनाई जाती है –बरसाना में
- विख्यात भारत माता का मन्दिर स्थित है –वाराणसी में
- किस जनपद में कालिंजर किला स्थित है ? –बाँदा
- इलाहाबाद स्थित एल्फ्रेड पार्क का नामकरण किया गया –चन्द्रशेखर आजाद के नाम पर
- लॉर्ड कार्नवालिस की कब्र स्थित है –गाजीपुर में
- महर्षि वाल्मीकि आश्रम स्थापित है –बिठूर में
- प्रसिद्ध सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की मजार पर प्रति वर्ष मेला लगता है –देवा शरीफ
- हर्षवर्धन ने दो महान् धार्मिक सम्मेलनों का आयोजन किया –कन्नौज एवं प्रयाग में
- चौरी-चौरा किस जिले में स्थित है ? –गोरखपुर
- किस कारागार में पं. रामप्रसाद बिस्मिल को फाँसी दी गई थी ? –गोरखपुर
- अति लोकप्रिय धार्मिक पत्रिका 'कल्याण' प्रकाशित होती है –गोरखपुर से
- उत्तर प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा के लिए 'स्कूल चलो अभियान' शुरू किया गया –2001 में
- सीमेंट उत्पादन के प्रमुख कारखाने हैं –दादरी, चुनार, चुर्क, डल्ला आदि स्थानों पर
- प्रदेश में रेलवे कोच फैक्ट्री स्थापित की गई है –रायबरेली में
- आर्यभट्ट नक्षत्रशाला स्थित है –रामपुर
- प्रदेश में सर्वाधिक जनसंख्या वाली जनजाति है –थारू

●●●

MAGAZINE KING

आगामी उत्तर प्रदेश पीसीएस प्रारम्भिक परीक्षा–2019 हेतु विशेष मॉडल हल प्रश्न

1. मानिकचंद को 'जगत सेठ विश्व का बैंकर' की उपाधि किसने दी ?
   (A) मुर्शिद कुली खान ने
   (B) फर्रुखसियर ने
   (C) मीर जाफर ने
   (D) सिराजुद्दौला ने

2. अठारहवीं सदी में क्षेत्रीय राज्यों का अपनी प्रान्तीय राजधानियों के साथ अभ्युदय भारत के राजनीतिक इतिहास में एक नई शुरूआत थी. अठारहवीं सदी में क्षेत्रीय राज्यों के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
   1. ये राज्य अपने विन्यास और सत्ता के आधार की दृष्टि से भिन्न थे फिर भी उन्होंने सत्ता में हिस्सेदारी तथा राजनीतिक अर्थव्यवस्था, जोकि बृहत् वाणिज्यीकरण तथा सैन्य आकस्मिकताओं के लिए तैयार की गई थी, की व्यापक अवधारणा पर निर्भर किया.
   2. सत्ता, भूमि के स्वामित्व और ग्रामीण तथा राजस्व के बिचौलियों के रूप में प्रभुत्वशाली वर्ग के अभ्युदय, जिनमें कुछ वाणिज्यिक समूह भी शामिल थे, जिन्होंने राजस्व के ठेकों में निवेश किया, में निहित थी. इतिहासकारों ने अठारहवीं सदी में उभरती हुई अर्थव्यवस्था में वाणिज्यिक वर्ग की प्रधानता को अभिप्रमाणित किया है.

   नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) 1 और 2 दोनों
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. सोलहवीं सदी में किस शहर का निर्माण विशाल दोहरे क्रॉस के रूप में समानान्तर प्रणाली पर किया गया था ?
   (A) हैदराबाद (B) मुर्शिदाबाद
   (C) लखनऊ (D) औरंगाबाद

4. मुगल उत्तराधिकारी राज्यों के राजनीतिक विकेन्द्रीकरण के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
   1. सबसे पहले स्वतन्त्र साम्राज्यों का उदय हुआ, जहाँ प्रान्तीय सूबेदारों ने मुगलों द्वारा पृथक् रखे गए पदों को एक में मिला दिया और फिर स्वतन्त्रता का दावा किया.
   2. विशिष्ट धार्मिक और सामुदायिक पहचान के साथ सिखों, जाटों तथा मराठों के अधीन योद्धा या विद्रोही राज्यों का उदय हुआ.
   3. केन्द्रीकृत मुगल राज्य का पतन सत्ता के पूर्ण पतन के समान नहीं था, अपितु इसके कारण राजनीतिक विकेन्द्रीकरण हुआ और समूहों के बीच संसाधनों का पुनः बँटवारा हुआ, जिन्होंने अपनी सम्पत्तियों को समेकित किया और राजनीतिक सत्ता का दावा किया.

   नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2 और 3
   (C) केवल 1 और 3
   (D) उपर्युक्त सभी

5. अठारहवीं सदी में मैसूर के राजधानी नगर श्रीरंगपट्टन के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
   1. श्रीरंगपट्टन 1748 में मैसूर की राजधानी बना.
   2. श्रीरंगपट्टन अपना नाम प्रसिद्ध रंगनाथस्वामी मंदिर से ग्रहण करता है, जोकि दक्षिण भारत में वैष्णव तीर्थ का प्रमुख केन्द्र है.

   नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) 1 और 2 दोनों
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

6. गुप्तकाल में उत्पन्न हुए शूद्रक के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
   1. उनका प्रसिद्ध नाटक 'मृच्छकटिकम्' है, जिसे सामाजिक नाटकों में प्रमुख स्थान प्राप्त है.
   2. शूद्रक ने चारुदत्त के माध्यम से भारत के आदर्श नागरिक का चित्रण किया है.
   3. प्राकृत भाषा की सभी शैलियों का प्रयोग इसमें एक साथ मिलता है.

   नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2 और 3
   (C) केवल 1 और 3
   (D) उपर्युक्त सभी

7. "मुझे गर्व महसूस होता है कि अपने देश की आजादी के लिए फाँसी के तख्ते पर झूलने वाला मैं पहला मुस्लिम हूँ." यह कथन किस क्रांतिकारी का है ?
   (A) अशफाकुल्ला खाँ का
   (B) मौलाना अहमदुल्लाह शाह का
   (C) मौलाना जफर अली खान
   (D) पीर अली

8. सुभाषचन्द्र बोस को 'देशभक्तों का देशभक्त' किसने कहा था ?
   (A) दुर्गाबाई देशमुख ने
   (B) महात्मा गांधी ने
   (C) पंडित जवाहरलाल नेहरू ने
   (D) चित्तरंजन दास ने

9. स्वतन्त्रता संग्राम में कानपुर में अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोहियों का नेतृत्व किसने किया ?
   (A) नाना साहेब ने
   (B) सदाशिवराव भाऊ ने
   (C) मौलाना अहमदुल्लाह शाह ने
   (D) तांत्या टोपे ने

10. वल्लभ संप्रदाय के प्रवर्तक और 'अष्टछाप' के संस्थापक विट्ठलनाथ का जन्म कहाँ हुआ था ?
    (A) वाराणसी के निकट चरवाट नामक गाँव में
    (B) कानपुर के निकट अजराड़ा नामक गाँव में
    (C) आगरा के निकट रुनकता नामक गाँव में
    (D) इलाहाबाद के निकट निहालपुर नामक गाँव में

11. वह महिला जो झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की हमशक्ल होने के कारण लक्ष्मीबाई की नियमित सेना में, महिला

MAGAZINE KING

शाखा दुर्गा दल की सेनापति होने के कारण शत्रु को धोखा देने के लिए रानी के वेश में भी युद्ध करती थीं, का नाम था–

(A) दुर्गाबाई (B) झलकारीबाई
(C) रत्नावती (D) सूरजदेवी

12. निम्नलिखित दशाओं में से कौन वैश्विक ताप के असर को इंगित करती हैं ?
1. हिमानी का पिघलना
2. सागरीय तल में उत्थान
3. मौसमी दशाओं में परिवर्तन
4. ग्लोबलीय तापमान में वृद्धि

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 1 और 2 (B) 1, 2 और 3
(C) 2, 3 और 4 (D) ये सभी

13. 'साझी-मुझ में कलाकार' के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/ से सही है/हैं ?
1. यह अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) तथा सीधे जन भागीदारी द्वारा विविध सांस्कृतिक विरासतों को विकसित और प्रोत्साहित करने की दिशा में एक पहल है.
2. यह एक विशिष्ट प्रतिभा खोज है, जिसमें भागीदार संगीत, नृत्य, नाटक, कठपुतली, लोक और जनजातीय कलाओं, पाक कौशल, चित्रकला और मूर्ति कला जैसे क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

14. घुमोट वाद्ययंत्र के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. गोवा सरकार ने फरवरी 2019 में स्थानीय वाद्ययंत्र घुमोट को धरोहर यंत्र घोषित किया है.
2. यह वाद्ययंत्र मिट्टी के घड़े के मुँह पर गोह (Monitor Lizard) की चमड़ी को कस कर बनाया जाता है.
3. वर्तमान में इस वाद्ययंत्र के निर्माण में गोह की त्वचा की जगह बकरी की चमड़ी का उपयोग किया जाता है.

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 1 और 2 (B) 1, 2 और 3
(C) 2, 3 और 4 (D) ये सभी

15. 'अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. 1952 में बांग्लादेश में हुए भाषा आंदोलन के दौरान अपनी मातृ-भाषा के लिए शहीद हुए युवाओं की स्मृति में यूनेस्को ने 1999 में 21 फरवरी को अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की.
2. संयुक्त राष्ट्र की सामान्य सभा के द्वारा इसका प्रस्ताव 2008 में स्वीकृत हुआ था.
3. पहली बार 21 फरवरी, 2000 को अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया था.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) उपर्युक्त सभी

16. भारत की भौगोलिक स्थिति के आधार पर निम्नलिखित में से सही कथन चुनिए–
1. मुख्य भूभाग के दक्षिण-पूर्व में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह बंगाल की खाड़ी में स्थित हैं.
2. दक्षिण-पश्चिम में लक्षद्वीप द्वीप समूह अरब सागर में स्थित हैं.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

17. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. भारतीय भूखण्ड एशिया महाद्वीप के पूर्व और पश्चिम के मध्य में स्थित है.
2. भारतीय भूभाग एशिया महाद्वीप का दक्षिणी विस्तार है.
3. हिन्द महासागर जोकि पश्चिम में यूरोपीय देशों और पूर्वी एशियाई देशों को मिलाता है भारत को केन्द्रीय स्थिति प्रदान करता है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) उपर्युक्त सभी

18. उत्तरांचल, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम की सीमाएं किस देश को छूती हैं ?

(A) चीन (B) भूटान
(C) नेपाल (D) म्यांमार

19. हाल ही में चर्चा में आए आरसीईपी समझौता के सम्बन्ध में क्या सही है ?
1. आसियान नेताओं और छह अन्य देशों ने नवम्बर 2012 में नोम पेंह में 21वें आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान रीजनल कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप यानी आरसीईपी वार्ताओं की शुरूआत की थी.
2. आरसीईपी करार का उद्देश्य दुनिया का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाना है.
3. भारत क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) समझौते में प्रथम हस्ताक्षरकर्ता देश है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) उपर्युक्त सभी

20. नागर शैली के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. वास्तुशास्त्र के अनुसार नागर शैली के मंदिरों की पहचान आधार से लेकर सर्वोच्च अंश तक इसका चतुष्कोण होना है.
2. नागर शैली की दो बड़ी विशेषताएं हैं इसकी विशिष्ट योजना और विमान
3. नागर शैली के मंदिरों में चार कक्ष होते हैं–गर्भगृह, जगमोहन, नाट्यमंदिर और भोगमंदिर.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) उपर्युक्त सभी

21. मुगल स्थापत्य कला के अंतर्गत चारबाग शैली के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. चारबाग शैली चार सममित हिस्सों में बँटी हुई थी.
2. चारबाग बनाने की परम्परा बाबर के समय से ही शुरू हो गई थी.
3. हुमायूँ का मकबरा चारबाग शैली में बना है.

MAGAZINE KING

उपर्युक्त कथनों में से कौनसे सही हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3

22. 'मनसबदारी व्यवस्था' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. मनसबदारों को सालाना वेतन दिया जाता था.
2. मनसबदारों को वेतन एक जागीर के रूप में भी दिया जाता था.
3. किसी अधिकारी का 'मनसब' उसके वेतन और स्थिति को इंगित करता था

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3

23. 2019 में निम्न में से किस वैश्विक संस्थान द्वारा जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने हेतु भारत को 43 मिलियन डॉलर दिए जाने की घोषणा की गई ?
(A) यूएनडीपी (UNDP)
(B) विश्व बैंक
(C) आईएमएफ (IMF)
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

24. 'नाइनटी ईस्ट रिज' नामक जलमग्न ज्वालामुखी कटक किस महासागर में स्थित है ?
(A) प्रशांत महासागर
(B) अटलांटिक महासागर
(C) हिन्द महासागर
(D) आर्कटिक महासागर

25. पानी के प्रति जागरूकता बढ़ाने, नदियों के बहाव पर निगरानी रखने और पानी को प्रदूषण से बचाने के लिए सरकार महत्वाकांक्षी 'जल क्रांति अभियान' योजना का संचालन कर रही है. इससे सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए–
1. जल क्रांति अभियान का शुभारम्भ 31 जनवरी, 2017 को किया गया था.
2. जल क्रांति अभियान का मुख्य उद्देश्य, सहभागी सिंचाई प्रबंधन के लिए पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय इकाइयों सहित जमीनी स्तर पर सभी हितधारकों की भागीदारी को सुदृढ़ करना है.
3. इस अभियान के अन्तर्गत जल क्रांति के चार घटक हैं. इनमें जल ग्राम योजना, मॉडल कमांड क्षेत्र का विकास, प्रदूषण को रोकना और जन जागरूकता पैदा करना शामिल है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2
(C) केवल 2 और 3
(D) उपर्युक्त सभी

26. सिख धर्म के किस गुरु साहिब ने देश का पाँच बार चक्कर लगाया तथा कीर्तनों के माध्यम से उपदेश दिए, जिसे 'उदासी' नाम से जाना जाता है ?
(A) गुरु नानक देव
(B) गुरु गोबिन्द सिंह
(C) गुरु अर्जुन देव
(D) गुरु तेग बहादुर

27. विजयनगर के किस शासक ने अपनी सेना में मुसलमानों को नियुक्त करने की नीति का प्रारम्भ किया ?
(A) देवराय द्वितीय ने
(B) हरिहर प्रथम ने
(C) कृष्णदेव राय ने
(D) तिरुमल ने

28. सभी भक्ति संतों के मध्य एकसमान विशेषता थी कि उन्होंने–
(A) स्त्रियों को मन्दिर जाने को प्रोत्साहित किया
(B) पुरोहित वर्ग की सत्ता को नकारा
(C) अपनी वाणी को उसी भाषा में लिखा, जिसे उनके भक्त समझते थे
(D) मूर्ति पूजा को प्रोत्साहित किया

29. बुकर पुरस्कार 2019 के लिए विजेताओं का चयन करने वाले निर्णायक मण्डल ने इस साल नियमों को तोड़ते हुए इस पुरस्कार के लिए किन्हें संयुक्त रूप से विजेता घोषित किया है ?
(A) जॉर्ज ऑरवेल और ग्रीम गिब्सन
(B) मार्गरेट एटवुड और बर्नार्डिन एवरिस्टो
(C) सलमान रुश्दी और चेतन भगत
(D) एलिस मुनरो और एलिजाबेथ मॉस

30. अल्ट्रासाउंड स्कैनर गुर्दे या पित्ताशय की थैली में पथरी या विभिन्न अंगों में ट्यूमर (ओर्बुज) जैसी विषमताओं का पता लगाने में डॉक्टर की मदद करता है. इस तकनीक में निम्नलिखित में से कौनसी घटना होती है ?
(A) अल्ट्रासोनिक तरंगें उस क्षेत्र में परावर्तित होती हैं जहाँ ऊतक घनत्व में परिवर्तन होता है
(B) अल्ट्रासोनिक तरंगें अंगों के ठीक पीछे की हड्डी से परावर्तित होती हैं
(C) अल्ट्रासोनिक तरंगें अंगों के असामान्य भाग से नहीं गुजरती हैं
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

31. एंटीबायोटिक्स (प्रतिजैविक) विषाणु-जनित संक्रमण के विरुद्ध कार्य क्यों नहीं करते हैं ?
(A) प्रतिजैविक केवल जीवाणु को मार सकता है, विषाणु को नहीं
(B) विषाणु अपनी रक्षा करने के लिए कोशिका भित्ति के निर्माण में जैवरासायनिक प्रक्रियाओं का पालन नहीं करते हैं
(C) विषाणु निष्क्रिय स्थिति में पोषिता के शरीर में रह सकता है, ताकि प्रतिजैविक का कोई असर न हो
(D) प्रतिजैविक का प्रभाव केवल अल्पावधि के लिए होता है

32. प्रधानमंत्री कृषि फसल बीमा योजना के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. नई योजना के तहत् किसानों को रबी के अनाज एवं तिलहनी फसलों के लिए 1·5 प्रतिशत प्रीमियम देना होगा.
2. खरीफ के अनाज तथा तिलहनों के लिए 2 प्रतिशत प्रीमियम देना होगा.
3. उद्यानिकी और कपास की फसल के लिए दोनों सत्रों (मौसम) में 5 प्रतिशत तक प्रीमियम तय किया गया है.

उपर्युक्त में से कौन-कौनसे कथन सत्य हैं ?
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 (D) 1, 2 और 3

33. प्रवासी कौशल विकास योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है ?
(A) प्रवासी भारतीयों को निवेश हेतु प्रोत्साहित करना
(B) प्रवासी भारतीयों की नागरिकता सम्बन्धी समस्याओं का निदान
(C) विदेशों में रोजगार की तलाश करने वाले भारतीय युवाओं की कौशल विकास क्षमता में संवर्द्धन करना
(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

34. गुरु-शिष्य परम्परा परियोजना किसके लिए शुरू की गई है ?
(A) छोटे उद्यमियों के लिए
(B) मूर्तिकारों के लिए
(C) काष्ठशिल्पियों के लिए
(D) हस्तशिल्पियों के लिए

MAGAZINE KING

35. सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के निशक्तजनों के सशक्तिकरण सम्बन्धी विभाग के अंतर्गत ट्रस्ट फंड फॉर इम्पॉवरमेंट ऑफ पर्सन्स विद् डिसएबिलिटीज ने निशक्तजनों को समग्र एवं किफायती स्वास्थ्य बीमा योजना-स्वावलम्बन स्वास्थ्य बीमा योजना उपलब्ध कराने के लिए किस बीमा कम्पनी के साथ-साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए ?
(A) भारतीय जीवन बीमा निगम
(B) साधारण जीवन बीमा निगम
(C) न्यू इण्डिया एश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड
(D) आईसीआईसी प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस

36. निम्न विदेशी यात्रियों में से कौन वर्णन करता है कि ताँबे के बड़े बर्तनों में 'गंगाजल' मुगल बादशाहों के पीने के लिए ले जाया जाता था ?
(A) थॉमस कोरयट
(B) एडवर्ड टैरी
(C) रॉल्फ फीच
(D) सर टॉमस रो

37. "ओ हिन्दू, मुसलमान और सिख भाइयो ! आओ डंडा फौज में शामिल होकर अंग्रेज बंदरों के खिलाफ बहादुरी से लड़ो" यह डंडा फौज किस आंदोलन में चर्चा में रही ?
(A) रौलट एक्ट सत्याग्रह
(B) सविनय अवज्ञा आन्दोलन
(C) भारत छोड़ो आन्दोलन
(D) बंग-भंग आन्दोलन

38. निम्नलिखित में से किस एक को किसी आसन्न सुनामी की प्राथमिक चेतावनी माना जा सकता है ?
(A) मेघगर्जन शोर
(B) चंडवाती हवाएँ और वर्षा
(C) तट से जल का तीव्रता से अपनयन
(D) जल का थल की ओर तीव्र संचलन

39. टी. एस. आर. सुब्रह्मण्यम समिति की सिफारिश के संदर्भ में महत्वपूर्ण कथनों पर विचार कीजिए–
1. आईएएस की तर्ज पर अखिल भारतीय शिक्षा सेवा कैडर इंडियन एजुकेशन सर्विस की स्थापना की जाए.
2. इस समिति के अनुसार शिक्षा पर जीडीपी का 8% खर्च किया जाए.
3. आदिवासी इलाकों में पाँचवीं कक्षा तक जनजातीय भाषा में शिक्षा दी जाए.

इनमें से कौनसा/से कथन सत्य हैं ?
(A) 1 एवं 2 (B) 2 एवं 3
(C) 1 एवं 3 (D) ये सभी

40. आर्द्रभूमि से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. वह भूमि जो स्थलीय और जलीय पारिस्थितिकी प्रणालियों में जहाँ पानी का तल प्रायः जमीन की सतह पर या जमीन की सतह के पास है या जहाँ जमीन उथले पानी के द्वारा ढँकी रहती है, के बीच संक्रमित होती रहती है, आर्द्रभूमि कहलाती है.
2. प्रतिवर्ष आर्द्रभूमि दिवस 2 फरवरी को मनाया जाता है.
3. आर्द्रभूमि दिवस इटली के रामसर शहर में 2 फरवरी, 1981 को आर्द्रभूमि स्वीकृत एक समझौते को चिह्नित करता है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) उपर्युक्त सभी

41. महासागरीय धारा से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. महासागरीय धाराएँ एक विशाल नदी की तरह समुद्रों में बहती हैं, लेकिन इनके प्रवाह की गति और चौड़ाई एक जैसी नहीं होती.
2. एक महासागरीय धारा सामान्यतः सतह पर सबसे मजबूत होती है और गहराई के बाद इसकी शक्ति घटती जाती है.
3. अधिकांश धाराओं की गति 5 नाट के बराबर या उससे कम होती है.

इनमें से कौनसा/से कथन सत्य हैं ?
(A) 1 एवं 2 (B) 2 एवं 3
(C) 1 एवं 3 (D) ये सभी

42. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. धारवाड़ के स्तरित चट्टानों वाले क्षेत्र में अधिकांश स्वर्ण भंडार हैं.
2. भारत में सोने की खान लार और हट्टी (रायचूर जिला) में हैं.
3. कोलार (कर्नाटक) से निकला सोना भारतीय रिजर्व बैंक को बेचा जाता है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 2 और 3
(B) केवल 3
(C) केवल 1 और 2
(D) उपर्युक्त सभी

43. सिंधु जल संधि के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. 19 सितम्बर, 1960 को कराची में सिन्धु नदी समझौते पर हस्ताक्षर हुए.
2. यह संधि 6 नदियों के पानी के बँटवारे से सम्बन्धित है.
3. इस संधि के तहत् तीन पूर्वी नदियों व्यास, रावी, सतलुज का जल नियंत्रण भारत को और सिंधु, चिनाब और झेलम का जल नियंत्रण पाकिस्तान को दिया गया.

इनमें से कौनसा कथन सत्य है ?
(A) केवल 1
(B) केवल 1 एवं 2
(C) केवल 2 एवं 3
(D) ये सभी

44. कन्टेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड निम्नलिखित मंत्रालयों में से किसके अधीनस्थ उपक्रम है ?
(A) पोत अधीनस्थ मंत्रालय
(B) भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
(C) रेल मंत्रालय
(D) सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

45. प्रोजेक्ट एण्ड डेवलपमेन्ट इण्डिया लिमिटेड किस क्षेत्र में मुख्यतः अभिकल्पना अभियान्त्रिकी, प्रापण तथा निर्माण चालू करने से सम्बद्ध है ?
(A) औषधीय संयंत्र
(B) पेट्रोलियम परिष्करणशाला तथा चीनी मिल
(C) पोत-निर्माण यार्ड
(D) उर्वरक तथा समवर्गी रासायनिक संयंत्र

46. 'एग्री वोट काउंट्स-द स्टोरी ऑफ इंडियाज इलेक्शंस' पुस्तक हाल में किसके द्वारा लिखी गयी है ?
(A) टी. एन. शेषन
(B) एस. वाई. कुरैशी
(C) डॉ. मनमोहन सिंह
(D) नवीन चावला

47. भारत का सबसे पुराना एनजीओ आधारित संरक्षण अनुसंधान कौनसा है ?
(A) विज्ञान एवं पर्यावरण (सीएसई) केन्द्र, नई दिल्ली
(B) बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी (बीएनएचएस), मुम्बई
(C) पक्षी विज्ञान और प्राकृतिक इतिहास (SACON), कोयम्बटूर सलीम अली केन्द्र
(D) भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई)

MAGAZINE KING

48. राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (National Sample Survey Office —NSSO) ने अपने एक अध्ययन में बताया है कि डिजिटलीकरण के लिए चलाए जा रहे अभियानों के बावजूद, लोगों की कम्प्यूटर चलाने की क्षमता के मामले में भारत अभी भी बहुत पीछे है. इस संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. एक अनुमान के मुताबिक केवल 8·8 प्रतिशत ग्रामीण भारतीय कम्प्यूटर चलाने में सक्षम हैं.
2. शहरों में कम्प्यूटर चलाने में सक्षम लोगों का प्रतिशत 30·02 है.
3. कम्प्यूटिंग एबिलिटी के मामले में केरल शीर्ष स्थान पर काबिज है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3
(D) उपर्युक्त सभी

49. 'दीवान-ए-खैरात' विभाग की स्थापना का क्या उद्देश्य था ?
(A) मुस्लिम गरीबों के लिए अन्नदान एकत्रित करना
(B) मुस्लिम महिलाओं, विधवाओं के लिए सहायता करना
(C) मुस्लिम धर्म दूरदराज के इलाकों में प्रचार करना
(D) गैर-मुस्लिम लोगों को सहयोग देना

50. जब कोई पदार्थ अपने क्रांतिक ताप से नीचे आकर अतिचालक अवस्था को प्राप्त होता है, तो इसके अन्दर चुम्बकीय क्षेत्र शून्य हो जाता है. इसे कहते हैं–
(A) रमन प्रभाव
(B) माइसनर प्रभाव
(C) रैले प्रकीर्णन
(D) प्रकाश-विद्युत् प्रभाव

51. उत्तर प्रदेश की सुश्री वीणा भूषण का सम्बन्ध किस खेल से है ?
(A) हॉकी (B) बैडमिंटन
(C) टेबल टेनिस (D) लॉन टेनिस

52. वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स् कॉलेज, गोरखपुर की स्थापना किस वर्ष में की गई थी ?
(A) 1985 (B) 1988
(C) 1991 (D) 1993

53. संगम साहित्य के ग्रंथ 'शिलप्पादिकारम' में गजबाहू नामक किस देश के राजा का वर्णन है ?
(A) श्रीलंका (B) मालदीव
(C) कम्बोडिया (D) मगध

54. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (तेलशोधक कारखाना)	सूची-II (राज्य)
(a) तटिपाका	1. गुजरात
(b) कोयली	2. तमिलनाडु
(c) नागापट्टीनम	3. आंध्र प्रदेश
(d) नुमालीगढ़	4. असम

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	4	3
(B)	3	1	2	4
(C)	4	3	1	2
(D)	1	2	4	3

55. भारत ने वायु की गुणवत्ता जाँचने के लिए कौनसा मोबाइल एप्लिकेशन शुरू किया है ?
(A) पहल (B) वायु सफर
(C) सफर-एयर (D) क्लीनर

56. स्वामी दयानंद सरस्वती के मरणोपरान्त आर्य समाज में शिक्षा की पद्धति के प्रश्न पर फूट पड़ गई. पाश्चात्य शिक्षा पद्धति के समर्थक लाला हंसराज एवं लाला लाजपत राय थे. दूसरा दल वैदिक शिक्षा पद्धति का समर्थक था. इस दूसरे दल के नेता थे–
(A) स्वामी श्रद्धानंद
(B) स्वामी विवेकानंद
(C) स्वामी अभयानंद
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

57. 'अर्ली हिंदू टेंपल ऑफ गुजरात' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं ?
(A) राम माधव (B) बी. ए. साहनी
(C) वरुण मायरा (D) मतंग राम

58. राज्य सभा के सम्बन्ध में निम्न में से कौनसा कथन सही है ?
(A) इसके आधे सदस्य प्रति दो वर्ष में अवकाश प्राप्त करते हैं
(B) इसके आधे सदस्य प्रति तीन वर्ष में अवकाश प्राप्त करते हैं
(C) इसके एक-तिहाई सदस्य प्रति दो वर्ष में अवकाश प्राप्त करते हैं
(D) इसके एक-तिहाई सदस्य तीन वर्ष में अवकाश प्राप्त करते हैं

59. सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 'समुचित पर्यावरण' के अधिकार को किस मौलिक अधिकार में शामिल माना गया ?
(A) समता का अधिकार
(B) प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता
(C) शोषण के विरुद्ध अधिकार
(D) संस्कृति व शिक्षा सम्बन्धित अधिकार

60. राष्ट्रपति एक अध्यादेश जारी कर सकता है, जब उसका समाधान हो जाता है की तत्काल कार्यवाही की जानी आवश्यक है–
(A) किन्तु संसद का केवल एक सदन सत्र में हो
(B) ससद के दोनों सदन सत्र में हों
(C) कोई भी सदन सत्र में नहीं हो
(D) उपर्युक्त में या तो (A) या (C) में उल्लिखित परिस्थितियाँ हों

61. भारत में कृत्रिम रबड़ की प्रथम फैक्टरी कहाँ स्थापित की गयी थी ?
(A) राजसमुन्दरी में
(B) बरेली में
(C) शिमोगा में
(D) त्रिचूर में

62. जैव-ईंधन के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य नहीं है ?
(A) जैव-ईंधन पारिस्थितिकी अनुकूल होता है
(B) जैव-ईंधन लागत प्रभावी होता है
(C) जैव-ईंधन ऊर्जा संकट के समाधान में योगदान दे सकता है
(D) जैव-ईंधन मक्का से भी बनता है

63. निम्नलिखित में से किसने महात्मा गांधी को आदेशित किया था कि वह भारत में प्रथम वर्ष 'खुले कान पर मुँह बन्द कर' व्यतीत करें ?
(A) दादाभाई नौरोजी
(B) बालगंगाधर तिलक
(C) फिरोजशाह मेहता
(D) गोपाल कृष्ण गोखले

64. संसद में 'शून्य काल' होता है–
(A) जब अत्यधिक महत्व के मामले उठाए जाते हैं
(B) जब कोई सरकारी कार्य नहीं होता है
(C) प्रातःकालीन एवं अपराह्नकालीन सत्रों के बीच का मध्यांतर
(D) जब विपक्षी दल के प्रस्तावों को स्वीकार किया जाता है

65. अजैव निम्नीकरणीय अपशिष्ट पदार्थ से छुटकारा पाने का एक सर्वश्रेष्ठ तरीका है–
(A) क्षेपण (B) दफन
(C) पुनर्चक्रण (D) दहन

66. उत्तर प्रदेश के दक्षिण में स्थित पठारी भूभाग को किस नाम से जाना जाता है ?
(A) बुन्देलखण्ड का पठार
(B) तिब्बत का पठार
(C) हज़ारीबाग का पठार
(D) अरावली का पठार

MAGAZINE KING

67. उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में किस प्रकार की वनस्पति मिलती है ?
(A) कँटीली झाड़ियाँ
(B) शुष्क पर्णपाती वन
(C) चीड़ के वन
(D) सवाना प्रकार की लम्बी घास

68. निम्नलिखित में से कौनसी सेवाएँ केवल भारतीय रिजर्व बैंक देता है ?
(A) आर्थिक डाटा संकलन
(B) करेंसी नोट जारी करना
(C) चाँदी/सोने के सिक्कों को क्रय-विक्रय
(D) मूल्यवान वस्तुएँ रखने के लिए सेफ डिपॉजिट लॉकर्स

69. भारत में कृषि आय की गणना की जाती है–
(A) उत्पादन विधि (Output Method) के द्वारा
(B) इनपुट विधि के द्वारा
(C) व्यय विधि (Expenditure Method) के द्वारा
(D) कमोडिटी प्रवाह विधि (Commodity flow Method) के द्वारा

70. अंगीठी में कोयला तुरन्त ही रक्ततप्त हो जाता है और बिना लौ के ही ऊष्मा देता है, क्योंकि–
(A) जलने पर कोयला कार्बन डाइ-ऑक्साइड उत्पन्न करता है
(B) लौ केवल तब उत्पन्न होती है जब गैसीय पदार्थ जलते हैं
(C) कोयले में पानी की मात्रा होती है, जो लौ को उत्पन्न होने से रोकती है
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

71. 'युग निर्माण योजना' नामक पत्रिका का प्रकाशन उत्तर प्रदेश के किस शहर से होता है ?
(A) आगरा (B) मथुरा
(C) रायबरेली (D) सीतापुर

72. जेनेटिक इंजीनियरिंग में निम्न में से किसका प्रयोग होता है ?
(A) प्लास्टिड (B) प्लास्मिड
(C) राइबोसोम (D) प्रतिजैविक

73. निम्न में से हिन्दी संस्थान का पुरस्कार नहीं है ?
(A) भारत भारती सम्मान
(B) उत्तर प्रदेश साहित्य सम्मान
(C) महात्मा गांधी सम्मान
(D) हिन्दी गौरव सम्मान

74. निम्न में से क्या 'मान्यवर श्री कांशीराम कला सम्मान' से सम्बन्धित नहीं है ?
(A) नृत्य एवं संगीत
(B) चित्रकला एवं मूर्तिकला
(C) नाट्य लेखन एवं अभिनय
(D) साहित्य एवं पत्रकारिता

75. भारतीय ससदीय प्रणाली ब्रिटिश संसदीय प्रणाली से भिन्न है, क्योंकि भारत में–
(A) वास्तविक और नाममात्र (Nominal) दोनों प्रकार की कार्यपालिका (Executive) है
(B) द्विसदन विधायिका (Legislature) है
(C) न्यायिक पुनर्विलोकन (Judicial review) की प्रणाली है
(D) सामूहिक उत्तरदायित्व (Collective responsibility) की प्रणाली है

76. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. आदित्य भारत की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा संचालित नौका है.
2. केरल की 44 में से 41 नदियाँ, कई झीलें, नहरें यात्रा और माल ढुलाई के लिए राज्य में स्थित जलमार्गों का अच्छा नेटवर्क प्रदान कराती हैं.

इनमें से कौनसा/से कथन सत्य हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 एवं 2 दोनों
(D) दोनों में से कोई भी नहीं

77. सितम्बर 2019 में कौनसा रेलवे स्टेशन मुफ्त वाई-फाई युक्त 5000वाँ रेलवे स्टेशन बना ?
(A) मुम्बई सेंट्रल स्टेशन
(B) जयपुर रेलवे स्टेशन
(C) मिदनापुर रेलवे स्टेशन
(D) डिब्रूगढ़ रेलवे स्टेशन

78. उत्तर प्रदेश में वैकल्पिक ऊर्जा विकास संस्थान (नेडा) का गठन किस वर्ष किया गया था ?
(A) 1980 में (B) 1983 में
(C) 1987 में (D) 1992 में

79. रानी लक्ष्मीबाई बाँध जलविद्युत् परियोजना उत्तर प्रदेश में कहाँ पर स्थित है ?
(A) मिर्जापुर में
(B) झाँसी में
(C) पीलीभीत में
(D) मुजफ्फरनगर में

80. किडनी की समस्या के रोगियों के अपोहन (डाइलिसिस) की प्रक्रिया में कौनसे तत्व का प्रयोग सम्मिलित है ?
(A) विसरण
(B) अवशोषण
(C) परासरण
(D) इलेक्ट्रोफोरेसिस

81. 27 अगस्त, 2019 को दिल्ली के फिरोजशाह कोटला स्टेडियम का नाम बदलकर अब किसके नाम पर रखा गया है ?
(A) सुषमा स्वराज
(B) अरुण जेटली
(C) एपीजे अब्दुल कलाम
(D) बाबूलाल गौर

82. केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीआई-सी) की दस्तावेज पहचान संख्या (डिन) कब से लागू हुई है ?
(A) 5 नवम्बर, 2019
(B) 6 नवम्बर, 2019
(C) 8 नवम्बर, 2019
(D) 9 नवम्बर, 2019

83. वर्ष 1877 में बाबू तोताराम ने अलीगढ़ से किस पत्र का प्रकाशन शुरू किया गया था ?
(A) भारत मित्र (B) भारत भूमि
(C) भारत बंधु (D) भारत दर्पण

84. उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान का गठन किस वर्ष किया गया था ?
(A) 1994 में (B) 1996 में
(C) 1999 में (D) 2001 में

85. निम्न में से कौनसी एक नाइट्रोजन चक्र में मानवीय हस्तक्षेप से उत्पन्न एक प्रमुख पर्यावरणीय समस्या नहीं है ?
(A) नाइट्रस ऑक्साइड से वैश्विक तापन में बढ़ोत्तरी
(B) अम्ल वर्षा में बढ़ोत्तरी
(C) समतापमण्डल में ओजोन रिक्तिकरण
(D) सुपोषण

86. दुग्ध के अग्रणी उत्पादकों का सही अवरोही क्रम है ?
(A) चीन, भारत, रूस, संयुक्त राज्य अमरीका
(B) भारत, संयुक्त राज्य अमरीका, चीन, रूस
(C) संयुक्त राज्य अमरीका, भारत, चीन, रूस
(D) भारत, चीन, संयुक्त राज्य अमरीका, रूस

87. निम्नलिखित में से ऑक्सीजन मिश्रित वह निष्क्रिय गैस कौनसी है, जो अवरोधित श्वसन से पीड़ित रोगियों को दी जाती है ?
(A) हीलियम (B) क्रिप्टॉन
(C) रेडॉन (D) ऑर्गन

88. निम्नलिखित में कौनसा पुरस्कार के. के. बिड़ला फाउण्डेशन द्वारा हिन्दी में श्रेष्ठ कार्य के लिए दिया जाता है ?
(A) आचार्य तुलसी सम्मान

MAGAZINE KING

(B) व्यास सम्मान
(C) सरस्वती सम्मान
(D) राजहर्ष सम्मान

89. विशालकाय पांडा वर्ल्डवाइड फंड फॉर नेचर (WWF) का आधिकारिक प्रतीक है. यह जानवर किस देश में पाया जाता है ?
(A) चीन (B) भारत
(C) न्यूजीलैण्ड (D) दक्षिण कोरिया

90. बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) व्यक्ति की ऊँचाई और वजन के संतुलन को बताता है.
2. यह सिर्फ इस बात का संकेत देता है कि व्यक्ति का वजन कम या ज्यादा तो नहीं.
3. इस संकेतक का आविष्कार बेल्जियम के वैज्ञानिक एडॉल्फ केटेलेट ने सन् 1830 से 1850 के बीच कभी किया.
इनमें से कौनसा/से कथन सत्य हैं ?
(A) 1 एवं 2 (B) 2 एवं 3
(C) 1 एवं 3 (D) 1, 2 एवं 3

91. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. जो रोग किसी अन्य रोगी के सम्पर्क में आने से उत्पन्न होते हैं, उन्हें संसर्गज रोग कहते हैं.
2. जो रोग वायु, जल तथा कीटाणु द्वारा रोगी के पास आते हैं, उन्हें संक्रामक रोग कहते हैं.
इनमें से कौनसा/से कथन सत्य हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 एवं 2 दोनों
(D) दोनों में से कोई भी नहीं

92. बारकोड मोटेतौर पर किसी वस्तु के बारे में जानकारी देने वाले डेटा का मशीन से पढ़े जाने लायक ऑप्टिकल विवरण होता है. बारकोड से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए–
1. 60 के दशक में अमरीकन रेल-रोड्स की एसोसिएशन ने बारकोड का चलन शुरू किया था.
2. इसका विकास जनरल टेलीफोन एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स (जीटीई) ने किया था.
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 एवं 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

93. हाल ही में मानव संसाधन राज्य मंत्री धोत्रे ने नवोदय विद्यालय समिति के लिए कौनसा पोर्टल लॉंच किया है ?
(A) शाला दर्पण (B) माला दर्पण
(C) ज्ञान दर्पण (D) विवेक दर्पण

94. 1 से 10 नवम्बर, 2019 तक 'हुनर हॉट' का आयोजन कहाँ सम्पन्न हुआ ?
(A) नई दिल्ली (B) भुवनेश्वर
(C) प्रयागराज (D) लखनऊ

95. महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ (वाराणसी) के प्रांगण में स्थित भारत माता मन्दिर से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए–
1. इसका निर्माण डॉक्टर शिवप्रसाद गुप्त ने कराया और उद्घाटन सन् 1936 में गांधीजी द्वारा किया गया.
2. इस मन्दिर में किसी देवी-देवता का कोई चित्र या प्रतिमा नहीं है, बल्कि संगमरमर पर उकेरी गई अविभाजित भारत का त्रिआयामी भौगोलिक मानचित्र है.
3. इस मानचित्र में पर्वत, पठार, नदियाँ और सागर सभी को बखूबी दर्शाया गया है.
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3
(D) उपर्युक्त सभी

96. टाँडा तापविद्युत केन्द्र उत्तर प्रदेश में कहाँ पर स्थापित है ?
(A) रामगढ़ताल (गोरखपुर)
(B) ऊँचाहार (रायबरेली)
(C) शामली (मुजफ्फरनगर)
(D) महरौनी (ललितपुर)

97. 22 अक्टूबर, 2019 को उत्तर प्रदेश मंत्रिमण्डल द्वारा अयोध्या के दीपोत्सव मेले का प्रांतीयकरण करने से सम्बन्धित प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई. प्रांतीयकरण किए जाने के बाद इस मेले का प्रबंधन किसके द्वारा किया जाएगा ?
(A) अयोध्या के जिलाधिकारी
(B) मुख्य सचिव
(C) पर्यटन विभाग
(D) धर्मार्थ एवं संस्कृति मंत्रालय

98. ऐतिहासिक 'विक्टोरिया पार्क', जिसे अब 'जग-ए-आजादी पार्क' का नाम दिया गया है, कहाँ स्थित है ?
(A) अमृतसर (B) इलाहाबाद
(C) झाँसी (D) मेरठ

99. 'गण्डक सिंचाई परियोजना' किन प्रदेशों का एक संयुक्त प्रयास है ?
(A) उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश
(B) उत्तर प्रदेश एवं बिहार
(C) उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड
(D) उत्तर प्रदेश एवं हरियाणा

100. संस्कृत से सर्वाधिक प्रभावित द्रविड़ भाषा है–
(A) तमिल (B) तेलुगू
(C) कन्नड़ (D) मलयालम

101. जब किसी पिण्ड, जैसे जेट यान या रॉकेट, सुपरसोनिक (ध्वनि की चाल से अधिक) चाल से चलता है, तो एक विशेष प्रकार की तरंगें उत्पन्न हो जाती हैं जिन्हें कहते हैं–
(A) प्रघाती तरंगें
(B) आवर्ती तरंग
(C) अप्रगामी तरंग
(D) यांत्रिक तरंग

102. निम्न में से कौनसी भाषा उत्तर प्रदेश की दूसरी राज्य भाषा है ?
(A) अंग्रेजी (B) भोजपुरी
(C) उर्दू (D) हिन्दी

103. 'कोरिया प्लस' पहल क्या है ?
(A) यह भारत में कोरियाई निवेश को बढ़ावा और सुविधाएँ प्रदान करने की एक विशिष्ट पहल है
(B) यह पूर्व एशियाई देश से निवेश को बढ़ावा और सुविधाएँ प्रदान करने के लिए भारत और उत्तरी कोरिया के बीच एक प्लेटफॉर्म है
(C) यह पश्चिम एशियाई देश से निवेश को बढ़ावा और सुविधाएँ प्रदान करने के लिए भारत और दक्षिणी कोरिया के बीच एक प्लेटफॉर्म है
(D) (A) और (C) दोनों

104. 'आंतरिक अशांति' शब्द के स्थान पर 'सशस्त्र विद्रोह' शब्द को किस संशोधन में शामिल किया गया ?
(A) 41वाँ संशोधन
(B) 42वाँ संशोधन
(C) 43वाँ संशोधन
(D) 44वाँ संशोधन

105. वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में अदम्य साहस दिखाने वाले को कौनसा पुरस्कार दिया जाता है ?
(A) इंदिरा गांधी पर्यावरण पुरस्कार
(B) मेदिनी पुरस्कार योजना
(C) अमृता देवी बिश्नोई पुरस्कार
(D) पीताम्बर पंत राष्ट्रीय पुरस्कार

MAGAZINE KING

106. 9वीं शताब्दी में उत्तर भारत को राजनीतिक एकता के सूत्र में बाँधा था–
(A) चन्देल ने (B) प्रतिहार ने
(C) चौहान ने (D) परमार ने

107. किसी तारे के प्रकाश द्वारा किसी अन्य तारे के अत्यधिक समीप से गुजरने से उत्पन्न खगोलीय प्रभाव कहलाता है–
(A) गुरुत्वीय माइक्रोलेंसिंग
(B) कक्षीय दीप्ति
(C) 'सौर-कलंक'
(D) सौनी

108. अन्तर्राष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस कब मनाया जाता है ?
(A) 27 जून (B) 28 जून
(C) 29 जून (D) 30 जून

109. भारतीय सामरिक पैट्रोलियम रिजर्व (ISPR) अवस्थित है–
1. मंगलूरू में
2. मथुरा में
3. विशाखापत्तनम में
सही कूट का चयन कीजिए–
(A) 1 और 3
(B) 2 और 3
(C) केवल 1
(D) इन सभी में

110. भारत की पहली तटीय पुलिस अकादमी नेशनल एकेडमी ऑफ कोस्टल पुलिसिंग (NACP) किस राज्य में स्थापित की गई है ?
(A) गुजरात (B) केरल
(C) तमिलनाडु (D) आंध्र प्रदेश

111. स्टिलवेल रोड भारत को किस पड़ोसी देश से जोड़ता है ?
(A) चीन (B) भूटान
(C) बांग्लादेश (D) पाकिस्तान

112. 21 अक्टूबर, 2019 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने द मिलियन फार्मर्स स्कूल 3·1 (किसान पाठशाला) का शुभारम्भ किया. इस पाठशाला के सम्बन्ध में दिए गए विकल्पों में से कौनसा तथ्य सही नहीं है ?
(A) यह किसान पाठशाला का 5वाँ संस्करण है
(B) पाँचवाँ संस्करण 4 सत्रों में आयोजित होगा
(C) इस संस्करण के दौरान कुल 15366 ग्रामों में पाठशालाओं का आयोजन किया जाएगा
(D) इन पाठशालाओं में 10 लाख से अधिक किसान प्रशिक्षित किए जाएंगे

113. हाल ही में प्रारम्भ की गई भागीदारी गारण्टी स्कीम किस मंत्रालय द्वारा संचालित योजना है ?
(A) वित्त मंत्रालय
(B) मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(C) कृषि मंत्रालय
(D) महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

114. सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य करने के लिए व्यक्ति को उच्च न्यायालय में कम-से-कम कितने वर्ष तक कार्य करना चाहिए ?
(A) 10 वर्ष (B) 12 वर्ष
(C) 15 वर्ष (D) 20 वर्ष

115. भारत का संविधान भारत के सुप्रीम कोर्ट को केन्द्र और राज्यों के बीच विवादों का निर्णय किस क्षेत्र के तहत् लेने का अधिकार देता है ?
(A) अपीलीय न्यायाधिकार
(B) वास्तविक न्यायाधिकार
(C) सलाहकार न्यायाधिकार
(D) रिट न्यायाधिकार

116. हाल ही में किस राज्य में लॉ कमीशन ने जबरन धर्म परिवर्तन के विरुद्ध कानून बनाने के लिए एक रिपोर्ट सरकार को सौंपी है ?
(A) उत्तर प्रदेश (B) बिहार
(C) ओडिशा (D) पश्चिम बंगाल

117. भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने ISSF विश्व कप फाइनल में महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल वर्ग में कौनसा पदक जीता है ?
(A) स्वर्ण पदक
(B) रजत पदक
(C) कांस्य पदक
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

118. इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार 2019 के लिए किसे चुना गया है ?
(A) मोहम्मद अलबरदेई
(B) शेख हसीना
(C) डेविड एटनबरो
(D) हामिद करज़ई

119. भारत ने हाल ही में 2,000 किलो-मीटर की मारक क्षमता वाली किस बैलिस्टिक मिसाइल का पहला सफल रात्रि परीक्षण किया है ?
(A) आकाश (B) ब्रह्मोस-1
(C) त्रिशूल (D) अग्नि-2

120. आतिशबाजी में हरा रंग किस क्लोराइड लवण के कारण दिखाई देता है ?
(A) स्ट्रोण्टियम (B) बेरियम
(C) सोडियम (D) कैल्सियम

121. भारतीय रेल के उत्तर रेलवे का मुख्यालय किस शहर में है ?
(A) चेन्नई (B) कोलकाता
(C) दिल्ली (D) गोरखपुर

122. फेडरेशन इंटरनेशनल डि फुटबाल एसोसिएशन (फीफा) का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?
(A) जिनेवा (स्विट्जरलैण्ड)
(B) ज्यूरिक (स्विट्जरलैण्ड)
(C) बर्न (स्विट्जरलैण्ड)
(D) ल्यूसर्न (स्विट्जरलैण्ड)

123. उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के गन्ना किसानों को समर्पित किस नाम से वेब पोर्टल और एक मोबाइल एप्लिकेशन का शुभारम्भ किया ?
(A) e-Cane
(B) e-Sugar
(C) e-Ganna
(D) e-Sugarcane

124. निम्नलिखित में से कौनसा रेलवे मुख्यालय गलत है ?
(A) दक्षिण-मध्य रेलवे - सिकन्दराबाद
(B) मध्य रेलवे-भोपाल
(C) दक्षिण रेलवे-चेन्नई
(D) उत्तर रेलवे-नई दिल्ली

125. 'वर्ल्ड कॉटन डे' समारोह 2019 कहाँ आयोजित किया गया था ?
(A) जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)
(B) अमरीका
(C) फ्रांस
(D) चीन

126. यूनेस्को द्वारा कब-से-कब तक यूनेस्को हेरिटेज वीक मनाए जाने की घोषणा की गई है ?
(A) 14 से 20 नवम्बर
(B) 20 से 24 नवम्बर
(C) 19 से 25 नवम्बर
(D) 30 नवम्बर से 6 दिसम्बर

127. निम्नलिखित में से किसे भारत के 47वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है ?
(A) मध्याह्न तक खानविलकर
(B) आर. बनुमथी
(C) अरुण मिश्रा
(D) शरद अरविंद बोबडे

128. लद्दाख के पहले उपराज्यपाल के रूप में किसे नियुक्त किया गया है ?
(A) मृदुला सिन्हा
(B) गिरीश चन्द्र मुर्मू
(C) राधा कृष्ण माथुर
(D) पी. एस. श्रीधरन पिल्लई

MAGAZINE KING

129. पुस्तक 'जयप्रकाश तुम लौट आओ' किसने लिखी है ?
(A) रंजना सिंह
(B) उर्वशी भास्कर
(C) ममता मेहरोत्रा
(D) ममता कालिया

130. 29वाँ व्यास सम्मान 5 नवम्बर, 2019 को किसे प्रदान किए जाने की घोषणा की गई ?
(A) नासिरा शर्मा
(B) लीलाधर जगूड़ी
(C) गोविंद मिश्र
(D) सुरेन्द्र वर्मा

131. विद्युत् धारा उत्पन्न करने की युक्ति को कहते हैं ?
(A) एमीटर
(B) गैल्वेनोमीटर
(C) जनित्र
(D) मीटर

132. तेज प्रकाश में पुतली का आकार कैसा हो जाता है ?
(A) बड़ा
(B) छोटा
(C) कोई परिवर्तन नहीं
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

133. तरल पदार्थ का घनत्व कम करने पर उस पर क्या प्रभाव पड़ता है ?
(A) तेज हो जाता है
(B) ऊर्जा कर्म हो जाती है
(C) कम हो जाता है
(D) दूरी बढ़ जाती है

134. 'पिक्नोमीटर' नामक उपकरण का प्रयोग किसे मापने के लिए किया जाता है ?
(A) ऊर्जा (B) घनत्व
(C) ऊष्मा (D) गति

135. ऑटोमोबाइलों (मोटरकारों) में हाइड्रोलिक ब्रेकों के कार्यकारण पर कौनसा नियम लागू होता है ?
(A) ऊष्मा का नियम
(B) पास्कल नियम
(C) आवेश का नियम
(D) गति का नियम

136. किसी पिन-होल कैमरा में हमें सामान्यतः क्या मिलता है ?
(A) सीधी छाप (B) उल्टी छाप
(C) अपवर्तन (D) ऊर्जा

137. प्रकाश का वेग सबसे पहले किसने मापा था ?
(A) न्यूटन (B) रोमर
(C) हॉकिन्स (D) डॉ. भाभा

138. प्रकाश संश्लेषी अंगक इनमें से कौनसा है ?
(A) स्टोमाटा (B) जड़
(C) हरित लवक (D) पत्ती

139. सामाजिक न्याय के लिए मदर टेरेसा मेमोरियल अवार्ड, 2019 प्रदान किया गया. इसमें शामिल नहीं हैं–
(A) ग्रेटा थुनबर्ग
(B) कैलाश सत्यार्थी
(C) रॉबर्ट बिल्हिमर
(D) अजीत सिंह

140. उस शहर का नाम बताइए जिसे यूनेस्को ने पाक कला के क्षेत्र में UCCN के सदस्य के रूप में नामित किया है ?
(A) गांधीनगर (B) लखनऊ
(C) देहरादून (D) हैदराबाद

141. गोपनीयता के निहित अधिकार 'जीवन' और 'व्यक्तिगत स्वतंत्रता' के अधिकार का एक हिस्सा है, जिसके तहत् भारत के संविधान के निम्न-लिखित अनुच्छेदों में से एक है ?
(A) अनुच्छेद 17
(B) अनुच्छेद 19
(C) अनुच्छेद 21
(D) अनुच्छेद 23

142. 31वाँ इंदिरा गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार किसे प्रदान किए जाने की घोषणा की गई ?
(A) चंडी प्रसाद भट्ट
(B) डॉ. के. सिवन
(C) टी. एम. कृष्णा
(D) एम. एस. स्वामीनाथन

143. व्यवसायिक मोटरों में किस प्रकार के चुम्बक का उपयोग होता है ?
(A) स्थायी चुम्बक
(B) नाल चुम्बक
(C) विद्युत् चुम्बक
(D) सामान्य छड़ चुम्बक

144. निम्नलिखित में से किस भारतीय खिलाड़ी ने हाल ही में 100वाँ अंतर्राष्ट्रीय टी-20 मैच खेलने का रिकॉर्ड बनाया ?
(A) विराट कोहली
(B) रोहित शर्मा
(C) शिखर धवन
(D) एम. एस. धोनी

145. लक्ष्मी विलास बैंक लिमिटेड की स्थापना 1926 में हुई थी. लक्ष्मी विलास बैंक का मुख्यालय कहाँ है ?
(A) चेन्नई (B) त्रिशूर
(C) कोच्चि (D) बेंगलूरु

146. किस देश ने अल्ज़ाइमर रोग के निदान हेतु 'जी. वी.-971' नामक एक घरेलू दवा विकसित की है ?
(A) नेपाल (B) चीन
(C) पाकिस्तान (D) बांग्लादेश

147. निम्नलिखित में से किस दिन संयुक्त राष्ट्र में अन्तर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस मनाया जाता है ?
(A) 15 अक्टूबर (B) 16 अक्टूबर
(C) 17 अक्टूबर (D) 18 अक्टूबर

148. केन्द्र सरकार ने हाल ही में किस संस्थान के लिए HS Code जारी किया है ?
(A) खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC)
(B) शहद उत्पादन संस्थान (HPI)
(C) अमूल दूध
(D) जनजातीय उद्योग (TI)

149. इटली ने बड़ी डिजिटल कम्पनियों पर कितना वेब टैक्स आरोपित किया है, जो वर्ष 2020 से लागू होगा ?
(A) 2% (B) 3%
(C) 5% (D) 7%

150. जम्मू-कश्मीर में NH-44 पर भारत की सबसे लम्बी सुरंग चेनानी-नाशरी की लम्बाई कितनी है ?
(A) 11·3 किलोमीटर
(B) 9·2 किलोमीटर
(C) 6·5 किलोमीटर
(D) 7·2 किलोमीटर

MAGAZINE KING

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B) मुगल बादशाह फर्रुखसियर ने मानिकचंद को 'जगत सेठ विश्व का बैंकर' की उपाधि दी, जोकि बाद में परिवार के परवर्ती प्रमुख को आनुवांशिक विशेषता के रूप में दोबारा प्रदान की गई.
2. (C)
3. (A) सोलहवीं सदी में कुतबशाही काल के प्रधानमंत्री मीर मुमीन अस्तराबादी ने नगर की योजना वैज्ञानिक रीति से तैयार की तथा अनेक प्रसिद्ध भवनों का निर्माण कराया. हैदराबाद का निर्माण विशाल दोहरे क्रॉस के रूप में समानान्तर प्रणाली पर किया गया था. गोलकुण्डा से पूरब की ओर मसूलीपट्टन जाने वाली सड़क एक अन्य सड़क, जो उत्तर दिशा से दक्षिण की ओर जाती थी, को नगर के केन्द्र में काटती थी जहाँ चार मीनार अवस्थित है.
4. (D)
5. (C) श्रीरंगपट्टन 1610 में मैसूर की राजधानी बना. यह नगर अत्यन्त ही पुरातन नगर था और दशकों बाद टीपू सुल्तान के शासनकाल के दौरान इसने किलों, मकबरों तथा मंदिरों के निर्माण के साथ महत्ता प्राप्त कर ली.

6. (D)
7. (A) जब 19 दिसम्बर, 1927 को अशफाकुल्ला को फाँसी दी गई वह पहले मुस्लिम थे जिनको काकोरी षड्यंत्र के मामले में फाँसी दी गई थी. राष्ट्र के नाम अपने आखिरी संदेश में उन्होंने लिखा, "मुझे गर्व महसूस होता है कि अपने देश की आजादी के लिए फाँसी के तख्ते पर झूलने वाला मैं पहला मुस्लिम हूँ."
8. (B) 9. (A) 10. (A) 11. (B) 12. (D)
13. (C)
14. (D) गोवा सरकार ने फरवरी 2019 में स्थानीय वाद्ययंत्र घुमोट को धरोहर वाद्य यंत्र घोषित किया है. यह वाद्ययंत्र मिट्टी के घड़े के मुँह पर गोह (Monitor Lizard) की चमड़ी को कस कर बनाया जाता है. पारम्परिक रूप से इस वाद्ययंत्र का उपयोग गोवा के अधिकतर त्यौहारों में किया जाता है. गोह को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की सूची में लुप्तप्राय वन्य प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया गया है. इस कारण से राज्य वन विभाग द्वारा घुमोट पर प्रतिबंध लगा दिया गया था. वर्तमान में इस वाद्ययंत्र के निर्माण में गोह की त्वचा की जगह बकरी की चमड़ी का उपयोग किया जाता है.
15. (D) 16. (C) 17. (D) 18. (D)
19. (C) भारत ने 4 नवम्बर, 2019 को चीन के समर्थन वाले क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) समझोते से बाहर रहने का फैसला किया है आरसीईपी शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "आरसीईपी करार का मौजूदा स्वरूप पूरी तरह इसकी मूल भावना और इसके मार्गदर्शी सिद्धान्तों को परिलक्षित नहीं करता.
20. (D)
21. (B) हुमायूँ के मकबरे में चारबाग शैली का उपयोग सबसे पहले किया गया. चार सममित हिस्सों में बँटे होने के कारण यह चारबाग कहलाता है. चारबाग बनाने की परम्परा अकबर के शासनकाल में शुरू हुई थी.
22. (C) मनसबदारों को वेतन सालाना की जगह मासिक आधार पर दिया जाता था. मनसबदारों को वेतन जागीरों के रूप में भी दिया जाता था. कभी-कभी उन्हें नकद वेतन भी दिया जाता था. किसी अधिकारी का 'मनसब' उसके वेतन और स्थिति को इंगित करता था.
23. (A) 24. (C)
25. (C) देशभर में एक समग्र एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से सभी हितकारकों को शामिल कर जन आंदोलन द्वारा जल संरक्षण और प्रबंधन को संघटित करने के लिए 5 जून, 2015 को जल क्रांति अभियान का शुभारम्भ किया था.
26. (A) 27. (A) 28. (C) 29. (B) 30. (A)
31. (B) एंटीबायोटिक्स आमतौर पर जीवाणु के लिए महत्वपूर्ण जैव रसायनिक मार्गों को अवरुद्ध करते हैं. कई जीवाणु स्वयं को बचाने के लिए कोशिका भित्ति का निर्माण करते हैं.
32. (C) 33. (C)
34. (D) 16 अक्टूबर, 2016 को केन्द्रीय वस्त्र मंत्री स्मृति ईरानी द्वारा वाराणसी में हस्तशिल्पियों के लिए गुरु-शिष्य परियोजना का शुभारम्भ किया गया.
35. (C) 36. (B) 37. (A) 38. (C)
39. (C) टी. एस. आर. सुब्रह्मण्यम समिति ने शिक्षा के क्षेत्र में खर्च को जीडीपी के कम-से-कम 6 प्रतिशत करने और शीर्ष विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में आने को बढ़ावा देने जैसी बातें भी कही हैं.
40. (C) विश्व आर्द्रभूमि दिवस जो हर वर्ष 2 फरवरी को मनाया जाता है, कैस्पियन सागर के तट पर रामसर ईरानी शहर में 2 फरवरी, 1971 को आर्द्रभूमियों पर सम्मेलन को अपनाने की तारीख को दर्शाता है. विश्व आर्द्रभूमि दिवस पहली बार 2 फरवरी, 1997 को रामसर सम्मेलन की 16वीं वर्षगाँठ पर मनाया गया था.
41. (D) 42. (D) 43. (D)
44. (C) कन्टेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया भारत का सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम है. इसमें भारतीय रेल के उस समय विद्यमान 7 अन्तर्देशीय कन्टेनर डिपो को लेकर नवम्बर 1989 में कार्य करना आरम्भ किया.
45. (D) 46. (D) 47. (B) 48. (D) 49. (B)
50. (B) 51. (C) 52. (B)
53. (A) 'शिलप्पादिकारम' संगमकालीन महाकाव्य है, जिसमें श्रीलंका के राजा गजबाहू एक तमिल कवि इलबोदियार के साथ शेन गुहनवेन के दरबार में आने का जिक्र है.
54. (B) 55. (C) 56. (A) 57. (C) 58. (C)
59. (B) 60. (C)
61. (B) कृत्रिम रबड़ की प्रथम फैक्टरी बरेली में स्थापित की गयी थी. इसे वर्ष 1957 में सेठ किलाचंद ने स्थापित किया था.
62. (B) 63. (D) 64. (A) 65. (C) 66. (A)
67. (D)
68. (B) भारतीय रिजर्व बैंक के पास भारतीय मुद्रा मुद्रित करने की शक्ति है, हालांकि ज्यादातर फैसलों को भारत सरकार द्वारा ही अंतिम रूप दिया जाता है. सन् 1935 से पहले मुद्रा छपाई की जिम्मेदारी भारत सरकार की थी.
69. (D) 70. (B) 71. (B) 72. (B) 73. (B)
74. (D)
75. (C) भारतीय संविधान में ब्रिटिश संविधान की तरह न तो संसद को सर्वोच्च बनाया गया है और न ही अमरीका के सर्वोच्च न्यायालय की तरह न्यायिक निरंकुशता की परम्परा को विकसित किया है. भारतीय संविधान में न्यायिक पुनरावलोकन की व्यवस्था कानूनों की व्याख्या तक ही सीमित रखी गयी है. इसका कानून की औचित्यता से कोई सरोकार नहीं है.
76. (C) 77. (C) 78. (B) 79. (D)
80. (A) डाइलिसिस में अर्धपारगम्य झिल्ली के आर-पार विलेय का विसरण शामिल है.
81. (B) 82. (C) 83. (C) 84. (A) 85. (C)
86. (B)
87. (A) दमे एवं अन्य श्वसन रोगों में ऑक्सीजन के साथ मिलाकर कृत्रिम श्वसन में हीलियम का प्रयोग किया जाता है.
88. (B) 89. (A) 90. (D) 91. (C) 92. (C)
93. (A) मानव संसाधन विकास मंत्री श्री संजय धोत्रे ने 6 नवम्बर, 2019 को नई दिल्ली में नवोदय विद्यालय समिति के लिए शाला दर्पण पोर्टल लॉंच किया है. यह पोर्टल स्कूल संचालन और प्रबन्ध प्रणाली से सम्बन्धित है.
94. (C) 95. (D) 96. (B) 97. (A)
98. (D) ऐतिहासिक विक्टोरिया पार्क उत्तर प्रदेश के मेरठ जनपद में स्थित है. आजादी के दौरान देशभर के लगभग सभी बड़े नेताओं की सभा इस पार्क में हो चुकी है.
99. (B) 100. (B) 101. (A)
102. (C) उत्तर प्रदेश में शासकीय भाषा (संशोधन) अध्यादेश 1982 को उत्तर प्रदेश विधान सभा ने 1989 में कानून के रूप में मंजूरी दी, जिसके तहत् उर्दू को राज्य की दूसरी राजभाषा का दर्जा मिला.
103. (A) 104. (D) 105. (C) 106. (D) 107. (A)
108. (D)
109. (A) ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने तीन स्थलों नामत: विशाखापत्तनम, मंगलूरू और पादुर (उडुपी के निकट) पर 5 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) के सामरिक खनिज तेल भंडार बनाने का निर्णय लिया था. ये सामरिक भंडारण तेल कम्पनियों के पास खनिज तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के विद्यमान भंडारणों के अतिरिक्त होंगे और बाहरी आपूर्ति बाधाओं के प्रत्युत्तर में एक ढाल के रूप में कार्य करेंगे. सामरिक खनिज तेल भंडारण सुविधाओं के निर्माण का प्रबंधन एक विशेष प्रयोजन कम्पनी इण्डियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिज़र्वस् लिमिटेड (आईएसपीआरएल) द्वारा किया जा रहा है, जो तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी है. इंजीनियर्स इण्डिया लिमिटेड (ईआईएल) को सभी तीन परियोजनाओं हेतु परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता के रूप में लिया गया है.
110. (A)
111. (A) स्टिलवेल रोड असम के लेडो से होते हुए चीन के कुनमिंग (यूनान) तक जाने वाला मार्ग है, जिसे द्वितीय विश्व युद्ध के समय बनाया गया था.
112. (B) 113. (C) 114. (A) 115. (B) 116. (A)
117. (A)
118. (C) इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष दिया जाने वाला इंदिरा गांधी शांति

शेष पृष्ठ 117 पर

MAGAZINE KING

उत्तराखण्ड सिविल जज (प्रा.) परीक्षा, 1-9-2019 का हल प्रश्न-पत्र

सामान्य अध्ययन

1. संघ लोक सेवा आयोग के वर्तमान अध्यक्ष कौन हैं ?
   (A) अरविन्द सक्सेना
   (B) डॉ. प्रदीप जोशी
   (C) अशोक कुमार गुप्ता
   (D) अनिरुद्ध यादव
2. निम्नलिखित में से कौनसा मामला अन्तर्राष्ट्रीय स्थायी न्यायालय द्वारा निर्णीत किया गया है ?
   (A) कार्फू चैनल मामला
   (B) पाकेट हबाना मामला
   (C) एस.एस. लॉटस मामला
   (D) एंग्लो-नार्वेजियन फिशरीज मामला
3. एक्स एक्वा एट बोनो सुक्ति का सम्बन्ध है–
   (A) अन्तर्राष्ट्रीय विधि के स्रोत से
   (B) प्रत्यर्पण विधि से
   (C) मान्यता की विधि से
   (D) राज्य उत्तराधिकार विधि से
4. विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना कब की गई ?
   (A) 1942 (B) 1944
   (C) 1945 (D) 1948
5. 'थ्योरी ऑफ जस्टिस' पुस्तक के लेखक कौन हैं ?
   (A) जॉन राल्स (B) स्टेमलर
   (C) केल्सन (D) ड्वार्किन
6. भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 कब से लागू हुआ ?
   (A) 1 जुलाई, 2018
   (B) 1 अक्टूबर, 2018
   (C) 26 जुलाई, 2018
   (D) 26 अक्टूबर, 2018
7. न्याय के अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय का निर्णय किसके द्वारा हस्ताक्षरित होता है ?
   (A) अध्यक्ष
   (B) निबन्धक
   (C) (A) और (B) दोनों
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
8. 'उत्तरांचल' शब्द के स्थान पर 'उत्तराखण्ड' शब्द उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम द्वारा किस वर्ष प्रतिस्थापित किया गया ?
   (A) 2001 में (B) 2003 में
   (C) 2005 में (D) 2006 में
9. भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम 2018 (2018 का अधिनियम सं. 17) को प्रवर्तन में आया हुआ माना जाएगा–
   (A) 20 मार्च, 2018 को
   (B) 20 अप्रैल, 2018 को
   (C) 21 अप्रैल, 2018 को
   (D) 22 अप्रैल, 2018 को
10. 'दी इण्डियन कॉन्स्टीट्यूशन, कार्नर स्टोन ऑफ ए नेशन' पुस्तक किसके द्वारा लिखी गयी थी ?
    (A) जॉन ऑस्टिन द्वारा
    (B) ग्रेन्विल ऑस्टिन द्वारा
    (C) ए.एल. गुडहार्ट द्वारा
    (D) एच.एल.ए. हार्ट द्वारा
11. निम्नलिखित में से भारत के कौन मुख्य न्यायाधीश 1979 से 1984 तक भारत के उपराष्ट्रपति थे ?
    (A) एम. हिदायतुल्लाह
    (B) एस.एम. सीकरी
    (C) ए.एन.रे
    (D) के सुब्बाराव
12. निम्नलिखित में से कौन तटस्थीकृत राज्य है ?
    (A) भारत (B) पाकिस्तान
    (C) जापान (D) स्विट्जरलैण्ड
13. अन्तर्राष्ट्रीय विधि में अपवर्जित आर्थिक क्षेत्र की चौड़ाई कितनी होती है ?
    (A) 12 समुद्री मील
    (B) 24 समुद्री मील
    (C) 100 समुद्री मील
    (D) 200 समुद्री मील
14. "एक व्यक्ति अपने माता-पिता के देश में पैदा नहीं होता है तो वह उस देश का राष्ट्रिक होगा जहाँ वह पैदा होता है." यह किस सिद्धान्त पर आधारित है ?
    (A) जस सोली (B) जस सांगिनिस
    (C) जस जुरी (D) जस टरटी
15. "जहाँ प्रत्यर्पण प्रारम्भ होता है वहाँ आश्रय समाप्त हो जाता है" उक्त कथन किसके द्वारा किया गया था ?
    (A) केल्सन (B) स्टार्क
    (C) स्वार्जनबर्जर (D) काबेट
16. किसी राजनयिक को अवांछनीय या अग्राह्य व्यक्ति घोषित करने का अधिकार प्राप्त है–
    (A) प्रेषक राज्य को
    (B) ग्राही राज्य को
    (C) दोनों प्रेषक व ग्राही राज्य को
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
17. 'संयुक्त राष्ट्र' शब्द का सुझाव दिया गया–
    (A) रूजवेल्ट द्वारा
    (B) चर्चिल द्वारा
    (C) टी.वी. सुँग द्वारा
    (D) एम. लिटिनोव द्वारा
18. संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंग वे हैं जिनका उल्लेख किया गया है–
    (A) संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 5 में
    (B) संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 6 में
    (C) संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 7 में
    (D) संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 8 में
19. उच्चतम न्यायालय के किस मामले में यह निर्णीत किया गया कि प्रस्तावना संविधान का मूलभूत ढाँचा है ?
    (A) मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ
    (B) केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्य
    (C) चन्द्र भवन बनाम मैसूर राज्य
    (D) नकारा बनाम भारत संघ
20. निम्नलिखित में से किसे न्याय के अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में निर्वाचित नहीं किया गया ?
    (A) डॉ. नागेन्द्र सिंह
    (B) दलवीर भण्डारी
    (C) आर.एस. पाठक
    (D) रंगनाथ मिश्रा
21. निम्नलिखित में से किसे 'पृथ्वी सम्मेलन' कहा जाता है ?
    (A) संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संरचना अभिसमय
    (B) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण तथा विकास सम्मेलन
    (C) जैविक विविधता अभिसमय
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
22. निम्नलिखित में से कौन अन्तर्राष्ट्रीय विधि के अन्तर्गत विवादों के निपटारे का शान्तिपूर्ण ढंग नहीं है ?
    (A) प्रतिकार (B) सुलह
    (C) वार्ता (D) सत्य प्रयत्न
23. सुरक्षा परिषद् में कितने सदस्य होते हैं ?
    (A) 5 स्थायी
    (B) 10 स्थायी

MAGAZINE KING

(C) 5 स्थायी एवं 10 अस्थायी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

24. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
(A) नागरिकता की अवधारणा अन्तर्राष्ट्रीय विधि में सुसंगत है
(B) नागरिकता की अवधारणा राष्ट्रीय विधि के लिए असंगत है
(C) नागरिकता की अवधारणा राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय विधि, दोनों के लिए सुसंगत है
(D) नागरिकता की अवधारणा अन्तर्राष्ट्रीय विधि के लिए असंगत है

25. दण्ड प्रक्रिया संहिता को निम्नलिखित सूचियों में से किस सूची में शामिल किया गया है ?
(A) संघीय सूची (B) राज्य सूची
(C) समवर्ती सूची (D) ये सभी

26. भारत के संविधान में प्रदत्त मूल कर्तव्यों की कुल सख्या कितनी है ?
(A) 12 (B) 9
(C) 10 (D) 11

27. जब विद्रोह द्वारा नये राज्य का निर्माण होता है तो सामान्यतया दी जाने वाली मान्यता होती है–
(A) विधित:
(B) तथ्यत:
(C) अनवरत मान्यता
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

28. निम्नलिखित में से कौनसा संविधान संशोधन, शैक्षणिक संस्थानों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के नागरिकों के लिए आरक्षण से सम्बन्धित है ?
(A) 123वाँ (B) 101वाँ
(C) 103वाँ (D) 102वाँ

29. निम्नलिखित में से किस मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा तीन तलाक की संवैधानिक वैधता पर विचार किया गया है ?
(A) शायरा बानो *बनाम* भारत संघ
(B) नाज़ फाउन्डेशन *बनाम* भारत संघ
(C) डेनियल लतीफी *बनाम* भारत संघ
(D) शबनम हासमी *बनाम* भारत संघ

30. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा पंचायतों में महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है ?
(A) अनुच्छेद 243A
(B) अनुच्छेद 243B
(C) अनुच्छेद 243C
(D) अनुच्छेद 243D

31. सर्वबन्धी अधिकार प्राप्त होता है, निम्नलिखित में से किसके विरुद्ध ?
(A) केवल विशेष व्यक्ति
(B) प्रत्येक व्यक्ति
(C) केवल सरकार
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

32. निम्नलिखित में से किसने अन्तर्राष्ट्रीय विधि को सकारात्मक नैतिकता के रूप में रखा ?
(A) बेन्थम (B) आस्टिन
(C) सेविग्नी (D) हॉलेन्ड

33. भारतीय पेटेन्ट अधिनियम 1970 के अनुसार भारत में पेटेन्ट योग्यता के क्या मापदण्ड हैं ?
(A) नवीनता
(B) अन्वेषणात्मक कदम
(C) औद्योगिक उपयोजन में सक्षम
(D) उपर्युक्त सभी

34. निम्नलिखित में से कौन 'सार्क' का सदस्य नहीं है ?
(A) सिंगापुर (B) भारत
(C) पाकिस्तान (D) भूटान

35. भारतीय संविधान में कुल कितने अनुच्छेद हैं ?
(A) 365 (B) 394
(C) 395 (D) 379

36. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 17 किससे सम्बन्धित है ?
(A) साक्षरता से
(B) स्वास्थ्य से
(C) अस्पृश्यता निवारण से
(D) खाद्य सुरक्षा से

37. भारत वर्ष के किस राज्य द्वारा प्रत्येक घर को वर्षा के पानी को संचय करने के लिए अनिवार्य बना दिया गया है ?
(A) राजस्थान (B) महाराष्ट्र
(C) मध्य प्रदेश (D) तमिलनाडु

38. भारतीय संविधान की छठी अनुसूची किस राज्य के जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में उपबन्ध नहीं करती है ?
(A) असम (B) मणिपुर
(C) मेघालय (D) मिजोरम

39. भारत का 25वाँ उच्च न्यायालय कौनसा है ?
(A) शिलांग उच्च न्यायालय
(B) इम्फाल उच्च न्यायालय
(C) अगरतला उच्च न्यायालय
(D) अमरावती उच्च न्यायालय

40. 'विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया' शब्दावली किस देश के संविधान से ली गई है ?
(A) अमरीका (B) जापान
(C) कनाडा (D) आस्ट्रेलिया

41. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में आपातकाल की उद्घोषणा परिभाषित की गई है ?
(A) अनु. 366(16)
(B) अनु. 366(17)
(C) अनु. 366(18)
(D) अनु. 366(19)

42. संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है ?
(A) दो वर्ष (B) तीन वर्ष
(C) पाँच वर्ष (D) छह वर्ष

43. न्यूरेमबर्ग विचारण, टोकियो विचारण, पीलीयस विचारण तथा इचमैन विचारण किससे सम्बन्धित है ?
(A) हवाई युद्ध के नियम
(B) युद्ध अपराध
(C) स्थल युद्ध के नियम
(D) समुद्री युद्ध सम्बन्धी नियम

44. निम्नलिखित में कौनसा सिद्धान्त मान्यता से सम्बन्धित नहीं है ?
(A) ट्रोबार सिद्धान्त
(B) मुनरो सिद्धान्त
(C) स्टिम्पसन सिद्धान्त
(D) एस्ट्राडा सिद्धान्त

45. न्यायमूर्ति दलवीर भण्डारी का न्याय के अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में पुनर्निर्वाचित कार्यकाल है–
(A) 2017–2026 तक
(B) 2018–2027 तक
(C) 2019–2028 तक
(D) 2020–2029 तक

46. भारत के किस शहर को 6 मार्च, 2019 को सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार मिला ?
(A) अम्बिकापुर (B) मैसूर
(C) इन्दौर (D) चण्डीगढ़

47. किस न्यायमूर्ति को भारत का प्रथम लोकपाल नियुक्त किया गया है ?
(A) न्यायमूर्ति प्रदीप कुमार मोहन्ती
(B) न्यायमूर्ति डी.बी. भोसले
(C) न्यायमूर्ति पिनाकी चन्द्र घोष
(D) न्यायमूर्ति अजय कुमार त्रिपाठी

48. आस्ट्रेलिया समूह का 43वाँ सदस्य कौन है ?
(A) चीन (B) पाकिस्तान
(C) भारत (D) ब्राजील

49. निम्नलिखित में से किस राज्य की विधायिका में एक सदन है ?
(A) बिहार (B) कर्नाटक
(C) तमिलनाडु (D) महाराष्ट्र

50. किस मामले में कहा गया कि उद्देशिका संविधान का भाग नहीं है ?
(A) इन री बेरूबारी मामला
(B) केशवानन्द भारती का मामला
(C) मेनका गांधी मामला
(D) एस.आर. बोम्मई मामला

MAGAZINE KING

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A) 2. (C) 3. (A)
4. (D) **'विश्व स्वास्थ्य संगठन'** (World Health Organisation–**WHO**), **मुख्यालय** जिनेवा (स्विट्जरलैंड) की स्थापना 7 अप्रैल, 1948 को हुई थी, जिसे 7 अप्रैल को **'विश्व स्वास्थ्य दिवस' (WHD)** के रूप में वर्ष 1950 से मनाया जाता है. जिसकी वर्ष 2019 में 7 अप्रैल हेतु **थीम–''हर एक, हर जगह''** रखी गई है. डब्ल्यू.एच.ओ. **(WHO)** के 194 सदस्य देश हैं.
5. (A) **'थ्योरी ऑफ जस्टिस'**–पुस्तक के लेखक **'जॉन राल्स'** हैं. (वर्ष 1971 में लिखी–हारवर्ड विश्वविद्यालय द्वारा).
6. (C) 7. (C)
8. (D) **'उत्तरांचल'** शब्द के स्थान पर **'उत्तराखण्ड'** शब्द **'उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम'** द्वारा वर्ष 2006 में प्रतिस्थापित किया गया, जो भारत का **'27वाँ'** राज्य, **राजधानी**–देहरादून तथा 1 जनवरी, 2007 से प्रभावी हुआ.
9. (C) 10. (B)
11. (A) भारत के मुख्य न्यायाधीश/न्यायमूर्ति मुहम्मद हिदायतुल्लाह (**जन्म**–1905, मृत्यु–1992, **87** वर्ष की उम्र पर) 31 अगस्त, 1979 से 30 अगस्त, 1984 तक (5 वर्षीय अवधि) भारत के उप-राष्ट्रपति रहे थे.
12. (D) 13. (D) 14. (A) 15. (B) 16. (B)
17. (A) **'संयुक्त राष्ट्र'** शब्द का सुझाव **'यू.एस.'** के निवर्तमान राष्ट्रपति फ्रेंकलिन डी. रूजवेल्ट द्वारा 1 जनवरी, 1942 को **'द्वितीय विश्व युद्ध'** के दौरान दिया गया था.
18. (C) 19. (B)
20. (D) डॉ. नागेन्द्रसिंह (1973-88) आर.एस. पाठक (1989–91) दलवीर सिंह भण्डारी (2012 और 2018-27) का अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में निर्वाचित हो चुके हैं. रंगनाथ मिश्रा न्यायाधीश के रूप में निर्वाचित नहीं हुए हैं.
21. (B) 22. (A) 23. (C) 24. (D) 25. (C)
26. (D) 27. (B) 28. (C) 29. (A) 30. (D)
31. (A) 32. (B) 33. (D) 34. (A) 35. (C)
36. (C) 37. (D)
38. (B) भारत के 7 उत्तरी-पूर्वी राज्यों से चार असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा राज्यों के जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में उपबन्ध करते हैं, परन्तु मणिपुर राज्य के बारे में उपबन्ध नहीं करते हैं.
39. (D) भारत का **'25वाँ'** उच्च न्यायालय (High Court –Article–214) अमरावती उच्च न्यायालय है. भारत में मार्च' 2013 में **3** उच्च न्यायालय स्थापित किए गए–शिलांग (मेघालय), इम्फाल (मणिपुर) तथा अगरतला (त्रिपुरा) में. भारत में उच्च न्यायालयों की पूर्व संख्या 21 + 3 = 24 थी. सर्वप्रथम 1862 में मुम्बई, कोलकाता व चेन्नई (मद्रास) उच्च न्यायालयों की स्थापना हुई थी. जो वर्तमान में संख्या 25 उच्च न्यायालयों की हैं.
40. (B) 41. (C)
42. (D) **'संघ लोक सेवा आयोग'** के सदस्यों का कार्यकाल छह वर्ष का होता है. संघ और राज्य **दोनों** में **'लोक सेवा आयोग (अनुच्छेद 315–323)'** होते हैं. प्रत्येक **'लोक सेवा आयोग'** में **एक**-अध्यक्ष और अन्य सदस्य होते हैं, जिनकी नियुक्ति संघ में राष्ट्रपति और राज्यों में राज्यपाल द्वारा की जाती है.
43. (B) 44. (B) 45. (B) 46. (C) 47. (C)
48. (C) 49. (C) 50. (A) ●●●

शेष पृष्ठ 114 का

पुरस्कार वर्ष 2019 के लिए मशहूर प्रकृतिवादी और प्रसारक डेविड एटनबरो को प्रदान किया गया. डेविड एटनबरो का जन्म 8 मई, 1926 को यूनाइटेड किंगडम में हुआ था.

119. (D)120. (B)121. (D)122. (B) 123. (C)
124. (B) मध्य रेलवे का मुख्यालय मुम्बई में स्थित है. यह पाँच डिवीजनों में विभाजित किया गया है.
125. (A)126. (C)127. (D)128. (C) 129. (C)
130. (A)131. (C)
132. (B) यदि आँख में प्रवेश करने वाला प्रकाश कम है, तो पुतली अधिक फैलती है, ताकि अधिक प्रकाश आँख में प्रवेश कर सके, वहीं यदि आँख में प्रवेश करने वाला प्रकाश तेज है, तो पुतली सिकुड़ जाती है.
133. (C)134. (B)135. (B) 136. (B) 137. (B)
138. (C) हरित लवक या क्लोरोप्लास्ट एक प्रकार का कोशिकांग है, जो सुकेन्द्रिक पादप कोशिकाओं में और शैवालीय कोशिकाओं में पाया जाता है. हरित लवक प्रकाश संश्लेषण द्वारा प्रकाशीय ऊर्जा को रसायनिक ऊर्जा में परिवर्तित करते हैं.
139. (A)140. (D)141. (C)142. (A) 143. (C)
144. (B)145. (A)146. (B) 147. (C)
148. (A) केन्द्र सरकार ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग को HS Code जारी किया है. HS Code छह अंकों का एक नंबर होता है, जो किसी वस्तु को एक देश से दूसरे देश में निर्यात किए जाने की पहचान देता है. इसे वर्ल्ड कस्टम ऑर्गेनाइजेशन द्वारा जारी किया जाता है.
149. (B)150. (B) ●●●

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग
कैलेंडर वर्ष–2020

क्र. सं.	परीक्षा का नाम	विज्ञापन प्रकाशन	प्रारम्भिक परीक्षा	प्रारम्भिक परीक्षा परिणाम
1.	राज्य सेवा परीक्षा 2019	14·11·2019	12·01·2020	31 जनवरी, 2020 तक
2.	राज्य वन सेवा परीक्षा 2019	14·11·2019	12·01·2020	31 जनवरी, 2020 तक
3.	सहायक संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास (क्षेत्र विस्तार) परीक्षा 2019	01·11·2019	फरवरी 2020	मार्च 2020
4.	सहायक संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास (सांख्यिकी)	नवम्बर 2019	–	–
5.	दन्त चिकित्सक	नवम्बर 2019	–	–
6.	राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा 2020	फरवरी 2020	अप्रैल 2020	मई 2020
7.	मेडिकल ऑफिसर	फरवरी 2020	–	–
8.	सहायक भौमिकीविद्	मार्च 2020	मई 2020	जून 2020
9.	खनि अधिकारी	मार्च 2020	मई 2020	जून 2020
10.	खनि निरीक्षक	मार्च 2020	मई 2020	जून 2020
11.	वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिकी, जीव विज्ञान, रसायनशास्त्र)	अप्रैल 2020	जून 2020	जुलाई 2020
12.	प्राचार्य वर्ग-1 तथा 2	अप्रैल 2020	–	–
13.	सहायक संचालक उद्यानिकी	मई 2020	जुलाई 2020	अगस्त 2020
14.	सहायक संचालक मत्स्योद्योग	मई 2020	जुलाई 2020	अगस्त 2020
15.	राज्य सेवा परीक्षा 2020	मई 2020	जुलाई 2020	जुलाई 2020
16.	राज्य वन सेवा परीक्षा 2020	मई 2020	जुलाई 2020	जुलाई 2020
17.	सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी	जून 2020	अगस्त 2020	सितम्बर 2020

टीप–प्रस्तावित कार्यक्रम अनुमानित हैं. विभागों से माँग-पत्र प्राप्त होने पर ही विज्ञापन जारी कर चयन प्रक्रिया की जा सकेगी.

MAGAZINE KING

बी.पी.एस.सी. प्रारम्भिक परीक्षा, 15-10-2019 का हल प्रश्न-पत्र

सामान्य अध्ययन

1. देशेर कथा पुस्तक किसने लिखी थी ?
(A) सखाराम गणेश देवस्कर
(B) राजेन्द्र प्रसाद
(C) निवारण चंद्र
(D) मुरली मोहन प्रसाद
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

2. बिहार में सर्चलाइट (Searchlight) समाचार-पत्र के सम्पादक कौन थे ?
(A) अब्दुल बारी
(B) लम्बोदर मुखर्जी
(C) मुरली मोहन प्रसाद
(D) रामानंद चटर्जी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

3. सन् 1931 में 'बिहार समाजवादी पार्टी' का गठन किसने किया ?
(A) फूलन प्रसाद वर्मा
(B) स्वामी योगानंद
(C) नरहरि पारीख
(D) दादाभाई नौरोजी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

4. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापक कौन थे ?
(A) विलियम एडम
(B) ए.ओ. ह्यूम
(C) रासबिहारी बोस
(D) मोतीलाल नेहरू
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

5. "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर ही रहूँगा." किसने कहा था ?
(A) बिपिनचंद्र पाल
(B) अरबिन्द घोष
(C) बाल गंगाधर तिलक
(D) सुभाषचंद्र बोस
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

6. रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी 'नाइटहुड' (Knighthood) उपाधि किस कारण त्याग दी ?
(A) सविनय अवज्ञा आन्दोलन का क्रूर दमन
(B) भगत सिंह को फाँसी दिया जाना
(C) जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड
(D) चौरी-चौरा की घटना
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

7. 'भारत सेवक समाज' (Servants of India Society) की स्थापना किसने की थी ?
(A) लाला लाजपत राय
(B) बिपिनचंद्र पाल
(C) गोपालकृष्ण गोखले
(D) भगत सिंह
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

8. 'काकोरी ट्रेन डकैती काण्ड' में किन क्रांतिकारियों को फाँसी की सजा दी गई थी ?
(A) रामप्रसाद बिस्मिल और अशफाकुल्ला
(B) वीर सावरकर और वासुदेव चापेकर
(C) प्रफुल्लचंद्र चाकी और खुदीराम बोस
(D) सूर्यसेन और उधम सिंह
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

9. 'इंडिया फॉर इंडियंस' किताब किसने लिखी ?
(A) सी.आर. दास
(B) एम.जी. रानाडे
(C) वी.डी. सावरकर
(D) एस.एन. बैनर्जी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

10. 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना किसने की थी ?
(A) दयानंद सरस्वती
(B) ज्योतिबा फुले
(C) गांधीजी
(D) डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

11. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष (First woman president) कौन थीं ?
(A) कस्तूरबा गांधी
(B) श्रीमती एनी बैसेन्ट
(C) सरोजिनी नायडू
(D) भक्ति लक्ष्मी देसाई
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

12. व्यक्तिगत सत्याग्रह आन्दोलन की/के प्रथम सत्याग्रही कौन थीं/थे ?
(A) सरोजिनी नायडू
(B) सी. राजगोपालाचारी
(C) विनोबा भावे
(D) सुभाषचंद्र बोस
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

13. लंदन में 'इण्डिया हाउस' (India House) के संस्थापक कौन थे ?
(A) श्यामजी कृष्णवर्मा
(B) रासबिहारी बोस
(C) रामचंद
(D) तारकनाथ दास
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

14. भागलपुर में नमक (Salt) सत्याग्रह का नेतृत्व किसने किया था ?
(A) श्रीकृष्ण सिंह
(B) महादेवलाल सराफ
(C) कुमार मिश्रा
(D) सत्यनारायण
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

15. सन् 1939 में बिहार में 'अम्बारी सत्याग्रह' का नेतृत्व किसने किया था ?
(A) राहुल सांकृत्यायन
(B) यदुनंदन शर्मा
(C) स्वामी सहजानंद
(D) स्वामी योगानंद
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

16. यदि $S=\sum_{n=1}^{15}\left(n+\frac{1}{3}\right)$ हो, तो S का मान है—
(A) 125 (B) $120+\frac{1}{3}$
(C) $135+\frac{1}{3}$ (D) 130
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

17. दो रेलगाड़ियाँ, जिनमें प्रत्येक की लम्बाई 150 मीटर और प्रत्येक की गति 90 किमी/घंटा है, एक-दूसरे की विपरीत दिशा में चल रही हैं. रेल-

MAGAZINE KING

गाड़ियों द्वारा एक-दूसरे को पार करने में लिया गया समय होगा—
(A) 3 सेकण्ड (B) 4·5 सेकण्ड
(C) 6 सेकण्ड (D) 9 सेकण्ड
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

18. दो विद्यार्थियों में 12 एक-जैसी कलम बाँटने के कितने तरीके होंगे, यदि प्रत्येक को कम-से-कम दो कलम मिलना आवश्यक हो ?
(A) 8 (B) 9
(C) 10 (D) 11
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

19. यदि वृत्त A और B की त्रिज्याएँ 1·5 : 1 के अनुपात (Ratio) में हैं, तो वृत्त A और B के क्षेत्रफलों का अनुपात होगा—
(A) 1·5 : 1 (B) 2 : 1
(C) 2·25 : 1 (D) 2·5 : 1
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

20. एक नल पानी की किसी टंकी को 3 घंटे में भर सकता है और दूसरा नल उसी टंकी को 4 घंटे में खाली कर देता है. यदि टंकी एक-तिहाई भरी हो और दोनों नलों को एक-साथ खोल दिया जाए, तो टंकी भरने में समय लगेगा—
(A) 8 घंटे (B) 9 घंटे
(C) 10 घंटे (D) 11 घंटे
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

21. श्रेणी 1, 3, 9, 15, 25, 35, 49, ... का अगला पद होगा—
(A) 80 (B) 64
(C) 81 (D) 63
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

22. यदि $x^2 - y^2 = 7$ तथा $x - y = 1$ हो, तो एक आयत जिसकी लम्बाई और चौड़ाई क्रमशः x सेमी एवं y सेमी हो, के विकर्ण की लम्बाई होगी—
(A) 5 सेमी (B) 6 सेमी
(C) 7 सेमी (D) 8 सेमी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

23. 80 विद्यार्थियों की एक कक्षा में 60% विद्यार्थी कैरम खेलते हैं, 45% शतरंज खेलते हैं और 10% विद्यार्थी न कैरम खेलते हैं और न शतरंज. केवल शतरंज खेलने वाले विद्यार्थियों की संख्या है—
(A) 36 (B) 24
(C) 12 (D) 8
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

24. यदि $x^3 - y^3 = \frac{117}{8}$ तथा $x - y = \frac{3}{2}$ हो, तो $x^2 + xy + y^2$ का मान होगा—
(A) 1 (B) $\frac{5}{8}$
(C) $\frac{39}{4}$ (D) $\frac{39}{8}$
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

25. यदि $(5)^{x^2+2x+7} = (125)^{2x+1}$ हो, तो x का मान है—
(A) 5 (B) 4
(C) 3 (D) 2
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

26. हड्डियों (Bones) की पढ़ाई, विज्ञान की किस शाखा के अन्तर्गत होती है ?
(A) जियोलॉजी (B) सेरोलॉजी
(C) ओरोलॉजी (D) ऑस्टियोलॉजी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

27. निम्नलिखित में से किसकी कोशिका में कोई एन्जाइम नहीं होता है ?
(A) लाइकेन (Lichen)
(B) विषाणु (Virus)
(C) जीवाणु (Bacteria)
(D) शैवाल (Algae)
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

28. मनुष्य के शरीर के किस अंग में लिम्फोसाइट (Lymphocytes) का निर्माण होता है ?
(A) यकृत (B) अस्थिमज्जा
(C) तिल्ली (D) अग्न्याशय
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

29. निम्नलिखित में से किस हॉर्मोन में आयोडिन मिली होती है ?
(A) टेस्टोस्टेरॉन (B) ऐड्रिनलीन
(C) थाइरॉक्सिन (D) इन्सुलिन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

30. एड्स किसके कारण होता है ?
(A) हेलमिन्थ (Helminth)
(B) जीवाणु (Bacteria)
(C) कवक (Fungus)
(D) विषाणु (Virus)
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

31. दाब (Pressure) का मात्रक है—
(A) किग्रा/वर्ग सेमी
(B) किग्रा/सेमी
(C) किग्रा/मिमी
(D) किग्रा/घन सेमी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

32. सूर्य का प्रकाश पृथ्वी पर पहुँचता है—
(A) 5 मिनट में (B) 6 मिनट में
(C) 8 मिनट में (D) 10 मिनट में
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

33. निम्नलिखित में से कौनसी अदिश राशि है ?
(A) बल (B) दाब
(C) वेग (D) त्वरण
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

34. निम्नलिखित में से किस राशि का मात्रक नहीं है ?
(A) प्रतिबल (Stress)
(B) बल (Force)
(C) विकृति (Strain)
(D) दाब (Pressure)
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

35. वायु में ध्वनि तरंग होती है—
(A) तिरछी
(B) अनुदैर्घ्य
(C) विद्युत्-चुम्बकीय
(D) ध्रुवीकृत
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

36. 50°C का मान फारेनहाइट स्केल में है—
(A) 104 °F (B) 122 °F
(C) 100 °F (D) 75 °F
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

37. हर्ट्ज (Hertz) में क्या नापा जाता है ?
(A) आवृत्ति (B) ऊर्जा
(C) ऊष्मा (D) गुणवत्ता
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

38. शरीर का तापमान (Body Temperature) नियंत्रित करता है—
(A) मेडुला
(B) थैलेमस
(C) हाइपोथैलेमस
(D) सेरेबेलम
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

MAGAZINE KING

39. विद्युतधारा किस उपकरण से नापी जाती है ?
(A) वोल्टमीटर (B) ऐमीटर
(C) वोल्टामीटर (D) पोटेंशियोमीटर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

40. विद्युत् शक्ति (Electric power) की इकाई है—
(A) ऐम्पियर (B) वोल्ट
(C) कूलॉम (D) वाट
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

41. आधुनिक रसायनशास्त्र का जनक किसे कहा जाता है ?
(A) रदरफोर्ड (B) आइन्स्टीन
(C) लेवोजियर (D) सी.वी. रमन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

42. एक तत्व में इलेक्ट्रॉनों और न्यूट्रॉनों की संख्या क्रमशः 18 तथा 20 है. इस तत्व की द्रव्यमान-संख्या है—
(A) 22 (B) 2
(C) 38 (D) 20
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

43. निम्नलिखित में से किसे हँसने वाली गैस (Laughing gas) कहा जाता है ?
(A) नाइट्रिक ऑक्साइड
(B) नाइट्रस ऑक्साइड
(C) नाइट्रोजन पेंटाऑक्साइड
(D) नाइट्रोजन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

44. निम्नलिखित में से कौनसा एक तत्व नहीं है ?
(A) धातु (B) अधातु
(C) गैस (D) अपधातु
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

45. पानी का pH मान है—
(A) 4 (B) 7
(C) 12 (D) 18
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

46. ग्रीनहाउस गैसों में मुख्य घटक होता है—
(A) कार्बन डाइऑक्साइड
(B) मीथेन
(C) नाइट्रस ऑक्साइड
(D) ओजोन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

47. ऑक्सीजन अनुपस्थित होती है—
(A) केरोसिन (Kerosene) में
(B) काँच (Glass) में
(C) मिट्टी (Soil) में
(D) सीमेण्ट (Cement) में
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

48. प्राकृतिक रबर किसका बहुलक है ?
(A) आइसोप्रीन
(B) स्टाइरीन
(C) विनाइल ऐसीटेट
(D) प्रोपीन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

49. ग्लूकोज का सूत्र है—
(A) $C_6H_{22}O_{11}$ (B) $C_6H_{10}O_5$
(C) $C_6H_{12}O_6$ (D) $C_6H_6O_6$
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

50. CO समूह का आबंध क्रम क्या है ?
(A) 1 (B) 2·5
(C) 3·5 (D) 3
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

51. पुस्तक *'दि ऑरिजिन ऑफ स्पीशीज'* किसने लिखी है ?
(A) लिनिअस (B) लैमार्क
(C) मेन्डेल (D) डार्विन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

52. शैवाल और कवक के मिलने से लाइकेन बनता है, जिसे कहते हैं—
(A) पैरासाइटिज्म (B) म्यूच्युयलिज्म
(C) कॉमेन्सलिज्म (D) कॉन्वर्शन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

53. जहाँ जीव रहता है, उस सटीक जगह को कहते हैं—
(A) आवास (Habitat)
(B) पारितंत्र (Ecosystem)
(C) निकेत (Niche)
(D) बायोम (Biome)
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

54. सौर ऊर्जा ATP में बदलती है—
(A) माइटोकॉन्ड्रिया में
(B) क्लोरोप्लास्ट में
(C) राइबोसोम में
(D) परऑक्सीसोम में
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

55. प्रकाश-संश्लेषण (Photosynthesis) का उपोत्पाद है—
(A) CO_2
(B) O_2
(C) ऊर्जा (Energy)
(D) शर्करा (Sugar)
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

56. पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश कौन थे, जिन्होंने जुलाई 2019 में बिहार के राज्यपाल के रूप में श्री फागू चौहान को पद की शपथ दिलाई ?
(A) माननीय मुकेश शाह
(B) माननीय ए पी. साही
(C) माननीया रेखा मनहरलाल दोशित
(D) माननीय दीपक मिश्र
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

57. 'बिहार दिवस' का क्या महत्व है, जो हर साल 22 मार्च को मनाया जाता है ?
(A) इस दिन राज्य पुनर्गठन आयोग ने बिहार का निर्माण किया
(B) बिहार को 1873 में इस दिन संयुक्त प्रांत से बाहर किया गया था
(C) 1912 में बिहार के बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग होने को याद करने के लिए
(D) 12वीं शताब्दी में मुस्लिम शासकों द्वार बिहार के नामकरण का जश्न मनाने के लिए
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

58. निम्नलिखित में से किस राज्य को केन्द्र सरकार द्वारा विशेष श्रेणी दर्जा (SCS) कभी प्रदान नहीं किया गया ?
(A) बिहार
(B) सिक्किम
(C) हिमाचल प्रदेश
(D) जम्मू-कश्मीर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

59. कश्मीर घाटी (Valley) के अन्तिम मुस्लिम शासक यूसुफ शाह चक्र, जिन्हें मुगल सम्राट अकबर द्वारा बिहार में निर्वासित किया गया था, दफन हैं—
(A) पाटलिपुत्र में (B) राजगीर में
(C) मुंगेर में (D) नालंदा में
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

60. बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम की टैगलाइन क्या है ?
(A) ब्राइट बिहार
(B) हम सबका बिहार

MAGAZINE KING

(C) ब्लिसफुल बिहार
(D) बिहार इज द बेस्ट
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

61. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में मंडल बाँध परियोजना की नींव किस नदी पर बनाने के लिए रखी थी ?
(A) कोसी (B) बूढ़ी गंडक
(C) फल्गु (D) उत्तरी कोयल
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

62. जुलाई 2019 में बिहार के महापाषाणिक स्थान (Megalithic site) के पहले प्रलेखन के लिए विशेषज्ञों ने निम्न-लिखित में से किस जिले का दौरा किया ?
(A) पटना (B) कैमूर
(C) मधुबनी (D) बांका
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63. हाल ही में अबूधावी में आयोजित इस्लामिक सहयोग संगठन (Organization of Islamic co-operation) के विदेश मंत्रियों की परिषद् के 46वें सत्र में भाग लेने के लिए किस देश को मेजबान UAE ने 'गेस्ट ऑफ ऑनर' के रूप में आमंत्रित किया था ?
(A) पाकिस्तान (B) ओमान
(C) भारत (D) तुर्की
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64. हाल ही में ISRO और CENES ने एक संयुक्त समुद्री निगरानी प्रणाली स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए. CNES किस देश की अंतरिक्ष एजेंसी है ?
(A) रूस (B) जर्मनी
(C) फ्रांस (D) कनाडा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

65. पराग्वे की राजधानी कौनसी है, जहाँ भारत के उपराष्ट्रपति ने मार्च 2019 में दौरा किया था ?
(A) असंशियन (B) जाग्रेब
(C) सन जोसे (D) मनागुआ
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66. हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा का चौथा सत्र (UNEA-4) कहाँ आयोजित किया गया ?
(A) पेरिस–फ्रांस
(B) उलानबतर–मंगोलिया
(C) बीजिंग–चीन
(D) नैरोबी–केन्या
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67. मार्च 2019 में सरकार द्वारा भारतीय सांकेतिक भाषा शब्दकोश के किस संस्करण का विमोचन किया गया ?
(A) पहला (B) दूसरा
(C) तीसरा (D) चौथा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

68. मनोहर परिकर की जगह हाल ही में उनकी मृत्यु पर, गोवा के मुख्यमंत्री के रूप में किसने ली ?
(A) सुदीन धवलीकर
(B) नीलेश काबराल
(C) प्रमोद सावंत
(D) रोहन खौंटे
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

69. 2018 के लिए अंन्तर्राष्ट्रीय गांधी शांति पुरस्कार का विजेता कौन है ?
(A) योही ससाकावा
(B) अक्षय पात्र फाउंडेशन
(C) सुलभ इंटरनेशनल
(D) एकल अभियान ट्रस्ट
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

70. विश्व का पहला ऊँट (Camel) अस्पताल किस शहर में स्थित है ?
(A) तेहरान (B) जयपुर
(C) बीकानेर (D) दुबई
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

71. योनेक्स (YONEX) ऑल इंगलैण्ड ओपन बैडमिंटन चैम्पियनशिप, 2019 के पुरुष एकल के विजेता कौन थे ?
(A) विक्टर ऐक्सल्सन
(B) लिन डैन
(C) केंटो मोमोटा
(D) शि युकी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

72. पाँच राइनो श्रेणी के राष्ट्र जिन्होंने एक घोषणा-पत्र 'द न्यू डेल्ही डिक्लेरेशन ऑन एशियन राइनोस, 2019 पर हस्ताक्षर किए हैं भारत, नेपाल, मलेशिया, इंडोनेशिया और–
(A) वियतनाम (B) थाइलैण्ड
(C) म्यांमार (D) भूटान
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

73. सर डॉन ब्रैडमैन के बाद टेस्ट प्रारूप में 25 शतक बनाने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज कौन हैं ?
(A) विराट कोहली
(B) माहेला जयवर्द्धने
(C) केन विलियमसन
(D) स्टीव स्मिथ
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

74. जुलाई 2019 में अंतरिक्ष यान चंद्रयान-2 को किस भारतीय राज्य से प्रक्षेपित किया गया था ?
(A) गुजरात (B) आंध्र प्रदेश
(C) कर्नाटक (D) महाराष्ट्र
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

75. थेरेसा मे (Theresa May) के बाद, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में कॉन्जर्वेटिव पार्टी में पहले दौर के मतदान के बाद प्रतियोगिता में अन्तिम सात में इनमें से कौन शामिल नहीं था ?
(A) बोरिस जॉनसन
(B) मैथ्यू हैनकॉक
(C) रोरी स्टुअर्ट
(D) मार्क हार्पर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

76. 2019 में गुट निरपेक्ष आन्दोलन (Non-Aligned Movement) के समन्वय ब्यूरो की मंत्रिस्तरीय बैठक कहाँ हुई थी ?
(A) वेनेजुएला (B) अजरबैजान
(C) सर्बिया (D) इथियोपिया
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

77. सैयद अकबरुद्दीन से पहले संयुक्त राष्ट्र में भारत का स्थायी प्रतिनिधि कौन था ?
(A) हरदीप सिंह पुरी
(B) शशि थरूर
(C) अशोक कुमार मुखर्जी
(D) निरुपम सेन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

78. डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और अमरीकी कांग्रेस के पहले हिन्दू सदस्य कौन हैं, जिन्होंने अपने 2020 के चुनाव अभियान के खिलाफ 'भेदभावपूर्ण कार्रवाई' के लिए कम-से-कम 50 मिलियन डॉलर के लिए गूगल (Google) पर मुकदमा दायर किया ?
(A) रो खन्ना
(B) बॉबी जिंदल

MAGAZINE KING

(C) राजा कृष्णमूर्ति
(D) तुलसी गबार्ड
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

79. *'ए गैलरी ऑफ रास्कल्स'* पुस्तक के लेखक कौन हैं ?
(A) अरुंधति रॉय (B) रस्किन बॉन्ड
(C) विक्रम सेठ (D) टोनी मॉरिसन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

80. खुदरा फर्नीचर की विशाल कम्पनी 'आइकिया' का भारत में पहला शोरूम 2018 में किस शहर में खोला गया ?
(A) बैंगलूरू (B) हैदराबाद
(C) नई दिल्ली (D) मुम्बई
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

81. 2020 में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल कहाँ आयोजित किए जाएंगे ?
(A) बर्लिन (B) पेरिस
(C) टोक्यो (D) लॉस एंजिल्स
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

82. यूनेस्को ने 2019 के उत्सव को रासायनिक तत्वों (Chemical Elements) की आवर्त सारणी के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में इसके कितने साल पूरा होने का जश्न मनाया ?
(A) 100 (B) 150
(C) 75 (D) 50
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

83. हाल ही में भारत की संसद ने 'तीन तलाक कानून' पारित करके भारत के सर्वोच्च न्यायालय के किस वर्ष के विनिर्णय को समर्थन दिया, जिसने तीन तलाक (तलाक-ए-बिद्दत) को असंवैधानिक बना दिया था ?
(A) 2011 (B) 2013
(C) 2015 (D) 2017
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

84. ब्रिक्स (BRICS) शिखर सम्मेलन, 2019 कहाँ आयोजित होने वाला है ?
(A) ब्राजील (B) भारत
(C) चीन (D) रूस
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

85. मुकुंद पद्मनाभन के बाद समाचार-पत्र *'द हिन्दू'* के सम्पादक (Editor) कौन बने ?
(A) एन. राम
(B) सिद्धार्थ वरदराजन
(C) सुरेश नाम्बथ
(D) मालिनी पार्थसारथी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

86. आधुनिक बिहार का निर्माता किसे माना जाता है ?
(A) सच्चिदानन्द सिन्हा
(B) कुमार कालिका प्रसाद सिन्हा
(C) सर गणेश सिंह
(D) आचार्य नरेन्द्र देव
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

87. बिहार प्रांतीय किसान सभा का गठन किसने किया ?
(A) स्वामी सहजानंद सरस्वती
(B) राम सुन्दर सिंह
(C) गंगा शरण सिन्हा
(D) रामानन्द मिश्रा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

88. डच ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने किस वर्ष अपनी फैक्टरी पटना में स्थापित की ?
(A) 1601 (B) 1632
(C) 1774 (D) 1651
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

89. बिहार में स्वराज दल का गठन किसने किया ?
(A) श्रीकृष्ण सिंह
(B) रामलाल शाह
(C) बंकिमचन्द्र मित्र
(D) शचीन्द्रनाथ सान्याल
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

90. अपने शिलालेखों में अशोक सामान्यतः किस नाम से जाने जाते हैं ?
(A) चक्रवर्ती (B) प्रियदर्शी
(C) धर्मदेव (D) धर्मकीर्ति
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

91. इनमें से कौन गुप्त काल में औषधि (Medicine) के क्षेत्र में अपने कार्य के लिए जाने जाते हैं ?
(A) सुश्रुत (B) सौमिल्ल
(C) शूद्रक (D) शौनक
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

92. निम्नलिखित में से प्राचीन भारत की कौनसी लिपि (Scripts) दाहिने से बाईं ओर लिखी जाती थी ?
(A) ब्राह्मी (B) शारदा
(C) खरोष्ठी (D) नन्दनागरी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

93. निम्नलिखित में से कौनसा बन्दरगाह गुप्त काल में उत्तर भारतीय व्यापार के लिए उपयोग किया जाता था ?
(A) कल्याण (B) ताम्रलिप्ति
(C) भड़ोच (D) कैम्बे
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

94. मुगल चित्रकला किसके नेतृत्व में अपने शीर्ष बिन्दु पर थी ?
(A) जहाँगीर (B) हुमायूँ
(C) शाहजहाँ (D) अकबर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

95. मध्यकालीन भारत में मनसबदारी व्यवस्था क्यों लागू की गई थी ?
(A) राजस्व एकत्रित करने हेतु
(B) सैनिकों की सुगमता से भर्ती हेतु
(C) धार्मिक सद्भाव की स्थापना हेतु
(D) स्वच्छ प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

96. अष्टप्रधान का गठन किसने किया था ?
(A) चन्द्रगुप्त (B) अशोक
(C) हर्षवर्धन (D) शिवाजी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

97. दिल्ली के किस सुलतान ने सबसे ज्यादा नहरों (Canals) का निर्माण किया था ?
(A) फिरोज शाह तुगलक
(B) इल्तुतमिश
(C) बलबन
(D) सिकन्दर लोदी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

98. बंगाल की खाड़ी में समुद्री डकैती हेतु हुगली का उपयोग कौन करता था ?
(A) डच (B) फ्रांसीसी
(C) पुर्तगाली (D) अंग्रेज
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

99. ठगों का उन्मूलन किसके नेतृत्व में हुआ था ?
(A) लॉर्ड क्लाइव
(B) कैप्टेन स्लीमन
(C) लॉर्ड मिन्टो
(D) अलेक्जेंडर बर्न्स
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

MAGAZINE KING

100. अफगानिस्तान के प्रति आक्रामक नीति किस वायसराय ने अपनाई थी ?
(A) लॉर्ड मेयो
(B) लॉर्ड लिट्टन
(C) लॉर्ड डफरिन
(D) लॉर्ड कैनिंग
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

101. 1930 में महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन कहाँ से प्रारम्भ किया था ?
(A) वर्धा (B) दांडी
(C) सेवाग्राम (D) साबरमती
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

102. साराबन्दी आन्दोलन, 1922 किसके नेतृत्व में प्रारम्भ हुआ ?
(A) चित्तरंजन दास
(B) सरदार वल्लभभाई पटेल
(C) राजेन्द्र प्रसाद
(D) लाला लाजपत राय
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

103. भारत के विभाजन के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष कौन था ?
(A) जे बी. कृपलानी
(B) जवाहरलाल नेहरू
(C) मौलाना अबुल कलाम आजाद
(D) सी. राजगोपालाचारी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

104. बिहार में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था ?
(A) बाबू अमर सिंह
(B) हरे कृष्ण सिंह
(C) कुँवर सिंह
(D) राजा शहजादा सिंह
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

105. असहयोग आन्दोलन के दौरान बिहार में कृषकों का नेतृत्व किसने किया ?
(A) स्वामी विद्यानन्द
(B) राजकुमार शुक्ल
(C) श्रीकृष्ण सिंह
(D) जे. बी. सेन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

106. निम्नलिखित में से कौनसा जिला सबसे अधिक घने पतझड़ वाले वन-क्षेत्र से घिरा है ?
(A) पश्चिम चम्पारण
(B) गया
(C) कैमूर
(D) नवादा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

107. बिहार के किस जिले में गंगा नदी सबसे लम्बी है ?
(A) भागलपुर (B) कटिहार
(C) पटना (D) बेगूसराय
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

108. 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार के किस जिले में सर्वोच्च घनी आबादी (प्रति वर्ग किमी) दर्ज की गई है ?
(A) शिवहर (B) वैशाली
(C) पटना (D) दरभंगा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

109. निम्नलिखित में से कौनसा देश भौगोलिक क्षेत्र की दृष्टि से सीमारहित सबसे बड़ा देश है ?
(A) न्यूजीलैंड (B) फिलीपीन्स
(C) जापान (D) क्यूबा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

110. सर्वाधिक उत्तरी-दक्षिणी (Latitudinal) लम्बाई वाली सीमा वाला देश है ?
(A) रूस (B) चिली
(C) चीन (D) ब्राजील
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

111. निम्नलिखित में से किस देश में सबसे अधिक सख्या में द्वीप हैं ?
(A) फिलीपीन्स (B) इन्डोनेशिया
(C) मालदीव (D) क्यूबा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

112. निम्नलिखित में से कौनसा देश विश्व का सबसे अधिक केसर उत्पादन करने वाला देश है ?
(A) स्पेन (B) ग्रीस
(C) न्यूजीलैंड (D) ईरान
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

113. निम्नलिखित में से कौनसा देश विश्व का सबसे अधिक यूरेनियम उत्पादन करने वाला देश है ?
(A) कजाकिस्तान
(B) कनाडा
(C) आस्ट्रेलिया
(D) फ्रांस
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

114. कन्याकुमारी से सटी पहाड़ियाँ हैं—
(A) अन्नामलाई पहाड़ियाँ
(B) नीलगिरि पहाड़ियाँ
(C) कार्डेमम पहाड़ियाँ
(D) शेवारॉय पहाड़ियाँ
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

115. निम्नलिखित में से गंगा नदी घाटी का भाग कौनसी उपनदी है ?
(A) संख
(B) उत्तरी कोयल
(C) दक्षिणी कोयल
(D) बराकर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

116. निम्नलिखित में से किस पहाड़ी पर चाय बागान नहीं है ?
(A) कानन देवन (B) नीलगिरि
(C) दार्जिलिंग (D) गिरनार
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

117. भारत में किस राज्य का सर्वाधिक क्षेत्र घने पतझड़ वाले जंगल से घिरा है ?
(A) ओडिशा (B) महाराष्ट्र
(C) मध्य प्रदेश (D) छत्तीसगढ
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

118. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में प्रवालभित्ति नहीं पाई जाती है ?
(A) कैम्बे की खाड़ी
(B) मन्नार की खाड़ी
(C) कच्छ की खाड़ी
(D) लक्षद्वीप और मिनिकॉय द्वीप
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

119. 2011 की जनगणना के अनुसार निम्नलिखित में से किस धार्मिक समूह (Religious groups) में सर्वाधिक साक्षरता दर प्रतिशत दर्ज की गई है ?
(A) इसाई (B) हिन्दू
(C) सिख (D) जैन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

120. निम्नलिखित में से जनजाति और राज्य की कौनसी जोड़ी सही नहीं है ?
(A) भील–गुजरात
(B) गद्दी–हिमाचल प्रदेश
(C) कोटा–तमिलनाडु
(D) टोडा–केरल
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

MAGAZINE KING

121. निम्नलिखित में से भारत का कौनसा औद्योगिक/आर्थिक गलियारा जापान के सहयोग से विकसित किया जा रहा है ?
(A) चेन्नई-वाइजाग
(B) मुम्बई-बेंगलूरू
(C) दिल्ली-मुम्बई
(D) अमृतसर-कोलकाता
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

122. निम्नलिखित में से कौनसा जिला धारवाड़ भूस्तरीय रचना वाला नहीं है ?
(A) मुंगेर (B) रोहतास
(C) जमुई (D) नवादा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

123. बिहार राज्य में गंगा के किनारे स्थित जिलों की संख्या है—
(A) 21 (B) 17
(C) 12 (D) 6
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

124. निम्नलिखित में से कौनसा वन्यजीव अभयारण्य बिहार के मुंगेर जिले में स्थित है ?
(A) वाल्मीकि (B) राजगीर
(C) भीमबन्ध (D) गौतमबुद्ध
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

125. 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार के किस जिले में सर्वोच्च लिंग अनुपात दर्ज किया गया है ?
(A) सीवान (B) गोपालगंज
(C) सारण (D) किशनगंज
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

126. निम्नलिखित में से कौन भूमि रिकॉर्ड अधिकारी है ?
(A) पटवारी (B) लम्बरदार
(C) जमींदार (D) जैलदार
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

127. निम्नलिखित विशेषताओं में से केन्द्रीय शासन व्यवस्था के लिए कौनसी सही नहीं है ?
(A) त्वरित निर्णय
(B) लचीलापन
(C) बड़े देशों के लिए आदर्श
(D) कानून की एकरूपता
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

128. समुदाय विकास कार्यक्रम का क्या उद्देश्य है ?
(A) शैक्षणिक सुविधाएँ सुलभ कराना
(B) जीवन-स्तर को बेहतर बनाना
(C) राजनीतिक प्रशिक्षण
(D) योजना बनाने में गाँवों की सहायता करना
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

129. आम आदमी पार्टी—
(A) राज्य पार्टी है
(B) राष्ट्रीय पार्टी है
(C) क्षेत्रीय पार्टी है
(D) पंजीकृत पार्टी है
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

130. निम्नलिखित संवैधानिक उपचारों में से किसे 'पोस्टमॉर्टम' (Postmortem) भी कहा जाता है ?
(A) प्रतिषेध (B) परमादेश
(C) उत्प्रेषण (D) अधिकारपृच्छा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

131. भारत में मतदान के लिए प्रयोग की जाने वाली मशीन VVPAT का संस्करण क्या है ?
(A) M1 (B) Z1
(C) M3 (D) Z3
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

132. निम्नलिखित भारतीय राज्यों में से किसकी राज्य विधान सभा में सदस्यों की संख्या अधिक है ?
(A) अरुणाचल प्रदेश
(B) हिमाचल प्रदेश
(C) मणिपुर
(D) मेघालय
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

133. भारत के वरीयता क्रम में निम्नलिखित में से कौन पहले आता है ?
(A) UPSC का अध्यक्ष
(B) मुख्य चुनाव आयुक्त
(C) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(D) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

134. सरकार की संसदीय व्यवस्था के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा वक्तव्य सही है ?
(A) विधायिका, न्यायपालिका के प्रति जवाबदेह है
(B) विधायिका, कार्यपालिका के प्रति जवाबदेह है
(C) विधायिका एवं कार्यपालिका दोनों स्वतन्त्र हैं
(D) राष्ट्रपति, न्यायपालिका के प्रति जवाबदेह है
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

135. निम्नलिखित में से किसका निर्माण पंचायती राज व्यवस्था के तहत् हुआ था ?
(A) खाप पंचायत
(B) जाति पंचायत
(C) ग्राम पंचायत
(D) जन पंचायत
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

136. जनगणना 2011 के अनुसार बिहार में बाल लिंग अनुपात था—
(A) 935 (B) 934
(C) 933 (D) 932
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

137. वर्ष 2017-18 के दौरान बिहार में तृतीयक क्षेत्र की विकास दर थी—
(A) 14·2% (B) 14·6%
(C) 15·6% (D) 15·2%
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

138. वर्ष 2017-18 में मौजूदा कीमतों पर बिहार राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) था—
(A) ₹ 4,87,628 करोड़
(B) ₹ 3,61,504 करोड़
(C) ₹ 1,50,036 करोड
(D) ₹ 5,63,424 करोड़
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

139. छठी पंचवर्षीय योजना के दौरान निम्नलिखित में से कौनसा कार्यक्रम शुरू किया गया था ?
(A) एकीकृत ग्रामीण विकास
(B) ग्रामीण साक्षरता विकास
(C) ग्रामीण रेलवे
(D) ग्रामीण लोगों के लिए उन्नत संचार लिंक
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

140. अन्त्योदय कार्यक्रम सर्वप्रथम किस राज्य में शुरू किया गया था ?
(A) बिहार (B) तमिलनाडु
(C) आंध्र प्रदेश (D) राजस्थान
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

MAGAZINE KING

141. वर्ष 2017 में मांस और मांस से निर्मित वस्तुओं के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी थी—
(A) 5% (B) 6%
(C) 2% (D) 3%
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

142. वह प्रथा जिसके तहत् किसान स्वयं भूमि का मालिक होता है और सरकार को भू-राजस्व के भुगतान के लिए जिम्मेदार माना जाता है, है—
(A) जमींदारी प्रथा
(B) रैयतवाड़ी प्रथा
(C) महालवाड़ी प्रथा
(D) दहसाला प्रथा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

143. वित्तीय वर्ष 2018-19 में कुल विदेशी मुद्रा प्रारक्षित भंडार में है—
(A) ₹ 34,55,882 करोड़
(B) ₹ 30,55,882 करोड़
(C) ₹ 32,55,882 करोड़
(D) ₹ 28,55,882 करोड़
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

144. निम्नलिखित में से कौनसा प्रत्यक्ष वित्त (Direct finance) का स्रोत नहीं है ?
(A) नाबार्ड
(B) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
(C) भारतीय स्टेट बैंक
(D) इलाहाबाद बैंक
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

145. EPCG का पूर्णरूप क्या है ?
(A) एक्सपोर्ट प्रोमोशन कॉन्स्यूमर गुड्स
(B) एक्सचेन्ज प्रोग्राम फॉर कॉन्स्यूमर गुड्स
(C) एक्सपोर्ट प्रोमोशन कैपिटल गुड्स
(D) एक्सपर्ट प्रोग्राम फॉर क्रेडिट जेनरेशन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

146. प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना में प्रत्येक ग्राहक को 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद न्यूनतम अनुमानित पेंशन ..... प्रति माह प्राप्त होगी.
(A) ₹ 3,500
(B) ₹ 2,000
(C) ₹ 3,000
(D) ₹ 1,500
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

147. भारत में न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण कौन करता है ?
(A) कृषि लागत एवं मूल्य आयोग
(B) कृषि मंत्रालय
(C) वित्त आयोग
(D) नाबार्ड
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

148. हिन्दू वृद्धि दर किससे सम्बन्धित है ?
(A) मुद्रा
(B) जी.डी.पी.
(C) जनसंख्या
(D) जी.एन.पी.
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

149. बिहार में 'कृषि कुंभ मेला, 2019' कहाँ आयोजित हुआ ?
(A) चंपारण (B) मोतिहारी
(C) राजगीर (D) गया
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

150. नीति आयोग के स्वास्थ्य सूचकांक (Health Index), 2019 के अनुसार बिहार राज्य का स्कोर है—
(A) 30·12 (B) 30·13
(C) 32·11 (D) 32·12
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A)
2. (C) सर्चलाइट का प्रकाशन 1918 में द्वि-साप्ताहिक अखबार के रूप में शुरू हुआ था. 1920 में यह त्रि-साप्ताहिक बना. 1930 में यह दैनिक के रूप में छपने लगा. सर्चलाइट के पहले सम्पादक सैयद हैदर हुसैन एवं दूसरे महेश्वर प्रसाद थे. उसके बाद सी.एस.आर. सोमयाजुलु और एस. रंगा अय्यर भी बारी-बारी से सम्पादक बने. सबसे लम्बे समय तक मुरली मनोहर प्रसाद सम्पादक रहे.
3. (A) 1931 में जयप्रकाश नारायण, राहुल सांस्कृत्यायन एवं फूलन प्रसाद वर्मा ने बिहार सोशलिस्ट पार्टी नामक संगठन स्थापित किया.
4. (B) 5. (C)
6. (C) रवीन्द्रनाथ टैगोर को George V द्वारा 1915 में 'नाइटहुड' की उपाधि प्रदान की गई थी, परन्तु 1919 में जलियांवाला बाग हत्याकांड की वजह से उन्होंने यह उपाधि वापस कर दी थी.
7. (C) भारत सेवक समाज की स्थापना गोपाल कृष्ण गोखले द्वारा 12 जून, 1905 में पूना में की गई थी. इन्होंने दक्कन एज्यूकेशन सोसाइटी को छोड़कर एक नया संगठन बनाया था.
8. (A) रामप्रसाद बिस्मिल और अशफाकुल्ला को काकोरी ट्रेन डकैती काड (19 अगस्त, 1925 को यह गाड़ी सहारनपुर-लखनऊ पैसेंजर गाड़ी थी) में सरकारी खजाने को लूटने के प्रयास में फाँसी की सजा हुई थी.
9. (A) 10. (B)
11. (B) श्रीमती एनी बेसेन्ट भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष थीं. इनकी नियुक्ति 1917 में कलकत्ता अधिवेशन में हुई थी.
12. (C) 13. (A) 14. (B) 15. (A)
16. (A) $S = \sum_{n=1}^{15}\left(n+\frac{1}{3}\right)$

$= \left(1+\frac{1}{3}\right)+\left(2+\frac{1}{3}\right)+\ldots+\left(15+\frac{1}{3}\right)$

$= (1+2+3+\ldots+15)+15\times\frac{1}{3}$

$= 120+5 = 125$

17. (C) 90 किमी/घण्टा $= 90\times\frac{5}{18}$ मी/से

$= 25$ मी/से

$\therefore$ अभीष्ट समय $= \frac{150+150}{25+25}$

$= \frac{300}{50}$

$= 6$ सेकण्ड

18. (B) $n = 12-2\times2$

$n = 12-4 = 8$

आवश्यक तरीके $= {}^{n+r-1}C_{r-1}$

$= {}^{8+2-1}C_{2-1}$

$= {}^{10-1}C_1$

$= {}^{9}C_1 = 9M$

19. (C) क्षेत्रफलों में अनुपात,

$A : B = (1\cdot5)^2 : (1)^2$

$= 2\cdot25 : 1$

20. (A) $\frac{1}{3}-\frac{1}{4} = \frac{4-3}{12} = \frac{1}{12}$

$\therefore$ अभीष्ट समय $= \frac{2}{3}\times12$

$= 8$ घण्टे

21. (D) $1^2 = 1$

$2^2-1 = 4-1 = 3$

$3^2 = 9$

$4^2-1 = 16-1 = 15$

$5^2 = 25$

$6^2-1 = 36-1 = 35$

$7^2 = 49$

$8^2-1 = 64-1 = \boxed{63}$

22. (A) $x^2-y^2 = 7,$

$x-y = 1$

$x^2-y^2 = (x-y)(x+4)$

$7 = 1(x+4)$

$x+y = 7$

MAGAZINE KING

$\therefore \quad x+y=7$

$x-y=1$

$2x=8$

$x=4$

$4+y=7$

$y=7-4=3$

$\therefore$ विकर्ण $=\sqrt{3^2+4^2}$

$=\sqrt{9+16}$

$=\sqrt{25}=5$ सेमी

23. (B) शतरंज तथा कैरम दोनों खेलने वाले विद्यार्थी $=60+45+10-100$

$=115-100$

$=15\%$

$\therefore$ केवल शतरंज खेलने वाले विद्यार्थी

$=45-15$

$=30\%$

$\therefore$ केवल शतरंज खेलने वाले विद्यार्थी की संख्या $=\frac{80\times 30}{100}$

$=24\%$

24. (C) $x^3-y^3=\frac{117}{8}$,

$x-y=\frac{3}{2}$

$x^3-y^3=(x-y)(x^2+xy+y^2)$

$\frac{117}{8}=\frac{3}{2}(x^2+xy+y^2)$

$x^2+xy+y^2=\frac{117}{8}\times\frac{2}{3}$

$=\frac{39}{4}$

25. (D) $(5)^{x^2+2x+7}=(125)^{2x+1}$

$(5)^{x^2+2x+7}=(5^3)^{2x+1}$

$(5)^{x^2+2x+7}=(5)^{6x+3}$

$\therefore \quad x^2+2x+7=6x+3$

$x^2+2x-6x+7-3=0$

$x^2-4x+4=0$

$(x-2)^2=0$

$\therefore \quad x=2$

26. (D) 27. (B) 28. (B) 29. (C)

30. (D) एड्स विषाणु द्वारा होता है.

31. (E) SI प्रणाली में दाब का मात्रक पास्कल (Pa) होता है, जो न्यूटन/मी^{2} (N/m^2 or $kg\ m^{-1}s^{-2}$) के समतुल्य होता है.

32. (C) 33. (B)

34. (C) विकृति लम्बाई का अनुपात है न कि राशि का मात्रक.

35. (B) 36. (B) 37. (A)

38. (C) शरीर का तापमान हाइपोथैलेमस, जो हमारे दिमाग का एक भाग है के द्वारा नियंत्रित होता है. ये वर्तमान तापमान की तुलना सामान्य तापमान से करता है.

39. (B) 40. (D)

41. (C) लेवोजियर जो एक फ्रांसीसी रसायन शास्त्री थे, को आधुनिक रसायनशास्त्र का जनक कहा जाता है.

42. (C) 43. (B) 44. (C) 45. (B) 46. (E)

47. (A) 48. (A) 49. (C) 50. (D)

51. (D) विशेष श्रेणी दर्जा राज्य का विचार सबसे पहले पाँचवें वित्त आयोग 1969 में आया. इसके अन्तर्गत भारत के असम, नगालैण्ड, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, सिक्कम एवं त्रिपुरा राज्य को 1974-1979 के मध्य विशेष श्रेणी दर्जा राज्य माना गया, बिहार इसमें शामिल नहीं था.

52. (B) 53 (A) 54. (B)

55. (B) प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया में शर्करा ($C_6H_{12}O_6$) मुख्य उत्पाद एवं ऑक्सीजन (O_2) उसका उपोत्पाद है.

56. (B) माननीय अमरेश्वर प्रसाद साही, पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे, जिन्होंने 29 जुलाई, 2019 में बिहार के राज्यपाल के रूप में श्री फागू चौहान को पद की शपथ दिलाई थी.

57. (C) 22 मार्च प्रतिवर्ष बिहार दिवस के रूप में मनाने का कारण 1912 में बिहार को बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग होने के बाद, नया राज्य बनाने का है.

58. (A)

59. (D) यूसुफ शाह चक, जो अकबर द्वारा बिहार में निर्वासित किया गया था, बिस्वाक, इस्लामपुर, नालन्दा में दफन किया गया था.

60. (C) 61. (D)

62. (E) सोन नदी घाटी संस्कृति के अनुसंधानकर्ता डॉ. श्याम सुन्दर तिवारी ने रोहतास जिले के नोहट्टा विकास खण्ड में महापाषाणिक स्थल सम्बन्धी साक्ष्य खोजे हैं.

63. (C) 64. (C) 65. (A)

66. (D) हाल ही में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा का चौथा सत्र नैरोबी-केन्या में 11 से 15 मार्च, 2019 को आयोजित किया गया.

67. (B) भारत सरकार द्वारा भारतीय सांकेतिक भाषा शब्दकोष का दूसरा संस्करण 27 फरवरी, 2019 को विमोचित किया गया, जबकि पहला संस्करण 23 मार्च, 2018 को विमोचित किया गया था.

68. (C) 69. (A) 70. (D)

71. (C) केंटो मोमोटा ने विक्टर ऐक्सल्सन को 21-11, 15-21, 21-15 से हराकर योनेक्स आल इंगलैण्ड ओपन बैडमिंटन पुरुष एकल चैम्पियनशिप-2019 का खिताब जीता था.

72. (D) 73. (D) 74. (B)

75. (D) कन्जर्वेटिव पार्टी में पहले दौर के मतदान के बाद मतों की संख्या के आधार पर प्रत्याशियों का क्रम है–बोरिस जॉनसन (114 मत), जर्मी हंट (43 मत), मिशेल गोव (37 मत), डोमिनिक राव (27 मत), साजिद जाविद (23 मत), मैथ्यू हैनकॉक (20 मत), रोरी स्टुअर्ट (19 मत).

76. (A) 77. (C) 78. (D) 79. (B) 80. (B)

81. (C) 2020 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल टोक्यो (जापान) में 24 जुलाई से 9 अगस्त, 2020 तक आयोजित किए जाएंगे.

82. (B) 83. (D)

84. (A) 2019 का ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 13-14 नवम्बर, 2019 को ब्रिजेलिया (ब्राजील) में आयोजित किया जायेगा.

85. (C) 1 मार्च, 2019 को सुरेश नाम्बथ, मुकुंद पद्मनाभन के बाद समाचार-पत्र हिन्दू के सम्पादक बने.

86. (A) 87. (A) 88. (B)

89. (A) फरवरी 1923 में बिहार में स्वराज दल की शाखा का गठन हुआ तथा श्री कृष्ण सिंह इसके नेता बनाये गए.

90. (B) 91. (A) 92. (C)

93. (B) गुप्तकाल में ताम्रलिप्ति प्रमुख बंदरगाह था, जहाँ से चीन, श्रीलंका, जावा, सुमात्रा आदि देशों के साथ व्यापार होता था.

94. (A) 95. (B)

96. (D) शिवाजी ने 1674 में अष्टप्रधान (8 मंत्रियों की सभा) का गठन किया था.

97. (A) 98. (C) 99. (B) 100. (B)

101. (D) गांधीजी ने 12 मार्च, 1930 को सविनय अवज्ञा आन्दोलन की शुरूआत ऐतिहासिक नमक सत्याग्रह से की. इसी दिन गांधीजी ने अपने 78 अनुयायियों के साथ डांडी मार्च किया.

102. (B) 103. (A) 104. (C) 105. (A)

106. (A) सबसे अधिक घने पतझड वाले वन पश्चिम चम्पारन जिले में सोमेश्वर के पहाड़ी इलाके में मिलते हैं.

107. (C)

108. (A) बिहार राज्य के प्रश्न में दिए गए जिलों में 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या का घनत्व निम्न है–

शिवहर – 1880 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी

वैशाली – 1717 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी

पटना – 1823 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी

दरभंगा – 1728 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी

109. (C) जापान 3,77,973·89 वर्ग किमी क्षेत्रफल के साथ सबसे बड़ा देश है, जबकि न्यूजीलैण्ड 2,68,000 वर्ग किमी, फिलीपींस 3,00,000 वर्ग किमी और क्यूबा 1,09,884 वर्ग किमी के साथ जापान से छोटे देश हैं.

110. (B) प्रश्न में दिए गए देशों का अक्षांशीय विस्तार (उत्तर-दक्षिण) निम्न है–

रूस–61°-5′ उत्तर से 81°-53′ उत्तर (सुदूर उत्तरी भाग)

चिली–17° दक्षिण से 53° दक्षिण (अक्षांश तक)

चीन–18° उत्तर से 53° उत्तर तक

ब्राजील–5°-16′-20′ उत्तर से 33° उत्तर तक

111. (B) सबसे अधिक द्वीपों की संख्या 17508 इण्डोनेशिया में है, जबकि फिलीपींस में

शेष पृष्ठ 158 पर

MAGAZINE KING

एप्टीट्यूड टेस्ट

1. छात्रों में स्वअध्ययन का विकास कैसे विकसित किया जा सकता है ?
(A) स्वअध्ययन के महत्व पर व्याख्यान देना
(B) छात्रों की रुचि के अनुसार पाठ्य सामग्री देना
(C) विद्यालय में स्वअध्ययन हेतु स्थान की व्यवस्था
(D) उपर्युक्त सभी

2. शिक्षक के रूप में आप प्राथमिकता देंगे–
(A) अपने व्यक्तिगत कार्य को
(B) बच्चों को ट्यूशन कक्षाओं के लिए प्रेरित करेंगे
(C) शिक्षण-अधिगम को
(D) विद्यालय स्वच्छता को

3. कक्षा में आपकी दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण है–
(A) व्यवस्थित फर्नीचर
(B) शिक्षक का कथन (बयान)
(C) शिक्षण सामग्री
(D) नवीन शिक्षण विधियाँ

4. शिक्षक के किस गुण की छात्र सर्वाधिक प्रशंसा करते हैं ?
(A) चुस्त और सुन्दरता
(B) मित्रतापूर्ण व्यवहार
(C) हाजिरजवाब
(D) अच्छे आचरण के साथ प्रभावशाली शिक्षण

5. यदि कोई छात्र कक्षा में गलत प्रश्न पूछता है, तो आप क्या करेंगे ?
(A) उस पर ध्यान नहीं देंगे
(B) उसे अधिक गृह कार्य देंगे
(C) उसे इनाम देंगे
(D) उसका कारण जानकर उपचारी विधि अपनाएंगे

6. "शिक्षण के लिए प्रयास करना प्रत्यक्ष रूप से वेतन के समानुपात पर है." उपर्युक्त कथन पर आपकी क्या राय है ?
(A) कथन ठीक है
(B) कथन तर्कसंगत है
(C) कथन पूर्णतः गलत है
(D) अनिश्चित

7. जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए क्या आवश्यक है ?
(A) भाग्यशाली होना
(B) धन
(C) अच्छे घराने में पैदा होना
(D) परिस्थितियों के साथ अच्छा समायोजन

8. आप परीक्षा में कक्ष निरीक्षक का कार्य कर रहे हैं. उसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य का पुत्र भी परीक्षा दे रहा है. यदि वह अनुचित साधन का प्रयोग करता है, तो–
(A) आप उसे नकल नहीं करने के लिए कहेंगे
(B) उसकी अनदेखी करेंगे
(C) प्रधानाचार्य से शिकायत करेंगे
(D) आप उसे अनुचित साधन प्रयोग के अन्तर्गत पंजीकृत करेंगे

9. दूरस्थ शिक्षा के बारे में आपकी क्या राय है ?
(A) यह शिक्षा के प्रचार हेतु अच्छा प्रयास है
(B) विद्यार्थियों के लिए आर्थिक लाभ का स्रोत है
(C) इससे प्रतिदिन विद्यालय नहीं जाना पड़ता है
(D) घर बैठे शिक्षण सामग्री उपलब्ध हो जाती है

10. मैं शिक्षक बनना चाहता हूँ, क्योंकि–
(A) मुझे नौकरी की आवश्यकता है
(B) इस व्यवसाय में अच्छा वेतन है
(C) अन्य व्यवसाय में कम छुट्टियाँ हैं
(D) शिक्षण क्षेत्र में मेरी रुचि है

11. शिक्षक का मुख्य कार्य है–
(A) विद्यार्थियों को पढ़ाना
(B) सीखने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करना
(C) गरीब विद्यार्थियों को उपचारात्मक शिक्षण देना
(D) उपर्युक्त सभी

12. अच्छे कार्य के लिए शिक्षकों का उच्च प्रोत्साहन है–
(A) प्रधानाचार्य द्वारा प्रशंसा
(B) विद्यार्थियों द्वारा प्रशंसा
(C) उच्च वेतन
(D) समाज द्वारा प्रशंसा

13. विद्यालय में अनुशासनहीनता के कारण हैं–
(A) शिक्षा प्रणाली
(B) शिक्षकों में तालमेल का अभाव
(C) शिक्षकों में जिम्मेदारी का अभाव
(D) प्रशासनिक अधिकारियों का स्थानान्तरण

14. आपके अनुसार शिक्षा होनी चाहिए–
(A) बहुमुखी
(B) अन्तर्मुखी
(C) सामाजिक
(D) व्यवसाय के साथ जीवनोपयोगी

15. छात्रों में अनुशासन बनाये रखने के लिए एक शिक्षक की कौनसी भूमिका सराहनीय है ?
(A) प्रशासनिक क्षमता एवं अच्छा आचरण
(B) शिक्षक का व्यक्तित्व
(C) शिक्षक का मानसिक स्तर
(D) शिक्षक का व्यवहार

16. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
(A) शिक्षा हमें पूर्ण सन्तुष्टि व आत्म-बोध प्रदान करती है
(B) शिक्षा समाज में हमारी प्रतिष्ठा बढ़ाती है
(C) शिक्षा समाज के लिए लाभकारी है
(D) उपर्युक्त सभी

17. प्रगतिशील शिक्षा निम्नलिखित में से किस कथन से सम्बन्धित है ?
(A) शिक्षक सूचना और प्राधिकार के प्रवर्तक हैं
(B) ज्ञान प्रत्यक्ष अनुभव और सहयोग से उत्पन्न होता है
(C) अधिगम तथ्यों के एकत्रीकरण और कौशल में प्रवीणता के साथ सीधे मार्ग पर चलता है
(D) परीक्षा मानदण्ड संदर्भित और बाह्य है

18. शिक्षण अभियोग्यता से तात्पर्य है–
(A) शिक्षण कार्य के प्रति समर्पण
(B) शिक्षक बनने की इच्छा रखना
(C) शिक्षक के लिए सभी वांछित योग्यता रखना
(D) छात्रों से अच्छा तालमेल

19. अध्यापक की कार्यक्षमता को बढ़ाया जा सकता है–
(A) पदोन्नति देकर
(B) अध्यापक के कार्यों की सराहना करके
(C) कड़े विद्यालय प्रशासन द्वारा
(D) अच्छा वेतन देकर

20. भारत में शिक्षित बेरोजगारी का प्रमुख कारण है–
(A) उद्देश्यहीन शिक्षा

MAGAZINE KING

(B) सरकार द्वारा रोजगार की सुदृढ़ नीति का न होना
(C) शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता
(D) घटिया स्तर की शिक्षा

21. शिक्षक का नेतृत्व होना चाहिए–
(A) प्रभुत्ववादी
(B) साधारण
(C) लोकतांत्रिक
(D) अधिनायकवादी

22. 'शिक्षा का अधिकार अधिनियम' किस वर्ष लागू हुआ ?
(A) 2010 (B) 2009
(C) 2011 (D) 2012

23. हमें शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए, क्योंकि शिक्षा–
(A) व्यक्ति को विद्वान् बनाती है
(B) व्यक्ति को धनोपार्जन के लिए समर्थ बनाती है
(C) व्यक्ति को स्वावलम्बी बनाती है
(D) उपर्युक्त सभी

24. विद्यालय में खेलों के आयोजन का उद्देश्य होता है–
(A) विद्यार्थियों के समय का सदुपयोग करना
(B) विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के लिए
(C) राष्ट्रीय खेलों के लिए तैयार करना
(D) विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना

25. मैं अपने विद्यार्थियों के प्रति व्यवहार करना पसन्द करूँगा–
(A) पिता के रूप में
(B) मित्र के रूप में
(C) निर्देशक के रूप में
(D) ये सभी

26. एक प्रधानाचार्य अपने अध्यापकों से आशा करता है–
(A) आज्ञापालन की
(B) योग्यता और ज्ञान की
(C) समर्पण एवं निष्ठा की
(D) ये सभी

27. कुछ विद्यार्थी आपकी कक्षा में देर से आते हैं. इस स्थिति में आप क्या करेंगे ?
(A) कक्षा कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं देंगे
(B) अभिभावक को बुलाएंगे
(C) देरी का कारण जानने का प्रयास करेंगे तथा विद्यार्थी की सहायता करने का प्रयास करेंगे
(D) उसे प्राचार्य के पास भेज देंगे

28. एक विद्यार्थी आपकी कक्षा में प्रतिदिन आपसे प्रश्न पूछता है. आप क्या करेंगे ?
(A) उसे प्रश्न पूछने से मना करेंगे
(B) प्रश्न पूछने के लिए उसकी सराहना करेंगे
(C) विद्यालय समय के बाद प्रश्न पूछने के लिए सलाह देंगे
(D) बिना प्रश्न का उत्तर दिए उसे बैठने के लिए कहेंगे

29. अभिभावक अपने बच्चों के लिए अध्यापकों से आशा करते हैं–
(A) निष्पक्ष व्यवहार की
(B) सहानुभूति एवं प्रेमपूर्वक व्यवहार की
(C) (A) और (B) दोनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

30. आधुनिक समय में विद्यार्थियों को आध्यात्मिकता का ज्ञान देना है–
(A) पिछड़ापन
(B) असम्भव कार्य
(C) आवश्यक है
(D) आवश्यक नहीं है

31. विद्यालय के सभी कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिए, क्योंकि इससे–
(A) सीखने का अवसर मिलता है
(B) आत्मविश्वास में वृद्धि होती है
(C) व्यक्तित्व का विकास होता है
(D) उपर्युक्त सभी

32. एक विद्यार्थी आपकी कक्षा में दुर्व्यवहार करता है, आप क्या करेंगे ?
(A) उसे कक्षा में खड़े होने के लिए कहेंगे
(B) उसे कक्षा से बाहर जाने के लिए कहेंगे
(C) चुपचाप अपना कार्य करते रहेंगे
(D) अपने शिक्षण को सहायक सामग्री के साथ रुचिकर बनाएंगे

33. जो आपकी रचनात्मक और वैध आलोचना करता है उसे आपके द्वारा किस प्रकार मानना चाहिए ?
(A) एक मित्र की तरह
(B) एक आलोचक की तरह
(C) एक प्रतिद्वन्द्वी की तरह
(D) जैसे को तैसा के रूप में

34. नैतिक शिक्षा के लिए कौन उत्तरदायी है ?
(A) माता-पिता (B) विद्यालय
(C) समाज (D) ये सभी

35. छोटे बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा में किस प्रकार का बोझ अपेक्षित नहीं है ?
(A) लिखने का
(B) पढ़ने का
(C) गृहकार्य का
(D) विद्यालय जाने का

36. जब आपके बच्चे सफल होते हैं, तो आप कैसा महसूस करते हैं ?
(A) ईर्ष्या (B) स्वसन्तुष्टि
(C) खुशी (D) दोषी

37. शिक्षण का पहला और मुख्य उद्देश्य है–
(A) शिक्षार्थियों के वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान हेतु कौशलों का विकास करना
(B) केवल ज्ञान प्रदान करना
(C) कक्षा में व्याख्यान देना
(D) शिक्षार्थियों से व्यक्तिगत सम्बन्ध रखना

38. विद्यालयों में अनुशासनहीनता के लिए उत्तरदायी कारक है–
(A) दोषपूर्ण शिक्षण विधियाँ
(B) अध्यापकों में नेतृत्व की कमी
(C) मूल्यों की कमी
(D) उपर्युक्त सभी

39. यदि आप प्रधानाचार्य हैं और विद्यालय में कोई शिक्षक समय पर नहीं आता है, तो आप क्या करेंगे ?
(A) उसको सबके सामने डाँटेंगे
(B) उसको कार्यक्रम के बाद मिलने को कहेंगे
(C) उसके उत्तरदायित्व को बताएंगे
(D) रिपोर्ट उच्च अधिकारियों से करेंगे

40. व्याख्यान अधिक प्रभावशाली तरीके से दिया जाएगा, अगर शिक्षक–
(A) तैयार किए हुए नोट्स को पढ़ता है
(B) पहले से अच्छे नोट्स की तैयारी करता है
(C) विद्यार्थियों को चर्चा व विमर्श में व्यस्त रखता है
(D) प्रभावशाली तरीके से विद्यार्थियों को शिक्षण-अधिगम में व्यस्त रखता है

41. निम्नलिखित में से क्या शिक्षक के लिए महत्वपूर्ण है ?
(A) कक्षा अनुशासन
(B) शिक्षण के लिए विषयवस्तु
(C) पढ़ने के लिए विद्यार्थियों की तत्परता
(D) शिक्षण का समय विभाग चक्र

42. आत्मानुभूति शिक्षक को बचाने में सहायता करती है–
(A) पक्षपात से (B) रूढ़िवादिता से
(C) अपशब्दों से (D) ये सभी

43. एक शिक्षक का उद्देश्य होना चाहिए–
(A) परीक्षा दबाव के लिए विद्यार्थी की सहायता करना
(B) अध्ययन में विद्यार्थी की सहायता करना
(C) विद्यार्थी को एक अच्छा नागरिक बनने के लिए सहायता करना
(D) उपर्युक्त सभी

MAGAZINE KING

44. सीखने में बड़ा बाधक है–
(A) फेल होने का डर
(B) आलोचना का डर
(C) मूर्खतापूर्ण जवाब का डर
(D) ये सभी

45. कक्षा सम्प्रेषण होना चाहिए–
(A) शिक्षक केन्द्रित
(B) छात्र केन्द्रित
(C) सामान्य केन्द्रित
(D) पाठ्य-पुस्तक केन्द्रित

46. आप एक शिक्षक बनना चाहते हैं–
(A) इसमें कम उत्तरदायित्व है
(B) यह एक समर्पित व्यवसाय है
(C) इसमें छुट्टियाँ अधिक हैं
(D) यह एक पारिवारिक व्यवसाय है

47. शिक्षण एक प्रक्रिया के रूप में सम्मिलित करता है–
(A) विद्यार्थी, शिक्षक एवं विद्यालय
(B) विद्यार्थी, शिक्षक एवं प्रधानाचार्य
(C) विद्यार्थी, शिक्षक एवं पाठ्यक्रम
(D) विद्यार्थी, शिक्षक एवं समाज

48. विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी शिक्षण की जिस विधि से सम्भव है, वह है–
(A) व्याख्यान विधि
(B) वाद-विवाद विधि
(C) पाठ्य-पुस्तक विधि
(D) कहानी-कथन विधि

49. आप शिक्षण कार्य निम्नलिखित में से कहाँ करना पसन्द करेंगे ?
(A) अपने गाँव या कस्बे में
(B) अपने क्षेत्र में
(C) अपने प्रान्त में
(D) देश के किसी भी स्थान में

50. सर्वोत्तम शैक्षिक कार्यक्रम वह है, जो–
(A) बालक की आवश्यकतानुसार बनाया गया हो
(B) बालक की योग्यतानुसार बनाया गया हो
(C) बालक की रुचि के अनुसार बनाया गया हो
(D) उपर्युक्त सभी

उत्तरमाला

1. (D)	2. (C)	3. (D)	4. (D)
5. (D)	6. (C)	7. (D)	8. (D)
9. (D)	10. (D)	11. (D)	12. (B)
13. (A)	14. (D)	15. (A)	16. (D)
17. (B)	18. (C)	19. (B)	20. (A)
21. (C)	22. (A)	23. (D)	24. (D)
25. (D)	26. (D)	27. (C)	28. (B)
29. (C)	30. (C)	31. (D)	32. (D)
33. (A)	34. (D)	35. (C)	36. (B)
37. (A)	38. (D)	39. (B)	40. (D)
41. (C)	42. (D)	43. (D)	44. (D)
45. (B)	46. (B)	47. (C)	48. (B)
49. (D)	50. (D)		

●●●

शेष पृष्ठ 89 का

कुछ प्रमुख वादों का उल्लेख किया जा रहा है जिसके अनुसार संविधान के कुछ आधारभूत तत्वों की पहचान की गई–

1. "केशवानंद भारती *बनाम* केरल राज्य मामले" (1973) में न्यायमूर्ति 'सीकरी', न्यायमूर्ति हेगड़े तथा न्यायमूर्ति 'मुखर्जी' द्वारा निम्नलिखित तत्वों को संविधान का आधारभूत ढाँचा माना गया–(i) संविधान की सर्वोच्चता (ii) संविधान की संघात्मक (संघवादी) प्रकृति (iii) शक्तियों का पृथक्करण (iv) संविधान की धर्म (पंथ) निरपेक्ष प्रकृति (v) लोकतांत्रिक और गणतांत्रिक सरकार का स्वरूप (vi) देश की संप्रभुता और एकता (vii) कल्याणकारी शासन प्रणाली तथा (viii) व्यक्ति की स्वतन्त्रता.

2. "इंदिरा गांधी *बनाम* राजनारायण वाद" (1975) में 39वें संविधान संशोधन का न्यायिक पुनरावलोकन किया गया, इस वाद में निम्नलिखित तत्वों को संविधान का आधारभूत ढाँचा माना–(i) संप्रभु लोकतांत्रिक गणतंत्र (ii) निष्पक्ष चुनाव प्रणाली (iii) विधि का शासन तथा (iv) प्रस्थिति एवं अवसर की समानता.

3. "मिनर्वा मिल्स *बनाम* भारत संघ' (1980) मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निम्नलिखित तत्वों को संविधान का आधारभूत ढाँचा माना–(i) मूल अधिकार एवं नीति-निदेशक तत्वों से संतुलन तथा (ii) न्यायिक पुनर्विलोकन.

4. इसी क्रम में आगे एस. पी. गुप्ता और अन्य *बनाम* राष्ट्रपति (1982) में 'सर्वोच्च न्यायालय की अधिकारिता," 'एस-आर. बोम्मई *बनाम* भारत संघ (1994) में 'धर्मनिरपेक्षता' व 'संघवाद', 'एल. चन्द्रकुमार *बनाम* भारत संघ' (1997) में 'न्यायिक पुनर्विलोकन' तथा 'पी.वी. नरसिहराव *बनाम* भारत संघ' (1993) में 'संसदीय लोकतंत्र' को संविधान का आधारभूत ढाँचा माना गया.

5. इसके अतिरिक्त न्यायपालिका के विभिन्न निर्णयों के अन्तर्गत निम्नलिखित तत्वों को संविधान के आधारभूत ढाँचे में शामिल किया गया है–(i) स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव, (ii) न्यायपालिका की स्वतन्त्रता, (iii) संविधान की सर्वोच्चता, (iv) भाग-3 में वर्णित मूलाधिकारों के विशिष्ट भाग तथा (v) भाग-4 (राज्य के नीति निदेशक तत्व) में वर्णित सामाजिक आर्थिक न्याय के सिद्धान्त.

●●●

शेष पृष्ठ 97 का

डॉ. राममनोहर लोहिया, अटल बिहारी वाजपेयी और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जैसी हस्तियों का समर्थन मिलता रहा है. हालांकि परतन्त्र भारत में नदियों को जोड़ने की पहली पहल ऑर्थर कॉटन ने बीसवीं शताब्दी के पहले दशक में की थी, लेकिन इस माध्यम से फिरंगी हुकूमत का मकसद देश में गुलामी के शिकंजे को और मजबूत करने के साथ, बहुमूल्य प्राकृतिक सम्पदा का दोहन भी था, क्योंकि उस समय भारत में सड़कों और रेलमार्गों की संरचना प्रारम्भिक चरण में थी, इसलिए अंग्रेज नदियों को जोड़कर जल-मार्ग विकसित करना चाहते थे. हालांकि आजादी के बाद 1971-72 में तत्कालीन केन्द्रीय जल एवं ऊर्जा मंत्री तथा अभियन्ता डॉ. कनूरी लक्ष्मण राव ने गंगा-कावेरी को जोड़ने का प्रस्ताव भी बनाया था. राव खुद जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री और इन्दिरा गांधी की सरकारों में जल संसाधन मंत्री भी रहे थे, लेकिन जिन सरकारों में राव मंत्री रहे, उन सरकारों ने इस महत्वाकांक्षी प्रस्ताव को कभी गम्भीरता से नहीं लिया, क्योंकि ये प्रधानमंत्री जानते थे कि नदियों को जोड़ना आसान तो है ही नहीं. यदि यह परियोजना अमल में लाई जाती है, तो नदियों की अविरलता खत्म होने की आशंका भी इन दूरदृष्टाओं को थी.

करीब 13500 किमी लम्बी ये नदियाँ भारत के सम्पूर्ण मैदानी क्षेत्रों में अठखेलियाँ करती हुई मनुष्य और जीव-जगत् के लिए प्रकृति का अनूठा और बहुमूल्य वरदान बनी हुई हैं. 2528 लाख हेक्टेयर भू-खण्डों और वन प्रान्तों में प्रवाहित इन नदियों में, प्रति व्यक्ति 690 घनमीटर जल है. कृषि योग्य कुल 1411 लाख हेक्टेयर भूमि में से 546 लाख हेक्टेयर भूमि इन्हीं नदियों की बदौलत प्रति वर्ष सिंचित की जाकर फसलों को लहलहाती है. यदि नदियाँ जोड़ अभियान के तहत् केन-बेतवा नदियाँ जुड़ जाती हैं, तो इनकी अविरल बहने वाली धारा टूट सकती है. उत्तराखण्ड में बादल फटने और भूस्खलन की आपदाएं बढ गई हैं. अतः नदियों को जोड़ने से पहले टिहरी बाँध के गंगा पर पड रहे प्रभाव और उत्तराखण्ड में बढ़ रही प्राकृतिक आपदाओं का भी आकलन करना जरूरी है. साथ ही, बुन्देलखण्ड में जो 4000 तालाब हैं, उन्हें और उनमें मिलने वाली जलधाराओं को सँवारा जाए. इस काम में धन भी कम खर्च होगा और एक-एक कर तालाबों को सँवारने में समय भी कम लगेगा. इनके सँवरते ही पेयजल और सिंचाई की सुविधाएँ भी तत्काल बुन्देलखण्डवासियों को मिलने लग जाएंगे, क्योंकि ज्यादातर तालाब नहरों से पहले ही जुड़े हुए हैं. हालांकि किसी काल्पनिक डर के चलते किसी महत्वाकांक्षी परियोजना को रोकने की बजाय उसे अमल में लाने की जरूरत है, क्योंकि आशंकाएं तो हर नए प्रयोग के साथ स्वाभाविक रूप से जुड़ जाती हैं.

●●●

MAGAZINE KING

समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. केन्द्र सरकार द्वारा सितम्बर 2019 में नई स्थापित होने वाली कम्पनियों पर निगम कर की दर घटाकर 15 प्रतिशत किए जाने की घोषणा की थी. निम्न में से किस क्षेत्र की कम्पनी यह सुविधा नहीं ले सकती ?
   I. सॉफ्टवेयर विकास
   II. पुस्तक प्रकाशन
   III. खनन
   IV. मार्बल ब्लॉकों का रूपान्तरण
   V. गैस को सिलिण्डरों में भरना
   (A) केवल I, II एवं III
   (B) केवल II, III एवं IV
   (C) केवल III, IV एवं V
   (D) I, II, III, IV एवं V सभी

2. निम्न में से किस चर्चित भारतीय कैफे शृंखला द्वारा ग्राहकों के चेहरे को संग्रहित करने के लिए 'फेसियल रिकोग्नीशन टेक्नोलॉजी का उपयोग किए जाने को निजता का उल्लंघन, मिस आइडेन्टीफिकेशन तथा व्यक्तियों की प्रोफाइल बनाकर उसका दुरुपयोग किए जाने की आशंका व्यक्त की गयी है ?
   (A) चायोस (Chaayos)
   (B) कॉफी कैफे डे
   (C) बरिस्टा कैफे एण्ड रेस्टोरेन्ट
   (D) कोस्टा कॉफी

3. कन्सल्टेन्सी फर्म डलबर्ग (Dalberg) द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार 'आधार' के बारे में निम्न में से कौनसा कथन गलत है ?
   (A) भारत में मात्र 8 प्रतिशत (लगभग 102 मिलियन) लोगों के पास आधार कार्ड नहीं है. इनमें से 75 मिलियन बच्चे हैं
   (B) असम के 90 प्रतिशत तथा मेघालय के 61 प्रतिशत निवासियों के पास आधार नहीं है
   (C) मात्र 50 प्रतिशत लोगों का मानना है कि आधार के कारण सार्वजनिक वितरण प्रणाली मनरेगा तथा सामाजिक पेंशन योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक विश्वसनीय है
   (D) 33 प्रतिशत आधार कार्डधारकों का कहना है कि आधार को अद्यतन करने की प्रक्रिया अत्यधिक जटिल है

4. विश्व बैंक द्वारा जारी 'कारोबारी सुगमता रिपोर्ट 2020' में भारत ने कारोबारी सुगमता सूचकांक में 63वीं रैंक हासिल की है. इस अच्छी उपलब्धि के बावजूद निम्न में से किस सह-सूचकांक में भारत की उपलब्धि निराशाजनक रही है ?
   I. अनुबन्धों को लागू कराना
   II. सम्पत्ति का पंजीयन कराना
   III. अल्पांश शेयरधारकों के हितों का संरक्षण
   (A) केवल I
   (B) केवल I एवं II
   (C) I, II एव III
   (D) केवल II एवं III

5. स्क्रैप री-साइक्लिंग पॉलिसी 2019 निम्न में से किस मन्त्रालय/विभाग द्वारा जारी की गयी ?
   (A) सड़क एवं राजमार्ग मन्त्रालय
   (B) इस्पात मन्त्रालय
   (C) भारी उद्योग विभाग
   (D) सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मन्त्रालय

6. कोषागार बिलों के बारे में निम्न कथनों पर विचार कीजिए–
   I. कोषागार बिल एक वर्ष से कम अवधि की परिपक्वता वाले सरकार बॉण्ड या ऋण प्रतिभूतियाँ हैं
   II. प्राप्तियों एवं व्यय में अल्पकालीन असन्तुलन की समस्या से निपटने के लिए कोषागार बिलों को जारी किया जाता है.
   (A) केवल I सही है
   (B) केवल II सही है
   (C) I एवं II दोनों सही हैं
   (D) न तो I सही है और न ही II सही है

7. LEADS इण्डेक्स 2019 के बारे में निम्न में से कौनसा कथन सत्य नहीं है ?
   (A) यह लॉजिस्टिक ईज एक्रॉस डिफरेन्ट स्टेट्स इण्डेक्स है
   (B) इसे सड़क एवं राजमार्ग मन्त्रालय द्वारा तैयार एवं निर्गत किया गया है
   (C) गुजरात का इस इण्डेक्स में पहला स्थान है. इसके बाद पंजाब तथा आन्ध्र प्रदेश का स्थान है
   (D) अधोरचना उपलब्धता, सेवाओं की गुणवत्ता, डिलीवरी समय, कन्साइनमेंट की ट्रेकिंग इस इण्डेक्स के कतिपय प्राचल हैं

8. 10 वर्षीय स्वच्छता योजना भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ की गयी है. इसका फोकस निम्न में से किस पर है ?
   (A) ठोस एवं तरल कचरा प्रबन्धन
   (B) सार्वजनिक स्थलों में साफ-सफाई
   (C) पर्यावरणीय स्वच्छता
   (D) देश को 100% खुले में शौच से मुक्त कराना

9. ब्रिक्स (BRICS) देशों के ग्यारहवें शिखर सम्मेलन 2019 की थीम निम्न में से कौनसी थी ?
   (A) धारणीय भविष्य के साथ संवृद्धि
   (B) एक नवोन्मेषी भविष्य हेतु आर्थिक संवृद्धि
   (C) समतामूलक विकास
   (D) संवृद्धि, समता एवं समावेशिता

10. भारत ने निम्न में से किस कारण से रीजनल कम्प्रिहेन्सिव इकनॉमिक पार्टनरशिप (RCEP) में शामिल होने से मना कर दिया ?
   I. RCEP के सदस्य देशों से भारत में बड़े पैमाने पर आयात होने पर घरेलू उद्योगों तथा कृषि क्षेत्र से जुड़ी चिन्ताओं का समाधान न हो पाना
   II. RCEP समझौते का वर्तमान प्रारूप RCEP की बुनियादी भावना तथा सर्वसम्मति पर पहुँचे मार्गदर्शी सिद्धान्तों को पूरी तरह से परिलक्षित नहीं करता.
   III. RCEP देशों के साथ भारत का बड़े पैमाने का व्यापार घाटा.
   IV. घरेलू उद्योगों तथा डेयरी उद्योग द्वारा इस समझौते का प्रबल विरोध.
   (A) केवल I
   (B) केवल I एवं II
   (C) केवल II, III एवं IV
   (D) I, II, III एवं IV

11. सबका विश्वास-लीगेसी डिस्प्यूट समाधान योजना, 2019 के बारे में निम्न में से कौनसा कथन सत्य है ?
   I. यह वस्तु एवं सेवा कर में शामिल किए जा चुके लीगेसी करों–सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क से जुड़े विवादों के समाधान से सम्बन्धित है.
   II. विवाद समाधान एवं क्षमादान इस योजना के दो प्रमुख घटक हैं.
   (A) केवल I सही है
   (B) केवल II सही है

MAGAZINE KING

(C) I तथा II दोनों सही हैं
(D) न तो I सही है और न ही II सही है

12. 'उत्सर्जन कारोबार योजना' '(Emission Trading Scheme) प्रारम्भ करने वाला भारत का पहला राज्य कौनसा है ?
(A) गुजरात (B) प. बंगाल
(C) हरियाणा (D) तमिलनाडु

13. ऐसी आशंका है कि भारत में पायी जाने वाली पशुओं की निम्न प्रजातियों के विलुप्तप्राय होने का संकट उत्पन्न हो गया है–
I. भारतीय चीता
II. गुलाबी सिर वाली बत्तख
III. ग्रेट इण्डियन डेजर्ट
(A) केवल I एवं II
(B) केवल II एवं III
(C) I, II, III सभी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

14. ट्रांसपेरेन्सी इण्टरनेशनल इण्डिया एवं लोकल सर्किल्स द्वारा कराए गए एक सर्वेक्षण के निष्कर्षों में निम्न में से कौनसा सही है ?
(A) देश के 20 राज्यों में 2018 की तुलना में 2019 में भ्रष्टाचार में 10 प्रतिशत की कमी आयी है
(B) देश के 20 राज्यों में 2018 की तुलना में 2019 में भ्रष्टाचार में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है
(C) दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, प. बंगाल, केरल, गोवा तथा ओडिशा में रिश्वत देकर काम कराने की प्रवृत्ति में वृद्धि हुई है
(D) राजस्थान, उत्तर प्रदेश तथा बिहार देश के सर्वाधिक भ्रष्ट राज्य हैं

15. प्रोजेक्ट 'REPLAN' का सम्बन्ध निम्न में से किससे है ?
(A) दिव्यांगजनों के पुनर्वास से
(B) प्रकृति में प्लास्टिक की मात्रा करने से
(C) कक्षा I से V तक के बच्चों के बस्तों का बोझ कम करने से
(D) शहरों के पुनर्विकास से

16. 1 नवम्बर, 2019 की स्थिति के अनुसार भारत के कितने राज्यों में द्वि-सदनात्मक वाली विधायिका है ?
(A) 6 (B) 7
(C) 8 (D) 9

17. गुट निरपेक्ष आन्दोलन (NAM) का 18वाँ शिखर सम्मेलन 25-26 अक्टूबर, 2019 को कहाँ आयोजित किया गया ?
(A) नई दिल्ली (भारत)
(B) पोरेलाभार (वेनेजुएला)
(C) बाकू (अजरबेजान)
(D) तेहरान (ईरान)

18. निम्न में से कौनसा समूह के बाहर का है ?
(A) RCEP का तीसरा शिखर सम्मेलन, 2019
(B) आसियान (ASEAN) का 35वाँ शिखर सम्मेलन, 2019
(C) गुट निरपेक्ष आन्दोलन का 18वाँ शिखर सम्मेलन, 2019
(D) 14वाँ पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन, 2019

19. निम्न में से किस ट्रेन के विलम्ब से चलने पर उसके यात्रियों को क्षतिपूरक भुगतान किया जाता है ?
(A) सभी राजधानी एक्सप्रेस ट्रेनें
(B) गतिमान एक्सप्रेस
(C) लखनऊ-दिल्ली के बीच चलने वाली तेजस एक्सप्रेस ट्रेन
(D) सभी तेजस एक्सप्रेस ट्रेन

20. विधि एवं न्याय मन्त्रालय ने 22 अक्टूबर, 2019 को एक आदेश जारी करके वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को 'अनुपस्थित मतदाता सूची' (Absentee Voter List) में रख दिया है. निर्वाचन सम्पन्न कराने के विनियमों, 1961 में किए गए इस संशोधन का क्या परिणाम होगा ?
(A) 80 वर्ष से अधिक आयु वाले वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजनों के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए जाएंगे
(B) 80 वर्ष से अधिक आयु वाले वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजन अब मतदान नहीं कर सकेंगे.
(C) 80 वर्ष से अधिक आयु वाले वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजन पोस्ट बैलेट के द्वारा मतदान कर सकेंगे
(D) 80 वर्ष से अधिक आयु वाले वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों के मतपत्र अधिकृत मतदानकर्मियों द्वारा स्वयं संकलित किए जाएंगे.

21. केन्द्र सरकार द्वारा जारी एक हालिया अधिसूचना के अनुसार सूचना आयुक्तों का कार्यकाल–
(A) पाँच वर्ष से घटाकर चार वर्ष कर दिया गया है
(B) पाँच वर्ष से घटाकर तीन वर्ष कर दिया गया है
(C) पाँच वर्ष से बढ़ाकर छह वर्ष कर दिया गया है
(D) पाँच वर्ष से घटाकर दो वर्ष कर दिया गया है

22. सुमन (SUMAN) योजना के बारे में निम्न में से कौनसा कथन सत्य है ?
I. यह सुरक्षित मातृत्व आश्वासन योजना है.
II. इसका लक्ष्य गर्भावस्था, प्रसव एवं प्रसव पश्चात् अवधि में होने वाली महिलाओं एवं नवजात शिशुओं की मौतों को शून्य स्तर पर लाना है.
III. सरकार सभी गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं को प्रसव के 6 माह तक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कराएगी.
IV. गर्भावस्था एवं प्रसव के दौरान सभी जाँचों और जटिलताओं की प्रबन्धन की शून्य लागत पर व्यवस्था.
(A) केवल I
(B) केवल I एवं II
(C) केवल II, III एवं IV
(D) I, II, III एवं IV

23. वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम द्वारा ग्लोबल कम्पेटीटिवनेस इण्डेक्स 4·0, 2019 जारी किया गया है. इसमें 4·0 निम्न में से किसे इंगित करता है ?
(A) उद्योग 4·0 (चौथी औद्योगिक क्रांति)
(B) सेवाएं 4·0 (चौथी सेवाएं क्रांति)
(C) कृषि 4·0 (चौथी कृषि क्रांति)
(D) आईटी 4·0 (चौथी सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति)

24. केन्द्रीय कैबिनेट ने निम्न में किस अधिनियम का निरसन करके एक नई औद्योगिक सम्बन्ध संहिता, 2019 कानून बनाने सम्बन्धी विधेयक को अनुमोदन प्रदान किया है ?
I. दी ट्रेड यूनियन अधिनियम, 1926
II. औद्योगिक रोजगार (स्थायी आदेश) अधिनियम, 1946
III. औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947
(A) केवल III
(B) केवल I एवं III
(C) I, II एवं III सभी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

25. भारत सरकार ने 23 अक्टूबर, 2019 को किस केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रम को महारत्न कम्पनी का दर्जा प्रदान किया है ?
I. हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि.
II. पॉवरग्रिड कॉर्पोरेशन लि.
III. आईआरसीटीसी लि.
IV. भारतीय जहाजरानी निगम लि.

MAGAZINE KING

(A) केवल I एवं II
(B) केवल I
(C) केवल I, II एवं III
(D) I, II, III एवं IV

उत्तर व्याख्या सहित

1. (D) सितम्बर 2019 में जारी अध्यादेश को प्रतिस्थापित करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा 25 नवम्बर, 2019 को लोक सभा में पेश करारोपण कानून (संशोधन) विधेयक, 2019 में दी गई गतिविधियों को 15 प्रतिशत के करारोपण के दायरे से बाहर कर दिया है.

2. (A) चर्चित चायोस कैफे ने फेसियल रिकोग्नीशन टेक्नोलॉजी को प्रयुक्त करते हुए अपने ग्राहकों के चेहरों को कैमरों की सहायता से संग्रहित करने की एक योजना प्रारम्भ की है. कम्पनी का दावा है इसका प्रयोग ग्राहकों को शीघ्रता से बेहतर सेवा देने के लिए किया जा रहा है, लेकिन अनेक ग्राहकों ने सोशल मीडिया पर इस व्यवस्था की कड़ी आलोचना की है इससे उनके निजता के अधिकार का उल्लंघन होता है.

3. (C) कन्सलटेन्सी फर्म डलबर्ग द्वारा 'स्टेट ऑफ आधार' शीर्षक से प्रकाशित रिपोर्ट 2019, जो मई और सितम्बर 2019 के बीच किए गए राष्ट्रीय हाउस होल्ड सर्वेक्षण के आँकड़ों पर आधारित है, के अनुसार 80% आधार कार्डधारकों ने स्वीकार किया है कि आधार के कारण सार्वजनिक वितरण प्रणाली, मनरेगा तथा सामाजिक पेंशन योजना जैसे कार्यक्रमों का क्रियान्वयन अब अधिक विश्वसनीय है.

4. (B) अनुबन्धों को लागू कराने के मामले में 190 देशों में भारत 163वें स्थान पर तथा सम्पत्ति का पंजीयन कराने के मामले में भारत का स्थान 154वाँ रहा है, जबकि अल्पांश शेयरधारकों के हितों के संरक्षण में भारत की रैंक 12वीं है.

5. (B) भारत सरकार के इस्पात मन्त्रालय द्वारा 8 नवम्बर, 2019 को स्क्रैप री-साइक्लिंग पॉलिसी 2019 जारी की गई, जो इस्पात क्षेत्रक में चक्राकार अर्थव्यवस्था प्रोन्नयन को लक्षित है. इसके अन्तर्गत पुनर्चक्रण योग अपना जीवनकाल पूरा कर चुके उत्पादों–मशीनों, वाहनों, संयत्रों की कटाई करके उनके स्क्रैप का पुनर्चक्रण करके नया उत्पाद तैयार करने पर बल दिया गया है.

6. (C) कोषागार बिल मुद्रा बाजार के प्रमुख उपकरण हैं, जो 91 दिवसीय, 182 दिवसीय तथा 364 दिवसीय हैं. वस्तुतः ये जीरो कूपन सिक्योरिटीज हैं जिन पर कोई ब्याज नहीं दिया जाता. इन्हें डिस्काउण्ट पर निर्गत किया जाता है तथा परिपक्वता तिथि को फेस वैल्यू पर इनका भुगतान किया जाता है.

7. (B) LEADS इण्डेक्स भारत सरकार के वाणिज्य विभाग द्वारा परामर्शदात्री फर्म डेलोइट के साथ मिलकर तैयार किया गया है.

8. (A) भारत सरकार के जल शक्ति मन्त्रालय द्वारा 10 वर्षीय ग्रामीण स्वच्छता स्ट्रैटजी (ODF प्लस) ठोस एवं तरल कचरा प्रबन्धन तक सुगम पहुँच पर फोकस करते हुए एक परिपत्र जारी किया गया, जो 2019 से 2029 तक की अवधि के लिए है.

9. (B) ब्रिक्स–ब्राजील, रूस, भारत, चीन एवं दक्षिण अफ्रीका की सदस्यता वाला एक समूह है जिसका ग्यारहवाँ शिखर सम्मेलन ब्राजील के ब्राजीलिया शहर में 13–14 नवम्बर, 2019 को 'Economic Growth For an Innovative Future' थीम के साथ सम्पन्न हुआ.

10. (D) RCEP 10 सदस्यीय ASEAN एवं पाँच अन्य देशों–आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, चीन, जापान तथा दक्षिणी कोरिया के बीच एक व्यापार समझौता है. प्रारम्भिक स्तर पर भारत भी इसकी वार्ताओं में हिस्सेदार रहा है, लेकिन चीन से बड़े पैमाने पर विनिर्मित वस्तुओं तथा न्यूजीलैण्ड से डेयरी उत्पादों के आयात की आशंका के चलते भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस समूह में शामिल होने से मना कर दिया.

11. (C)

12. (A) गुजरात भारत का ऐसा पहला राज्य है, जहाँ की सरकार द्वारा देश में सर्वप्रथम इमीशन ट्रेडिंग योजना प्रारम्भ की है. कणिकाओं (PM_{10} तथा $PM_{2.5}$) के उत्सर्जन में बाजारी कारोबार की विश्व की पहली योजना है, जिसे गुजरात राज्य के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में से एक सूरत में लाँच किया गया है.

13. (C) संयुक्त राष्ट्र संघ के मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय के कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज की चौदहवीं बैठक में अनुसंधान-कर्ताओं द्वारा आशंका जताई गई है कि भारत में बढ़ते मरुस्थलीकरण के कारण भारतीय चीता, गुलाबी सिर वाली बत्तख तथा ग्रेट इण्डियन बस्टर्ड विलुप्त- प्राय प्रजातियाँ हैं.

14. (A) ट्रांसपेरेन्सी इण्टरनेशनल इण्डिया एवं लोकल सर्किल्स द्वारा कराए गए सर्वेक्षण 2019 में देश के 20 राज्यों में भ्रष्टाचार में 10% की कमी आने; हरियाणा, दिल्ली, गुजरात, प. बंगाल, केरल, गोवा तथा ओडिशा में 2018 के सापेक्ष 2019 भ्रष्टाचार के स्तर में कमी आने तथा राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, झारखण्ड एवं पंजाब में रिश्वत देने की घटनाओं में वृद्धि हो जाने की बात कही गयी है.

15. (B) प्रधानमंत्री द्वारा प्रारम्भ किए गए 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अन्तर्गत खादी इण्डिया द्वारा प्रारम्भ की गयी REPLAN–**RE**ducing **PLA**stic in **N**ature एक अभिनव पहल है. जिसके अन्तर्गत फेंके गए प्लास्टिक तथा कागज की लुगदी से (80 : 20 के अनुपात में) कैरी विनिर्मित किए जा रहे हैं.

16. (A) 31 अक्टूबर, 2019 को जम्मू-कश्मीर राज्य का विघटन करके जम्मू-कश्मीर केन्द्रशासित क्षेत्र तथा लद्दाख केन्द्र-शासित क्षेत्र बना दिए गए हैं. इस प्रकार जम्मू-कश्मीर राज्य में विधान परिषद का अस्तित्व समाप्त हो गया है. जम्मू-कश्मीर केन्द्रशासित क्षेत्र में केवल विधान सभा होगी. इस प्रकार 1 नवम्बर, 2019 की स्थिति के अनुसार केवल आंध्र प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना एवं उत्तर प्रदेश राज्यों में द्वि-सदनात्मक (विधान सभा एवं विधान परिषद) वाली विधायिकाएँ हैं.

17. (C) 120 राष्ट्रों की सदस्यता वाले गुट निरपेक्ष आन्दोलन का 18वाँ शिखर सम्मेलन बाकू (अजरबैजान) में 25-26 अक्टूबर, 2019 को आयोजित किया गया. इस सम्मेलन की थीम "समकालीन विश्व की चुनौतियों का यथोचित एवं समवेत अनुक्रिया सुनिश्चित करने के लिए बाण्डुंग सिद्धान्तों का पालन करना" थी. इस शिखर सम्मेलन में भारत का नेतृत्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू द्वारा किया गया.

18. (C) गुट निरपेक्ष आन्दोलन का 18वाँ शिखर सम्मेलन 25-26 अक्टूबर, 2019 को बाकू (अजरबैजान) में सम्पन्न हुआ, जबकि अन्य तीनों शिखर सम्मेलन 31 अक्टूबर, 2019 से 4 नवम्बर, 2019 के बीच बैंकॉक (थाइलैण्ड) में आयोजित हुए.

19. (C) लखनऊ-दिल्ली के बीच चल रही तेजस एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन आईआरसीटीसी द्वारा किया जा रहा है. देश की पहली कॉर्पोरेट ट्रेन के एक घण्टा विलम्ब से चलने पर प्रत्येक यात्री को ₹ 100 तथा दो घण्टे से अधिक विलम्ब से चलने पर ₹ 250 का क्षतिपूरक भुगतान किया जाता है.

20. (C) अनुपस्थित मतदाता उसे माना जाता है जिसका नाम मतदाता सूची में तो होता है, लेकिन जो किन्हीं कारणों से मतदान केन्द्र पर जाकर मतदान नहीं कर पाता है. ऐसे मतदाताओं को पोस्टल बैलेट से मतदान करने की सुविधा दी जाती है. उदाहरणार्थ सैन्य बलों एवं अर्द्ध सैन्य बलों तथा चुनाव ड्यूटी में लगे सरकारी कर्मी. अब इस संवर्ग में 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों तथा दिव्यागजनों (Disabled Persons) के नाम भी शामिल कर लिए गए हैं.

21. (B) सूचना पाने का अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2019 से सरकार को सूचना आयुक्तों की सेवा शर्तों में परिवर्तन करने की शक्ति प्राप्त हो गयी है. इसी को प्रयुक्त करते हुए सूचना आयुक्तों का कार्यकाल पाँच वर्ष से घटाकर तीन वर्ष कर दिया गया है.

शेष पृष्ठ 164 पर

MAGAZINE KING

आगामी बैंक पी.ओ., एम.बी.ए. आदि परीक्षाओं के लिए विशेष हल प्रश्न

उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

1. आरसीईपी (रीजनल कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप) क्या है ?
   (A) आर्थिक सहयोग संवर्द्धन हेतु अफ्रीकी देशों का एक नया क्षेत्रीय संगठन
   (B) आर्थिक सहयोग संवर्द्धन हेतु पूर्वी यूरोपीय देशों का एक नया क्षेत्रीय संगठन
   (C) आसियान देशों का एक उपसमूह
   (D) स्वतन्त्र व्यापार हेतु चुनींदा राष्ट्रों के साथ आसियान का प्रस्तावित गठबन्धन

2. क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (RCEP) के लिए सम्बन्धित देशों की तीसरी शिखर बैठक नवम्बर 2019 में किस शहर में हुई ?
   (A) नई दिल्ली
   (B) ब्रूसेल्स
   (C) बैंकॉक
   (D) जोहान्सबर्ग

3. विभिन्न व्यापारिक कठिनाइयों के चलते भारत ने 'आरसीईपी' में शामिल होने से इनकार किया है. इससे इस समूह में सदस्यों की प्रस्तावित संख्या कितनी रह जाएगी ?
   (A) 11 (B) 15
   (C) 19 (D) 24

4. भारत निम्नलिखित में से किस समूह/संगठन का सदस्य नहीं है ?
   (A) आसियान (ASEAN)
   (B) ब्रिक्स (BRICS)
   (C) बिम्सटेक (BIMSTEC)
   (D) शंघाई सहयोग संगठन (SCO)

5. निम्नलिखित में से कौन वर्तमान में नीति आयोग के उपाध्यक्ष हैं ?
   (A) राजीव कुमार
   (B) अमिताभ कान्त
   (C) प्रो. रमेश चन्द
   (D) राजीव गॉबा

6. वित्त आयोग का गठन संविधान के किस अनुच्छेद के तहत् किया जाता है ?
   (A) अनुच्छेद 56
   (B) अनुच्छेद 170
   (C) अनुच्छेद 230
   (D) अनुच्छेद 280

7. निम्नलिखित में से कौन 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष हैं ?
   (A) एन.के. सिंह
   (B) विजय केलकर
   (C) बी.एन. श्रीकृष्णा
   (D) राजीव कुमार

8. जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNFCCC) कॉप-25 का आयोजन दिसम्बर 2019 में किस शहर में हुआ है ?
   (A) ब्राजीलिया (ब्राजील)
   (B) सांटियागो (चिली)
   (C) मैड्रिड (स्पेन)
   (D) नई दिल्ली (भारत)

9. भारत में किन शिल्पियों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री के प्रोत्साहन के लिए 'आदि महोत्सव' आयोजित किए जा रहे हैं ?
   (A) महिलाओं के स्वयं सहायता समूह
   (B) पूर्वोत्तर राज्य
   (C) पर्वतीय राज्य
   (D) जनजातीय समुदाय

10. निम्नलिखित में से किस दिन को राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के रूप में भारत में मनाया जाता है ?
    (A) 6 नवम्बर
    (B) 16 नवम्बर
    (C) 26 नवम्बर
    (D) 30 नवम्बर

11. दुग्ध उत्पादन के मामले में भारत का विश्व में कौनसा स्थान वर्तमान में है ?
    (A) पहला (B) दूसरा
    (C) तीसरा (D) चौथा

12. आठवें अन्तर्राष्ट्रीय टूरिज्म मार्ट का आयोजन किस शहर में नवम्बर 2019 में हुआ ?
    (A) नई दिल्ली (B) चण्डीगढ़
    (C) कोलकाता (D) इम्फाल

13. रेलवे वित्त के सम्बन्ध में शिक्षण-प्रशिक्षण के लिए इण्डियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंशियल मैनेजमेंट (IRIFM), जिसका उद्घाटन नवम्बर 2019 में ही हुआ है, की स्थापना कहाँ की गई है ?
    (A) नई दिल्ली (B) वड़ोदरा
    (C) हैदराबाद (D) वाराणसी

14. भारत के 39वें अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले का थीम क्या था ?
    (A) ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस
    (B) स्टार्ट अप इण्डिया
    (C) मेक इन इण्डिया
    (D) न्यू इण्डिया

15. भारत के 39वें अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (IITF-2019) का आयोजन किस शहर में नवम्बर 2019 में हुआ ?
    (A) नई दिल्ली
    (B) हैदराबाद
    (C) कोलकाता
    (D) पणजी (गोवा)

16. निम्नलिखित में से किस देश को फोकस राष्ट्र का दर्जा 39वें अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में प्रदान किया गया था ?
    (A) अफगानिस्तान
    (B) टर्की
    (C) दक्षिण कोरिया
    (D) संयुक्त अरब अमीरात

17. 39वें अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में साझीदार देश कौनसा था ?
    (A) दक्षिण कोरिया
    (B) टर्की
    (C) अफगानिस्तान
    (D) संयुक्त अरब अमीरात

18. नवम्बर 2019 में भारत के 39वें अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में किस राज्य को सर्वश्रेष्ठ मंडप के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किया गया ?
    (A) असम (B) गोवा
    (C) कर्नाटक (D) बिहार

19. माल ढुलाई क्षमता की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा बन्दरगाह कौनसा है ?
    (A) विशाखापट्टनम
    (B) कांडला (दीनदयाल बन्दरगाह)
    (C) कोलकाता
    (D) जवाहर लाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट

20. संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2020 को किस रूप में मनाने की घोषणा की है ?
    (A) सतत् विकास हेतु अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
    (B) मत्स्यिकी एवं मत्स्यपालन हेतु अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
    (C) पौधों के स्वास्थ्य हेतु अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
    (D) निर्धनता निवारण हेतु अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष

21. निम्नलिखित में से किस दिन को विश्व कपास दिवस (World Cotton Day) इसी वर्ष (2019 में) घोषित किया गया है ?
    (A) 7 सितम्बर (B) 7 अक्टूबर
    (C) 7 नवम्बर (D) 7 दिसम्बर

MAGAZINE KING

22. भारत की किस कम्पनी का एम. कैप (Market Capitalisation) ₹ 10 लाख करोड़ के बिन्दु को नवम्बर 2019 में पार कर गया था ?
(A) रिलायंस इण्डस्ट्रीज लिमिटेड
(B) टीसीएस
(C) एचडीएफसी बैंक
(D) भारतीय स्टेट बैंक

23. भारत के किस शहर में विश्व के पहले सीएनजी पोर्ट टर्मिनल की स्थापना की योजना है ?
(A) चेन्नई (B) विशाखापट्टनम
(C) भावनगर (D) कोच्चि

24. निम्नलिखित में से कौनसा उद्यमियों का एक संगठन नहीं है ?
(A) TRAI
(B) FICCI
(C) ASSOCHAM
(D) PHDCCI

25. भारत का 50वाँ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI-2019) नवम्बर 2019 में कहाँ सम्पन्न हुआ ?
(A) नई दिल्ली (B) मुम्बई
(C) चेन्नई (D) गोवा

26. किस देश को साझेदार देश (Partner country) का दर्जा भारत के 50वें अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदान किया गया था ?
(A) रूस (B) इजरायल
(C) चीन (D) दक्षिण कोरिया

27. निम्नलिखित में से किस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का स्वर्ण मयूर (Golden Peacock) नवम्बर 2019 में भारत के 50वें अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदान किया गया ?
(A) जल्लीकट्टू (B) पार्टिकल्स
(C) मारिघेला (D) बैलून

28. सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय खाद्य निगम (FCI) की अधिकृत पूँजी वर्तमान में ₹ 3,500 करोड़ है. इसे बढ़ा कर कितनी करने का निर्णय आर्थिक मामलों पर मन्त्रिमण्डलीय समिति (CCEA) द्वारा नवम्बर 2019 में किया गया है ?
(A) ₹ 5,000 करोड़
(B) ₹ 10,000 करोड
(C) ₹ 15,000 करोड़
(D) ₹ 20,000 करोड़

29. निम्नलिखित में से किस शहर में (पाँचवीं) सेवाओं की वैश्विक प्रदर्शनी (Global Exihibition on Services) का आयोजन नवम्बर 2019 में किया गया ?
(A) नई दिल्ली (B) पुणे
(C) हैदराबाद (D) बेंगलूरू

30. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है–
कथन (A) : वित्त आयोग का प्रमुख कार्य केन्द्र एवं राज्यों के बीच वित्त विभाजन के सम्बन्ध में सुझाव प्रस्तुत करना है.
कारण (R) : वित्त आयोग की संस्तुतियाँ सरकार के लिए बाध्यकारी होती हैं.
नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
कूट :
(A) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है
(B) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, परन्तु कारण (R) कथन (A) की व्याख्या नहीं है
(C) कथन (A) सही है, किन्तु कारण (R) गलत है
(D) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है

उत्तरमाला

1. (D)	2. (C)	3. (B)	4. (A)	5. (A)
6. (D)	7. (A)	8. (C)	9. (D)	10. (C)
11. (A)	12. (D)	13. (C)	14. (A)	15. (A)
16. (C)	17. (C)	18. (D)	19. (B)	20. (C)
21. (B)	22. (A)	23. (C)	24. (A)	25. (D)
26. (A)	27. (B)	28. (B)	29. (D)	30. (C)

●●●

शेष पृष्ठ 98 का

पर दोष मढ़ते हैं, किन्तु प्रकृति के असली गुनाहगार तो हम स्वयं हैं. हमने प्रकृति के संरक्षण के लिए किया ही क्या है ? न अपने अंधाधुंध पेड़ों का सफाया करने के बाद भी इतने पेड़ लगाए कि प्रकृति खुश हो सके, न हमने तालाबों, झीलों या नदियों जैसे जल स्रोतों को बचाने के लिए समुचित कदम उठाए. जल स्रोतों को बचाने के बजाय उन्हें गन्दगी से पाटने में ही हमारी दिलचस्पी ज्यादा रहती है.

पहाड़ी इलाकों में भी जिस प्रकार प्रकृति के साथ खुलकर खिलवाड़ किया जा रहा है, उसी का नतीजा है कि पर्वतीय इलाके भी अब बाढ़ जैसी विभीषिका झेलने को अभिशप्त हो रहे हैं. अन्यथा प्रकृति ने पहाड़ों की बनावट ऐसी की है कि तीखे ढलान होने के कारण भारी वर्षा के पानी का निकास आसानी से हो सके, लेकिन हमने पहाड़ों पर भी प्रकृति को नहीं बख्शा. पहाड़ों पर भी बढ़ते अतिक्रमण, अनियोजित विकास के नाम पर वनों के विनाश ने अब पहाड़ों की फिजां भी बदल डाली है. अंधाधुंध बड़े पैमाने पर वनों के विनाश के चलते पहाड़ों की नींव कमजोर हो रही है और इसी का नतीजा है कि पहाड़ी क्षेत्रों में बढ़ती भूस्खलन की घटनाएं और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएं. हाल ही में यह दूसरा अवसर है, जब पर्यटकों को हिमाचल न आने की सलाह दी गई है. करीब कुछ माह पहले जल संकट के चलते पर्यटकों से शिमला न पहुँचने की अपील की गई थी.

केरल सहित देश के कई राज्यों में उत्पन्न हुई बाढ़ की भयावह परिस्थितियों से सबक लेते हुए हमें अब जंगल, पहाड़, नदी, झीलें इत्यादि प्रकृति के इन सभी रूपों की महत्ता समझनी होगी और जंगल सिकुड़ने के चलते पैदा होते बाढ़ के हालातों के मद्देनजर वृक्षारोपण को बढ़ावा देने की व्यवस्था करनी होगी. साथ ही सरकारी तन्त्र को गहरी निद्रा से जागकर भारी बारिश के पानी की निर्बाध निकासी के पुख्ता प्रबन्ध हर साल समय रहते करने चाहिए. बाढ़ जैसी आपदाएं लाखों-करोड़ों लोगों के विस्थापन का कारण तो बनती ही हैं, कुछ समय बाद जब बाढ़ का पानी उतरता है, तो अपने पीछे ऐसी ढेर सारी गन्दगी छोड़ जाती है, जो गम्भीर बीमारियों और महामारी का कारण बनती है, लेकिन क्या हमने कभी यह सोचा है कि पानी में यह गन्दगी आती कहाँ से है ? यह कोई बारिश के साथ आसमान से टपकी गन्दगी नहीं होती, बल्कि यह वही गन्दगी होती है, जो हम आएदिन नदी-नालों व झीलों-तालाबों में कई-कई टन की मात्रा से उड़ेलते रहते हैं और बाढ़ जैसी आपदाओं के समय इसी गन्दगी की बदौलत स्वयं अपने लिए महामारी को निमन्त्रण देते हैं. बेहतर होगा कि पर्यावरण के नाम पर बहसों तक ही सीमित न रहकर हम कुपित प्रकृति के प्रकोप को शान्त करने के पुख्ता प्रबन्ध करें, ताकि पर्यावरण सन्तुलन बना रहे और प्राकृतिक आपदाओं की वजह से जान-माल की इतनी हानि न हो सके.

●●●

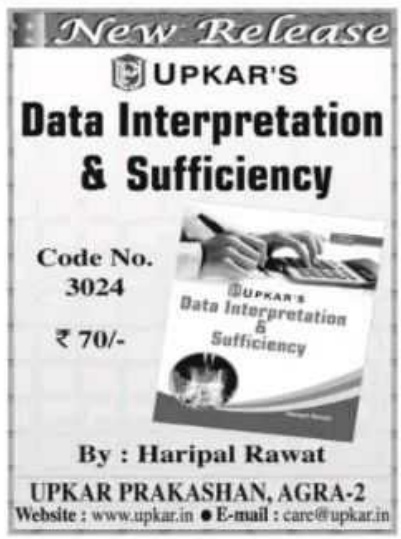

वाणिज्य

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

1. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I

(a) धारा 6(i)
(b) धारा 10AA
(c) धारा 10(i)
(d) धारा 10(5)

सूची-II

1. कृषि आय
2. अवकाश यात्रा रिआयत
3. निवासी
4. अवकाश वेतन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	4	3	2
(B)	3	4	2	1
(C)	3	2	4	1
(D)	3	4	1	2

2. A statement of change in financial position typically would not disclose the effect of—
(A) share capital issued to acquire productive facilities
(B) dividends on share declared
(C) cash dividend declared but not yet paid
(D) purchase and retirement of treasury stock

3. If two regression coefficients are – 0·8 and – 0·2, then the value of coefficient of correlation is—
(A) – 0·16 (B) – 0·50
(C) + 0·40 (D) – 0·40

4. Which one of the following is used for international money transfer ?
(A) RTGS (B) NEFT
(C) SWIFT (D) DD

5. The attitude based on beliefs, opinion, knowledge or information about the particular event which the employees possesses is—
(A) behavioural attitude
(B) positive attitude
(C) cognitive attitude
(D) affective attitude

6. एक क्षेत्र एक सड़क परियोजना (बीआरआई) का अभीष्ट नहीं है–
(A) व्यापार संरक्षणवाद
(B) संभार एवं आपूर्ति शृंखला को मजबूत करना
(C) लागत प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना
(D) व्यापार प्रभुत्व का पुनर्संतुलन

7. Match List-I with List-II—

List-I (Theories of Profit)

(a) Risk theory of profit
(b) Innovation theory of profit
(c) Rent theory of profit
(d) Dynamic theory of profit

List-II (Economists)

1. Schumpeter
2. Walker
3. Hawley
4. Clark

Choose the correct option from those given below—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	2	1
(B)	4	2	3	1
(C)	3	1	2	4
(D)	4	1	2	3

8. In which of the followiing pricing policies, a firm charges higher initial price for the product and redudces it over time as the demand at higher price is satisfied ?
(A) Peak load pricing
(B) Incremental pricing
(C) Skimming
(D) Penetration pricing

9. Which of the following are not sources of secondary data ?
1. Interview
2. Questionnaire
3. Observation
4. Unpublished thesis
5. Annual report

Choose the correct option from the following—
(A) (1), (4) and (5)
(B) (2), (3) and (4)
(C) (3), (4) and (5)
(D) (1), (2) and (3)

10. Following are the steps in the activity-based cost allocation—
1. Identification of the main activities.
2. Collection of cost pool.
3. Determination of the activity cost drivers.
4. Calculation of activity driver rate.
5. Charging the cost of activities to products.

Select the correct sequence of the above steps—
(A) 1, 2, 3, 5, 4 (B) 1, 2, 5, 4, 3
(C) 1, 2, 3, 4, 5 (D) 1, 4, 3, 2, 5

11. SUGAM is also known as—
(A) ITR-1 (B) ITR-2
(C) ITR-3 (D) ITR-4

12. यूएस डॉलर के बाद निम्नलिखित में से कौनसी मुद्रा एसडीआर के मूल्य को निर्धारित करने में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है ?
(A) जापानी येन
(B) चीनी युआन (रेन्मिबी)
(C) यूरो
(D) ब्रिटिश पाउंड

13. **Assertion (A) :** According to Net Income (NI) approach, capital structure decision is relevant in the valuation of firm.
Reason (R) : A firm can change its total value and its overall cost of capital by change in the degree of leverage in its capital structure.
In the context of the above two statements, which one of the following options is correct ?
(A) Both (A) and (R) are correct and (R) is the right explanation of (A)
(B) Both (A) and (R) are correct and (R) is not the right explanation of (A)
(C) Both (A) and (R) are in correct
(D) (A) is correct and (R) is not correct

14. The essence of the law of diminishing returns is—
(A) inelastic production
(B) negative marginal production
(C) declining total production
(D) declining average production

MAGAZINE KING

15. Which of the following are included in digital payment system ?
1. RTGS 2. Demand draft
3. NEFT 4. Cheque
Choose the correct option from the following—
(A) (1), (3) and (4)
(B) (2) and (4) only
(C) (1) and (3) only
(D) (2), (3) and (4)

16. Which of the following types of goodwill is considered to be the best ?
(A) Dog goodwill
(B) Cat goodwill
(C) Rat goodwill
(D) Cow goodwill

17. Credit worthiness score in India ranges between—
(A) 300 to 600
(B) 300 to 900
(C) 500 to 1000
(D) 900 to 1600

18. जब एक कम्पनी अपने उत्पादों को एक सारणी संरचना (चैनल स्ट्रक्चर) के माध्यम से वितरित करती है, जिसमें एक या अधिक पुनर्विक्रेता सम्मिलित होते हैं, तो इसे किस रूप में जाना जाता है ?
(A) प्रत्यक्ष विपणन
(B) अप्रत्यक्ष विपणन
(C) समेकित विपणन
(D) बहुस्तरीय विपणन

19. बासेल (बीएएसईएल) के बारे में निम्न में से कौनसा सही नहीं है ?
(A) प्रारम्भ में इसका नाम कमेटी ऑफ बैंकिंग रेगुलेशंस एण्ड सुपरवाइजरी प्रैक्टिसिज (सीबीआरएस) रखा गया था
(B) बासेल की स्थापना पन्द्रह देशों के केन्द्रीय बैंक गवर्नरों द्वारा की गई थी
(C) इसकी स्थापना 1974 के अन्त में की गई थी
(D) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा और बैंकिंग बाजारों में अशान्ति इसकी स्थापना के लिए उत्तरदायी थी

20. **Statements :**
(I) Agreement without consideration is always valid.
(II) All contracts are agreements but all agreements are not contracts.
In the context of the above two statements, which one of the following codes is correct ?
(A) Statements (I) and (II) both are correct
(B) Both Statements (I) and (II) are incorrect
(C) Statement (I) is incorrect and Statement (II) is correct
(D) Statement (I) is correct but Statement (II) is incorrect

21. मुद्रा अदला-बदली (करेंसी स्वैप) किसका तरीका है ?
(A) विदेशी मुद्रा जोखिम के विरुद्ध हेजिंग
(B) विदेशी मुद्रा में सट्टेबाजी
(C) कोऑपरेटिव बैंकों द्वारा प्रयुक्त लीवरेज लिखत
(D) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में भुगतान का तरीका

22. Match List-I with List-II—

List-I (Trade and Finance Institution)	**List-II (Head-quarters)**
(a) WTO	1. Brussels
(b) IMF	2. Geneva
(c) FAO	3. Washington
(d) EU	4. Rome

Choose the correct option from those given below—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	1
(B)	1	2	3	4
(C)	3	2	1	4
(D)	1	3	2	4

23. Organization structure that shows a unique combination of strategy, structure and management process is known as—
(A) free-form organization
(B) virtual organization
(C) network organization
(D) horizontal organization

24. A company issues 10% irredeemable preference shares. The face value per share is ₹ 100, but the issue price is ₹ 95. What is the cost of preference share ?
(A) 10·63% (B) 10·73%
(C) 10·83% (D) 10·53%

25. As per Section 52 of the Companies Act, 2013, the balance in the Security Premium Account cannot be utilized for—
(A) payment of dividend
(B) writing off discount on issue of shares
(C) issue of fully paid-up bonus share
(D) capital losses

26. The current market price of a company's share is ₹ 90 and the expected dividend per share next year is ₹ 4·5. If the dividend is expected to grow at a constant rare of 8%, the shareholder's required rate of return will be—
(A) 8% (B) 5%
(C) 20% (D) 13%

27. Redeemable preference shares of ₹ 2,00,000 are to be redeemed at par for which fresh equity shares of ₹ 80,000 are issued at a discount of 10%. What amount should be transferred to Capital Redemption Reserve Account ?
(A) ₹ 2,00,000 (B) ₹ 1,20,000
(C) ₹ 1,28,000 (D) ₹ 72,000

28. Which among the following institutions is not a part of World Bank group ?
(A) International Development Association (IDA)
(B) International Monetary Found (IMF)
(C) International Finance Corporation (IFC)
(D) Multilateral Investment Guarantee Agency (MIGA)

29. निम्नलिखित में से कौनसा प्रतिस्पर्धा अधिनियम 2002 के उद्देश्यों के दायरे के अन्तर्गत नहीं आता है ?
(A) प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा
(B) प्रभावी स्थिति के दुरुपयोग को रोकना
(C) बौद्धिक सम्पदा से उत्पन्न एकाधिकारवादी अधिकारों को रोकना
(D) विलय और अधिग्रहण को विनियमित करना

30. The channel alternative is not to be assessed on the basis of—
(A) economic criteria
(B) control criteria
(C) adaptive criteria
(D) accumulation criteria

31. Shopping goods have which of the following features ?
1. These products are generally durable in nature.
2. Consumers generally compare the goods of various sellers and then buy such goods.

MAGAZINE KING

3. Per unit price of these goods is generally high.
4. These goods are regularly and continuously in demand.
5. These goods are sold as a result of aggressive promotional efforts.

Choose the right answer from the options given below—
(A) (3), (4) and (5)
(B) (1), (2) and (3)
(C) (2), (3) and (4)
(D) (1), (3) and (5)

32. निम्नलिखित में से किस स्थिति में बड़े पैमाने पर उत्पादन से पूर्णतया बचत आती हैं और बनी रहती हैं ?
(A) जब फर्म बहुत छोटी और अत्यधिक विशेषीकृत हो
(B) जब आदानों को किराए पर लेने के फर्म के निर्णय के परिणामस्वरूप आदान लागत में वृद्धि नहीं होती हो
(C) जब फर्म बहुत बड़ी और अति विविधिकृत हो
(D) जब किसी इकाई का उत्पादन करने की दीर्घकालिक लागत उत्पादन बढ़ने के साथ गिरने लगती है

33. Under which of the following situations, the decision outcome on evaluation of investment opportunities vary under NPV and IRR methods per se ?
1. Time disparity
2. Cost disparity
3. Life disparity
4. Volume disparity

Choose the correct combination of situations—
(A) (1) and (4) only
(B) (2) and (4) only
(C) (1), (2) and (3) only
(D) (2), (3) and (4) only

34. निम्नलिखित में से उन महत्वपूर्ण नैतिक सिद्धान्तों को छाँटिए, जिनका किसी व्यवसाय द्वारा अनुसरण किया जाना चाहिए–
1. सम्बन्धित उद्योग या व्यवसाय के विकास के लिए आवश्यक प्रयास करना.
2. कर तथा अन्य उत्तरदायित्वों का जल्दी भुगतान.
3. मानव संसाधन का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित करना.
4. ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, प्रशासकों इत्यादि को गुप्त रूप से रिश्वत या पैसा देने से बचना.
5. कर्मचारियों को उचित मजदूरी का भुगतान और उनके साथ उचित व्यवहार सुनिश्चित करना.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (3), (4) और (5)
(B) (2), (4) और (5)
(C) (1), (2) और (3)
(D) (1), (3) और (5)

35. Amount unutilised in capital gain account scheme for which exemption claimed u/s 54 shall be treated as long-term capital gain, if—
(A) 2 years have expired from the date of transfer
(B) 2 years have expired from the date of deposit
(C) 3 years have expired from the date of transfer
(D) 3 years have expired from the date of deposit

36. The retail supply chain does not include—
(A) Manufactures
(B) Retailers
(C) Wholesalers
(D) Regulators

37. **Assertion (A) :** At times, a business may face the situation where it has to shut down its operations.
Reason (R) : If the revenue is less than its variable cost, the operation should be closed down.
In the context of the above two statements, which one of the following options is correct ?
(A) (A) is correct but (R) is not correct
(B) (A) and (R) both are correct and (R) is the right explanation of (A)
(C) (A) and (R) both are correct and (R) is not the right explanation of (A)
(D) Both (A) and (R) are incorrect

38. Which of the following characteristics are related to relationship marketing ?
1. Product feature orientation
2. Product benefit orientation
3. Frequent consumer contact
4. High concern for quality

Choose the correct option from the following—
(A) (2), (3) and (4)
(B) (1), (2) and (3)
(C) (1), (3) and (4)
(D) (1), (2) and (4)

39. 'Doctrine of Caveat Emptor' means—
(A) Buyer should make payment well in time
(B) Buyer should be beware of all aspects of buying
(C) Buyer will be responsible for the whole payment
(D) Will not be responsible at any cost

40. Quantitative import restrictions that limit the quantity of a product being imported is called—
(A) Embargo
(B) Quota
(C) Trade restraint
(D) Import tariff

41. A firm consumes 90000 units of a certain item of raw material in its production process annaully. It costs ₹ 3 per unit, the cost per purchase order is ₹ 300 and the inventory carrying cost is 20% per year. What is the EOQ ?
(A) 9470 units (B) 9487 units
(C) 9480 units (D) 9840 units

42. **अभिकथन (A) :** भारतीय रिजर्व बैंक विदेशी मुद्रा प्रबन्धन अधिनियम (FEMA) के प्रावधानों का निष्पादन करने के लिए एक महत्वपूर्ण विनियामक और प्रशासनिक प्राधिकरण है.
तर्क (R) : मौद्रिक प्राधिकरण और विदेशी मुद्रा का अभिरक्षक होने के नाते भारतीय रिजर्व बैंक के पास विदेशी मुद्रा प्रबन्धन अधिनियम को प्रशासित करने की अपेक्षित विशेषज्ञता है.
सही विकल्प चुनिए–
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) और (R) दोनों गलत हैं
(D) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है

43. Match List-I with List-II—
List-I
(a) Net income approach
(b) Gordan model

MAGAZINE KING

(c) Internal rate of return
(d) Reorder level

List-II

1. Inventory management
2. Capital budgeting
3. Capital structure theory
4. Dividend theory

Choose the correct option from those given below—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	1
(B)	3	4	2	1
(C)	3	4	1	2
(D)	2	1	4	3

44. उपभोक्ता का कौनसा व्यवहार निम्नलिखित कार्यकलापों में सम्मिलित नहीं होता है ?
(A) प्राप्ति (B) उपभोग
(C) अभिविन्यास (D) उत्पादन

45. आयकर रिटर्न निम्नलिखित में से किस धारा के अन्तर्गत जमा किया जाता है ?
(A) धारा 138(1) (B) धारा 142(1)
(C) धारा 139(1) (D) धारा 129(1)

46. Match List-I with List-II—

List-I

(a) Fiscal, monetary and industrial policies
(b) Social obligations towards several stakeholders
(c) Consumers, shareholders, suppliers, creditors etc.
(d) Moral principles that defines the right or wrong

List-II

1. Social responsibilities
2. Stakeholders/interest group
3. Business ethics
4. Economic policies

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	4	2
(B)	1	2	4	3
(C)	2	4	3	1
(D)	4	1	2	3

47. Which of the following are considered non-parametric tests?

1. Mann-Whitney U test
2. Kruskal-Wallis test
3. F-test
4. T-test
5. Chi-squate test

Choose the correct option from the following—

(A) (1), (2) and (5)
(B) (1), (2) and (3)
(C) (1), (2), (3) and (4)
(D) (1), (2), (3), (4) and (5)

48. किसी बहुत बड़ी जनसंख्या के लिए $SE_{\bar{X}}$ और σ के बीच अनुपात 8 : 40 है. प्रतिचयन आकार n होगा—
(A) 5 (B) 25
(C) 32 (D) 48

49. निम्नलिखित में से कौनसी समिति निवेशक के संरक्षण से सम्बन्धित है ?
(A) भगवती समिति
(B) एन. के. मित्रा समिति
(C) जे. आर. वर्मा समिति
(D) एल. सी. गुप्ता समिति

50. बाजार दृढ़ीकरण योजना (एमएसएस) के सम्बन्ध में कौनसा सही नहीं है ?
(A) यह सतत् वृहत् पूँजी प्रवाह से उत्पन्न अतिरिक्त तरलता को अवशोषित करता है
(B) यह अतिरिक्त तरलता को अल्पावधि सरकारी प्रतिभूति एवं ट्रेजरी बिलों के विक्रय द्वारा अवशोषित करता है
(C) रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया के एमएसएस खाते में अतिरिक्त तरलता को संचारित करता है
(D) एमएसएस खाता तरलता के रूप में भारत सरकार के पूँजीगत खर्चे में प्रयोग हो सकती है

51. Match List-I with List-II—

List-I

(a) Interbank call market
(b) Commercial bills
(c) Commercial papers
(d) Treasury bills

List-II

1. Money Market
2. Promissory note
3. Short-term maturity
4. Government papers

Choose the correct option from those given below—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	4	3
(B)	3	1	2	4
(C)	1	3	4	2
(D)	4	3	2	1

52. **Statements :**

(I) If the tax liability has been reduced within the legal framework, it is tax planning.

(II) If tax liability has been reduced to get benefit of deduction available under the income tax, it is called tax evasion.

In the context of the above two statements, which one of the following codes is correct ?
(A) Both the Statements (I) and (II) are correct
(B) Statement (I) is correct, but (II) is incorrect
(C) Both Statements (I) and (II) are incorrect
(D) Statement (II) is correct, but (I) is incorrect

53. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए—

सूची-I

(a) $j = \dfrac{\bar{X} - M_e}{\sigma}$

(b) $j = \dfrac{Q_3 - Q_1 - 2M_e}{Q_3 - Q_1}$

(c) $j = \dfrac{P_{90} + P_{10} - 2P_{50}}{P_{90} - P_{10}}$

सूची-II

1. कैली का वैषम्य गुणांक
2. बाउले का वैषम्य माप
3. कार्ल पीयर्सन का वैषम्य गुणांक

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)
(A)	3	2	1
(B)	3	1	2
(C)	1	2	3
(D)	2	1	3

54. निम्नलिखित में से कौनसा ग्राहक सम्बन्ध जीवन चक्र का एक मुख्य चरण नहीं है ?
(A) ग्राहक अर्जन
(B) ग्राहक विकास
(C) ग्राहक सन्तुष्टि
(D) ग्राहक की नाराजगी

55. अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों के कम अनुभव वाले एक उद्यम का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में प्रवेश का सर्वाधिक उपयुक्त माध्यम कौनसा है ?
(A) अधिग्रहण
(B) रणनीतिक सहयोग
(C) संयुक्त उद्यम
(D) निर्यात

56. उत्पाद A के लिए ₹ 5 प्रति किलोग्राम की दर से 10 किग्रा सामग्री की आवश्यकता है. उत्पाद A के विनिर्माण के लिए सामग्री की वास्तविक खपत ₹ 6 प्रति किग्रा की दर से 12 किग्रा है. प्रत्यक्ष सामग्री लागत विचरण है—
(A) ₹ 22 (अनुकूल)
(B) ₹ 22 (प्रतिकूल)

MAGAZINE KING

(C) ₹ 12 (अनुकूल)
(D) ₹ 12 (प्रतिकूल)

57. Following are the information for a house property—

Municipal value	₹ 4,50,000
Fair rental value	₹ 5,00,000
Standard rent	₹ 4,80,000
Actual rent	₹ 4,20,000

What is the gross annual value of the house property ?
(A) ₹ 4,80,000 (B) ₹ 5,00,000
(C) ₹ 4,20,000 (D) ₹ 4,50,000

58. इस बात की कितनी प्रायिकता है कि दो पांसों पर आने वाले अंकों का योग 8 के बराबर है ?
(A) 6/36 (B) 5/36
(C) 4/36 (D) 3/36

59. निम्नलिखित में से कौनसा आईआरडीए अधिनियम, 1999 का पूर्वत: अधिनियम है ?
(A) बीमा अधिनियम, 1938
(B) जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956
(C) सामुद्रिक बीमा अधिनियम, 1963
(D) सार्वजनिक देयता बीमा अधिनियम, 1991

60. प्रमुख ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, वितरकों के साथ दीर्घकालिक पारस्परिक रूप से सन्तोषजनक सम्बन्ध बनाना, ताकि उपार्जन और उनकी दीर्घकालिक तरजीह तथा व्यवसाय को बनाए रखा जा सके, को किस रूप में जाना जाता है ?
(A) सम्बन्ध विपणन
(B) सामाजिक विपणन
(C) आला विपणन (निश मार्केटिंग)
(D) सेवा विपणन

61. Arrange the following in order of their manifestations—
1. Offer
2. Acceptance
3. Breach of Contract
4. Contract

Choose the correct option from the following—
(A) (1), (2), (3) and (4)
(B) (1), (2), (4) and (3)
(C) (2), (3), (1) and (4)
(D) (1), (4), (3) and (2)

62. In which of the following commodities, when a consumer spends so much that negative income effect overwhelms the positive substitution effect so as the underlying demand curve is positively sloped ?
(A) Inferior goods
(B) Superior goods
(C) Giffen goods
(D) Normal goods

63. Study the following information—
Covariance between X and Y series = – 17·8
Standard deviation of X series = 6·6
Standard deviation of Y series = 4·2
No. of pairs of observation = 20
The coefficient of correlation is—
(A) – 0·642 (B) 0·642
(C) 0·253 (D) – 0·253

64. New reform in Indian banking system include—
(1) Digitisation of bank operations.
(2) Banking consolidation.
(3) Borrowing from Government.
(4) Agency Work.
Choose the correct option from the following—
(A) (1) and (2)
(B) (3) and (4)
(C) (2), (4) and (3)
(D) (1), (3) and (4)

65. Which of the following is an instance of non-conventional dumping ?
(A) Sporadic dumping
(B) Predatory dumping
(C) Reverse dumping
(D) Persistent dumping

66. Chalapathi Rao Committee was constituted for restructuring of—
(A) State Financial Corporation in India
(B) Commercial Banks in India
(C) Co-operative Banks in India
(D) Regional Rural Banks in India

67. Which among the following is not included in negotiable instrument ?
(A) Cheque
(B) Demand Draft
(C) Promissiory Note
(D) Mutual Fund

68. Following are the events of an organizational culture—
1. Customer orientation and employee policies.
2. Quality orientation, directing and motivating styles.
3. Decision-making, products and services and responsibilities to society.
4. Reaction to competitors and gratitude towards nation.
5. Role ambiguities, trade union and policies.

Select the correct sequence for the above events—
(A) (1), (2), (4) and (5)
(B) (1), (3), (4) and (5)
(C) (2), (3), (4) and (5)
(D) (1), (2), (3) and (4)

69. **कथन :**
(I) टी-टेस्ट और एफ-टेस्ट एक-जैसी पूर्व-धारणाओं पर आधारित हैं.
(II) टी-टेस्ट का उपयोग दो समूहों के बीच तुलना करने के लिए किया जाता है, जबकि एफ-टेस्ट का उपयोग दो से अधिक समूहों के बीच तुलना करने के लिए किया जाता है.
उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न में से कौनसा सही है ?
(A) कथन (I) और (II) दोनों सही हैं
(B) कथन (I) और (II) दोनों गलत हैं
(C) कथन (I) सही है, परन्तु कथन (II) गलत है
(D) कथन (II) सही है, परन्तु कथन (I) गलत है

70. Deduction u/s 37(1) is allowed under tax laws for those expenditures which are—
(A) Revenue
(B) Capital
(C) Both Revenue and Capital
(D) Deferred Revenue Expenses

71. 10 मदों का समान्तर माध्य 50 है. यदि प्रत्येक मद में 5 की वृद्धि कर दी जाती है, तो नया समान्तर माध्य होगा–
(A) 50 (B) 55
(C) 60 (D) 45

72. Promoting team spirit, harmony and unity within the organization is the principle of—
(A) Order
(B) Scalar chain
(C) Spirit de corps
(D) Equity

MAGAZINE KING

73. निम्नलिखित में से कौनसा सही कथन नहीं है ?
(A) हेज फण्ड म्यूचुअल फण्ड नहीं होते हैं
(B) हेज फण्ड लोगों को बेचे जा सकते हैं
(C) म्यूचुअल फण्ड में निवेश करने वाले निवेशक को विभिन्न शुल्क और खर्च अनिवार्य रूप से चुकाने होते हैं
(D) म्यूचुअल फण्ड निवेश निर्णयों को पैमाने की बचत (इकोनोमीज ऑफ स्केल) उपलब्ध कराते हैं

74. **अभिकथन (A) :** U-आकृति वाली दीर्घकालिक औसत लागत वक्र इस पूर्व-धारणा पर आधारित है कि बड़े पैमाने पर उत्पादन की बचत (इकोनोमीज ऑफ स्केल) उत्पादन के छोटे स्तरों पर प्रचलित होती है और बड़े पैमाने पर उत्पादन की बचतहीनता (डिसइकोनोमीज ऑफ स्केल) उत्पादन के बड़े स्तरों पर प्रचलित होती है.
तर्क (R) : पैमाने के घटते प्रतिफल मुख्यतया इसलिए उत्पन्न होते हैं, क्योंकि जैसे-जैसे उत्पाद का पैमाना बढ़ता जाता है वैसे-वैसे फर्म का प्रभावी तरीके से प्रबन्धन करना और अधिक मुश्किल होता जाता है.
सही विकल्प चुनिए–
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है और (R) गलत है
(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं

75. सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अनुसार निम्नलिखित में से कौनसा 'सूचना' की परिभाषा के अन्तर्गत नहीं आता है ?
(A) यात्रा दैनिकी
(B) इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखी गई आँकड़ा सामग्री
(C) फाइल टिप्पणियाँ
(D) परिपत्र

76. किसी नौकरी का सामाजिक परिवेश लोगों को प्रभावित करता है और यह अकेले प्रबन्धन से ही नहीं, बल्कि लोगों से भी प्रभावित होता है. यह मुख्य अवधारणा है–
(A) संगठन की प्रासंगिकता का सिद्धान्त
(B) संगठन की प्रणाली का सिद्धान्त
(C) संगठन का शास्त्रीय सिद्धान्त
(D) संगठन का नव-शास्त्रीय सिद्धान्त

77. Which one of the following analysis is suitable for risk-return analysis in financial decisions ?
(A) CAPM analysis
(B) SWOT analysis
(C) Capital gearing
(D) EVA analysis

78. एक्स 55 वर्षीय व्यक्ति है, जिसकी कुल सकल आय ₹ 3,50,000 है. वर्ष 2018-19 के मूल्यांकन वर्ष के लिए कर देयता क्या होगी ?
(A) ₹ 5,000 (B) ₹ 2,500
(C) ₹ 2,580 (D) ₹ 3,000

79. Match List-I with List-II–
List-I
(a) Cyber Crime
(b) Doctrine of Caveat Emptor
(c) Dishonour of Bill
(d) Patent and Copyrights
List-II
1. Intellectual Property Right Act
2. Negotiable Instrument Act
3. Sale of Goods Act
4. The Information Technology Act

Choose the correct option from those given below–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	3	2	4	1
(C)	4	3	2	1
(D)	2	4	3	1

80. Match List-I with List-II–
List-I
(a) 80 TTA
(b) 80 CCD
(c) 80 E
(d) 80 EE
List-II
1. Deduction in respect of payment of interest on loan taken for higher education.
2. Deduction in respect of interest on loan taken for residential house property.
3. Deduction in respect of interest on deposits in savings account.
4. Deduction in respect of contribution to national pension system.

Choose the correct option from those given below–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	3	4	2	1
(C)	3	1	2	4
(D)	1	2	3	4

81. In tax laws, donation to approved and notified association for scientific research is allowed as–
(A) 125% of the donation
(B) 100% of the donation
(C) 175% of the donation
(D) 150% of the donation

82. भारत व्यापार नीति (निर्यात-आयात), 2015-19 के सम्बन्ध में निम्न में से कौनसे सही हैं ?
(1) निर्यात को दोगुना करना (वस्तु एवं सेवाओं दोनों).
(2) वैश्विक निर्यात में 3·5% हिस्सेदारी हासिल करना.
(3) दो नई योजनाओं (एमईआईएस और एसईआईएस) की शुरूआत की गई है.
(4) सरलीकृत आयात-निर्यात प्रपत्र की शुरूआत की गई है.
निम्नलिखित में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (1) और (2)
(B) केवल (1) और (3)
(C) केवल (1), (2) और (3)
(D) सभी सही हैं

83. निम्नलिखित में से किस वस्तु को वस्तु एवं सेवा कर के दायरे से बाहर रखा गया है ?
(A) तम्बाकू उत्पाद
(B) पेट्रोलियम उत्पाद
(C) खाद्य तेल
(D) बीमा उत्पाद

84. Match List-I with List-II–
List-I
(a) Ind AS–16 (b) Ind AS–38
(c) Ind AS–17 (d) Ind AS–12
List-II
1. Income tax
2. Leasing
3. Intangible assets
4. Property, plant and equipments

Choose the correct option from those given below–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	1	2
(B)	4	3	2	1
(C)	3	2	4	1
(D)	4	2	1	3

MAGAZINE KING

85. निम्नलिखित में से किस बाजार दशा में अतिरेक क्षमता नहीं देखी जाती है ?
(A) एकाधिकार
(B) एकाधिकारी प्रतियोगिता
(C) अल्पाधिकार
(D) पूर्ण प्रतियोगिता

86. Peter F. Drucker noted the relationship between selling and marketing in which of the following terms ?
(A) Marketing is a subsidiary component of selling
(B) The aim of marketing is to make selling superfluous
(C) The aim of selling is to make marketing superfluous
(D) Selling and marketing are essentially the same thing

87. Match List-I with List-II—
List-I (Objectives of business firms)
(a) Maximization of firms' growth rate
(b) Managerial utility function
(c) Satisfying behaviour
(d) Sales Maximization
List-II (Hypothesis)
1. Baumol's hypothesis
2. Marris hypothesis
3. Williamson hypothesis
4. Cyert-March hypothesis
Choose the correct option from those given below—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	1
(B)	3	4	1	2
(C)	4	1	2	3
(D)	1	2	3	4

88. A 'sale and lease back' arrangement is more suitable for a lessee having.
(A) Liquidity crisis
(B) Surplus fund
(C) High profit
(D) No-profit no-loss

89. कोई फर्म किसी उत्पाद को ₹ 10 के मूल्य पर बेचती है और उस उत्पाद के लिए माँग का मूल्य लोच (–) 2 है, तो उस फर्म का सीमान्त राजस्व निकालिए.
(A) ₹ 5 (B) ₹ 10
(C) ₹ 30 (D) ₹ 15

90. **कथन :**
(I) यद्यपि नौकरी का मूल्यांकन और निष्पादन मूल्यांकन घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं, परन्तु फिर भी वे एक जैसे नहीं हैं.
(II) नौकरी के मूल्यांकन का प्रयोजन होता है पारिश्रमिक और अन्य संगत लाभों को तय करना.
उपर्युक्त कथनों के सन्दर्भ में निम्न में से कौनसा सही है ?
(A) कथन (I) और (II) दोनों सही हैं
(B) कथन (I) और (II) दोनों गलत हैं
(C) कथन (I) सही है, जबकि कथन (II) गलत है
(D) कथन (I) गलत है, जबकि कथन (II) सही है

91. **Statements :**
(I) The arithmetic mean is an all purpose average.
(II) Median and mode are called positional averages.
In the context of the above two statements, which one of the following codes is correct ?
(A) Both the statements (I) and (II) are correct
(B) Both the statements (I) and (II) are incorrect
(C) Statement (I) is correct, but (II) is incorrect
(D) Statement (II) is correct, but (I) is incorrect

92. Which of the following reflects the sum of perceived tangible and intangible benefits and costs to a customer ?
(A) Customer satisfaction
(B) Customer delight
(C) Customer value
(D) Customer expectation

93. Capital structure and leverage decisions come in the ambit of—
(A) Investment decisions
(B) Distribution decisions
(C) Financing decisions
(D) Dividend decisions

94. Which one of the following is not the pre-requisite of price discrimination ?
(A) Firm must have monopoly power
(B) Product have multiple close substitutes and different uses
(C) Markets are separated and segmented
(D) Price elasticity of product must differ in different markets

95. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की धारा 9 के अन्तर्गत उपभोक्ता विवादों के लिए निवारण तन्त्र में किसकी परिकल्पना की गई है ?
(A) एकस्तरीय प्रणाली
(B) दोस्तरीय प्रणाली
(C) तीनस्तरीय प्रणाली
(D) पदानुक्रम से स्वतन्त्र मुक्त प्रणाली

96. Miller-Orr model is used in the management of—
(A) Inventory (B) Leverage
(C) Receivables (D) Cash

97. Which of the following are the rights of a Statutory Auditor ?
1. To receive remuneration
2. To attend Board of Doctors' Meeting
3. To attend the General Meeting
4. To visit the branch officce
Choose the correct answer from the following—
(A) (1) and (2)
(B) (1), (2) and (4)
(C) (1), (3) and (4)
(D) (1), (2), (3) and (4)

98. SIDBI was set up as a subsidiary of IDBI to—
(A) takeover the functions of small business financing of IDBI
(B) takeover the venture capital operation of IDBI
(C) reconstruct and rehabilitate the sick and closed industrial units financed by IDBI
(D) facilitate, finance and promote India's foreign trade

99. **अभिकथन (A) :** विचारोत्तेजक तकनीक की माँग यह है कि किसी समस्या के बहुत-से वैकल्पिक समाधान निकाले जाएं.
तर्क (R) : प्रतिभागी विचारोत्तेजक सत्रों में विकल्पों का मूल्यांकन किए बिना जितने सम्भव हों उतने विकल्प निकालते हैं.
सही विकल्प चुनिए–
(A) कथन (A) सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) कथन (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
(D) (A) और (R) दोनों सही हैं

शेष पृष्ठ 147 पर

MAGAZINE KING

शिक्षाशास्त्र

1. इरैसमस किस प्रकार के यथार्थवादी थे ?
   (A) मानवतावादी
   (B) सामाजिकतावादी
   (C) ज्ञानेन्द्रिय
   (D) इनमें से कोई नहीं
2. "दी स्कूल एण्ड सोसाइटी" नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं ?
   (A) डीवी (B) कॉम्टे
   (C) पायने (D) ब्राउन
3. संरचनावाद के प्रवर्तक कौन थे ?
   (A) वुण्ट (B) जेम्स
   (C) थॉर्नडाइक (D) पावलॉव
4. वातावरण में वे समस्त बाह्य तत्व आ जाते हैं जिन्होंने जीवन प्रारम्भ करने के समय से व्यक्ति को प्रभावित किया हो. उपर्युक्त कथन किसने कहा ?
   (A) डग्लस (B) वुडवर्थ
   (C) हॉलैण्ड (D) बोरिंग
5. संज्ञानात्मक विकास का प्रत्यय किसने दिया ?
   (A) पियाजे (B) हल
   (C) वाट्सन (D) कर्ट लेविन
6. व्यवस्थित प्रदत्तों के लिए संक्षिप्त विधि से मध्यमान गणना का सूत्र कौनसा है ?
   (A) $M = \frac{\Sigma fx}{N}$
   (B) $M = \frac{\Sigma f}{N}$
   (C) $M = \frac{\Sigma fx}{fx}$
   (D) $M = A.M. + \left(\frac{\Sigma fd}{N}\right) \times ci$
7. पद विश्लेषण विधियों का उद्देश्य है–
   (A) अच्छे पद का चयन
   (B) खराब पद का निरस्तीकरण
   (C) विभेदीकरण क्षमता का निर्धारण
   (D) उपर्युक्त सभी
8. अनुस्थिति अन्तर सहसम्बन्ध (ρ) समान है–
   (A) $1 + \frac{6\Sigma d^2}{N(N^2 - 1)}$
   (B) $1 - \frac{6\Sigma d^2}{N(N^2 + 1)}$
   (C) $1 + \frac{\Sigma d^2}{N^2 - 1}$
   (D) $1 - \frac{6\Sigma d^2}{N(N^2 - 1)}$
9. निम्नलिखित में से कौनसा पाठशाला का औपचारिक कार्य नहीं है ?
   (A) छात्रों में चिंतन शक्ति का विकास करना
   (B) छात्रों को उपयोगी ज्ञान देना
   (C) छात्रों के परिवार के साथ सामंजस्य स्थापित करने में मार्गदर्शन करना
   (D) छात्रों में नेतृत्व के गुणों का विकास करना
10. अरविन्द के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य है–
    (A) सुस्थापित आदर्शों में बालक को ढालना
    (B) समाज की आवश्यकता के अनुसार बालकों को प्रशिक्षित करना
    (C) सामाजिक मानकों से बालक को परिचित कराना
    (D) बालकों को उनकी प्रकृति के अनुरूप बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना
11. भारत में हिन्दू समाज के सामाजिक और शैक्षिक परिवर्तन में सबसे अधिक प्रबल बाधा है–
    (A) जाति प्रथा (B) धार्मिक प्रथा
    (C) परिवार प्रथा (D) विवाह प्रथा
12. "समस्त मानव जाति को एक रूप में देखने का विचार" का शिक्षा के स्वरूप पर बल देता है–
    (A) राष्ट्रीय एकता के लिए शिक्षा
    (B) अन्तर्राष्ट्रीय सद्भाव के लिए शिक्षा
    (C) भावात्मक एकता के लिए शिक्षा
    (D) आध्यात्मिक विकास के लिए शिक्षा
13. दर्शन शिक्षा के लिए कार्य करता है–
    (A) निर्देशक के रूप में
    (B) निगरानीकर्ता के रूप में
    (C) मित्र के रूप में
    (D) नियन्त्रक के रूप में
14. शिक्षा के व्यक्तिगत एवं सामाजिक उद्देश्यों के समन्वय पर किसने बहुत अधिक बल दिया है ?
    (A) महात्मा गाँधी (B) रूसो
    (C) विवेकानन्द (D) डीवी
15. "बालक को कभी दण्ड मत दो अपितु उसे स्वयं अनुभव करने के लिए छोड़ दो. प्रकृति के नियम उसे अनुशासन सिखा देंगे." यह विचार निम्नलिखित में से किसका था ?
    (A) महात्मा गाँधी
    (B) रवीन्द्रनाथ टैगोर
    (C) हर्बर्ट स्पैंसर
    (D) रूसो
16. निम्नलिखित में से कौनसी भारतीय संस्कृति की परम्परागत और प्रबल विशेषता है ?
    (A) अलगाव और अस्वीकृति
    (B) सादगी और पारलौकिकता
    (C) सादा जीवन और उच्च विचार
    (D) सहिष्णुता और ग्रहणशीलता
17. शैक्षिक समाजशास्त्र में अध्ययन किया जाता है–
    (A) व्यक्ति एवं सांस्कृतिक वातावरण के बीच होने वाली अन्तर्क्रिया का
    (B) पाठशालागत वातावरण में शिक्षण विधि का
    (C) मानव-व्यवहार एवं कक्षागत शिक्षण का
    (D) मानव-व्यक्तित्व एवं उसके विकास का
18. समूहों का संगठनात्मक ढाँचों (ग्रुप स्ट्रक्चर) को साधारणतया निम्नलिखित में से किस माध्यम से आंका जाता है ?
    (A) सोशियोग्राम
    (B) ग्रुप रेटिंग स्केल
    (C) एनेकडोटल रिकॉर्ड
    (D) सोशियोड्रामा
19. व्यक्तित्व में अन्तर्मुखी और बहिर्मुखी की संकल्पना किसने दी थी ?
    (A) क्रेचमर (B) शेल्डन
    (C) युंग (D) स्प्रेंगर
20. जब विकास शरीर की केन्द्रिय रेखा से प्रारम्भ होकर शरीर के बाह्य भागों की ओर होता है, उसे कहते हैं–
    (A) मस्तिष्कीय-पुच्छीय प्रवृत्ति
    (B) निकट-दूरस्थ प्रवृत्ति
    (C) गति प्रवृत्ति
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
21. "स्टिमुलस सबस्टीट्यूशन" का सम्बन्ध है–
    (A) बी. एफ. स्किनर से
    (B) सी. एल. हल से
    (C) पावलॉव से
    (D) आर. गथरी से

MAGAZINE KING

22. मन्द बालक प्राप्त करते हैं–
(A) अपने सम-समूह से कम
(B) अपनी बौद्धिक क्षमता से कम
(C) बहुत कम
(D) सफल होने के लिए निम्नतम से कम

23. क्रियाप्रसूत अनुकूलन किसके साथ शुरू होता है ?
(A) बाहरी उद्दीपन
(B) उत्सर्जन प्रतिक्रिया
(C) निष्कर्षण प्रतिक्रिया
(D) अननुकूलित उद्दीपन

24. दोषारोपण धनात्मक प्रेरक है–
(A) मन्द बुद्धि बालक के लिए
(B) औसत बालक के लिए
(C) प्रतिभाशाली बालक के लिए
(D) उपर्युक्त सभी

25. बहुविकल्पीय प्रश्नों के एक सेट का एक उदाहरण है–
(A) ओपेन इन्डेड प्रश्नावली
(B) क्लोज इन्डेड प्रश्नावली
(C) ओपिनिओनायर
(D) ऑब्जर्वेशन शेड्यूल

26. कक्षा में एक शिक्षक द्वारा निम्नलिखित में से कौनसा परीक्षण किया जाता है ?
(A) निकष सन्दर्भित परीक्षण
(B) मानक सन्दर्भित परीक्षण
(C) (A) एवं (B) दोनों
(D) यू.पी.एस.सी. परीक्षा

27. एक आधुनिक भारतीय शिक्षाशास्त्री, जो अत्यन्त प्रकृतिवादी थे, हैं–
(A) स्वामी विवेकानन्द
(B) रविन्द्रनाथ टैगोर
(C) श्री अरविन्द
(D) जे. कृष्णमूर्ति

28. "शिक्षा व्यक्ति का पूर्ण विकास है" किसने कहा था ?
(A) अरस्तू (B) कमेनियस
(C) रेमण्ट (D) टी.पी. नन

29. निषेधात्मक शिक्षा सम्बन्धित है–
(A) आदर्शवाद से
(B) यथार्थवाद से
(C) प्रकृतिवाद से
(D) प्रयोजनवाद से

30. शाखीय अभिक्रमित अनुदेशन की अवधारणा दी थी–
(A) स्किनर ने (B) पावलॉव ने
(C) क्राउडर ने (D) ब्लूम ने

31. सृजनात्मकता के जनक कौन हैं ?
(A) स्पीयरमैन (B) टॉरेन्स
(C) थॉर्नडाइक (D) स्किनर

32. सामाजिक अधिगम सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं–
(A) थॉर्नडाइक (B) वाटसन
(C) कोहलर (D) बन्डूरा

33. लड़के और लड़कियों की उपलब्धि में अन्तर की जाँच के लिए निम्नलिखित में से कौनसा परीक्षण उपयोग में लाया जा सकता है ?
(A) सहसम्बन्धात्मक परीक्षण
(B) टी-परीक्षण
(C) काई-वर्ग परीक्षण
(D) प्रसरण विश्लेषण

34. एन.सी.टी.ई. की स्थापना संसद के विधि द्वारा ..... में हुई.
(A) 1975 (B) 1995
(C) 1996 (D) 1986

35. शिक्षा के चार स्तम्भों का विचार किस संस्था द्वारा दिया गया ?
(A) यू.जी.सी (B) यूनीसेफ
(C) यूनेस्को (D) एन.सी.टी.ई.

36. शिक्षा आयोग (1964–66) के प्रतिवेदन का शीर्षक था–
(A) बिना बोझ के सीखना
(B) एक जाग्रत एवं मानवीय समाज
(C) शिक्षा एवं भारत के लोग
(D) शिक्षा एवं राष्ट्रीय विकास

37. वुड का घोषणापत्र जारी हुआ था–
(A) 1833 में (B) 1854 में
(C) 1839 में (D) 1882 में

38. कौन विचलनशीलता का सर्वाधिक विश्वसनीय माप है ?
(A) चतुर्थांक विचलन
(B) माध्य विचलन
(C) मानक विचलन
(D) परास

39. यदि सभी प्राप्तांकों में एक नियतांक जोड़ दिया जाए तो निम्नलिखित में से कौन अपरिवर्तित रहेगा ?
(A) मध्यमान
(B) माध्यिका
(C) उच्चतम प्राप्तांक
(D) मानक विचलन

40. शिक्षा में 'अधोगामी निष्पन्दन सिद्धान्त' की अवधारणा दी गई थी–
(A) विलियम बैंटिंक द्वारा
(B) लार्ड मैकाले द्वारा
(C) एडम द्वारा
(D) वुड द्वारा

41. इनमें से कौन शिक्षा का एक वैयक्तिक उद्देश्य नहीं है ?
(A) शारीरिक विकास
(B) मानसिक विकास
(C) नागरिक के रूप में विकास
(D) सौन्दर्य बोधात्मक विकास

42. यशपाल समिति के अनुसार प्राथमिक कक्षाओं में 'शिक्षक-छात्र अनुपात' होना चाहिए–
(A) 1 : 20 (B) 1 : 30
(C) 1 : 40 (D) 1 : 50

43. यदि कोई शिक्षक किसी छात्र की प्रत्येक चौथी अनुक्रिया पर पुनर्बलन देता है तो वह निम्नलिखित प्रकार का पुनर्बलन दे रहा है–
(A) निश्चित अनुपात अनुसूची
(B) निश्चित अन्तराल अनुसूची
(C) चर अनुपात अनुसूची
(D) चर अन्तराल अनुसूची

44. निम्नलिखित में से कौनसे स्मृति के कारक हैं ?
(A) संवेदना, प्रत्यक्षीकरण, सामान्यीकरण
(B) धारण, प्रत्यक्षीकरण, स्मरण करना
(C) अधिगम, स्मरण करना, पुनःस्मरण
(D) धारण, पुनःस्मरण, पहचान

45. जब एक कार्य का निष्पादन दूसरे कार्य के निष्पादन में अवरोध उत्पन्न करता है, तो इसे कहा जाता है–
(A) सकारात्मक स्थानान्तरण
(B) नकारात्मक स्थानान्तरण
(C) शून्य स्थानान्तरण
(D) क्षैतिज स्थानान्तरण

46. किसका कथन है, "शिक्षा दर्शन का गत्यात्मक पहलू है" ?
(A) हरबर्ट का (B) डीवी का
(C) एडम्स का (D) प्लेटो का

47. 'सर्व शिक्षा अभियान' सम्बन्धित है–
(A) प्रौढ़ शिक्षा से
(B) प्राथमिक शिक्षा से
(C) बालिकाओं की शिक्षा से
(D) माध्यमिक शिक्षा से

48. सामाजिक परिवर्तन का मुख्य कारण है–
(A) श्रम (B) मशीनें
(C) आविष्कार (D) शिक्षा

49. निम्नलिखित में से कौन एक मानक नहीं है ?
(A) श्रेणी मानक
(B) आयु मानक
(C) प्रतिशताशीय मानक
(D) प्रतिशत मानक

50. किस विचारधारा के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य सत्यं, शिवम् और सुन्दरम् होना चाहिये ?
(A) आदर्शवादी (B) मानवतावादी
(C) प्रकृतिवादी (D) यथार्थवादी

MAGAZINE KING

51. शेपर्ड त्रुटि संशोधन प्रयोग किया जाता है–
(A) मध्यमान को संशोधित करने में
(B) सहसम्बन्ध को संशोधित करने में
(C) प्रमाणिक विचलन को संशोधित करने में
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

52. यशपाल कमेटी का सुझाव है–
(A) अपव्यय एवं अवरोधन की समस्या को हल करने के लिए
(B) स्कूल बस्ते का बोझ को कम करना
(C) परीक्षा को वस्तुनिष्ठ बनना
(D) अनुशासनहीनता की समस्या को सुलझाना

53. बौद्ध शिक्षा प्रारम्भ करने का संस्कार है–
(A) यज्ञोपवीत (B) उपनयन
(C) उपसम्पदा (D) समावर्तन

54. बुद्धि संरचना प्रतिमान प्रतिपादित किया–
(A) थॉर्नडाइक (B) वर्नन
(C) गिल्फर्ड (D) कैटिल

55. निम्नलिखित में से कौन आदर्शवादी नहीं है ?
(A) सुकरात (B) प्लेटो
(C) ड्यूवी (D) हीगल

56. निम्नलिखित में से कौनसी वैदिक शिक्षा की विशिष्टता नहीं है ?
(A) व्यक्तित्व का विकास
(B) ज्ञान एवं अनुभव
(C) संस्कृति का संरक्षण
(D) प्रकृति के अनुसार बालक का विकास

57. कौनसा सामाजिक विरासत का प्रतीक है ?
(A) मानक (B) भागीदारी
(C) संस्कृति (D) समानता

58. किसने कहा है, "शैक्षिक परिवर्तन और सामाजिक परिवर्तन एक दूसरे पर निर्भर करते हैं" ?
(A) दुर्खीम (B) जॉन डीवी
(C) जॉनसन (D) ओट्टावे

59. 'वाहन चलाना' सीखना किस पर आधारित है ?
(A) अधिगम की प्रयास और त्रुटि विधि
(B) सोपानिक अधिगम
(C) क्रियाप्रसूत अनुबन्धन
(D) अन्तर्दृष्टि अधिगम

60. किसने कहा कि "मनुष्य की अन्तर्निहित पूर्णता को अभिव्यक्त करना ही शिक्षा है" ?
(A) महात्मा गाँधी (B) विवेकानन्द
(C) प्लेटो (D) जॉन डीवी

61. गांधीजी ने किस वर्ष में राष्ट्रीय बेसिक शिक्षा योजना प्रस्तुत की थी ?
(A) 1913 (B) 1923
(C) 1927 (D) 1937

62. प्रोजेक्ट विधि का सम्बन्ध है–
(A) डीवी से
(B) किल्पैट्रिक से
(C) विलियम से
(D) सेन्डर्स पियर्स से

63. "नेशनल सिस्टम ऑफ एजूकेशन" पुस्तक किसने लिखी ?
(A) गाँधीजी (B) अरविन्दो
(C) टैगोर (D) विवेकानन्द

64. "सोशियल फिजिक्स" नाम किसने दिया ?
(A) मेक्स वेबर (B) कॉम्टे
(C) पायने (D) ब्राउन

65. किसने कहा कि "मनोविज्ञान व्यवहार का धनात्मक विज्ञान है" ?
(A) मॉर्गन (B) वारेन
(C) वाटसन (D) मैक ड्यूगल

66. मनोविश्लेषणवाद के प्रत्यय का सम्बन्ध निम्नलिखित नाम से है–
(A) डीवी (B) वाटसन
(C) स्किनर (D) फ्रायड

67. मनोलैंगिक विकास का सिद्धान्त किसने दिया ?
(A) इरिक्सन (B) चोमस्की
(C) पियाजे (D) फ्रायड

68. किसने व्यक्तित्व को लम्बकाय, सुडौल-काय तथा गोलकाय में वर्गीकृत किया ?
(A) जुंग (B) क्रेचमर
(C) स्प्रेन्जर (D) मुर्रे

69. वस्तुनिष्ठ प्रकार के परीक्षण की मुख्य विशेषता है–
(A) वस्तुनिष्ठता (B) विश्वसनीयता
(C) वैधता (D) ये सभी

70. मध्यांक मान का सूत्र है–
(A) $Mdn = L - \left[\frac{N/2 - Fb}{Fa}\right] C.I.$
(B) $Mdn = L + \left[\frac{N - Fb}{Fa}\right] C.I.$
(C) $Mdn = L + \left[\frac{N/2 - Fa}{Fb}\right] C.I.$
(D) $Mdn = L + \left[\frac{N/2 - Fb}{Fa}\right] C.I.$

71. स्पीयरमैन ने कारक दिए–
(A) सामान्य कारक
(B) विशिष्ट कारक
(C) (A) एवं (B) दोनों
(D) इनमें से कोई नहीं

72. निम्नलिखित में से कौनसा लोक-तान्त्रिक शिक्षा की रूपान्तरित माँग है ?
(A) व्यक्ति का असीम महत्व
(B) व्यक्तियों का आत्मत्याग
(C) अधिकारों एवं कर्तव्यों की अभिन्नता प्रकृति
(D) शैक्षिक अवसरों की समानता

73. बेसिक शिक्षा में निहित सिद्धान्त था–
(A) साक्षरता को प्रोत्साहन
(B) पास-पड़ोस के पर्यावरण से छात्रों को परिचित कराना
(C) मस्तिष्क, हृदय और हाथ इन तीनों के कार्यों को सम्बन्धित करना
(D) ज्ञान में वृद्धि करना

74. भारत में स्वतन्त्रोपरान्त औद्योगिकीकरण ने विकास पर बल दिया है–
(A) उदार शिक्षा के
(B) श्रम शिक्षा के
(C) वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रबन्धन शिक्षा के
(D) सामाजिक रूप से बाधित बालकों की शिक्षा के

75. भारत में नारी शिक्षा आन्दोलन की शुरूआत किसने किया ?
(A) कार्वे (B) अम्बेडकर
(C) राममोहन राय (D) बाबा आम्टे

76. शिक्षा के रूप में आत्मानुभूति (सैल्फ रियलाइजेशन) से तात्पर्य है–
(A) नैतिक विकास
(B) सामाजिक विकास
(C) समस्त मानव शक्तियों का पूर्ण विकास
(D) भावनात्मक विकास

77. संज्ञान के विषय में यथार्थवादियों का दृष्टिकोण है–
(A) आत्मनिष्ठ
(B) वस्तुनिष्ठ
(C) आत्मनिष्ठ एवं वस्तुनिष्ठ दोनों
(D) न आत्मनिष्ठ न वस्तुनिष्ठ

78. निम्नलिखित में से कौनसा प्रकृतिवादियों का दृष्टिकोण नहीं है ?
(A) बालक स्वर्ग से आभा के बादल के साथ आता है
(B) शक्ति से अधिकार का जन्म नहीं होता
(C) बालक क्या होगा इस पर विचार न करके इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि वह क्या है
(D) शिक्षा जीने के लिए तैयारी नहीं बल्कि स्वयं जीवन है

MAGAZINE KING

79. सामाजिक परिवर्तन में परिवर्तन निहित है–
(A) समाज की संरचना
(B) मानवीय सम्बन्ध
(C) अभिवृत्तियाँ, आदर्श एवं मूल्य
(D) उपर्युक्त तीनों

80. धर्मनिरपेक्षता का अर्थ होता है–
(A) एक धर्म की उन्नति करना
(B) किसी धर्म की उन्नति नहीं करना
(C) सभी धर्मों की उन्नति करना
(D) उपर्युक्त में से किसी की उन्नति नहीं करना

81. श्रेणीक्रमगत बुद्धि-सिद्धान्त किसने प्रतिपादित किया ?
(A) थर्स्टन
(B) बर्ट और और वर्नर
(C) गिल्फोर्ड
(D) पियाजे

82. प्रो. शिव को एक नृत्य कार्यक्रम देखने तथा एक नोबेल पुरस्कार विजेता का भाषण सुनने के लिए दो टिकटें उपहार में मिलीं. ये दोनों कार्यक्रम एक ही दिन और एक ही समय पर हो रहे थे. वह दोनों में से किसी एक को भी खोना नहीं चाहता है. उसे निम्नलिखित में से किस प्रकार का द्वन्द्व का सामना करना पड़ रहा है ?
(A) उपागम–उपागम
(B) उपागम–परिहार
(C) परिहार–परिहार
(D) परिहार–उपागम

83. आनुवंशिकता किसे अधिक प्रभावित करती है ?
(A) अभिवृत्ति
(B) अभिरुचि
(C) अभिक्षमता
(D) अभिप्रेरण

84. एक व्यक्ति बिना यह जाने की उसके व्यक्तित्व का परीक्षण किया जा रहा है निसंकोच आत्मभिव्यक्ति करता है यह निम्नलिखित में से किसके माध्यम से सम्भव है ?
(A) व्यक्तिनिष्ठ तकनीक
(B) वस्तुनिष्ठ तकनीक
(C) प्रक्षेपण तकनीक
(D) निदानात्मक तकनीक

85. निम्नलिखित में से किसमें अन्तर्दृष्टि अधिगम है ?
(A) पावलॉव'स डॉग
(B) स्किनर'स पिजेन
(C) कोहलर'स मंकी
(D) वाट्सन'स बेबी

86. पियाजे के अनुसार परिकल्पना युक्त तर्क की भावना (हाइपोथैटिकल रीजनिंग) बच्चों में, निम्नलिखित में से कौनसी स्थिति में उत्पन्न हो जाती है ?
(A) यथार्थ कार्यवाही (कंक्रीट ऑपरेशन्स)
(B) औपचारिक कार्यवाही (फॉर्मल ऑपरेशन्स)
(C) कृतसंकल्पना (इन्ट्यूटिव थॉट)
(D) पूर्व बोध विचार (प्रीकान्सैप्चुअल थॉट)

87. विश्वसनीयता (रिलायेबिलिटी) सहयोगीत्व (कोएफिशियैन्ट) तत्वों का मूल्य निम्न में से कौनसा है ?
(A) सदैव सकारात्मक
(B) सदैव नकारात्मक
(C) सम्भावतः सकारात्मक
(D) सम्भवतः नकारात्मक

88. नैदानिक परीक्षण निम्नलिखित उद्देश्य के लिए किया जाता है–
(A) व्यक्तियों की समस्याओं का समाधान
(B) व्यक्ति की समस्याओं की पहचान
(C) शिक्षण
(D) परीक्षा

89. बौद्ध धर्म में शिक्षा आरम्भ करने के संस्कार को कहा जाता है–
(A) विद्यारम्भ (B) उपनयन
(C) पबज्जा (D) उपसम्पदा

90. "विद्यालय समाज का लघुरूप है" किसने कहा था ?
(A) ओटावे (B) थॉम्पसन
(C) ब्राउन (D) जॉन ड्यूवी

91. निम्नलिखित में से किस संस्था का शिक्षा पर सर्वाधिक नियन्त्रण होता है ?
(A) धर्म (B) परिवार
(C) राज्य (D) समुदाय

92. 'सामाजिक दक्षता' का शैक्षिक उद्देश्य के रूप में प्रत्यय किसने दिया था ?
(A) जेम्स (B) पीयर्स
(C) हेगेल (D) ड्यूवी

93. अभिक्रमित अनुदेशन किस सिद्धान्त पर आधारित है ?
(A) शास्त्रीय अनुबन्धन
(B) संज्ञानात्मक अधिगम
(C) गेस्टाल्ट (समग्राकृति)
(D) क्रियाप्रसूत अनुबन्धन

94. 'स्वगति से सीखना' एक विशेष लक्षण है–
(A) अध्यापक केन्द्रित विधि
(B) अभिक्रमित अनुदेशन का
(C) विद्यार्थी केन्द्रित विधि
(D) गतिविधि केन्द्रित विधि

95. एक अध्यापक विद्यार्थियों के ..... का मापन करने के लिए विषय आत्मबोधन परीक्षण (T.A.T.) प्रशासित करता है.
(A) उपलब्धि (B) जागरूकता
(C) अभिवृत्ति (D) व्यक्तित्व

96. एक मानकीकृत परीक्षण की दो प्रमुख विशेषताएँ हैं–
(A) वस्तुनिष्ठता एवं विश्वसनीयता
(B) विश्वसनीयता एवं वैधता
(C) विश्वसनीयता एवं उपयोगिता
(D) वैधता एवं उपयोगिता

97. किस क्षेत्र में सुधार के लिए "ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड" शुरू किया गया था ?
(A) प्राथमिक शिक्षा
(B) माध्यमिक शिक्षा
(C) उच्च शिक्षा
(D) शिक्षक शिक्षा

98. निम्नलिखित में कौन अन्य तीन के समूह से भिन्न है ?
(A) शास्त्रीय अनुबन्धन
(B) क्रियाप्रसूत अनुबन्धन
(C) क्षेत्र सिद्धान्त
(D) प्रयास एवं त्रुटि का सिद्धान्त

99. कोलबर्ग द्वारा नैतिक विकास की कितनी अवस्थाएँ सुझाई गई है ?
(A) 4 अवस्थाएँ (B) 5 अवस्थाएँ
(C) 6 अवस्थाएँ (D) 8 अवस्थाएँ

100. सहसम्बन्ध गुणांक का मान रहता है–
(A) 0·00 से + 1·00 के मध्य
(B) 0·00 से – 1·00 के मध्य
(C) –1·00 से + 1·00 के मध्य
(D) –1·00 से + 2·00 के मध्य

101. वर्धा शिक्षा सम्मेलन हुआ था–
(A) 1921 में (B) 1930 में
(C) 1937 में (D) 1944 में

102. निम्नलिखित में से किस आवश्यकता को मास्लो ने नहीं सुझाया था ?
(A) सुरक्षा
(B) शारीरिक
(C) आत्म अभिव्यक्ति
(D) आत्मसम्मान

103. बालिकाओं की शिक्षा के सम्बन्ध में गठित प्रथम समिति निम्नलिखित में से कौनसी थी ?
(A) सम्पूर्णानन्द समिति
(B) कोठारी आयोग
(C) हंसा मेहता समिति
(D) ईश्वर भाई पटेल समिति

104. भारत में 10 + 2 + 3 शैक्षिक संरचना की स्थापना का सुझाव दिया–
(A) मुदालियर आयोग ने

MAGAZINE KING

(B) कोठारी आयोग ने
(C) विश्वविद्यालय आयोग ने
(D) यशपाल समिति ने

105. शिक्षा में अवरोधन का अर्थ है–
(A) उपयुक्त विद्यालय भवनों की कमी
(B) प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी
(C) छात्रों द्वारा निर्धारित समय में पाठ्यक्रम पूरा करने में असफलता
(D) विद्यालयों में उपयुक्त साजसज्जा का अभाव

106. नीचे दी गई परिस्थितियों में कौनसी सीखने की प्रक्रिया की सफलता के लिए सबसे अधिक आवश्यक है ?
(A) अवधान
(B) अभ्यास
(C) उच्च बौद्धिक स्तर
(D) अभिप्रेरणा स्तर

107. प्रकृतिवाद किस प्रकार के अनुशासन का समर्थन करता है ?
(A) प्रभावात्मक
(B) दमनात्मक
(C) मुक्त्यात्मक
(D) प्रकृतिवादी/प्राकृतिक

108. अधिगम का सर्वाधिक उपयुक्त अर्थ है–
(A) ज्ञान का अर्जन
(B) कौशलों का अर्जन
(C) व्यवहार का परिमार्जन
(D) व्यक्तिगत समायोजन

109. भारतीय संविधान में "शिक्षा के अधिकार" को मूल अधिकार के रूप में जोड़ा गया–
(A) धारा 45 में (B) धारा 21A में
(C) धारा 45A में (D) धारा 22 में

110. गोखले बिल सम्बन्धित है–
(A) प्राथमिक शिक्षा से
(B) माध्यमिक शिक्षा से
(C) उच्च शिक्षा से
(D) शिक्षक शिक्षा से

111. बुनियादी शिक्षा अथवा नई तालीम की मुख्य विशेषता है–
(A) नैतिक शिक्षा प्रदान करना
(B) अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना
(C) स्वावलम्बन की भावना विकसित करना
(D) व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करना

112. निम्नलिखित में से कौन थर्स्टन के सिद्धान्त में प्राथमिक मानसिक योग्यता नहीं है ?
(A) सांख्यिक योग्यता
(B) स्मृति
(C) यान्त्रिक योग्यता
(D) शाब्दिक योग्यता

113. निम्नलिखित में से सीखने का नियम कौनसा है ?
(A) तत्परता का नियम
(B) अभ्यास का नियम
(C) प्रभाव का नियम
(D) ये सभी

114. निम्नलिखित में से कौनसी संस्था ने सूझ-बूझ द्वारा अधिगम पर जोर दिया ?
(A) व्यवहारवाद ने
(B) गेस्टाल्ट स्कूल
(C) मनोविश्लेषणात्मक स्कूल
(D) कनेक्शनिज्म

115. मनोवैज्ञानिक परीक्षण होने चाहिए–
(A) लम्बे तथा जटिल
(B) स्पष्ट तथा छोटे
(C) विश्वसनीय एवं वैध
(D) इनमें से कोई नहीं

116. संज्ञानात्मक विकास सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं–
(A) लैजारस (B) पियाजे
(C) टॉलमैन (D) कोहलर

117. अरबिन्द आश्रम कहाँ स्थित है ?
(A) तमिलनाडु (B) पुडुचेरी
(C) दिल्ली (D) कोलकाता

118. रबीन्द्रनाथ टैगोर के शान्ति निकेतन स्कूल ने किस मुख्य सिद्धान्त का समर्थन किया ?
(A) आदर्शवाद का
(B) मानवतावाद का
(C) प्रयोजनवाद का
(D) प्रकृतिवाद का

119. गुरुकुल काल में निम्नलिखित में से कौनसा उपागम सबसे कम प्रयोग किया जाता था ?
(A) व्याख्यान
(B) प्रयोगकार्य
(C) चर्चा
(D) सस्वर पाठ

120. सामाजिक परिवर्तन का वृहत् अवरोधक है–
(A) मूल्यों के विभिन्न स्तर
(B) धर्म
(C) अनियोजित सामाजिक सभा
(D) सभी आयु वर्ग की सहभागिता की अपेक्षा

121. मनोवैज्ञानिक चिन्तन (विचार) के आधार पर बेमेल खोजिए–
(A) हल (B) पावलॉव
(C) स्किनर (D) बन्डूरा

122. X और Y दो चरों के बीच एक महत्वपूर्ण सहसम्बन्ध दर्शाता है कि–
(A) X और Y स्वतन्त्र हैं
(B) X और Y साथ-साथ परिवर्तित होते हैं
(C) X, Y में परिवर्तन करता है
(D) Y, X में परिवर्तन करता है

123. "बच्चों का घर" शब्द का सम्बन्ध है–
(A) रूसो से
(B) फ्रोबेल से
(C) मैडम मॉन्टेसरी से
(D) के. जी. सैयदन से

124. किन्डर गार्टन शब्द किस व्यक्ति के नाम से सम्बन्धित है ?
(A) फ्रोबेल (B) हरबर्ट
(C) विवेकानन्द (D) पैस्टालॉजी

125. प्रयोजनवाद के अनुसार अनुशासन होना चाहिए–
(A) दमनात्मक (B) प्रभावात्मक
(C) निरहस्तक्षेप (D) स्व-अनुशासन

उत्तर व्याख्या सहित

1. (C) इरैसमस, एक डच इसाई मानवतावादी थे जो उत्तरी पुनर्जागरण का सबसे बड़ा विद्वान् था. मूल रूप से कैथोलिक पुजारी के रूप में प्रशिक्षित, इरास्मस शास्त्रीय छात्रवृत्ति में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति था.
2. (A) जॉन डीवी का जन्म अमरीका में हुआ था. उसकी अभिरुचि दर्शनशास्त्र में थी. डूई की पुस्तक 'द स्कूल एंड सोसाइटी' (1899) अत्यंत लोकप्रिय हुई. इस ग्रंथ के माध्यम से डीवी के प्रगतिशील शैक्षिक विचारों का प्रचार हुआ.
3. (A) विल्हेम मैक्स मिलियन वुण्ट जर्मनी के चिकित्सक, दार्शनिक प्राध्यापक थे जिन्हें आधुनिक मनोविज्ञान का जनक माना जाता है.
4. (B)
5. (A) पियाजे स्विट्जरलैण्ड के एक चिकित्सा मनोविज्ञानी थे जो बाल विकास पर किये गये अपने कार्यों के कारण प्रसिद्ध हैं. पियाजे ने संज्ञानात्मक विकास में कुछ खास चीजें खोजना सिखाया.
6. (D) 7. (D) 8. (D) 9. (C)
10. (D) 11. (A) 12. (B) 13. (A)
14. (D)
15. (D) रूसो की गणना पश्चिम के युग प्रवर्तक विचारकों में है.
16. (D)
17. (A) शैक्षिक मनोविज्ञान, मनोविज्ञान की वह शाखा है, जिसमें इस बात का अध्ययन किया जाता है कि मानव शैक्षिक वातावरण में सीखता कैसे है तथा शैक्षणिक क्रियाकलाप अधिक प्रभावी कैसे बनाये जा सकते हैं.

MAGAZINE KING

18. (A)
19. (C) कार्ल गुस्टाफ जुंग स्विट्जरलैण्ड के मनोवैज्ञानिक तथा मनोचिकित्सक थे. फ्राइड के बाद मनोविश्लेषण सम्प्रदाय के कार्य को सबसे अधिक जुंग ने ही आगे बढाया.
20. (B)
21. (C) इवान पावलोव एक रूसी फिजियोलॉजिस्ट थे. शास्त्रीय कंडीशनिंग के पावलोव के सिद्धान्त विभिन्न शैक्षणिक कक्षाओं सहित प्रयोगात्मक और नैदानिक सैटिंग्स में संचालित करने के लिए पाए गए हैं.
22. (A)
23. (B) ऑपरेंट कंडीशनिंग व्यवहार के प्रति संवेदनशील है या उसके परिणामों के द्वारा नियंत्रित है जिसमें एक सीखने की प्रक्रिया है.
24. (C) 25. (B) 26. (A) 27. (B)
28. (B) जॉन कमेनियस चेक गणराज्य के शिक्षणशास्त्री दार्शनिक ने उन्हें आधुनिक शिक्षा का जनक कहा जाता है.
29. (C) 30. (C) 31. (B)
32. (D) अल्बर्ट वण्डूरा एक प्रभावशाली सामाजिक संज्ञानात्मक मनोवैज्ञानिक है. वण्डूरा व्यापक रूप से महानतम जीवित वैज्ञानिकों में से एक माना जाता है.
33. (B)
34. (B) राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद् (NCTE) भारत सरकार की एक संस्था है जिसकी स्थापना राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद् अधिनियम के अन्तर्गत 17 अगस्त, 1995 को की गई थी. इसका उत्तरदायित्व भारतीय शिक्षा प्रणाली के मानक प्रक्रियाएं एवं धाराओं की स्थापना एवं निरीक्षण करना है.
35. (C) 36. (D)
37. (B) वुड का घोषणापत्र सर चार्ल्स वुड द्वारा बनाया सौ अनुच्छेदों का लम्बा पत्र था जो 1854 में आया था. इसमें भारतीय शिक्षा पर विचार किया गया और उसके सम्बन्ध में सिफारिशें की गई थीं.
38. (C) 39. (D)
40. (B) लॉर्ड मैकाले ब्रिटेन का राजनीतिज्ञ, कवि इतिहासकार था. अंग्रेजी को भारत की सरकारी भाषा तथा शिक्षा का माध्यम और यूरोपीय साहित्य, दर्शन तथा विज्ञान को भारतीय शिक्षा का लक्ष्य बनाने में इसका बड़ा हाथ था.
41. (C) 42. (B) 43. (A) 44. (D)
45. (B) 46. (C)
47. (B) सर्वशिक्षा अभियान भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसकी शुरूआत (2001-02) में अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा एक निश्चित समयावधि के तरीके से प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण को प्राप्त करने के लिए किया गया.
48. (D) 49. (D)
50. (A) आदर्शवाद उन विचारों और मान्यताओं की समेकित विचारधारा है जिनके अनुसार इस जगत की समस्त वस्तुएँ विचार या चेतना की अभिव्यक्ति है. आदर्शवाद जड़ता या भौतिकवाद का विपरीत रूप प्रस्तुत करता है.
51. (C) 52. (B) 53. (C) 54. (C)
55. (C) 56. (D)
57. (C) संस्कृति किसी समाज में गहराई तक व्याप्त गुणों का समग्र नाम है, जो उस समाज के सोचने, विचारने से बना है.
58. (B) 59. (A) 60. (B) 61. (D)
62. (B) 63. (B)
64. (B) आगस्त कॉम्टे एक फ्रांसीसी विचारक थे. वे समाजशास्त्र के संस्थापकों में से एक हैं. उन्होंने तथ्यवाद (पॉजिटिवज्म) के विचार का प्रतिपादन किया.
65. (C) 66. (D) 67. (D) 68. (B)
69. (D) 70. (D) 71. (C) 72. (D)
73. (C) भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन के समय गाँधीजी ने सबसे पहले बुनियादी शिक्षा की कल्पना की थी. उनका मत था कि भारत जैसे गरीब देश में शिक्षार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ कुछ धनोपार्जन भी कर लेना चाहिए जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें.
74. (C)
75. (A) महर्षि डॉ. धोड़ो केशव कर्वे प्रसिद्ध समाज सुधारक थे. उन्होंने महिला शिक्षा और विधवा विवाह में महत्वपूर्ण योगदान किया. उन्होंने अपना जीवन महिला उत्थान को समर्पित कर दिया. उनके द्वारा मुम्बई में स्थापित एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय भारत का प्रथम महिला विश्वविद्यालय है.
76. (C) 77. (C) 78. (D) 79. (D)
80. (C) 81. (B) 82. (A) 83. (C)
84. (C) 85. (C) 86. (B) 87. (A)
88. (B) व्यक्ति की समस्याओं की पहचान के लिए नैदानिक परीक्षण किया जाता है.
89. (C) बौद्ध धर्म में शिक्षा आरम्भ करने के संस्कार को पबज्जा कहा जाता है.
90. (D) जॉन ड्यूवी जो अमरीकी शिक्षाशास्त्री थे, उनका मानना था कि 'विद्यालय समाज का लघुरूप' है.
91. (C) 92. (D) 93. (D) 94. (B)
95. (D) 96. (B)
97. (A) ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड भारत सरकार द्वारा 1987 में प्राथमिक शिक्षा में सुधार के लिए चलाया गया था.
98. (C) 99. (C) 100. (C)
101. (C) महात्मा गाँधी की भारत की जो देन है उसमें बुनियादी शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण एवं बहुमूल्य है. इसे वर्धा योजना, नयी तालीम, बुनियादी तालीम तथा बेसिक शिक्षा के नामों से भी जाना जाता है. गाँधीजी ने 23 अक्टूबर, 1937 को नयी तालीम की योजना बनायी.
102. (C) 103. (C) 104. (B) 105. (C)
106. (D)
107. (C) प्रकृतिवाद मुक्त्यात्मक (Emancipationistic) अनुशासन का समर्थन करता था.
108. (C) 109. (B) 110. (A) 111. (C)
112. (C) 113. (D)
114. (B) गेस्टाल्ट मनोविज्ञान की स्थापना जर्मनी में मैक्स बरदाईमर द्वारा 1912 ई. में की गयी थी. इस सम्प्रदाय का मुख्य बल व्यवहार में सम्पूर्णता के अध्ययन पर है.
115. (C)
116. (B) संज्ञानात्मक विकास मनोविज्ञान का एक अध्ययन क्षेत्र है जिसमें बालक द्वारा सूचना प्रसंस्करण, भाषा सीखने तथा मस्तिष्क के विकास के अन्य पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है.
117. (B) 118. (D) 119. (B) 120. (B)
121. (D) 122. (B)
123. (C) मारिया मांटेसरी इटली की एक चिकित्सक तथा शिक्षाशास्त्री थीं, जिनके नाम से शिक्षा की मांटेसरी पद्धति प्रसिद्ध है.
124. (A) फ्रोबेल जर्मनी के प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री थे. उन्होंने किंडरगार्टन की संकल्पना दी.
125. (D) ●●●

शेष पृष्ठ 141 का

100. "अभिप्रेरणा शक्ति या प्रयासों का स्तर सन्तुष्टि और प्रदर्शन के बराबर नहीं होती" का प्रतिपादन किसके द्वारा किया गया है ?
(A) पोर्टर-लॉलर मॉडल
(B) वूम का प्रत्याशा सिद्धान्त
(C) X एवं Y सिद्धान्त
(D) एडम का समता सिद्धान्त

उत्तरमाला

1. (D)	2. (B)	3. (D)	4. (C)
5. (C)	6. (A)	7. (C)	8. (C)
9. (D)	10. (C)	11. (D)	12. (C)
13. (A)	14. (B)	15. (C)	16. (B)
17. (B)	18. (*)	19. (B)	20. (C)
21. (A)	22. (A)	23. (C)	24. (D)
25. (A)	26. (D)	27. (C)	28. (B)
29. (C)	30. (D)	31. (B)	32. (D)
33. (C)	34. (B)	35. (C)	36. (D)
37. (B)	38. (A)	39. (B)	40. (B)
41. (B)	42. (A)	43. (B)	44. (D)
45. (C)	46. (D)	47. (A)	48. (B)
49. (B)	50. (D)	51. (B)	52. (B)
53. (A)	54. (C)	55. (D)	56. (B)
57. (A)	58. (B)	59. (A)	60. (A)
61. (B)	62. (C)	63. (A)	64. (A)
65. (C)	66. (D)	67. (D)	68. (D)
69. (A)	70. (A)	71. (B)	72. (C)
73. (B)	74. (B)	75. (C)	76. (D)
77. (A)	78. (C)	79. (C)	80. (A)
81. (D)	82. (D)	83. (B)	84. (B)
85. (D)	86. (B)	87. (A)	88. (A)
89. (A)	90. (A)	91. (A)	92. (C)
93. (C)	94. (B)	95. (C)	96. (D)
97. (C)	98. (A)	99. (A)	100. (A)

(*) Bonus mark. ●●●

MAGAZINE KING

सूचना एवं प्रसारण क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियाँ– नए क्षितिज की ओर

(Various Activities in Information and Broadcasting Sector—Towards New Horizons)

निःसंदेह ! वर्तमान में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (Ministry of Information and Broadcasting–**MoI&B**, भारत सरकार), नई दिल्ली (वेबसाइट-www.mib. nic.in/www. mib.gov.in) रेडियो, टेलीविजन, फिल्मों, प्रकाशन, विज्ञापन जैसे जनसंचार के संसाधनों एवं संचार के पारम्परिक तरीकों, जैसे–संगीत, नाटक और नृत्य के माध्यम से लोगों को निर्बाध रूप से सूचना उपलब्ध कराने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. मंत्रालय (**MoI & B, GOI**) विभिन्न आयु वर्ग के लोगों को मनोरंजन सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने का अथक प्रयास करता है, साथ ही लोगों को राष्ट्रीय एकता, पर्यावरण सुरक्षा एवं संरक्षण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, निरक्षरता समाप्त करने, महिलाओं, बच्चों, अल्पसंख्यकों और समाज के अन्य कमजोर वर्गों से सम्बन्धित मुद्दों के प्रति जागरूक भी करता है.

- मंत्रालय (**MoI & B, GOI**)-5 खण्डों (विंग्स) में विभाजित है–(i) सूचना खण्ड, (ii) प्रसारण खण्ड, (ii) फिल्म खण्ड, (iv) एकीकृत वित्त खण्ड, (v) आर्थिक खण्ड. मंत्रालय अपने कार्य **21** मीडिया इकाइयों/सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों, स्वायत्त निकायों एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा करता है.
- मंत्रालय (**MoI & B, GOI**) का फिल्म खण्ड, फिल्म जगत् से जुड़े मामले देखता है. वृत्तचित्रों का निर्माण एवं वितरण, फिल्म इण्डस्ट्रीज के विकास और उसे बढ़ावा देने, प्रशिक्षण, फिल्म समारोहों के आयोजन, फिल्मों के आयात और निर्यात से सम्बन्धित सभी पहलुओं पर यह फिल्म खण्ड कार्य करता है.

भारत सरकार के अधीनस्थ सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (Ministry of Information & Broadcasting—**MoI&B, GOI**), नई दिल्ली की वार्षिक रिपोर्ट 2018-19 के अनुसार सूचना एवं प्रसारण के विभिन्न क्षेत्रों में वर्ष के दौरान अनेक उपलब्धियाँ हासिल हुई हैं, जिन्हें संक्षिप्त रूप में निम्न् प्रकार से वर्णित किया जा सकता है–

- **प्रमुख उपलब्धियाँ एवं नई दिशाएं–(Major Achievements and New Directions)–**

☛ **सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार का संगठनात्मक ढाँचा/संरचना तथा गतिविधियाँ (Organisational Set-up/Infrastructure and Activities of the Ministry of Information & Broadcasting–'MoI & B', Government of India—GOI)**

- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (**MoI&B, GOI**), नई दिल्ली (Hq.) के अधीनस्थ एक सर्वोच्च पद सचिव का होता है, जिसके अधीनस्थ 1-पद संयुक्त सचिव (**JS** नीति एवं प्रशासन–JSP&A); 1 अतिरिक्त सचिव; 1 संयुक्त सचिव (JS फाइनेन्स एवं सी.वी.ओ.); 1 संयुक्त सचिव (प्रसारण); 1 वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार, 1 अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, आदि अनेक पद कार्यरत् हैं.
- मंत्रालय (**MoI &B, GOI**) के अधीनस्थ प्रकाशन प्रभाग द्वारा कुल **18** सर्वाधिक जर्नल्स/पत्रिकाएं प्रकाशित की जाती हैं, जिनमें प्रमुख रूप से (i) **योजना** (अंग्रेजी, हिन्दी एवं 11 क्षेत्रीय भाषाओं में) वर्ष 1957 से प्रकाशित; (ii) **कुरुक्षेत्र** (अंग्रेजी, व हिन्दी में) वर्ष 1952 से प्रकाशित; वर्ष 2017-18 में कुरुक्षेत्र पत्रिका द्वारा स्वच्छता, कृषकों की आय बढ़ाने पर; ग्रामीण स्वास्थ्य, सिंचाई एवं जल संरक्षण, ग्रामीण युवा में दक्षता पर, आदि विषयों पर; (iii) आजकल (हिन्दी व उर्दू) वर्ष 1945 से शुरूआत जिसने 75 वर्षीय मासिक पत्रिका जुलाई 2017 की प्रकाशित की तथा (iv) बाल भारती (हिन्दी) वर्ष 1948 से शुरू, जो बच्चों में सामाजिक, वैज्ञानिक एवं बुद्धि विकास हेतु प्रकाशित की जाती है.
- **'मन की बात कार्यक्रम'**-माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी द्वारा इस **'मन की बात कार्यक्रम'** के अन्तर्गत रेडियो पर राष्ट्र को सम्बोधन की **14** कड़ियाँ **'आई टी यूनिट'** द्वारा सफलतापूर्वक कवर की गई. इस कार्यक्रम के लिए एक वेबसाइट news-on-air.nic.in पर लाइव ब्रोडकास्टिंग की जाती है. **'एनएसडी'** के ट्वीटर अकाउंट @air-newsalerts के जरिए **अंग्रेजी** और **हिन्दी** में लाइव ट्विटिंग की जाती है. **'एनएसडी'** के ट्वीट्स का करीब 30% प्रधानमंत्री कार्यालय के आधिकारिक अकाउंट @pmoindia द्वारा रि-ट्वीट किया जाता है. **16** भाषाओं में 9 लाख से अधिक व्यक्तियों को लाइव **'एसएमएस'** (SMS) भेजे जाते हैं. कार्यक्रमों का ऑडियो उनके प्रसारण होने के तत्काल बाद **'साउंड क्लाउड'** पर अपलोड किया जाता है. कार्यक्रमों के लिंक ट्वीटर और फेसबुक दोनों पर उपलब्ध कराए जाते हैं.
- **प्रधानमंत्री इकाई**–प्रधानमंत्री कार्यालय को प्रचार और मीडिया सहयोग उपलब्ध कराने के लिए **'पीआईवी'** के पास एक समर्पित इकाई है. यह इकाई 365 दिन, चौबीसों घण्टे कार्य करती है. यूनिट राष्ट्रव्यापी प्रचार करने तथा प्रधानमंत्री कार्यालय हेतु फीडबैक लेने के लिए व्यापक रूप से क्षेत्रीय/शाखाओं का दौरा भी करती है.
- केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने 23 अक्टूबर, 2019 को सरकार द्वारा **'रबी'** फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम. एस. पी.) में ₹ 325 की वृद्धि हेतु आर्थिक मामलों की समिति ने मुहर लगाई है, कहा है कि यह फैसला वर्ष 2022 तक किसानों की आय को **दोगुना** करने की दिशा में अच्छा कदम उठाया है. वर्ष 2019-20 में, जो न्यूनतम समर्थन मूल्य था, उसे बढ़ाकर वर्ष 2020-21 फसल वर्ष हेतु **मसूर** में ₹ 325, **सरसों** में ₹ 225; **कुसुम** में ₹ 270; **चना** में ₹ 255; **जौ** में ₹ 85 तथा गेहूँ में ₹ 85 प्रति कुंटल की वृद्धि कर दी गई है.
- अक्टूबर 2017 के दौरान किए गए ग्रामीण विकास मंत्रालय (Ministry of Rural Development) द्वारा **'ग्राम समृद्धि एवं स्वच्छता पखवाड़ा'** के अधीनस्थ 770

तथ्य : एक दृष्टि में–सूचना एवं प्रसारण क्षेत्र में नई पहलें

- *'ऑल इण्डिया रेडियो' (AIR)–15 फरवरी को प्रति वर्ष **'रेडियो किसान दिवस'**-सभी किसान वाणी ब्रॉडकॉस्टिंग स्टेशन्स के द्वारा, मनाया जाता है. 15 फरवरी, 2019 को विशिष्ट प्रोग्राम्स भी आयोजित किए गए.*
- *किसानों की आय वर्ष 2022 तक दोगुना करने हेतु **'किसान कल्याण कार्यशाला'**-सभी आकाशवाणी केन्द्रों को शामिल कर, का आयोजन, ग्राम स्वराज अभियान के तहत् 14 अप्रैल से 5 मई, 2018 में किया गया, ताकि किसानों में जागरूकता आए. **'किसान कॉल सेंटर' (KCC)** टॉल फ्री नं. 1800–180–1551 भी किसानों की समस्या हेतु कार्यरत् है.*
- *प्रधानमंत्री द्वारा **'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस'**-24 अप्रैल, 2018 को मध्य प्रदेश के मंडला जिले के रामनगर से मल्टी-चैनल स्टेशन्स; सभी राजधानी एवं लोकल रेडियो स्टेशन्स से प्रसारित किया गया.*
- *डीडी (दिल्ली दूरदर्शन) द्वारा गांधीजी का प्रसिद्ध भजन **'वैश्नव जन टू'** (Vaishnav Jan To) का वीडियो 1 अक्टूबर, 2018 से प्रस्तुत कर दिया गया.*

प्रोग्राम्स आयोजित किए गए, जिसमें 26 राज्यों की स्कीम्स को पंचायत स्तर तक प्राथमिकता दी गई. इन स्कीमों में 4 लाख से अधिक भागीदारों ने अपनी भागीदारी निभाई, जिसमें मुख्यरूप से स्वच्छ एवं हरित गाँवों, पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय योजना; रूरल हाउसिंग; पं. दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना एवं रूरल सेल्फ एम्प्लॉयमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम्स, आदि पर विशेष ध्यान दिया गया.

- **'डी डी भारती चैनल', लॉंच**–26 जनवरी, 2002 एवं पुनः रिलीज नवम्बर 2010 में, द्वारा म्यूजिक, नृत्य कला, कल्चर, स्वास्थ्य, जीवनयापन, आदि पर **115** प्रोग्राम्स आयोजित कर अच्छी उपलब्धि प्रचार-प्रसार में प्राप्त की.
- रेडियो के आविष्कार और कुछ पश्चिमी देशों में रेडियो प्रसारण की शुरूआत के बाद मुम्बई, कोलकाता और चेन्नई जैसे भारतीय शहरों में कुछ निजी **'रेडियो क्लब'** द्वारा प्रसारण शुरू हुआ. देशभर में, वर्तमान में 86 स्थानीय रेडियो केन्द्र (एल आरएस) हैं. ये केन्द्र क्षेत्र की स्थानीय आबादी तक पहुँच बनाकर उन्हें उपयोगी सेवाए प्रदान करते हैं.
- वर्तमान में, पूरे देश में आकाशवाणी के 402 **'एफएम' (FM)** ट्रान्समीटर हैं. इस प्रकार यह देश के 32·5 प्रतिशत क्षेत्र और 45 प्रतिशत जनसंख्या को कवर करते हैं. इनमें से **'एफ एम रेनबो'** (RAINBOW) चैनल 23 स्थानों पर उपलब्ध है. **'एफएम'** चैनल पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों में पॉप संगीत, फिल्मी गीत और शास्त्रीय एवं भक्ति संगीत, समाचारों की हेडलाइंस आदि शामिल हैं.
- आकाशवाणी (ऑल इण्डिया रेडियो) के **'एनएसडी' (NSD**–News Services Division) द्वारा 28–30 सितम्बर, 2018 के दौरान **'पराक्रम पर्व'** बड़ी धूमधाम से मनाया, जिसमें नए बुलेटिन्स; न्यूज मैग्जीन्स प्रोग्राम्स एवं सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स आदि कार्यक्रमों में दर्शाए गए.
- निःशुल्क **'एसएमएस'** सेवा की शुरूआत **अंग्रेजी** में सितम्बर 2013 को हुई थी और इसका आँकड़ा अगस्त 2014 तक करीब 3 लाख तक पहुँच गया था, जिसमें अब तक काफी निरन्तर वृद्धि देखी जा रही है. स्वाधीनता दिवस, बजट प्रस्तुत करने के दौरान और **'मन की बात'** आदि जैसे विशेष अवसरों पर **'एसएमएस' (SMS)** के जरिए **'लाइव न्यूज'** अपडेट भेजे जाते हैं.
- कम्युनिटी (सामुदायिक) रेडियो स्कीम **(CRS)** के तहत् मंत्रालय **(MoI&B-GOI)** द्वारा भारत में सामुदायिक रेडियो गतिविधियों की सफलता हेतु वर्ष 2017-18 के दौरान 2 कार्यशालाए आयोजित की गईं, जिनमें से **एक** कार्यशाला–"**CRAW**–Community Radio Awareness Workshop" 21 से 23 सितम्बर, 2017 के दौरान **इम्फाल** (मणिपुर-**'भारत की 7 बहिनें'**-पूर्वोत्तर क्षेत्र) में तथा **दूसरी** कार्यशाला पुदुचेरी में 24 से 26 सितम्बर, 2017 को आयोजित की गई, जिनमें विभिन्न भाषाओं (29 संख्या में); 110 कम्युनिटी रेडियो स्टेशन्स; 11000 से अधिक ऑडियो क्लिप्स का इस्तेमाल किया गया, जिससे महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, पंचायती राज, पेयजल, सफाई आदि हेतु काफी संकेत मिले.

स्मरणीय बिन्दु :

सूचना एवं प्रसारण सम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग; महिला हितार्थ गतिविधियाँ एवं अनुसंधान व विकास

- *सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय **(MoI&B)** एवं इसकी मीडिया इकाइयों द्वारा 2 अक्टूबर, 2018 को नई दिल्ली में महात्मा गांधी की **'150वीं जन्म जयंती/ वर्षगाँठ'** मनाई गई (राष्ट्रपिता–महात्मा गांधी का **जन्म**–2 अक्टूबर, 1869 पोरबंदर, गुजरात, **मृत्यु**–30 जनवरी, 1948-नाथूराम गोडसे द्वारा गोली से मारे गए).*
- ***'इण्डियन पेनोरमा फिल्म फेस्टिवल' का आयोजन 'डीएफएफ' (DFF**-डायरेक्टरेट ऑफ फिल्म फेस्टीवल) द्वारा 4 से 13 जनवरी, 2019 तक नई दिल्ली में किया गया, जिसका उद्घाटन सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय **(MoI&B)** के सचिव द्वारा किया गया, जिसमें कुल **26** फीचर फिल्में और **21** नॉन-फीचर फिल्में दर्शाई गईं.*
- ***'बर्लिन इन्टरनेशनल फिल्म फेस्टिवल' (बर्लिन) 2019**–7 से 17 फरवरी, 2019 को बर्लिन (जर्मनी) में आयोजित किया गया, जिसमें मंत्रालय **(MoI&B)** ने **'कॉन्फेडरेशन ऑफ इण्डियन इण्डस्ट्री' (CII)** के साथ संयुक्त भागीदारी में हिस्सा लिया.*
- ***'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस'**–एनएफएआई (**NFAI**–नेशनल फिल्म आर्किव्स ऑफ इण्डिया), साथ ही **'आशय'** (Aashay) और **'आयाम'** (Ayyam) के सहयोग से 8 मार्च, 2018 को आयोजित कर महिला सशक्तिकरण को बल दिया गया.*
- ***'डी डी' किसान चैनल**, दिल्ली; टॉल फ्री नं. 1800–113060, समय 24 × 7; किसानों के लिए घर बैठे सीधी वार्ता/ समस्या समाधान हेतु 26 मई, 2015 से शुरूआत.*

- मंत्रालय **(MoI&B)** एवं इसकी मीडिया यूनिट्स द्वारा **'सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती'**–**'राष्ट्रीय एकता दिवस'** के रूप में 31 अक्टूबर, 2018 को विभिन्न घटनाओं के प्रचार एवं अनेक गतिविधियों के रूप में मनाई गई. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के नर्मदा जिले के केवडिया में 31 अक्टूबर, 2018 को **'एनएसडी' (NSD)** मुख्यालय द्वारा किए गए लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की '143वीं जन्म जयंती' में भाग लिया (**जन्म**–31 अक्टूबर, 1875, **मृत्यु**–1950; जिन्हें भारत का बिस्मार्क कहा जाता है)
- दूरदर्शन (**डीडी इण्डिया**) **लॉंच**-14 मार्च, 1995 अन्तर्राष्ट्रीय चैनल के रूप में विश्व के 38 देशों में सबमैराइन केबिल, सैटेलाइट एवं **डीटीएच (DTH)** प्लेटफॉर्म के रूप में कार्यरत् है.

निष्कर्ष (Conclusion)–

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि वर्ष 2018-19 के दौरान, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार (Ministry of Information & Broadcasting—**MoI & B**, Government of India—**GOI**) द्वारा सूचना एवं प्रसारण के विभिन्न क्षेत्रों में अनेक गतिविधियों/कार्यों–महिला सुरक्षा, अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग, डाक, टीवी (TV), रेडियो, आदि से प्राप्त उपलब्धियों से निम्न् निष्कर्ष निकाला जा सकता है–

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. **मंत्रालय** (सूचना एवं प्रसारण) के प्रकाशन प्रभाग द्वारा प्रधानमंत्री की अध्यायी/पद्यों आधारित **'स्वच्छता'** को ध्यान में रखकर, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय **(MDWS)** द्वारा रूपरेखा बनाकर एक प्रतिष्ठित पुस्तक **'स्वच्छ भारत संकल्प से सिद्धी'** की **प्रथम** कॉपी, **कुरुक्षेत्र** (हरियाणा) में कब प्रस्तुत की गई ?
   (A) 12 जनवरी, 2019
   (B) 12 फरवरी, 2019
   (C) 12 मार्च, 2019
   (D) 12 अप्रैल, 2019
2. **'चौथा' अन्तर्राष्ट्रीय योगा दिवस' (4th** International Day of Yoga–**IDY**), देहरादून (उत्तराखण्ड) में कब मनाया गया ? जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भागीदारी दर्शाई थी ?
   (A) 21 जून, 2018
   (B) 21 जुलाई, 2018
   (C) 21 अगस्त, 2018
   (D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं
3. मंत्रालय **(MoI&B, GOI)** द्वारा **'नेशनल मीडिया सेन्टर'**, नई दिल्ली में **'सबका साथ सबका विकास' (SSSV)** पुस्तक-5 वॉल्यूम्स-हिन्दी व अंग्रेजी में माननीय मंत्री **(MoF&CA)**-श्री अरुण जेटली द्वारा कब रिलीज की गई ?
   (A) 8 मार्च, 2019
   (B) 8 फरवरी, 2019
   (C) 8 जनवरी, 2019
   (D) 8 अप्रैल, 2019
4. **'चौथा'-'इन्टरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इण्डिया' (आईएफएफआई)-2018'** का आयोजन, पणजी (गोवा) में **'डीएफएफ'** (डायरेक्टरेट ऑफ फिल्म फेस्टीवल) द्वारा, गोवा सरकार के सहयोग से, वर्ष 2018 में कब किया गया ?
   (A) 20-28 सितम्बर, 2018
   (B) 20-28 अक्टूबर, 2018
   (C) 20-28 नवम्बर, 2018
   (D) 20-28 दिसम्बर, 2018

उत्तरमाला

1. (B) 2. (B) 3. (A) 4. (C) ●●●

MAGAZINE King

हिमाचल प्रदेश सरकार की नवीनतम योजनाएं

हिमाचल प्रदेश सरकार ने अपने 2019-20 के बजट में 28 नई योजनाएं शुरू करने की घोषणा की है. इनमें हर वर्ग और समुदाय का उत्थान सुनिश्चित करने का प्रावधान किया गया है. इस योजनाओं को आरम्भ करने के साथ बजट का भी अलग से प्रावधान रखा गया है.

नई योजनाएं	विशेषताएँ
मुख्यमंत्री लोक कल्याण भवन योजना	इसके तहत् प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में एक ₹ 30 लाख की लागत से एक सामुदायिक भवन दो वर्ष के भीतर बनाया जाएगा. सांसद और विधायक द्वारा अतिरिक्त सामुदायिक भवन के लिए ₹15 लाख देने पर सरकार भी ₹15 लाख देगी. ₹12 करोड़ का बजट प्रावधान रखा गया है.
हिमाचल गृहिणी सुविधा योजना	उज्जवला योजना में छूट गई महिलाओं को रसोई गैस सिलेंडर की जमा राशि तथा गैस चूल्हे के लिए आर्थिक मदद. इसके लिए ₹ 12 करोड़ का बजट प्रावधान किया गया है. सभी परिवारों को दो वर्ष तक रसोई गैस सुविधा देना.
जल से कृषि को बल योजना	पाँच वर्ष में ₹250 करोड़ व्यय किए जाएंगे. प्रदेश में चेकडैम व तालाबों का निर्माण होगा.
सौर सिंचाई योजना	पाँच वर्ष के लिए ₹ 200 करोड़ की लागत से सौर पम्पों से सिंचाई के लिए जल उठाया जाएगा.
प्राकृतिक खेती, खुशहाल किसान	एक वर्ष के लिए ₹ 25 करोड़ के बजट से किसानो को आवश्यक प्रशिक्षण, जरूरी उपकरण और जैविक कीटनाशक उपलब्ध करवाए जाएंगे.
बागवानी सुरक्षा योजना	ओलावृष्टि से सेब आदि की फसलों को बचाने के लिए एंटीहेलगन लगाने के लिए 60 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जाएगा.
हिमाचल पुष्प क्रांति योजना	अगले वित्त वर्ष के लिए ₹10 करोड़ से पुष्प उत्पादन के लिए उच्च तकनीक वाले पॉलीहाउस, किसानों को प्रशिक्षण व अन्य साधन.
मुख्यमंत्री मधु विकास योजना	मधुमक्खीपालन को प्रोत्साहन देने और आधुनिकीकरण के लिए योजना में 80 प्रतिशत अनुदान जिसके लिए ₹10 करोड़ बजट का प्रावधान.
वन समृद्धि, जन समृद्धि योजना	जडी-बूटियों के एकत्रीकरण, प्रसंस्करण, मूल्य वृद्धि तथा विपणन में प्रशिक्षण.
सामुदायिक वन संवर्धन योजना	महिला मण्डलों व युवक मण्डलों को वन संरक्षण में भागीदारी के लिए भूमि आवंटित कर पौधरोपण का जिम्मा दिया जाएगा.
विद्यार्थी वन मित्र योजना	स्कूलों को पौधरोपण के लिए अलग से भूमि दी जाएगी, जिसका जिम्मा वही सँभालेंगे.
युवा विज्ञान पुरस्कार योजना	विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की 10वीं व 12वीं परीक्षाओं में विज्ञान संकाय में प्रथम 10 उत्कृष्ट छात्र-छात्राएं पुरस्कृत की जाएंगी.
नई श्रेष्ठ शहर योजना	सफाई तथा जनसेवाओं में बेहतर सेवा प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ नगर परिषद् को ₹ 1 करोड़ और नगर पंचायत को ₹ 75 लाख का पुरस्कार.
नई राहें, नई मंजिलें	युवाओं में रोजगार बढ़ाने के लिए पर्यटन से अनछुए क्षेत्रों में सड़क, परिवहन, पार्किंग व मूलभूत सुविधाएं तैयार की जाएंगी. एक वर्ष के लिए ₹ 50 करोड़ के बजट प्रावधान के तहत् बड़े पर्यटक आराम, मनोरंजन रिजॉर्ट, साहसिक पर्यटन गतिविधि, ईको पर्यटक पार्क व रज्जू मार्ग बनाए जाएंगे.
मुख्यमंत्री स्वावलम्बन योजना	₹ 80 करोड़ के बजट प्रावधान के तहत् 18 से 35 वर्ष के बेरोजगार युवाओं को आजीविका के लिए उद्योग में ₹ 40 लाख के निवेश पर मशीनरी आदि पर 25 प्रतिशत और महिलाओं व युवतियों को 30 प्रतिशत उपदान, ₹ 40 लाख के ऋण पर तीन वर्ष के लिए 5 प्रतिशत ब्याज उपदान, सरकारी भूमि को 1 प्रतिशत की दर पर पट्टे पर देने, निजी भूमि खरीद पर स्टैंप ड्यूटी 6 से 3 प्रतिशत होगी.
मुख्यमंत्री युवा आजीविका योजना	18 से 35 वर्ष के हिमाचली युवाओं को खुदरा व्यापारी, दुकान, रेस्टोरेंट, टूअर ऑपरेटर, साहसिक पर्यटन, परम्परागत शिल्प के प्रोत्साहन के लिए ₹ 30 लाख तक भूमि व मकान को छोड़ बाकी निवेश पर 25 प्रतिशत महिलाओं को 30 प्रतिशत उपदान, ₹ 30 लाख के ऋण पर 3 वर्ष के लिए 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान, निजी भूमि खरीद पर स्टैंप ड्यूटी 6 से 3 प्रतिशत होगी.
हिमाचल सड़क सुधार योजना	अगले वित्तीय वर्ष के लिए ₹ 50 करोड़ का प्रावधान कर वर्तमान सड़कों के किनारे पानी की निकासी को नालियाँ बनाना और नई सड़कों में अनिवार्य होगा.
मुख्यमंत्री आदर्श विद्या केन्द्र योजना	सभी विधान सभा क्षेत्रों में जहाँ नवोदय विद्यालय या एकलव्य विद्यालय नहीं हैं आदर्श आवासीय विद्यालय स्थापित किए जाएंगे. सभी सुविधाओं के साथ नि:शुल्क शिक्षा दी जाएगी. प्रथम चरण में 10 आदर्श विद्यालय, जिसके लिए ₹ 25 करोड़ बजट का प्रावधान.
अखण्ड शिक्षा जयोति, मेरे स्कूल से निकले मोती	सरकारी विद्यालयों के उन छात्रों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने जीवन में एक मुकाम प्राप्त किया. इसमें स्थानीय लोगों व पंचायतों को शामिल किया जाएगा.

शेष पृष्ठ 158 पर

MAGAZINE KING

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया पी.ओ. (प्रा.) परीक्षा, 19-6-2019 का हल प्रश्न-पत्र

तर्कशक्ति

(स्मृति पर आधारित)

निर्देश–(प्रश्न 1 से 4 तक) इन प्रश्नों में, कथनों में विभिन्न तत्वों के बीच सम्बन्ध दिखाया गया है. कथनों के निष्कर्ष भी दिए गए हैं. दिए गए कथनों के आधार पर निष्कर्षों को पढ़िए और सही उत्तर ढूँढ़िए–

1. **कथन** : $A \geq B > C = D \leq E$; $S \geq U = D \leq M$.
निष्कर्ष I : $M \leq A$.
निष्कर्ष II : $S > E$.
(A) दोनों निष्कर्ष I और II सत्य हैं
(B) न ही निष्कर्ष I न ही II सत्य है
(C) सिर्फ निष्कर्ष I सत्य है
(D) सिर्फ निष्कर्ष II सत्य है
(E) या तो निष्कर्ष I या II सत्य है

2. **कथन** : $S < M \leq N = T \geq P$; $K \geq N = R > Q$.
निष्कर्ष I : $P < Q$.
निष्कर्ष II : $K > S$.
(A) दोनों निष्कर्ष I और II सत्य हैं
(B) न ही निष्कर्ष I न ही II सत्य है
(C) सिर्फ निष्कर्ष I सत्य है
(D) सिर्फ निष्कर्ष II सत्य है
(E) या तो निष्कर्ष I या II सत्य है

3. **कथन** : $R = A \geq N = K$; $O \geq N = M \geq U = Y$.
निष्कर्ष I : $R = Y$.
निष्कर्ष II : $Y < R$.
(A) दोनों निष्कर्ष I और II सत्य हैं
(B) न ही निष्कर्ष I न ही II सत्य है
(C) सिर्फ निष्कर्ष I सत्य है
(D) सिर्फ निष्कर्ष II सत्य है
(E) या तो निष्कर्ष I या II सत्य है

4. **कथन** : $J < K > L \geq M > N$; $X > L \leq Z = T$.
निष्कर्ष I : $N < T$.
निष्कर्ष II : $X > J$.
(A) दोनों निष्कर्ष I और II सत्य हैं
(B) न ही निष्कर्ष I न ही II सत्य है
(C) सिर्फ निष्कर्ष I सत्य है
(D) सिर्फ निष्कर्ष II सत्य है
(E) या तो निष्कर्ष I या II सत्य है

निर्देश–(प्रश्न 5 से 9 तक) सावधानीपूर्वक दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

आठ लोग, एक ही साल के आठ अलग महीनों–जनवरी, फरवरी, अप्रैल, जून, अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर और दिसम्बर, में पैदा हुए हैं. यह माना गया है कि दिए गए साल में, दिए गए लोगों के अलावा और कोई पैदा नहीं हुआ है.

M, सिर्फ 31 दिन वाले महीने में पैदा हुआ है. M और P के बीच सिर्फ दो व्यक्ति पैदा हुए हैं. P, M से पहले किसी एक महीने में पैदा हुआ है. K, P के ठीक बाद पैदा हुआ है. K और L के बीच सिर्फ तीन लोग पैदा हुए हैं. L के बाद, जितने लोग पैदा हुए हैं, उतने ही O से पहले. O और J के बीच सिर्फ एक व्यक्ति पैदा हुआ है. J और N के बीच सिर्फ तीन लोग पैदा हुए हैं.

5. J कौनसे महीने में पैदा हुआ था ?
(A) जून (B) अप्रैल
(C) अक्टूबर (D) दिसम्बर
(E) सितम्बर

6. दी गई व्यवस्था के आधार पर, K से पहले, जितने लोग पैदा हुए हैं, उतने ही ..... के बाद.
(A) K (B) O
(C) N (D) M
(E) P

7. इनमें से जून में कौन पैदा हुआ था ?
(A) L (B) Q
(C) K (D) P
(E) M

8. दी गई व्यवस्था के सन्दर्भ में, इनमें से कौन सत्य नहीं है ?
(i) Q अप्रैल में पैदा हुआ है
(ii) J, L से ठीक पहले पैदा हुआ है
(iii) O और P के बीच सिर्फ एक व्यक्ति पैदा हुआ है
(A) दिए गए सभी कथन सत्य हैं
(B) दोनों (ii) और (iii)
(C) सिर्फ (ii)
(D) दोनों (i) और (iii)
(E) सिर्फ (i)

9. O के बाद कितने लोग पैदा हुए हैं ?
(A) दो (B) एक
(C) तीन (D) तीन से अधिक
(E) कोई नहीं

10. अंग्रेजी वर्णों के क्रम और संख्याओं के आधार पर, निम्नलिखित श्रेणी में प्रश्न चिह्न (?) के स्थान पर क्या आएगा ?
YC-12, VF-16, SI-21, PL-27, (?), JR-42.
(A) MN-34 (B) OR-33
(C) MO-32 (D) NP-32
(E) MO-34

11. संख्या 74925816 में कितने ऐसे अंकों के जोड़े हैं, जिसमें हर एक संख्या के बीच उतने ही अंक आते हैं (आगे से और पीछे से) जितने, अरिथमेटिक न्यूमरल में आते हैं ?
(A) एक (B) दो
(C) चार (D) तीन
(E) तीन से अधिक

निर्देश–(प्रश्न 12 से 16 तक) सावधानीपूर्वक दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

12 लोग, दो समान्तर रेखाओं में, जिसमें हर एक रेखा में 6 लोग इस तरह बैठे हैं कि उनके बीच की दूरी बराबर हो, रेखा 1 में, B, C, D, E, F और G बैठे हैं और उन सबका मुख उत्तर की ओर है. रेखा-2 में, P, Q, R, S, T और U बैठे हैं और उन सबका मुख दक्षिण की ओर है. इसीलिए दी गई बैठने की व्यवस्था में, एक रेखा में बैठे हुए सदस्य का मुख, दूसरी रेखा में बैठे हुए सदस्य की ओर है.

R, T के दाएँ से चौथे स्थान पर बैठा है. F और R की ओर मुख करने वाले व्यक्ति के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है. F और G के बीच सिर्फ दो व्यक्ति बैठे हैं. G के दाएँ उतने ही लोग बैठे हैं, जितने P के बाएँ. P और U के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है. U का मुख, B के निकटतम पड़ोसी की ओर है. E, C के बाएँ दूसरे स्थान पर बैठा है. E और F के बीच जितने लोग बैठे हैं, उतने ही T और Q के बीच.

12. इनमें से किसका मुख D की ओर है ?
(A) जो Q के ठीक बाएँ बैठा है
(B) P
(C) U
(D) S
(E) जो R के दाएँ से दूसरे स्थान पर बैठा है

13. S और B की ओर मुख करके बैठने वाले व्यक्ति के बीच कितने व्यक्ति बैठे हैं ?
(A) तीन
(B) तीन से अधिक
(C) एक
(D) दो
(E) कोई नहीं

MAGAZINE KING

14. दी गई व्यवस्था के आधार पर, इनमें से कौनसा कथन सत्य है ?
(A) R और S के बीच कोई नहीं बैठा है
(B) D और B के बीच तीन लोग बैठे हैं
(C) G का मुख, U के निकटतम पड़ोसी की ओर है
(D) C, B का निकटतम पड़ोसी है
(E) दिए गए कथनों में से कोई भी कथन सत्य नहीं है

15. दी गई व्यवस्था के आधार पर, किसी तरह, निम्नलिखित पाँच में से चार एक से हैं और एक समूह बनाते हैं, वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता ?
(A) D (B) F
(C) G (D) P
(E) T

16. इनमें से कौन G के दाएँ से दूसरे स्थान पर बैठा है ?
(A) जिसका मुख Q की ओर है
(B) B
(C) D
(D) जिसका मुख R की ओर है
(E) E

निर्देश–(प्रश्न 17 से 21 तक) दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

6 लोग एक गोल मेज के चारों ओर केन्द्र की ओर, मुख करके, एक-दूसरे से बराबर दूरी पर बैठे हैं. उनमें से हर एक अलग कोर्स करता है.

A, बी.टेक करने वाले के बाएँ से दूसरे स्थान पर बैठा है. बी.एस-सी. करने वाला, बी.टेक करने वाले का निकटतम पड़ोसी है. बी.एस-सी. करने वाले और एम.आर्क. करने वाले के बीच सिर्फ दो व्यक्ति बैठे हैं. एम.आर्क. करने वाले के बाएँ से दूसरे स्थान पर B बैठा है. B और D के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है (या बाएँ से या दाएँ से). D और F के बीच सिर्फ दो व्यक्ति बैठे हैं. F के दाएँ से दूसरे स्थान पर बी.फार्मा. करने वाला बैठा है. E, C के बाएँ से दूसरे स्थान पर बैठा है. E, A का निकटतम पड़ोसी नहीं है. एम.बी.ए. करने वाला, एम.कॉम. करने वाले के ठीक दाएँ बैठा है.

17. दी गई व्यवस्था में, उनके स्थानों के आधार पर, किसी तरह, निम्नलिखित पाँच में से चार एक से हैं और एक समूह बनाते हैं. वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता ?
(A) बी.टेक-D
(B) A-D
(C) C-बी.एस.सी.
(D) बी.टेक.-एम.कॉम.
(E) E-F

18. एम.बी.ए. करने वाले के सन्दर्भ में C का स्थान क्या है ?
(A) दाएँ से दूसरा
(B) ठीक दाएँ
(C) बाएँ से दूसरा
(D) ठीक बाएँ
(E) दाएँ से तीसरा

19. दी गई सूचना के आधार पर, निम्न-लिखित में से क्या सत्य है ?
(A) दिए गए कथनों में से कोई भी सत्य नहीं है
(B) E और A के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है
(C) बी.एस.सी. करने वाला, D का निकटतम पड़ोसी है
(D) बी.टेक. करने वाला, E के बाएँ से दूसरे स्थान पर बैठा है
(E) A एम.बी.ए. कर रहा है

20. इनमें से कौन एम.कॉम. कर रहा है ?
(A) जो, एम.आर्क. करने वाले के दाएँ से दूसरे स्थान पर बैठा है
(B) जो A के ठीक बाएँ बैठा है
(C) B का निकटतम पड़ोसी
(D) B
(E) E

21. बी.फार्मा. करने वाले के निकटतम पड़ोसियों को इनमें से कौनसा जोड़ा दर्शाता है ?
(A) B और एम.आर्क. करने वाला
(B) D और C
(C) बी.टेक करने वाला और C
(D) D और एम.बी.ए. करने वाला
(E) B और C

22. किसी कोड भाषा में FORTUNE को SPGVFOV और JOURNAL को VPKTMBO कोड दिया गया है. इसी कोड भाषा में PROFILE का कोड क्या है ?
(A) PQQGDKH
(B) PSQHFMJ
(C) PSQDEMJ
(D) NQOHFMJ
(E) NQOHDKH

23. **कथन** : सभी मार्क्स, साइन हैं. सभी पोटैटो, साइन हैं. सभी रीडर्स, साइन हैं.
निष्कर्ष I : सभी मार्क्स के पोटैटो होने की सम्भावना है.
निष्कर्ष II : कम-से-कम, कुछ रीडर्स, मार्क्स हैं.
(A) या तो निष्कर्ष I या II अनुसरण करता है
(B) दोनों निष्कर्ष I और II अनुसरण करते हैं
(C) न ही निष्कर्ष I न ही II अनुसरण करता है
(D) सिर्फ निष्कर्ष I अनुसरण करता है
(E) सिर्फ निष्कर्ष II अनुसरण करता है

24. **कथन** : कोई भी पोटैटो, रेडिश, नहीं है. सिर्फ कुछ कोकोनट ही पोटैटो हैं. सिर्फ कुछ बेसिल ही रेडिश हैं.
निष्कर्ष I : सभी बेसिल, कभी भी, पोटैटो, नहीं हो सकते.
निष्कर्ष II : कुछ रेडिश, निश्चय ही कोकोनट नहीं हैं.
(A) या तो निष्कर्ष I या II अनुसरण करता है
(B) दोनों निष्कर्ष I और II अनुसरण करते हैं
(C) न ही निष्कर्ष I न ही II अनुसरण करता है
(D) सिर्फ निष्कर्ष I अनुसरण करता है
(E) सिर्फ निष्कर्ष II अनुसरण करता है

25. **कथन** : कोई भी फ्रूट, कॉटेज नहीं है. सिर्फ कुछ फ्रूट ही टोस्ट हैं. सभी प्लम, कॉटेज हैं.
निष्कर्ष I : सभी टोस्टों के कॉटेज होने की सम्भावना है.
निष्कर्ष II : कुछ प्लम, फ्रूट हैं.
(A) या तो निष्कर्ष I या II अनुसरण करता है
(B) दोनों निष्कर्ष I और II अनुसरण करते हैं
(C) न ही निष्कर्ष I न ही II अनुसरण करता है
(D) सिर्फ निष्कर्ष I अनुसरण करता है
(E) सिर्फ निष्कर्ष II अनुसरण करता है

26. **कथन** : सिर्फ कुछ मीटिंग ही लक्जरी हैं. सभी पोस्टर, मीटिंग हैं. कोई भी टेस्ट, लक्जरी नहीं है.
निष्कर्ष I : सभी लक्जरी, कभी भी पोस्टर नहीं हो सकते.
निष्कर्ष II : सभी टेस्ट के मीटिंग होने की सम्भावना है.
(A) या तो निष्कर्ष I या II अनुसरण करता है
(B) दोनों निष्कर्ष I और II अनुसरण करते हैं
(C) न ही निष्कर्ष I न ही II अनुसरण करता है
(D) सिर्फ निष्कर्ष I अनुसरण करता है
(E) सिर्फ निष्कर्ष II अनुसरण करता है

निर्देश–(प्रश्न 27 से 29 तक) सावधानी-पूर्वक दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

U, J की बहू है. J सिर्फ L और P का पिता है. R, P की भतीजी/भांजी है. P की

MAGAZINE KING

पत्नी के कोई भाई-बहन नहीं हैं. M, R का दादा है. T, M का इकलौता बच्चा है.

27. U, R से कैसे सम्बन्धित है ?
(A) माँ
(B) नन्द/साली/भाभी
(C) बहन
(D) सास
(E) चाची/मामी/बुआ

28. अगर J का सिर्फ एक पुत्र है, तो T, L से कैसे सम्बन्धित है ?
(A) पति
(B) पत्नी
(C) देवर/जीजा/साला
(D) भाई
(E) नन्द/साली/भाभी

29. J, T से कैसे सम्बन्धित है ?
(A) भाई (B) ससुर
(C) चाचा/मामा (D) दादा
(E) पौत्र

30. अगर शब्द FLOATING के पहले, पाँचवें, छठवें और आठवें अक्षरों को मिलाकर अंग्रेजी का एक अर्थपूर्ण शब्द बनता है, तो बने नए शब्द का दाएँ छोर से दूसरा अक्षर इनमें से कौनसा होगा ? अगर कोई भी ऐसा शब्द नहीं बनता है, तो उत्तर X होगा. अगर एक से ज्यादा ऐसे शब्द बनते हैं, तो उत्तर Z होगा–
(A) X (B) T
(C) I (D) Z
(E) F

निर्देश–(प्रश्न 31 से 35 तक) सावधानी-पूर्वक दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

10 डिब्बे–A, B, C, D, E, P, Q, R, S और T, एक स्टैक में, एक-दूसरे के ऊपर रखे गए हैं. डिब्बे A और डिब्बे P के बीच सिर्फ चार डिब्बे रखे गए हैं. डिब्बा B, डिब्बे P के ठीक नीचे रखा गया है. डिब्बे B और डिब्बे R के बीच सिर्फ तीन डिब्बे रखे गए हैं. डिब्बे R और डिब्बे D के बीच सिर्फ पाँच डिब्बे रखे गए हैं. डिब्बे D और डिब्बे S के बीच सिर्फ चार डिब्बे रखे गए हैं. डिब्बे S और डिब्बे T के बीच सिर्फ तीन डिब्बे रखे गए हैं. डिब्बा T, डिब्बा S के नीचे किसी एक स्थान पर रखा गया है. डिब्बा T और डिब्बा E के बीच सिर्फ एक डिब्बा रखा गया है. डिब्बा Q, डिब्बा C के ऊपर किसी एक स्थान पर रखा गया है पर डिब्बा A के नीचे.

31. दी गई व्यवस्था में उनके स्थानों के आधार पर, निम्नलिखित पाँच में से चार, किसी तरह एक से हैं और एक समूह बनाते हैं. वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता ?
(A) R-B (B) A-C
(C) D-Q (D) C-D
(E) P-E

32. दी गई व्यवस्था के आधार पर, डिब्बे A और डिब्बे Q के बीच कितने डिब्बे रखे गए हैं ?
(A) एक (B) तीन से अधिक
(C) कोई नहीं (D) दो
(E) तीन

33. दी गई सूचना के आधार पर, इनमें से कौनसा कथन सत्य है ?
(A) डिब्बे T के नीचे जितने डिब्बे रखे गए हैं, उतने ही डिब्बे B के ऊपर
(B) डिब्बा A स्टैक में सबसे नीचे रखा गया है
(C) डिब्बे Q और डिब्बे R के बीच कोई डिब्बा नहीं रखा गया है
(D) डिब्बे S के ऊपर सिर्फ दो डिब्बे रखे गए हैं
(E) दिया गया कोई भी कथन सत्य नहीं है

34. दी गई व्यवस्था के आधार पर, डिब्बा S के ठीक नीचे कौनसा डिब्बा रखा गया है ?
(A) R (B) C
(C) D (D) P
(E) A

35. दी गई व्यवस्था के आधार पर, डिब्बे E के ऊपर जितने डिब्बे रखे गए हैं, उतने ही डिब्बे ..... के नीचे.
(A) R (B) P
(C) S (D) Q
(E) A

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B) **कथन :**

$$A \geq B > C = \frac{S}{\frac{\vee I}{\frac{U}{\|}}} D \leq E$$
$$\wedge I$$
$$M$$

निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण नहीं करता है.

2. (D) **कथन :**

$$S < M \leq \frac{K}{\frac{\vee I}{\frac{N}{\|}}} T \geq P$$
$$R$$
$$\vee$$
$$Q$$

निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.

3. (E) **कथन :**

$$R = A \geq \frac{O}{\frac{\vee I}{\frac{N}{\|}}} K$$
$$M$$
$$\vee I$$
$$U$$
$$\|$$
$$Y$$

या तो निष्कर्ष I या II अनुसरण करता है.

4. (C) **कथन :**

$$X$$
$$\vee$$
$$L$$
$$\|$$
$$J < K > L \geq M > N$$
$$\wedge I$$
$$Z$$
$$\|$$
$$T$$

निष्कर्ष I अनुसरण करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण नहीं करता है.

प्रश्न 5 से 9 तक के लिए :

जनवरी	L
फरवरी	N
अप्रैल	Q
जून	P
अगस्त	K
सितम्बर	J
अक्टूबर	M
दिसम्बर	O

5. (E) 6. (E) 7. (D) 8. (B) 9. (E)

10. (E)

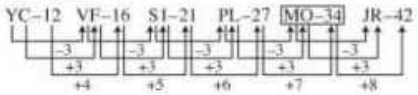

11. (E) 749, 492, 49258, 816, 7492581

प्रश्न 12 से 16 तक के लिए :

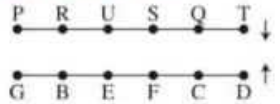

12. (A) 13. (C) 14. (B) 15. (B) 16. (E)

प्रश्न 17 से 21 तक के लिए :

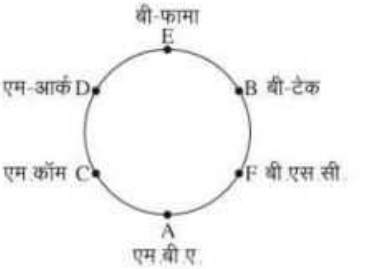

17. (D) 18. (D) 19. (E) 20. (B) 21. (A)

22. (B)

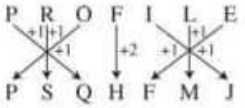

शेष पृष्ठ 162 पर

MAGAZINE KING

संख्यात्मक अभियोग्यता

(स्मृति पर आधारित)

1. A और B, एक व्यापार में 3 : 2 के अनुपात में निवेश करते हैं. माना, कुल लाभ का 5% चैरिटी को दिया जाता है. अगर A का हिस्सा ₹ 855 है, तो कुल लाभ क्या है ?
(A) 1400 (B) 1500
(C) 1600 (D) 1200
(E) 1700

2. एक गोलाकार शंकु (N) के आयतन और एक गोलाकार सिलेण्डर (L) के आयतन का योग लगभग 981 घन सेमी. है, जहाँ प्रत्येक की ऊँचाई 18 सेमी है. अगर N की त्रिज्या, L की त्रिज्या, की आधी है, तो L के आधार का क्षेत्रफल का लगभग मान क्या है ? (वर्ग सेमी. में).
(A) 25 (B) 50
(C) 200 (D) 100
(E) दिए गए विकल्पों से कोई नहीं

3. A (₹ 899 के निवेश के साथ) और B ने एक व्यापार आरम्भ किया. व्यापार शुरू होने के 8 महीने बाद से, B ने व्यापार छोड़ा और C शामिल हुआ और उसकी राशि, B की राशि, की दोगुनी थी. अगर ₹ 14005 के कुल लाभ में से, A का हिस्सा ₹ 5039·5 था, C का लगभग निवेश क्या था ? (₹ में)
(A) 3000 (B) 1600
(C) 1200 (D) 2400
(E) 2000

4. अपनी मासिक आय में से, नूपुर ने घर के किराए पर 25% और अपने बचत खाते में $\frac{1}{3}$ भाग रखा. बची हुई राशि में से, उसके द्वारा म्यूचुअल फण्ड में निवेश की गई राशि और उसके द्वारा किराने के सामान में व्यय की गई राशि के बीच अनुपात क्रमशः 2 : 3 है. अगर किराने के सामान में व्यय की गई राशि ₹ 11990 है, तो नुपूर की मासिक आय लगभग क्या है ? (₹ में)
(A) 36000 (B) 56000
(C) 52000 (D) 40000
(E) 40000

5. 200 लिटर मिश्रण बनाने के लिए बर्तन X में बराबर मात्रा में तरल A और B को मिलाया जाता है. बर्तन X में मिश्रण में तरल C का 50 लिटर मिलाया जाता है. इस मिश्रण का 100 लिटर निकाला जाता है और बर्तन Y में डाला जाता है. अगर बर्तन Y में मिश्रण में तरल D का 20 लिटर मिलाया जाए, बर्तन Y में तरल C का प्रतिशत क्या है ? (दशमलव के बाद दो अंकों तक लेने पर)
(A) 16·67 (B) 18·5
(C) 15·75 (D) 22·5
(E) 20·33

6. वस्तु A को 15% छूट और 20% लाभ से बेचा गया. वस्तु का अंकित मूल्य ₹ 12000 था. वस्तु B को 10% की छूट और 10% लाभ के साथ बेचा गया. वस्तु B का अंकित मूल्य ₹ 11000 था. वस्तु A और B को बेचने पर कमाए गए लाभ के बीच अन्तर क्या है ?
(A) ₹ 600 (B) ₹ 700
(C) ₹ 800 (D) ₹ 1000
(E) ₹ 900

निर्देश–(प्रश्न 7 से 11 तक) निम्नलिखित ग्राफ को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

दिया गया ग्राफ कपड़ा के मेले में उपस्थित होने वाले लोगों के प्रतिशत को और खरीदारी करने वाले लोगों के प्रतिशत को (दिए गए दिनों में मेले में उपस्थित होन वाले लोगों की संख्या में से) दर्शाता है.

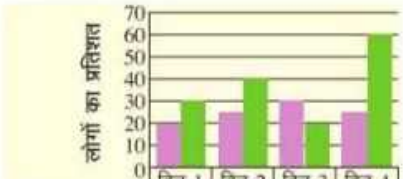

	दिन-1	दिन-2	दिन-3	दिन-4
उपस्थित होने वालों का %	20	25	30	25
खरीदारी करने वालों का %	30	40	20	60

- 4 दिनों में मिलकर मेले में उपस्थित वाले लोगों की कुल संख्या = 80000
- दिए गए दिनों में मेले में उपस्थित होने वाले लोगों की संख्या में से खरीदारी करने वाले लोगों का प्रतिशत

7. दिन 1, 3 और 4 में मेले में उपस्थित होने वाले लोगों की औसत संख्या क्या है ?
(A) 18000 (B) 22000
(C) 20000 (D) 16000
(E) 14000

8. दिन 1 और 3 में मिलकर खरीदारी करने वाले लोगों की संख्या दिन 3 में मेले में उपस्थित होने वाले लोगों की संख्या का कितना प्रतिशत है ?
(A) 40 (B) 25
(C) 48 (D) 36
(E) 30

9. दिन 1 और 2 में मिलकर, खरीदारी करने वाले लोगों की कुल संख्या और दिन 2 और 4 में मिलकर मेले में उपस्थित होने वाले लोगों की कुल संख्या के बीच अनुपात क्रमशः क्या है ?
(A) 8 : 25
(B) 11 : 25
(C) 9 : 23
(D) 3 : 4
(E) 7 : 18

10. दिन 1, 2 और 3 में मिलकर खरीदारी करने वाले लोगों की कुल संख्या क्या है ?
(A) 16800 (B) 14200
(C) 19800 (D) 15400
(E) 17600

11. अगर आयोजक ने मेले को एक दिन और बढ़ा दिया तो दिन-5 में खरीदारी करने वाले लोगों की संख्या, दिन 3 में खरीदारी करने वाले लोगों की संख्या से 30% ज्यादा है, तो दिन 5 में खरीदारी करने वाले लोगों की संख्या और दिन-2 में खरीदारी करने वाले लोगों की संख्या के बीच अन्तर क्या है ?
(A) 1760 (B) 1680
(C) 1920 (D) 1420
(E) 1540

निर्देश–(प्रश्न 12 से 16 तक) सावधानीपूर्वक निम्नलिखित सारणी को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

शहर A, B, C, D में 2011 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के उपभोक्ताओं की संख्या के सन्दर्भ में सारणी दी गई है. 2012-14 में उपभोक्ताओं की संख्या में प्रतिशत बढ़त भी दी गई है–

MAGAZINE KING

शहर	2011 में उपभोक्ताओं की संख्या (हजारों में)	उपभोक्ताओं की संख्या में बढ़त (पहले सालों की तुलना में)		
		2012	2013	2014
A	600	15%	20%	25%
B	400	10%	25%	20%
C	300	12%	25%	10%
D	500	20%	10%	15%

12. 2011 से 2014 तक शहर A में उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि प्रतिशत क्या है ?
(A) 57·5 (B) 64·5
(C) 60·5 (D) 81·5
(E) 72·5

13. अगर 2015 में, सभी शहरों में मिलकर, उपभोक्ताओं की कुल संख्या 3645000 है, तो 2014 से 2015 तक सभी शहरों में मिलकर कुल वृद्धि प्रतिशत क्या है ?
(A) 10 (B) 20
(C) 15 (D) 18
(E) 25

14. 2012 में शहर A में उपभोक्ताओं की संख्या और 2014 में शहर D में उपभोक्ताओं की संख्या में अनुपात क्रमशः क्या है ?
(A) 16 : 21 (B) 10 : 11
(C) 12 : 13 (D) 11 : 13
(E) 9 : 11

15. 2016 में, 2014 की तुलना में, शहर B में उपभोक्ताओं की संख्या में 25% की वृद्धि हुई है और 2014 की तुलना में शहर C में 50% की वृद्धि हुई है. 2016 में शहर B में उपभोक्ताओं की संख्या और शहर C में उपभोक्ताओं की संख्या के बीच अन्तर क्या है ? (हजारों में)
(A) 132 (B) 124
(C) 120 (D) 136
(E) 128

16. साल 2012 में शहर B में उपभोक्ताओं की कुल संख्या और 2013 में शहर D में उपभोक्ताओं की कुल संख्या मिलाकर और 2013 में शहर A में और 2012 में शहर C में उपभोक्ताओं की (कुल संख्या) मिलाकर उनके बीच अन्तर क्या है ? (हजारों में)
(A) 64 (B) 50
(C) 72 (D) 80
(E) 56

निर्देश–(प्रश्न 17 से 21 तक) इस प्रश्न में, एक संख्या प्रणाली है, जिसमें एक संख्या गलत है, गलत संख्या ढूँढिए–

17. 10 4·5 3·5 5 16 122 1904
(A) 122 (B) 4·5
(C) 3·5 (D) 5
(E) 16

18. 800 678 579 498 434 385 349
(A) 434 (B) 498
(C) 385 (D) 678
(E) 579

19. 5 7 11 19 35 68 131
(A) 35 (B) 7
(C) 68 (D) 11
(E) 19

20. 1 12 120 960 5780 23040 46080
(A) 12 (B) 960
(C) 23040 (D) 5780
(E) 120

21. 27 34 51 75 107 147 195
(A) 107 (B) 34
(C) 147 (D) 51
(E) 75

22. एक ₹ 50000 की राशि को, योजना A में 3 साल के लिए 12% वार्षिक ब्याज की दर से साधारण ब्याज में निवेश किया जाता है. एक ₹ 40000 की राशि को योजना B में 2 साल के लिए 10% वार्षिक ब्याज की दर से चक्रवृद्धि ब्याज में निवेश किया. योजना A और योजना B से प्राप्त मिश्रधनों के बीच अन्तर क्या है ?
(A) ₹ 19600 (B) ₹ 20200
(C) ₹ 19000 (D) ₹ 19200
(E) ₹ 18600

23. नाव A धारा के विपरीत 117 किमी की दूरी को 9 घण्टा में पार करता है. नाव B धारा के अनुकूल 135 किमी की दूरी को 9 घण्टा में पार करती है. अगर धारा की चाल 2 किमी/ घण्टा (दोनों नावों के लिए). नाव A धारा की दिशा में, नाव B से धारा की विपरीत दिशा में 30 घण्टा में कितनी ज्यादा दूरी तय करेगी ?
(A) 150 किमी (B) 160 किमी
(C) 60 किमी (D) 120 किमी
(E) 180 किमी

निर्देश–(प्रश्न 24 से 28 तक) दिए गए प्रश्नों में, दो मात्राएं दी गई हैं, एक मात्रा I और अन्य मात्रा II के रूप में. आप दोनों मात्राओं के मध्य सम्बन्ध निर्धारित कीजिए और उपयुक्त विकल्प चुनिए–
(A) मात्रा I > मात्रा II
(B) मात्रा I < मात्रा II
(C) मात्रा I ≥ मात्रा II
(D) मात्रा I ≤ मात्रा II
(E) मात्रा I = मात्रा II या कोई सम्बन्ध नहीं

24. सोहम और मोहन दोनों को एक निश्चित राशि में पॉकेट मनी मिलती है. दोनों ने अपनी पॉकेट मनी से 40% खर्च किए. अपनी बची हुई पॉकेट मनी में से, सोहम ने $\frac{2}{3}$ भाग और मोहन ने $\frac{4}{5}$ भाग अपने बैंक खाते में रखे. उनके बैंक खातों में रखी गई राशि के बीच अन्तर ₹ 2400 है.
मात्रा I : अगर मोहन की पॉकेट मनी, सोहम की पॉकेट मनी से 25% ज्यादा है, तो सोहम की पॉकेट मनी क्या है ?
मात्रा II : ₹ 12000.

25. ट्रेन A और ट्रेन B, 72 किमी./घण्टा और 90 किमी./घण्टा की चाल से, एक ही दिशा में, चलती हैं और एक दूसरे को 4 मिनट 21 से. में पार करती हैं. ट्रेन A, 360 मी. लम्बे प्लेटफार्म को 54 से. में पार करती है.
मात्रा I : ट्रेन B की लम्बाई.
मात्रा II : ट्रेन A की लम्बाई.

26. एक गोलाकार शंकु (A) की ऊँचाई और त्रिज्या के बीच अनुपात क्रमशः 3 : 1 है. शंकु का आयतन 1078 घन सेमी है.
मात्रा I : दिए गए शंकु (A) के तिरछी ऊँचाई की माप.
मात्रा II : अगर दूसरे शंकु (B) की त्रिज्या और ऊँचाई क्रमशः 14 मी. और 16 मी. है तो तिरछी ऊँचाई की माप क्या होगी ?

27. **मात्रा I :** x का मूल; जब $x^2 - 8x + 12 = 0$
मात्रा II : y का मूल; जब $y^2 = \sqrt{256}$

28. एक समकोण समद्विबाहु त्रिकोण (ΔABD) की बराबर भुजाओं में से एक का माप 12 सेमी है. BC एक लम्बवत है.
मात्रा I : BC द्वारा बने गए अर्द्धवृत्त का क्षेत्रफल

MAGAZINE KING

मात्रा II : त्रिभुज का क्षेत्रफल, जिसकी ऊँचाई और आधार का मान क्रमशः 12 सेमी और 7 सेमी है.

29. A अकेले एक काम को 10 दिनों में पूरा करता है. A और B ने मिलकर 3 दिनों के लिए काम किया, जिसके बाद C ने B का स्थान लिया. A, C से 50% ज्यादा महत्वाकांक्षी है. A के बाद C ने 3 दिनों के लिए काम किया, टास्क का 13% पूरा हुआ. लगभग कितने दिनों में B अकेले काम करके पूरा काम खत्म करेगा ?
(A) 24 (B) 64
(C) 12 (D) 20
(E) 40

30. ट्रेन A (54 किमी./घण्टा) की रफ्तार से 298 मी. लम्बे प्लेटफार्म को 30 से. में पार करती है. ट्रेन B (72 किमी./घण्टा) की रफ्तार से ट्रेन A को 66 से. में ओवर टेक करती है. ट्रेन B की लम्बाई, ट्रेन A की लम्बाई से लगभग कितने प्रतिशत ज्यादा है ?
(A) 28 (B) 11
(C) 17 (D) 7
(E) 35

उत्तर हल सहित

1. (B) माना, कुल माल $= x$

$$\left|A \text{ का लाभ} = \frac{95}{100}x \times \frac{3}{5}\right|$$

$$\Rightarrow \quad \frac{95x}{100} \times \frac{3}{5} = 855$$

$$\Rightarrow \quad 285 \times 5 = 1425$$

$$\Rightarrow \quad x = \frac{1425 \times 100}{95} = 1500$$

2. (B) $\pi r_1^2 \frac{h}{3} + \pi r_2^2 h = 981$

$$\Rightarrow \frac{22}{7} \times \left(\frac{r_2}{2}\right)^2 \times \frac{18}{3} + \frac{22}{7} \times r_2^2 \times 18 = 981$$

$$\Rightarrow \quad \frac{429}{7} r_2^2 = 981$$

$$\approx \quad r_2^2 = 16$$

$$\approx \quad r_2 = 4$$

अब, गोलाकार सिलेंडर के आधार का क्षेत्रफल $= \pi r_2^2$

$$= \frac{22}{7} \times 16$$

$$= 50$$

3. (D) A, B और C के निवेशों में अनुपात

$$= 899 \times 12 : x \times 8 : 2x \times 4$$
$$= 10788 : 8x : 8x$$
$$= 2697 : 2x : 2x$$

$$\text{A का हिस्सा} = \frac{\text{A का निवेश}}{\text{कुल निवेश}} \times \text{कुल लाभ}$$

$$\Rightarrow 5039{\cdot}5 = \frac{2697}{2697 + 4x} \times 14005$$

$$\Rightarrow 2697 + 4x = 7495$$

$$\Rightarrow \quad 4x = 4798$$

$$\Rightarrow \quad x = 1200$$

अब, C का निवेश

$$= 2x = 2 \times 1200$$
$$= ₹\ 2400$$

4. (D) माना आय ₹ x है.

$$\text{घर का किराया} = \frac{25}{100}x = ₹\ \frac{x}{4}$$

$$\text{बचत खाता} = ₹\ \frac{x}{3}$$

$$\text{शेष राशि} = x - \left(\frac{x}{4} + \frac{x}{3}\right)$$

$$= x - \frac{7x}{12} = \frac{5x}{12}$$

किराने के सामान के लिए व्यय की गई राशि

$$= \frac{3}{5} \times \frac{5}{12}x = 11990$$

$$\Rightarrow \quad x = 11990 \times 4$$
$$= 47960 = ₹\ 48000$$

5. (A) A, B, C तरलों का अनुपात
$= 100 : 100 : 50$
$= 2 : 2 : 1$

बर्तन Y में A, B, C, D तरलों की मात्रा :

$$A = \frac{2}{5} \times 100 = 40 \text{ लिटर},$$

$$B = \frac{2}{5} \times 100 = 40 \text{ लिटर},$$

$$C = 20 \text{ लिटर}$$

$$D = 20 \text{ लिटर}$$

$$\text{कुल मात्रा} = 120 \text{ लिटर},$$

$$C\% = \frac{20}{120} \times 100 = \frac{50}{3}\%$$
$$= 16{\cdot}67\%$$

6. (C) **वस्तु A के लिए :**

$$\text{M. P.} = ₹\ 12000$$
$$D = 15\%,$$
$$\text{S. P.} = \frac{(100-15)}{100} \times 12000$$
$$P\% = 20\%$$
$$\text{C. P.} = \frac{100}{120} \times 10200$$
$$= ₹\ 8500$$
$$\therefore \quad \text{लाभ} = \frac{20}{100} \times 8500$$
$$= 1700$$

वस्तु B के लिए :

$$\text{M. P.} = ₹\ 11000,$$
$$D = 10\%,$$
$$\text{S. P.} = \frac{(100-10)}{100} \times 11000$$
$$= 90 \times 110$$
$$= ₹\ 9900$$
$$P\% = 10\%$$
$$\text{C. P.} = \frac{100}{110} \times 9900$$
$$= ₹\ 9000$$
$$\text{लाभ} = \frac{10}{100} \times 9000$$
$$= ₹\ 900$$
$$\text{लाभ में अन्तर} = 1700 - 900$$
$$= ₹\ 800$$

7. (C) औसत $=$

$$\frac{\frac{20}{100} \times 80000 + \frac{30 \times 80000}{100} + \frac{25}{100} \times 80000}{3}$$

$$= \frac{16000 + 24000 + 20000}{3}$$

$$= \frac{60000}{3} = 20000$$

8. (A)

$$\% = \frac{16000 \times \frac{30}{100} + 24000 \times \frac{20}{100}}{24000} \times 100$$

$$= \frac{4800 + 4800}{24000} \times 100 = 40$$

9. (A)

$$\text{अनुपात} = \frac{16000 \times \frac{30}{100} + 20000 \times \frac{40}{100}}{20000 + 20000}$$

$$= \frac{4800 + 8000}{40000}$$

$$= \frac{12800}{40000} = \frac{8}{25}$$

10. (E) लोगों की कुल संख्या

$$= 16000 \times \frac{30}{100} + 20000 \times \frac{40}{100} + 24000 \times \frac{20}{100}$$

$$= 4800 + 8000 + 4800$$
$$= 17600$$

11. (A) 5वें दिन और 2 दिन में शॉपिंग करने वाले लोगों की संख्या के बीच अन्तर

$$= 8000 - \left(4800 + 4800 \times \frac{30}{100}\right)$$

$$= 8000 - 6240 = 1760$$

12. (E) **लोगों की संख्या**

$$2011 = 600$$

$$2012 = 600 + 600 \times \frac{15}{100}$$

$$= 690$$

$$2013 = 690 + 690 \times \frac{20}{100}$$

$$= 828$$

MAGAZINE KING

$$2014 = 828 + 828 \times \frac{25}{100}$$

$$= 1035$$

$$\% \text{ बढ़त} = \frac{1035 - 600}{600} \times 100$$

$$= 72{\cdot}5$$

13. (E) A, B, C, D सभी देशों की बढ़त
$= 1035000 + 660000 + 462000 + 759000$
$= 2916000$

$$\% \text{ बढ़त} = \frac{364500 - 2916000}{2916000} \times 100$$

$$= \frac{729000}{2916000} \times 100$$

$$= 25\%$$

14. (B) अनुपात $= \frac{690}{759} = \frac{10}{11}$

15. (A) शहर B में 2016 में यूजर्स की संख्या

$$= 660 + 660 \times \frac{25}{100}$$

$$= 825$$

शहर C में 2016 में यूजर्स की संख्या

$$= 462 + 462 \times \frac{50}{100}$$

$$= 693$$

अन्तर $= 132$

16. (A) $(828 + 336) - (440 + 660)$
$= 1164 - 1100$
$= 64$

17. (A)

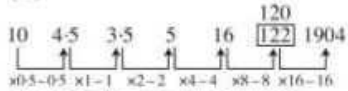

'122' के स्थान पर '120' आएगा.

18. (D)

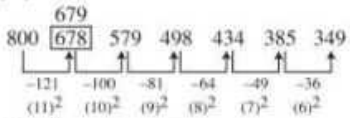

678 की जगह 679 आएगा.

19. (C)

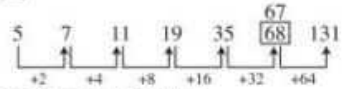

68 की जगह 67 आएगा.

20. (D)

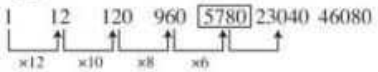

5780 की जगह 5760 आएगा.

21. (B)

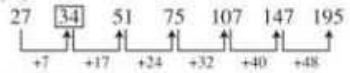

34 की जगह 35 आएगा.

22. (A) S. I. $= \frac{50000 \times 12 \times 3}{100}$

$= ₹ 18000$

$A = P + S.I.$
$= 50000 + 18000$
$= ₹ 68000$

C. I. के लिए–

$$A = 40000 \left[\left(1 + \frac{10}{100}\right)^2\right]$$

$$= 40000 \times \frac{121}{100}$$

$= ₹ 48400$

अन्तर $= 68000 - 48400$
$= ₹ 19600$

23. (E) माना, नाव की चाल क्रमशः x, y हैं.

नाव A

$D = 117$ किमी
$T = 9$ घण्टा
$S_a = (x - 2)$ किमी/घण्टा

$\therefore x - 2 = \frac{117}{9} = 13$

$\Rightarrow x = 15$
$S_d = 15 + 2 = 17$ किमी/घण्टा
$T = 30$ घण्टा
$D = 17 \times 30 = 510$ किमी

नाव B

$D = 135$ किमी
$T = 9$ घण्टा
$S_d = (y + 2)$ किमी/घण्टा

$y + 2 = \frac{135}{9} = 15$

$\Rightarrow y = 13$
$S_u = 13 - 2 = 11$ किमी/घण्टा
$T = 30$ घण्टा
$D = 11 \times 30 = 330$ किमी.

अन्तर $= 510 - 330$
$= 180$ किमी.

24. (E) माना सोहम की पॉकेट मनी x है और मोहन की पॉकेट मनी y है.

सोहम

40% खर्च

$$\text{शेष} = x - \frac{40}{100}x = \frac{3}{5}x$$

$$\text{बचत खाता} = \frac{3}{5}x \times \frac{2}{3} - \frac{2x}{5}$$

मोहन

40% खर्च

$$\text{शेष} = y - \frac{40}{100}y = \frac{3}{5}y$$

$\frac{3}{5}y \times \frac{4}{5} = \frac{12}{25}y$ बचत खाते में

दिया है, $\frac{12}{25}y - \frac{2}{5}x = 2400$ ...(1)

मात्रा I : $y = x + \frac{25}{100}x = \frac{125}{100}x$

तो (1) बनता है, $\frac{12}{25} \times \frac{125x}{100} - \frac{2}{5}x$

$= 2400$

$\Rightarrow \frac{x}{5} = 2400$

$\Rightarrow x = ₹ 12000$

मात्रा II : ₹ 12000 (दिया है)

तो, मात्रा I = मात्रा II

25. (B) $d = (90 - 72) \times \frac{5}{18} \times 261$

$= 1305$ मी.

(दो ट्रेनों की लम्बाई मिलाकर)

अब,

$$72 \times \frac{5}{18} = \frac{\text{ट्रेन A की लम्बाई} + 360}{54}$$

$\Rightarrow 1080 - 360 = 720$ मी.
$= $ ट्रेन A की लम्बाई

मात्रा I : $= 1305 - 720$
$= 585$ मी. ट्रेन B की लम्बाई

मात्रा II $= 720$ मी.

मात्रा I < मात्रा II

26. (A) गोलाकार शंकु का आयतन

$$(A) = \pi r^2 \frac{h}{3}$$

$$\Rightarrow 1078 = \frac{22}{7} \times x^2 \times \frac{3x}{3}$$

$$\Rightarrow \frac{1078 \times 7}{22} = x^3$$

$\Rightarrow x = 7$ मी.

मात्रा I : $l = \sqrt{r^2 + h^2}$

$= \sqrt{49 + (21)^2}$

$= \sqrt{49 + 441}$

$= \sqrt{490} = 22{\cdot}1$ मी.

मात्रा II : $l = \sqrt{(14)^2 + (16)^2}$

$= \sqrt{196 + 256}$

$= \sqrt{452} = 21{\cdot}2$ मी

मात्रा I > मात्रा II

27. (E) मात्रा I : $x^2 - 8x + 12 = 0$
$\Rightarrow x^2 - 6x - 2x + 12 = 0$
$\Rightarrow x(x - 6) - 2(x - 6) = 0$
$\Rightarrow x = 6, 2$

मात्रा II : $y^2 = \sqrt{256}$
$\Rightarrow y^2 = 16$
$\Rightarrow y = \pm 4$

$6 > \pm 4$ तथा $y > 2 > -4$

अतः सम्बन्ध स्थापित नहीं किया जा सकता है.

28. (A) मात्रा I :

$$A = \frac{\pi}{2}r^2 = \frac{22}{7} \times \frac{6}{2} \times 6$$

$$= \frac{396}{7} = 56{\cdot}5 \text{ वर्ग सेमी}$$

MAGAZINE KING

मात्रा II :

$$A = \frac{1}{2} \times 12 \times 7 = 42 \text{ वर्ग सेमी}$$

मात्रा I > मात्रा II

29. (E) माना B काम पूरा करने में x दिन लेता है.

$\therefore$ B का 1 दिन का काम $= \frac{1}{x}$ ...(1)

और A का 1 दिन का काम $= \frac{1}{10}$ ...(2)

अगर C 1 दिन में y काम करता है, तो

$$A\left(y+\frac{50}{100}y\right) = \frac{3}{2}\ y \text{ काम करता है}$$

$$= \frac{1}{16} \text{ दिन}$$

$$\Rightarrow \quad y = \frac{2}{3\times 10} = \frac{1}{15}$$

$\therefore$ C का 1 दिन का काम $= \frac{1}{15}$ ...(3)

(A + B) का 1 दिन का काम

$$= \frac{1}{10} + \frac{1}{x} = \frac{10+x}{10x}$$

(A + B) का 3 दिन का काम

$$= 3\left(\frac{10+x}{10x}\right) \quad ...(4)$$

(A + C) का 1 दिन का काम

$$= \frac{1}{10} + \frac{1}{15} = \frac{1}{6}$$

(A + C) का 3 दिन का काम

$$= \frac{3}{6} = \frac{1}{2} \quad ...(5)$$

बचा हुआ काम

$$= 1 - \left(\frac{1}{2} + 3\frac{(10+x)}{10x}\right)$$

$$\Rightarrow \frac{13}{100} = \frac{1}{2} - 3\ \frac{(10+x)}{10x}$$

$$\Rightarrow 13x = 20x - 300$$

$$\Rightarrow \quad x = 42\ \frac{6}{7} = 40 \text{ दिनों}$$

30. (C) **ट्रेन A के लिए :**

$D_1 = (l_1 + 298)$ मी.,

$T = 30$ से.,

$S = 54$ किमी /घण्टा

$$= 54 \times \frac{5}{18} = 15 \text{ मी /से.}$$

$\therefore l_1 + 298 = 15 \times 30 = 450$

$\Rightarrow \quad l_1 = 450 - 298 = 152$ मी.

ट्रेन B के लिए :

$D = (152 + l_2)$ मी.,

$T = 66$ से.,

$S = (72 - 54)$ किमी /घण्टा

$= 18$ किमी /घण्टा

$$= 18 \times \frac{5}{18} = 5 \text{ मी /से.}$$

$\therefore 152 + l_2 = 66 \times 5$

$\Rightarrow \quad l_2 = 330 - 152 = 178$ मी.

अन्तर $= l_2 - l_1 = 178 - 152$

$= 26$ मी.

अन्तर % $= \frac{26}{152} \times 100 = 17\%$

●●●

शेष पृष्ठ 92 का

पृथ्वी और उसके निवासियों के लिए विनाशकारी स्थायी क्षति अत्यन्त महत्वपूर्ण है. इन स्थायी क्षतियों में आर्कटिक और अण्टार्कटिक में पशुओं के लिए पर्यावास की अपरिवर्तनीय क्षति, अधिक व जल्दी-जल्दी घातक भीषण गर्मी पड़ना, 30 करोड़ से अधिक लोगों को प्रभावित कर सकने वाली जल की कमी, सम्पूर्ण समुदायों और समुद्री जीवों के लिए आवश्यक प्रवाल भित्तियों का गायब होना, सभी लघु द्वीपीय देशों के भविष्य और अर्थव्यवस्था को निगलने को तैयार समुद्र का बढ़ता जल स्तर आदि प्रमुख रूप से शामिल हैं. इन स्थायी क्षतियों से निपटना समय की माँग है. ●●●

शेष पृष्ठ 150 का

मेधा प्रोत्साहन योजना	*महाविद्यालयों से निकले छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए राज्य और राज्य से बाहर कोचिंग के लिए सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी, जिसके लिए ₹ 5 करोड़ का बजट.*
आज पुरानी राहों से	*प्रदेश के प्रतिष्ठित व्यक्तियों की स्मृतियों, ऐतिहासिक घटनाओं , विलुप्त धरोहर को गाइड के माध्यम से बताया जाएगा, जिससे सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिले. नए इनडोर सभागृह के लिए ₹ 25 करोड़ बजट का प्रावधान.*
देव भूमि दर्शन	*वरिष्ठ नागरिकों को राज्य के विभिन्न धार्मिक स्थलों की यात्रा के लिए आरम्भ.*
स्वास्थ्य में सहभागिता योजना	*ग्रामीण क्षेत्रों में एलोपैथिक निजी अस्पताल स्थापित करने के लिए ₹ 1 करोड़ तक के निवेश पर 25 प्रतिशत निवेश उपदान और 3 वर्ष तक 5 प्रतिशत ब्याज उपदान दिया जाएगा.*
मुख्यमंत्री निरोग योजना	*स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित की जाएगी, जिसमें रैंडम ब्लड शुगर, रक्तचाप, दृष्टि जाँच और अन्य लैब परीक्षण किए जाएंगे. इससे लम्बी बीमारियों का पता चलेगा.*
मुख्यमंत्री आशीर्वाद योजना	*अस्पताल में जन्मे सभी नवजात शिशुओं को ₹ 1500 मूल्य की नव आगंतुक किट भी दी जाएगी. इससे हरवर्ष एक लाख नवजातों को लाभ मिलेगा. अगले वित्तीय वर्ष के लिए ₹ 15 करोड़ बजट का प्रावधान.*
सशक्त महिला योजना	*सशक्त स्त्री केन्द्र स्थापित किए जाएंगे, जिसमें ग्रामीण महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक और उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा.*
ग्राम गौरव पट्ट	*हर पंचायत में चरणबद्ध एक पंचायत ग्राम गौरव पट्ट लगाया जाएगा, जिसमें उस पंचायत का इतिहास, वहाँ पैदा हुए प्रतिष्ठित व्यक्तियों के नाम व योगदान होगा. इनका रखरखाव स्थानीय पंचायतों द्वारा किया जाएगा.*

●●●

शेष पृष्ठ 126 का

7641, क्यूबा में 4000 और मालद्वीप में 1190 द्वीप हैं.

112. (D) ईरान में विश्व का लगभग 94% केसर उत्पादन किया जाता है.

113. (A)114. (C)115. (B)116. (D) 117. (C)

118. (A)119. (D)120. (D)121. (C)

122. (B) रोहतास में विन्ध्यन क्रम की चट्टानें पाई जाती हैं.

123. (C)124. (C)125. (B) 126. (A) 127. (C)

128. (E)129. (A)130. (D) 131. (C) 132. (B)

133. (E) मुख्य चुनाव आयुक्त एवं नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक एक ही वरीयता क्रम (9A) पर आते हैं.

134. (E)135. (C)136. (A) 137. (B)

138. (A) चालू मूल्यों पर 2016-17 में राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) ₹ 4,25,888 करोड़ था, जो 2017-18 में 10·9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ ₹ 4,87,628 करोड़ हो गया.

139. (A)

140. (D) गरीबों को सस्ती दर पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए 25 दिसम्बर, 2000 को अन्त्योदय योजना शुरू की गई. सर्वप्रथम राजस्थान राज्य में इस योजना का आरम्भ किया गया.

141. (D) वर्ष 2018-19 की आर्थिक समीक्षा के अनुसार वैश्विक तुलना में माँस और माँस से निर्मित वस्तुओं के क्षेत्र में भारत की हिस्सेदारी 3% थी.

142. (B)

143. (D) वर्ष 2018-19 में भारत का रक्षित विदेशी भंडार ₹ 28,55,882 करोड़ था, जबकि 2017-18 में यह ₹ 27,60,849 करोड़ था.

144. (E)145. (C)146. (C) 147. (A) 148. (B)

149. (B)

150. (C) नीति आयोग के स्वास्थ्य सूचकांक, 2019 में बिहार ने 32·11 स्कोर के साथ 20वाँ स्थान प्राप्त किया है. ●●●

MAGAZINE KING

कि वीएलटी क्या है और इसकी क्या उपयोगिता है ?

☛ ह्वाइट होल, ब्लैक होल जैसे ब्रह्माण्ड के अनगिनत रहस्यों को खोलने में सक्षम 'वीएलटी' संसार की सबसे बड़ी दूरबीन है. यह चिली अटाकामा मरुस्थल में स्थित है.

रात होते ही खुल जाता है दरवाजा– रात होते ही बेहद बड़े आकार के आइनों से लैस इस दैत्याकार दूरबीन का दरवाजा खुलता है. यह सौरमण्डल की छोटी से छोटी रोशनी को पकड़ कर ब्रह्माण्ड के राज खोलने में लग जाती है.

20 वर्ष से ब्लैकहोल का कर रही पीछा–वीएलटी ने 20 वर्ष पहले सौरमण्डल से दूर एक रोशनी देखी थी. सौरमण्डल से दूर ब्लैकहोल का अस्तित्व माना जाता है, लेकिन ब्लैकहोल में किसी भी तरह की रोशनी नहीं होती है. यहां 17 देशों के अन्तरिक्ष वैज्ञानिकों का जमावड़ा लगा हुआ है और उनके लिए यह स्वर्ग से कम नहीं है.

स्पष्ट दिखता है अन्तरिक्ष का नजारा– चिली में यह दूरबीन जहाँ स्थित है वहाँ वर्ष के 330 दिन आकाश बिना बादलों के एकदम साफ होता है. रात भी धुँधभरी नहीं होती और हवाएं भी तेज नहीं चलती हैं. वैज्ञानिकों का कहना है कि दूसरी जगहों पर कई बार धुँध और हवाओं की वजह से वेवलेंथ गड़बड़ हो जाती है. यहाँ से अन्तरिक्ष का नजारा स्पष्ट दिखाई देता है.

ब्लैक होल से कोई भी प्रकाश आर-पार नहीं हो सकता है. इनमें गुरुत्वाकर्षण शक्ति इतनी ज्यादा होती है कि बड़ी-से-बड़ी वस्तु को भी अपनी ओर खींच लेता है.

कि विशेषाधिकार भंग तथा सदन की अवमानना में क्या अन्तर है ?

☛ जब कोई व्यक्ति या प्राधिकारी व्यक्तिगत रूप से सदस्यों के या सामूहिक रूप से सभा के किसी विशेषाधिकार/अधिकार तथा उन्मुक्ति की अवहेलना करता है या उनका अतिक्रमण करता है, जो इस अपराध को विशेषाधिकार भंग कहा जाता है.

सभा के अवमानना की सामान्यतः इस प्रकार परिभाषा दी जा सकती है कि 'ऐसा कोई कार्य या भूल-चूक, जो संसद के किसी सदन के काम में उसके कृत्यों के निर्वहन में बाधा या अड़चन डालती है अथवा सदन के किसी सदस्य या अधिकारी के मार्ग में उसके कर्तव्य के पालन में बाधा या अड़चन डालती है अथवा जिससे प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः ऐसे परिणाम उत्पन्न हो सकते हैं,' संसद का अवमानना माना जाता है. यद्यपि, सभी प्रकार के विशेषाधिकारों का भंग किया जाना उस सभा की अवमानना है, जिसके विशेषाधिकारों का उल्लंघन किया जाता है. कोई व्यक्ति सभा के किसी विशेषाधिकार का उल्लंघन किए बिना सभा की अवमानना का दोषी हो सकता है अर्थात् जब वह समिति में उपस्थित होने के आदेश का अनुपालन न करे अथवा सदस्य के रूप में वह किसी सदस्य के चरित्र अथवा आचरण पर टिप्पणियाँ करे.

कि राष्ट्रपति संसद को कब सम्बोधित करता है ?

☛ भारत के संविधान में राष्ट्रपति द्वारा संसद के किसी एक सदन के समक्ष या एक साथ समवेत दोनों सदनों के समक्ष अभिभाषण दिए जाने का प्रावधान है [अनु. 86(1)]. संविधान के अनुसार राष्ट्रपति लोक सभा के प्रत्येक आम चुनाव के पश्चात् प्रथम सत्र के आरम्भ में तथा प्रत्येक वर्ष के प्रथम सत्र के आरम्भ में एक साथ समवेत दोनों सदनों में अभिभाषण देंगे और संसद को इस सत्र के आह्वान के कारण बताएंगे. [87(1)]. राष्ट्रपति के अभिभाषण में उल्लिखित मामलों पर किसी सदस्य द्वारा प्रस्तुत और अन्य सदस्य द्वारा अनुमोदित धन्यवाद-प्रस्ताव पर चर्चा की जाती है.

कि यूकेलिप्टस तेल में क्या-क्या औषधीय गुण हैं ?

☛ औषधीय गुणों से भरपूर यूकेलिप्टस तेल कई रोगों में लाभदायक हैं. सेनौल जैसे एपटी इन्फ्लेमेटरी और पेन-रिलीविंग एनाल्जेसिक गुण होने के कारण यह तेल पेन-किलर का काम करता है.

सर्दी-जुकाम की वजह से छाती की पसलियों या छाती में दर्द हो, तो रात, को सोते समय छाती, गले और पीठ में इस तेल से मालिश करें.

शरीर के अंगों या मांसपेशियों में दर्द और कड़ापन हो, तो उसके लिए भी यह बहुत अच्छा होता है. पीठ दर्द, जोड़ों में दर्द और सूजन में यूकेलिप्टस ऑयल में तिल, नारियल, बादाम या सरसों का तेल मिलाकर मसाज कर सकते हैं. यूकेलिप्टस ऑयल में मिलाए जाने वाले अन्य तेल को हल्का गर्म कर लें. इससे यह ज्यादा असरदार होता है. यूकेलिप्टस में मौजूद वासोडिलेटर गुण तनाव और थकावट को दूर कर फ्रेश रखने में मदद करता है. यूकेलिप्टस की भाप लेने पर मस्तिष्क में रक्त संचार तेज होता है, जिससे मांसपेशियों में संकुचन कम होता है, इससे सिर दर्द तनाव और मानसिक परेशानियों में आराम मिलता है. इसी कारण इसका प्रयोग अरोमा थेरेपी में किया जाता है. इसमे एंटीसेप्टिक गुण भी पाए जाते हैं. इसके ऑयल और पत्तों से बना पेस्ट घावों का इलाज करने और फंगल इन्फेक्शन रोकने में मदद करता है. एंटी बैक्टीरियल गुणों के कारण यह त्वचा सम्बन्धी समस्याओं को कम करने में मदद करता है. इसके पत्तों में थोड़ा पानी मिलाकर पीस लें और इस फेस-पैक को चेहरे पर लगाएं

बदलते मौसम में सुरक्षा के लिहाज से यूकेलिप्टस ऑयल को कभी-कभी शरीर पर लगाने से खाँसी-जुकाम से बचाव होता है और शरीर में होने वाली समस्याएं कम होती हैं.

कि लेबेन्स्त्राम (Lebensraum) क्या है ?

☛ यह एक जर्मन शब्द है, जिसका अर्थ है किसी जीवित जीव का निवास क्षेत्र, निवास योग्य क्षेत्र अथवा स्वयं जीवित क्षेत्र (Living Space). इस शब्दावली का प्रयोग नाजी शासन काल में भू-राजनीतिज्ञों ने उस क्षेत्र के लिए किया था, जो जर्मनवासियों के रहने के लिए उपयुक्त थे. क्षेत्रीय विस्तार की नाजी नीतियों को न्यायसंगत सिद्ध करने में इस संकल्पना का उपयोग किया.

कि वातवर्त या वातभंवर (Whirl Wind or Wind Whirl) क्या है ?

☛ किसी निम्न वायुदाब केन्द्र के चारों ओर तेजी से चक्कर लगाती हुई वायु की भ्रमणशील राशि है, जिसकी उत्पत्ति स्थानीय भूतल के अति उष्णन (Heating) तथा तीव्र संवहन के परिणामस्वरूप होती है. ऐसी हवाएं बाहर से केन्द्र की ओर चलती हैं तथा ऊर्ध्वाधर स्तम्भ के रूप में अधिक ऊँचाई तक ऊपर उठती हैं. यह स्थानीय तथा लघु आकार का होता है तथा ऊर्ध्वाधर या कुछ झुके हुए अक्ष के सहारे आगे बढ़ता है. कुछ दूरी तथा चलने के पश्चात् यह समाप्त हो जाता है. यह चक्रवात का अति लघु रूप होता है.

कि वादी (Wadi) क्या है ?

☛ यह शुष्क एवं अर्द्ध-शुष्क मरुस्थलीय भागों में पाई जाने वाली शुष्क घाटी है, जिसमें कभी-कभी आकस्मिक वर्षा होने पर ही जल प्रवाहित होता है. इसकी दीवालें प्रायः खड़ी होती हैं तथा तली सपाट होती है. आकस्मिक वर्षा से वादी में बाढ आ जाती है, किन्तु रेत में जल के रिसाव और अत्याधिक मलवा के जमाव से सरिताएं कुछ दूर तक चल कर मरुस्थलों में विलीन हो जाती हैं. वादी एवं अरबी शब्द है, जिसका प्रयोग विशेषतः सहारा तथा अरब रेगिस्तानों की शुष्क घाटियों के लिए किया जाता है.

●●●

MAZIMKING

प्रश्न–स्थगन प्रस्ताव से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर–अविलम्बनीय लोक महत्व के किसी निश्चित मामले, जिसे अध्यक्ष की अनुमति से पेश किया जा सकता है, पर चर्चा करने के उद्देश्य से सभा की कार्यवाही के स्थगन हेतु प्रकिया को स्थगन प्रस्ताव कहते हैं. स्थगन प्रस्ताव ग्रहीत होने पर प्रस्ताव में उल्लिखित मामले पर चर्चा करने के लिए सभा के सामान्य कार्य को रोक दिया जाता है. स्थगन प्रस्ताव का उद्देश्य सरकार की हाल ही की किसी चूक अथवा असफलता के लिए, जिसके गम्भीर परिणाम हों, सरकार को आड़े हाथ लेना है. इसे स्वीकार किया जाना एक प्रकार से सरकार की निन्दा मानी जाती है.

प्रश्न–सीवीएन क्या है ? यह क्यों इतना अधिक चर्चित है ?

उत्तर–विमानवाहक युद्धपोतों के बल पर आज अमरीकी सेना संसार के प्रत्येक भाग में प्रभावी है. ये सभी शक्तिशाली विमान-वाहक पोत परमाणु ऊर्जा से संचालित हैं.

दुनिया का सबसे बड़ा और अत्याधुनिक विमानवाहक युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन (सीवीएन-72) इस बात पर मुहर लगाता है. वैसे तो परमाणु ऊर्जा चालित सीवीएन-72 को 1989 में सेवा में शामिल किया गया था, लेकिन 2013 में इसकी रिफ्यूलिंग और मरम्मत शुरू हुई. अभी हाल ही में यह दोबारा फ्लीट में शामिल हुआ. अब इसका समुद्री परीक्षण चल रहा है. इसने अधिकतम रफ्तार पर समुद्र में तेज मुड़कर सबको चौंका दिया है. इस कुशलता के कारण यह किसी भी हमले से बच सकता है. ऐसा करते हुए इस पर रखे विमान और मौजूद कर्मी भी पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे.

सीवीएन-72 अमरीकी नौसेना के निमित्ज क्लास के दस विमानवाहक युद्धपोतों में से एक है. दुनिया में सबसे बड़े परमाणु चालित विमानवाहक युद्धपोत हैं. यह 11 नवम्बर, 1989 को सेवा में शामिल किया गया. इसका नाम 16वें अमरीकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के नाम पर है. यह अमरीकी नौसेना के अटलांटिक फ्लीट का युद्धपोत है.

2013 में वर्जीनिया के न्यूपोर्ट न्यूज शिप-बिल्डिंग में इसकी रिफ्यूलिंग और मरम्मत कार्य शुरू हुआ. इस प्रक्रिया को रिफ्यूलिंग एण्ड कॉम्प्लेक्स ओवरहॉल (आरसीओएच) कहते हैं. इसमें परमाणु ऊर्जा चालित विमान-वाहक युद्धपोत के परमाणु रिएक्टरों को बदला जाता है. इससे इनकी कार्यक्षमता बढ़ती है. यह 46 महीने की प्रक्रिया होती है.

समुद्री परीक्षण के दौरान इसे अधिकतम रफ्तार पर तेज मोड़कर भी देखा गया. इसमें भी यह सफल रहा. इसका फायदा इसे दुश्मनों की मिसाइलों से बचने और अन्य जहाजों से टकराने से बचने में मिलेगा.

प्रश्न–शून्य काल के अन्तर्गत कितने मामले उठाए जाने की अनुमति है ?

उत्तर–वर्तमान में शून्य काल के दौरान बैलट की प्राथमिकता के आधार पर प्रति दिन बीस मामले उठाए जाने की अनुमति है. उठाए जाने वाले मामलों के क्रम का निर्णय अध्यक्ष महोदय के विवेकानुसार किया जाता है. पहले चरण में अविलम्बनीय राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के 5 मामले, जैसा कि अध्यक्षपीठ द्वारा निर्णय लिया जाए, प्रश्न काल और पत्रों को पटल पर रखने आदि के बाद लिए जाते हैं. दूसरे चरण में अविलम्बनीय लोक महत्व के शेष स्वीकृत मामले सायं 6-00 बजे के बाद या सभा के नियमित कार्य के पश्चात् लिए जाते हैं.

प्रश्न–रुधिर वर्षा (Blood Rain) क्या है ?

उत्तर–यह एक प्रकार की धूल मिश्रित वर्षा है, जिसमें जल का रंग हल्का लाल होता है और उससे भूमि पर रक्त के समान लाल रंग के धब्बे पड़ जाते हैं. मरुस्थलों में पवनों द्वारा ऊपर उड़ाए गए लाल धूलि कण दूरवर्ती क्षेत्रों तक पहुँचा दिए जाते हैं. ये धूलि कण जल बूँदों के साथ मिल जाते हैं, जिससे वर्षा जल का रंग लाल या रक्ताभ हो जाता है. इस प्रकार की वर्षा यूरोप के भूमध्य सागर तटीय भागों में, मुख्यतः इटली में, अधिक देखने को मिलती है. जहाँ ऊपरी वायुमण्डल में सहारा मरुस्थल से उड़ाकर लाए गए लाल धूलि कण पर्याप्त मात्रा में विद्यमान होते हैं.

प्रश्न–राष्ट्रीय उद्यान क्या है ?

उत्तर–यह एक विस्तृत क्षेत्र है, जिसे राष्ट्रीय सरकार द्वारा सार्वजनिक मनोरंजन तथा वैज्ञानिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विशेष संरक्षण प्रदान किया जाता है, जिससे प्राकृतिक सुन्दरता, वन्य जीव, वनस्पतियाँ आदि सुरक्षित रह सकें, विश्व का प्रथम राष्ट्रीय उद्यान सन 1872 में संयुक्त राज्य अमरीका में बनाया गया था, जिसका नाम यलोस्टोन पार्क है. भारत में इस समय लगभग 104 राष्ट्रीय उद्यान हैं.

प्रश्न–कृषि क्षेत्र में, उन्नत खेती हेतु 'नैनो पोषक तत्व तकनीक' के बारे में लाभ जानिए.

उत्तर–देश में कृषित फसलों में बड़ी मात्रा में अब आम उर्वरक/फर्टिलाइजर्स नहीं, बल्कि आधुनिक **नैनो** आधारित पोषक तत्व शीशी में आएंगे, जिसमें **'नैनो प्लांट न्यूट्रिएन्ट्स'** की मात्रा ग्राम में होगी, जो फसलों के लिए भरपूर पोषक हो सकती है. देश की सबसे बड़ी फर्टीलाइजर कम्पनी– **'इफ्को' (IFFCO)** ने राष्ट्र स्तर पर 'आईसीएआर' (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्–नई दिल्ली के साथ मिलकर ट्रायल कर दिया है. देश के सभी राज्यों में 'रबी' फसल-वर्ष 2019-20 से ही इसका ट्रायल चालू किया गया है, जिस हेतु देश भर से 11,000 किसानों के खेतों को इनके लिए चुना गया है. **पहले** चरण में नैनो नाइट्रोजन, नैनो जिंक और नैनो कॉपर का ट्रायल शुरू किया गया है, जो यह **'नैनो पोषक तत्व तकनीक'** इफ्को के कलोल (गुजरात)–बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर द्वारा देशी तकनीक से विकसित किया गया है, जिससे 50% (परम्परागत उर्वरक की तुलना में) कम खर्च होगा तथा 15-30% फसल उत्पादकता में वृद्धि होगी और भूमि की सेहत भी सुधरेगी.

प्रश्न–बढ़ते वायु प्रदूषण से मानव स्वास्थ्य पर बुरे-प्रभाव पड़ने लगे हैं, इसे जानिए.

उत्तर–बढ़ते वायु प्रदूषण से मानसिक बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है. ज्यादा समय तक प्रदूषित वायु में रहने से **'बाईपोलर डिसऑर्डर'** और अवसाद जैसी दिमागी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. फलतः, **'बाई पोलर डिसऑर्डर'** के शिकार व्यक्ति का मन/दिमाग तेजी से बदलता है. यह खोज अमरीका की यूनीवर्सिटी ऑफ शिकागो के शोध से मिली है. बिना निकोटिन वाली **'ई-सिगरेट'** पीना भी सेहत के लिए हानिकारक हो सकती है. सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता वाली वायु में रहने वालों की तुलना में सबसे खराब वायु में रहने वालों में **'बाईपोलर डिसऑर्डर'** का खतरा 27% ज्यादा पाया गया है. वहीं अवसाद का खतरा 6% अधिक रहा है. दिल्ली क्षेत्र में **'एनजीटी'** द्वारा फसलों की पराली जलाने वालों पर दण्ड घोषित कर दिया गया है, जो किसान 2 एकड़ भूमि से कम क्षेत्र में पराली जलाएंगे, उन पर ₹ 2500; 2 से 5 एकड़ पर ₹ 5000 तथा 5 एकड़ से अधिक पर ₹ 15000 का दण्ड घोषित है. वायु प्रदूषण में SO_2 व CO (कार्बन मोनोक्साइड) ये **दो** गैसें मेट्रोपॉलिटन शहरों में हैं. **आगरा** में **AQI**-252 दर्ज किया है.

●●●

MAGAZINE KING

प्रथम पुरस्कृत समीक्षा

वाद-विवाद प्रतियोगिता

विषय : ''भारतीय संविधान में समानता जैसे मौलिक अधिकारों के बावजूद जातिगत वर्जनाएं आज भी विद्यमान हैं.''

–नीरज कुमार आजाद

पक्ष में –

समानता : प्रत्येक मनुष्य को कुछ अधिकार प्रदान करना अर्थहीन हो जाएगा यदि सामाजिक संरचना से असमानता दूर नहीं की जाती है और प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिष्ठा और अवसर की समानता सुनिश्चित नहीं की जाती है, जिससे उसका सर्वोत्तम विकास हो सके. संविधान में इस उद्देश्य को सुनिश्चित करने के लिए एक नागरिक और दूसरे नागरिक के बीच राज्य द्वारा किए जाने वाले सभी विभेदों को अवैध घोषित किया गया है. ये ऐसे विभेद हैं, जो केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर **[अनु.-15]** है. संविधान ने सभी सार्वजनिक स्थानों को सभी नागरिकों के लिए खोल दिया है **[अनु.-15(2)]** अस्पृश्यता का शमन कर दिया गया है **[अनु.-17]**. राज्य के अधीन नियोजन से सम्बन्धित सभी विषयों के लिए अवसर की समानता प्रदान की गई है **[अनु.-16]**. विधि के समक्ष समता या विधि के समान संरक्षण को ऐसा अधिकार बनाया गया है जिस पर न्यायालय निर्णय दे सकता है **[अनु.-14]**.

नागरिक समानता सुनिश्चित करने के लिए उपर्युक्त उपबन्धों के अलावा संविधान में राजनैतिक समानता लाने के लिए सार्वजनिक वयस्क मताधिकार का उपबंध किया गया है **[अनु.-326]** और यह उद्घोषित किया गया है कि किसी भी व्यक्ति को केवल धर्म, मूलवंश, जाति या लिंग के आधार पर साधारण निर्वाचन नामावली से न तो अपवर्जित किया जाए और न ही किसी विशेष नामावली में सम्मिलित किया जाएगा.

इन साधारण उपबन्धों के अलावा निदेशक तत्वों में **[भाग-4]** कुछ विशेष उपबन्ध हैं, जो राज्य को इस बात पर बाध्य करते हैं यह सुनिश्चित करने के लिए कि आर्थिक क्षेत्र में स्त्रियों और पुरुषों के बीच समान व्यवहार किया जाए और स्त्रियों और पुरुषों को काम करने का और समान कार्य के लिए समान वेतन पाने का अधिकार सुनिश्चित किया गया है **[अनु.-19 खंड (क) और खंड (घ)]**.

मूल अधिकार

''ऐसा भारत जिसमें गरीब-से-गरीब भी यह समझेगा कि यह उसका देश है, जिसके निर्माण में उसका भी हाथ है. वह भारत जिसमें समुदाय पूर्णतया समरस होकर रहेंगे. ऐसे भारत में अस्पृश्यता के श्राप के लिए या मादक पेय और स्वापक द्रव्यों के लिए कोई स्थान नहीं होगा. स्त्री और पुरुष समान अधिकारों का उपयोग करेंगे.'' [महात्मा गांधी]

संविधान सभी नागरिकों के लिए व्यष्टि और सामूहिक रूप से बुनियादी स्वतंत्रता देता है. इन मौलिक अधिकारों की छह व्यापक श्रेणियों के रूप में संविधान में गारंटी दी जाती है, जो न्यायोचित है. भारतीय संविधान के भाग-III में अनुच्छेद 12 से 35 में मौलिक अधिकारों के सम्बन्ध में वर्णन किया गया है–

- समानता का अधिकार **[अनु.-14-18]**
- स्वतंत्रता का अधिकार **[अनु.-19-22]**
- शोषण के विरुद्ध अधिकार **[अनु.-23-24]**
- धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार **[अनु.-25-28]**
- संस्कृति और शिक्षा सम्बन्धी अधिकार **[अनु.-29-30]**
- संवैधानिक अधिकार **[अनु.-32]**

जातिगत वर्जनाएं

अभी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले निजता अधिकार से सम्बन्धित ने मौलिक अधिकारों को सुर्खियों में ला खड़ा किया है. यदि निजता का अधिकार मौलिक है, तो समानता का अधिकार भी इसी श्रेणी में आता है. एक ओर सभी राजनीतिक दल समाज में समानता लाने की बात करते हैं, दूसरी ओर जाति के आधार पर आरक्षण की बैसाखी को भी नहीं छोड़ना चाहते. शायद जातिगत बँटवारे से सत्ता हासिल करना ज्यादा आसान नजर आता है. वर्तमान सरकार का नारा है **'सबका साथ सबका विकास'** लेकिन यह जमीनी स्तर पर अभी सफल नहीं हो पा रहा है. किसी भी सरकार की यह जिम्मेदारी है कि विकास की कतार में खड़े सबसे पिछले व्यक्ति को भी आगे लाकर खड़ा किया जाए. आरक्षण की जरूरतें जातिगत नहीं, बल्कि उनकी आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए ताकि लोगों में असमानता जैसी भावनाएं न पनप सकें. यही कारण है कि वर्तमान दौर में आरक्षण देश का एक वर्ग जाति के बजाय आर्थिक आधार पर आरक्षण की बात कर रहा है. फिलहाल जाति के आधार पर अन्य पि.व. को 27% अनुसूचित जातियों को 15% और अनुसूचित जनजाति को 7·50% आरक्षण की व्यवस्था है. लोगों का कहना है कि जब एक बार आरक्षण का लाभ देकर किसी को नौकरी मिल गई, तब प्रमोशन के लिए तो नियम सभी के लिए बराबर होने चाहिए. यदि कोई आरक्षण के आधार पर बिना बारी के पदोन्नति पाकर अपने सीनियर से आगे बढ़ता है, तो पीछे रह जाने वाले के मन में हीन भावना आना स्वाभाविक है.

नक्सलियों के पक्ष में कुछ लोग तर्क देते हैं कि यदि उन्हें उनका हक मिल जाए, तो वे हिंसा के रास्ते पर नहीं जाएंगे. ठीक यही बात जातिगत आरक्षण पर भी सटीक बैठती है. 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में भारत के विभिन्न हिस्सों में उठ खड़े समाज सुधार आन्दोलन का एक लक्ष्य इन स्थितियों को बदलना भी था. इसीलिए 20वीं शताब्दी के प्रारम्भिक दशकों में केरल और कई अन्य राज्यों में मन्दिर प्रवेश आन्दोलन चले और अनेक जगहों पर दलितों को मन्दिर में प्रवेश करने का अधिकार मिला. आजादी मिलने के बाद देश ने अपने लिए संविधान स्वीकार किया, उसमें सभी नागरिकों की बराबरी के सिद्धान्त को दृढ़ता से स्थापित किया गया और छुआछूत को संविधान के **[अनुच्छेद-17]** के द्वारा गैर-कानूनी करार दे दिया गया.

परन्तु कानून बनाने से हजारों वर्षों से चली आ रही मानसिकता नहीं बदली. इसलिए आज भी दलित द्वारा पकाए खाने को स्कूल के बच्चों द्वारा न खाने, दलितों को उनकी औकात बताने के लिए उन्हें नंगा करके घुमाने, हिंसा और बलात्कार का शिकार बनाने, उनके घर फूँकने और उनकी सामूहिक हत्या करने की घटनाएं होती रहती हैं, जो यह मौलिक अधिकार के होते हुए भी जातिगत वर्जनाएं की ओर इशारा है. जब पिछले दिनों संसद में भारतीय संविधान के निर्माता माने जाने वाले दलित नेता और विचारक भीमराव अम्बेडकर की पुण्य-तिथि पर संविधान दिवस मनाया गया, तब राज्यसभा में हुई चर्चा के दौरान कांग्रेस की नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री कुमारी शैलजा ने अपने साथ हुआ एक वाकया बयान किया और कहा कि 2013 में जब वह द्वारका गई थीं, तो वहाँ मन्दिर में पुजारी ने उनसे उनकी जाति पूछी थी.

MAGAZINE KING

जब कानून बनने के बावजूद भी केन्द्रीय मंत्रियों से जाति पूछी जा सकती है, तो आप यह अनुमान लगा सकते हैं कि आम लोगों/जातियों का क्या हाल रहता होगा ? क्या यह जाति वर्जनाएं का ज्वलंत उदाहरण नहीं है ? कुमारी शैलजा दलित है और उन्हें इस घटना ने इतना आहत किया कि वे इसकी जानकारी देने के क्रम में अपने आँसू नहीं रोक सकीं. हकीकत यह है कि आजादी के लिए हुए संघर्ष के दौरान, जो सामाजिक जागरूकता और आधुनिक चेतना पैदा हुई थी. आज उसकी चमक काफी हद तक फीकी पड़ चुकी है. संविधान में प्रदत्त अनेक अधिकार केवल कागज पर ही धरे रह गए हैं. उन पर अमल करने में न तो समाज की ही कोई विशेष रुचि है और न ही राज्य की. इसलिए समानता के मूल्य के प्रति सम्मान भी समाप्त होता जा रहा है. राजनीति में जातिवाद के बढ़ रहे प्रभाव के कारण भी इस प्रकार की चेतना को बल मिलता है.

कुमारी शैलजा और उनके दलित नेता यदि वास्तव में जातिभेद की समस्या को गहराई से महसूस करते हैं. क्या यह मामला हमारे देश में मौलिक अधिकार के रहते जातिगत वर्जनाएं का नजीर नहीं पेश कर रहा है ? क्या हम यह महसूस कर सकते हैं कि हमारे राष्ट्र में मौलिक अधिकार कार्य कर रहा है ? यह प्रश्न सिर्फ मेरा नहीं है, बल्कि समस्त भारतीयों का है. हम लोग यह जानते हैं कि प्रतिदिन इस प्रकार की हजारों घटनाएं हो रही हैं, लेकिन फिर भी हम लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं. हम सभी का यह कर्त्तव्य है कि संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों की रक्षा करें एवं इन अधिकारों को ईमानदारीपूर्वक समाज में रह रहे अन्तिम कतारों को प्रेषित करें. ताकि सरकार का नारा "सबका साथ सबका विकास" की कल्पना साकार रूप में आ सके.

निष्कर्ष

हम लोग यह निष्कर्ष के तौर पर कह सकते हैं कि मनुष्य को सामाजिक, राजनीतिक एवं सभी प्रकार की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मौलिक अधिकारों का होना उतना ही जरूरी है, जितना मनुष्य को जीवित रहने के लिए सूर्य का प्रकाश एवं जल.

पूर्व केन्द्रीय मंत्री कुमारी शैलजा की घटनाओं से यह प्रतीत होता है कि संविधान के पन्नों में मौलिक अधिकार को तो जगह मिली है, परन्तु रूढ़िवादी मन में इसका समावेश नहीं हो पाया है. इसलिए ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं. इससे यह साबित होता है कि भारतीय संविधान में समानता जैसे मौलिक अधिकारों के बावजूद भी जातिगत वर्जनाएं आज भी मौजूद हैं, जो हमारे राष्ट्र के लिए खतरा माना जाता है. हम सभी का यह दायित्व बनता है कि अपने मन से रूढ़िवादी ख्याल को शमन कर समाज में समानता लाने हेतु प्रयास करें, ताकि संविधान की खुशबू समस्त जगहों पर फैल सके.

●●●

शेष पृष्ठ 153 का

23. (D)

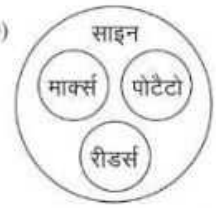

निष्कर्ष I अनुसरण करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण नहीं करता है.

24. (D)

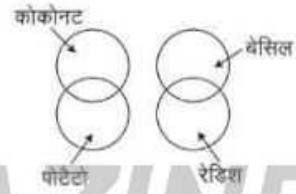

निष्कर्ष I अनुसरण करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण नहीं करता है.

25. (C)

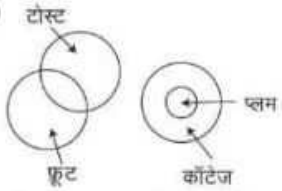

निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण नहीं करता है.

26. (E)

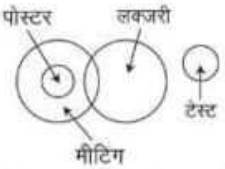

निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.

प्रश्न 27 से 29 तक के लिए :

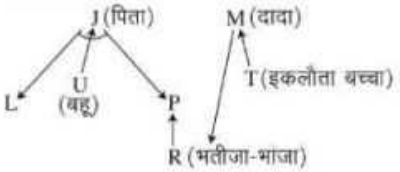

27. (E) 28. (A) 29. (B)

30. (E) FTIG → प्रश्नानुसार.
GIFT → शब्द बना.

प्रश्न 31 से 35 तक के लिए :

- A
- Q
- R
- S
- C
- P
- B
- T
- D
- E

31. (C) 32. (C) 33. (C) 34. (B) 35. (E)

●●●

वाद-विवाद प्रतियोगिता

विषय–"भारतीय अर्थव्यवस्था वर्तमान में गहरे आर्थिक संकट से गुजर रही है."
अन्तिम तिथि–15 जनवरी, 2020
शब्द संख्या–अधिकतम 750 शब्द (पक्ष/विपक्ष)
पुरस्कार योजना–पक्ष/विपक्ष के प्रथम दो लेख.
विशेष–पक्ष/विपक्ष का प्रथम लेख पत्रिका में प्रकाशित होगा.
प्रथम पुरस्कृत पक्ष/विपक्ष अभ्यर्थी को पुरस्कारस्वरूप ₹ 500/- प्रदान किए जाएंगे.
कॉपीराइट अधिकार प्रकाशक का होगा. अन्य लेख वापस नहीं किए जाएंगे.
(कृपया लिफाफे पर निम्नलिखित कूपन को अवश्य चिपकाएं)

वाद-विवाद प्रतियोगिता क्रमांक–188
(पक्ष/विपक्ष/दोनों पक्ष)

वाद-विवाद प्रतियोगिता क्रमांक–187 का परिणाम

विषय : "भारतीय संविधान में समानता जैसे मौलिक अधिकारों के बावजूद जातिगत वर्जनाएं आज भी विद्यमान हैं."

विजेता

पक्ष में :

1. नीरज कुमार आजाद
S/o श्री राम प्रवेश सिंह
मु.–देवधरपुर, थाना-पोस्ट–टिकारी
जिला–गया (बिहार)
पिन–824236

2. शिल्पी शर्मा
विष्णुपुरी, सैदपुर रोड, गुलावठी
बुलन्दशहर (उ. प्र.)
पिन–203408

☞ उपर्युक्त प्रशंसित वाद-विवाद प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की ₹ 500 मूल्य तक की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएगी. **कृपया अपनी पसन्द की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें.** यदि ₹ 500 से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई, तो उसके मूल्य में से ₹ 500 पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

MAGAZINE KING

प्रथम पुरस्कृत निबन्ध

"बीती ताहि बिसार दे, आगे की सुधि लेय"

✍ संजय प्रसाद

"जो बीत गया, उसका तनिक शोक नहीं करना चाहिए, भविष्य में क्या होगा इसकी व्यर्थ चिंता भी नहीं करनी चाहिए. जो वर्तमान काल का सदुपयोग करते हैं, वे असाधारण व्यक्ति होते हैं. इसलिए हर किसी को वर्तमान का ही सदुपयोग करना चाहिए, क्योंकि बीता हुआ समय और भविष्य पर हमारा कोई जोर नहीं होता है."

–आचार्य चाणक्य

वास्तव में **"बीती ताहि बिसार दे, आगे की सुधि लेय"** एक सिर्फ लोकोक्ति भर नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण मानव के लिए जीवन जीने हेतु खूब गूढ़, सारगर्भित एवं बहुमूल्य संदेश भी है; जिससे प्रेरित होकर मानव जीवन बीती बातों को भुलाकर आगे के जीवन व्यतीत करने हेतु वर्तमान की धरातल पर नींव रख भविष्य का भी निर्माण सम्भवतः जरूर कर लेता है. अतः भविष्य निर्माण के लिए मानव को अतीत से जरूर सीखना ही चाहिए, यथार्थ के धरातल पर सम्पूर्ण पुरुषार्थ जरूर करना ही चाहिए. सत्य बात है कि अतीत मृत है, यथार्थ जीवंत (सजीव) है, जबकि कल्पना लोक तो यथार्थ का संहारक कार्य करता है."

'बीती ताहि बिसार दे, आगे की सुधि लेय' में निहित बेजोड़ शक्ति की मणि रूपी ध्वनि अतीत, वर्तमान और भविष्य इन तीनों को सुव्यवस्थित प्रबंधन की ओर जरूर इंगित करती है. अर्थ बिलकुल स्पष्ट है कि बीती बातों को भुला दें. तमाम विद्वानों का भी मानना सत्य प्रतीत रहा है कि–'स्मृति वरदान है, तो विस्मृति एक प्रकार का प्रसाद है.' हमारे धर्म ग्रंथों में जिसे भी देवतागण माना उन सबों में भुला देने का बड़ा विराट भाव रहा है. **'आगे की सुधि लेय'** शब्द भविष्य के कुशल-क्षेम की ओर इशारा करता है. युग-युगान्तर में भी हमारे आराध्य देवों ने लोकहित के भावों से अप्रिय या घोर अप्रिय हालातों को यथासम्भव बिसारने का ही संदेश प्रसारित दिया है. समय हो या व्यक्ति, जो गुजर कर चला गया, वह पुनः वापस लौट कर नहीं आता. इस दृष्टि से सोचें और देखें-परखें, तो बीते हुए के लिए पाश्चाताप करने से केवल हानि होती है. किसी विद्वान् ने बहुत ही ठीक कहा है– **"गतं न शोचामि कृतम् न मन्ये।"** अर्थात् जो बात हो चुकी हो उस पर चिन्ता करना, खेद करना, रोना-धोना आदि ऐसे कार्य व्यर्थ करना होता है. कवि तुलसीदास जी ने स्पष्ट लिखा है–

"का वरषा जब कृषि सुखाने,
समय चूकि पुनि का पछिताने।"

जो समय एक बार चूक गया, फिर आप कितना भी पश्चाताप कीजिए कोई भी लाभ नहीं हो सकता है. समय की गति पहचान तदनुकूल आचरण करना तथा आगे बढ़ना ही सफलता का सच्चा मार्ग है. पाश्चाताप करना तो एक गलती के ऊपर दूसरी गलती करना हमें अतीत की अनुभवों से आने वाला कल का मार्ग जरूर दिखाता है. भगवान श्रीकृष्ण जी ने भी सत-रज-तम ये तीनों से ऊपर उठकर स्थिति प्रज्ञ (स्थिर या स्थायी बुद्धि) तक पहुँचने का पूर्ण संदेश बताया है. 'बिसारना' तो नकारात्मक घटनाओं एवं अन्य ऐसे परिदृश्यों के अंधकार रूपी कोठरी से निकलकर नई रोशनी वाली मंजिल की तलाश का स्वरूप है. इसके लिए बस श्रेष्ठ चिंतन-मनन, योग-प्राणायाम और सक्रियता का जीवन हेतु नया आयाम जरूर शुरू करना चाहिए.

इसी संदर्भ में किसी विद्वान् ने उचित ही कहा है कि–**अतीत भविष्य की प्रयोगशाला है. अतीत में हुई अपनी कमियों एवं गलतियों से सबक लेने और भविष्य में उसे न दोहराने का प्लेटफार्म वर्तमान है.** इसी बात को लक्षित करते हुए और ही सटीक रूप में **'खलील जिब्रान'** ने खूब कहा है–**'बीता हुआ कल आज की स्मृति है और आने वाला कल आज का स्वप्न है.'** अतः वर्तमान हमारे पास है. इसलिए इसी समय के एक-एक पल का सदुपयोग परमआनंद के साथ जरूर व्यतीत करना चाहिए. सचमुच जो समय चिंता में गया समझो बिलकुल कूड़ेदान में गया एवं जो समय चिंतन में गया होता है समझिए अति सुन्दर तिजोरी में जमा हो गया. अतः यह समय अकूत सम्पति, शृंगार की बेमिसाल मोती एवं अमृत तुल्य जीवन की संजीवनी घुट्टी है. इसी के द्वारा हम मानव जीवन को खूब ही ऊँचा उठा सकते हैं.

'मार्क ट्वेन' ने कहा है कि–**'हमें जो सबसे बहुमूल्य वस्तु मिली है, वह समय ही है. अतः इसे किफायती रूप से सोच-सोचकर खर्च करना चाहिए.'** इसी समय की उपयोगिता व प्रगाढ़ता के परम भाव को ध्यान में रखते हुए निम्न पंक्तियों को प्रतिपादित किया था–

"कल करे सो आज करे, आज करे सो अब
पल में प्रलय होयेगा, बहुरी करोगे कब ?"

कबीरदासजी ने निश्चय ही समय की महत्ता को दर्शाया है. 'कल' से 'अब' तक के सफर व प्रलय का जिक्र समय के घातक प्रभाव का वर्णन बखूबी किया है. समय की सदुपयोगिता ही जीवन की सार्थकता है. क्षण-प्रतिक्षण समय का सदुपयोग जीवन की वास्तविकता का समाया सार है–सार.

आज के इस क्षण को भविष्य की चिंता में गंवाने का अर्थ है–आत्म-ज्ञान विनाश/चिंताग्रस्त होना या तो चिंता की मुट्ठी में कैद होना एवं आत्म-विनाश का प्रखर मार्ग है. इस विनाश से मुक्ति बहुत जरूरी है. जरूरत है क्षणजीवी बन जाएं, अपनी पूरी की पूरी शक्ति, चेतना और क्षमता को इस क्षण में समर्पण कर दें. चिंता या भय यों ही काफूर हो जाएंगे. महात्मा गांधी जी ने इससे सम्बन्धित एक महत्ता का कथन कहा है–'एक सैनिक यह चिंता कब करता है कि उसके बाद उसके काम का क्या होगा ? वह तो अपने वर्तमान समय के कर्तव्यों का ही सिर्फ चिंतन करता है. चिंता के तमाम कारणों का विश्लेषण करने पर ज्ञात होता है कि चिंता का कारण मन में बैठा हुआ एक कल्पित 'भय' है, जो तनिक भी वास्तविक नहीं है कि 'अशुभ' बातें सोचने की आदत पड़ चुकी है, हम भगोड़े बन चुके हैं, हम कायर हो चुके हैं आदि ..... वर्तमान को झेल सकने में असमर्थ व्यक्ति अतीत में आत्म-विस्मृत होना चाहते हैं, वे कायर होते हैं. इस बात को लक्ष्य करके **डॉ. रांगेय राघव** ने साफ लिखा है कि–

कायर है वह जो अतीत की छलना में विस्मृत रहता है.

वर्तमान की भयद अग्नि में तपकर पीछे को ही मुड़ता है.

साफ-साफ बात है कि जो लोग भविष्य की परिकल्पनाओं से प्रेरित होकर वर्तमान से पलायन करते हैं, वे वस्तुतः जीवन को जीने के स्थान पर जीवित रहने की मात्र आशा भर ही करते हैं. फलतः ऐसे लोग वर्तमान को कभी भी लक्ष्य नहीं रखते. वे जीवन के सच्चे आनन्द से भी जरूर वंचित रह जाते हैं. लोग भूल जाते हैं कि–**'भविष्य को तो वर्तमान द्वारा खरीदा जाता है.'** प्रसिद्ध विचारक **'शिलट'** ने भी कहा है कि–**जो वर्तमान की उपेक्षा करता है, वह अपना सब कुछ खो देता है.** हमें पूरी-पूरी तरह जान लेना चाहिए कि भविष्य का निर्माण तो हमारे वर्तमान द्वारा ही किया जा सकता है.

भविष्य के सम्बन्ध में या संदर्भ में अंग्रेजी की एक अच्छी कहावत है–Take

MAGAZINE KING

care of the present and the future will take care of itself. मतलब कि वर्तमान की चिन्ता करें, भविष्य अपनी चिन्ता स्वयं कर लेगा. भविष्य तत्काल ही आने वाला है, वह हमारा दरवाजा खटखटा रहा है. एक प्राच्य (पुराना) देश का बड़ा ज्ञानी हमेशा भगवान से यही प्रार्थना किया करता था कि–हे ! भगवान तुम मुझे ऐसी शक्ति प्रदान करो जिसमें मैं आगामी कल की आँखों द्वारा वर्तमान आज को देख सकूँ. हम प्रत्येक कार्य करते समय यह विचार कर लिया करें कि हमारे कल पर, हमारे भविष्य पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा. अतएव भविष्य के स्वस्थ स्वरूप के प्रति पूर्णतः आश्वस्त होने के लिए हमें भी वर्तमान में ही नींव तो रखनी पड़ेगी. **'सैम्युअल जॉन्सन'** ने बहुत स्पष्ट कहा है कि "The future is purchased by the present." हमें वर्तमान में किए अप्रिय कार्यों द्वारा एवं सुखद भविष्य की आशा करना ठीक नहीं है. ठीक वैसा ही बेहताशा जैसाकि बबूल के पेड़ बोकर रसीले आमों की आशा करना होता है. बबूल तो कड़वी फल एवं काँटों से चुभन का ही एहसास कराकर आपको अभिलाषा का पूर्णाहुति प्रदान करेगा, सच्चाई में हमें यथार्थ में ही जीना चाहिए. चिन्ता हमें सावधान करती रहती है व हमारे भीतर की कर्त्तव्य भावना को बार-बार जगाती रहती हैं. हमारी मन की चिन्ताएँ प्रायः वर्तमान क्षण की नहीं, बल्कि बीते हुए समय की कुछ घटनाओं की या तो भविष्य की छुपी हुई अज्ञात बातों की होती हैं. इन दोनों समय की चिन्ताएँ हमारी भीतरी शक्ति को इस कदर नेस्तानाबूद कर कमजोर बना देती हैं कि हम अपने वर्तमान समय को पूर्ण नष्ट कर, कष्ट के पुरजोर प्रवाह में समाहित हो जाते हैं. जहाँ सिर्फ कष्टों के चोट से कराह रहे होते हैं. अपने अतीत पर दृढ़ता बलपूर्वक फौलादी कपाट भी जरूर जड़ दीजिए. वरना अतीत की चिन्ता मन पर बोझ बना रहा तो अवश्य वर्तमान को आसानीपूर्वक गंवा बैठेंगे. दूसरी ओर आज और इस समय को अगर हम बीते कल पर खर्च करेंगे तो आज की सुन्दर अति सुन्दर उपलब्धि से अपने आपको जरूर संवार लेंगे.

इसी बीता हुआ कल से सम्बन्धित एक बार भगवान बुद्ध के उपदेश से आग-बबूला एक अतिक्रोधी व्यक्ति जब क्रोध शांत हुआ था तो अपने दुर्व्यवहार का पछतावे की आग जलाने लगी तो ढूँढ़ते-ढूँढ़ते उसी स्थान पर पहुँचा. बुद्ध तो अन्य गाँव पहुँचे थे, फिर भी जहाँ बुद्ध प्रवचन दे रहे थे उनके चरणों में गिरकर क्षमायाचना हेतु गिड़गिड़ाने लगा. भगवान बुद्ध ने बड़ा ही शालीन-प्रवीण-प्रेम भावपूर्वक समझाया था–**"बीता हुआ कल तो मैं वहीं छोड़कर यहाँ आ गया और तुम अभी भी वहीं अटके हुए हो. चलो, वत्स ! तुम्हें अपनी गलती का आभास हो गया, तुमने पश्चाताप कर लिया अब तुम निर्मल हो चुके हो. अब तुम आज में प्रवेश करो क्योंकि बुरी बातों तथा घटनाओं की याद करने से वर्तमान और भविष्य दोनों के दोनों बिगड़ जाते हैं. बीते हुए कल के कारण आज को कदापि मत बिगाड़ो."** जानें उस व्यक्ति का सारा बोझ उतर-सा गया और बुद्ध के चरणों में पड़कर क्रोध, त्याग तथा क्षमाशीलता का संकल्प लिया. बुद्ध ने उसके मस्तिष्क पर आशीष का हाथ रखा पुनः उसमें धारदार परिवर्तन समा आया, तदोपरांत उसके जीवन में सत्य प्रेम, करुणा, अतीत का निर्भयता आदि गुणों की नई जोशीली धारा बहने लगी थी. इस तरह बीती बातों को कोसना छोड़ नये संकल्प के नये मोड़ लेते हुए वर्तमान को जरूर ही सुदृढ़ करना चाहिए. Let the past bury the dead. सच्ची बात है.

किसी विचारक ने ठीक ही कहा था– **'पहले मैंने समय को नष्ट किया, अब समय ही मुझे नष्ट कर रहा है.'** इनका मतलब साफ है कि समय ही जीवन है. अक्षरशः सत्य बात है कि बीते समय को किसी सूरत में वापस नहीं लाया जा सकता है. इसीलिए मानव/इन्सान को जरूर चिन्तन कर इस समय का एक-एक क्षण का सदुपयोग करें. समय तो अपनी गति से चलता ही चलता रहता है. यह न तो किसी की प्रतीक्षा करता है और ना ही किसी के लिए अपनी चाल को अधिक बढ़ाता है एवं ना ही तो धीमी करता और ना ही तो कदापि रुक पाता है. **"थॉमस अल्वा एडीसन"** को समय के उपयोग करने की अच्छी आदत ने ही एक महान वैज्ञानिक बनाया. इन्होंने अपने जीवन में कई-कई छोटे-बड़े सारे मिलाकर तकरीबन 2500 आविष्कार किए. स्पष्ट में **समय ही भगवान है.** इसीलिए समय को काल भी कहा गया है. समय के ही गर्भ में सब कुछ समाहित होता है. इस समय को खूब अच्छी तरह समझने-बुझने वाले इन्सान जीवन में इतिहास रचते हैं व अमिट छाप इस जहाँ में छोड़ जाते हैं. अतः समय (वक्त) के सदुपयोग कर चलते रहना है ना कि गुजरे समय में मरना है. इसीलिए कहा गया है– **वक्त (समय) है, वक्त की रफ्तार है, जो नहीं चल रहा वह समझो गुनहगार है. वक्त को काटने वालों खुद ही कट जाओगे, वक्त तो एक दोधारी तलवार है."** ●●●

शेष पृष्ठ 100 का

जैसे–पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार एवं पश्चिम बंगाल में हुआ. एक अनुमान के अनुसार इन राज्यों में निरन्तर एक ही फसल प्रणाली (गेहूँ-धान) को अपनाने से फसल उत्पादकता में निरंतर गिरावट, उत्पादन की लागत का बढ़ना, मृदा स्वास्थ्य तथा भू-जल स्तर में निरंतर आ रही गिरावट एवं पर्यावरण प्रदूषण में भी बढ़ोत्तरी हुई है. इसके कारण संरक्षण खेती को परम्परागत खेती के विकास के तौर पर देखा जाने लगा. एक अनुमान के अनुसार देश में वर्ष 2008 से 2009 तक 1·76 लाख हेक्टेयर भूमि पर संरक्षण खेती की गई थी और 62 हजार किसान इस खेती को अपना चुके हैं. एक अन्य अनुमान के अनुसार संरक्षण खेती अपनाने से किसानों को 5,000 से 7,000 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर की दर से अतिरिक्त लाभ प्राप्त होता है.

निष्कर्ष

निःसंदेह ! वर्तमान में (21वीं सदी हेतु) कृषि क्षेत्र में संरक्षण खेती द्वारा प्रबधन से भूमि की उर्वरा शक्ति अच्छी बनी रहेगी और कृषि उत्पादन में समगतिशील वृद्धि होगी. 'घाघ' (1605 ई.) देव कली गाँव, गंगा किनारे, कन्नौज जिला, उ. प्र. के) कवि की कहावत ***"बारी में बारी करै, करै ईख से ईख; बो घर यों ही जायेगा, जैसे मूरख की सीख"***. अतः फसल चक्र के सिद्धान्तों को अपनाना होगा. फसल चक्र में धान्य, दलहनी, तिलहनी फसलें ली जांय. **'क्लाइमेट स्मार्ट खेती;** ड्रिप/टपक बूँद सिंचाई, प्लास्टिक पाइप, स्प्रिंकलर फुब्बारी सिंचाई पद्धति; वर्मीकम्पोस्ट, **'नाडेप'** कम्पोस्ट, हरी खाद के प्रयोग से संरक्षण खेती को बल मिलेगा. तभी 2021 तक किसान की आमदनी दोगुनी करने का लक्ष्य पूरा हो सकेगा. ●●●

शेष पृष्ठ 132 का

22. (D) SUMAN-SURAKSHIT MATRITVA ASHWASAN योजना 10 अक्टूबर, 2019 को घोषित की गयी. इसका उद्देश्य रोकी जा सकने वाली सभी मातृ मौतों एवं नवजात शिशुओं की मौतों को शून्य स्तर पर लाना है. इसके लिए गर्भावस्था, प्रसव एवं प्रसवोत्तर काल में 6 माह तक महिलाओं एवं नवजात शिशुओं को सभी प्रकार की स्वास्थ्य देखभाल सुविधा शून्य लागत पर उपलब्ध करायी जाती है.
23. (A) नया वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक सूचकांक 4·0 चौथी औद्योगिक क्रांति के दौरान उत्पादकता, समृद्धि एवं मानव विकास से जुड़े प्राचलों पर आधारित है.
24. (C) केन्द्र की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबन्धन सरकार ने ब्रिटिश शासन से चले आ रहे 44 केन्द्रीय श्रम सन्नियमों का निरसन करके निम्नलिखित चार संहिताओं में संहिताबद्ध करने का निर्णय लिया है–
    1. मजदूरी संहिता, 2019 (कानून बन चुका है)
    2. व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं काम की दशाएँ संहिता, 2019 (बजट सत्र 2019 में ससद में विधेयक पेश किया जा चुका है)
    3. औद्योगिक सम्बन्ध संहिता, 2019 (विधेयक को संघीय मंत्रिमण्डल ने अनुमोदन दे दिया है).
    4. सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2019 (तैयारी में है)
25. (A) ●●●

MAGNET KING

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक–486 का परिणाम

विषय : बीती ताहि बिसार दे, आगे की सुधि लेय

प्रथम संजय प्रसाद
S/o स्व. जगदेव प्रसाद
रिसौद, पोस्ट–सालेपुर, फतेहपुर
वाया चकंद बाजार, बेलागंज
ग्राम पंचायत रौना
गया (बिहार) पिन–804404

द्वितीय मोहन लाल गुर्जर
ग्राम+डाक–काँकरिया वाया पौंख
जिला–झुँझुनू (राजस्थान)
पिन–333053

तृतीय कुमारी अंजली सिंह
ग्राम–शान्ति नगर गेहुनी
जिला–बेगुसराय, (बिहार)
पिन–851111

अन्य प्रशंसनीय प्रयास

1. कैलाश वर्मा
151वीं बटालियन, सीमा सुरक्षा बल, बदरखाँ परवलिया सड़क के पास
पोस्ट–परवलिया सड़क
जिला–भोपाल (म.प्र.)
पिन–462036
2. गौतम कुमार दास
राज कमल सरस्वती विद्या मन्दिर, अशोक नगर
पोस्ट–धनसार
जिला–धनबाद (झारखंड)
पिन–828106
3. लालजी जायसवाल
छोटा बहाड़ा, रामप्रिया रोड
प्रयाग स्टेशन के पास
प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)
पिन–211002
4. डॉ. अजय पाल सिंह
गोधनपुर टंकी के पास
वार्ड नं. 05 मकान नं. 166
पोस्ट–अम्बिकापुर
जिला–सरगुजा (छत्तीसगढ़)
पिन–497001
5. अंकिता झा
ग्राम+पोस्ट–बिहारीगंज
जिला–मधेपुरा (बिहार)
पिन–852101

प्रथम

द्वितीय

तृतीय

➡ उपर्युक्त पुरस्कृत निबन्ध प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की ₹ 200 मूल्य तक की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएंगी. **कृपया अपनी पसंद की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें.** यदि ₹ 200 से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई, तो उसके मूल्य में से ₹ 200 पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

MAGAZINE KING

उपकार

नवीन प्रस्तुति

आर. पी. एफ./आर. पी. एस. एफ.

सब-इंस्पेक्टर

(एक्जीक्यूटिव)

कम्प्यूटर आधारित परीक्षा

RPF/RPSF

23 सॉल्वड पेपर्स 2018

Code No. 2679

₹ 230/-

सम्पादक मण्डल

उपकार प्रकाशन, आगरा–2

• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

नवीन प्रस्तुति

उपकार

आर. पी. एफ./आर. पी. एस. एफ.

कॉन्स्टेबिल

कम्प्यूटर आधारित परीक्षा

16 सॉल्वड पेपर्स 2018

Code No. 2684

₹ 150/-

सम्पादक मण्डल : सामान्य ज्ञान दर्पण

उपकार प्रकाशन, आगरा–2

• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

महत्वपूर्ण वार्षिक घटनाक्रम

[2019]

(राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय, नवीनतम सामान्य ज्ञान एवं खेलकूद)

'प्रतियोगिता दर्पण' के जनवरी अंक में गत पूरे वर्ष में घटित प्रमुख घटनाओं/ज्वलंत मुद्दों का विभिन्न शीर्षकों के अन्तर्गत समीक्षात्मक लेखा-जोखा प्रस्तुत करने का श्रमसाध्य प्रयास पत्रिका की परम्परा रही है. हमारे इस विनम्र प्रयास का उद्देश्य पत्रिका के पाठकों को ज्ञान व सामयिकी की नवीन ऊर्जा से एक नई दिशा देना है. पाठकों ने हमारे इस प्रयास को सदैव सराहा है. पाठकों के स्नेह से उत्साहित होकर तथा बदलते परीक्षा प्रतिमानों के अनुरूप इस वर्ष से हम इस परम्परा को नए कलेवर और गुणात्मक सुधारों के साथ पुनः प्रस्तुत कर रहे हैं. आशा है हमारा यह प्रयास पाठकों के लिए बहुपयोगी सिद्ध होगा. नव वर्ष आपके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करे व आप सफलता के शीर्ष पर प्रतिष्ठित हों, ऐसी हार्दिक कामना है. **—डॉ. सूर्यनारायण पाण्डेय**

राष्ट्रीय घटनाक्रम

चुनाव/सत्ता परिवर्तन

17वीं लोक सभा चुनाव

17वीं लोक सभा चुनाव अब तक हुए भारतीय चुनावों में सबसे ऐतिहासिक सिद्ध हुआ. भारतीय मतदाताओं ने सभी चुनावी पूर्वानुमानों को दरकिनार करते हुए भारतीय जनता पार्टी को प्रचण्ड बहुमत से विजयी बनाया. भारतीय जनता पार्टी ने 303 सीटों पर विजय प्राप्त कर अकेले ही बहुमत के लिए आवश्यक 272 सीटों का आँकड़ा आसानी से पार कर लिया. भाजपा व सहयोगी दलों के गठबन्धन अर्थात् राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबन्धन (NDA) को कुल मिलाकर 353 सीटों पर जीत मिली. यूपीए (UPA) अर्थात् कांग्रेस व सहयोगी दलों के गठबन्धन को 96 सीटें प्राप्त हुईं, इसमें कांग्रेस की 52 सीटें सम्मिलित हैं. कांग्रेस की सहयोगी द्रमुक 23 सीटें जीतकर तीसरे स्थान पर रही. उत्तर प्रदेश में बसपा भी 10 सीटें जीतने में कामयाब हुई. भाजपा की सहयोगी जद (यू) ने बिहार में 17 सीटों पर कब्जा किया. तृणमूल को 22, बीजद को 12, अन्नाद्रमुक को 1, तेदेपा को 3, सपा को 5 तथा पीडीपी को 3 सीटों पर विजय प्राप्त हुई.

उक्त चुनाव परिणामों के पश्चात् 30 मई, 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दूसरे कार्यकाल के लिए नए मंत्रिपरिषद् के साथ शपथ ग्रहण की. राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने नरेन्द्र मोदी को भारत के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी. शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी सहित विपक्षी नेता, उद्योग जगत के दिग्गज, फिल्मी सितारे, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री और बिम्सटेक सदस्य देशों के नेता भी उपस्थित रहे. शपथ ग्रहण समारोह में इस बार देश-विदेश के लगभग 8000 मेहमानों को आमंत्रित किया गया था. इससे पूर्व प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण में 3500 से 5000 तक मेहमान हिस्सा लेते रहे हैं.

- भाजपा व सहयोगी दलों के गठबन्धन अर्थात् राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबन्धन (NDA) को कुल 355 सीटें (भाजपा–303, शिवसेना–18, जनता दल (यू)–16, लोक जनशक्ति पार्टी–6, अपना दल (सोने लाल)–2, शिरोमणि अकाली दल–2, एआईडीएमके–1, ऑल झारखण्ड स्टूडेंट यूनियन पार्टी–1, नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी–1, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी–1, नेशनल पीपुल्स पार्टी–1, सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा–1, मिजो नेशनल फ्रंट–1 व निर्दलीय–1)
- यूपीए (UPA) अर्थात् कांग्रेस व सहयोगी दलों के गठबन्धन को 91 सीटें (कांग्रेस–52, द्रमुक–23, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी–5, इण्डियन यूनियन मुस्लिम लीग–3, नेशनल कांफ्रेंस–3, जनता दल (एस)–1, झामुमो–1, केरल कांग्रेस (एम)–1, रिवॉल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी–1, विदुथलाई चिरुथाइगल काटची–1)
- अन्य को 96 सीटें (गठबन्धन को 15 (बसपा–10, सपा–5), तृणमूल–22, बीजद–12, तेलंगाना राष्ट्र समिति–9, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी–22 माकपा–3, भाकपा–2, तेदेपा–3 आदि.)
- 10 राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों में भाजपा को क्लीन स्वीप.
- देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को केवल 52 सीटें. इस कारण **'विपक्ष के नेता'** (Leader of the Opposition) का दर्जा लोक सभा में इसके नेता को प्राप्त नहीं हुआ.

गोवा

18 मार्च, 2019 को **प्रमोद सावंत** ने गोवा के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की. राज्यपाल मृदुला सिन्हा ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई. इनके साथ राज्यपाल ने महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (MGP) के विधायक **सुधिन धावलीकर** तथा गोवा फॉरवर्ड पार्टी (GFP) के अध्यक्ष एवं विधायक **विजय सरदेसाई** को उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई. प्रमोद सावंत इससे पूर्व गोवा विधान सभा के अध्यक्ष थे. मुख्यमंत्री पद पर इन्होंने मनोहर पारिकर का स्थान लिया, जिनका 17 मार्च, 2019 को निधन हो गया था. प्रमोद सावंत गोवा विधान सभा में संखालिम (Sankhalim) निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं.

सिक्किम

सिक्किम की 32 सदस्यीय विधान सभा के लिए मतदान 11 अप्रैल, 2019 को कराया गया था तथा मतगणना 23 मई, 2019 को सम्पन्न हुई. इस चुनाव के परिणाम द्विध्रुवीय रही. 32 में से 17 सीटों पर विजय प्राप्त कर प्रेम सिंह तमांग उर्फ गोलाय के नेतृत्व वाले सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा (SKM) ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया. एसकेएम को 2014 में 10 सीटें मिली थीं. पाँच बार मुख्यमंत्री रहे पवन कुमार चामलिंग के नेतृत्व वाले सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (SDF) ने 15 सीटों पर ही विजय प्राप्त की. वर्ष 2019 के चुनाव में किसी भी अन्य दल को कोई सीट नहीं मिली. पूर्व वर्षों में सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (SDF) सरकार में मंत्री रहे प्रेमसिंह तमांग उर्फ पी. एस. गोलाय ने सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा (SKM) का गठन फरवरी 2013 में किया था.

सिक्किम : दलगत स्थिति–2019

कुल सीट–32

दल का नाम	कुल सीट
सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा (SKM)	17
सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (SDF)	15
योग	32

27 मई, 2019 को एसकेएम के नेता **प्रेम सिंह तमांग** (Prem Singh Tamang) **उर्फ पी. एस. गोलाय** को राज्यपाल गंगा प्रसाद ने राजधानी गंगटोक में पाल्जोर स्टेडियम में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई. 51 वर्षीय **तमांग** ने **नेपाली** में शपथ ली. तमांग ने देश में सबसे लम्बे समय तक मुख्यमंत्री रहे पवन कुमार चामलिंग को प्रतिस्थापित किया है. पवन कुमार चामलिंग दिसम्बर 1994 से मई 2019 तक लगातार 24 वर्षों से सिक्किम के मुख्यमंत्री रहे.

ओडिशा

ओडिशा की 147 सदस्यीय विधान सभा के लिए मतदान 17वीं लोक सभा चुनावों के साथ ही 11–29 अप्रैल, 2019 के दौरान कराया गया था. देशव्यापी मोदी लहर के बीच निवर्तमान मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (BJD) की सीटों में मामूली कमी इस बार हुई, तथापि 147 में 112 सीटें जीतकर लगभग तीन-चौथाई बहुमत के साथ सत्ता पर कब्जा

MAGAZINE KING

इसने बरकरार रखा. राज्य में भाजपा की सीटों की संख्या में वृद्धि इस बार हुई है तथा यह 10 से बढ़कर 23 हो गई है, जबकि कांग्रेस की सीटें 16 से घटकर 9 इस बार रह गई है. माकपा ने एक सीट पिछले 2014 के चुनाव में जीती थी. इस बार भी उसकी यही स्थिति रही है. बहुजन समाज पार्टी ने 107 सीटों पर उम्मीदवार इस चुनाव में खड़े किए थे, किन्तु किसी भी सीट पर विजय उसे नहीं प्राप्त हो सकी.

ओडिशा : दलगत स्थिति–2019
कुल सीट–147

दल का नाम	कुल सीट
बीजू जनता दल (BJD)	112
भाजपा	23
कांग्रेस	9
माकपा	1
निर्दलीय	1
रिक्त	1
योग	147

29 मई, 2019 को निवर्तमान मुख्यमंत्री **नवीन पटनायक** को राज्यपाल गनेशी लाल ने राजधानी भुवनेश्वर में प्रदर्शनी मैदान में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई. 72 वर्षीय **नवीन पटनायक लगातार पाँचवीं बार ओडिशा के मुख्यमंत्री बने हैं.** वह मार्च 2000 से ही इस पद पर हैं.

आन्ध्र प्रदेश

आन्ध्र प्रदेश की (15वीं) विधान सभा के लिए चुनाव 17वीं लोक सभा के चुनावों के साथ ही 11 अप्रैल, 2019 को कराए गए. विभाजन के पश्चात् (तेलंगाना राज्य के गठन के बाद) प्रदेश विधान सभा के लिए यह दूसरे चुनाव थे. राज्य की 175 सदस्यीय विधान सभा के लिए सम्पन्न इस चुनाव में 151 सीटें जीतकर वाई एस जगनमोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली **वाईएसआर कांग्रेस पार्टी** ने सरकार का गठन किया. वाईएसआर कांग्रेस पार्टी अर्थात् **युवजन श्रमिक रयाथु कांग्रेस पार्टी** ने पिछले पाँच वर्ष से मुख्यमंत्री रहे चन्द्रबाबू नायडू को सत्ता से बाहर किया है. इस चुनाव में वाईएसआर कांग्रेस 151 सीटों पर, तेलुगुदेशम पार्टी 23 सीटों पर तथा जन सेना पार्टी ने 1 सीट पर विजय दर्ज की. वर्ष 2014 में तेलुगुदेशम को 102, वाईएसआर कांग्रेस को 67 तथा भाजपा को 4 सीटें मिली थीं. 2019 के चुनाव में आन्ध्र प्रदेश में भाजपा व कांग्रेस दोनों का सफाया हो गया.

30 मई, 2019 को वाईएसआर कांग्रेस के **वाई. एस. जगनमोहन रेड्डी** (येदुगुरी सन्दिन्ती जगनमोहन रेड्डी) को राज्यपाल ई.एस. एल. नरसिम्हन ने विजयवाड़ा में इंदिरा गांधी म्यूनिस्पिल स्टेडियम में आयोजित सार्वजनिक समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई. वाई. एस. जगनमोहन रेड्डी **'जगनन्ना'** नाम से लोकप्रिय हैं.

☞ राज्य में पाँच उपमुख्यमंत्री **(पी. सुभाष चन्द्र बोस, के. नारायण स्वामी, ए. काली कृष्ण श्रीनिवास, पुष्पश्रीवनी पमुला व अमजथ बाशा शेख)** बनाए गए हैं. देश के लोकतांत्रिक इतिहास में यह पहला अवसर है, जब पाँच उपमुख्यमंत्री किसी प्रदेश में बनाए गए हैं.

अरुणाचल प्रदेश

अरुणाचल प्रदेश की 60 सदस्यीय विधान सभा के लिए मतदान 11 अप्रैल, 2019 को कराया गया था. सम्पन्न चुनाव में 41 सीटें जीतकर भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार अपने ही दम पर सरकार का गठन किया. इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 41, **कांग्रेस** ने 4, जनता दल (यू) ने 7 (यह पार्टी राज्य में पहली बार राज्य में चुनाव लड़ी थी), नेशनल पीपुल्स पार्टी (NPP) ने 5, पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल ने 1 व निर्दलीय उम्मीवारों ने 2 सीटों पर विजय प्राप्त की.

अरुणाचल प्रदेश : दलगत स्थिति–2019
कुल सीट–60

दल का नाम	कुल सीट
भारतीय जनता पार्टी	41
कांग्रेस	4
जनता दल (यू)	7
नेशनल पीपुल्स पार्टी	5
पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल प्रदेश	1
निर्दलीय	2
योग	60

29 मई, 2019 को भाजपा के **पेमा खांडू** (Pema Khandu) को राज्यपाल ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) बी. डी. मिश्र ने राजधानी इटानगर में राजभवन में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई. अन्य 11 मन्त्रियों ने शपथ उनके साथ ही ग्रहण की. **चोवना मीन** ने राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली.

हरियाणा

हरियाणा की 14वीं विधान सभा के लिए 21 अक्टूबर, 2019 को एक ही चरण में चुनाव सम्पन्न हुए. इस चुनाव के परिणाम चौकाने वाले रहे तथा किसी भी दल/चुनाव पूर्व गठबन्धन को सरकार बनाने के लिए स्पष्ट बहुमत इस चुनाव में प्राप्त नहीं हो सका. विगत पाँच वर्षों से सत्तारूढ़ रही भाजपा को 90 सदस्यीय विधान सभा में सर्वाधिक 40 सीटें प्राप्त हुईं. कांग्रेस की स्थिति में भारी सुधार इस चुनाव में हुआ तथा उसकी सीटों की संख्या 15 से बढ़कर 31 हो गई. पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला के पौत्र दुष्यंत चौटाला द्वारा एक वर्ष पूर्व ही गठित जननायक जनता पार्टी (जजपा) ने 10 सीटें इस चुनाव में जीती, जिससे त्रिशंकु विधान सभा में वह किंगमेकर की भूमिका में वह आ गई.

हरियाणा प्रदेश : दलगत स्थिति–2019
कुल सीट–90

दल का नाम	कुल सीट
भारतीय जनता पार्टी	40
कांग्रेस	31
जननायक जनता पार्टी (जजपा)	10
इंडियन नेशनल लोक दल	1
निर्दलीय	8
योग	90

हरियाणा में प्राप्त जनाधार से कोई भी दल अकेले सरकार बनाने की स्थिति में नहीं रहा. ऐसे में जजपा व 5 निर्दलीय विधायकों के समर्थन से सरकार का गठन भाजपा ने किया. निवर्तमान मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ही दोबारा मुख्यमंत्री बनाए गए. जजपा नेता दुष्यंत चौटाला को उपमुख्यमंत्री बनाया गया. 27 अक्टूबर, 2019 को चंडीगढ़ में राजभवन में एक संक्षिप्त समारोह में राज्यपाल सत्यदेव नारायन आर्य ने इन दोनों को इनके पदों की शपथ दिलाई.

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र की विधान सभा के लिए 21 अक्टूबर, 2019 को एक ही चरण में चुनाव सम्पन्न हुए. महाराष्ट्र की विधान सभा की सभी 288 सीटों के परिणाम 24 अक्टूबर, 2019 को ही घोषित हो गए. इन चुनावों में भाजपा-शिवसेना के सत्तारूढ़ गठबंधन ने 161 सीटें (भाजपा 105 व शिवसेना 56) जीत कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया, परन्तु सत्ता के बँटवारे के मामले में मतभेद हो जाने के कारण सरकार नहीं बन सकी. चुनाव परिणाम के बाद भाजपा व शिवसेना मुख्यमंत्री के लिए आपसी खींचतान शुरू हो गई और इस प्रकार 30 वर्ष पुराने इस गठबन्धन में दरार पड़ गई. समझौता न होने पर भाजपा ने सरकार बनाने से इनकार कर दिया. यहीं से महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट गहरा गया.

अन्ततः सरकार गठन को लेकर चली राजनीतिक खींचतान के बीच 12 नवम्बर, 2019 को महाराष्ट्र में **राष्ट्रपति शासन** लगा दिया गया. राष्ट्रपति शासन छह माह तक लागू रहेगा. इस मध्य यदि कोई दल या गठबन्धन बहुमत के समर्थन के साथ दावा पेश करता है, तो राज्यपाल इस पर विचार कर सकते हैं.

महाराष्ट्र : दलगत स्थिति–2019
कुल सीट–288

दल का नाम	कुल सीट
भारतीय जनता पार्टी	105
शिवसेना	56
राकांपा	54
कांग्रेस	44
समाजवादी पार्टी	2
माकपा	1
निर्दलीय व अन्य	26
योग	288

विविध राजनीतिक गतिविधियाँ

भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष

17 जून, 2019 को भारतीय जनता पार्टी (BJP) संसदीय बोर्ड की बैठक में वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया. इसी बैठक में निर्णीत हुआ कि अमित शाह अगले छह माह तक पार्टी के अध्यक्ष बने रहेंगे.

बसपा की अध्यक्ष

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष सुश्री मायावती को पुनः इस पार्टी का अध्यक्ष

MAGMANIA

सर्वसम्मति से अगस्त 2019 में चुना गया. उनका यह चुनाव पार्टी कार्यकारिणी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की लखनऊ में 28 अगस्त, 2019 को सम्पन्न विशेष बैठक में हुआ. सुश्री मायावती सितम्बर 2003 से ही इस पार्टी की अध्यक्ष हैं.

कांग्रेस की अध्यक्ष

11 अगस्त, 2019 को नई दिल्ली में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में सोनिया गांधी को पार्टी का अंतरिम अध्यक्ष चुना गया. कांग्रेस अधिवेशन में नियमित अध्यक्ष के चुनाव तक वह ही पार्टी का बागडोर सँभालेंगी. लोक सभा चुनाव में पार्टी की भारी पराजय के पश्चात् कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने पार्टी अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया था. उन्हें इस पद पर बने रहने के पार्टी नेताओं के सभी प्रयास निष्फल रहने पर पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को ही अन्तरिम अध्यक्ष बनाया गया.

सोनिया गांधी 1998 से 2017 के दौरान 19 वर्षों तक कांग्रेस अध्यक्ष रही थीं. राहुल गांधी ने 16 दिसम्बर, 2017 को कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में कार्यभार सँभाला था. सोनिया गांधी के पति राजीव गांधी ने 1985-1991 के दौरान इस पार्टी का नेतृत्व किया था, जबकि इंदिरा गांधी 1978-1984 के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष रही थीं.

जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष

अक्टूबर 2019 में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार दूसरे कार्यकाल हेतु जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए. इस पद हेतु कोई अन्य नामांकन न होने के कारण 6 अक्टूबर, 2019 को नाम वापसी की समय सीमा समाप्ति के पश्चात् उन्हें निर्विरोध घोषित किया गया. 30 अक्टूबर, 2019 को नई दिल्ली में पार्टी की राष्ट्रीय परिषद् की बैठक में अपने इस दूसरे कार्यकाल हेतु यह कार्यभार उन्होंने सँभाला.

सम्मेलन/बैठक/महोत्सव/आयोजन

15वाँ प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन–2019

21-23 जनवरी, 2019 के दौरान उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक नगरी वाराणसी में 15वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन सम्पन्न हुआ. इसका आयोजन वाराणसी में इस उद्देश्य से किया गया था कि अधिकांश प्रवासी भारतीय प्रयाग में आयोजित कुम्भ मेले का आनंद भी उठा सकें. 15वें प्रवासी दिवस सम्मेलन में 85 विभिन्न देशों के लगभग 4000 प्रवासी भारतवंशियों ने उपस्थिति दर्ज की.

- सम्मेलन का **विषय** (Theme) था–'नए भारत के निर्माण में प्रवासी भारतीयों की भूमिका' (Role of Indian Diaspora in building a New India)
- **मुख्य अतिथि** (Chief Guest)–प्रविंद जगन्नाथ (मॉरिशस के प्रधानमंत्री).
- **विशिष्ट अतिथि** (Special Guest)–हिमांशु गुलाटी (नॉर्वे के सांसद).
- **सम्मानित अतिथि** (Guest of Honour)–कंवलजीत सिंह बक्शी (न्यूजीलैण्ड के सांसद).
- **साझीदार राज्य** (Partner State)–उत्तर प्रदेश

106वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस

3-7 जनवरी, 2019 के दौरान 106वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस का आयोजन **जालंधर** में हुआ. **लवली प्रोफेशनल यूनीवर्सिटी** की मेजबानी में आयोजित इस वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया. इस वर्ष इस सम्मेलन का थीम था–**भारत का भविष्य : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी** (Future India : Science & Technology).

वर्ष 2018 के 105वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस का थीम था–**विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से उन तक पहुँचना जिन तक पहुँचा नहीं जा सका है** (Reaching the Unreached Through Science & Technology).

- 101वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस–**जम्मू**
- 102वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस–**मुम्बई**
- 103वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस–**मैसूर**
- 104वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस–**तिरुपति**
- 105वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस–**इंफाल**

पाँचवाँ अन्तर्राष्ट्रीय बाँध सुरक्षा सम्मेलन–2019

13-14 फरवरी, 2019 के दौरान भुवनेश्वर (ओडिशा) में पाँचवें अन्तर्राष्ट्रीय बाँध सुरक्षा सम्मेलन (International Dam Safety Conference) का आयोजन हुआ. इसका आयोजन केन्द्रीय जल आयोग, ओडिशा सरकार एवं विश्व बैंक द्वारा संयुक्त रूप से विश्व बैंक सहायता प्राप्त बाँध पुनर्वास और सुधार परियोजना के तहत किया गया.

फेस्टिवल ऑफ इनोवेशन एण्ड एंटरप्रिन्योरशिप

16-18 मार्च, 2019 के दौरान गांधीनगर (गुजरात) में फेस्टिवल ऑफ इनोवेशन एण्ड एंटरप्रिन्योरशिप–2019 (FINE-2019) का आयोजन हुआ. इसका उद्घाटन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था. नव प्रवर्तन व उद्यमिता की एक प्रदर्शनी का आयोजन भी इस अवसर पर किया गया.

पेट्रोटेक–2019
(Petrotech 2019)

*10-12 फरवरी, 2019 के दौरान नई दिल्ली में 13वें अन्तर्राष्ट्रीय तेल और गैस सम्मेलन एवं प्रदर्शनी पेट्रोटेक–2019 का आयोजन पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में किया गया. इस सम्मेलन के साथ-साथ इस दौरान इंडिया एक्स्पो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में 20,000 वर्ग फुट क्षेत्र में एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया. पेट्रोटेक–2019 प्रदर्शनी में 13 से अधिक देशों के मण्डप लगाए गए थे और 40 से अधिक देशों के 750 प्रदर्शकों ने भाग लिया. इसमें **मेक इन इंडिया** और **नवीकरणीय ऊर्जा** थीम के लिए विशिष्ट स्थान दिया गया था.*

ग्रिडटेक–2019
(Gridtech 2019)

3-5 अप्रैल, 2019 के दौरान नई दिल्ली में 6वीं अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन ग्रिडटेक–2019 (GRIDTECH 2019) का आयोजन हुआ. ग्रिडटेक ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन, रिन्यूएबल एनर्जी इंटीग्रेशन, स्मार्ट ग्रिड और कम्युनिकेशन में नई तकनीकों को प्रदर्शित करने का एक मंच है.

नवाचार और उद्यमिता उत्सव

15 मार्च, 2019 को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने गुजरात के गांधीनगर के निकट ग्रामभारती में 'नवाचार एवं उद्यमिता उत्सव' का उद्घाटन किया. इस अवसर पर राष्ट्रपति ने 10वें द्विवार्षिक राष्ट्रीय तृणमूल (Grass Roots) नवाचार पुरस्कार भी प्रदान किए. फसलों की नई किस्मों में नवाचार हेतु लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड से उत्तर प्रदेश के **प्रकाश सिंह रघुवंशी** को सम्मानित किया गया. तमिलनाडु के पेरियासामी रामासामी को पशु चिकित्सा में कोक्सीडियोसिस (Coccidiosis) के लिए हर्बल दवा विकसित करने के लिए पहला पुरस्कार प्रदान किया गया.

सूरजकुण्ड क्राफ्ट मेला

1-17 फरवरी, 2019 के दौरान फरीदाबाद में हरियाणा का प्रसिद्ध (33वाँ) सूरजकुण्ड अन्तर्राष्ट्रीय क्राफ्ट में मेला सम्पन्न हुआ. **महाराष्ट्र** को थीम राज्य तथा **थाईलैण्ड** को साझीदार देश (Partner Country) का दर्जा इस वर्ष इस मेले में प्रदान किया गया था.

नमस्ते थाईलैण्ड महोत्सव

15-17 मार्च, 2019 के दौरान नई दिल्ली स्थित थाई दूतावास में नमस्ते थाईलैण्ड महोत्सव–2019 का आयोजन हुआ. भारत व थाईलैण्ड के बीच द्विपक्षीय सम्बन्धों व सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए इस महोत्सव का आयोजन थाई दूतावास द्वारा नई दिल्ली में किया जाता है. वर्ष 2019 का यह आयोजन इस शृंखला का तीसरा आयोजन था. थाईलैण्ड की कला एवं संस्कृति के अतिरिक्त 'थाई फूड' का प्रदर्शन भी महोत्सव में किया गया.

वर्ष 2019 के कुछ विशिष्ट महोत्सव/आयोजन

- ***15वाँ प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन** : 21-23 जनवरी, 2019; वाराणसी*
- ***विश्व सतत् विकास सम्मेलन** : 11-13 फरवरी, 2019; विज्ञान भवन, नई दिल्ली*
- ***106वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस** : 3-7 जनवरी, 2019; जालंधर (**थीम**–भारत का भविष्य : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (Future India : Science & Technology))*
- ***अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव** : 7-23 दिसम्बर, 2018; कुरुक्षेत्र (हरियाणा)*
- ***विश्व पुस्तक मेला, 2019** : 5-13 जनवरी, 2019; प्रगति मैदान, नई दिल्ली (**थीम**–Readers with Special Need)*
- ***20वाँ भारत रंग महोत्सव** : 1-21 फरवरी, 2019; नई दिल्ली*
- ***नमस्ते थाईलैण्ड महोत्सव** : 15-17 मार्च, 2019; नई दिल्ली*

MAGAZINE KING

- **फेस्टिवल ऑफ इनोवेशन एण्ड एंटरप्रिन्योरशिप** : 16-18 मार्च, 2019; गांधीनगर
- **33वाँ सूरजकुण्ड क्राफ्ट मेला** : 1-17 फरवरी, 2019; फरीदाबाद
- **अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला, 2019** : 24-30 अप्रैल, 2019; संयुक्त अरब अमीरात
- **बेहदीनखलम महोत्सव, 2019** : 11-14 जुलाई, 2019; जोवाई, शिलांग
- **आदि महोत्सव, 2019** : 17-25 अगस्त, 2019; लेह, लद्दाख
  (**थीम**–जनजातीय कला, संस्कृति एवं वाणिज्य की भावना का उत्सव)
- **उत्तर प्रदेश ट्रैवल मार्ट, 2019** : 10-11 अगस्त, 2019; लखनऊ
- **दिल्ली पुस्तक मेला, 2019** : 11-15 सितम्बर, 2019; पुणे, महाराष्ट्र
- **स्वच्छ महोत्सव, 2019** : 6 सितम्बर, 2019; विज्ञान भवन, नई दिल्ली.
- **24वीं विश्व ऊर्जा कांग्रेस, 2019** : 9-12 सितम्बर, 2019; आबूधाबी, यूएई.
- **विज्ञान, धर्म व दर्शन पर 5वीं विश्व संसद** : 2-4 अक्टूबर, 2019; नई दिल्ली
  (**थीम**–विश्व शांति और मानव विज्ञान, धर्म और दर्शन की भूमिका)
- **33वाँ इंडिया इकोनामिक समिट** : 3-4 अक्टूबर, 2019; नई दिल्ली
  (**थीम**–भारत के लिए नवाचार : दक्षिण एशिया को मजबूत बनाना, दुनिया को प्रभावित करना)
- **गोवा समुद्री सम्मेलन** : 3-5 अक्टूबर, 2019; पणजी, गोवा
  (**थीम**–भारतीय समुद्री क्षेत्र में साझा समुद्री प्राथमिकताएं तथा क्षेत्रीय समुद्री रणनीति की आवश्यकता)
- **भारत का 50वाँ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव** : 20-28 नवम्बर, 2019; गोवा

प्रयाग कुम्भ, 2019

वर्ष 2019 के प्रथम त्रैमास में प्रयाग (इलाहाबाद) में कुम्भ मेले का भव्य आयोजन हुआ. इस कुम्भ का शुभारम्भ 15 जनवरी, 2019 को पहले शाही स्नान के साथ हुआ था तथा समापन 4 मार्च, 2019 को महाशिवरात्रि पर हुआ. इस कुम्भ में तीन शाही स्नानों की तिथियाँ थीं–

प्रथम शाही स्नान–मकर संक्रांति, 15 जनवरी, 2019, मंगलवार

द्वितीय शाही स्नान–मौनी अमावस्या, 4 फरवरी, 2019, सोमवार

तृतीय शाही स्नान–वसंत पंचमी, 10 फरवरी, 2019, रविवार

प्रयागराज का सुप्रसिद्ध कुम्भ मेला गिनीज़ विश्व रिकॉर्ड में शामिल

प्रयागराज में सम्पन्न ऐतिहासिक कुम्भ मेला–2019 गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है. यह निम्नलिखित तीन सेक्टरों में विश्व रिकॉर्ड में शामिल हुआ है–

(1) सबसे बड़ी ट्रैफिक व जनसैलाब प्रबंधन योजना

(2) 'पेन्ट माय सिटी' योजना के तहत् सार्वजनिक स्थलों की पेंटिंग का सबसे बड़ा अभ्यास

(3) सबसे बड़ा स्वच्छता व कचरा प्रबन्धन मैकेनिज्म.

राष्ट्रीय हृदय रोग सम्मेलन–2019

5-7 अप्रैल, 2019 के दौरान उत्तर प्रदेश के लखनऊ में राष्ट्रीय हृदयरोग सम्मेलन 2019 का आयोजन हुआ. इस सम्मेलन का उद्घाटन उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (SGPGI) में किया. सम्मेलन में यूरोप, अमरीका, जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया तथा आस्ट्रेलिया के विशेषज्ञों ने भाग लिया. सम्मेलन में हृदयरोग तथा नवीनतम तकनीक पर विचार-विमर्श किया गया. इस सम्मेलन का आयोजन पहली बार उत्तर प्रदेश में किया गया था.

नीति (NITI) आयोग की प्रशासनिक परिषद् की पाँचवीं बैठक

15 जून, 2019 को नई दिल्ली में नीति (NITI—National Institution for Transforming India) आयोग की प्रशासनिक परिषद् की पाँचवी बैठक प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई. सम्मेलन में जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल, 26 राज्यों के मुख्यमंत्री व अण्डमान निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल सहित विभिन्न केन्द्रीय मंत्रियों ने भाग लिया. बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को वर्ष 2022 तक **'न्यू इण्डिया'** व वर्ष 2024 तक **5 ट्रिलियन डॉलर** की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को रेखांकित किया.

बेहदीनखलम (Behdienkhalam) महोत्सव

11-14 जुलाई, 2019 के दौरान शिलांग (मेघालय) के जोवाई में बेहदीनखलम महोत्सव सम्पन्न हुआ. 'जोवाई' जैंतिया हिल्स जिले का मुख्यालय है. यह **पनार** जनजातियों के बीच मनाया जाने वाला एक धार्मिक उत्सव है. यह जैंतिया हिल्स जिले में आदिवासी समुदाय द्वारा मनाया जाने वाला एक लोकप्रिय फसल उत्सव भी है. यह उत्सव बुआई खत्म होने के बाद प्रतिवर्ष जुलाई माह में मनाया जाता है.

माइग्रेशन और मोबिलिटी पर 5वीं भारत

यूरोपीय संघ की उच्चस्तरीय बैठक–10-11 जुलाई, 2019 के दौरान नई दिल्ली में माइग्रेशन और मोबिलिटी पर भारत-यूरोपीय संघ की 5वीं उच्चस्तरीय बैठक सम्पन्न हुई. यह बैठक भारत और यूरोपीय संघ तथा इसके सदस्य देशों में माइग्रेशन एण्ड मोबिलिटी (CAMM) के ढाँचे के भीतर सहयोगी गतिविधियों को करने के लिए तकनीकी सहायता परियोजना के तहत् आयोजित की गई थी. इस परियोजना पर 29 मार्च, 2016 को हस्ताक्षर किए गए थे. बैठक में भारत-यूरोपीय संघ के गलियारे के साथ माइग्रेशन और मोबिलिटी के संदर्भ में पारस्परिक हित के मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ.

आदि महोत्सव

17-25 अगस्त, 2019 के दौरान लेह-लद्दाख के पोलो ग्राउण्ड में जनजातीय कला, संस्कृति एवं उत्पादों के 9 दिवसीय आदि महोत्सव का आयोजन हुआ. इसका आयोजन जनजातीय कार्य मंत्रालय व ट्राइफेड (TRIFED—Tribal Co-operative Marketing Development Federation of India) के संयुक्त तत्वावधान में हुआ था. सम्मेलन का उद्घाटन जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने किया था.

राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन–रबी अभियान 2019

20 सितम्बर, 2019 को नई दिल्ली के पूसा में राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन–रबी अभियान, 2019 का आयोजन किया गया. सम्मेलन का उद्घाटन कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री पुरुषोत्तम रूपाला ने किया. सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने खाद्यान्नों के अभूतपूर्व उत्पादन (285 मिलियन टन) को रेखांकित करते हुए केन्द्र प्रायोजित योजनाओं को कारगर रूप से लागू करने के लिए राज्य सरकारों की सराहना की.

भारत पर्यटन मार्ट–2019

23-25 सितम्बर, 2019 के दौरान नई दिल्ली में भारत पर्यटन मार्ट–2019 का आयोजन हुआ. इस मार्ट का आयोजन पर्यटन मंत्रालय और भारतीय पर्यटन एवं अतिथि सत्कार परिसंघ में संयुक्त रूप से किया गया. यह मार्ट का दूसरा संस्करण था. इसका आयोजन विश्व के देशों में वार्षिक स्तर पर होने वाले प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय ट्रैवल मार्ट्स की तर्ज पर किया गया. मार्ट के प्रदर्शनी स्थल में लगभग 175 मण्डप बनाए गए थे. आईटीएम 2019 का **साझेदार राज्य गुजरात** था.

पर्यटन पर्व 2019

2–13 अक्टूबर, 2019 के दौरान भारत में पर्यटन पर्व 2019 का आयोजन हुआ. यह पर्यटन पर्व का तीसरा संस्करण था. भारतवासियों को देश के विभिन्न पर्यटक स्थलों को देखने के लिए प्रोत्साहित करने और 'सबके लिए पर्यटन' के संदेश को प्रसारित करने के उद्देश्य सहित इस पर्यटन पर्व का अभिप्राय 'देखो अपना देश' के संदेश को प्रचारित करना है. इस वर्ष का पर्यटन पर्व महात्मा गांधी की 150वी जयंती मनाने के लिए समर्पित रहा.

योजना/परियोजना/नीतियाँ/कार्यक्रम

मुख्यमंत्री कृषि आशीर्वाद योजना

1 जनवरी, 2019 से झारखण्ड सरकार ने राज्य के किसानों के लिए मुख्यमंत्री कृषि आशीर्वाद

MAGAZINE KING

योजना (Mukhyamantri Krishi Aashirwad Yojana) प्रारम्भ की. इस योजना के तहत् किसानों को खरीफ फसल के लिए ₹ 5,000 प्रति एकड़ दिए जाएंगे. योजना से राज्य के लगभग 22 लाख 76 हजार लघु और सीमांत किसान लाभान्वित होंगे. योजना को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने के लिए सरकार को ₹ 2,250 करोड़ का व्यय संभावित है. इस योजना का मुख्य उद्देश्य कृषि उत्पादन में वृद्धि करना, कृषि संकट को समाप्त करना और किसानों को संकट से उबारना है. योजना का लाभ ऐसे छोटे और सीमांत किसान उठा सकते हैं जिनकी कुल भूमि 5 एकड़ से कम है.

सीता राम सिंचाई परियोजना

जनवरी 2019 में केन्द्रीय पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने तेलंगाना के सीता राम सिंचाई परियोजना को स्वीकृति प्रदान की. इस परियोजना को तीन वर्षों में पूरा किया जाना लक्षित है. इस परियोजना का उद्देश्य गोदावरी नदी के जल को डाइवर्ट करके तेलंगाना के भाद्रदारी कोठागुदेम, खम्मम तथा महबूबाबाद जिले के 2·72 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई के लिए जल उपलब्ध कराना है.

युवा स्वाभिमान योजना

26 जनवरी, 2019 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मध्य प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में कमजोर वर्ग के युवाओं के लिए 'युवा स्वाभिमान योजना' की घोषणा की. योजना की शुरूआत मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में की गई. योजना का उद्देश्य मुख्य रूप से राज्य के शहरी क्षेत्रों में कमजोर वर्ग के युवाओं को रोजगार प्रदान करना है. योजनान्तर्गत 100 दिन तक रोजगार प्रदान किया जाएगा. 100 दिनों के रोजगार के अतिरिक्त सरकार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण भी प्रदान करेगा.

जय किसान ऋण मुक्ति योजना

जनवरी 2019 में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ₹ 50,000 करोड़ की किसान कर्ज माफी योजना प्रारम्भ की. इस योजना का नाम 'जय किसान ऋण मुक्ति योजना' रखा गया है. इस योजना से मध्य प्रदेश के 55 लाख छोटे और सीमान्त किसानों को लाभ मिलेगा. इस योजना के तहत् जीएसटी (GST) के लिए पंजीकृत तथा आयकर भरने वाले किसान इस योजना का लाभ नहीं उठा सकेंगे. राज्य की मंत्रिमण्डल ने 5 जनवरी, 2019 को 55 लाख किसानों की ऋण माफी के लिए स्वीकृति दी थी. उल्लेखनीय है कि किसान ऋण माफी मध्य प्रदेश के विधान सभाई चुनावों में प्रमुख चुनावी मुद्दा था.

जीवन सम्पर्क योजना

26 जनवरी, 2019 को ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने आदिवासी मेला 2019 के उद्घाटन सत्र के दौरान जनजातीय समूहों के कल्याण के लिए 'जीवन सम्पर्क' योजना का शुभारम्भ किया. यह योजना यूनीसेफ इंडिया (UNICEF India) के सहयोग से संचालित की जाएगी. परियोजना के फोकस क्षेत्र कौशल विकास, समुदायों को सशक्त बनाना, समूहों के बीच सहयोग व नवचार है.

राष्ट्रीय खनिज नीति–2019

28 फरवरी, 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने राष्ट्रीय खनिज नीति, 2019 को स्वीकृति प्रदान की. नई राष्ट्रीय खनिज नीति अधिक प्रभावी नियमन सुनिश्चित करेगी. यह खनन क्षेत्र के स्थायी विकास में सहायता प्रदान करेगी तथा इससे परियोजना से प्रभावित होने वाले लोगों विशेषकर जनजातीय क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के बेहतर समाधान में मदद मिलेगी. राष्ट्रीय खनिज नीति, 2019 का उद्देश्य प्रभावी, अर्थपूर्ण और कार्यान्वयन–योग्य नीति का निर्माण करना है, जो बेहतर पारदर्शिता, नियमन और कार्यान्वयन, संतुलित सामाजिक व आर्थिक विकास के साथ-साथ दीर्घावधि खनन अभ्यासों को समर्थन प्रदान करे.

फेम इंडिया योजना

देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण और उनके तेजी से इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए **फेम इंडिया** (Faster Adoption and Manufacturing of Hybrid and Electrical Vehcles in India) **योजना** के दूसरे चरण को मंजूरी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 28 फरवरी, 2019 की बैठक में स्वीकृति प्रदान की. 'फेम इंडिया' योजना का प्रथम चरण 1 अप्रैल, 2015 से प्रारम्भ हुआ था. दूसरा चरण 1 अप्रैल, 2019 से प्रारम्भ होकर तीन वर्षों के लिए होगा. 'फेम इंडिया' के दूसरे चरण के लिए ₹ 10,000 करोड़ का परिव्यय अनुमानित किया गया है.

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम किसान योजना)

1 फरवरी, 2019 को कार्यवाहक वित्त मंत्री पीयूष गोयल द्वारा प्रस्तुत अंतरिम बजट 2019-2020 में दो हेक्टेयर तक की भूमि के स्वामी, करीब 12 करोड़ लघु एवं सीमांत किसानों के लिए ₹ 6,000 प्रतिवर्ष की प्रत्यक्ष आय सहायता योजना प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की घोषणा की. यह आय-सहायता ₹ 2,000 प्रत्येक की तीन समान किस्तों में लाभान्वित किसानों के बैंक खातों में सीधे हस्तांतरित कर दी जाएगी.

जय किसान समृद्धि योजना

7 मार्च, 2019 को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में जय किसान समृद्धि योजना लागू की गई. इस योजना का उद्देश्य प्रदेश की प्रमुख फसल गेहूँ का प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ाने हेतु किसानों को प्रोत्साहित करना है. योजना के माध्यम से सरकार किसानों को गेहूँ पर ₹ 160 प्रति क्विंटल प्रोत्साहन राशि प्रदान करेगी. प्रोत्साहन राशि प्रदान करने हेतु किसानों को ई-उपार्जन पोर्टल पर गेहूँ उपार्जन का पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा.

मुख्यमंत्री आँचल अमृत योजना

7 मार्च, 2019 को उत्तराखण्ड सरकार ने आंगनवाड़ी केन्द्रों में दूध उपलब्ध करवाने के लिए मुख्यमंत्री आँचल अमृत योजना की शुरूआत की. इस योजना के तहत् उत्तराखण्ड सरकार द्वारा राज्य में 20,000 आंगनवाड़ी केन्द्रों में सप्ताह में दो बार 2·5 बच्चों के लिए 100-100 मिली दूध प्रदान किया जाएगा. इसके तहत् आंगनवाड़ी केन्द्रों में फ्लेवर्ड, मीठा तथा दूध पाउडर उपलब्ध होगा. योजना के तहत् 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों को आंगनवाड़ी केन्द्रों में दूध उपलब्ध करवाया जायेगा. यह योजना राज्य में कुपोषण से निपटने के लिए प्रारम्भ की गई है.

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर

मार्च 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की आधारशिला रखी. इस परियोजना के द्वारा इस धार्मिक स्थल का जीर्णोधार किया जायेगा. 50 फीट का यह कॉरिडोर गंगा के मणिकर्णिका तथा ललिता घाट को सीधे काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिर से जोड़ा जायेगा. इस परियोजना की कुल लागत लगभग ₹ 600 करोड़ अनुमानित है. इसके तहत् धार्मिक अनुष्ठानों के लिए नई यज्ञशालाओं का निर्माण भी प्रस्तावित है. बैठकों तथा मंदिरों के कार्यक्रम के लिए विशाल ऑडिटोरियम की स्थापना भी की जाएगी.

उल्लेखनीय है कि काशी विश्वनाथ मंदिर गंगा नदी के किनारे स्थित है. इसके आसपास का क्षेत्र काफी छोटा व संकरा है. इस कारण उत्सव के समय में इस स्थान पर भीड़ की काफी समस्या रहती है. कॉरिडोर के निर्माण के बाद भीड़ की समस्या से राहत मिलेगी.

किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थायन महाभियान (KUSUM)

वर्ष 2022 तक कुल 25,750 मेगावाट की सौर क्षमता स्थापित करने हेतु प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमण्डलीय समिति ने किसानों को वित्तीय और जल सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान–**कुसुम** (KUSUM—Kisan Urja Suraksha evam Utthaan Mahabhiyan) को प्रारम्भ करने की स्वीकृति दी है. तीनों घटकों को शामिल करने वाली इस योजना का लक्ष्य वर्ष 2022 तक कुल 25,750 मेगावाट की सौर क्षमता स्थापित करना है.

मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना

14 जून, 2019 को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना का श्रीगणेश किया. इस योजना का लाभ बीपीएल तथा एपीएल सभी वर्ग के वृद्धजनों को मिलेगा. 1 अप्रैल, 2019 से प्रभावी इस योजना का लाभ सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों को नहीं मिलेगा. राज्य सरकार ने इस योजना के लिए ₹ 18,000 करोड़ का एक विशेष कोष बनाया है. यह योजना 60 वर्ष या फिर उससे अधिक उम्र के सभी वृद्धजनों के लिए है. गरीबी रेखा से नीचे (BPL) या फिर गरीबी रेखा से ऊपर (APL) का कोई भी वृद्ध व्यक्ति इसके लिए पात्र है. योजना के तहत् पेंशन के रूप में ₹ 400 प्रतिमाह की राशि उन्हें मिलेगा, जिन्हें किसी प्रकार की कोई अन्य पेंशन नहीं मिल रही हो.

एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजना

29 जून, 2019 को केन्द्रीय उपभोक्ता मामले तथा सार्वजनिक वितरण मंत्री रामविलास पासवान ने **एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजना** (One Nation One Ration Card) की जानकारी दी. इसका मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली

MAGAZINE KING

(PDS—Public Distribution System) के माध्यम से सस्ता एवं सब्सिडीयुक्त राशन सभी पात्र व्यक्तियों को सुलभ कराना है. यह योजना 30 जून, 2020 तक पूरे देश में लागू किया जाना लक्षित है. इस हेतु सभी राशन कार्डों को आधार तथा **पॉइंट ऑफ सेल** (POS) मशीनों से सम्बद्ध करने का कार्य प्रगति पर है. प्रतिवर्ष देश में लगभग 81 करोड़ लाभार्थियों को 612 लाख टन अनाज का वितरण सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत् किया जाता है. प्रस्तावित योजना के लागू होने से भ्रष्टाचार को समाप्त किया जा सकेगा.

डिजिटल उड़ान कार्यक्रम

3 जुलाई, 2019 को रिलायंस जियो द्वारा डिजिटल उड़ान नाम से डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम की शुरूआत की गई. इस कार्यक्रम के माध्यम से पहली बार इंटरनेट प्रयोग करने वाले व्यक्तियों को इंटरनेट की प्रारम्भिक जानकारी प्रदान की जाएगी. कार्यक्रम के लिए रिलायंस जियो ने फेसबुक का सहयोग लिया है, जिसके लगभग 30 करोड़ ग्राहकों को लाभ प्रदान किया जाएगा. रिलायंस जियो के इस डिजिटल उड़ान कार्यक्रम के तहत् प्रत्येक शनिवार को लोगों को जियो फोन के फीचर्स, विभिन्न प्रकार के एप्स को प्रयोग करने का तरीका और सुरक्षित इंटरनेट प्रयोग में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा.

विधेयक/अध्यादेश/अधिनियम

अवैध रूप से रह रहे विदेशियों को चिह्नित करने के लिए विधेयक

मार्च 2019 में मिजोरम विधान सभा ने The Mizoram Maintenance of Household Registers Bill, 2019 पारित किया. इस विधेयक का उद्देश्य राज्य में अवैध रूप से रह रहे विदेशियों को चिन्हित करना है. इस विधेयक के तहत् राज्य के निवासियों का विस्तृत डेटाबेस तैयार किया जाएगा. मिजोरम में राज्य की विकास योजनाओं का बड़ा हिस्सा उन विदेशियों द्वारा उपभोग कर लिया जाता है, जो इसके पात्र नहीं हैं. इस विधेयक के माध्यम से उस व्यक्ति को नागरिक घोषित किया गया है जो नागरिकता अधिनियम, 1955 में बताई गयी योग्यताओं के अनुसार पंजीकृत है. विधेयक के माध्यम से राज्य के ग्रामीण परिषद् तथा नगर समिति के अध्यक्ष को पंजीकरण प्राधिकरण की शक्ति प्रदान की गयी है. इस हेतु उन्हें दो रजिस्टर रखने होंगे. एक रजिस्टर में क्षेत्र के निवासियों की सूची तथा दूसरे रजिस्टर में आप्रवासियों की सूची होगी. रजिस्टर को प्रत्येक तीन माह बाद अद्यतन करना आवश्यक होगा. मिजोरम की 700 किमी लम्बी सीमा बांग्लादेश और म्यांमार से लगती है. इस कारण यहाँ पर बड़े पैमाने पर अवैध रूप से विदेशी घुसपैठ होती है.

विशिष्ट अतिथियों का आगमन

नॉर्वे के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा

7-9 जनवरी, 2019 के दौरान नॉर्वे की प्रधानमंत्री **सुश्री एर्ना सोलबर्ग** भारत की राजकीय यात्रा की. द्विपक्षीय सम्बन्धों पर भारतीय प्रधानमंत्री के साथ वार्ता के अतिरिक्त 8 जनवरी, 2019 को नई दिल्ली के चौथे 'रायसीना संवाद' (Raisina Dialogue) को सम्बोधित करना उनकी इस यात्रा के उद्देश्यों में शामिल था.

- रायसीना संवाद भारत का प्रमुख वार्षिक भूराजनीतिक एवं भूस्थानिक (Geo-political and Geostrategic) सम्मेलन है, जिसका आयोजन विदेश मंत्रालय के सहयोग से ऑब्जरवर रिसर्च फाउण्डेशन द्वारा 2016 से प्रतिवर्ष किया जाता है.

डेन्मार्क के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा

18-19 जनवरी, 2019 के दौरान डेन्मार्क के प्रधानमंत्री **लार्स लोक्के राससुसेन** अपने देश के उच्चस्तरीय शिष्टमण्डल के साथ भारत की राजकीय यात्रा की. उनकी यह यात्रा यद्यपि गांधीनगर (गुजरात) में नौवें वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन, जिसमें डेन्मार्क को साझेदार देश (Partner Country) का दर्जा दिया गया था, में भागीदारी के लिए सम्पन्न की गई थी, तथापि इस यात्रा के दौरान द्विपक्षीय सम्बन्धों पर भारतीय प्रधानमंत्री के साथ उनकी वार्ता भी 18 जनवरी, 2019 को गांधीनगर में ही सम्पन्न हुई.

वर्ष 2019 के गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि

गणतंत्र दिवस समारोह में किसी-न-किसी राष्ट्राध्यक्ष को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल करने की परम्परा भारत में रही है. वर्ष 2019 के भारत के 70वें गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ***सिरिल रामफोसा*** *(Cyril Ramaphosa) ने भाग लिया. वह भारत के गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि बनने वाले दक्षिण अफ्रीका के दूसरे नेता हैं. इससे पूर्व वर्ष 1995 में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला भारत के गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि थे.*

विगत कुछ वर्षों में जिन राष्ट्राध्यक्षों को भारत के गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होने का सम्मान प्रदान किया गया, उनके नाम इस प्रकार हैं–

वर्ष	मुख्य अतिथि (परिचय)
2012	यिंगलुक शिनवात्रा (थाईलैण्ड की प्रधानमंत्री)
2013	जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक (भूटान नरेश)
2014	शिंजो आबे (जापान के प्रधानमंत्री)
2015	बराक ओबामा (अमरीकी राष्ट्रपति)
2016	फ्रांस्वा ओलांद (फ्रांस के राष्ट्रपति)
2017	शेख मोहम्मद बिन जाएद (आबू धाबी के क्राउन प्रिंस)
2018	दक्षिण पूर्व एशिया के 10 देशों के समूह–आसियान (ASEAN—Association of South East Asian Nations) के राष्ट्राध्यक्ष

मोनाको के राष्ट्राध्यक्ष की भारत यात्रा

4-10 फरवरी, 2019 के दौरान मोनाको के राष्ट्र प्रमुख **प्रिंस एल्बर्ट द्वितीय** अपने देश के उच्चस्तरीय शिष्टमण्डल के साथ भारत की राजकीय यात्रा की. इस यात्रा में 4-5 फरवरी, 2019 के दौरान उनके राजकीय कार्यक्रम थे, जबकि बाद में 10 फरवरी, 2019 तक उनके निजी कार्यक्रम राजस्थान में थे.

- मोनाको केवल 2·02 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला यूरोपीय देश है. यह वेटिकन सिटी के बाद विश्व का सबसे छोटा देश है. इसकी कुल जनसंख्या लगभग 39 हजार है.

अर्जेन्टीना के राष्ट्रपति की भारत यात्रा

17-19 फरवरी, 2019 के दौरान अर्जेन्टीना के राष्ट्रपति **मॉरिसियो मैक्री** अपने देश के उच्चस्तरीय शिष्टमण्डल के साथ भारत की राजकीय यात्रा की. अर्जेन्टीना के राष्ट्रपति की भारत की यह यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक सम्बन्धों की स्थापना के 70वें वर्ष में सम्पन्न की गई थी.

गिनी के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा

16-25 मार्च, 2019 के दौरान गिनी के प्रधानमंत्री **इब्राहिम कसोरी फोफाना** भारत की यात्रा पर आए थे. उनकी यह यात्रा मूलतः 17 मार्च, 2019 को नई दिल्ली में इंडिया-अफ्रीका प्रोजेक्ट पार्टनरशिप पर सीआईआई-एक्जिम बैंक कॉनक्लेव में भागीदारी के लिए थी.

मंगोलिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा

19-23 सितम्बर, 2019 के दौरान मंगोलिया के राष्ट्रपति **खाल्तमागिन बटुल्गा** (Khaltmaagiin Battulga) अपने देश के उच्चस्तरीय शिष्टमण्डल के साथ भारत की यात्रा पर आए थे. एक दशक के अन्तराल के बाद मंगोलिया के किसी राष्ट्रपति की भारत की यह यात्रा थी.

जर्मन चांसलर की भारत यात्रा

31 अक्टूबर–2 नवम्बर, 2019 के दौरान जर्मनी की चांसलर **एंजेला मर्केल** (Angela Merkel) अपने देश के उच्चस्तरीय शिष्टमण्डल के साथ भारत की यात्रा पर आई थीं. उनकी यह यात्रा भारत के साथ जर्मनी के द्विवार्षिक इंटर गवर्नमेंटल कंसल्टेशंस (IGC) के लिए सम्पन्न की गई थी. इस यात्रा के दौरान 17 विभिन्न समझौतों/समझौता ज्ञापनों व संयुक्त घोषणा-पत्रों पर हस्ताक्षर हुए. यह समझौते अन्तरिक्ष, नागरिक उड्डयन, नौसैन्य प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा, आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस, कृषि विपणन, स्टार्ट अप्स, आयुर्वेद, योग आदि क्षेत्रों में सहयोग के लिए सम्पन्न किए गए.

- जर्मनी ने मुम्बई स्थित अपने कॉंसुलेट कार्यालय में अगस्त 2020 तक शेंजन वीजा सेंटर खोलने की घोषणा की.

प्रतिनिधि विदेश यात्राएं

भारतीय प्रधानमंत्री की द. कोरिया यात्रा

21-22 फरवरी, 2019 के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द. कोरिया की यात्रा पर रहे. उनकी इस यात्रा कार्यक्रम में दक्षिण कोरिया का महत्वपूर्ण **सियोल शान्ति पुरस्कार** भी ग्रहण करना था.

- प्रधानमंत्री के रूप में श्री मोदी की दक्षिण कोरिया की यह दूसरी यात्रा थी.
- इस यात्रा के दौरान पारस्परिक सहयोग के 6 विभिन्न समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर

WAGHELA KWG

हस्ताक्षर हुए. इनमें स्टार्टअप योजना पर समझौता ज्ञापन व कोरिया प्लस के विस्तार पर समझौता ज्ञापन के अतिरिक्त पुलिस, प्रसारण, राष्ट्रीय राजमार्गों के मामले में सहयोग के समाझौता ज्ञापन शामिल थे. एक अन्य समझौता ज्ञापन भारत की पौराणिक राजकुमारी हूर (सूरीरत्ना) पर स्मारक डाक टिकट जारी किए जाने से सम्बन्धित है.

भारतीय राष्ट्रपति की क्रोएशिया, बोलीविया व चिली की यात्राएं

25 मार्च–2 अप्रैल, 2019 के दौरान भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने क्रोएशिया, बोलीविया व चिली की यात्रा पर रहे. तीन देशों की उनकी इस यात्रा में 25-28 मार्च, 2019 को क्रोएशिया, 28-30 मार्च, 2019 को बोलीविया व 30 मार्च–2 अप्रैल, 2019 को चिली की यात्रा के उनके कार्यक्रम थे.

- किसी भारतीय राष्ट्रपति की क्रोएशिया व बोलीविया की यह पहली ही यात्रा थी.
- क्रोएशिया यात्रा के दौरान क्रोएशिया की राष्ट्रपति कोलिंडा ग्रबर–किंटारोविक ने भारतीय राष्ट्रपति को क्रोएशिया के शीर्ष नागरिक सम्मान 'Grand Order of the King of Tomislav' से सम्मानित किया.
- क्रोएशिया यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच पारस्परिक सहयोग के चार विभिन्न समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए. यह समझौते पर्यटन, खेलकूद एवं संस्कृति के क्षेत्रों में विस्तार से सम्बन्धित हैं.
- बोलीविया यात्रा के दौरान विभिन्न समझौतों के साथ ही साथ अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबन्धन में शामिल होने के लिए फ्रेमवर्क कन्वेंशन पर हस्ताक्षर भी किए गए. बोलीविया के राष्ट्रपति ईवो मोरालेस ने भारतीय राष्ट्रपति को बोलीविया के शीर्ष राजकीय सम्मान से सम्मानित किया.
- चिली यात्रा के दौरान द्विपक्षीय सहयोग के तीन समझौतों पर हस्ताक्षर हुए. खनन एवं संस्कृति क्षेत्र में सहयोग इनमें शामिल था.

भारतीय प्रधानमंत्री की अमरीका यात्रा

21-27 सितम्बर, 2019 के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमरीका की यात्रा पर रहे. न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 74वें सत्र को सम्बोधित करने के अतिरिक्त ह्यूस्टन (Houston) में **भारतीय-अमरीकी समुदाय** के लोगों के एक विशाल समागम को सम्बोधित करने के कार्यक्रम उनकी इस यात्रा के मुख्य कार्यक्रमों में शामिल थे.

- अमरीका की दस यात्रा के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री का एक प्रमुख कार्यक्रम **हाउडी मोदी** (Howdey Modi) में भागीदारी का था. हाउडी से तात्पर्य है–How do you do.
- **हाउडी मोदी** (Howdey Modi) कार्यक्रम का आयोजन 22 सितम्बर, 2019 को ह्यूस्टन के एनआरजी स्टेडियम में किया गया था.

भारतीय प्रधानमंत्री की सऊदी अरब यात्रा

28-29 अक्टूबर, 2019 के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सऊदी अरब की यात्रा पर रहे. द्विपक्षीय सम्बन्धों के सिलसिले में सऊदी किंग व युवराज के साथ वार्ताओं के अतिरिक्त राजधानी रियाद (Riyadd) में **फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनीशिएटिव (FII) फोरम** के तीसरे सत्र में भागीदारी उनकी इस यात्रा के उद्देश्यों में शामिल थी. इस यात्रा के दौरान पारस्परिक सहयोग के 12 विभिन्न समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर वार्ता के पश्चात् किए गए. इसमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझीदारी परिषद् समझौते पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्वयं ही हस्ताक्षर किए, जबकि सऊदी अरब की ओर से क्राउन प्रिंस ने इस पर हस्ताक्षर किए.

- फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनीशिएटिव (FII) सऊदी अरब का सॉवरेन वैल्थ फण्ड है. '**रेगिस्तान का दावोस**' (Davos in the desert) कहे जाने वाले इस फण्ड का उद्देश्य इस क्षेत्र को भविष्य के निवेश केन्द्र के रूप में प्रक्षेपित करना है.
- एफआईआई के दो सत्र इससे पूर्व 2017 व 2018 में सम्पन्न हो चुके हैं. तीसरे सत्र (2019) के लिए श्री मोदी को '**की नोट स्पीकर**' के रूप में आमंत्रित किया गया था.

विज्ञान/प्रौद्योगिकी/अन्तरिक्ष/चिकित्सा

पीएसएलवी–सी45

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने एक अन्य व्यावसायिक उड़ान के तहत् पीएसएलवी-सी45 के माध्यम से भारत के एमीसैट (EMISAT) सहित 28 विदेशी उपग्रहों को अंतरिक्ष में 1 अप्रैल, 2019 को निर्धारित कक्षा में स्थापित किया. एमीसैट को 748 किमी की ऊँचाई वाली सूर्य-तुल्यकालिका ध्रुवीय कक्षा में, 28 विदेशी उपग्रहों को 504 किमी ऊँचाई वाली निम्न कक्षा में स्थापित किया गया.

आदित्य–एल1 (Aditya-L1)

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) का आदित्य-एल1 सूर्य का अध्ययन करने के लिए एक अंतरिक्ष यान है. यह 2019-2020 के दौरान पीएसएलवी-एक्सएल द्वारा लॉंच किया जाएगा. यह सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला भारतीय अंतरिक्ष मिशन तथा पहला लाग्रंगियन बिन्दु एल1 पर स्थापित होने वाला भारतीय मिशन भी होगा. इसका पेलोड 400 किग्रा है तथा इसे 800 किमी निम्नक भू-कक्षा में प्रमोचित किया जाएगा.

कामोव–31 (Kamov-31)

मई 2019 में केन्द्रीय रक्षा मंत्रालय की रक्षा अधिग्रहण परिषद् (DAC) की बैठक में रूस से 10 कामोव–31 हेलिकॉप्टर क्रय किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई. इन 10 हेलीकॉप्टरों के क्रय पर ₹ 3600 करोड़ खर्च होंगे. यह हेलीकॉप्टर भारतीय नौसेना के लिए खरीदे जाएंगे. भारतीय नौसेना के पास पहले से 12 कामोव–31 हेलीकॉप्टर उपलब्ध हैं. पनडुब्बी रोधी ऑपरेशन के लिए नौसेना के पास कामोव–28 हेलिकॉप्टर उपलब्ध हैं. कामोव–31 ने अपनी पहली उड़ान 1987 में भरी थी.

- कामोव–31 हेलिकॉप्टर एक रूसी हेलिकॉप्टर है. इसका प्रयोग रूस, चीन तथा भारत जैसे देश करते हैं.

स्क्रैमजेट

12 जून, 2019 परीक्षण ओडिशा के बालासोर के तट के निकट अब्दुल कलाम द्वीप (पूर्ववर्ती नाम व्हीलर द्वीप) से रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा हाइपरसोनिक गति से उड़ान के लिए देश में विकसित मानवरहित

वर्ष 2019 में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिनिधि विदेश यात्राएं–एक दृष्टि में

- कोरिया (20-22 फरवरी, 2019)
- मालदीव व श्रीलंका (8-9 जून, 2019)
- बिस्केक, किग्रिज रिपब्लिक (13-14 जून, 2019)
- जापान (27-29 जून, 2019)
- भूटान (17-18 अगस्त, 2019)
- फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात व बहरीन (22-26 अगस्त, 2019)
- रूस (4-5 सितम्बर, 2019)
- अमरीका (21-27 सितम्बर, 2019)
- सऊदी अरब (28-29 अक्टूबर, 2019)

भारत के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की प्रतिनिधि विदेश यात्राएं (2019)

- क्रोएशिया, बोलीविया व चिली (25 मार्च–2 अप्रैल, 2019)
- बेनिन, गाम्बिया गिनी (28 जुलाई–3 अगस्त, 2019)
- आइसलैण्ड, स्विट्जरलैण्ड व स्लोवेनिया (9-17 सितम्बर, 2019)
- फिलीपींस व जापान (17-23 अक्टूबर, 2019)

भारत के उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू की प्रतिनिधि विदेश यात्राएं (2019)

- **पराग्वे व कोस्तांटिका** (5-9 मार्च, 2019)
- **वियतनाम** (9-12 मई, 2019)
- **लिथुवानिया, लाटविया व एस्टोनिया** (17-22 अगस्त, 2019)
- **कोमोरोस व सिएरा लियोन** (10-14 अक्टूबर, 2019)

MAGNET KING

स्क्रैमजेट प्रदर्शन विमान का पहला सफल परीक्षण किया गया. यह विमान हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली विकसित करने सम्बन्धी महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का हिस्सा है.

अस्त्र

16-19 सितम्बर, 2019 के दौरान दृश्यता सीमा से बाहर तक हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल 'अस्त्र' का वायुसेना ने ओडिशा के तट पर पाँच सफल परीक्षण किए. मिसाइल का परीक्षण सुखोई–30 एमकेआई लड़ाकू विमान से विभिन्न परिस्थितियों में किए गए. मिसाइल ने पश्चिम बंगाल में एक हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी. परीक्षण में मिसाइल से लम्बी और मध्यम दूरी तक मानवरहित लक्ष्यों पर सटीक निशाना साधा गया.

अपाचे (Apache) एएच–64 ई

8 सितम्बर, 2019 को पठानकोट एयर फोर्स स्टेशन पर 8 अपाचे एएच–64 ई हेलीकॉप्टरों को भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया. अमरीका की बोइंग कम्पनी द्वारा निर्मित 8 **अपाचे** हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति जुलाई 2019 में आपूर्ति की गई थी और यह हेलीकॉप्टर हिंडन एयर फोर्स स्टेशन (गाजियाबाद) पहुँचे थे. अपाचे हेलीकॉप्टर भारतीय वायुसेना में एमआई–35 बेड़े का स्थान लेंगे. वर्ष 2020 तक अपाचे हेलीकॉप्टरों का सम्पूर्ण बेड़ा भारतीय वायुसेना में शामिल हो जाएगा.

आईएनएस खण्डेरी (INS Khanderi)

28 सितम्बर, 2019 को स्कॉर्पीन श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी आईएनएस खण्डेरी को भारतीय सेना में औपचारिक रूप से शामिल किया गया. इसका निर्माण देश की अग्रणी जहाज निर्माण कम्पनी मझगाँव डॉकशिप बिल्डर्स लि. (MDL) द्वारा किया गया है. नवनिर्मित पनडुब्बी खंडेरी का यह नामकरण हिन्दमहासागर में पाई जाने वाली एक खतरनाक शिकारी मछली के नाम पर किया गया है. इसी नाम से पहले एक खण्डेरी पनडुब्बी 6 दिसम्बर, 1968 को भारतीय वायुसेना में शामिल की गई थी. 20 वर्ष से अधिक समय तक नौसेना की सेवा में रही उस पनडुब्बी को 18 अक्टूबर, 1989 को सेवामुक्त किया गया था.

प्रतिवेदन/निर्देश/समिति/आयोग/परिषद्

डेयरी फार्मिंग के लिए उच्चाधिकार समिति

फरवरी 2019 के प्रथम सप्ताह में पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने एक 5 सदस्यीय समिति की घोषणा की. इसके तहत् किसानों की आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा दिया जाएगा. इस उच्चाधिकार समिति में अध्यक्ष राज्य किसान आयोग, निदेशक पशुपालन, निदेशक डेयरी विकास, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि शामिल किए गए हैं.

एस.ए. बोब्डे समिति

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजन गोगोई यौन उत्पीड़न के आरोपों के कारण सुर्खियों में रहे हैं. शीर्ष अदालत की एक पूर्व महिला कर्मचारी द्वारा लगाए गए आरोपों की जाँच हेतु 23 अप्रैल, 2019 को न्यायमूर्ति एस.ए. बोबडे की अध्यक्षता में तीन न्यायाधीशों की जाँच समिति गठित की गई थी, जिसने उन पर लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए आरोप मुक्त कर दिया. 2 मई, 2019 को न्यायमूर्ति रंजन गोगोई जाँच समिति के समक्ष उपस्थित हुए थे.

आठ मंत्रिमण्डलीय समितियाँ

जून 2019 में केन्द्र सरकार ने आठ कैबिनेट कमेटियों का गठन किया. इसमें गृह मंत्री अमित शाह सभी आठ कैबिनेट समितियों में शामिल हैं. इनमें से छह समितियों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल होंगे. यह आठ समितियाँ हैं–मंत्रिमण्डल की नियुक्ति समिति, कैबिनेट कमेटी ऑन अकोमडेशन, आर्थिक मामलों की मंत्रिमण्डलीय समिति, संसदीय मामलों की मंत्रिमण्डलीय समिति, राजनीतिक मामलों की मंत्रिमण्डलीय समिति, सुरक्षा पर मंत्रिमण्डलीय समिति, निवेश और विकास पर मंत्रिमण्डलीय समिति, रोजगार और कौशल विकास पर मंत्रिमण्डलीय समिति.

नीति आयोग

15 जून, 2019 को राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक सम्पन्न हुई. बैठक में प्रधानमंत्री ने राज्यों के सामने देश को 5 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा. केन्द्र में नई सरकार बनने के बाद आयोग की यह पहली बैठक थी. बैठक में राज्यों से स्वास्थ्य सेवाएं हर किसी तक पहुँचाने की अपील की गई.

कम्पनी कानून समिति

18 सितम्बर, 2019 को केन्द्र सरकार ने कम्पनी अधिनियम के क्रियान्वयन से सम्बद्ध विभिन्न प्रावधानों एवं मुद्दों के अध्ययन व सुझाव देने के लिए एक कम्पनी कानून समिति का गठन किया. कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (MCA) के सचिव को इस समिति का पदेन अध्यक्ष बनाया गया है. यह सीमित कम्पनी अधिनियम, 2013 और समिति देयता भागीदारी अधिनियम, 2008 के कार्यान्वयन से सम्बन्धित विभिन्न प्रावधान एवं प्रकरणों की पड़ताल करेगी और केन्द्र सरकार को तद्नुसार सुझाव देगी. उक्त के अतिरिक्त समिति नेशनल कम्पनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLAT : National Company Law Appellate Tribunal) की कार्यप्रणाली में सुधार के उपायों का प्रस्ताव करेगी.

समझौते/सम्बन्ध/विदेश नीति

भारत-श्रीलंका

8 अप्रैल, 2019 को भारत व श्रीलंका द्वारा सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की गई. इसके अन्तर्गत क्षेत्रीय सुरक्षा, ड्रग तस्करी और मानव तस्करी पर अंकुश लगाना तथा सुरक्षा बलों के सदस्यों का प्रशिक्षण शामिल है.

भारत-किर्गिस्तान

14 जून, 2019 को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सूरोनबे जीनबेकोव से विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा के बाद किर्गिस्तान को 20 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा प्रदान करने की घोषणा की. दोनों देशों ने द्विपक्षीय सम्बन्धों को बढ़ाकर रणनीतिक भागीदारी के स्तर पर पहुँचा दिया है. इस दौरान दोहरे कराधान को समाप्त करने सहित विभिन्न मुद्दों पर 15 करारों पर हस्ताक्षर किए गए. यह समझौते बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन के दौरान पृथक् से दोनों देशों के बीच वार्ता में किए गए.

राष्ट्रीय क्षतियाँ

कादर खान

1 जनवरी, 2019 को कनाडा में अभिनेता व पटकथा लेखक कादर खान का 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया. काबुल में जन्मे कादर खान ने 1973 में राजेश खन्ना के साथ यश चोपड़ा निर्देशित फिल्म **'दाग'** से अपने फिल्मी कॅरियर की शुरूआत की थी. उसके बाद वह 300 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया. उन्होंने 250 से अधिक फिल्मों के लिए संवाद लिखे. उन्होंने फिल्म 'हिम्मतवला' (1983), 'बाप नम्बरी, बेटा दस नम्बरी' (1990), 'आंखें' (1993), 'साजन चले ससुराल' (1996), 'दूल्हे राजा' (1998), 'कुली नम्बर वन' (1998) में जहाँ दर्शकों को हंसाया, वहीं 'दाग' (1973), 'गूंज' (1974), 'अदालत' (1976), ' बैराग' (1976), 'मिस्टर नटवरलाल' (1979) व 'राजा बाबू' (1984) में रूलाया भी. 'परवरिश' (1977), 'दो और दो पाँच' (1980), 'जियो और जीने दो' (1982), 'कैदी' (1984) व 'बिल्लू बादशाह' (1989) जैसी फिल्मों में नकारात्मक भूमिकाओं में भी दर्शकों में अपनी छाप छोड़ी.

रमाकांत वी. आचरेकर

2 जनवरी, 2019 को मुम्बई में महान भारतीय बल्लेबाज भारत रत्न सचिन तेंदुलकर और क्रिकेटर विनोद काम्बली को प्रशिक्षित करने वाले रमाकांत वी. आचरेकर का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया. रमाकांत आचरेकर खेल क्षेत्र में प्रशिक्षकों को दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मान 'द्रोणाचार्य पुरस्कार' से सम्मानित थे. उन्हें 2010 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था.

दिब्येंदु पालित

3 जनवरी, 2019 को कालेकाता में बांग्ला भाषा के प्रसिद्ध उपन्यासकार दिब्येंदु पालित का 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया. पालित को 1998 में उनके उपन्यास 'अनुभव' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. उनके 42 उपन्यास, 26 कहानी संग्रह, 10 कविता संग्रह और चार निबंध संग्रह प्रकाशित है.

विष्णु हरि डालमिया

16 जनवरी, 2019 को नई दिल्ली में विश्व हिन्दू परिषद् के पूर्व अध्यक्ष विष्णु हरि डालमिया का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया. विश्व हिन्दू परिषद् के अन्य नेताओं के साथ राम जन्म-भूमि आन्दोलन में विशेष सक्रिय वह रहे थे.

जॉर्ज फर्नांडिस

29 जनवरी, 2019 को नई दिल्ली में वरिष्ठ समाजवादी नेता व पूर्व केन्द्रीय मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस का 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया. श्रमिक नेता

MAGAZINE KING

एवं पत्रकार रहे जॉर्ज फर्नांडिस ने समता पार्टी की स्थापना की थी. 1967 से 2004 के दौरान 9 बार लोक सभा के लिए वह निर्वाचित हुए थे. वह 1998 से 2004 तक राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की केन्द्रीय सरकार में रक्षा मंत्री थे. केन्द्र में विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व वाली सरकार में रेल मंत्री तथा अटल बिहारी वाजेपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में रक्षा मंत्री वह रहे थे.

नामवर सिंह

19 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली में हिन्दी के प्रख्यात साहित्यकार व समालोचक नामवर सिंह का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया. नामवर सिंह की गणना हिन्दी के शीर्षस्थ आलोचकों में की जाती है. साहित्य अकादमी पुरस्कार (1971, **कृति**–कविता के नए प्रतिमान), दिल्ली अकादमी के शलाका सम्मान, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के साहित्य भूषण सम्मान जैसे साहित्यिक पुरस्कारों से वह सम्मानित थे. 'बकलम खुद', 'छायावाद', 'इतिहास और आलोचना', 'कहानी : नई कहानी', 'कविता के नए प्रतिमान', 'दूसरी परम्परा की खोज', 'वाद विवाद और संवाद' आदि उनकी प्रमुख रचनाओं में शामिल हैं.

मनोहर पर्रिकर

17 मार्च, 2019 को गोवा के पंजिम में भारतीय जनता पार्टी के बहुचर्चित नेता व गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर का निधन हो गया. वह लम्बे समय से अग्नाशय के कैंसर से पीड़ित थे. मनोहर पर्रिकर की गणना भारतीय जनता पार्टी के सबसे अगणी नेताओं में की जाती है. वह युवावस्था में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवा संघ (RSS) से जुड़ गए थे. वह 24 अक्टूबर, 2000 को पहली बार गोवा के मुख्यमंत्री बने. वर्ष 2000 से 2005 तथा 2012 से 2014 तक वह गोवा के मुख्यमंत्री रहे. 9 नवम्बर, 2014 से 13 मार्च, 2017 के मध्य वह केन्द्रीय रक्षामंत्री रहे.

हाकू शाह

21 मार्च 2019 को अहमदाबाद में प्रसिद्ध भारतीय चित्रकार हाकू शाह (पूरा नाम–हाकूभाई वजुभाई शाह) का 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया. हाकू शाह जनजातीय व लोक कला के विषयों पर आधारित अपनी चित्रकारी के लिए जाने जाते थे. हाकू शाह को कला में योगदान के लिए 1989 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था.

कार्तिक चंद्र रथ

1 अप्रैल, 2019 को प्रसिद्ध थियेटर आयोजन व नाटककार कार्तिक चंद्र रथ का 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया. रथ को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, ओडिशा नाटक अकादमी पुरस्कार आदि से सम्मानित किया गया था.

नवतेज हुंदल

8 अप्रैल, 2019 को प्रसिद्ध अभिनेता नवतेज हुंदल का निधन हो गया. उन्होंने 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' फिल्म में तत्कालीन गृहमंत्री राजनाथ सिंह की भूमिका निभाई थी. उन्होंने टीवी शो 'भारत एक खोज' में भी काम किया था.

हीरालाल यादव

मई 2019 में वाराणसी में लोकगायिकी की महत्वपूर्ण विधा बिरहा के प्रसिद्ध गायक हीरालाल यादव का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया. वह यश भारती, संस्कार भारती व उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के पुरस्कारों से सम्मानित थे. वर्ष 2019 में ही उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया था.

राजनाथ सिंह 'सूर्य'

जून 2019 में लखनऊ में भाजपा के पूर्व राज्य सभा सदस्य व प्रसिद्ध पत्रकार राजनाथ सिंह 'सूर्य' का निधन हो गया. वह नवम्बर 1996 से नवम्बर 2002 तक राज्य सभा के सदस्य रहे.

प्रकाश पंत

4 जून, 2019 को अमरीका में उत्तराखण्ड के वित्त मंत्री प्रकाश पंत का निधन हो गया. वह पिथौरागढ़ से भाजपा के विधायक तथा पेशे से फार्मासिस्ट थे. 9 नवम्बर, 2000 को पहाड़ी राज्य के रूप में उत्तराखण्ड के गठन के बाद वह विधान सभा अध्यक्ष भी नियुक्त हुए थे.

गिरीश कर्नाड

10 जून, 2019 को प्रसिद्ध नाट्यकार, साहित्यकार, अभिनेता व फिल्म निर्देशक गिरीश कर्नाड का निधन हो गया. वह 81 वर्ष के थे. मूलतः कन्नड़ में नाट्य लेखन से साहित्य सृजन करने वाले गिरीश कर्नाड की अनेक रचनाओं का अंग्रेजी में अनुवाद हुआ. अनेक कन्नड़ फिल्मों के साथ-साथ हिन्दी फिल्मों में भी भूमिकाएं उन्होंने निभाई थी. 1974-75 के दौरान पुणे स्थित फिल्म एण्ड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इण्डिया के निदेशक वह रहे थे. गिरीश कर्नाड साहित्य अकादमी पुरस्कार (1994), ज्ञानपीठ पुरस्कार (1998), कालिदास सम्मान (1998), पद्मश्री (1974) व पद्म भूषण (1992) जैसे सम्मानों से सम्मानित थे. प्रसिद्ध कन्नड़ फिल्म 'संस्कार' (1970) से अभिनय व पटकथा लेखन के क्षेत्र में प्रवेश किया था.

बसन्त कुमार बिड़ला

3 जुलाई, 2019 को प्रसिद्ध उद्योगपति बसन्त कुमार बिड़ला का मुम्बई में निधन हो गया. वह 98 वर्ष के थे. 12 जनवरी, 1921 ई. को जन्मे बसन्त कुमार बिड़ला घनश्याम दास बिड़ला के सबसे छोटे पुत्र थे. वह सेंचुरी टेक्सटाइल्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के चेयरमैन थे. शिक्षा के क्षेत्र में भी बसन्त कुमार बिड़ला का उल्लेखनीय योगदान रहा है. उन्होंने आत्मकथा 'सवंत सुखाय' सहित कई पुस्तकें भी लिखीं.

पुरोवी बोरमुदोई

15 जुलाई, 2019 को प्रसिद्ध असमी साहित्यकार एवं लेखिका पुरोबी बोरमुदोई का निधन हो गया. वह 69 वर्ष की थीं. उन्होंने अपनी साहित्यिक यात्रा कविताओं से प्रारम्भ की थी, लेकिन बाद में उन्होंने लघु कथाओं एवं पूर्व उपन्यासों के जरिए अपनी पहचान बना ली. उन्हें उनकी पुस्तक 'शांतानुकूलानंदन' के लिए वर्ष 2007 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था.

स्वरूप दत्ता

17 जुलाई, 2019 को प्रसिद्ध बंगाली अभिनेता स्वरूप दत्ता का निधन हो गया. वह 78 वर्ष के थे. उन्होंने वर्ष 1968 में तपन सिन्हा की फिल्म 'अपनजान' से अपने कॅरियर की शुरूआत की थी. उनकी सबसे चर्चित फिल्मों में 'संगीना महतो', 'हारमोनियम', 'पिता-पुत्र', 'मा ओ मेये' शामिल हैं.

शीला दीक्षित

20 जुलाई, 2019 को नई दिल्ली में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित का निधन हो गया. वह 81 वर्ष की थीं. वह 1998-2013 के दौरान 15 वर्षों तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थीं. दिल्ली विधान सभा के लिए 2013 में सम्पन्न चुनाव में आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल से वह चुनाव में पराजित हुई थीं तथा केजरीवाल ने ही मुख्यमंत्री पद पर उन्हें विस्थापित किया था. दिल्ली की सर्वाधिक समय तक मुख्यमंत्री रहने के साथ-साथ किसी भी राज्य में सर्वाधिक समय तक महिला मुख्यमंत्री होने के रिकॉर्ड उनके नाम दर्ज है.

अटूर रवि वर्मा

26 जुलाई, 2019 को त्रिचुर, केरल में प्रसिद्ध मलयालम साहित्यकार, कवि एवं अनुवादक अटूर रवि वर्मा का निधन हो गया. वह 88 वर्ष के थे. साहित्य जगत के अनेक पुरस्कारों से सम्मानित अटूर रवि वर्मा को केरल सरकार ने भी राज्य के सर्वोच्च साहित्यिक पुरस्कार से सम्मानित किया था.

एस. जयपाल रेड्डी

28 जुलाई, 2019 को हैदराबाद के एक अस्पताल में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व केन्द्रीय मंत्री एस. जयपाल रेड्डी का निधन हो गया. वह 77 वर्ष के थे. चार बार विधायक, 5 बार लोक सभा के सदस्य व दो बार राज्य सभा के सदस्य वह चुने गए थे.

सुबीर वी. गोकर्ण

30 जुलाई, 2019 को अमरीका में प्रसिद्ध अर्थशास्त्री सुबीर वी. गोकर्ण का निधन हो गया. वह 59 वर्ष के थे. वह अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के निदेशक मण्डल में भारत द्वारा नामित निदेशक दिसम्बर 2015 से थे. इस पद पर रहते हुए भारत के अतिरिक्त श्रीलंका, बांग्लादेश व भूटान का प्रतिनिधित्व वह कर रहे थे. इस पद पर उनका कार्यकाल अक्टूबर 2019 तक था. इससे पूर्व 2009-12 के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक में डिप्टी गवर्नर वह रहे थे.

सुषमा स्वराज

6 अगस्त, 2019 को भाजपा की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुषमा स्वराज का निधन हो गया. वह 67 वर्ष की थीं. उनके इस असामयिक निधन से पूरा देश शोक में डूब गया. सुषमा स्वराज का जन्म 14 फरवरी, 1952 को अम्बाला छावनी, हरियाणा में हुआ था. सुषमा स्वराज को भारतीय संसद से लेकर संयुक्त राष्ट्र महासभा तक हिन्दी में सशक्त व प्रखर भाषण देने के लिए सराहा जाता था. सुषमा स्वराज अक्टूबर 1998 से दिसम्बर 1998 तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं. वह दिल्ली की पहली महिला मुख्यमंत्री थीं. वह वर्ष 2009 से 2019 के दौरान विदिशा (मध्य प्रदेश) से लोक सभा सदस्य रहीं. इसके अतिरिक्त वर्ष 1996 से

MAGRAM Kite

भी लोक सभा सदस्य रहीं थीं. वह देश की पहली महिला राजनेता थीं जिन्हें वर्ष 2004 में **'उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार'** से सम्मानित किया गया था.

दामोदर गणेश बापट

16 अगस्त, 2019 को बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता दामोदर गणेश बापट का निधन हो गया. बापट को छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्रों में सामाजिक कार्यों के लिए जाना जाता है. उन्होंने अपना जीवन जांजगीर-चांपा जिले के सोठी गाँव में भारतीय कुष्ठ निवारक संघ द्वारा संचालित आश्रम में कुष्ठ रोगियों के उपचार और सेवा के लिए समर्पित कर दिया था. उन्हें वर्ष 2018 में समाज के प्रति उनकी सेवा के लिए देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार **पद्म श्री** से सम्मानित किया गया था.

नीलम शर्मा

17 अगस्त, 2019 को चर्चित दूरदर्शन समाचार वाचिका नीलम शर्मा का निधन हो गया. वह विगत 20 वर्षों से दूरदर्शन से जुड़ी हुई थीं. उन्होंने इस दौरान तेजस्विनी से लेकर बड़ी चर्चा जैसे कई लोकप्रिय कार्यक्रमों का संचालन किया. वर्ष 2018 में उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था.

जगन्नाथ मिश्र

19 अगस्त, 2019 को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री जगन्नाथ मिश्र का निधन हो गया. वह 82 वर्ष के थे. वह तीन बार (वर्ष 1975-77, वर्ष 1980-83 तथा वर्ष 1989-90) बिहार के मुख्यमंत्री रहे. वह पहली बार वर्ष 1968 में मुजफ्फरपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से बिहार विधान परिषद् के सदस्य चुने गए थे. वह वर्ष 1972, 1977, 1980, 1985 और 1990 में पाँच बार लगातार मधुबनी जिले के झंझारपुर विधान सभा क्षेत्र से विधान सभा के लिए चुने गए. वह वर्ष 1988 और वर्ष 1994 में राज्य सभा के लिए भी निर्वाचित हुए थे. पीवी नरसिम्हा राव मंत्रिमण्डल में उन्होंने केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री और पुनः केन्द्रीय कृषि मंत्री के रूप में कार्य किया था. वर्ष 1980 में उन्होंने बिहार में उर्दू को दूसरे राजकीय भाषा का दर्जा दिलाया था.

मोहम्मद जहूर खय्याम

19 अगस्त, 2019 को प्रसिद्ध संगीतकार मोहम्मद जहूर खय्याम का निधन हो गया. वह 92 वर्ष के थे. बॉलीवुड फिल्म इण्डस्ट्री में उन्होंने लगभग 40 वर्ष तक कार्य किया और लगभग 35 से अधिक चर्चित फिल्मों में संगीत दिया. उन्होंने 'कभी-कभी', 'रजिया सुल्तान', 'हीर-रांझा', 'उम. राव जान' जैसी कई चर्चित फिल्मों में संगीत दिया. वर्ष 1977 में फिल्म 'कभी कभी' तथा वर्ष 1982 में फिल्म 'उमराव जान' हेतु उन्हें सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक का फिल्म फेयर पुरस्कार प्रदान किया गया था. वर्ष 1982 में ही उन्हें फिल्म उमराव जान के लिए सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. वर्ष 2010 में उन्हें फिल्म फेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड, वर्ष 2011 पद्म भूषण तथा वर्ष 2018 में हृदयनाथ मंगेशकर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था.

बाबूलाल गौर

21 अगस्त, 2019 को मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बाबूलाल गौर का निधन हो गया. वह 89 वर्ष के थे. बाबूलाल गौर का जन्म 2 जून, 1930 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ के नौगीर गाँव में हुआ था. वह वर्ष 2004 से 2005 तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे. वह भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक सदस्य भी थे.

अरुण जेटली

24 अगस्त, 2019 को भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली का एम्स, नई दिल्ली में निधन हो गया. 66 वर्षीय जेटली लम्बे समय से बीमारी से जूझ रहे थे. उन्हें सांस लेने में तकलीफ के बाद 9 अगस्त, 2019 को एम्स, नई दिल्ली में भर्ती कराया गया था. उनका सॉफ्ट टिश्यू कैंसर का इलाज भी चल रहा था. उनके निधन के समाचार से पूरा देश शोक की लहर में डूब गया. वह भाजपा के संकटमोचक के रूप में जाने जाते हैं. उन्हें एक कुशल वक्ता, तेज तर्रार वकील, सशक्त रणनीतिकार के साथ ही एक खुशदिल इंसान के रूप में जाना जाता है.

राम जेठमलानी

8 सितम्बर, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय के चर्चित वरिष्ठ वकील राम जेठमलानी का निधन हो गया. वह 95 वर्ष के थे. वह देश के सबसे बेहतरीन वकीलों में से एक थे. केन्द्र की वाजपेयी सरकार में राम जेठमलानी ने कानून मंत्रालय भी सँभाला था. राम जेठमलानी को आपराधिक मामलों का विशेषज्ञ माना जाता था. वर्ष 1959 में प्रथम बार के.एम. नानावती *बनाम* महाराष्ट्र सरकार का मुकदमा लड़ने के बाद उनका नाम सुर्खियों में आया था. इसके अतिरिक्त उन्होंने राजीव गांधी के हत्यारों के पक्ष में भी केस लड़ा था. स्कॉट मार्केट घोटाले में हर्षद मेहता और केतन पारेख का केस भी उन्होंने लड़ा था.

सथार

17 सितम्बर, 2019 को मलयालम फिल्म अभिनेता सथार (Sathar) का निधन हो गया. वह 67 वर्ष के थे. 70 के दशक में एम. कृष्णन नायर द्वारा निर्देशित फिल्म भार्याये अवश्यामुन्दु समरप्यनम से सथार ने अपने फिल्म कॅरियर की शुरूआत की थी. नायक के तौर पर अभिनय ए. विसेंट द्वारा निर्देशित फिल्म अनावरनम् में 1977 में किया. वर्ष 2012 में आशिक अबू की फिल्म 22 फीमेल कोटयम में इनके द्वारा की गयी भूमिका के लिए जाना गया. वर्ष 2015 में अभिलाष विजय, जोसेफ और वी.एस. श्रीकांत द्वारा निर्देशित फिल्म ओन्नम मुतु में इन्हें अन्तिम बार देखा गया.

वी. गनेशन

29 सितम्बर, 2019 को भारतीय राष्ट्रीय सेना (Indian National Army) से सम्बद्ध रहे वी. गनेशन का निधन हो गया. वह 94 वर्ष के थे. वी. गनेशन 18 वर्ष की आयु में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की भारतीय राष्ट्रीय सेना में शामिल हुए और सिंगापुर में छः माह का सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया. म्यांमार में ब्रिटिश सेना के विरुद्ध लड़ाई में भाग लेते हुए वी. गनेशन को गिरफ्तार किया गया था और यांगून जेल में 10 महीने तक कैद में रखा गया था. कैद के पश्चात् इन्हें भारत वापस भेज दिया गया. इन्होंने तमिलनाडु के नागापट्टिनम जिले के वेदारण्यम् के पास सेम्बोडई गाँव में एक सार्वजनिक धर्मार्थ संस्था नेता जी अस्पताल की स्थापना की गई है.

बीजू खोटे

30 सितम्बर, 2019 को बॉलीवुड के सुप्रसिद्ध अभिनेता बीजू खोटे का निधन हो गया. वह 77 वर्ष के थे. बॉलीवुड एक्टर बीजू खोटे को फिल्म शोले से पहचान मिली थी. इस फिल्म में बीजू ने 'कालिया' का चर्चित व कालजयी किरदार निभाया था. उन्होंने हिन्दी एवं मराठी फिल्मों में लगभग 300 फिल्मों में अभिनय किया था.

एम. गोपाल गौडा

2 अक्टूबर, 2019 को कुडमी कोंकड़ी (Kudmi Konkani) के प्रसिद्ध लोक कलाकार एम. गोपाल गौडा (M. Gopal Gowda) का निधन हो गया. वह 64 वर्ष के थे. कुडमी कोंकड़ी लोक साहित्य के उत्थान हेतु किए गए योगदान के लिए एम. गोपाल गौडा को कोंकड़ी साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2002 में 'जनपद प्रशास्त पुरस्कार', वर्ष 2014 में दक्षिण कन्नड़ जिला प्रशासन द्वारा 'राज्योत्सव' पुरस्कार तथा सन् 2017 में माण्ड शोभनम् पुरस्कार प्रदान किया गया था.

अन्य विविध बहुचर्चित राष्ट्रीय घटनाएं

मानसिक रोगियों के फाँसी का प्रकरण

18 अप्रैल, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया कि मानसिक रोगी को फाँसी की सजा नहीं दी जा सकती है. सर्वोच्च न्यायालय के इस ऐतिहासिक फैसले से मृत्यु की सजा पाए उन कैदियों के लिए नई उम्मीद पैदा हो गई है, जो दोष सिद्धि के बाद गम्भीर मानसिक बीमारियों से ग्रसित हो गए. यह निर्णय न्यायमूर्ति एन.वी. रमन की अध्यक्षता वाली न्यायमूर्ति एम.एम. शांतानागौदर व इंदिरा बनर्जी की तीन सदस्यीय बेंच द्वारा दिया गया. पीठ ने कहा कि मौत की सजा पाए व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति अब अपीलीय कोर्ट के लिए उसे फाँसी की सजा घटाने का कारक होगा.

अभिनन्दन वर्तमान प्रकरण

27 फरवरी, 2019 को नापाक इरादे से भारतीय सीमा में घुसे पाकिस्तानी वायु सेना के एक एफ-16 विमान को मार गिराने के पश्चात् भारतीय वायु सेना का एक मिग-21 विमान क्रैश हो गया तथा इसके चालक विंग कमाण्डर अभिनन्दन वर्तमान को पाकिस्तान ने हिरासत में ले लिया था. विंग कमाण्डर अभिनन्दन के पाकिस्तानी सेना के गिरफ्त में आने से पूरा देश स्तब्ध रह गया तथा उनकी सुरक्षित रिहाई के लिए पाकिस्तान पर दबाव डालने के साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक प्रयास भी भारत द्वारा किए गए. पाकिस्तान को अन्ततः 1 मार्च, 2019 को बाघा सीमा पर अभिनन्दन को भारत को सौंपना पड़ा.

शेष पृष्ठ 191 पर

MAGAZINE KING

अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

विश्व के तनावग्रस्त क्षेत्र/ बहुचर्चित प्रकरण/चर्चित मुद्दे

विश्व के 50 महानतम नेताओं की फॉर्च्यून सूची-2019

विगत वर्षों की भाँति अमरीका की चर्चित वाणिज्यिक पत्रिका **'फॉर्च्यून'** ने 20 अप्रैल, 2019 को विश्व के 50 महानतम नेताओं (50 Greatest Leaders of the World) की वर्ष 2019 की सूची प्रकाशित की. फॉर्च्यून की इस सूची में अमरीका के **बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स** का स्थान शीर्ष पर दर्ज किया गया है. न्यूजीलैण्ड के प्रधानमंत्री **जेसिडा एर्डर्न** को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है. अमरीकी न्याय मंत्रालय में विशेष अधिवक्ता रहे **रॉबर्ट म्यूलर** तीसरे स्थान पर हैं. चीनी उद्यमी **पोनी मा** (Ponny Ma) व भारतीय मूल की अमरीकी सत्या नाडेला का क्रमशः चौथा व पाँचवाँ स्थान है.

☞ फॉर्च्यून की इस सूची में भारत के केवल एक व्यक्ति कोयम्बटूर के सामाजिक उद्यमी **अरुणाचलम मुरुगांथम** को 45वाँ स्थान प्राप्त हुआ है. अरुणाचलम मुरुगांथम पैडमैन (Pad Man) के रूप में विख्यात हैं तथा बालिकाओं के लिए काफी कम लागत वाले सेनेटरी पैड्स का निर्माण करने वाली मिनी-मशीन का विकास उन्होंने किया है.

भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट-2018

विभिन्न देशों में भ्रष्टाचार की स्थिति पर नजर रखने वाली/आकलन करने वाली अमरीका स्थित स्वतंत्र अन्तर्राष्ट्रीय जर्मन संस्था **ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल** की वर्ष 2018 की रिपोर्ट 29 जनवरी, 2019 में जारी की गई. भ्रष्टाचार धारणा/बोध सूचकांक (CPI—Corruption Perceptions Index) के आधार पर जारी इस रिपोर्ट में गत वर्ष की भाँति 180 देशों के लिए यह सूचकांक जारी किए गए हैं. **ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल** की वर्ष 2017 की रिपोर्ट में सर्वोच्च 88 भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक **डेन्मार्क** के लिए आकलित किया गया है. इसका अर्थ यह है कि यह डेन्मार्क सबसे कम भ्रष्टाचार वाला देश है. वर्ष 2017 की रिपोर्ट में 89 भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक के साथ **न्यूजीलैण्ड** सबसे कम भ्रष्ट देश आकलित किया गया था, वर्ष 2018 की सूची में वह इस मामले में दूसरे स्थान पर है. इस मामले में सबसे निचले स्थान पर गत वर्ष की भाँति **सोमालिया** है जिनके लिए भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 10 (सबसे कम) आकलित है. इसका आशय है सोमालिया में सबसे अधिक भ्रष्टाचार है. डेन्मार्क के बाद न्यूजीलैण्ड का दूसरा व फिनलैण्ड का तीसरा स्थान है. 85 सूचकांक के साथ सिंगापुर, स्वीडन व स्विट्जरलैण्ड भी इस वर्ष संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर ही हैं.

अमरीका द्वारा गोलन पहाड़ियों पर इजरायली सम्प्रभुता को मान्यता

मध्य-पूर्व राजनीति को प्रभावित करने वाले एक फैसले के तहत् अमरीका ने **गोलन पहाड़ियों** (Golan Heights) पर इजरायली सम्प्रभुता को मार्च 2019 में मान्यता प्रदान की. इस विवादित क्षेत्र को इजरायल का ही भाग स्वीकार करने की घोषणा पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 25 मार्च, 2019 को हस्ताक्षर किए. सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस इलाके को इजरायल ने 1967 के युद्ध में सीरिया से छीन लिया था और उसके बाद उसे वापस नहीं किया था. गोलन पहाड़ियों पर इजरायली कब्जे को विश्व ने कभी मान्यता प्रदान नहीं की. तकनीकी दृष्टि से इसे 'इजरायली सेना के कब्जे वाले सीरियाई क्षेत्र' के रूप में जाना जाता रहा है. गोलन पहाड़ियों को इजरायली क्षेत्र के रूप में मान्यता देने वाला अमरीका पहला ही देश है.

ऐतिहासिक आईएनएफ संधि की समाप्ति

परमाणु हथियारों के नियंत्रण के लिए अमरीका व तत्कालीन सोवियत संघ के बीच तीन दशक पूर्व हुई ऐतिहासिक आईएनएफ संधि–मध्यम दूरी परमाणु शक्ति संधि (INF Treaty—Intermediate Range Nuclear Forces Treaty) का औपचारिक अंत 2 अगस्त, 2019 को हो गया. इस सन्धि पर 8 दिसम्बर, 1987 को तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन व तत्कालीन सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचोव ने वाशिंगटन में हस्ताक्षर किए थे तथा 1 जून, 1988 से प्रभावी हुई थी. इस संधि के तहत् मध्यम दूरी अर्थात् 5500 किमी दूरी तक जमीन से मार करने वाली मिसाइलों के उत्पादन को प्रतिबन्धित किया गया था तथा संधि के तहत् 1991 तक लगभग 2700 ऐसी मिसाइलों को नष्ट किया गया था.

रूस पर संधि के उल्लंघन के आरोप लगाते हुए अमरीका इससे हटने की घोषणा अक्टूबर 2018 में ही कर चुका था तथा संधि को निलम्बित करने की घोषणा अमरीका ने 1 फरवरी, 2019 को कर दी थी. इसके पश्चात् रूस ने भी संधि को निलम्बित कर दिया था. इस संधि के समापन से विश्व में नए परमाणु हथियारों के विकास की होड़ शुरू हो गई है. सन्धि से हटने के दो सप्ताह के भीतर अमरीका ने एक मीडियम रेंज क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया. यह परीक्षण अमरीकी नौसेना द्वारा नियंत्रित सैन निकोलस (San Nicolas) द्वीप से 18 अगस्त, 2019 को किया गया.

वेनेजुएला पर अमरीका के नए प्रतिबन्ध

वेनेजुएला की निकोलस मादुरो के नेतृत्व वाली सरकार, जिसे अमरीका सहित 50 से अधिक देशों ने मान्यता प्रदान नहीं की हुई है, के विरुद्ध कुछ और नए प्रतिबन्ध अमरीका के ट्रंप प्रशासन ने अगस्त 2019 में आरोपित किए. इनके तहत् वेनेजुएला सरकार की अमरीका में मौजूद सभी सम्पत्तियों को फ्रीज किया गया है. मादुरो द्वारा सत्ता पर अवैध कब्जा किए जाने से वहाँ हो रहे मानवाधिकार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के हनन के परिप्रेक्ष्य में उन्हें सत्ता से हटने के लिए दबाव बनाने के लिए अमरीका द्वारा यह कदम उठाया गया.

उल्लेखनीय है कि वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद के लिए पिछले चुनाव मई 2018 में सम्पन्न हुए थे, जिसमें निकोलस मादुरो ही भारी बहुमत से 6 वर्ष के लगातार दूसरे कार्यकाल हेतु निर्वाचित घोषित किए गए थे. इस चुनाव को महज एक दिखावा बताते हुए अमरीका सहित अनेक देशों ने इसे अवैध करार दिया था, जबकि चीन, रूस, द. अफ्रीका, क्यूबा, ईरान, मिस, टर्की, सीरिया आदि देशों ने इसे मान्यता प्रदान की थी.

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन/चर्चित संगठन/बैठक

रूस, भारत और चीन के विदेश मंत्रियों की 16वीं बैठक

27 फरवरी, 2019 को चीन के झेजियांग प्रांत में रूस, भारत और चीन (Russia, India, China–RIC) के विदेश मंत्रियों की 16वीं बैठक संपन्न हुई. आरआईसी की बैठक इसलिए महत्त्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि रूस, भारत और चीन अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में महत्त्वपूर्ण स्थान रखते हैं और दुनिया की घटनाओं को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं. इस बैठक में तीनों देशों ने बहुपक्षवाद और संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की.

अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला, 2019

24-30 अप्रैल, 2019 के दौरान संयुक्त अरब अमीरात में आबूधाबी में 29वें अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले का आयोजन हुआ. 50 से अधिक देशों के एक हजार से अधिक प्रकाशकों ने पुस्तकों का प्रदर्शन इसमें किया. भारत के 30 से अधिक प्रकाशक इसमें शामिल थे. भारत को **विशिष्ट मेहमान देश** (Guest of Honour Country) का दर्जा इस मेले में प्रदान किया गया था.

जी-20 का 14वाँ शिखर सम्मेलन

जी-20 का 14वाँ शिखर सम्मेलन 28-29 जून, 2019 के दौरान ओसाका (जापान) में सम्पन्न हुआ. इस शिखर सम्मेलन का आयोजन जापान में पहली बार हुआ. इस सम्मेलन का **थीम** था–**मानव केन्द्रित भावी समाज** (Human Centered Future Society). जी-20 के **सदस्य देश**–अर्जेन्टीना, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इण्डोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, द. अफ्रीका, द. कोरिया, टर्की, ब्रिटेन व अमरीका एवं यूरोपीय संघ. सदस्य देशों में ही बारी-बारी से किसी देश में इसका शिखर सम्मेलन आयोजित होता है. इसका आगामी 15वाँ शिखर सम्मेलन 21-22 नवम्बर, 2020 के दौरान **रियाद** (सऊदी अरब) में प्रस्तावित है.

सीका (CICA) का 5वाँ शिखर सम्मेलन

14-15 जून, 2019 के दौरान **दुशांबे** (ताजिकिस्तान) में **सीका** (CICA—Conference on Interaction and Confidence Building Measures in Asia) का 5वाँ शिखर सम्मेलन सम्पन्न हुआ. यह इस संगठन का पाँचवाँ शिखर सम्मेलन था. इस 5वें शिखर सम्मेलन का **थीम** था–**एक सुरक्षित एवं अधिक समृद्ध सीआईसीए क्षेत्र हेतु साझा दृष्टिकोण** (Shared Vision of Secure and More Prosperous CICA).

MAGANMAT.C

विश्व व्यापार संगठन (WTO) का मंत्रिस्तरीय सम्मेलन

13-14 जून, 2019 के दौरान **नई दिल्ली** में विकासशील देशों का विश्व व्यापार संगठन (WTO—World Trade Organisation) का मंत्रिस्तरीय सम्मेलन सम्पन्न हुआ. सम्मेलन में डब्ल्यूटीओ के महानिदेशक **रॉबर्टो अजेवेडो** सहित 22 देशों के उच्चाधिकारियों ने भाग लिया. इस सम्मेलन का उद्देश्य बहुपक्षीयवाद को बढ़ावा देना तथा निर्णय लेने की प्रक्रिया को और अधिक समावेशी बनाना था.

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) का 19वाँ शिखर सम्मेलन

13-14 जून, 2019 के दौरान किर्गिस्तान में **बिश्केक** में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) का 19वाँ शिखर सम्मेलन सम्पन्न हुआ. सम्मेलन की समाप्ति पर 22 विभिन्न घोषणा-पत्र जारी हुए. इनमें मुख्य **बिश्केक घोषणा-पत्र** (Bishkek Declaration) में आतंकवाद की कड़ी भर्त्सना की गई. चीन की पहल पर ग्लोबल कनेक्टिविटी हेतु निर्माणाधीन **बैल्ट एण्ड रोड इनीशिएटिव** (BRI—Belt and Road Initiative), जिसका प्रबल विरोध भारत द्वारा किया जाता रहा है, के दस्तावेज पर भारत के अतिरिक्त एससीओ के अन्य सभी सदस्यों ने हस्ताक्षर किए. संगठन का **20वाँ शिखर सम्मेलन** वर्ष 2020 में **रूस** में प्रस्तावित है.

सुरक्षा परिषद् के स्थायी/अस्थायी सदस्य

15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद् के पाँच अस्थायी सदस्यों—स्टोनिया, नाइजर, ट्यूनीशिया, वियतनाम, सेंटविसेंट व ग्रेनाडाइंस का 7 जून, 2019 को संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा के 73वें सत्र में किया गया. इनका कार्यकाल 1 जनवरी, 2020 से प्रारम्भ होगा. इसके साथ ही सुरक्षा परिषद् की संरचना अब इस प्रकार हो गई है—

- **स्थायी सदस्य (5)** : अमरीका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस व चीन
- **अस्थायी सदस्य (10)** :

(1) 1 जनवरी, 2018 से 31 दिसम्बर, 2019 तक कार्यकाल : आइवरी कोस्ट, इक्वेटोरियल गुनिया, कुवैत, पोलैण्ड व पेरू

(2) 1 जनवरी, 2019 से 31 दिसम्बर, 2020 तक कार्यकाल : जर्मनी, बेल्जियम, दक्षिणी अफ्रीका, डोमिनिकल गणराज्य व इण्डोनेशिया

(3) 1 जनवरी, 2020 से 31 दिसम्बर, 2021 तक कार्यकाल : एस्टोनिया, नाइजर, ट्यूनीशिया, वियतनाम, सेंटविसेंट व ग्रेनाडाइंस

9वाँ सार्क (SAARC) फिल्म महोत्सव

2-7 जुलाई, 2019 के दौरान कोलम्बो, श्रीलंका में सम्पन्न 9वाँ सार्क (SAARC) फिल्म महोत्सव सम्पन्न हुआ. इस फिल्म महोत्सव में कौशिक गांगुली द्वारा निर्देशित भारतीय बांग्ला फिल्म 'नगर कीर्तन' ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म सहित 4 पुरस्कार जीते.

तिजानी मोहम्मद बांडे : संयुक्त राष्ट्र महासभा के 74वें सत्र के अध्यक्ष

तंजानिया के तिजानी मोहम्मद बांडे (Tijani Muhammad Bande) संयुक्त राष्ट्र संघ में सितम्बर 2019 में प्रारम्भ संयुक्त राष्ट्र महासभा के 74वें सत्र की अध्यक्ष नियुक्त किए गए है. इनका चुनाव 4 जून, 2019 को हुआ. 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष पद पर इनका कार्यकाल एक वर्ष का होगा.

भारत को महासभा की अध्यक्षता का अवसर 1953 में मिला था, जब भारत की श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली महिला अध्यक्ष बनी थीं.

- **70वाँ** (2015)–मोगेंस लिकेटोफ्ट (डेनमार्क)
- **71वाँ** (2016)–पीटर थॉमसन (फिजी)
- **72वाँ** (2017)–मिरोस्लाव लैजकक (Miroslav Lajcak) (स्लोवाकिया)
- **73वाँ** (2018)–मारिया फर्नांडा एस्पिनोसा (Maria Fernanda Espinosa) (इक्वाडेर)

जी-7 का 45वाँ शिखर सम्मेलन

24-26 अगस्त, 2019 के दौरान फ्रांस के **बायरिट्स** में औद्योगिक रूप से विकसित देशों के समूह जी-7 का 45वाँ शिखर सम्मेलन सम्पन्न हुआ. इस शिखर सम्मेलन में जी-7 देशों ने मुक्त और निष्पक्ष वैश्विक व्यापार के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की. जी-7 देशों ने विश्व व्यापार संगठन में सुधार, क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की.

- जी-7 के सदस्य देश–फ्रांस, जर्मनी, अमरीका, ब्रिटेन, जापान, इटली व कनाडा.
- 1998 में रूस जी-7 से जुड़ा था तथा जी-7 बदलकर जी-8 हो गया था, परन्तु 2014 में रूस के निलंबन के बाद यह जी-7 के रूप में ही बना रहा.

गुटनिरपेक्ष आन्दोलन (नाम) का 18वाँ शिखर सम्मेलन

25-26 अक्टूबर, 2019 के दौरान अजरबेजान की राजधानी **बाकू** में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन (NAM—Non-Aligned Movement) का 18वाँ शिखर सम्मेलन सम्पन्न हुआ. इस शिखर सम्मेलन में भारतीय शिष्टमण्डल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने किया था. 'नाम' के 120 सदस्य देशों, पर्यवेक्षकों व अन्य विशेष आमंत्रितों सहित 160 देशों तथा अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. दो दिन चले इस शिखर सम्मेलन में स्वीकार किए गए घोषणा-पत्रों में संयुक्त राष्ट्र संघ के दायरे में बहुपक्षवाद को सशक्त बनाने पर बल दिया गया. संयुक्त राष्ट्र संघ के दायरे के तहत् ही आतंकवाद के प्रति नाम की एकजुटता संयुक्त घोषणा-पत्र में व्यक्त की गई.

- इस शिखर सम्मेलन का **थीम** था–Upholding Bandung Principles to ensure a concerted and adequate response to the challenges of the contemporary world.
- वेनेजुएला पिछले तीन वर्षों से (17वें शिखर सम्मेलन से) 'नाम' का अध्यक्ष था. अब अगले तीन वर्षों तक (19वें शिखर सम्मेलन तक) यह अध्यक्षता अब अजरबैजान के पास रहेगी.

मरुस्थलीकरण से निपटने को यूएन कन्वेंशन के पक्षों का 14वाँ सम्मेलन (CoP-14)

2-13 सितम्बर, 2019 के दौरान **ग्रेटर नोएडा** में मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र समझौते (UNCCD—United Nations Convention to Combat Desertification) में शामिल देशों का 14वाँ सम्मेलन (CoP-14) सम्पन्न हुआ. इस सम्मेलन का थीम था—Restore Land, Sustain Future था. यह पहला अवसर था, जब 1994 में स्थापित UNCCD के सम्मेलन का आयोजन भारत में हुआ. 10 दिन चले विचार-विमर्श के उपरान्त 13 सितम्बर, 2019 को सम्मेलन में स्वीकार किए गए **दिल्ली घोषणा-पत्र** में पर्यावरणीय सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन (Climate Change), वनों की शांति (Peace forest Initiative) तथा भारत में क्षरण का शिकार हुई 50 लाख हेक्टेयर भूमि के प्रोन्नयन के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की गई.

- सम्मेलन में 196 देशों के 7000 से अधिक प्रतिनिधियों, जिनमें 100 देशों के मंत्री भी शामिल थे, ने भाग लिया.
- इस सम्मेलन के आयोजन के साथ ही UNCCD के CoP की अध्यक्षता 2021 तक के लिए भारत के पास आ गई.
- इस प्रकार की बैठक 2-2 वर्ष के अन्तराल पर होती है.

चुनाव/सत्ता परिवर्तन/सत्ता संघर्ष

मलेशिया

25 जनवरी, 2019 को सुल्तान अब्दुल्ला सुल्तान अहमद शाह (Sultan Abdullah Sultan Ahmad Shah) को मलेशिया के शाही परिवारों के सदस्यों ने पाँच वर्ष के लिए मलेशिया के नए राजा (Yang di-Pertuan Agong) के रूप में चुना. वह मलेशिया के 16वें राजा हैं. 59 वर्षीय मलेशिया के नए राजा को पहले मलेशियाई राज्य पहांग का सुल्तान नियुक्त किया गया था. उन्होंने अपना पद छोड़ने वाले केलांतान (Kelantan) के सुल्तान मुहम्मद पंचम का स्थान लिया है. 31 जनवरी, 2019 को कुआलालम्पुर में **इस्ताना नेगारा** (मलेशिया के राजा का आधिकारिक निवास) में इस संवैधानिक प्रमुख पद की शपथ उन्होंने ग्रहण की.

- मलेशिया के संवैधानिक राजतंत्र में प्रत्येक पाँच वर्ष पर देश का नया राजा चुनने की व्यवस्था है.

वेनेजुएला

10 जनवरी, 2019 को वेनेजुएला के राष्ट्रपति **निकोलस मादुरो** ने भारी विवादों के बीच दोबारा राष्ट्रपति पद की शपथ ली. निकोलस मादुरो को उच्चतम न्यायालय के प्रमुख माइकेल

MAGAZINE KING

मोरेनो ने पद की शपथ दिलाई. वह इस पद पर वर्ष 2019 से वर्ष 2025 तक बने रहेंगे. निकोलस मदुरो को चुनाव में 67·84 प्रतिशत मत मिले थे. वेनेजुएला की राजधानी काराकास में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे. इस शपथ ग्रहण समारोह में 94 देशों का प्रतिनिधिमण्डल शामिल हुए.

यूक्रेन

अप्रैल 2019 में टीवी सीरियल के हास्य अभिनेता के रूप में ख्याति प्राप्त वोलोदिमीर जेलेंस्की (Volodymyr Zelensky) यूक्रेन के नए राष्ट्रपति निर्वाचित हुए. इस पद के लिए दो चरणों में सम्पन्न मतदान में निवर्तमान राष्ट्रपति पेट्रो पोरोशेंको को भारी मतों से उन्होंने पराजित किया. पहले चरण का मतदान 31 मार्च, 2019 व दूसरे चरण का मतदान 21 अप्रैल, 2019 को वहाँ हुआ था. 41 वर्षीय जेलेंस्की ने 3 जून, 2019 को राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार ग्रहण किया.

जापान

जापान के नए सम्राट **नारुहितो** (Naruhito) का कार्यकाल 1 मई, 2019 से प्रारम्भ हुआ. 59 वर्षीय नारुहितो जापान के 126वें सम्राट हैं. 30 अप्रैल, 2019 को उनके पिता अकिहितो (Akihito) ने राजपद को त्याग दिया था. नारुहितो के सम्राट बनने के साथ ही जापान में रेईवा काल आरम्भ हुआ. नारुहितो के पिता अकिहितो पिछले 200 वर्षों में राजपद का त्याग करने वाले पहले जापानी सम्राट हैं. उनके राजपद सँभालने के बाद जापान में रेईवा काल का आरम्भ हो गया है.

- अकिहितो जापान के 125वें सम्राट थे. जापान के 125वें सम्राट के रूप में उनका कार्यकाल 7 जनवरी, 1989 से 30 अप्रैल, 2019 तक रहा. उन्होंने अपने पिता हिरोहितो (शोवा) के निधन के बाद सम्राट का पद सँभाला था. उनके पद सँभालने के साथ **हेइसेइ** काल का आरम्भ हुआ था.
- सम्राट नारुहितो का औपचारिक राज्याभिषेक (Enthronement) 22 अक्टूबर, 2019 को हुआ. इसके साथ ही राजसिंहासन क्राइसैंथिमम थ्रोन उन्होंने सँभाल लिया और उनके जापान के 126वें सम्राट बनने की सभी औपचारिकताएं अब पूर्ण हो गईं.

इंडोनेशिया

इंडोनेशिया के **जोको विडोडो** (Joko Widodo) ने 21 मई, 2019 को अपने प्रतिद्वन्द्वी प्राबाओ सबियांतो को हराकर देश का राष्ट्रपति पद पुनः प्राप्त किया. विडोडो और उनके उपराष्ट्रपति साथी माश्रूफ अमिन ने सबियांतो और सेनडीएगा उनो पर क्रमशः 55·5 प्रतिशत व 44·5 प्रतिशत के अन्तर से चुनाव जीता.

थाईलैण्ड

थाईलैण्ड के नए राजा सम्राट **महा-वाजिरालोंगकोर्न** (Maha Vajiralongkorn) का राजतिलक 4 मई, 2019 को हुआ. उन्हें **राम दशम्** की उपाधि दी गई है. थाईलैण्ड के 70 वर्षों के इतिहास में यह पहला मौका था जब थाईलैण्ड की जनता ने अपने राजा का राज्याभिषेक टीवी पर लाइव देखा. सम्राट महावाजिरालोंगकोर्न चक्री राजवंश के 10वें शासक हैं. यह राजवंश 782 से शासन कर रहा है.

स्लोवाकिया

जुज़ाना कापुतोवा (Zuzana Caputova) स्लोवाकिया की पहली महिला राष्ट्रपति हैं, जिनका कार्यकाल 15 जून, 2019 से प्रारम्भ हुआ. कापुतोवा ने स्लोवाकिया में सम्पन्न राष्ट्रपति चुनाव में 58 प्रतिशत वोटों से जीत हासिल की थी. उन्होंने यूरोपियन कमीशन के उपाध्यक्ष मारोस सेफकोविक को पराजित किया जिन्हें 42 प्रतिशत मत प्राप्त हुए. 46 वर्षीय कापुतोवा तलाकशुदा और दो बच्चों की माँ हैं. वह उदारवादी प्रोग्रेसिव स्लोवाकिया पार्टी की सदस्य है. इस पार्टी की संसद में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है.

- स्लोवाकिया एक ऐसा देश है जहाँ समलैंगिक विवाह व गोद लेने को कानूनी मान्यता नहीं है. कापुतोवा के उदारवादी विचारों से इसे कानूनी स्थिति में लाने में मदद मिलेगी.
- कापुतोवा को स्लोवाकिया में एक वकील के रूप में तब प्रसिद्धि मिली, जब उन्होंने अवैध कचरा भराव क्षेत्र के खिलाफ एक मामले की अगुवाई की. यह 14 वर्षों तक चला.

ग्रीस (यूनान)

8 जुलाई, 2019 को कंजरवेटिव नेता किरियाकोस मित्सोताकिस (Kyriakos Mitsotakies) ने ग्रीस (यूनान) के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की. इस पद पर उन्होंने वामपंथी नेता एलेक्सिस सिप्रास का स्थान लिया. चुनाव में किरियाकोस मित्सोताकिस की 'न्यू डेमोक्रेसी' पार्टी ने लगभग 40 प्रतिशत मत प्राप्त किए.

ब्रिटेन

23 जुलाई, 2019 को बोरिस जॉनसन (Boris Johnson) को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में चुना गया. बोरिस जॉनसन ने चुनाव में अपने प्रतिद्वन्द्वी जेरेमी हंट को भारी मतों से हराया. लंदन के पूर्व मेयर व ब्रिटेन के पूर्व विदेश मंत्री बोरिस जॉनसन कंजरवेटिव पार्टी (Conservative Party) के नेता चुने गए हैं. उन्होंने निवर्तमान प्रधानमंत्री थेरसा का स्थान लिया है. बोरिस जॉनसन ने चुनाव जीतने के बाद **ब्रेजिक्ट** पर पुनः अपनी प्रतिबद्धता जताई. उन्होंने पहले ही यह प्रतिज्ञा कर ली है कि 31 अक्टूबर, 2019 को ब्रिटेन **यूरोपीय संघ** (EU) छोड़ देगा.

अर्जेन्टीना

27 अक्टूबर, 2019 को अर्जेन्टीना में राष्ट्रपति पद के लिए सम्पन्न चुनाव में निकटतम प्रतिद्वन्द्वी निवर्तमान राष्ट्रपति मॉरिसियो माक्री (Mauricio Macri) को पराजित कर 'एवरीवंस फंट' के **एलबर्टो फर्नांडिज़** (Alberto Fernandiz) राष्ट्रपति निर्वाचित हुए. इसी के साथ उनकी सहयोगी क्रिस्टिना फर्नांडिज़ डि किर्चनर उपराष्ट्रपति बनीं. सुश्री किर्चनर 2007-15 के दौरान अर्जेंटीना की राष्ट्रपति रह चुकी हैं, जबकि उससे पूर्व वह वहाँ की 'प्रथम महिला' भी रही थीं.

विज्ञान/प्रौद्योगिकी/अन्तरिक्ष/चिकित्सा

चांग-4 (Chang'e 4)

3 जनवरी, 2019 को चीन के एक यान 'चांग-4' ने पृथ्वी से न दिखने वाले चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखकर इतिहास रच दिया. चीन का चांग-4 चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव 'एटकन घाटी' में कदम रखने वाला पहला अंतरिक्ष यान बन गया है. 'चांग-4' 7 दिसम्बर, 2018 को चीन के शिचांग प्रक्षेपण केन्द्र से भरी उड़ान भरी थी तथा 12 दिसम्बर, 2018 को चन्द्रमा की कक्षा में प्रवेश करने में सफल हुआ था.

नासा के दो यानों का अन्तरिक्ष में इतिहास

1 जनवरी, 2019 को अमरीकी अन्तरिक्ष एजेंसी 'नासा' के दो अन्तरिक्ष यानों ने इतिहास रचा. नासा का एक यान अन्तरिक्ष के सबसे छोटे क्षुद्रग्रह की कक्षा में प्रवेश करने में सफल हुआ. वहीं इसके एक अन्य यान ने अन्तरिक्ष में सबसे दूर स्थित एक ऑब्जेक्ट की सबसे नजदीकी से उड़ान भरी. यह दोनों घटनाएं अन्तरिक्ष विज्ञान के इतिहास में पहली बार हुई हैं, जो अपने आप में एक बड़ा रिकॉर्ड है.

सोफिया (Sophia)

यह एक रोबोट का नाम है. इस रोबोट को बनाकर विश्व में तहलका मचाने वाले वैज्ञानिक डॉ. डेविड हान्सन ने फरवरी 2019 के प्रथम सप्ताह में दावा किया कि वर्ष 2045 तक रोबोट इंसान से शादी के लायक भी हो जाएंगे. इंसानों जैसी समझ वाली रोबोट सोफिया के निर्माता डॉ. डेविड हान्सन (Dr David Hanson) ने यह दावा अपने एक नए शोध-पत्र 'इंटरिंग द एज ऑफ लिविंग इंटेलीजेंट सिस्टम एण्ड एड्रॉयड सोसायटी' (Entering the Age of Living Intelligence Systems and Android Society) में किया है.

एकल उपयोग (Single Use) प्लास्टिक

28 मार्च, 2019 को स्ट्रासबर्ग में प्लास्टिक कचरे के विरुद्ध यूरोपीय संसद ने समुद्र तटों को प्रदूषित करने वाले महासागरों और समुद्रों में उपस्थित एकल-उपयोग (Single Use) वाले प्लास्टिक कचरों जैसे की कटलरी, स्ट्रा, कपास की कलियों आदि पर प्रतिबन्ध लगाने के लिए मतदान किया. यूरोपीय संसद के 560 सदस्यों (MEPs) ने समझौते के पक्ष में मतदान किया तथा 35 सदस्यों ने समझौते के विरुद्ध मतदान किया तथा 28 सदस्य अनुपस्थित थे. यूरोपीय संसद के सदस्यों द्वारा किए गए मतदान के माध्यम से यूरोपीय संघ के सभी सदस्य देशों में वर्ष 2021 तक एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबन्ध लगाने का फैसला किया है.

मोस्कीरिक्स (Mosquirix)

25 अप्रैल, 2019 को विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर अफ्रीकी देश मलावी में विश्व में पहले मलेरिया के टीके को लांच किया गया. मलेरिया के इस टीके का नाम मोस्कीरिक्स रखा गया है. इसे ब्रिटिश फार्मास्यूटिकल कम्पनी ग्लाक्सोस्मिथक्लाइन (GSK) द्वारा 'PATH', जो एक वैश्विक स्वास्थ्य संगठन है, के मलेरिया

MAGAZINE KING

वैक्सीन इनिशिएटिव के साथ मिलकर तैयार किया गया है. इस टीके की चार डोज़ लगातार निश्चित समय के अन्तराल के बाद रोगी को दी जानी होती है. यद्यपि यह टीका भी पूर्ण रूप से मलेरिया के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकता, तदपि यह अब तक का सबसे प्रभावशाली टीका माना जा रहा है. इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लॉंच किया गया है. पायलट टेस्ट के दौरान दो वर्ष से कम के 1,20,000 बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा. इस पायलट टेस्ट के दौरान टीके की प्रभावशीलता का अध्ययन किया जाएगा.

एल 98-59 बी

यह एक छोटा ग्रह है, जिसकी खोज अमरीकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा (NASA) के टेस (TESS—Transiting Exoplanet Survey Satellite) टेलिस्कोप द्वारा की गई है. इस सम्बन्ध में विवरण एस्ट्रोनॉमिकल जर्नल के 27 जून, 2019 के अंक में प्रकाशित हुई है. यह ग्रह टेस टेलिस्कोप द्वारा खोजा गया अब तक का सबसे छोटा ग्रह बताया गया है.

विभिन्न देशों की विशिष्ट गतिविधियाँ

चीन

वर्ष 2019 : चीन में 'सुअर का वर्ष'—चीन में 12 वर्षों के ज्योतिष चक्र के आधार पर लगातार 12 वर्षों का नामकरण अलग-अलग जानवरों के नाम पर होता है. इसी शृंखला में 16 फरवरी, 2018 से **'श्वान का वर्ष'** (Year of Dog) वहाँ शुरू हुआ था, जो 4 फरवरी, 2019 को समाप्त हुआ. उसके पश्चात् 5 फरवरी, 2019 से **'सुअर का वर्ष'** (Year of Pig) वहाँ शुरू हुआ है, जो 24 जनवरी, 2020 तक रहेगा.

जापान

विश्व की सबसे तेज बुलेट ट्रेन का परीक्षण—मई 2019 में जापान ने अपनी सबसे तेज बुलेट ट्रेन का परीक्षण किया. यह ट्रेन (शिकानसेन) 400 किमी प्रति घण्टा की गति तक पहुँचने में सक्षम है.

सऊदी अरब

स्थायी निवास की मंजूरी—सऊदी अरब ने मई 2019 में पहली बार एक ऐसी योजना को मंजूरी दी, जो कुछ प्रवासियों को देश में स्थायी निवास देती है. इस योजना को प्रिविलेज इकामा प्रणाली नाम दिया गया है. यह स्थायी निवास योजना की पेशकश है तथा इससे अत्यधिक कुशल प्रवासियों और पूँजीगत धन के मालिकों को प्रतिवर्ष नवीनीकृत किया जा सकता है.

श्रीलंका

तीन शहरों में धमाके—21 अप्रैल, 2019 को श्रीलंका के तीन शहर—कोलम्बो, नेगेम्बो व बट्टिकलोवा आठ धमाकों से दहल उठे. ईस्टर के मौके पर ईसाइयों को निशाना बनाकर किए गए इन धमाकों में 300 से अधिक लोग मारे गए तथा 500 से अधिक लोग घायल हुए. इन धमाकों के अगले दिन बाद श्रीलंका में आपातकाल की घोषणा की गई. इन हमलों के पीछे नेशनल तौहीद जमात का हाथ होना बताया गया है. यह एक इस्लामिक चरमपंथी संगठन है, जो श्रीलंका के पूर्वी प्रांत में अधिक सक्रिय है.

बुर्के पर प्रतिबन्ध—29 अप्रैल, 2019 को श्रीलंका सरकार ने बुर्का जैसे चेहरे ढकने वाले कपड़ों पर प्रतिबन्ध लगा दिया. यह प्रतिबन्ध कोलम्बो व अन्य शहरों में हुए सीरियल बम धमाकों के बाद लगाया गया है. श्रीलंका से पूर्व चाड, कैमरून, गाबोन, मोरक्को, ऑस्ट्रिया, बुल्गारिया, डेनमार्क, फ्रांस, बेल्जियम व उत्तर पश्चिम चीन के मुस्लिम बहुल प्रान्त शिनजियांग में बुर्का पहनने पर प्रतिबन्ध लगाया जा चुका है.

अमरीका

(1) राष्ट्रीय आपातकाल—अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 15 मई, 2019 को राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की. राष्ट्रपति ने अमरीका के संचार नेटवर्क को विदेशी दुश्मनों से बचाने के उद्देश्य से यह घोषणा की. विश्लेषकों के अनुसार यह घोषणा चीन की प्रमुख टेलीकॉम कम्पनी हुआवेई के सन्दर्भ में किया गया. अमरीका के अनुसार चीन हुआवेई के उपकरणों का उपयोग सर्विलांस के लिए कर सकता है.

(2) ब्लूचिस्तान लिबरेशन आर्मी वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित—2 जुलाई, 2019 को अमरीका ने **ब्लूचिस्तान लिबरेशन आर्मी** (BLA) को वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किया. यह संगठन पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सरकार के विरुद्ध लड़ रहा है. पाकिस्तान ने 2006 में इस संगठन पर प्रतिबन्ध लगा दिया था. अगस्त 2018 में बलूचिस्तान में चीनी इंजीनियरों पर हमला, नवम्बर 2018 में चीनी वाणिज्यिक दूतावास पर हमला व मई 2019 में ग्वादर में एक लक्जरी होटल पर हमला इसी संगठन ने किया था.

(3) हुसैन अली हाजिमा वैश्विक आतंकवादी घोषित—जुलाई 2019 में अमरीका ने बेरूत स्थित आतंकवादी समूह की खुफिया इकाई के प्रमुख एवं हिजबुल्लाह को संचालित करने वाले हुसैन अली हाजिमा को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया.

आयरलैण्ड

जलवायु आपातकाल—9 मई, 2019 को आयरलैण्ड की संसद ने जलवायु आपातकाल की घोषणा की. इस प्रकार आयरलैण्ड जलवायु आपातकाल घोषित करने वाला विश्व का दूसरा देश बन गया. इससे पूर्व ब्रिटेन जलवायु आपातकाल घोषित करने वाला पहला देश 1 मई, 2019 को ही उस समय बना था, जब ब्रिटिश संसद ने जलवायु आपातकाल घोषित करने का प्रस्ताव पारित किया था.

न्यूजीलैंड

वेलबीइंग बजट—30 मई, 2019 को न्यूजीलैंड में 'वेलबीइंग बजट' प्रस्तुत किया गया. वेलबीइंग बजट प्रस्तुत करने वाला न्यूजीलैंड विश्व में पहला देश है. न्यूजीलैंड के वित्त मंत्री ग्रांट रॉबर्टसन ने बजट पेश करते हुए संसद में कहा कि न्यूजीलैंड में रह रहे बहुतायत लोगों को बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था का लाभ नहीं मिल पाया है जिसके चलते इस प्रकार का बजट लाया गया है. 'वेलबीइंग बजट' का एक बड़ा हिस्सा बाल गरीबी, मानसिक स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा रोकने के लिए सुरक्षित रखा गया है. न्यूजीलैंड पहला ऐसा देश है जहाँ सरकार के बजट का बड़ा हिस्सा खुशी के लिए खर्च किया जाता है.

ताइवान

समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता—17 मई, 2019 को ताइवान की संसद ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने वाले बिल को स्वीकृति प्रदान की. इस प्रकार ताइवान समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता प्रदान करने वाला पहला एशियाई देश बन गया है. ताइवान में यह कानूनी मान्यता 24 मई, 2019 से प्रभावी हुई है. ताइवान की संसद में समलैंगिक विवाह को लेकर यह निर्णय यहाँ की संवैधानिक कोर्ट के उस आदेश के दो साल बाद हुई है, जिसमें अदालत ने विवाह से सम्बन्धित मौजूदा कानून को असंवैधानिक घोषित कर दिया था.

इण्डोनेशिया

राजधानी स्थानान्तरित करने की योजना—इण्डोनेशिया की राजधानी जकार्ता से स्थानान्तरित कर बोर्नियो (Borneo) द्वीप में स्थानान्तरित करने की सरकार की योजना है. इस आशय की औपचारिक घोषणा राष्ट्रपति जोको विडोडो ने 27 अगस्त, 2019 को की. यह मुद्दा काफी समय से सरकार के विचाराधीन था. बोर्नियो विश्व का तीसरा तथा एशिया का सबसे विशाल द्वीप है, जिसका 73 प्रतिशत भाग इण्डोनेशियाई क्षेत्र है.

स्वीडन

राजघराने के खर्च में कटौती के लिए सम्राट ने अपने पाँच पौत्र-पौत्रियों को राजघराने से अलग किया—7 अक्टूबर, 2019 को स्वीडन के सम्राट किंग कार्ल-XVI गुस्ताफ ने राजघराने के खर्च का देश के करदाताओं पर भार कम करने के उद्देश्य से अपने पाँच पौत्र-पौत्रियों को देश के राजघराने से अलग करने की घोषणा की. इनमें उनके बेटे प्रिंस कार्ल फिलिप के दो तथा बेटी प्रिंसेज मैडलिन के तीन बच्चे शामिल हैं. यद्यपि इन पाँचों के ड्यूक (Duke) व डचेस (Duches) टाइटिल बरकरार रहेंगे.

इजरायल

5000 वर्ष पुराने शहर की खोज का दावा—अक्टूबर 2019 में इजरायल के पुरातत्वविदों ने देश में 5000 वर्ष पुराने एक शहर की खोज का दावा किया. एक राजमार्ग परियोजना पर काम के दौरान इसका पता चलने की बात इजरायल के प्राचीनकालीन पुरातात्विक प्राधिकरण (Antiquities Authority) ने कही है. इस पुरातात्विक स्थल को एन एसुर (En Esur) नाम दिया गया है. प्राधिकरण ने इसे कांस्य युग के शुरूआती दौर का शहर बताया है.

अन्तर्राष्ट्रीय क्षतियाँ

एग्नेस वर्दा

29 मार्च, 2019 को पेरिस में फ्रांसीसी सिनेमा की दादी (Grandmother) कही जाने वाली

MAGNIFICENT KING

बहुचर्चित फिल्म निर्देशिका एग्नेस वर्दा (Agnes Varda) का निधन हो गया. वह 90 वर्ष की थीं. वह कैंसर से ग्रसित थीं. नवम्बर 2018 में उन्हें उनकी डाक्यूमेंट्री फिल्म 'फेसेज प्लेसेज' (Faces Places) के लिए सम्माननीय ऑस्कर (Honorary Oscar) प्रदान किया गया था.

मोहम्मद मुर्सी

17 जून, 2019 को मिस्र के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद मुर्सी सुनवाई के दौरान अदालत में गिर पड़े और उनका निधन हो गया. मुर्सी को 2012 में मिस्र का राष्ट्रपति चुना गया था. 67 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति मुर्सी जासूसी के आरोप में अदालत की सुनवाई में हिस्सा ले रहे थे. मुर्सी पर फिलिस्तीनी संगठन 'हमास' के लिए जासूसी के आरोप में सुनवाई चल रही थी. मुर्सी का सम्बन्ध देश के सबसे बड़े इस्लामी समूह मुस्लिम ब्रदरहुड से था, जिसे अब गैर-कानूनी घोषित कर दिया गया है.

ली इयाकोका

2 जुलाई, 2019 को अमरीकी ऑटोमोबाइल दिग्गज ली इयाकोका का निधन हो गया. उन्होंने प्रतिष्ठित **'फोर्ड मस्टैंग'** का सृजन किया था. इयाकोका ने '**क्रिस्लर**' को दिवालिया होने से बचाया. चर्चित वाहनों–मिनीवैन, क्रिस्लर के-कारें, फोर्ड एस्कोर्ट आदि को लॉन्च करने में उनका योगदान स्मरणीय रहेगा.

हुसैन मोहम्मद इरशाद

14 जुलाई, 2019 को ढाका के एक अस्पताल में बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति हुसैन मोहम्मद इरशाद का निधन हो गया. वह 91 वर्ष के थे. जातीय पार्टी के प्रमुख रहे मोहम्मद इरशाद 1983 से 1990 के दौरान बांग्लादेश के राष्ट्रपति रहे थे.

यूकिया अमानो

18 जुलाई, 2019 को अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA—International Atomic Energy Agency) के महानिदेशक यूकिया अमानो (Yukiya Amano) का निधन हो गया. वह 72 वर्ष के थे. जापानी राजनयिक यूकिया अमानो दिसम्बर 2009 से आईएईए के महानिदेशक थे.

मोहम्मद बेजी कैड एसेब्सी

25 जुलाई, 2019 को ट्यूनीशिया के राष्ट्रपति मोहम्मद बेजी कैड एसेब्सी (Mohamed Beji Caid Essebsi) का निधन हो गया. वह 92 वर्ष के थे. वह विश्व के सर्वाधिक आयु के कार्यशील राष्ट्रपति थे. एसेब्सी का जन्म 29 नवम्बर, 1926 को हुआ था. वह ट्यूनीशिया के प्रधानमंत्री भी रह चुके हैं. 88 वर्ष की आयु में 31 दिसम्बर, 2014 को उन्हें ट्यूनीशिया का राष्ट्रपति चुना गया था.

रिजिया रहमान

16 अगस्त, 2019 को बांग्लादेश की प्रसिद्ध उपन्यासकार रिजिया रहमान का निधन हो गया. वह 79 वर्ष की थीं. उनके प्रसिद्ध उपन्यासों में बोंगे थेके बंग्ला (Bong Theke Bangla) प्रमुख है. वर्ष 1978 में उन्हें बंग्ला अकादमी साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था.

पीटर फोंडा

अगस्त 2019 में अमरीका के लॉस एंजिल्स में हॉलीवुड अभिनेता एवं निर्देशक पीटर फोंडा का निधन हो गया. वह 79 वर्ष के थे. पीटर फोंडा ने 'ईजी राइडर' (Easy Rider) में अभिनय किया था. उनके द्वारा निर्देशित पहली फिल्म वर्ष 1971 में "द हायर्ड हैंड" (The Hired Hand) थी.

ला श्वान डेनियल

5 सितम्बर, 2019 को चर्चित अमरीकी गीतकार ला श्वान डेनियल का अमरीका के साउथ कैरोलिना में एक कार दुर्घटना में निधन हो गया. वह 41 वर्ष के थे. वर्ष 2001 में 'डेस्टिनीज चाइल्ड' एलबम के गीत 'से माय नेम' लिखने के लिए रिदम एण्ड ब्लूज श्रेणी (R & B) में ग्रैमी पुरस्कार प्रदान किया गया था.

रॉबर्ट मुगाबे

6 सितम्बर, 2019 को जिम्बाब्वे के पूर्व राष्ट्रपति रॉबर्ट मुगाबे (Robert Mugabe) (जन्म–21 फरवरी, 1924 ई.) का निधन हो गया. वह 95 वर्ष के थे. रॉबर्ट मुगाबे ने 37 वर्षों तक जिम्बाब्वे का नेतृत्व किया था. वर्ष 1980 में श्वेत अल्पसंख्यक शासन की समाप्ति के बाद उन्होंने जिम्बाब्वे की सत्ता सँभाली थी. वर्ष 1980 से 1987 तक वह जिम्बाब्वे के प्रधानमंत्री रहे. वर्ष 1987 से 2017 के दौरान वह जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति रहे. सैन्य तख्तापलट के कारण उन्हें वर्ष 2017 में अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था.

जीन एडवर्ड स्मिथ

13 सितम्बर, 2019 को सुप्रसिद्ध अमरीकी इतिहासकार व लेखक जीन एडवर्ड स्मिथ का निधन हो गया. वह 86 वर्ष के थे. स्मिथ ने अमरीकी राष्ट्रपतियों पर कई पुस्तकें लिखी हैं. वर्ष 2008 में अमरीकी राष्ट्रपति फैंकलिन डी. रूजवेल्ट पर लिखी पुस्तक **एफडीआर** (FDR) के लिए स्मिथ को फ्रांसिस पार्कमैन पुरस्कार प्राप्त हुआ था. अमरीकी राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू. बुश पर इन्होंने 'बुश' शीर्षक से पुस्तक लिखी जिसका प्रकाशन 2016 में हुआ. वर्ष 2001 में स्मिथ की पुस्तक 'ग्रांट' का प्रकाशन हुआ, जो पुलित्जर पुरस्कार के लिए नामांकित हुई थी. इनकी अंतिम पुस्तक 'लिबरेशन ऑफ पेरिस' का प्रकाशन जुलाई 2019 में हुआ, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वर्ष 1944 में मित्र देशों की सेना द्वारा पेरिस से नाजियों को बाहर निकालने की घटना पर आधारित है.

ज्याक्स शिराक

26 सितम्बर, 2019 को फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति व पूर्व प्रधानमंत्री ज्याक्स शिराक (Jacques Chirac) का निधन हो गया. वह 86 वर्ष के थे. वह वर्ष 1995 से 2007 तक फ्रांस के राष्ट्रपति रहे थे. वह वर्ष 1974-1976 के मध्य तथा वर्ष 1986 से 1988 के मध्य फ्रांस के प्रधानमंत्री भी रहे.

फारुक खान

3 अक्टूबर, 2019 को डरबन में भारतीय मूल के दक्षिण अफ्रीकी पत्रकार एवं सांस्कृतिक कार्यकर्ता फारुक खान का कैंसर से निधन हो गया. वह 77 वर्ष के थे. इनके पूर्वज महाराष्ट्र के थे. इन्होंने पत्रकारिता के माध्यम से रंगभेद नीति का मुद्दा प्रखरता से उठाया. फारुक खान ने मिस इंडिया वर्ल्ड वाइड पीजेंट के तहत् मिस इंडिया साउथ अफ्रीका पीजेंट की शुरूआत की थी. इससे प्रवासी भारतीय समुदाय के युवतियों को अपने कॅरियर के लिए एक मंच मिला.

दियहॉन कैरोल

4 अक्टूबर, 2019 को लास एंजिल्स में प्रसिद्ध अमरीकी अभिनेत्री, गायिका एवं मॉडल दियहॉन कैरोल का निधन हो गया. वह 84 वर्ष की थीं. दियहॉन कैरोल द्वारा सन् 1960 में टी.वी. शो जूलिया में यादगार अभिनय किया गया था जो एक अश्वेत महिला पर केन्द्रित थी. वर्ष 1975 में फिल्म क्लाउडिन हेतु सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के रूप में दियहॉन कैरोल का ऑस्कर हेतु नामांकन हुआ था. वर्ष 1962 में दियहॉन कैरोल को ब्राडवे म्यूजिकल-नो स्ट्रिंग्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनव के लिए टोनी पुरस्कार प्रदान किया गया था. वह इस पुरस्कार को प्राप्त करने वाली पहली अश्वेत अभिनत्री थी. टोनी पुरस्कार यू.एस. थियेटर का सर्वोच्च पुरस्कार है.

विविध अन्तर्राष्ट्रीय घटनाएं

फेसबुक पर जुर्माना

जुलाई 2019 में अमरीका ने 5 बिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया. यह जुर्माना अमरीकी संघीय व्यापार आयोग (FTC—Federal Trade Commission) द्वारा लगाया गया. जुर्माने को सामाजिक नेटवर्क की गोपनीयता और डेटा सुरक्षा चूक की जाँच के लिए स्वीकृति दी गई. यह निजता के उल्लंघन के लिए एफटीसी द्वारा लगाया गया अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना है.

जलवायु आपातकाल
(Climate Emergency)

*मई 2019 में ब्रिटेन व उसके पश्चात् आयरलैण्ड की संसदों ने प्रस्ताव पारित करके देश में जलवायु आपातकाल की घोषणा की. 1 मई, 2019 को ब्रिटेन जलवायु आपातकाल घोषित करने वाला पहला देश बना. इसी प्रकार 9 मई, 2019 को **आयरलैण्ड** की संसद ने **जलवायु आपातकाल** की घोषणा की. तत्क्रम में आयरलैण्ड जलवायु आपातकाल घोषित करने वाला विश्व का दूसरा देश बना. इस आपातकाल का मुख्य उद्देश्य तापमान नियंत्रित करना है.*

अर्थ ऑवर (Earth Hour)-2019

वर्ष 2019 का अर्थ ऑवर 30 मार्च, 2019 को विश्वभर में मनाया गया. अपने ग्रह पृथ्वी (Earth) की सुरक्षा एवं संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए **वर्ल्ड वाइड फण्ड** (WWF) **फॉर नेचर** की पहल पर 'अर्थ ऑवर' (Earth Hour) प्रति वर्ष मार्च के किसी शनिवार, प्रायः अन्तिम शनिवार, को स्थानीय समयानुसार रात्रि 8·30 बजे से 9·30 बजे के दौरान मनाया जाता है. इसके तहत् स्थानीय समयानुसार रात्रि 8·30 बजे से 9·30 बजे तक सभी अनावश्यक बत्तियाँ बन्द रखा जाता है. वर्ल्ड वाइड फण्ड (WWF) फॉर नेचर

शेष पृष्ठ 210 पर

राष्ट्रीय आय

- विभिन्न संस्थाओं द्वारा भारत के सकल घरेलू उत्पाद की 2019/20 में विकास दर के अनुमान

तथ्य एक दृष्टि में : विश्व में सर्वाधिक प्रति व्यक्ति जीडीपी वाले राष्ट्र

(नॉमिनल जीडीपी के आधार पर)

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आकलन (2018)			विश्व बैंक आकलन (2018)		
क्र.	देश	प्रति व्यक्ति जीडीपी	क्र.	देश	प्रति व्यक्ति जीडीपी
1	लक्जेमबर्ग	1,14,234	1	लक्जेमबर्ग	1,14,234
2	स्विट्जरलैण्ड	82,950		मकाउ	86,365
	मकाउ	82,388	2	स्विट्जरलैण्ड	82,839
3	नॉर्वे	81,695	3	नॉर्वे	81,807
4	आयरलैण्ड	76,099	4	आयरलैण्ड	77,450
5	आइसलैण्ड	74,278	5	आइसलैण्ड	73,191
6	कतर	70,780	6	कतर	69,027
7	सिंगापुर	64,041	7	सिंगापुर	64,582
8	अमरीका	62,606	8	अमरीका	62,641
9	डेन्मार्क	60,692	9	डेन्मार्क	60,596
10	आस्ट्रेलिया	56,352	10	आस्ट्रेलिया	57,305
...	.....	.....	...	.....	.....
...	.....	.....	...	.....	.....
141	**भारत**	**2,036**	**137**	**भारत**	**2,106**

क्रय शक्ति समता (PPP) के आधार पर

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आकलन (2018)			विश्व बैंक आकलन (2017)		
क्र.	देश	प्रति व्यक्ति जीडीपी	क्र.	देश	प्रति व्यक्ति जीडीपी
1	कतर	1,30,475	1	कतर	1,28,378
1	मकाउ	1,16,808	1	मकाउ	1,15,123
2	लक्जेमबर्ग	1,06,705	2	लक्जेमबर्ग	1,03,662
3	सिंगापुर	1,00,345	3	सिंगापुर	93,905
4	ब्रूनेई	79,530	4	ब्रूनेई	78,836
5	आयरलैण्ड	78,785	5	आयरलैण्ड	76,305
6	नॉर्वे	74,356	6	सयुक्त अरब अमीरात (UAE)	73,879
7	सयुक्त अरब अमीरात (UAE)	69,382	7	कुवैत	71,943
8	कुवैत	67,000	8	स्विट्जरलैण्ड	65,006
9	स्विट्जरलैण्ड	64,649	9	सान मारिनो	62,425
	हांगकांग	64,216		हांगकांग	61,540
10	अमरीका	62,606	10	नॉर्वे	60,978
11	सान मारिनो	60,313	11	अमरीका	59,532
...	.....	.....	...	.....	.....
...	.....	.....	...	.....	.....
119	**भारत**	**7,874**	**120**	**भारत**	**7,056**

नोट : मकाउ व हांगकांग, चीन के ही स्वायत्त क्षेत्र हैं.

विभिन्न संस्थाओं द्वारा भारत के सकल घरेलू उत्पाद की 2019-20 में विकास दर के अनुमान

संस्था	जीडीपी में 2019/20 में संवृद्धि दर का अनुमान (%)
● भारतीय रिज़र्व बैंक (2019-20)	6·1
● एशियाई विकास बैंक (2019-20)	6·5
● विश्व बैंक (2019-20)	6·0
● अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (2019-20)	6·1
● मूडीज़ (2019-20)	6·2
● फिच (2019-20)	5·5

- **2019-20 की पहली तिमाही में जीडीपी में वृद्धि केवल 5·0 प्रतिशत : विगत 6 वर्षों में सबसे नीची वृद्धि (सीएसओ के अनंतिम आँकड़े)**

चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2019) में जीडीपी में वृद्धि केवल 5 प्रतिशत ही रही है, जबकि पिछले वर्ष समान अवधि अप्रैल-जून 2018 में यह वृद्धि 8 प्रतिशत थी.

2018-19 की पहली तिमाही (Q_1) में 8 प्रतिशत की वृद्धि प्राप्त करने के पश्चात् जीडीपी वृद्धि में गिरावट का सिलसिला लगातार बना हुआ है. इस क्रम में 2018-19 की दूसरी तिमाही (Q_2 जुलाई-सितम्बर 2018) में यह वृद्धि 7·0 प्रतिशत, तीसरी तिमाही (Q_3 अक्टूबर-दिसम्बर 2018) में 6·6 प्रतिशत तथा चौथी तिमाही (Q_4 जनवरी-मार्च 2019) में यह वृद्धि 5·8 प्रतिशत रही थी. इस प्रकार यह लगातार पाँचवीं तिमाही (अप्रैल-जून 2019) है, जब जीडीपी में वृद्धि घटी है और केवल 5·0 प्रतिशत ही यह रही है. जीडीपी में वृद्धि की यह दर विगत 6 वर्षों में (25 तिमाहियों में) सबसे कम है. इससे कम जीडीपी वृद्धि (4·3 प्रतिशत) जनवरी-मार्च 2013 में रही थी. जीडीपी में 5 प्रतिशत की नीची वृद्धि के साथ-साथ सकल मूल्य संवर्द्धन (Gross Value Addition–GVA) में वृद्धि भी स्थिर मूल्यों पर (2011-12 के मूल्यों पर) 4·9 प्रतिशत ही इस तिमाही में प्राप्त की गई है. पिछले वित्तीय वर्ष 2018-19 की पहली तिमाही में जीवीए में वृद्धि 7·7 प्रतिशत रही थी.

MAGAZINE KING

अर्थव्यवस्था के विभिन्न उत्पादक क्षेत्रों में जीवीए में वृद्धि : प्रथम त्रैमास Q_1 (2019-20)
(2011-12 के स्थिर मूल्यों के आधार पर)

(प्रतिशत में)

	प्रथम त्रैमास (अप्रैल-जून)	
	2018-19	2019-20 (30 अगस्त, 2019 के अनंतिम अनुमान)
मूल कीमतों पर जीवीए (GVA at Basic Prices), जिसमें	**7·7**	**4·9**
1. कृषि, वानिकी एवं मत्स्यिकी	5·1	2·0
2. खनन व उत्खनन	0·4	2·7
3. विनिर्माणी	12·1	0·6
4. विद्युत, गैस, जलापूर्ति व अन्य उपयोगी सेवाएं	6·7	8·6
5. निर्माण	9·6	5·7
6. व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण से सम्बन्धित सेवाएं	7·8	7·1
7. वित्तीय, रीयल एस्टेट एवं व्यावसायिक सेवाएं	6·5	5·9
8. सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा व अन्य सेवाएं	7·5	8··5

हाल ही की तिमाहियों में जीडीपी में वृद्धि

तिमाही	2011-12 के स्थिर मूल्यों पर
2018-19	
पहली (अप्रैल-जून 2018) Q_1	8·0
दूसरी (जुलाई-सितम्बर 2018) Q_2	7·0
तीसरी (अक्टूबर-दिसम्बर 2018) Q_3	6·6
चौथी (जनवरी-मार्च 2019) Q_4	5·8
2019-20	
पहली (अप्रैल-जून 2019) Q_1	**5·0**

कृषि एवं सहायक क्रियाएं

- **2018-19 में बागवानी उपजों का रिकॉर्ड उत्पादन : कृषि मंत्रालय के तीसरे अग्रिम अनुमान**

  फसल वर्ष 2018-19 में देश में बागवानी फसलों (Horticulture Crops) के अधीन क्षेत्र तथा कुल बागवानी उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान (Third Advanced Estimates) कृषि मंत्रालय द्वारा 29 अगस्त, 2019 को जारी किए गए. **ताजा आँकड़ों के अनुसार 2018-19 में कुल बागवानी उत्पादन 313·85 मिलियन टन रहा है, जो पूर्व वर्ष 2017-18 में 311·71 मिलियन टन था.** इस प्रकार बागवानी उत्पादन में 0·69 प्रतिशत की मामूली वृद्धि 2018-19 में दर्ज की गई है. 2017-18 में बागवानी उपजों के अधीन कुल बुआई क्षेत्र 25·43 मिलियन हेक्टेयर था, जो 2018-19 में 25·49 मिलियन हेक्टेयर रहा है.

  बागवानी उपजों में फलों, सब्जियों, मसालों, फूलों व शहद का उत्पादन 2017-18 की तुलना में 2018-19 में बढ़ा है जबकि बागानी उपजों तथा सुगन्धित एवं औषधीय जड़ी बूटियों का उत्पादन 2017-18 की तुलना में कुछ कम रहा है.

  - *2018-19 के दौरान देश में **फलों** का कुल उत्पादन 98·57 मिलियन टन होने का अनुमान है, जोकि 2017-18 में 97·36 मिलियन टन रहा था.*
  - *सब्जियों का उत्पादन वर्ष 2018-19 में 185·88 मिलियन टन अनुमानित है, जोकि 2017-18 में प्राप्त किए गए उत्पादन (184·4 मिलियन टन) की तुलना में 0·81 प्रतिशत अधिक है.*
  - *देश में वर्ष 2018-19 के दौरान **प्याज** का अनुमानित उत्पादन 23·48 मिलियन टन है, जोकि पिछले वर्ष के 23·26 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 0·95 प्रतिशत अधिक है.*
  - *2018-19 के दौरान देश में आलू का उत्पादन 51·31 मिलियन टन से बढ़कर 53·03 मिलियन टन हो गया, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में 3·3 प्रतिशत अधिक है.*
- *टमाटर का उत्पादन 2018-19 के दौरान 19·39 मिलियन टन होने का अनुमान है, जोकि 2017-18 के दौरान प्राप्त किए गए 19·76 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 1·8 प्रतिशत कम है.*
- **कृषि उपजों के 2018-19 के चतुर्थ अग्रिम अनुमान**

  कृषि, कृषक कल्याण एवं सहकारिता मंत्रालय द्वारा कृषि उपजों के चतुर्थ अग्रिम अनुमान 19 अगस्त, 2019 को जारी किए गए. 2018-19 में खाद्यान्नों का उत्पादन 284·95 मिलियन टन होने का अनुमान लगाया गया, जो 2017-18 की तुलना में मामूली-सा कम है.

बागवानी उत्पादों के 2018-19 के तृतीय अग्रिम अनुमान

जिंस समूह	क्षेत्रफल (मिलियन हेक्टे.)		उत्पादन (मिलियन टन)	
	2017-18 (अन्तिम)	2018-19 (तृतीय अग्रिम अनुमान)	2017-18 (अन्तिम)	2018-19 (तृतीय अग्रिम अनुमान)
फल	6·506	6·648	97·358	98·579
सब्जियाँ	10·259	10·100	184·394	185·883
सुगन्ध वाले पौधे/औषधी पौधे	0·720	0·656	0·866	0·819
पुष्प	0·324	0·313	2·785	2·865
शहद	—	—	0·105	0·120
बागानी फसलें	3·744	3·880	18·082	16·368
मसाले	3·878	3·895	8·124	9·216
सभी बागवानी फसलें	25·431	25·492	311·417	313·851

भारत में प्रमुख फसलों का उत्पादन

(मिलियन टन में)

उपज	2017-18	2018-19 (च.अ.अ.)
कुल खाद्यान्न	**285·02**	284·95
जिसमें–		
चावल	112·76	116·42(R)
गेहूँ	98·51	102·19(R)
पौष्टिक/मोटे अनाज	46·97	42·95
जिनमें–		
मक्का	28·75	27·23
दालें	25·42	**23·40**
जिसमें–		
चना	11·38	10·13
तूर	4·29	3·59
उड़द	3·49	3·26
मूँग	2·02	2·35
तिलहन	**314·6**	**32·26**
जिसमें–		
सोयाबीन	10·93	13·79
राई (रेपसीड) एवं सरसों	8·43	9·34
मूँगफली	7·6	6·69
अरंडी बीज (Castrol Seed)		
कपास (मिलियन गाँठें)*	32·80	28·71
जूट एवं मेस्ता (मि. गाँठ)	9·59	97·68
गन्ना	379·1	400·16

* प्रत्येक गाँठ 170 किग्रा. @ प्रत्येक गाँठ 180 किग्रा. (R) रिकॉर्ड उत्पादन

MAGAZINE KING

कृषि एवं सहायक क्रियाएं

- **2019-20 की खरीफ उपजों के लिए नए न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित**

2019-20 की खरीफ की उपजों के लिए नए न्यूनतम समर्थन मूल्यों (Minimum Support Prices—MSPs) की घोषणा सरकार ने 3 जुलाई, 2019 को की. मूंगफली, सूरजमुखी व सोयाबीन के न्यूनतम समर्थन मूल्यों में भारी वृद्धि इस वर्ष की गई है. **खरीफ की मुख्य उपज धान की सामान्य किस्म के न्यूनतम समर्थन मूल्य में ₹ 65 प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है,** इससे धान की सामान्य किस्म का न्यूनतम समर्थन मूल्य ₹ 1750 प्रति क्विंटल से बढ़ कर ₹ 1815 प्रति क्विंटल हो गया है. ए ग्रेड धान के मामले में इतनी ही वृद्धि से यह ₹ 1770 प्रति क्विंटल से बढ़कर ₹ 1835 प्रति क्विंटल हुआ है. **न्यूनतम समर्थन मूल्य में इस वर्ष सर्वाधिक ₹ 311 प्रति क्विंटल की वृद्धि सोयाबीन (पीली) के** मामले में हुई है जिसे ₹ **3399 प्रति क्विंटल से बढ़ा-कर ₹ 3710 प्रति क्विंटल किया गया है.**

2019-20 सीजन की सभी खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य निम्नलिखित प्रकार हैं–

फसल	एमएसपी 2018-19	एमएसपी 2019-20	उत्पादन लागत* 2019-20 (₹ प्रति क्विंटल)	एमएसपी में वृद्धि (₹ प्रति क्विंटल)	लागत पर रिटर्न (प्रतिशत में)
धान (सामान्य)	1750	1815	1208	65	50
धान (किस्म ए)	1770	1835	—	65	—
ज्वार (संकर)	2430	2550	1698	120	50
ज्वार (मलडांडी)	2450	2570	—	120	—
बाजरा	1950	2000	1083	50	85
रागी	2897	3150	2100	253	50
मक्का	1700	1760	1171	60	50
तूर (अरहर)	5675	5800	3636	125	60
मूंग	6975	7050	4699	75	50
उड़द	5600	5700	3477	100	64
मूँगफली	4890	5090	3394	200	50
सूरजमुखी बीज	5388	5650	3767	262	50
सोयाबीन (पीला)	3399	3710	2473	311	50
तिल	6249	6485	4322	236	50
नाइजर बीज	5877	5940	3960	63	50
कपास (मध्यम रेशा)	5150	5255	3501	105	50
कपास (लम्बा रेशा)	5450	5550	—	100	—

- **2019-20 में खरीफ उत्पादन के सम्बन्ध में कृषि मंत्रालय के पहले अग्रिम अनुमान**

2019-20 में देश में कृषिगत उत्पादन के पहले अग्रिम अनुमान कृषि मंत्रालय द्वारा 23 सितम्बर, 2019 को जारी किए गए. **पहले अग्रिम अनुमानों में केवल खरीफ उपजों के सम्बन्ध में ही अनुमान जारी किए जाते हैं.**

कुल खाद्यान्न–140·57 मिलियन टन
- चावल–100·35 मिलियन टन
- मोटे अनाज – 32·00 मिलियन टन
- मक्का–19·89 मिलियन टन
- दलहन–8·23 मिलियन टन
- तूर–3·54 मिलियन टन
- उड़द–2·65 मिलियन टन

तिलहन–22·39 मिलियन टन
- सोयाबीन–13·50 मिलियन टन
- मूँगफली–6·31 मिलियन टन
- अरंडी बीज–1·52 मिलियन टन

कपास–32·27 मिलियन गाँठें (प्रति 170 किग्रा की गाँठ).

पटसन एवं मेस्टा–9·96 मिलियन गाँठें (प्रति 180 किग्रा की गाँठ).

गन्ना–377·77 मिलियन टन

- **विपणन वर्ष 2020-21 के लिए रबी उपजों के नए समर्थन मूल्य**

विपणन वर्ष 2020-21 (फसल वर्ष 2019-20) की रबी उपजों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों (Minimum Support Prices—MSPs) की घोषणा केन्द्र सरकार ने 23 अक्टूबर, 2019 को की. कृषिगत लागत एवं मूल्य आयोग (CACP) की संस्तुतियों के आधार पर इन उपजों के नए समर्थन मूल्यों के सम्बन्ध में निर्णय आर्थिक मामलों पर मंत्रिमण्डलीय समिति (CCEA) द्वारा 23 अक्टूबर को ही लिया गया. **वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों को उपजों की लागत से न्यूनतम डेढ़ गुना रखने की नीति का अनुपालन नए समर्थन मूल्यों के निर्धारण में किया गया है.**

रबी उपजों के न्यूनतम समर्थन मूल्य

उपज	न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) (रुपए प्रति क्विंटल)		न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि (रुपए प्रति क्विंटल)	उपज की लागत (2019-20) (रुपए प्रति क्विंटल)	लागत पर प्रतिफल (प्रतिशत में)
	फसल वर्ष/ विपणन वर्ष (2018-19/ 2019-20)	फसल वर्ष/ विपणन वर्ष (2019-20/ 2020-21)			
गेहूँ	1840	**1925**	85	923	109
जौ	1440	**1525**	85	919	66
चना	4620	**4875**	255	2801	74
मसूर	4475	**4800**	325	2727	76
रेपसीड एवं सरसों	4200	**4425**	225	2323	90
सैफ्लॉवर	4945	**5215**	270	3470	50

नोट–2019-20 की रबी उपजों का विपणन वित्तीय वर्ष 2020-21 में होगा.

उद्योग एवं अधोरचना

- **एमएसएमई सेक्टर की वित्तीय स्थिति में सुधार हेतु यू. के. सिन्हा समिति की सिफारिशें**

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रमों (Micro, Small and Medium Enterprises–MSMEs) की सुदृढ़ता तथा इस क्षेत्र की आर्थिक एवं वित्तीय स्थिरता हेतु दीर्घ-कालिक उपाय सुझाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा गठित यू. के. सिन्हा समिति ने अपनी रिपोर्ट बैंक के गवर्नर डॉ. शक्तिकांत दास को 18 जून, 2019 को सौंपी है. एमएसएमई सेक्टर को मिलने वाले वित्त की उपलब्धता की समीक्षा इस समिति के उद्देश्यों में शामिल थे. निम्नलिखित संस्तुतियाँ समिति की रिपोर्ट में की गई हैं–

- *वित्तीय संकटों से जूझ रहे एमएसएमई उपक्रमों के लिए ₹ 5,000 करोड़ के एक* ***डिस्ट्रेस्ड एसेट फण्ड*** *के गठन का सुझाव दिया गया है.*
- *छोटे उपक्रमों के लिए नॉन कॉलेट्रलाइज्ड ऋणों के लिए सीमा को बढ़ाकर ₹ 20 लाख करने को तथा 'मुद्रा' के ऋणों के सीमा को भी ₹ 10 लाख से बढ़ाकर ₹ 20 लाख करने को समिति ने कहा है.*
- *सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रमों को अधिक ऋण देने के इच्छुक बैंकों के*

MAGAZINE KING

लिए प्राथमिकता क्षेत्र के ऋणों में कृषि क्षेत्र के लिए उपसीमा को समाप्त करने का सुझाव दिया गया है, ताकि यह बैंक एमएसएम उपक्रमों को अधिक ऋण उपलब्ध करा सकें.

- यूनीवर्सल बैंकों को अपने निवल ऋणों का न्यूनतम 40 प्रतिशत, तथा स्मॉल फाइनेंस बैंकों के मामलों में न्यूनतम 75 प्रतिशत प्राथमिकता क्षेत्र को उपलब्ध कराना होता है. इन सीमाओं को बढ़ाकर क्रमशः 50 प्रतिशत व 80 प्रतिशत करने का सुझाव दिया गया है.
- एमएसएमई सेक्टर को ऋण उपलब्ध कराने के मामलों में 'सिडबी' (SIDBI)) व 'मुद्रा' (MUDRA) की भूमिकाओं के विस्तार का सुझाव समिति ने दिया है.
- एमएसएमई उद्यमियों के लिए मृत्यु एवं दुर्घटना आदि मामलों में सुरक्षा कवच की समुचित व्यवस्था विकसित करने का सुझाव समिति की रिपोर्ट में शामिल हैं. ऐसे मामलों में बीमा सुरक्षा का प्रावधान प्रधानमन्त्री सुरक्षा बीमा योजना व प्रधानमन्त्री जीवन ज्योति बीमा योजना के प्रावधानों से अधिक रखने को समिति ने कहा है.

भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रमों (Micro, Small and Medium Enterprises) की कुल संख्या 6·34 करोड़ अनुमानित है. देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में इनका योगदान लगभग 30 प्रतिशत, विनिर्माणी क्षेत्र (manufacturing sector) के उत्पादन में योगदान लगभग 45 प्रतिशत तथा निर्यातों में योगदान 40 प्रतिशत से अधिक रहता है. ऐसा अनुमान है कि 11·1 करोड़ लोगों को रोजगार इनमें प्राप्त है. एमएसएम उपक्रमों के विकास की बाधाओं का अध्ययन कर ऐसे उपक्रमों के सतत् आर्थिक एवं वित्तीय सुदृढ़ता के लिए उपाय सुझाने के लिए विशेषज्ञों की आठ सदस्यीय समिति का गठन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 2 जून, 2019 को किया गया था. 'सेबी' (SEBI) के पूर्व प्रमुख यू.के. सिन्हा की अध्यक्षता में गठित इस समिति के सदस्यों में राम मोहन मिश्रा (एमएसएमई विभाग के अतिरिक्त सचिव), व प्रकाश जैन (वित्त मन्त्रालय में अति संयुक्त सचिव), के अतिरिक्त पी के. गुप्ता (स्टेट बैंक के प्रबन्ध निदेशक), अनूप बागची (आईसीआईसीआई बैंक के कार्यकारी निदेशक), अभिमान दास (आईआईएम–अहमदाबाद में प्रोफेसर), आदि शामिल थे. समिति को जून 2019 के अन्त तक ही रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया था, किन्तु 18 जून, 2019 को ही अपनी रिपोर्ट इसने आरबीआई गवर्नर को प्रस्तुत कर दी थी.

- **भारत व नेपाल के बीच मोतिहारी अमलेखगंज तेल पाइपलाइन**

नेपाल को पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति के लिए बिहार के मोतिहारी से नेपाल के अमलेखगंज के बीच तेल पाइपलाइन बिछाई गई है, जो दक्षिण एशिया में पहली क्रॉस बॉर्डर, तेल पाइपलाइन है. इसका उद्घाटन दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने 10 सितम्बर, 2019 को अपनी-अपनी राजधानियों में रहते हुए वीडियो लिंक के जरिए किया. इस पाइपलाइन से नेपाल की तेल जरूरतों की पूर्ति होगी तथा ईंधन ढुलाई का खर्च कम होने से सस्ता ईंधन उसे प्राप्त हो सकेगा. इससे पूर्व भारत से नेपाल को पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति ट्रकों एवं टैंकरों के जरिए की जाती थी. इस पाइपलाइन के जरिए 4000 किलोलिटर पेट्रोलियम पदार्थ प्रतिदिन नेपाल को भेजा जा सकेगा. ₹ 324 करोड़ की लागत से निर्मित 66·92 किमी लम्बी इस पाइपलाइन का 36·2 किमी हिस्सा नेपाल में है, जबकि 33 किमी भाग भारत के भू-क्षेत्र में है. अमलेखगंज में पेट्रोल-डीजल के भंडारण के लिए ₹ 75 करोड़ की लागत से अतिरिक्त भंडारण सुविधा का निर्माण भी इस परियोजना के तहत् किया जाना है.

भारत संचार निगम लि. एवं महानगर टेलीफोन निगम लि. का विलय करने का निर्णय

वित्तीय संकट से जूझ रही सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार क्षेत्र की दोनों कम्पनियों– भारत संचार निगम लि. (BSNL) व महानगर टेलीफोन निगम लि. (MTNL) में नई जान डालने के लिए नए प्रस्तावित कदमों को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने मंजूरी 23 अक्टूबर, 2019 को प्रदान की है. दोनों कम्पनियों के विलय के प्रस्ताव को सैद्धान्तिक मंजूरी भी मंत्रिमण्डल द्वारा स्वीकृत प्रस्तावों में शामिल है. बेल आउट पैकेज के प्रमुख बिन्दु निम्नलिखित हैं–

- *सार्वजनिक क्षेत्र की इन दोनों कम्पनियों को 4-जी सेवाओं के लिए प्रशासनिक आवटन किया जाएगा, ताकि दूरसंचार क्षेत्र की यह कम्पनियाँ ब्रॉडबैण्ड व अन्य डाटा सेवाएं प्रदान करने में सक्षम हो सकें. इस स्पैक्ट्रम हेतु वित्त पोषण सरकार द्वारा ₹ 20,140 करोड़ की बजटीय सहायता द्वारा किया जाएगा. इस मामले में ₹ 3,674 करोड़ का जीएसटी भार भी सरकार द्वारा ही वहन किया जाएगा.*
- *बीएसएनएल व एमटीएनएल द्वारा ₹ 1500 करोड़ के दीर्घकालिक बॉण्ड जारी किए जाएगे, जो भारत सरकार की गारटीयुक्त होंगे.*
- ***उपर्युक्त संसाधनों द्वारा बीएसएनएल व एमटीएनएल द्वारा अपने मौजूदा कर्जों की अदायगी नए सिरे से रूपरेखा तैयार की जाएगी व अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति की जाएगी.***
- *बीएसएनएल व एमटीएनएल 50 वर्ष से अधिक उम्र के अपने कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (Voluntary Retirement) की पेशकश करेगी जिसका वित्तीय भार सरकार द्वारा बजटीय सहायता से वहन किया जाएगा.*
- *दोनों कम्पनियाँ अपनी परिसम्पत्तियों का मुद्रीकरण करेंगी, ताकि ऋण चुकाने, बॉण्ड्स की सर्विसिंग तथा नैटवर्क के उन्नयन एवं विस्तार सम्बन्धी आवश्यकताएं पूरी की जा सकें.*
- *दोनों कम्पनियों के विलय के लिए सैद्धान्तिक मंजूरी भी केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की 23 अक्टूबर, 2019 की इस बैठक में प्रदान की गई है.*

- **देश में पहली कॉर्पोरेट रेलगाड़ी दिल्ली-लखनऊ के बीच**

देश में कॉर्पोरेट सेक्टर में पहली रेलगाड़ी, लखनऊ व नई दिल्ली के बीच 4 अक्टूबर, 2019 से चलाई गई है. यह तेजस एक्सप्रेस रेलगाड़ी है, जो देश की सर्वाधिक गति से चलने वाली रेलगाड़ियों में से एक है. उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसी पहली रेलगाड़ी को लखनऊ से 4 अक्टूबर को नई दिल्ली के लिए रवाना किया. रेलवे के सहयोग से इसका संचालन आईआरसीटीसी द्वारा किया जा रहा है. ट्रेन के संचालन हेतु आधारभूत ढाँचे के अतिरिक्त ड्राइवर व गार्ड रेलवे के हैं, जबकि टिकटिंग व यात्री सुविधाओं सहित अन्य व्यावसायिक कामकाज आईआरसीटीसी के ही पास हैं. रेलवे की बोगियों के इस्तेमाल के लिए हॉलेज शुल्क (Haulage charge ढुलाई भाड़ा) की अदायगी आईआरटीसी द्वारा रेलवे को की जाएगी. **इस रेलगाड़ी में यात्रा के लिए यात्री किराए व अन्य शुल्कों आदि का निर्धारण आईआरसीटीसी द्वारा ही किया जाएगा. रेलगाड़ी का रखरखाव भी आईआर-सीटीसी द्वारा ही किया जाएगा.** लखनऊ-दिल्ली के बीच संचालित इस तेजस रेलगाड़ी में यात्रियों के लिए विमान जैसी सुख सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास आईआरसीटीसी द्वारा किया गया है. प्रत्येक सीट पर बटन दिया गया है, जिसे दबाने पर यात्रियों की सहायता के लिए 'ट्रेन होस्टेस' की व्यवस्था की गई है. वाई-फाई सुविधा से युक्त इस रेलगाड़ी में बेहतर खानपान की सुविधा के साथ किसी रेल में पहली बार बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक बोतल में पानी यात्रियों को प्रदान किया जा रहा है. **इस रेलगाड़ी में किराया डायनामिक किराया प्रणाली पर आधारित रखा गया है तथा अपने गंतव्य स्टेशन तक पहुँचने में विलम्ब होने पर यात्रियों को मुआवजा देने का प्रावधान भी इसमें किया गया है.** दिल्ली-लखनऊ तेजस एक्सप्रेस की एक विशेषता यह भी है कि यदि यह रेलगाड़ी एक घण्टा से अधिक लेट होती है, प्रत्येक यात्री को ₹ 100 तथा दो घण्टा से अधिक लेट होने पर प्रत्येक यात्री को ₹ 250 का क्षतिपूरक भुगतान आईआरसीटीसी द्वारा किया जाएगा.

ज्ञातव्य है कि देश में पहली तेजस एक्सप्रेस रेलगाड़ी मुम्बई व गोवा के बीच 24 मई, 2017 से चलाई गई थी, जिसके पश्चात् चेन्नई व मदुरै के बीच दूसरी तेजस एक्सप्रेस का परिचालन 2 मार्च, 2019 से शुरू किया गया था. इनका परिचालन रेलवे द्वारा स्वयं ही किया जा रहा है, जबकि दिल्ली-लखनऊ के बीच शुरू की गई तेजस एक्सप्रेस का संचालन रेलवे के सहयोग से आईआरसीटीसी द्वारा किया जा रहा है.

तेजस एक्सप्रेस के उपर्युक्त संचालन के साथ ही देश में दूसरी **वंदे भारत** एक्सप्रेस रेलगाड़ी का परिचालन नई दिल्ली व कटरा के बीच अक्टूबर 2019 में शुरू किया गया है. इस सेमी हाई स्पीड रेलगाड़ी को केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 3 अक्टूबर, 2019 को नई दिल्ली स्टेशन से झंडी दिखाकर रवाना किया. अत्यधिक सुविधाओं से युक्त यह रेलगाड़ी नई दिल्ली से कटरा रेलवे स्टेशन के बीच की 655 किमी की दूरी केवल 8 घण्टे में तय करती है.

- *ऐसी पहली वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन नई दिल्ली एवं वाराणसी के बीच 15 फरवरी, 2019 से शुरू किया गया था. नई दिल्ली व वाराणसी के बीच 759 किमी की दूरी यह 8 घण्टे में तय करती है.*
- ***वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन 18 रेलगाड़ी है तथा इसका परिचालन रेलवे द्वारा स्वयं ही किया जाता है. इसमें यात्री किराया डायनामिक प्रणाली पर आधारित नहीं है.***

मुद्रा एवं बैंकिंग

देश में कार्यरत् पेमेंट्स बैंक व स्मॉल फाइनेंस बैंक (अगस्त 2019 की स्थिति)

पेमेंट्स बैंक

1. एयरटेल पेमेंट्स बैंक लि.
2. इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक लि.
3. फिनो पेमेंट्स बैंक लि.
4. पेटीएम पेमेंट्स बैंक लि.
5. आदित्य बिड़ला आइडिया पेमेंट्स बैंक लि. (बन्द करने का निर्णय लिया है)
6. जियो पेमेंट्स बैंक लि.
7. एनएसडीएल पेमेंट्स बैंक लि.

स्मॉल फाइनेंस बैंक

1. एयू (AU) स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
2. कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
3. फिन केयर स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
4. ईक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
5. ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
6. सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
7. उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
8. उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
9. नॉर्थ ईस्ट स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
10. जन स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.

- **2018-19 में रिकॉर्ड ₹ 1·76 लाख करोड़ सरकार को हस्तांतरित करने का रिजर्व बैंक का फैसला**

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लाभांश एवं अतिरिक्त प्रावधान के रूप में कुल मिलाकर ₹ 1,76,051 करोड़ की रिकॉर्ड राशि का हस्तांतरण केन्द्र सरकार को 2019-20 में किया जाएगा. बिमल जालान समिति की सस्तुति के आधार पर आरबीआई के सेंट्रल बोर्ड द्वारा इस आशय का निर्णय 26 अगस्त, 2019 की बैठक में लिया गया. **हस्तांतरित की जाने वाली ₹ 1,76,051 करोड़ की राशि में ₹ 1,23,414 करोड़ 2018-19 के लिए लाभांश के रूप में है जबकि ₹ 52637 करोड़ इकोनॉमिक कैपिटल फ्रेमवर्क (ECF) के तहत् अतिरिक्त प्रावधान (Excess provisions) के रूप में निर्धारित किए गए हैं.**

- *2018-19 के लिए सरकार को दिया जाने वाला ₹ 1,23,414 करोड़ का सरप्लस (लाभांश) पिछले वर्षों की तुलना में काफी अधिक है. पिछले वर्ष 2017-18 के लिए ₹ 50 हजार करोड़ तथा उससे पूर्व 2016-17 के लिए ₹ 30,659 करोड़ का डिविडेंड आरबीआई द्वारा सरकार को दिया गया था.*

भारतीय रिजर्व बैंक के सरप्लस फंड के सरकार को बढ़े हुए हस्तांतरण से

- ☞ ***सरकार को अपना राजकोषीय घाटा सीमित रखने में मदद मिलेगी.***
- ☞ ***विकास की बड़ी परियोजनाओं हेतु पूँजीगत व्यय की व्यवस्था करने में सरकार को मदद मिलेगी.***
- ☞ ***लोककल्याणकारी योजनाओं के वित्तीयन में सरकार को मदद मिलेगी.***
- ☞ ***सरकार द्वारा इस राशि के व्यय किए जाने से अर्थव्यवस्था में तरलता के प्रवाह में वृद्धि होगी तथा मंदी के दौर से अर्थव्यवस्था को बाहर निकालने में यह सहायक होगा.***

- **सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में व्यापक विलय की घोषणा**

बैंकिंग क्षेत्र में मजबूती लाकर अर्थ-व्यवस्था को गति प्रदान करने के उद्देश्य से बैंकों के लिए एक बड़ी विलय योजना की घोषणा केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 31 अगस्त, 2019 को नई दिल्ली में की. **इसके तहत् 10 सरकारी बैंकों का विलय कर इन्हें चार बड़े बैंकों में रूपान्तरित किया जाएगा. इससे देश में सरकारी बैंकों की संख्या 18 से घटकर 12 रह जाएगी.**

- *घोषित योजना के तहत् ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स (OBC) व यूनाइटेड बैंक ऑफ इण्डिया का विलय पंजाब नेशनल बैंक में किया जाएगा. इस विलय के पश्चात् पंजाब नेशनल बैंक देश में भारतीय स्टेट बैंक के पश्चात् दूसरा बड़ा बैंक होगा. इस विलय के पश्चात् पंजाब नेशनल बैंक की कुल परिसम्पत्तियाँ ₹ 12 लाख करोड़ व शाखाओं की कुल संख्या 11,437 हो जाएगी.*
- *सिंडीकेट बैंक का विलय कनारा बैंक में प्रस्तावित है. इससे कनारा बैंक की कुल परिसम्पत्तियाँ ₹ 10 लाख करोड़ व शाखाओं की कुल संख्या 10,342 हो जाएगी.*
- *कॉर्पोरेशन बैंक व आन्ध्र बैंक का विलय यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया में प्रस्तावित है. विलय के पश्चात् इसकी कुल परिसम्पत्तियाँ ₹ 9·6 लाख करोड़ होगी तथा बैंक शाखाओं की कुल संख्या 9,609 हो जाएगी.*

विलय के पश्चात् सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंक

क्र.	बैंक
1.	भारतीय स्टेट बैंक
2.	पंजाब नेशनल बैंक + ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स + यूनाइटेड बैंक ऑफ इण्डिया
3.	कनारा बैंक + सिंडीकेट बैंक
4.	यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया + कॉर्पोरेशन बैंक + आन्ध्र बैंक
5.	इण्डियन बैंक + इलाहाबाद बैंक
6.	बैंक ऑफ बड़ौदा
7.	बैंक ऑफ इण्डिया
8.	सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया
9.	इण्डियन ओवरसीज बैंक
10.	यूको बैंक
11.	बैंक ऑफ महाराष्ट्र
12.	पंजाब एण्ड सिंध बैंक

- *इलाहाबाद बैंक का विलय इंडियन बैंक में किया जाएगा. इस विलय के पश्चात् बैंक की कुल परिसम्पत्तियाँ ₹ 5·3 लाख करोड़ होंगी जबकि इसकी शाखाओं की संख्या 6,104 हो जाएगी.*

उपर्युक्त विलय के चलते सार्वजनिक क्षेत्र के 10 बैंक 4 बैंकों में रूपान्तरित हो जाएंगे. सार्वजनिक क्षेत्र के 8 अन्य बैंकों– बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इण्डिया, सेण्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, इण्डियन ओवरसीज बैंक, यूको बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र तथा पंजाब एण्ड सिंध बैंक की स्थिति यथावत् बनी रहेगी, जिससे सार्वजनिक बैंकों की कुल संख्या 18 से घटकर 12 रह जाएगी.

- **2019-20 की चौथी मौद्रिक नीति समीक्षा**

अर्थव्यवस्था में शिथिलता दूर करने के प्रयासों को जारी रखते हुए नीतिगत रेपो दर (Repo Rate) में 0·25 प्रतिशत बिन्दु की पुनः कटौती 2019-20 की चौथी द्वैमासिक मौद्रिक नीति के तहत् भारतीय रिजर्व बैंक ने 4 अक्टूबर, 2019 को की है. **जिससे यह दर 5·40 प्रतिशत से घटकर 5·15 प्रतिशत अब हो गई है. इसके साथ ही 0·25-0·25 प्रतिशत बिन्दु की कटौतियाँ रिवर्स रेपो दर, बैंक दर व सीमांत स्थायी सुविधा (Marginal Standing Facility—MSF) दर में भी की गई हैं,** जिससे रिवर्स रेपो दर 5·15 प्रतिशत से घटकर 4·90 प्रतिशत तथा बैंक दर व सीमांत स्थायी सुविधा दर 5·65-5·65 प्रतिशत से घटकर 5·40–5·40 प्रतिशत

MAGAZINE KING

अब रह गई हैं. **इससे पूर्व इन चारों दरों में 0·25-0·25 प्रतिशत बिन्दु की** कटौतियाँ 7 फरवरी, 2019 को (2018-19 की छठी अन्तिम नीति के तहत), 4 अप्रैल, 2019 व 6 जून, 2019 को 2019-20 की क्रमशः पहली व दूसरी द्वैमासिक नीतियों के तहत् तथा 0·35-0·35 प्रतिशत बिन्दु की कटौतियाँ 7 अगस्त, 2019 को (2019-20 की तीसरी द्वैमासिक नीति के तहत्) की गई थीं. **इस प्रकार 8 माह के भीतर लगातार पाँच बार इन बैंकिंग दरों में कटौतियाँ रिजर्व बैंक ने की हैं, जिससे 8 माह में कुल मिलाकर 1·35-1·35 प्रतिशत बिन्दु की कटौतियाँ इन दरों में हुई हैं.** इससे बाजार में ब्याज दरों में कमी आई है तथा अर्थव्यवस्था में तरलता के प्रवाह में वृद्धि इससे अपेक्षित है.

बैंकों के लिए नकद आरक्षण अनुपात (CRR) में कोई परिवर्तन इस द्वैमासिक नीति के तहत् भी नहीं किया गया है. जिससे यह दरें 4·0 प्रतिशत पर बरकरार हैं. **सांविधिक तरलता अनुपात (SLR) में प्रत्येक तिमाही में 0·25-0·25 प्रतिशत बिन्दु की कटौती तब तक करने, जब तक यह दर 18·0 प्रतिशत पर न आ जाए, की घोषणा रिजर्व बैंक द्वारा पिछले वर्ष 2018 में ही की गई थी, तदुनुरूप 1 अक्टूबर, 2019 से यह दर 18·75 प्रतिशत से घटकर 18·50 प्रतिशत हो गई है तथा 1 जनवरी, 2020 से यह और घटकर 18·25 प्रतिशत रह जाएगी.**

मौद्रिक नीति को वर्ष 2019-20 की चौथी समीक्षा के अन्य निष्कर्ष निम्नवत् हैं–

- दूसरे त्रैमास Q_2 (2019-20) में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर 3·4% रहने का अनुमान है.
- H_2 (2019-20) में मुद्रास्फीति की दर 3·5–3·7 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है.
- 2019-20 में सकल घरेलू उत्पाद में 6·1% वृद्धि होने का अनुमान लगाया गया है.

लोक वित्त

- **ई-वाहनों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया**

इलैक्ट्रिक वाहनों (E-Vehicals) को बढ़ावा देने के लिए इन पर जीएसटी में कटौती की गई है. जीएसटी काउंसिल की वित्त मन्त्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में 27 जुलाई, 2019 को नई दिल्ली में सम्पन्न (36वीं) बैठक में इसे 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने का निर्णय किया गया. ईवी चार्जर्स पर भी जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है नई घटी दर 1 अगस्त, 2019 से लागू की गई है. स्थानीय निकायों द्वारा भाड़े पर ली जाने वाली ई-बसों को जीएसटी से मुक्त रखा जाएगा. वर्ष 2025 तक देश में 30 प्रतिशत वाहन इलेक्ट्रिक वाहन हों, ऐसा सरकार का उद्देश्य है. इसी परिप्रेक्ष्य में 2019-20 के केन्द्रीय बजट में भी ई-वाहनों पर ₹ 1·50 लाख तक की कर छूट दी गई थी.

- **अर्थव्यवस्था की शिथिलता दूर करने को कॉर्पोरेट टैक्स में राहत**

शिथिलता के दौर से गुजर रही अर्थ-व्यवस्था को गति प्रदान करने के उद्देश्य से स्वदेशी कम्पनियों के लिए निगम कर (Corporate tax) की दर में कटौती सरकार ने सितम्बर 2019 में की है. कर की घटी दर 1 अप्रैल, 2019 से ही प्रभावी की गई है. वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा 20 सितम्बर, 2019 को की गई घोषणा के तहत् किसी तरह की कोई अन्य छूट/राहत न लेने वाली कम्पनियों के लिए निगम कर की दर को 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत किया गया है. उपकर (Cess) तथा अधिभार (Surcharge) को शामिल करते हुए कर की प्रभावी दर 25·17 प्रतिशत होगी. यह कम्पनियाँ न्यूनतम वैकल्पिक कर (MAT–Minimum Alternative Tax) के दायित्व से मुक्त रहेंगी.

1 अक्टूबर, 2019 के बाद पंजीकृत होने वाली विनिर्माणी क्षेत्र की नई घरेलू कम्पनियों के लिए कर की दर 15 प्रतिशत रहेगी. उपकर व सरचार्ज को मिलाकर इसकी प्रभावी दर 17·01 प्रतिशत होगी.

जो कम्पनियाँ विभिन्न प्रकार की कर छूटों/राहतों का लाभ लेंगी उनके लिए कर की दर पूर्ववत् 30 प्रतिशत ही रहेगी. ऐसी कम्पनियों को मिनीमम ऑल्टरनेट टैक्स (MAT) का दायित्व भी होगा. मैट की दर को 18·5 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत ताजा राहतों के तहत् किया गया है.

कॉर्पोरेट टैक्स में इन राहतों से भारत में इस कर की दर काफी कम हो गई है तथा यह चीन, दक्षिण एशिया व दक्षिण

प्रमुख बैंकिंग दरें
(4 अक्टूबर, 2019 के बाद की स्थिति)

रेपो दर	5·15 प्रतिशत
रिवर्स रेपो दर	4·90 प्रतिशत
बैंक दर	5·40 प्रतिशत
सीमान्त स्थायी सुविधा दर (MSF Rate)	5·40 प्रतिशत
नकद आरक्षण अनुपात (CRR)	4·00 प्रतिशत
सांविधिक तरलता अनुपात (SLR)	18·50 प्रतिशत

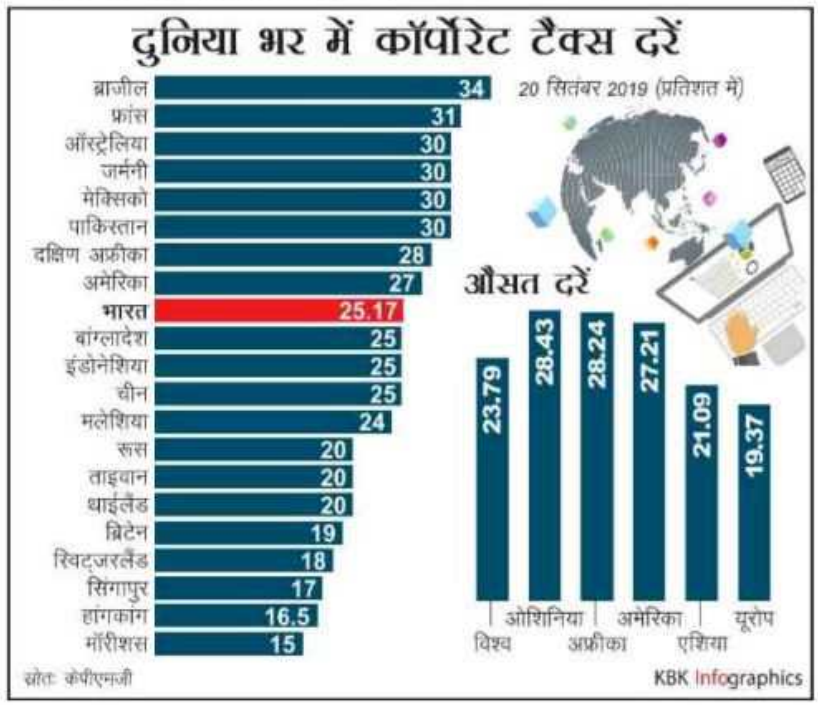

MAGAZINE KEY

पूर्व एशिया के देशों में लागू दर के समान ही हो गई है. अमरीका, फ्रांस, ब्राजील, द. अफ्रीका, आस्ट्रेलिया व पाकिस्तान आदि में लागू दर की तुलना में भारत में कर दर कम हो गई है. कर दर में उपर्युक्त कटौती से देश में शेयर बाजार में उछाल पहले ही दिन दर्ज किया गया था.

- **अनेक उत्पादों व सेवाओं पर जीएसटी दरों में कटौती**

कॉर्पोरेट टैक्स की दरों में कटौती के पश्चात् अनेक उत्पादों एवं सेवाओं पर जीएसटी में भी कटौती सरकार ने 1 अक्टूबर, 2019 से की है. इसके साथ ही कैफीनयुक्त पेयों (Caffeinated beverages) पर इसे 18 प्रतिशत से बढाकर 28 प्रतिशत (+ 12 प्रतिशत उपकर) किया गया है.

अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने के उद्देश्य से कुछ उत्पादों एवं सेवाओं पर जीएसटी में कटौती का निर्णय जीएसटी काउंसिल की अध्यक्ष वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में 20 सितम्बर, 2019 को गोवा में सम्पन्न बैठक में लिया गया. इनके तहत् होटलों में कमरों के किराए, आउटडोर कैटरिंग हीरा उद्योग में जॉब वर्क तथा कुछेक श्रेणियों के अन्य जॉब वर्क्स पर जीएसटी दरों में कटौतियाँ की गई हैं.

- *पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से होटलों के ₹ 1000 प्रतिदिन तक के किराए वाले कमरों को अब जीएसटी से मुक्त किया गया है, जबकि ₹ 1001 से ₹ 7500 प्रतिदिन किराए वाले कमरों के मामले में इसे घटाकर 12 प्रतिशत तथा ₹ 7500 से अधिक किराए वाले कमरों के मामलों में इसे घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है. इससे पूर्व ₹ 1001 से ₹ 2500 तक के किराए वाले कमरों पर 12 प्रतिशत, ₹ 2501 से ₹ 7500 तक किराए वाले कमरों पर 18 प्रतिशत तथा ₹ 7500 से अधिक किराए वाले कमरों के मामले में 28 प्रतिशत जीएसटी देय था.*

  आउटडोर कैटरिंग पर जीएसटी दर को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है.

  इंजीनियरिंग सेवाओं के लिए जॉब वर्क्स पर जीएसटी दर को 18 प्रतिशत से घटाकर 12 प्रतिशत किया गया है, जबकि हीरों के मामलों में इसे 5 प्रतिशत से घटाकर 1·5 प्रतिशत किया गया है.
- *समुद्री एवं वायु मार्ग से निर्यात माल के लदान पर जीएसटी की सशर्त छूट की अवधि एक वर्ष के लिए बढ़ाते हुए इसे 30 सितम्बर, 2020 तक बढ़ा दिया गया है. निर्यात मामलों में कुछ अन्य राहतें भी जीएसटी काउंसिल की 20 सितम्बर, 2019 की बैठक में लिए गए निर्णयों के तहत् दी गई है. कुछेक अन्य उत्पादों के मामलों में भी जीएसटी की नई दरें काउंसिल की इस बैठक में निर्धारित की गई हैं तथा छोटे व्यापारियों को रिटर्न दाखिल करने के मामले में भी कुछ राहतें प्रदान की गई हैं.*

वैदेशिक क्षेत्र

घरेलू उत्पाद में वृद्धि नीची रहने के साथ-साथ वस्तुगत निर्यातों व आयातों में भी ऋणात्मक वृद्धि चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 की पहली छमाही (अप्रैल-सितम्बर 2019) में दर्ज की गई है. चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 की पहली छमाही (अप्रैल-सितम्बर 2019) के भारत के विदेशी व्यापार के आँकड़े वाणिज्य मंत्रालय द्वारा 15 अक्टूबर, 2019 को जारी किए गए **मंत्रालय के इन अनंतिम आँकड़ों के अनुसार इस छमाही में निर्यातों में गिरावट जहाँ 2·39 प्रतिशत रही है, वहीं आयातों में 7·01 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है.** इन आँकड़ों

भारत पर विदेशी ऋण 550 अरब डॉलर से अधिक हुआ

(जून 2019 के अन्त की स्थिति)

भारत पर विदेशी ऋण की स्थिति के सम्बन्ध में रिजर्व बैंक ने अपनी ताजा रिपोर्ट 30 सितम्बर, 2019 को जारी की. इस रिपोर्ट के अनुसार–

- *जून 2019 के अंत में भारत पर कुल विदेशी ऋण 557·4 अरब डॉलर था, जो तीन माह पूर्व मार्च 2019 के अंत में 543·3 अरब डॉलर था. इस प्रकार कुल विदेशी ऋण में 14·1 अरब डॉलर (2·6 प्रतिशत) की वृद्धि मार्च-जून 2019 के दौरान हुई.*
- *रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार मार्च-जून 2019 के दौरान विदेशी ऋण में हुई वृद्धि रुपए व अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के मूल्य में हुई गिरावट के चलते अधिक रही है. **डॉलर के मूल्य में यदि ह्रास नहीं हुआ होता, तो इस तिमाही में विदेशी ऋण में वृद्धि 14·1 अरब डॉलर के स्थान पर 12·4 अरब डॉलर की होती.***
- ***जून 2019 के अंत में भारत पर कुल विदेशी ऋण जीडीपी का 19·8 प्रतिशत था, जो एक वर्ष पूर्व मार्च 2018 के अंत में 20·1 प्रतिशत था.***
- *जून 2019 के अंत में भारत पर 557·4 अरब डॉलर के कुल विदेशी ऋण में दीर्घकालिक ऋण 447·7 अरब डॉलर व अल्पकालिक ऋण 109·7 अरब डॉलर था.*
- *जून 2019 के अंत में कुल विदेशी ऋण में 80·3 प्रतिशत भाग दीर्घकालिक ऋणों का था, जबकि अल्पकालिक ऋणों का भाग 19·7 प्रतिशत था.*
- *आरबीआई की इस रिपोर्ट के अनुसार जून 2019 के अंत में देश के कुल विदेशी ऋण का सर्वाधिक 51·5 प्रतिशत भाग डॉलर में निरूपित था. दूसरे स्थान पर 34·7 प्रतिशत भाग भारतीय रुपए में निरूपित था. कुल विदेशी ऋण का 5·1 प्रतिशत भाग येन में, 4·7 प्रतिशत एसडीआर में तथा 3·2 प्रतिशत भाग यूरो में निरूपित था.*
- *रिपोर्ट के अनुसार भारत का **ऋण सेवा अनुपात (Debt Service Ratio – निर्यात प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में ऋणों व ब्याज की अदायगियों)** मार्च 2018 के अन्त में 7·5 प्रतिशत था, जो घटकर जून 2019 में 5·8 प्रतिशत हो गया था.*
- *मार्च 2019 के अंत में देश में आरक्षित विदेशी मुद्रा कोष कुल विदेशी ऋणों के 76·0 प्रतिशत थे, जो बढ़कर जून 2019 के अंत में 77·1 प्रतिशत हो गए थे.*

विदेशी ऋण सम्बन्धी आँकड़े एक दृष्टि में

(जून 2019 के अन्त की स्थिति)

कुल विदेशी ऋण	557·4 अरब डॉलर
दीर्घकालिक ऋण	447·7 अरब डॉलर
कुल विदेशी ऋण में दीर्घकालिक ऋण का भाग	80·3 प्रतिशत
अल्पकालिक ऋण	109·7 अरब डॉलर
कुल विदेशी ऋण में अल्पकालिक ऋण का भाग	19·7 प्रतिशत
जीडीपी के प्रतिशत के रूप में कुल विदेशी ऋण	19·8 प्रतिशत
कुल विदेशी ऋण में रियायती ऋण का भाग	8·6 प्रतिशत
विदेशी ऋण में विभिन्न घटक–	
विदेशी वाणिज्यिक उधारियाँ	38·4 प्रतिशत
एनआरआई जमाएं	24·00 प्रतिशत
अल्पकालिक व्यापार ऋण	18·7 प्रतिशत
मुद्राओं की दृष्टि से विदेशी ऋण की संरचना–	
डॉलर मूल्य में	51·5 प्रतिशत
रुपए मूल्य में	34·7 प्रतिशत
एसडीआर में	4·7 प्रतिशत
येन में	5·1 प्रतिशत
यूरो में	3·2 प्रतिशत

- **2019-20 की पहली छमाही में भारत के वस्तुगत निर्यातों व आयातों में ऋणात्मक वृद्धियाँ**

वैश्विक अर्थव्यवस्था में शिथिलता का दुष्प्रभाव भारत के विदेशी व्यापार पर भी परिलक्षित होने लगा है. **देश के सकल**

MAGAZINE

के अनुसार अप्रैल-सितम्बर 2019 के दौरान देश के वस्तुगत निर्यात (डॉलर मूल्य में) 159·57 अरब डॉलर व आयात 243·28 अरब डॉलर के रहे हैं, जबकि पूर्व वर्ष की समान अवधि (अप्रैल-सितम्बर 2018) में यह क्रमशः 163·48 अरब डॉलर व 261·63 अरब डॉलर के थे. इस प्रकार डॉलर मूल्य में निर्यातों में जहाँ 2·39 प्रतिशत की गिरावट 2019-20 की पहली छमाही में दर्ज की गई है, आयातों मे गिरावट 7·01 प्रतिशत रही है. इसके साथ ही व्यापार घाटा (Trade Deficit) भी अप्रैल-सितम्बर 2019 के दौरान 83·70 अरब डॉलर का रहा है. पिछले वर्ष समान अवधि में व्यापार घाटा 98·15 अरब डॉलर था.

वाणिज्य मंत्रालय के इन अनंतिम आँकडों के अनुसार 2019-20 की इस पहली छमाही में रुपए मूल्य में भारत के निर्यात 11,16,767 करोड के व आयात ₹ 17,01,997 करोड के रहे हैं. पूर्व वित्तीय वर्ष के समान अवधि में रुपए मूल्य में भारत के निर्यात व आयात क्रमशः ₹ 11,21,475 करोड़ व ₹ 17,94,884 करोड के थे. इस प्रकार रुपए मूल्य में वस्तुगत निर्यातों में 0·4 प्रतिशत व आयातों में 5·18 प्रतिशत की गिरावट अप्रैल-सितम्बर 2019 के दौरान दर्ज की गई है.

वाणिज्य मंत्रालय के इन आँकड़ों के अनुसार अप्रैल-सितम्बर 2019 के दौरान 243·28 अरब डॉलर के कुल आयातों में तेल आयात 64·30 अरब डॉलर के व गैर-तेल आयात (Non Oil Import) 178·97 अरब डॉलर के थे. इस प्रकार कुल आयात में तेल आयात का भाग लगभग 26 प्रतिशत व गैर तेल आयात का भाग 74 प्रतिशत था.

वस्तुगत विदेशी व्यापार

(अरब डॉलर में)

	अप्रैल-सितम्बर	
	2018-19	**2019-20**
निर्यात	163·48	159·57 (–2·39)
आयात	261·63	243·28 (–7·01)
व्यापार शेष (Trade Balance)	–98·15	–83·70
(₹ करोड़ में)		
निर्यात	11,21,475	11,16,767 (– 0·42)
आयात	17,94,884	17,01,997 (– 5·18)
व्यापार शेष	– 6,73,409	– 5,85,230

नोट : कोष्ठक में दिए गए आँकड़े पूर्व वर्ष की तुलना में प्रतिशत परिवर्तन दर्शा रहे हैं.

वैश्विक निर्देशांकों में भारत

- **विश्व बैंक कारोबारी सुगमता सूचकांक, 2019 (रिपोर्ट 2020) में भारत 63वें पायदान पर**

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (Ease of Doing Business) अर्थात् कारोबारी सुगमता में बेहतरी के लिए हाल ही के वर्षों में सरकार द्वारा किए गए प्रयासों का स्पष्ट प्रभाव अब दिखने लगा है. इन प्रयासों के चलते विश्व बैंक के ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स-2020 में 14 पायदान की छलांग भारत ने लगाई है. वर्ष 2020 के लिए विश्व बैंक की **डूइंग बिजनेस रिपोर्ट 24 अक्टूबर, 2019 को जारी हुई, जिसमें भारत की रैंक 63 निर्धारित की गई है, जो एक वर्ष पूर्व 2019 के लिए 77 व उससे पूर्व 2018 के लिए 100 तथा 2017 के लिए 130 थी. 5 वर्ष पूर्व जब मोदी सरकार ने सत्ता सँभाली थी, तब 2014 के लिए भारत का कारोबारी सुगमता सूचकांक 142 था. इस प्रकार कारोबारी सुगमता के मामले में लम्बी छलांग भारत ने इन पाँच वर्षों में** लगाई है. 2018 के लिए 30 पायदानों की उछाल के पश्चात् 2019 के लिए 23 तथा 2020 के लिए पुनः 14 पायदानों की उछाल भारत ने लगाई है. इस प्रकार इन पाँच वर्षों में भारत की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग 142 से सुधार कर 63 हो गई है तथा 79 पायदानों का सुधार इसमें हुआ है. वर्ष 2020 की इस रिपोर्ट में 190 देशों के लिए कारोबारी सुगमता सूचकांक आकलित किए गए हैं तथा इन देशों में कारोबारी माहौल के आकलन के लिए 1 जून, 2019 तक की स्थिति पर विचार किया गया है.

विश्व बैंक की इस रिपोर्ट में विभिन्न देशों में कारोबारी सुगमता सूचकांक की गणना कारोबार शुरू करने, निर्माण परमिटों की प्रक्रिया, विद्युत् कनेक्शन प्राप्त करने व साख प्राप्त करने आदि 10 विभिन्न मानकों के आधार पर की गई है. इन सभी का विवरण दूसरे बॉक्स में दिया गया है. विश्व बैंक की 2020 की डूइंग बिजनेस रिपोर्ट में बताया गया है कि इन 10 में से 4 मानकों के मामले में विशेष सुधार भारत में इस वर्ष हुआ है. इनमें कारोबार शुरू करने (Starting a Business), निर्माण परमिटों की प्रक्रियाओं से निपटने (Dealing with Construction Permits), सीमापारीय व्यापार (Trading across borders) व दिवालिया प्रक्रियाओं को पूर्ण करना (Resolving Insolvencies) शामिल है.

विश्व बैंक की इस वर्ष की रिपोर्ट में भारत को उन देशों की सूची में शामिल किया गया है, जहाँ सर्वाधिक मानकों में सुधार इस वर्ष हुए हैं. ऐसे अन्य देशों में भारत के अतिरिक्त सऊदी अरब, जॉर्डन, टोगो, बहरीन, ताजिकिस्तान, पाकिस्तान, कुवैत, चीन व नाइजीरिया शामिल हैं.

विश्व बैंक की वर्ष 2020 की डूइंग बिजनेस रिपोर्ट में कारोबारी सुगमता के मामले में शीर्ष स्थान न्यूजीलैण्ड का है, जिसके पश्चात् क्रमशः सिंगापुर व हांगकांग (चीन) के स्थान हैं. पिछले वर्ष 2019 की रिपोर्ट में भी पहले दो स्थान क्रमशः न्यूजीलैण्ड व सिंगापुर के ही थे. संयुक्त राज्य अमरीका (USA) व यूनाइटेड

कारोबारी सुगमता सूचकांक (2020) में शीर्ष 5 रैंकिंग वाले देश

रैंक	देश
1	न्यूजीलैण्ड
2	सिंगापुर
3	हांगकांग
4	डेन्मार्क
5	द. कोरिया

सबसे निचली रैंकिंग वाले 5 राष्ट्र

रैंक	देश
186	लीबिया
187	यमन
188	वेनेजुएला
189	इरीट्रिया
190	सोमालिया

भारत व पड़ोसी देशों की रैंक

2020	देश
31	चीन
63	भारत
89	भूटान
94	नेपाल
99	श्रीलंका
108	पाकिस्तान
168	बांग्लादेश
173	अफगानिस्तान

विश्व बैंक की इस रिपोर्ट में विभिन्न देशों के लिए कारोबारी सुगमता सूचकांक की गणना निम्नलिखित 11 पैरामीटर्स के आधार पर की जाती है–

(i) कारोबार शुरू करना (Starting a Business)
(ii) निर्माण परमिटों की प्रक्रिया (Dealing with Construction Permits)
(iii) विद्युत् प्राप्त करना (Getting Electricity)
(iv) सम्पत्ति का पंजीकरण (Registering Property)
(v) साख प्राप्त करना (Getting Credit)
(vi) अल्पसंख्यक निवेशकों के हितों का संरक्षण (Protecting Minority Investors)
(vii) कर अदायगी (Paying Taxes)
(viii) सीमापारीय व्यापार (Trading Across Borders)
(ix) अनुबंधों को लागू किया जाना (Enforcing Contracts)
(x) दिवालिया प्रक्रिया पूरी करना (Resolving Insolvency)
(xi) श्रम बाजार विनियमन (Labour Market Regulation)

(नोट–वर्ष 2020 की डूइंग बिजनेस रिपोर्ट में केवल 10 मानकों के आधार पर ही विभिन्न देशों को रैंकिंग इस वर्ष प्रदान की गई हैं तथा श्रम बाजार विनियमन को इस वर्ष की रैंकिंग में शामिल नहीं किया गया है.)

VISION IAS

किंगडम (UK) का इस वर्ष की रैंकिंग में क्रमशः छठा व आठवाँ स्थान जहाँ है, वहीं स्वीडन 10वें, मॉरिशस 13वें, आस्ट्रेलिया 14वें, कनाडा 23वें, जर्मनी 22वें, जापान 29वें, फ्रांस 32वें व इजरायल 35वें स्थान पर हैं. रिपोर्ट में सबसे नीचे 190वाँ स्थान सोमालिया का व उससे ऊपर 189वाँ स्थान इरीट्रिया का व उससे ऊपर 188वाँ स्थान वेनेजुएला का है.

- **ग्लोबल कम्पिटीटिवनैस इंडेक्स (2016) : भारत का 68वाँ स्थान**

अपने नागरिकों को सम्पन्नता उपलब्ध कराने की विभिन्न राष्ट्रों की क्षमता का आकलन वैश्विक प्रतिस्पर्द्धात्मकता सूचकांक (Global Competitiveness Index) के आधार पर **ग्लोबल कम्पिटीटिवनैस रिपोर्ट** में किया जाता है. जनेवा स्थित **विश्व आर्थिक मंच** (World Economic Forum) की वर्ष 2019 की यह रिपोर्ट अक्टूबर, 2019 में विश्वभर में जारी की गई, जिसमें 141 देशों के लिए प्रतिस्पर्द्धात्मक सूचकांक जारी किए गए हैं. इनमें भारत का 68वाँ स्थान है. पिछले वर्ष अक्टूबर 2018 में जारी 2018 की ऐसी रिपोर्ट में 140 देशों की सूची में 58वाँ स्थान भारत को दिया गया था.

चौथी औद्योगिक क्रान्ति के तत्वों का समावेश कर तैयार किए गए नए सूचकांक को ग्लोबल कम्पिटीटिवनैस इण्डेक्स 4·0 नाम दिया गया है. 0–100 मान वाला यह सूचकांक जिन 12 स्तम्भों (Pillars) पर आधारित है, उनमें–(i) इंस्टीट्यूशंस, (ii) इन्फ्रास्ट्रक्चर, (iii) आईसीटी एडॉप्शन, (iv) मैक्रोइकोनॉमिक स्टेबिलिटी, (v) हैल्थ, (vi) स्किल्स, (vii) प्रोडक्ट मार्केट, (viii) लेबर मार्केट, (ix) फाइनेंशियल सिस्टम, (x) मार्केट साइज, (xi) बिजनेस डायनिज्म व (xii) इन्नोवेशन कैपेबिलिटी शामिल हैं.

वर्ष 2019 की ग्लोबल कम्पिटीटिवनैस रिपोर्ट में कम्पिटीटिवनैस के मामले में शीर्ष स्थान सिंगापुर का है, जिसके लिए **ग्लोबल कम्पिटीटिव इण्डेक्स 4·0** 84·8 आकलित किया गया है. अमरीका (83·7), हांगकांग (83·1), नीदरलैण्ड्स (80·4) व स्विट्जरलैण्ड (82·3) इसमें क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे व पाँचवें स्थान पर हैं. पिछले वर्ष 2018 की ऐसी रिपोर्ट में अमरीका का जहाँ शीर्ष स्थान था, सिंगापुर जर्मनी व स्विट्जरलैण्ड क्रमशः दूसरे, तीसरे व चौथे स्थान पर थे. जापान व ब्रिटेन पिछले वर्ष क्रमशः पाँचवें व आठवें स्थान पर थे, जबकि इस वर्ष यह दोनों देश क्रमशः छठे व नौवें स्थान पर हैं.

प्रतिस्पर्द्धता की दृष्टि से इस वर्ष की रिपोर्ट में सबसे खराब स्थिति कांगो, यमन व चाड में बताई गई है. 141 देशों की सूची में इनका स्थान क्रमशः 139वाँ, 140वाँ व 141वाँ है. चाड, जिसका सूची में सबसे नीचे 141वाँ स्थान है, के लिए यह सूचकांक 35·1 आकलित किया गया है. सबसे निचले स्थान पर रहे 10 देशों में वेनेजुएला, मॉरिटेनिया, बुरुंडी अंगोला मोजाम्बिक व हैती शामिल हैं.

'ब्रिक्स' के 5 देशों में भारत की स्थिति मध्य में है. इनमें चीन, रूस व द. अफ्रीका क्रमशः 28वें, 43वें व 60वें स्थान पर रहते हुए, जहाँ भारत से बेहतर स्थिति में हैं, ब्राजील 71वें स्थान पर भारत से पीछे है.

अपने पड़ोसी देशों में भारत की स्थिति श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल व पाकिस्तान से काफी बेहतर है. 141 देशों की इस सूची में भारत का 68वाँ स्थान 2019 की ग्लोबल कम्पिटीटिव रिपोर्ट में जहाँ है, वहीं 28वें स्थान पर रहते हुए चीन भारत से आगे है, जबकि श्रीलंका का 84वाँ, बांग्लादेश का 105वाँ व पाकिस्तान का 110वाँ व नेपाल का 108वाँ स्थान इस वर्ष की रिपोर्ट में है. चीन का पिछले वर्ष 2018 की रिपोर्ट में भी 28वाँ स्थान था. इस प्रकार उसकी रैंक में कोई परिवर्तन इस वर्ष नहीं आया है, जबकि भारत की रैंकिंग 58 से गिरकर 68वीं हुई है. वर्ष 2017 की कम्पिटीटिवनैस रिपोर्ट में भारत की वैश्विक रैंकिंग 40वीं थी. इस प्रकार भारत की स्थिति में गिरावट इन वर्षों में आई है. पाकिस्तान का पिछले वर्ष की रैंकिंग में 107वाँ स्थान था, जो इस वर्ष 110वाँ रहा है, जबकि बांग्लादेश की रैंकिंग 103वीं से गिरकर 105वीं इस वर्ष रही है. नेपाल का पिछले वर्ष 2018 की रैंकिंग में 109वाँ स्थान था, जो ताजा रैंकिंग में 108वाँ है.

ग्लोबल कम्पिटीटिवनैस इंडेक्स 4·0 2019 रैंकिंग

सर्वाधिक प्रतिस्पर्द्धिता वाले 5 राष्ट्र

वैश्विक रैंक	राष्ट्र	स्कोर (0–100)
1	सिंगापुर	84·8
2	अमरीका	83·7
3	हॉगकॉंग	83·1
4	नीदरलैण्ड्स	82·4
5	स्विट्जरलैण्ड	82·3

सबसे निचली रैंकिंग वाले 5 राष्ट्र

137	मोजाम्बिक	38·1
138	हैती	36·3
139	कांगो	36·1
140	यमन	35·5
141	चाड	35·1

भारत व पड़ोसी देशों की रैंक

रैंक 2019	देश
28	चीन
52	मॉरिशस
68	भारत
84	श्रीलंका
105	बांग्लादेश
108	नेपाल
110	पाकिस्तान

ब्रिक्स देशों की रैंक

रैंक 2019	देश
28	चीन
43	रूस
60	द. अफ्रीका
68	भारत
71	ब्राजील

अध्यादेश/अधिनियम/विधेयक

- **नए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में उपभोक्ता हितों का बेहतर संरक्षण**

उपभोक्ता अधिकारों के बेहतर संरक्षण के लिए नया उपभोक्ता संरक्षण (संशोधन) विधेयक 2019 संसद ने अगस्त 2019 में पारित किया है. लोक सभा द्वारा 30 जुलाई, 2019 को पारित इस विधेयक को राज्य सभा ने 6 अगस्त को पारित किया है तथा 9 अगस्त को राष्ट्रपति के अनुमोदन के पश्चात् नए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम ने 1986 के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम को प्रतिस्थापित किया है. नया अधिनियम न केवल 1986 के अधिनियम की तुलना में अधिक व्यापक है, बल्कि उपभोक्ता अधिकारों का बेहतर संरक्षण भी इससे हो सकेगा.

- उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण हेतु शीर्ष स्तर पर एक **सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी** (CCPA) के गठन का प्रावधान किया गया है.
- उपभोक्ता उसे माना गया है, जो अपने इस्तेमाल के लिए किसी वस्तु अथवा सेवा को मूल्य देकर प्राप्त किया करता है. आगे बिक्री के लिए खरीदने वाला उपभोक्ता के दायरे में शामिल नहीं है.
- ई-कॉमर्स को पहली बार उपभोक्ता सरक्षण कानून के तहत् लाया गया है. यह पिछले कानून के दायरे में नहीं था.
- उपभोक्ता विवादों के निपटान हेतु जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर उपभोक्ता अदालतें पहले से ही विद्यमान हैं. इन्हें नए नाम (जिला फोरम को जिला उपभोक्ता आयोग आदि) देते हुए इनके अधिकार क्षेत्रों में वृद्धि की गई है.
- जिला स्तरीय उपभोक्ता अदालत में ₹ 20 लाख तक के तथा राज्य स्तरीय अदालत में ₹ 20 लाख से अधिक, किन्तु ₹ 1 करोड तक के मामले ही अभी तक दर्ज कराए जा सकते थे तथा ₹ 1 करोड से अधिक के विवाद ही राष्ट्रीय स्तर के न्यायालय में दर्ज होते थे. नए अधिनियम से अब ₹ 1 करोड के मामले जिला आयोग में दर्ज किए जा सकेंगे, जबकि ₹ 1 करोड से अधिक किन्तु ₹ 10 करोड तक विवाद राज्यस्तरीय आयोग में दर्ज किए जाएंगे.

MAGAZINE KING

राष्ट्रीय आयोग में ₹ 10 करोड़ से अधिक मूल्य वाले विवादों की सुनवाई होगी.

- किसी उत्पादक/विक्रेता के विरुद्ध शिकायत अभी तक उसके क्षेत्र में ही दर्ज कराई जा सकती थी. नए अधिनियम के तहत् उपभोक्ता के आवास एवं कार्यक्षेत्र से भी शिकायत दर्ज कराई जा सकेगी.
- **प्रोडक्ट लायबिलिटी'** (Product Liability) अर्थात् किसी प्रोडक्ट के इस्तेमाल से हुई हानि के लिए मुआवजे का कोई प्रावधान पहले के उपभोक्ता संरक्षण कानून में नहीं था तथा ऐसे किसी मुआवजे के लिए अलग से सिविल अदालत में मामला दर्ज कराना होता था. नए कानून में अब **प्रोडक्ट लायबिलिटी** का प्रावधान भी किया गया है. अर्थात् उपभोक्ता अदालत में ही इसका दावा किया जा सकेगा.
- मध्यस्थता के (Mediation) के जरिए मामलों के निपटान का कोई प्रावधान पहले के कानून में नहीं था, जो अब नए कानून में किया गया है.
- भ्रामक विज्ञापनों के मामलों में सजा के कड़े प्रावधान नए कानून में किए गए हैं. भ्रामक विज्ञापनों के मामले में सेलेब्रिटीज़ को भी जवाबदेह अब माना गया है. उन पर भी ₹ 10 लाख तक का जुर्माना आरोपित किया जा सकेगा. पुनरावृत्ति के मामलों में यह जुर्माना ₹ 50 लाख तक हो सकेगा. ऐसे मामलों में मीडिया के विरुद्ध कोई आरोप नहीं बनेगा.

20वीं पशुधन गणना (2019)

भारत की 20वीं पशुधन गणना (Livestock Census) के परिणाम 16 अक्टूबर, 2019 को जारी हुए हैं. केन्द्र सरकार के मत्स्यिकी पशुपालन एवं डेयरी विभाग के तत्वावधान में यह गणना 1 अक्टूबर, 2018 से शुरू हुई थी. ग्रामीण व शहरी दोनों ही क्षेत्रों में अखिल भारतीय स्तर पर की गई यह गणना सात वर्षों के अन्तराल के पश्चात् सम्पन्न की गई. पशुओं की विभिन्न नस्लों–मवेशियों (Cattles), भैंस (Buffalos), मिथुन (Mithun), याक (Yak), भेड़ (Sheeps), बकरी (Goats), सुअर (Pig), घोड़ा (Horse), टट्टू (Pony), खच्चर (Mule), गधा (Donkey), ऊँट (Camel), कुत्ता (Dog), खरगोश (Rabbit) व हाथी तथा घरों/घरेलू उद्यमों/गैर घरेलू उद्यमों व संस्थानों में मौजूद पक्षियों–मुर्गी (Fowl), बत्तख (Duck), एमू (Emu), टर्की (Turkeys), बटेर (Quail) व अन्य पोल्ट्री पक्षियों की गणना इस पशुधन गणना के तहत् की गई. टैबलेट कम्प्यूटरों के जरिए गणना पर विशेष बल इस गणना में दिया गया तथा इसके लिए राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के 80 हजार से भी अधिक कर्मचारियों की सेवाएं पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा ली गई थीं.

20वीं पशुधन गणना के महत्वपूर्ण निष्कर्ष निम्नलिखित हैं–

- *देश में कुल **पशुधन आबादी** (Livestock population) 2019 में 535·78 मिलियन है, जो पशुधन गणना 2012 की तुलना में 4·6 प्रतिशत अधिक है.*
- *कुल **गोजातीय आबादी** (Bovine population) (मवेशी, भैंस, मिथुन एवं याक) वर्ष 2019 में 302·79 मिलियन आँकी गई जो पिछली गणना की तुलना में लगभग 1 प्रतिशत अधिक है.*
- *देश में **मवेशी** (Cattle) की कुल संख्या वर्ष 2019 में 192·49 मिलियन है, जो पिछली गणना की तुलना में 0·8 प्रतिशत ज्यादा है.*
- ***मादा मवेशी** (गायों की कुल संख्या) 145·12 मिलियन आँकी गई है, जो पिछली गणना (2012) की तुलना में 18·0 प्रतिशत अधिक है.*
- *विदेशी/संकर नस्ल और स्वदेशी/ अवर्गीय मवेशी (Indigenous/Non descript cattle) की कुल संख्या देश में क्रमशः 50·42 मिलियन और 142·11 मिलियन है.*
- *स्वदेशी/अवर्गीय मादा मवेशी की कुल संख्या वर्ष 2019 में पिछली गणना की तुलना में 10 प्रतिशत बढ़ गई है.*
- *2019 में देश में भैंसों की कुल संख्या 109·85 मिलियन है, जो पिछली गणना की तुलना में लगभग 1·0 प्रतिशत अधिक है.*
- *देश में वाणिज्यिक पोल्ट्री की कुल संख्या 534·74 मिलियन है, जो पिछली गणना की तुलना में 4·5 प्रतिशत अधिक है.*
- *गायों और भैंसों में कुल दुधारू पशुओं (Milch animals–in milk and dry) की संख्या 125·34 मिलियन है, जो पिछली गणना की तुलना में 6·0 प्रतिशत अधिक है.*
- *देश में भेड़ों की कुल संख्या वर्ष 2019 में 74·26 मिलियन है, जो पिछली गणना की तुलना में 14·1 प्रतिशत ज्यादा है.*
- *देश में बकरी की कुल संख्या वर्ष 2019 में 148·88 मिलियन है, जो पिछली गणना की तुलना में 10·1 प्रतिशत अधिक है.*
- *2019 की गणना में देश में सुअर की कुल संख्या 9·06 मिलियन आँकी गई है, जो पिछली गणना की तुलना में 12·03 प्रतिशत कम है.*
- *मिथुन, याक, घोड़े, टट्टू, खच्चर, गधे, ऊँट सहित अन्य पशुधन आपस में मिलकर कुल पशुधन में लगभग 0·23 प्रतिशत का योगदान करते हैं और उनकी कुल संख्या 1·24 मिलियन है.*
- *देश में कुल पोल्ट्री संख्या वर्ष 2019 में 851·81 मिलियन आँकी गई है, जो 2012 की तुलना में 16·8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है.*
- *देश में घरों के आँगन में पोल्ट्री की कुल संख्या 317·07 मिलियन आँकी गई है, जो पिछली गणना की तुलना में लगभग 4·6 प्रतिशत ज्यादा है.*

विविध

नीति आयोग का पुनर्गठन : राजीव कुमार उपाध्यक्ष पद पर बरकरार

नरेन्द्र मोदी नीति आयोग के पदेन अध्यक्ष

केन्द्र में नई सरकार के गठन के पश्चात् नीति (NITI–National Institution for Transforming India) आयोग का पुनर्गठन सरकार ने 6 जून, 2019 को किया है. प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाले इस आयोग में राजीव कुमार को उपाध्यक्ष पद पर बरकरार रखा गया है.

1.	**अध्यक्ष**	प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी
2.	**उपाध्यक्ष**	डॉ. राजीव कुमार
3.	**पूर्णकालिक सदस्य**	(i) श्री वी.के. सारस्वत
		(ii) प्रो. रमेश चन्द
		(iii) डॉ. वी.के. पॉल
4.	**पदेन सदस्य**	(i) श्री राजनाथ सिंह, रक्षा मन्त्री
		(ii) श्री अमित शाह, गृह मन्त्री
		(iii) श्रीमती निर्मला सीतारमण, वित्त मन्त्री एवं कॉर्पोरेट मामलों की मन्त्री
		(iv) श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, कृषि एवं किसान कल्याण मन्त्री, ग्रामीण विकास मन्त्री; पंचायती राज मन्त्री
5.	**विशेष आमंत्रित**	(i) श्री नितिन जयराम गडकरी, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मन्त्री; सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मन्त्री
		(ii) श्री थावर चन्द गहलोत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मन्त्री
		(iii) श्री पीयूष गोयल, रेल मन्त्री; वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्री
		(iv) श्री राव इन्द्रजीत सिंह, साख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मन्त्री (स्वतन्त्र प्रभार); नियोजन राज्य मन्त्री (स्वतन्त्र प्रभार)

*भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1980 बैच के अधिकारी अमिताभ कान्त नीति आयोग के पहले पूर्णकालिक **मुख्य कार्यकारी अधिकारी** (CEO) फरवरी 2016 में बनाए गए थे तथा इस पद पर उनका बढ़ा हुआ कार्यकाल 30 जून, 2019 तक था. इस पद पर उनके कार्यकाल में पुनः दो वर्ष की वृद्धि सरकार ने जून 2019 में की है जिससे नीति आयोग के सीईओ पद पर उनका कार्यकाल अब 30 जून, 2021 तक रहेगा.*

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् का पुनर्गठन

सरकार ने प्रधानमन्त्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (Economic Advisory Council to the Prime Minister–EAC-PM) का पुनर्गठन सितम्बर 2019 में किया है. 26 सितम्बर, 2019 से प्रभावी यह पुनर्गठन दो वर्ष के लिए किया गया है. परिषद् के अध्यक्ष डॉ. बिबेक देवराय व सदस्य सचिव रतन पी. वाटल पुनर्गठित परिषद् में इन्हीं पदों पर बरकरार रखे गए हैं.

- *इन दो पूर्णकालिक सदस्यों के अतिरिक्त सलाहकार परिषद् में दो–डॉ. आशिमा गोयल व डॉ. साज्जिद चिनॉय को अंशकालिक सदस्य के रूप में शामिल किया गया है. इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च में प्रोफेसर डॉ. आशिमा गोयल पहले से ही इस परिषद् की अंशकालिक सदस्य हैं, जबकि साज्जिद चिनॉय इसमें नए सदस्य हैं. अर्थव्यवस्था के मामलों के विशेषज्ञ डॉ. चिनॉय वर्तमान में जे.पी. मॉर्गन में प्रमुख अर्थशास्त्री हैं.*
- *सितम्बर 2017 से सलाहकार परिषद् में अंशकालिक सदस्य रहे रथिन रॉय (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एण्ड पॉलिसी) व शमिका रवि (ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन) को पुनर्गठित परिषद् में स्थान नहीं दिया गया है. **इससे आर्थिक सलाहकार परिषद् में सदस्यों की कुल संख्या अब पाँच से घटकर चार रह गई है.***
- *पुनर्गठित परिषद् के अध्यक्ष डॉ. बिबेक देबरॉय जाने-माने अर्थशास्त्री हैं तथा जनवरी 2015 से जून 2019 के दौरान नीति आयोग के सदस्य रह रहे थे. परिषद् के सदस्य सचिव श्री रतन वाटल देश के वित्त सचिव रह चुके हैं.*

MAGAZINE KING

राज्यों व केन्द्रशासित क्षेत्रों के लिए नीति आयोग के पहले इनोवेशन इंडेक्स (2019) : बड़े राज्यों में कर्नाटक का शीर्ष स्थान

*राज्यों व केन्द्रशासित क्षेत्रों के लिए नीति आयोग ने अपने पहले भारत नवाचार सूचकांक (India Innovation Index–III) अक्टूबर 2019 में जारी किए. **इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पिटीटिवनेस** के सहयोग से ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स की तर्ज पर तैयार किए गए. यह सूचकांक राज्यों व केन्द्रशासित क्षेत्रों में नवाचार (Innovation) के मामले में निष्पादन की तुलना व इनके सम्बन्ध में राज्य सरकारों की नीतियों के मूल्यांकन में सहायक होंगे.*

- *नीति आयोग के इंडिया इनोवेशन इंडेक्स की गणना दो क्षेत्रों–**इनेबलर्स** (Enablers) व **परफॉरमेंस** (Performance) के क्षेत्रों में अर्जित स्कोर का औसत निकाल कर की गई है. इसमें इनेबलर्स पाँच तत्वों–(i) ह्यूमन कैपिटल, (ii) इन्वेस्टमेंट, (iii) नॉलेज वर्कर्स, (iv) बिजनेस एन्वायरमेंट तथा (v) सेफ्टी एण्ड लीगल एन्वायरमेंट का समावेश जहाँ करता है, वहीं परफॉरमेंस दो पैरामीटर्स, (vi) नॉलेज आउटपुट व (vii) नॉलेज डिफ्यूजन से सम्बन्धित है. इस प्रकार विभिन्न राज्यों को इनोवेशन के कुल सात मानकों पर रखते हुए इनके आधार पर रैंकिंग राज्यों को प्रदान की गई है.*
- ***इस सूचकांक के आधार पर तुलना के लिए राज्यों को निम्नलिखित तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है–***
  (i) बड़े राज्य, (ii) पूर्वोत्तर एवं पर्वतीय राज्य, (iii) केन्द्रशासित क्षेत्र/छोटे राज्य.
- *नीति आयोग के इस इंडेक्स में ओवरऑल स्कोर के आधार पर बड़े राज्यों में सर्वाधिक 36·65 स्कोर के साथ कर्नाटक का पहला स्थान है, जिसके पश्चात् क्रमशः तमिलनाडु (स्कोर 32·98), महाराष्ट्र (29·93), तेलंगाना (22·06), हरियाणा (20·55), केरल (19·58) व उत्तर प्रदेश (19·08) के स्थान हैं.*
- *17 बड़े राज्यों में झारखण्ड, जिसके लिए ओवरऑल स्कोर 6·20 आकलित किया गया है, का अन्तिम 17वाँ स्थान है जबकि 7·99 स्कोर के साथ बिहार 16वें, 8·06 स्कोर के साथ छत्तीसगढ़ 15वें तथा 9·70 स्कोर के साथ मध्य प्रदेश 14वें स्थान पर है.*

बड़े राज्यों में सर्वाधिक इनोवेटिव 10 राज्य

रैंक	राज्य	स्कोर
1.	कर्नाटक	35·65
2.	तमिलनाडु	32·98
3.	महाराष्ट्र	29·93
4.	तेलंगाना	22·06
5.	हरियाणा	20·55
6.	केरल	19·58
7.	उत्तर प्रदेश	19·08
8.	प. बंगाल	18·21
9.	गुजरात	16·86
10.	आन्ध्र प्रदेश	14·51

बड़े राज्यों में सबसे कम इनोवेटिव राज्य

रैंक	राज्य	स्कोर
14	मध्य प्रदेश	9·70
15	छत्तीसगढ़	8·06
16	बिहार	7·99
17	झारखण्ड	6·20

केन्द्रशासित क्षेत्रों/छोटे राज्यों की श्रेणी में 42·98 अंकों के साथ दिल्ली का जहाँ पहला स्थान है, 27·97 अंकों के साथ चण्डीगढ़ दूसरे, 22·49 अंकों के साथ गोवा तीसरे तथा 13·94 अंकों के साथ पुदुचेरी चौथे स्थान पर है. पूर्वोत्तर एवं पहाड़ी राज्यों की श्रेणी में सिक्किम का पहला, हिमाचल प्रदेश का दूसरा तथा उत्तराखण्ड का तीसरा स्थान इस सूचकांक के मामले में रहा है.

●●●

शेष पृष्ठ 175 का

सबरीमाला प्रकरण

केरल के सबरीमाला में 2 जनवरी, 2019 को 50 वर्ष से कम उम्र की दो महिलाओं–बिन्दु अम्मिनि व कनकदुर्गा ने भगवान अयप्पा मन्दिर में प्रवेश कर 800 वर्ष पुरानी परम्परा को तोड़ा. मंदिर मकरविल्लकु उत्सव के लिए खोला गया था. सर्वोच्च न्यायालय ने इसके 28 सितम्बर, 2018 को सभी उम्र की महिलाओं को मंदिर में दर्शन की अनुमति दी थी. इसके बावजूद संगठनों के विरोध के कारण कोई युवती या 50 वर्ष से कम आयु की कोई महिला मंदिर में नहीं जा पाई थी.

राष्ट्रीय नमक सत्याग्रह स्मारक राष्ट्र को समर्पित

30 जनवरी, 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर गुजरात के नवसारी जिले में दांडी स्थित राष्ट्रीय नमक सत्याग्रह स्मारक राष्ट्र को समर्पित किया. स्मारक स्थल पर उन्होंने महात्मा गांधी और ब्रिटिश कानून के खिलाफ समुद्र के पानी से नमक बनाने के लिए 1930 में ऐतिहासिक दाण्डी नमक यात्रा के दौरान उनके साथ चलने वाले 80 सत्याग्रहियों की प्रतिमाओं का अनावरण किया. इस स्मारक में 1930 के ऐतिहासिक नमक मार्च से जुड़ी विभिन्न घटनाओं और कथाओं को दर्शाने वाले 24 बोलते भित्ति चित्र हैं. स्मारक परिसर की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए इसमें सौर वृक्ष लगाए गए हैं.

पुलवामा प्रकरण

जम्मू-कश्मीर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुलवामा में 14 फरवरी, 2019 को सीआरपीएफ के एक काफिले में जवानों से भरी एक बस को एक भीषण आत्मघाती आतंकी हमले के तहत् विस्फोटकों से लदी एक स्कॉर्पियो ने टक्कर मारकर उड़ा दिया था. इस बर्बर आत्मघाती हमले में सीआरपीएफ के 42 जवान शहीद हुए थे. हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान से संचालित जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी.

भारत में ई-सिगरेट पर प्रतिबन्ध

भारत अन्य देशों की भाँति ई-सिगरेट के बढ़ते प्रचलन से चिंतित है. भारत के कई राज्यों (अब तक कुल 16 राज्य) में ई-सिगरेट को प्रतिबंधित किया जा चुका है. इसी परिप्रेक्ष्य में 18 सितम्बर, 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने **इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट (उत्पादन, विनिर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, विक्रय, वितरण, भण्डारण और विज्ञापन) निषेध अध्यादेश, 2019** की घोषणा को अपनी स्वीकृति प्रदान की. अध्यादेश में–सिगरेटों का किसी प्रकार उत्पादन, विनिर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, विक्रय (ऑनलाइन विक्रय सहित), वितरण अथवा विज्ञापन (ऑनलाइन विज्ञापन सहित) एक संज्ञेय अपराध माना गया है और पहली बार अपराध के मामले में एक वर्ष तक कैद अथवा ₹ 1 लाख तक जुर्माना अथवा दोनों और अगले अपराध के लिए तीन वर्ष तक कैद और ₹ 5 लाख तक जुर्माना लगाया जा सकता है.

न्यायमूर्ति पिनाकी चंद घोष : देश के पहले लोकायुक्त

मार्च 2019 को देश में बहुप्रतीक्षित लोकपाल का गठन हो गया. 19 मार्च, 2019 को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति पिनाकी चंद घोष को भ्रष्टाचार पर निगाह रखने वाली इस संस्था का प्रमुख नियुक्त किया. बाद में 23 मार्च, 2019 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में उन्हें इस पद की शपथ राष्ट्रपति ने दिलाई. लोकपाल प्रमुख की नियुक्ति के साथ ही लोकपाल में आठ सदस्यों की नियुक्ति भी राष्ट्रपति द्वारा 19 मार्च, 2019 को की गई. इन्हें बाद में लोकपाल प्रमुख न्यायमूर्ति पिनाकी चंद घोष ने 27 मार्च, 2019 को शपथ दिलाई. लोकपाल के 8 सदस्यों में 4 न्यायिक व 4 गैर-न्यायिक सदस्य हैं.

- *लोकपाल व उसके सदस्यों की मार्च 2019 में प्रथमगत नियुक्तियाँ **लोकपाल एवं लोकायुक्त अधिनियम, 2013** के तहत् की गई है.*
- *सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश व न्यायाधीशों के तर्ज पर लोकपाल व उसके सभी सदस्यों का कार्यकाल 5-5 वर्ष होगा, किन्तु अधिकतम 70 वर्ष की आयु तक ही वह इन पदों पर रह सकेंगे.*
- *लोकपाल के अध्यक्ष के वेतन व भत्ते सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की तर्ज पर एवं सदस्यों के वेतन एवं भत्ते सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के तर्ज पर ही होंगे.*
- *लोकपाल में यह सभी नियुक्तियाँ प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में चयन गठित समिति की संस्तुति के आधार पर राष्ट्रपति द्वारा की गई है.*

●●●

MAGAZINE

नवीनतम सामान्य ज्ञान

चर्चित शब्द संक्षेप

सीपीईसी (CPEC)–चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (China—Pakistan Economic Corridor)

एफआईएनई-फाइन (FINE)–फेस्टिवल ऑफ इनोवेशन एण्ड एंटरप्रिन्योरशिप (Festival of Innovation and Enterpreneurship)

एचएसएफसी (HSFC)–ह्यूमन स्पेस फ्लाइट सेंटर (Human Space Flight Centre)

एमईआरए-मेरा (MERA)–मलेरिया एलिमिनेशन रिसर्च एलायंस (Malaria Elimination Research Alliance)

ओडीएफ (ODF)–खुले में शौच से मुक्ति (Open Defecation Free)

एसईक्यूआई (SEQI)–स्कूल एज्यूकेशन क्वालिटी इंडेक्स (School Education Quality Index)

पुरस्कार/सम्मान (राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय)

- **ज्ञानपीठ पुरस्कार :**
  54वाँ (2018)–अमिताव घोष (अंग्रेजी के प्रसिद्ध साहित्यकार) (12 जून, 2019 को घोषणा)
  53वाँ (2017)–कृष्णा सोबती (प्रसिद्ध हिन्दी साहित्यकार)
  52वाँ (2016)–शंख घोष (प्रसिद्ध बांग्ला साहित्यकार)
- **व्यास सम्मान, 2018**–लीलाधर जगूड़ी (**कृति**–जितने लोग उतने प्रेम) (15 मार्च, 2019)
  2017–ममता कालिया (**कृति**–दुक्खम-सुक्खम)
- **बिहारी पुरस्कार, 2018 (28वाँ)**–मनीषा कुलश्रेष्ठ {**कृति**–स्वप्नपाश} (16 मई, 2019)
  2017–विजय वर्मा {**कृति**–लोकावलोकन}
- **चमेली देवी जैन पुरस्कार, 2018-19**–प्रियंका दुबे (बीबीसी की पत्रकार, मार्च, 2019)
  2017-18–उमा सुधीर
- **प्रेम भाटिया पुरस्कार, 2019**–राजदीप सरदेसाई, इशान कुकरेति व शारदा बाल सुब्रमण्यम (11अगस्त, 2019)
  2018–आकार पटेल
- **हिन्दू लिटरेरी प्राइज, 2018**–नीलम सरन गौर {**कृति**–रेक्विएम इन राग जानकी} (15 जनवरी, 2019)
- **लता मंगेशकर पुरस्कार, 2019**–उषा खन्ना (संगीत निर्देशिका) {सितम्बर 2019}
- **भारत-भारती सम्मान, 2018**–डॉ. ऊषा किरण खान (पटना) {सितम्बर 2019}
- **मूर्तिदेवी पुरस्कार, 2017**–जय गोस्वामी {**कृति**–दू डोडो फोवारा मात्रो}
  2016–एम.पी. वीरेन्द्र कुमार {**कृति**–हिमावाथाभूविल}
- **लाल बहादुर शास्त्री पुरस्कार, 2019**–डॉ. मंजू शर्मा {1 अक्टूबर, 2019}

टैगोर सांस्कृतिक समरसता पुरस्कार, 2014, 2015 व 2016

(24 अक्टूबर, 2018 में तीनों वर्षों के लिए घोषित, फरवरी, 2019 में वितरित)
2014–राजकुमार सिंहजीत सिंह (मणिपुर नृत्य के पुरोधा)
2015–छायानट (बांग्लादेश का सांस्कृतिक संगठन)
2016–राम वनजी सुतार (भारत के महान् मूर्तिकार)

भारत रत्न, 2019

25 जनवरी, 2019 को 70वें गणतन्त्र दिवस की पूर्व संध्या पर तीन व्यक्तियों–भारत के पूर्व राष्ट्रपति **प्रणव मुखर्जी**, प्रसिद्ध संगीतकार **भूपेन हजारिका** तथा संघ से जुड़े नेता व प्रसिद्ध समाजसेवी **नानाजी देशमुख** को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' देने की घोषणा की गई थी. इन्हें इस सम्मान से 8 अगस्त, 2019 को सम्मानित किया गया.

गांधी शांति पुरस्कार, 2015, 2016, 2017 व 2018

(19 जनवरी, 2019)
2015 : विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी
2016 : अक्षयपात्र फाउण्डेशन व सुलभ इण्टरनेशनल (संयुक्त रूप से)
2017 : एकल अभियान ट्रस्ट
2018 : विश्व स्वास्थ्य संगठन के सद्भावना दूत योहेई ससाकावा

- **सरस्वती सम्मान, 2018 (28वाँ)**–के. शिवा रेड्डी (तेलुगू के प्रसिद्ध कवि) {**कृति**–पक्काकी ओट्टिटगिलिते, कविता संग्रह} (16 मई, 2019)
  2017 (27वाँ)–सीतांशु यशश्चंद्र (गुजराती के प्रसिद्ध साहित्यकार/कवि) {**कृति**–वखार, कविता संग्रह}
- **दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, 2018**–अमिताभ बच्चन (24 सितम्बर, 2019) (प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता)
  2017 : विनोद खन्ना (प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता)
- **राजीव गांधी सद्भावना पुरस्कार, 2018**–गोपाल कृष्ण गांणी
  2017–मोहम्मद अजहरूद्दीन (पूर्व क्रिकेटर) तथा एम. गोपाला कृष्णा
- **पहला गौरी लंकेश मेमोरियल पुरस्कार, 2019**–रवीश कुमार (22 सितम्बर, 2019)
- **40वाँ सरला पुरस्कार, 2019**–प्रदीप दाश (प्रसिद्ध ओड़िया लेखक) (**कृति**–चारु चिबार ओ चारज्या) (7 सितम्बर, 2019)
- **इंदिरा गांधी पुरस्कार, 2017-18** (31वाँ)–चंडी प्रसाद भट्ट (14 अक्टूबर, 2019)
- **फीफा (FIFA) के सर्वश्रेष्ठ फुटबालर, 2018** (सितम्बर, 2019) :
- **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबालर**–लियोनिल मैसी (अर्जेन्टीना)
- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबालर**–मेमन रैपिनो (अमरीका)
- **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष कोच**–जुर्गेन क्लॉप (जर्मनी)–लिवरपूल टीम के कोच
- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला कोच**–जिम एलिस (अमरीका की महिला टीम की कोच)
- **यूएफा (UEFA) के सर्वश्रेष्ठ फुटबालर, 2018-19**–जुवेंटिस क्रिस्टियानो रोनाल्डा (पुर्तगाल) {सितम्बर, 2019}
- **मान बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार, 2019**–जोखा अलार्थी (ओमान) (**कृति**–सेलेस्टियल बॉडीज) {मई, 2019}
  2018–ओल्गा टोकारझुक (पोलैण्ड) (**कृति**–फ्लाइट्स)
  {**नोट**–यह पुरस्कार पहले दो-दो वर्ष के अन्तराल पर दिया जाता था. वर्ष 2016 से अब प्रत्येक वर्ष दिया जा रहा है.
- **बुकर पुरस्कार, 2019**–मार्गरेट एटवुड (कनाडा) {**कृति**–द टेस्टामेंट्स} व बर्नार्डिन एकरिस्टो (ब्रिटेन) {**कृति**–गर्ल, वोमेन, अदर} (14 अक्टूबर, 2019)
  2018–एन्ना बर्न्स (उत्तरी आयरलैण्ड) {**कृति**–मिल्कमैन}
- **टेम्पलटन पुरस्कार, 2019**–मार्सेलो ग्लीसर (Marcelo Gleiser)
- **एबेल पुरस्कार, 2019**–कारेन केसकुला उहलेनबेक {19 मार्च, 2019}
- **प्रथम शेख सौद अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार**–प्रो. सी.एन.आर. राव (25 फरवरी, 2019)
- **गुइलेर्मो कानो प्रेस फ्रीडम पुरस्कार, 2019**–रायटर्स के म्यांमार स्थित दो रिपोर्टरों-वा लोन व क्याव सो ऊ (रायटर्स के म्यांमार स्थित रिपोर्टर) (3 मई, 2019)
- **सासाकावा पुरस्कार, 2019**–डॉ. प्रमोद कुमार मिश्र (16 मई, 2019)
- **वी. के. कृष्णामेनन पुरस्कार, 2019**–जी. डी. रॉबर्ट गोवेंदर (दक्षिण अफ्रीका में भारतीय मूल के पत्रकार) {मई 2019}
- **नेस्प्रेस्सो टैलेंट अवार्ड, 2019**–अच्युतानंद द्विवेदी (**फिल्म**–सीड मदर) {कान्स, मई, 2019}

MAGNET BRAINS KING

- **स्टॉकहोम वाटर पुरस्कार, 2019**—डॉ. जैकी किंग (Dr. Jackie King) (28 अगस्त, 2019)
- **विश्व खाद्य पुरस्कार, 2019**—साइमन एन. ग्रूट (Simon N. Groot) {नीदरलैण्ड्स} (15 अक्टूबर, 2019)
  2018—लॉरेंस हद्दाद (ब्रिटेन) व डॉ. डेविड नबारो (विश्व स्वास्थ्य संगठन से सम्बद्ध)
- **राइट लिवलीहुड पुरस्कार, 2019**—ग्रेटा थुनबर्ग (जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध अभियान चलाने वाली स्वीडिश बालिका), अमि-नातोउ हैदर (प. सहारा की मानवाधिकार कार्यकर्ता), गोउ जियानमेइ (चीनी वकील) व दावी कोपेनावा यानोमामी (हुतुकारा यानोमामी एसोसिएशन व उसके नेता) {पुरस्कार की घोषणा—सितम्बर, 2019 (पुरस्कार वितरण—दिसम्बर, 2019)
- **मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन का ग्लोबल गोलकीपर पुरस्कार, 2019**—नरेन्द्र मोदी (23 सितम्बर, 2019)
- **सास्त्रा रामानुजन पुरस्कार, 2019**—एडम हार्पर (Adam Harper) {ब्रिटेन} (22 दिसम्बर, 2019 को प्रदान किया जाएगा)

बिजनेस स्टैण्डर्ड के उद्योग व्यापार जगत् के पुरस्कार, 2018 (10 फरवरी, 2019; मुम्बई)

- **लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार**—आदि गोदरेज (गोदरेज समूह के चेयरमैन)
- **कम्पनी ऑफ द ईयर**—हिन्दुस्तान यूनीलिवर (सीएमडी—संजीव मेहता)
- **सीईओ ऑफ द ईयर**—विनोद दसारी (एमडी—अशोक लीलैण्ड)
- **स्टार एमएनसी**—हनी वैल ऑटोमेशन इण्डिया (एमडी—आशिष गायकवाड़)
- **स्टार पीएसयू**—पॉवर ग्रिड (सीएमडी—आई. एस. ओझा)
- **स्टार एसएमई**—जमना ऑटो (उपाध्यक्ष—रणदीप सिंह जौहर)
- **स्टार्ट अप ऑफ द ईयर**—स्विगी (सहसंस्थापक—नंदन रेड्डी, राहुल जैमिनी व श्री हर्ष)

अंर्स्ट एवं यंग के एंट्रप्रिन्योर ऑफ द ईयर पुरस्कार (2018) {12 फरवरी, 2019; मुम्बई}

- **सर्वश्रेष्ठ उद्यमी** (E&Y Enterpreneur of the year)—सिद्धार्थ लाल (आयशर मोटर्स के प्रबंध निदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी)
- **लाइफटाइम एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर**—अजीम प्रेमजी ('विप्रो' के अध्यक्ष)
- **एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (मैन्युफैक्चरिंग)**—निर्मल मिंडा (सीएमडी—मिंडा इंडस्ट्रीज)
- **एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन)**—किशोर बियानी (फ्यूचर ग्रुप के संस्थापक एवं सीईओ)
- **एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (रिटेल एण्ड कंज्यूमर प्रोडक्ट्स)**—राजेश मेहरा (जैक्वार ग्रुप के प्रवर्तक)
- **एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (फाइनेंशियल सर्विसेज)**—संजय अग्रवाल (एमडी एवं सीईओ एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक)
- **एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (एनर्जी रीयल एस्टेट एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर)**—अतुल रुइया (सीएमडी, फीनिक्स मिल्स)
- **एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (सर्विसेज)**—रितेश अग्रवाल (संस्थापक एवं सीईआ ओयो होटल्स)
- **एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (एंटरप्रूनीरियल सीईओ ऑफ द ईयर)**—भास्कर भट्ट (टाइटन कम्पनी के एमडी)
- **एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (स्टार्ट अप)**—बायजू रवीन्द्रन (थिंक एण्ड लर्न के संस्थापक एवं सीईओ)
- **एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (लाइफ साइंसेज एण्ड हैल्थकेयर)**—बिनीश चुगदर (इंटास फार्मा के एमडी)

शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, 2019 (सितम्बर, 2019)

- **जैविकीय विज्ञान** (Biological Sciences):
  (1) डॉ. के. साईकृष्णन (Dr. K. Saikrishnan) (इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, एजूकेशन एण्ड रिसर्च, पुणे)
  (2) डॉ. सौमेक बसक (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्युनोलॉजी, नई दिल्ली)
- **रसायन विज्ञान** (Chemical Sciences) :
  (1) डॉ. राघवन बी. सुनोज (इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बॉम्बे)
  (2) डॉ. तापस कुमार माजी (जवाहर लाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलूरू)
- **पृथ्वी, वातावरण, समुद्र एवं खगोल विज्ञान** (Earth, Atomosphere, Ocean and Planetary Sciences)—
  (1) डॉ. सुबिमल घोष (आईआईटी, बॉम्बे)
- **चिकित्सा विज्ञान** (Medical Science) :
  (1) डॉ. धीरज कुमार (इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एण्ड बायोटेक्नोलॉजी, नई दिल्ली)
  (2) डॉ. मोहम्मद जावेद अली (एल. वी. प्रसाद आई इंस्टीट्यूट, हैदराबाद)
- **इंजीनियरिंग विज्ञान** (Engineering Sciences) :
  (1) डॉ. मणिक वर्मा (माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च इंडिया, बेंगलूरू)
- **गणितीय विज्ञान** (Mathematical Sciences) :
  (1) डॉ. दिशांत मयूर भाई पंचोली (इंस्टीट्यूट ऑफ मैथेमैटिकल साइंस, चेन्नई)
  (2) डॉ. नीना गुप्ता (इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, कोलकाता)
- **भौतिक विज्ञान** (Physical Sciences)—
  (1) डॉ. शंकर घोष (टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फण्डामेंटल रिसर्च, मुम्बई)
  (2) डॉ. आनिंदा सिन्हा (इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बैंगलूरू)

सिएट के अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट पुरस्कार, 2019 (13 मई, 2019; मुम्बई)

- **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेटर** (International Cricketer of the Year) : विराट कोहली (भारत)
- **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अन्तर्राष्ट्रीय बैट्समैन** (International Batsman of the Year) : विराट कोहली (भारत)
- **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अन्तर्राष्ट्रीय बॉलर** (International Baller of the Year) : जसप्रीत बुमराह (भारत)
- **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेटर** (International ODI Cricketer of the Year) : रोहित शर्मा (भारत)
- **टी-20 बॉलर ऑफ द ईयर** (T-20 Baller of the Year) : राशिद खान (अफगानिस्तान)
- **इंटरनेशनल टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर** (T-20 International Cricketer of the Year) : आरोन फिंच (आस्ट्रेलिया)
- **इंटरनेशनल वोमेन क्रिकेटर ऑफ द ईयर** (International Women Cricketer of the Year) : स्मृति मंधाना (भारत)
- **आउटस्टैंडिंग पर्फोमेंस ऑफ द ईयर** : कुलदीप यादव (भारत)

वर्ष 2019 की प्रमुख सौन्दर्य प्रतियोगिताएं : एक दृष्टि में

- ***मिस इंडिया वर्ल्ड–2019***—*सुमन राव (राजस्थान, 15 जून, 2019; मुम्बई)*
- ***मिस यूनीवर्स आस्ट्रेलिया, 2019***—*प्रिया सेराव (28 जून, 2019)*
- ***मिस इंडिया डीवा–2019***—*वत्तिका सिंह (लखनऊ)*
- ***विश्व सुन्दरी (Miss World), 2018***—*वेनेसा पौंस डि लियोन {मेक्सिको} {8 दिसम्बर, 2018, सान्या, चीन}*
- ***मिस यूनीवर्स (Miss Universe), 2018***—*कैट्रियोना ग्रे (Catriona Gray) (फिलीपींस) {17 दिसम्बर, 2018; बैंकॉक (थाइलैण्ड)}*
- ***मिस अर्थ (Miss Earth), 2018***—*गुयेन फुओंग खान (वियतनाम)*

MAGAZINE KING

☞ **यू-19 प्लेयर ऑफ द ईयर** : यशस्वी जैसवाल (भारत)

☞ **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ घरेलू क्रिकेटर** (Domestic Cricketer of the Year) : आशुतोष अमन (बिहार)

☞ **जीवनपर्यन्त उपलब्धियों के लिए पुरस्कार** (Life Time Achievement Award) : मोहिन्दर अमरनाथ (भारत)

ईएसपीएन (ESPN) इंडिया मल्टी स्पोर्ट पुरस्कार–2019 (अप्रैल 2019; मुम्बई में घोषित)

☞ *कुल 11 श्रेणियों में*

☞ ***वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (पुरुष)***–*नीरज चोपड़ा (एथलेटिक्स, भाला फेंक)*

☞ ***वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (महिला)***–*पी. वी. सिंधु (बैडमिंटन)*

☞ ***कमबैक ऑफ द ईयर***–*साइना नेहवाल (बैडमिंटन)*

☞ ***एमर्जिंग स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर***–*सौरभ चौधरी (निशानेबाजी)*

☞ ***कोच ऑफ द ईयर***–*जसपाल राणा (निशानेबाजी)*

☞ ***मैच ऑफ द ईयर***–*अमित पंघल बनाम हसन बॉय दुस्मातोव (मुक्केबाजी)*

☞ ***टीम ऑफ द ईयर***–*महिला टेबल टेनिस टीम*

☞ ***वर्ष का सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ी***–*एकता भ्यान (पैरा एथलीट)*

☞ ***खेलों में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ क्षण*** *(Moment of the year)*–*महिलाओं की 4 × 400 मीटर रिले का स्वर्ण पदक जीतना.*

☞ ***लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार***–*प्रदीप कुमार बनर्जी (फुटबाल)*

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार, 2019

(पुरस्कार वितरण–29 अगस्त, 2019)

राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार, 2019 :

1. *बजरंग पूनिया (रेसलिंग)*
2. *दीपा मलिक (क्रिकेट) (पुरस्कार राशि–₹ 7·5 लाख नकद)*

ध्यानचन्द पुरस्कार, 2019 : (पुरस्कार राशि–₹ 5-5 लाख प्रत्येक)

1. *मैनुअल फ्रेड्रिक्स (हॉकी)*
2. *अरूप बसाक (टेबल टेनिस)*
3. *मनोज कुमार (कुश्ती)*
4. *नितन कीर्तने (टेनिस)*
5. *सी. लालरेमसंगा (तीरंदाजी)*

द्रोणाचार्य पुरस्कार, 2019 : (पुरस्कार राशि–₹ 5-5 लाख प्रत्येक)

1. *विमल कुमार (बैडमिंटन)*
2. *संदीप गुप्ता (टेबल टेनिस)*
3. *मोहिन्दर सिंह ढिल्लन (एथलेटिक्स)*
4. *मेर्जबान पटेल (हॉकी, लाइफटाइम)*
5. *रामबीर सिंह खोखर (कबड्डी, लाइफटाइम)*
6. *संजय भारद्वाज (क्रिकेट, लाइफटाइम)*

अर्जुन पुरस्कार, 2019 : (पुरस्कार राशि–₹ 5-5 लाख प्रत्येक)

(1) *तेजिंदरपाल सिंह तूर (एथलेटिक्स)*
(2) *मोहम्मद अनस याहिया (एथलेटिक्स)*
(3) *एस. भास्करन (बॉडी बिल्डिंग)*
(4) *सोनिया लाठेर (बॉक्सिंग)*
(5) *रविंद्र जडेजा (क्रिकेट)*
(6) *चिंगलेनसना सिंह कांगुजाम (हॉकी)*
(7) *अजय ठाकुर (कबड्डी)*
(8) *गौरव सिंह गिल (मोटर स्पोर्ट्स)*
(9) *प्रमोद भगत (पैरा स्पोर्ट्स, बैडमिंटन)*
(10) *अंजुम मुद्गिल (शूटिंग)*
(11) *हरमीत राजुल देसा (टेबल टेनिस)*
(12) *पूजा टांडा (रेसलिंग)*
(13) *फौवाद मिर्जा (घुड़सवारी)*
(14) *गुरप्रीत सिंह संधू (फुटबॉल)*
(15) *पूनम यादव (क्रिकेट)*
(16) *स्वप्ना बर्मन (एथलेटिक्स)*
(17) *सुंदर सिंह गुर्जर (पैरा स्पोर्ट्स, एथलेटिक्स)*
(18) *भानिदिपति साई प्रणीत (बैडमिंटन)*
(19) *सिमरन सिंह शेरगिल (पोलो)*

64वें फिल्म फेयर पुरस्कार, 2019 (23 मार्च, 2019, मुम्बई)

☞ **सर्वश्रेष्ठ फिल्म**–राज़ी (**निर्देशक**–मेघना गुलज़ार)
2016 (61वें)–बाजीराव मस्तानी (**निर्देशक**–संजय लीला भंसाली)
2017 (62वें)–दंगल (**निर्देशक**–नितेश तिवारी)
2018 (63वें)–हिन्दी मीडियम (**निर्देशक**–साकेत चौधरी)

☞ **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक**–मेघना गुलज़ार (**फिल्म**– राज़ी)

☞ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता**–रणवीर कपूर (**फिल्म**–संजू)

☞ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री**–आलिया भट्ट (**फिल्म**– राज़ी)

☞ **सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेता**–गजराज़ राव (**फिल्म**–बधाई हो) तथा विकी कौशल (**फिल्म**–संजू)

☞ **सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेत्री**–सुरेखा सिकरी (**फिल्म**–बधाई हो)

☞ **सर्वश्रेष्ठ संगीत एलबम**–संजय लीला भंसाली (**फिल्म**–पद्मावत)

☞ **सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक**–अरिजीत सिंह (ऐ वतन ....., फिल्म–राज़ी)

☞ **सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका**–श्रेया घोषाल (घूमर ....., पद्मावत)

☞ **सर्वश्रेष्ठ गीतकार**–गलजार (ऐ वतन ....., राज़ी)

☞ **सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी**–कृति महेश मिड्या व ज्योति तोमर (पद्मावत)

☞ **सर्वश्रेष्ठ संवाद**–अक्षत घिल्डियाल (**फिल्म**–बधाई हो)

☞ **सर्वश्रेष्ठ पटकथा**–श्रीराम राघवन व अन्य (**फिल्म**–अंधाधुन)

☞ **लाइफ टाइम एचीवमेंट पुरस्कार**–श्रीदेवी (मरणोपरान्त)

समालोचना (क्रिटिक्स) श्रेणी के पुरस्कार :

☞ **सर्वश्रेष्ठ फिल्म (क्रिटिक्स)**–अंधाधुन (**निर्देशक**–राम राघवन)
2018–न्यूटन (**निर्देशक**–राम माधवानी)

☞ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (क्रिटिक्स)**–आयुष्मान खुराना (**फिल्म**–अंधाधुन) व रणवीर सिंह (**फिल्म**–पद्मावत)

☞ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (क्रिटिक्स)**–नीना गुप्ता (**फिल्म**–बधाई हो)

जी-सिने पुरस्कार, 2019 (16 मार्च, 2019, मुम्बई)

☞ **सर्वश्रेष्ठ फिल्म**–संजू (**निर्देशक**–राजकुमार हिरानी)

☞ **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक**–संजय लीला भंसाली (**फिल्म**–पद्मावत)

☞ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता**–रणवीर कपूर (**फिल्म**–संजू)

☞ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री**–दीपिका पादुकोण (**फिल्म**–पद्मावत)

☞ **सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेता**–विकी कौशल (**फिल्म**–संजू)

☞ **सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेत्री**–कटरीना कैफ (**फिल्म**–जीरो)

☞ **सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक**–यासर देसाई (नैनो ने बाधी ..... फिल्म–गोल्ड)

☞ **सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका**–विभा सर्राफ व हर्षदीप कौर दिलबारो ....., राजी)

☞ **सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी**–ज्योति तोमर (घूमर, पद्मावत)

☞ **सर्वश्रेष्ठ संवाद**–सुमीत अरोरा (**फिल्म**–स्त्री)

66वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, 2019 (9 अगस्त, 2019)

☞ **सर्वश्रेष्ठ फिल्म**–हेलारो (गुजराती, **निर्देशक**–अभिषेक शाह)
{स्वर्ण कमल व निर्माता/निर्देशक प्रत्येक को ₹ 2·50-2·50 लाख नकद}
2018–विलेज रॉकस्टार्स कसाब (असमिया, **निर्देशक**–रीमा दास)

☞ **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक** {स्वर्ण कमल व ₹ 2·50 लाख नकद}–आदित्य धर (**फिल्म**–उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक; हिन्दी)

☞ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता** (रजत कमल व ₹ 50 हजार नकद)–आयुष्मान खुराना (**फिल्म**–अंधाधुन; हिन्दी फिल्म) व विक्की कौशल (**फिल्म**–उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक; हिन्दी फिल्म)

☞ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री** (रजत कमल व ₹ 50 हजार नकद)–कीर्ति सुरेश (**फिल्म**–महानती; तेलुगू)

MAGAZINE KING

- **सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेता** (रजत कमल व ₹ 50 हजार नकद)–शिवानंद किरकेरे (**फिल्म**–चुम्बक; मराठी)
- **सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेत्री** (रजत कमल व ₹ 50 हजार नकद)–सुरेखा सीकरी (**फिल्म**–बधाई हो; हिन्दी)
- **सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक** (रजत कमल व ₹ 50 हजार नकद)–अरिजीत सिंह (**फिल्म**–बिनते दिल ....., पद्मावत, हिन्दी)
- **सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका** (रजत कमल व ₹ 50 हजार नकद)–बिन्दु मैलिनी (कन्नड़ फिल्म नाथीचरामी के गीत–मायवी मनवी)
- **सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक** (रजत कमल व ₹ 50 हजार नकद)–संजय लीला भंसाली (**फिल्म**–पद्मावत)
- **सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म** (रजत कमल के साथ निर्माता व निर्देशक को ₹ 1·50-1·50 लाख नकद)–ताला की कुंजी (**निर्देशक**–शिल्पी गुलटी)
- **पर्यावरण पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म** (रजत कमल के साथ निर्माता व निर्देशक को ₹ 1·50-1·50 लाख नकद)–द वर्ल्डस् मोस्ट फेमस टाइगर, (**निर्देशक**–सुबिया नालामुथु)
- **हिन्दी भाषा में सर्वश्रेष्ठ फिल्म** (रजत कमल व ₹ 1·00 लाख नकद)–अंधाधुन (**निर्देशक**–श्रीराम राघवन)

सिनेमा पर सर्वोच्च लेखन श्रेणी :

- **सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ पुस्तक**–मउना प्रधान ए पोल, मलयालम (**लेखक**–एस. जयचन्द्रन नायर) {स्वर्ण कमल के साथ ₹ 75 हजार नकद}
- **सर्वश्रेष्ठ आलोचक**–ब्लेस जॉनी (मलयालम) व अनंत विजय (हिन्दी) {स्वर्ण कमल के साथ ₹ 75 हजार नकद}

20वें आइफा (IIFA) पुरस्कार (2019) : (18 सितम्बर, 2019; मुम्बई)

- **सर्वश्रेष्ठ फिल्म**–राजी (**निर्देशक**–मेघना गुलजार)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता**–रणवीर सिंह (**फिल्म**–पद्मावत)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री**–आलिया भट्ट (**फिल्म**–राँजी)
- **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक**–श्रीराम राघवन (**फिल्म**–अंधाधुन)
- **सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता**–विकी कौशल (**फिल्म**–संजू)
- **सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री**–अदिति राव हैदरी (**फिल्म**–पद्मावत)
- **सर्वश्रेष्ठ संगीत**–अमाल मलिक व अन्य (सोनू के टीटू की स्वीटी)
- **सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक**–अरिजीत सिंह (ऐ वतन, राजी)
- **सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका**–हर्षदीप कौर व विभा सराफ (दिलबरो ....., राज़ी)
- **सर्वश्रेष्ठ गीतकार**–अमिताभ भट्टाचार्य (धड़क .....)
- **कोरियोग्राफी**–कृति महेश मिड़या व ज्योति तोमर (घूमर ....., पद्मावत)
- **लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार**–जगदीप जाफरी

72वें बाफ्टा (BAFTA) पुरस्कार, 2018 (10 फरवरी, 2019; लंदन)

- **सर्वश्रेष्ठ फिल्म**–रोमा (Roma) (**निर्देशक**–एल्फोंसो क्यूएरॉन व गबरीला रॉड्रिग्स)
- **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक**–एल्फोंसो क्यूएरॉन (**फिल्म**–रोमा)

2018–गुइलेर्मो डेल टोरो (**फिल्म**–द शेप ऑफ वाटर)

- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता**–रामी मलेक (Rami Malek) {**फिल्म**–बोहेमियन रैपसोडी (Bohemian Rhapsody)}

2018–गैरी ओल्डमैन (Gary Oldman) (**फिल्म**–'डार्केस्ट ऑवर' में विंस्टन चर्चिल की भूमिका हेतु)

- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री**–ओलीविया कोलमैन (Olivia Colman) (**फिल्म**–द फेवरिट में क्वीन ऐन्नी की भूमिका के लिए)

2018–फ्रासेस मैक्डोरमंड (**फिल्म**–थ्री बिलबोर्ड्स आउटसाइड एबिंग मिसौरी)

- **सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता**–महेर्शला अली (**फिल्म**–ग्रीन बुक)
- **सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री**–राशेल वीज (**फिल्म**–द फेवरिट)
- **सर्वश्रेष्ठ ब्रिटिश फिल्म**–द फेवरिट
- **सर्वश्रेष्ठ मौलिक पटकथा**–द फेवरिट (डेब्रोराह डेविस व टोनी मैक्नामारा)
- **सर्वश्रेष्ठ एडेप्टेड कथानक**–स्पाइक ली (डेविड रॉबिनोविट्ज व अन्य)
- **सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफी**–रोमा (एल्फोंसो क्यूएरॉन)
- **सर्वश्रेष्ठ मूल संगीत**–ए स्टार इज बोर्न (ब्रैडली कूपर, लेडी गागा व ल्यूका नेल्सन)
- **सर्वश्रेष्ठ परिधान डिजाइन**–द फेवरिट (सैंडी पॉवेल)
- **सर्वश्रेष्ठ सम्पादन**–वाइस (हैंक कोर्विन)
- **सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री**–फ्री सोलो (एलिजाबेथ चाइ वसर्हेली)

उल्लेखनीय है कि इन पुरस्कारों को ब्रिटेन का ऑस्कर कहा जाता है.

बर्लिन फिल्म महोत्सव के पुरस्कार, 2019 : (7-17 फरवरी, 2019; बर्लिन)

- **सर्वश्रेष्ठ फिल्म का गोल्डन बियर पुरस्कार**–साइनोनिम्स' (Synonyms) {**निर्देशक**–नादव लापिड (Nadav Lapid)}

91वें अकादमी (ऑस्कर) पुरस्कार–2019

(24 फरवरी, 2019; लॉस एंजेल्स, अमरीका)

- ***सर्वश्रेष्ठ फिल्म***–*ग्रीन बुक {**निर्देशक**– पीटर फेरेली (Peter Farrelly)}*
- ***सर्वश्रेष्ठ निर्देशक***–*एल्फोंसो क्यूएरॉन (Alfonso Cuaron) (**फिल्म**–रोमा)*
- ***सर्वश्रेष्ठ अभिनेता***–*रामी मलेक (Rami Malek) (**फिल्म**–बोहेमियन रैपसोडी (Bohemian Rhapsody) में फ्रीडी मर्करी की भूमिका के लिए)*
- ***सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री***–*ओलीविया कोलमैन (Olivia Colman) (**फिल्म**–'द फेवरिट' में ब्रिटिश महारानी एन्नी की भूमिका के लिए)*
- ***सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेता***–*महेर्षला अली (**फिल्म**–ग्रीन बुक)*
- ***सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेत्री***–*रेगिना किंग (**फिल्म**–इफ बिएल स्ट्रीट कुड टॉक)*
- ***सर्वश्रेष्ठ दृश्यांकन*** *(Visual Effect)*–***फिल्म***–*फर्स्ट मैन*
- ***सर्वश्रेष्ठ ध्वनि मिश्रण*** *(Sound Mixing)*–***फिल्म***–*बोहेमियन रैपसोडी*
- ***सर्वश्रेष्ठ ध्वनि सम्पादन***–***फिल्म***– *बोहेमियन रैपसोडी*
- ***सर्वश्रेष्ठ मेकअप (Make up) एण्ड हेयर स्टाइलिंग***–***फिल्म***–*वाइस*
- ***सर्वश्रेष्ठ परिधान डिजाइनिंग*** *(Costume Design)*–***फिल्म***–*ब्लैक पैंथर*
- ***सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिज़ाइन***–***फिल्म***– *ब्लैक पैंथर*
- ***सर्वश्रेष्ठ संगीत (ओरिजनल स्कोर)***– ***फिल्म***–*ब्लैक पैंथर*
- ***सर्वश्रेष्ठ मौलिक गीत (ओरिजनल सॉंग)***–*शैलो (ए स्टार इज बोर्न, लेडी गागा व अन्य)*
- ***सर्वश्रेष्ठ रूपांतरित पटकथा*** *(Adapted Screenplay)*–*ब्लैकक्लांस मैन*
- ***सर्वश्रेष्ठ मूल पटकथा*** *(Original Screenplay)*–*ग्रीन बुक*
- ***सर्वश्रेष्ठ फिल्म सम्पादन*** *(Editing)*– ***फिल्म***–*बोहेमियन रैपसोडी*
- ***सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफी***–*रोमा*
- ***विदेशी भाषा की सर्वश्रेष्ठ फिल्म***–*रोमा (मैक्सिकन)*
- ***सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र फीचर***–*फ्री सोलो*
- ***लघु विषय वृत्तचित्र*** *(Documentry Short Subject)*–*पीरियड एण्ड ऑफ सेंटेंस*
- **सर्वश्रेष्ठ एनीमेटेड फीचर फिल्म**–स्पाइडर मैन इन्टू इ स्पाइडरवर्स
- **एनीमेटेड लघु फिल्म**–बाओ
- **लाइव एक्शन लघु फिल्म**–स्किन

MAGAZINE KING

- **एल्फ्रेड बाउएर पुरस्कार (सिल्वर बियर)**—सिस्टम क्रैशर {**निर्देशक**—नोरा फिंगशिट}
- **ज्यूरी का ग्रांड प्रिक्स पुरस्कार (सिल्वर बियर)**—बाइ द ग्रेस ऑफ गॉड {**निर्देशक**—फ्रैंकोइस ओजोन}
- **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (सिल्वर बियर)**—एंजेला स्कैनेलेक {**फिल्म**—आई वाज एट होम, बट}
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (सिल्वर बियर)**—वांग जिन चुन {**फिल्म**—शो लौंग माई सन}
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (सिल्वर बियर)**—योंग मी {**फिल्म**—शो लौंग माई सन, चीनी फिल्म}
- **सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म का गोल्डन बियर पुरस्कार**—अंब्रा

72वें कान (Cannes) फिल्म महोत्सव पुरस्कार, 2019 (14-25 मई, 2019; कान, फ्रांस)

- **सर्वश्रेष्ठ फिल्म** (Palm d'Or)—पैरासाइट (**निर्देशक**—बोंग जून-हो)
- **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक**—जीन पियरे व लुक डार्डेने (**फिल्म**—यंग अहमद)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता**—एंटोनियो बांडेरास (**फिल्म**—पेन एण्ड ग्लोरी)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री**—एमिली बीचाम (**फिल्म**—लिटिल)
- **ज्यूरी का पुरस्कार**—बाकुराउ (ब्राजीली फिल्म, **निर्देशक**—क्लेबर मेंडोका) व लैस मिज़रेबल्स (फ्रांसीसी फिल्म, **निर्देशक**—लेड्ज ली)
- **कैमेरा डि'ओर पुरस्कार (गोल्डन कैमरा)**—अवर मदर्स (**निर्देशक**—सिसार डियाज़)

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार, 2019 (Raman Magsaysay Awards, 2018) (घोषणा—2 अगस्त, 2019)

- रवीश कुमार (भारतीय पत्रकार)
- को स्वे विन (म्यामार)
- अंगखाना नीलापाइजित (थाइलैण्ड)
- रैयमुंडो पुजंते कायाबायेब (फिलीपीन्स)
- किम जोंग की (दक्षिण कोरिया)
- 1957 में शुरू हुए इस पुरस्कार को एशिया का सर्वोच्च सम्मान/एशिया का नोबेल पुरस्कार माना जाता है.

सामाजिक न्याय के लिए मदर टेरेसा मेमोरियल अवॉर्ड (Mother Teresa Memorial Awards for Social Justice), 2019 (नवम्बर, 2019; मुम्बई)

- कैलाश सत्यार्थी (दक्षिण पूर्व एशिया एवं भारत में बालश्रम एवं तस्करी के विरुद्ध लड़ाई के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता)
- अजीत सिंह (भारत में नाबालिकों के व्यावसायिक यौन शोषण से मुक्त पहला रेड-लाइट क्षेत्र बनाने के उनके प्रयासों के लिए)
- दाफोह (DAFOH : Doctors Against Forced Organ Harvesting), अमरीका
- फ्री ए गर्ल (Free A Girl).
- जीविका (JEEVIKA)
- जूनियर नजिता नसुआमी (Junior Nzita Nsuami).
- रॉब विलियम्स (Rob Williams).
- अलेजेंद्र रसेल (Alezandra Russell).
- हसीना खारभिह (Hasina Kharbhih).
- ऑफिस फॉर द रेस्क्यू ऑफ यजीदीज (Office for the Rescue of Yazidis)
- प्रेरणा (PRERANA)
- रॉबर्ट बिल्हिमर (Robert Wilheimer).

नोबेल पुरस्कार—2019

***पुरस्कारों की घोषणा**—अक्टूबर, 2019 (विभिन्न तिथियों में)*

***वितरण**—10 दिसम्बर, 2019*

❖ ***वितरण स्थल—शांति का**—ओस्लो*
***शेष सभी**—स्टॉकहोम*

***साहित्य**—इस बार दो वर्षों—2018 व 2019 के लिए प्रदान कया गया. वर्ष 2018 में प्रदान नहीं किया गया था.*

***2018**—ओल्गा टोकार्कजुक (Olga Tokarczuk) {पोलैण्ड}*

***2019**—पीटर हैंडके (Peter Handke) {आस्ट्रिया}*

***शांति**—अबिय अहमद अली {इथियोपिया के प्रधानमंत्री}*

***चिकित्सा**—विलियम काएलिन (William G. Kaelin Jr.) {अमरीका}, ग्रेग सीमेंजा (Gregg L. Semenza) {अमरीका} व सर पीटर जे. रैटक्लिफ (Peter J. Ratcliffe) {ब्रिटेन}*

***रसायन विज्ञान**—जॉन बी. गुडइनफ (John B. Goodenough) {अमरीका}, एम. स्टैनली विटिंघम (M. Stanley Whittingham) {ब्रिटेन} तथा अकिरा योशिनो (Akira Yoshino) {जापान}*

***भौतिक विज्ञान**—जेम्स पीबल्स (James Peebles) {अमरीका}, मिशेल मेयर (Michel Mayar) {स्विट्जरलैण्ड} तथा डिडिएर क्वेलोज (Didier Queloz) {ब्रिटेन}*

***अर्थशास्त्र**—अभिजीत बनर्जी (भारतीय मूल के अमरीकी), एस्थर डुफ्लो (Esther Duflo) {फ्रांसीसी मूल की व अभिजीत बनर्जी की पत्नी} व माइकल क्रेमर (Michael Kremer) {अमरीका}*

बहुचर्चित नवीनतम पुस्तकें

- **पक्काकी ओट्टिगिलिते** (Pakkaki Ottigilite) —के. सिवा रेड्डी
- **द मोमेंट ऑफ लिफ्ट** (The Moment of Lift) —मेलिंडा गेट्स
- **गेम चेंजर** (Game Changer) —शाहिद अफरीदी
- **स्वप्नपाश** —मनीषा कुलश्रेष्ठ
- **सेलेस्टियन बॉडीज** (Celastial Bodies) —जोखा अल्हार्थी
- **टाटा वर्सेज़ मिस्त्री : द बैटल फॉर इंडियाज ग्रेटेस्ट बिज़नेस एम्पायर** (Tata Vs. Mistry: The Battle for India's Greatest Business Empire) —दीपाली गुप्ता
- **एनटीआर ए बायोग्राफी** (NTRA Biography) —के. चन्द्रहास व डॉ. के. लक्ष्मीनारायण
- **इंडिया अनमेड : हॉउ द मोदी गवर्नमेंट ब्रोक द इकोनॉमी** (India Unmade : How the Modi Government Broke the Economy) —यशवन्त सिन्हा व आदित्य सिन्हा
- **ऑफ काउंसेल : द चैलेंजेस ऑफ द मोदी–जेटली इकोनॉमी** (Of Counsel : The Challenges of the Modi-Jaitley Economy) —अरविंद सुब्रमण्यम
- **चेंजिंग इंडिया** (Changing India) —डॉ. मनमोहन सिंह
- **ए रूरल मैनीफेस्टो : रिअलाइजिंग इंडियास फ्यूचर थ्रू हर विलेजेस** (A Rural Manifesto : Realising Indias Future through Her Villages) —फिरोज वरुण गांधी
- **मॉडर्न साउथ इंडिया : ए हिस्ट्री फ्रॉम द 17th सेंचुरी टु अवर टाइम्स** (Modern South India : A History from the 17th Century to Our Times) —राजमोहन गांधी
- **वर्टुस इन आरडुइस : आई डिड इट माइ वे** (Virtus in Arduis : I Did it my way) —पार्थसारथी सोम

मान बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार–2019 के लिए अल्पसूचीबद्ध 06 पुस्तकें

पुस्तक का नाम	लेखक
1. सेलेस्टियन बॉडीज(Celastial Bodies)	जोखा अल्हार्थी {अरबी से अंग्रेजी में अनुवाद—मेरीलिन बूथ (Marilyn Booth)} {**पुरस्कृत**}
2. द ईयर्स (The Years)	एनी एर्नाक्स (मूलत: फ्रांसीसी में प्रकाशित)
3. द पाइन ऑइलैण्ड्स (The Pine Islands)	मैरियन पॉशमैन (मूलत: जर्मन में प्रकाशित)
4. ड्राइव योअर प्लो ओवर द बोन्स ऑफ द डैड (Drive your plow over the bones of the Dead)	ओल्गा टोकार्कजुक (मूलत: पोलिश में प्रकाशित)
5. द शेप ऑफ द रयून्स (The Shape of the Ruins)	जुआन गैब्रियल वैस्कुएज (मूलत: स्पेनिश में प्रकाशित)
6. द रिमेंडर (The Remainder)	आलिया ट्राबुको जेरान (मूलत: स्पेनिश में प्रकाशित)

MAGNET KING

- **इण्डो–पाक रिलेशंस : बियॉन्ड पुलवामा एण्ड बालाकोट** (Indo-Pak Relations : Beyond Pulwama and Balakot) –यू.वी. सिंह
- **द फ्री वॉइस : ऑन डेमोक्रेसी, कल्चर एण्ड द नेशन** (The Free Voice : On Democracy, Culture and the Nation) –रवीश कुमार
- **द प्रॉमिस ऑफ इण्डिया : हाउ प्राइम मिनिस्टर्स नेहरू टू मोदी शेप्ड द नेशन** (1947–2019) (The Promise of India : How Prime Minister Nehru to Modi Shaped the Nation) –जैमिनी भगवती
- **सावरकर : ईकोज फ्रॉम ए फॉरग्रॉटंन पास्ट** (Savarkar : Echoes From a Forgotten Past) –विक्रम सम्पत
- **फिर मेरी याद** –कुमार विश्वास (10 अक्टूबर, 2019 को प्रकाशित)
- **द टेस्टामेंट्स** (The Testaments) –मार्गरेट एटवुड (वर्ष 2019 का बुकर पुरस्कार)
- **गर्ल, वोमेन, अदर** (Girl, Women, Other) –बर्नार्डिन एवारिस्टो (वर्ष 2019 का बुकर पुरस्कार)
- **द गार्जियंस** (The Guardians) –जॉन ग्रीशम (19 अक्टूबर, 2019 को प्रकाशित)

विशिष्ट नियुक्तियाँ/निर्वाचन/मनोनयन

- **अफ्रीकी संघ (African Union) के अध्यक्ष**–अब्देल फतह अल-सीसी (फरवरी 2019)
- **देश के पहले लोकायुक्त**–न्यायमूर्ति पिनाकी चंद घोष (19 मार्च, 2019)
- **देश के मुख्य सूचना आयुक्त** (CIC—Chief Information Commissioner)–सुधीर भार्गव (जनवरी 2019)
- **एनसीसी (NCC) के महानिदेशक**–राजीव चोपड़ा (जनवरी 2019)
- **आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (MD & CEO)**–वी. वैद्यनाथन (जनवरी 2019; तीन वर्ष हेतु)
- **यस बैंक के प्रबंध निदेशक**–रवनीत गिल (1 मार्च, 2019)
- **भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (BARC) के निदेशक**–डॉ. ए. के. मोहंती (मार्च 2019)
- **भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) के चेयरमैन**–एम. आर. कुमार (मार्च 2019)
- **डिफेंस एकाउंट्स के कंट्रोलर जनरल** (CGDA—Controller General of Defence Accounts)–राजेन्द्र कुमार नायक (22 अप्रैल, 2019) {वह 52वें सीजीडीए हैं।}
- **नास्कॉम (NASSCOM) के अध्यक्ष**–केशव मुरुगेश (5 अप्रैल, 2019)
- **बीएसएनएल (BSNL) के अध्यक्ष**–प्रवीण कुमार (जुलाई 2019)
- **भेल (BHEL) के अध्यक्ष सह प्रबंधक निदेशक (CMD)**–नलिन सिंघल (2 जुलाई, 2019)
- **भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार**–अजीत डोभाल (जून, 2019 (पुनः नियुक्त)
- **प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (PTI) के अध्यक्ष**–विजय कुमार चोपड़ा (सितम्बर 2019)
- **इंडियन न्यूजपेपर सोसायटी (INS) के अध्यक्ष**–शैलेश गुप्त (25 सितम्बर, 2019)
- **ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशन (PTI) के अध्यक्ष**–मधुकर कॉमत (सितम्बर 2019)
- **प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव**–प्रमोद कुमार मिश्र (11 सितम्बर, 2019)
- **भारत के नए वायुसेनाध्यक्ष**–एयर चीफ मार्शल राकेश कुमार सिंह (30 सितम्बर, 2019)
- **पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री (PHDCCI) के अध्यक्ष**–डी.के. अग्रवाल (30 सितम्बर, 2019)
- **एसोचैम (ASSOCHAM) के अध्यक्ष**–निरंजन हीरानंदानी (अक्टूबर 2019)
- **सेनाध्यक्षों की समिति के अध्यक्ष**–जनरल बिपीन रावत (27 सितम्बर, 2019–दिसम्बर, 2019 तक)
- **वायु सेना के उपप्रमुख**–एयर मार्शल हरिजीत सिंह (1 अक्टूबर, 2019)
- **कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष**–ब्रजराज शर्मा (अक्टूबर 2019)
- **राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) के महानिदेशक**–अनूप कुमार सिंह (अक्टूबर 2019)
- **भारतीय बैंक संघ (IBA) के अध्यक्ष**–रजनीश कुमार (18 अक्टूबर, 2019)
- **देश के 47वें मुख्य न्यायाधीश**–न्यायमूर्ति शरद अरविंद बोबडे (17 नवम्बर, 2019)

विभिन्न देशों के नवनिर्वाचित राष्ट्राध्यक्ष (वर्ष 2019)

- ***श्रीलंका के प्रधानमंत्री***–*महिंदा राजपक्षे (21 नवम्बर, 2019)*
- ***ब्राजील के राष्ट्रपति***–*जायर बोल्सनारो (चुनाव : अक्टूबर, 2018; पदभार ग्रहण–1 जनवरी, 2019)*
- ***श्रीलंका के राष्ट्रपति***–*गौतबाया राजपक्षे (17 नवम्बर, 2019)*
- ***मलेशिया के राजा***–*सुल्तान अब्दुल्ला सुल्तान अहमद शाह (25 जनवरी, 2019)*
- ***वेनेजुएला के राष्ट्रपति***–*निकोलस मादुरो (जनवरी 2019)*
- ***जापान के नए सम्राट***–*नारुहितो (Naruhito) (सम्राट बने–1 मई, 2019; राज्याभिषेक–22 अक्टूबर, 2019)*
- ***स्लोवाकिया की राष्ट्रपति***–*जुज़ाना कापुतोवा (Zuzana Caputova) (15 जून, 2019)*
- ***अर्जेन्टीना के राष्ट्रपति***–*एलबर्टो फर्नांडिज़ (Alberto Fernandiz) (27 अक्टूबर, 2019)*

कतिपय राज्यों के नए राज्यपाल

- ***गोवा*** : *सत्यपाल मलिक (3 नवम्बर, 2019)*
- ***मिजोरम*** : *पी.एस. श्रीधरन पिल्लई (5 नवम्बर, 2019)*
- ***तमिलनाडु*** : *बनवारी लाल पुरोहित (6 अक्टूबर, 2019)*
- ***उत्तर प्रदेश*** : *आनंदी बेन पटेल (जुलाई 2019)*
- ***मध्य प्रदेश*** : *लालजी टंडन (जुलाई 2019)*
- ***पश्चिम बंगाल*** : *जगदीप धनखड़ (जुलाई 2019)*
- ***बिहार*** : *फागू चौहान (जुलाई 2019)*
- ***नगालैण्ड*** : *आर.एन. रवि (जुलाई 2019)*
- ***त्रिपुरा*** : *रेमश बैस (जुलाई 2019)*
- ***राजस्थान*** : *कलराज मिश्र (9 सितम्बर, 2019 को कार्यभार)*
- ***हिमाचल प्रदेश*** : *बंडारू दत्तात्रेय (11 सितम्बर, 2019 को कार्यभार)*
- ***महाराष्ट्र*** : *भगत सिंह कोश्यारी (5 सितम्बर, 2019 को कार्यभार)*
- ***केरल*** : *आरिफ मोहम्मद खान (5 सितम्बर, 2019 को कार्यभार)*
- ***तेलंगाना*** : *तमिलसाई सुंदरराजन (8 सितम्बर, 2019 को कार्यभार)*
- ***नगालैण्ड*** : *आर एन. रवि (1 अगस्त, 2019 को कार्यभार)*

कतिपय राज्यों के नए मुख्यमंत्री

- ***महाराष्ट्र*** : *उद्धव ठाकरे*
- ***मध्य प्रदेश*** : *कमलनाथ*
- ***अरुणाचल प्रदेश*** : *पेमा खांडू (29 मई, 2019; मुख्यमंत्री का पद बरकरार)*
- ***सिक्किम*** : *प्रेम सिंह तमांग (27 मई, 2019)*
- ***ओडिशा*** : *नवीन पटनायक (29 मई, 2019; लगातार पाँचवीं बार)*
- ***आन्ध्र प्रदेश*** : *वाई. एस. जगनमोहन रेड्डी (30 मई, 2019)*

MAGAZINE KING

प्रमुख पदों पर आसीन—एक दृष्टि में *(नवम्बर, 2019 की स्थिति)*

- ***लोक सभा अध्यक्ष***—*ओम बिड़ला*
- ***राज्य सभा के उप सभापति***—*हरिवंश नारायण सिंह*
- ***सीबीआई के निदेशक***—*ऋषि कुमार शुक्ल*
- ***भारत के अटॉर्नी जनरल***—*के. के. वेणुगोपाल*
- ***सॉलिसिटर जनरल***—*तुषार मेहता*
- ***भारत के लोकपाल***—*पिनाकी चन्द्र घोष*
- ***भारत के नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक***—*राजीव महर्षि*
- ***15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष***—*एन.के. सिंह*
- ***राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष***—*एच. के. दत्तू*
- ***राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष***—*रेखा शर्मा*
- ***राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष***—*सैयद गयूरूल हसन रिजवी*
- ***राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष***— *भगवान लाल साहनी*
- ***राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष***—*रामशंकर कठेरिया*
- ***राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष***—*नन्द कुमार साई*
- ***संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष***— *अरविन्द सक्सेना*
- ***रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष***—*वी. के. यादव*
- ***राष्ट्रीय हरित अधिकरण के अध्यक्ष***—*ए. के. गोयल*

गिरीश चन्द्र मुर्मू : केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू-कश्मीर के पहले उपराज्यपाल

31 अक्टूबर, 2019 को भारतीय प्रशासनिक सेवा के गुजरात कैडर के अधिकारी गिरीश चन्द्र मुर्मू केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू-कश्मीर के पहले उपराज्यपाल (लेफ्टिनेंट गवर्नर) बनाए गए. जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गीता मित्तल ने 31 अक्टूबर, 2019 को श्रीनगर में राजभवन में आयोजित समारोह में उन्हें इस पद की शपथ दिलाई.

आर. के. माथुर : केन्द्रशासित क्षेत्र लद्दाख के पहले उपराज्यपाल

31 अक्टूबर, 2019 को भारतीय प्रशासनिक सेवा के त्रिपुरा कैडर के सेवानिवृत्त अधिकारी राधा कृष्ण माथुर केन्द्रशासित क्षेत्र लद्दाख के पहले उपराज्यपाल (लेफ्टिनेंट गवर्नर) बनाए गए. जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गीता मित्तल ने 31 अक्टूबर, 2019 को लेह में सिंधु संस्कृति ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में उन्हें इस पद की शपथ दिलाई.

अविस्मरणीय निधन (राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय)

राष्ट्रीय (National) :

कादर खान (1 जनवरी, 2019)—अभिनेता व पटकथा लेखक

रमाकांत वी. आचरेकर (2 जनवरी, 2019)—क्रिकेट प्रशिक्षक

दिब्येंदु पालित (3 जनवरी, 2019)—बांग्ला भाषा के प्रसिद्ध उपन्यासकार.

विष्णु हरि डालमिया (16 जनवरी, 2019)—विश्व हिन्दू परिषद् के पूर्व अध्यक्ष

जॉर्ज फर्नांडिस (29 जनवरी, 2019)—वरिष्ठ समाजवादी नेता व पूर्व केन्द्रीय मंत्री

नामवर सिंह (19 फरवरी, 2019)—हिन्दी के प्रख्यात साहित्यकार व समालोचक

मनोहर पर्रीकर (17 मार्च, 2019)—भारतीय जनता पार्टी के बहुचर्चित नेता व गोवा के मुख्यमंत्री

हाकू शाह (21 मार्च 2019)—प्रसिद्ध भारतीय चित्रकार

हीरालाल यादव (12 मई, 2019)—लोकगायिकी की महत्वपूर्ण विधा बिरहा के प्रसिद्ध गायक.

वाई. सी. देवेश्वर (11 मई, 2019)—आईटीसी—इंडियन टुबैको कम्पनी, के चेयरमैन सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी.

ब्रजमोहन खेतान (1 जून, 2019)— कोलकाता में प्रसिद्ध उद्योगपति

राजनाथ सिंह 'सूर्य' (जून, 2019)—भाजपा के पूर्व राज्य सभा सदस्य व प्रसिद्ध पत्रकार

प्रकाश पंत (4 जून, 2019)—उत्तराखण्ड के वित्त मंत्री प्रकाश पंत

दिन्यार कॉन्ट्रेक्टर (5 जून, 2019)—बॉलीवुड फिल्म व थिएटर कलाकार

गिरीश कर्नाड (10 जून, 2019)—जाने-माने नाट्यकार, अभिनेता, साहित्यकार व फिल्म निर्देशक.

आरवी जानकीरमन (10 जून, 2019)—द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) के नेता व पुदुचेरी के पूर्व मुख्यमंत्री

एन. लिंगप्पा (18 जून, 2019)—प्रसिद्ध एथलेटिक्स कोच

वी. आर. लक्ष्मीनारायण (23 जून, 2019)—सुप्रसिद्ध आईपीएस अधिकारी

बसन्त कुमार बिड़ला (3 जुलाई, 2019)—प्रसिद्ध उद्योगपति

पुरोबी बोरमुदोई (15 जुलाई, 2019)—प्रसिद्ध असमी साहित्यकार एवं लेखिका

स्वरूप दत्ता (17 जुलाई, 2019)—प्रसिद्ध बंगाली अभिनेता

लेफ्टिनेंट जनरल जे.एस. घरैया (जुलाई 2019)—वर्ष 1971 के युद्ध के हीरो

शीला दीक्षित (20 जुलाई, 2019)—वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री

रामचन्द्र पासवान (21 जुलाई, 2019)—लोक जनशक्ति पार्टी (LJP) के सांसद

अट्टूर रवि वर्मा (26 जुलाई, 2019)—प्रसिद्ध मलयालम साहित्यकार, कवि एवं अनुवादक

एस. जयपाल रेड्डी (28 जुलाई, 2019)—कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व केन्द्रीय मंत्री

वी. जी. सिद्धार्थ (29/30 जुलाई, 2019)—कर्नाटक के जाने-माने उद्यमी

सुबीर वी. गोकर्ण (30 जुलाई, 2019)—प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

सुषमा स्वराज (6 अगस्त, 2019)—भाजपा की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री

दामोदर गणेश बापट (16 अगस्त, 2019)—प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता

नीलम शर्मा (17 अगस्त, 2019)—चर्चित दूरदर्शन समाचार वाचिका

जगन्नाथ मिश्र (19 अगस्त, 2019)—बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री

मोहम्मद जहूर खय्याम (19 अगस्त, 2019)—प्रसिद्ध संगीतकार

बाबूलाल गौर (21 अगस्त, 2019)—मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता

अरुण जेटली (24 अगस्त, 2019)—भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व वित्त मंत्री

राम जेठमलानी (8 सितम्बर, 2019)—वरिष्ठ अधिवक्ता, राज्य सभा सदस्य व पूर्व केन्द्रीय मंत्री.

कादरी गोपालनाथ (11 अक्टूबर, 2019)—कर्नाटक संगीत के विशेषज्ञ

गीतांजलि (30 अक्टूबर, 2019)—चर्चित तेलगू अभिनेत्री

टी.एन. शेषन (10 नवम्बर, 2019)—भारत में चुनाव नियमों को सख्ती से लागू करवाने के लिए प्रसिद्ध पूर्व चुनाव आयुक्त.

अन्तर्राष्ट्रीय

एग्नेस वर्दा (29 मार्च 2019)—फ्रांसीसी सिनेमा की दादी कही जाने वाली बहुचर्चित फिल्म निर्देशिका

मोहम्मद मुर्सी (17 जून, 2019)—मिस्र के पूर्व राष्ट्रपति

ली इयाकोका (2 जुलाई, 2019)—अमरीकी ऑटोमोबाइल दिग्गज

हुसैन मोहम्मद इरशाद (14 जुलाई, 2019)—बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति

यूकिया अमानो (Yukiya Amano) (18 जुलाई, 2019)—अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA—International Atomic Energy Agency) के महानिदेशक

MAGAZINE KING

मोहम्मद बेजी कैड एसेब्सी (Mohamed Beji Caid Essebsi) (25 जुलाई, 2019) –ट्यूनीशिया के राष्ट्रपति

रिजिया रहमान (16 अगस्त, 2019) –बांग्लादेश की प्रसिद्ध उपन्यासकार

पीटर फोंडा (अगस्त 2019)–हॉलीवुड अभिनेता एवं निर्देशक

रॉबर्ट मुगाबे (6 सितम्बर, 2019)–जिम्बाब्वे के पूर्व राष्ट्रपति.

सत्यप्रिय मोहथेरो (4 अक्टूबर, 2019) –बांग्लादेश के प्रसिद्ध बौद्ध संन्यासी

बहुचर्चित व्यक्ति (राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय)

सुमन पवन बोडानी–जनवरी 2019 के अन्तिम सप्ताह में सुमन पवन बोडानी पाकिस्तान की पहली हिन्दू महिला न्यायाधीश बनीं. वह सिंध के शाहदादकोट के ग्रामीण इलाके से आती हैं. उन्होंने सिविल जज की नियुक्ति के लिए जारी हुई मेरिट लिस्ट में 54वीं रैंक हासिल की थी.

भावना कस्तूरी–लेफ्टिनेंट भावना कस्तूरी 26 जनवरी, 2019 को गणतंत्र दिवस परेड में पुरुष दल का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बनीं. इन्होंने भारतीय सेना सेवा कोर के 144 पुरुषों वाले दल का नेतृत्व कर इतिहास रचा.

अभिनन्दन वर्तमान–27 फरवरी, 2019 को नापाक इरादे से भारतीय सीमा में घुसे पाकिस्तानी वायु सेना के एक एफ-16 विमान को मार गिराने के पश्चात् भारतीय वायु सेना का एक मिग-21 विमान क्रैश हो गया तथा इसके चालक विंग कमाण्डर अभिनन्दन वर्तमान को पाकिस्तान ने हिरासत में ले लिया था. विंग कमाण्डर अभिनन्दन के पाकिस्तानी सेना के गिरफ्त में आने से पूरा देश स्तब्ध रह गया तथा उनकी सुरक्षित रिहाई के लिए पाकिस्तान पर दबाव डालने के साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक प्रयास भी भारत द्वारा किए गए. पाकिस्तान को अन्ततः 1 मार्च, 2019 को बाघा सीमा पर अभिनन्दन को भारत को सौंपना पड़ा.

न्यायमूर्ति पिनाकी चंद घोष–मार्च 2019 को देश में बहुप्रतीक्षित लोकपाल का गठन हो गया. 19 मार्च, 2019 को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति पिनाकी चंद घोष को भ्रष्टाचार पर निगाह रखने वाली इस संस्था का प्रमुख नियुक्त किया. बाद में 23 मार्च, 2019 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में उन्हें इस पद की शपथ राष्ट्रपति ने दिलाई.

गगनदीप कांग–ब्रिटेन की वैज्ञानिकों की रॉयल सोसायटी ने जिन वैज्ञानिकों को अपना फैलो 2019 में बनाया है, उनकी सूची अप्रैल 2019 में जारी की गई. इनमें क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वैल्लोर की जीव विज्ञानी गगनदीप कांग भी शामिल हैं. 1660 ई. में स्थापित वैज्ञानिकों की इस सोसायटी के 358 वर्षों के इतिहास में इसकी फैलो चुनी जाने वाली वह पहली भारतीय महिला वैज्ञानिक हैं.

वीरेंद्र कुमार–17 जून, 2019 को वीरेंद्र कुमार ने प्रोटेम स्पीकर के रूप में शपथ दिलाई गई थी, जिन्होंने बाद में नव निर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाई. वीरेंद्र कुमार वर्ष 1996 में पहली बार सांसद बने थे. वर्तमान में वह सातवीं बार लोकसभा सदस्य चुने गए हैं.

ओम बिड़ला–जून, 2019 में राजस्थान के कोटा से दूसरी बार निर्वाचित भाजपा सांसद ओम बिड़ला को 17वीं लोक सभा का अध्यक्ष बनाया गया.

जिमी कार्टर–अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने सर्वाधिक उम्र तक जीने वाले अमरीकी राष्ट्रपति होने का रिकॉर्ड मार्च 2019 में अपने नाम किया. 1977-1981 के दौरान अमरीका के 39वें राष्ट्रपति रहे जिमी कार्टर 22 मार्च, 2019 को 94 वर्ष 172 दिन के हो गए थे तथा इस मामले में जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश (सीनियर) को 94 वर्ष 171 दिन की आयु तक जीने का रिकॉर्ड जिमी कार्टर ने भंग किया.

मसूद अजहर–संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् ने अन्ततः मई 2019 में पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख/सरगना मसूद अजहर पर प्रतिबन्ध लगाते हुए वैश्विक आतंकवादी घोषित किया. 27 फरवरी, 2019 को भी मसूद अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने का प्रस्ताव फ्रांस, अमरीका व ब्रिटेन की ओर से संयुक्त राष्ट्र में लाया गया था. यह प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के प्रस्ताव 1267 के तहत् स्थापित प्रतिबंध समिति के समक्ष पेश किया गया था, जो चीन के वीटो (VETO) के कारण पारित नहीं हो सका था.

सुर्खियों में स्थान (राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय)

सबरीमाला–केरल के सबरीमाला में 2 जनवरी, 2019 को 50 वर्ष से कम उम्र की दो महिलाओं–बिन्दु अम्मिनि व कनकदुर्गा ने भगवान अयप्पा मन्दिर में प्रवेश कर 800 वर्ष पुरानी परम्परा को तोड़ा. मंदिर मकरविल्लकु उत्सव के लिए खोला गया था. सर्वोच्च न्यायालय ने इसके 28 सितम्बर, 2018 को सभी उम्र की महिलाओं को मंदिर में दर्शन की अनुमति दी थी. बावजूद इसके संगठनों के विरोध के कारण कोई युवती या 50 वर्ष से कम आयु की कोई महिला मंदिर में नहीं जा पाई थी.

वर्ष 2019 में भारत यात्रा पर आए कुछ विशिष्ट अतिथि

- ***एर्ना सोलबर्ग*** *(Erna Solberg)–नॉर्वे की प्रधानमंत्री (7-9 जनवरी, 2019)*
- ***प्रविंद जगन्नाथ***–*मॉरीशस के प्रधानमंत्री (20-28 जनवरी, 2019) {15वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में}*
- ***साइरिल रामफोसा*** *(Cyril Ramaphosa)–दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति (25-26 जनवरी, 2019) {गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि} {15वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में}*
- ***प्रिंस एल्बर्ट द्वितीय***–*मोनाको के राष्ट्राध्यक्ष (4-5 फरवरी, 2019)*
- ***मॉरिसियो मैक्री*** *(Mauricio Macri)–अर्जेन्टीना के राष्ट्रपति (17-19 फरवरी, 2019)*
- ***मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुलअजीज अल–सऊद***–*सऊदी अरब के युवराज, उपप्रधानमंत्री व रक्षा मन्त्री (19–20 फरवरी, 2019)*
- ***इब्राहिम कसोरी फोफाना***–*गिनी के प्रधानमंत्री (16-25 मार्च, 2019)*
- ***एडगर छगवा लुंगु*** *(Edgar Chagwa Lungu)–जाम्बिया के राष्ट्रपति (20-22 अगस्त, 2019)*
- ***खाल्तमागिन बटुल्गा*** *(Khaltmaagin Battulga)–मंगोलिया के राष्ट्रपति (19-23 सितम्बर, 2019)*
- ***शेख हसीना***–*बांग्लादेश की प्रधानमंत्री (3-6 अक्टूबर, 2019)*
- ***शी जिनपिंग*** *(Xi Jinping)–चीन के राष्ट्रपति (11-12 अक्टूबर, 2019)*
- ***विलेम एलेक्जैंडर***–*नीदरलैण्ड्स के सम्राट (14-18 अक्टूबर, 2019)*
- ***एंजेला मर्केल***–*जर्मनी की चांसलर (31 अक्टूबर–2 नवम्बर, 2019)*

वर्ष 2019 के गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि

गणतंत्र दिवस समारोह में किसी-न-किसी राष्ट्राध्यक्ष को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल करने की परम्परा भारत में रही है. वर्ष 2019 के भारत के 70वें गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ***साइरिल रामफोसा*** *(Cyril Ramaphosa) ने भाग लिया. वह भारत के गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि बनने वाले दक्षिण अफ्रीका के दूसरे नेता हैं. इससे पूर्व वर्ष 1995 में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला भारत के गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि थे.*

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में पधारे विदेशी राष्ट्राध्यक्ष

- *बांग्लादेश के राष्ट्रपति* ***अब्दुल हामिद.***
- *मॉरीशस के प्रधानमंत्री* ***प्रविंद जगन्नाथ.***
- *श्रीलंका के प्रधानमंत्री* ***रानिल विक्रमसिंघे.***
- *किर्गिस्तान के राष्ट्रपति* ***सूरोनबाय जीन बे कोव.***

MAGAZINE KING

दांडी–30 जनवरी, 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर गुजरात के नवसारी जिले में दांडी स्थित राष्ट्रीय नमक सत्याग्रह स्मारक राष्ट्र को समर्पित किया.

पुलवामा–जम्मू-कश्मीर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुलवामा में 14 फरवरी, 2019 को सीआरपीएफ के एक काफिले में जवानों से भरी एक बस को एक भीषण आत्मघाती आतंकी हमले के तहत् विस्फोटकों से लदी एक स्कॉर्पियो ने टक्कर मारकर उड़ा दिया था. इस बर्बर आत्मघाती हमले में सीआरपीएफ के 42 जवान शहीद हुए थे. हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान से संचालित जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी.

फायेंग गाँव–यह मणिपुर के इम्फाल जिले का एक छोटा-सा गाँव है. इस गाँव को भारत के पहले कॉर्बन पॉजिटीव गाँव के रूप में विकसित किया गया है. यदि कोई गाँव ग्रीनहाउस गैसों के संचय को कम करने के लिए वातावरण में उपस्थित कार्बन को कम करता है तो उसे कॉर्बन पॉजिटीव टैग दिया जाता है.

इंदौर–स्वच्छता सर्वेक्षण–2019 रिपोर्ट में पुनः इंदौर को सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया.

बांचा–यह मध्य प्रदेश का एक गाँव है, जो बैतुल जिले में है. 5 जून, 2019 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इस गाँव को भारत का पहला सोलर किचन गाँव घोषित किया गया.

सूरत–24 मई, 2019 को गुजरात के सूरत में एक चार मंजिला व्यावसायिक परिसर में चल रहे कोचिंग सेंटर में आग लगने से 17 छात्रों सहित कुल 23 लोगों की मृत्यु हो गई. आग की लपटों से घिरा देखकर कुछ छात्रों ने तीसरी व चौथी मंजिल से कूद कर जान बचाने की कोशिश की. मारे गए छात्रों में कुछ ऐसे भी छात्र शामिल हैं, घटना की विस्तृत जाँच का आदेश देते हुए मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की राहत राशि प्रदान करने की घोषणा मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने की.

मुजफ्फरपुर–यह बिहार का एक शहर व जिला मुख्यालय है. जून 2019 में बिहार में चमकी या दिमागी बुखार या एन्सिफैलाइटिस बीमारी से 150 से अधिक बच्चों की मृत्यु हो गई. यह दिमागी बुखार (AES—Acute Encephalitis Syndrome) विशेष रूप से मुजफ्फरपुर जिले में फैला. मुजफ्फरपुर बिहार में लिची उत्पादन में अग्रणी जिला है.

जयपुर–30 जून–10 जुलाई, 2019 के दौरान बाकू (अजरबैजान) में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO—United Nations Education, Scientific and Cultural Organisation) की विश्व धरोहर से सम्बन्धित वैश्विक समिति (World Heritage Committee) की 43वीं बैठक सम्पन्न हुई. इसके तहत् 6 जुलाई, 2019 को विश्व के 7 सांस्कृतिक स्थलों को यूनेस्को की 'विश्व धरोहर सूची' में शामिल किया गया. इन शामिल 7 **सांस्कृतिक स्थलों** में भारत का '**जयपुर**' सम्मिलित है. जयपुर के **जन्तर-मन्तर** व राजस्थान के **पहाड़ी किले** (Hill Forts of Rajasthan) के बाद यह यूनेस्को की विश्व धरोहर की सूची में शामिल होने वाला राजस्थान का तीसरा ऐतिहासिक स्थल है.

करतारपुर कॉरिडोर–9 नवम्बर, 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन किया तथा भारतीय 500 तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को भी रवाना किया. इस जत्थे में पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, सुखबीर सिंह बादल, नवजोत सिंह सिद्धू भी शामिल रहे. करतारपुर साहिब पाकिस्तान में स्थित है, यह भारत के डेरा बाबा नानक श्राइन से 4 किलोमीटर दूर स्थित है.

रियो डी जेनेरियो (Rio de Janeiro)–जनवरी, 2019 में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा ब्राज़ील के शहर रियो डी जेनेरियो को वर्ष 2020 के लिए **वास्तुकला की वैश्विक राजधानी** घोषित किया गया.

शारजाह (Sharjaha)–संयुक्त अरब अमीरात के प्रमुख शहर शारजाह को यूनेस्को ने वर्ष 2019 के लिए विश्व पुस्तक राजधानी (World Book Capital) घोषित किया गया था. विश्व पुस्तक राजधानी घोषित किया जाने वाला यह 19वाँ शहर है.

कुआलालम्पुर–मलेशिया की राजधानी कुआलालम्पुर को यूनेस्को ने वर्ष 2020 के लिए विश्व पुस्तक राजधानी (World Book Capital) घोषित किया है. विश्व पुस्तक राजधानी घोषित किया जाने वाला यह 20वाँ शहर है. वर्ल्ड बुक कैपिटल एडवाइजरी कमेटी की संस्तुति पर इस आशय की घोषणा यूनेस्को द्वारा अप्रैल 2019 में की गई.

माल्हम–मार्च 2019 में इजरायली खोज-कर्ताओं ने मृत सागर के नजदीक विश्व की सबसे लम्बी नमक की गुफा खोज निकाली है. यह गुफा इजरायल के माउण्ट सोडोम से मृत सागर के दक्षिण-पश्चिम कोने तक फैली हुई है. इसकी लम्बाई 10 किमी से अधिक है. माल्हम नामक इस गुफा की छत से नमक की बड़ी-बड़ी शिलाएं लटकी हुई हैं.

नूरसुलतान–यह कजाखस्तान की राजधानी का नया नाम है. कजाखस्तान की संसद ने 20 मार्च, 2019 को देश के लम्बे समय से राष्ट्रपति रहे नूरसुलतान नजरबायेव के सम्मान में राजधानी अस्ताना का नाम बदल कर **नूरसुलतान** किया.

उत्तरी मैसिडोनिया (Macedonia)–मैसिडोनिया दक्षिणी यूरोप के मध्य बाल्कन प्रायद्वीप पर स्थित एक देश है. 6 फरवरी, 2019 को मैसिडोनिया नाटो (NATO—North Atlantic Treaty Organisation) का 30वाँ सदस्य बना. नाटो की सदस्यता के लिए मैसिडोनिया को अपने नाम में परिवर्तन करना पड़ा तथा मैसिडोनिया के स्थान पर नॉर्थ मैसिडोनिया नाम इसने स्वीकार किया है.

बेबीलोन–यह प्राचीन मेसोपोटामिया का एक शहर है. जून 2019 में यूनेस्को (UNESCO—United Nations Education, Scientific and Cultural Organisation) ने बेबीलोन को विश्व विरासत स्थल घोषित किया.

लुसाने–यह स्विट्जरलैण्ड का एक शहर है. 23 जून, 2019 को अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (IOC) ने लुसाने में अपने नए मुख्यालय का उद्घाटन किया. इस नए मुख्यालय को **ओलम्पिक हाउस** (Olympic House) नाम दिया गया है. मुख्यालय का डिजाइन डेनमार्क के वास्तुकारों ने किया है.

एन एसुर (En Esur)–अक्टूबर 2019 में इजरायल के पुरातत्वविदों ने उत्तरी इजरायल में 5 हजार वर्ष पुराने इस शहर की खोज का दावा किया. इस पुरातात्विक स्थल को एन. एसुर नाम दिया गया है. इसे कांस्य युग (Bronze Age) के शुरूआती दौर का शहर बताया जा रहा है.

बारिशा (Barisha)–यह सीरिया के इदलिब प्रांत के सुदूर एक गाँव है. 26 अक्टूबर, 2019 को इसी गाँव में कुख्यात आतंकी अबू बकर अल बगदादी अमरीका द्वारा चलाए गए एक ऑपरेशन में मारा गया.

अयोध्या

नवम्बर 2019 में अयोध्या अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रहा. 9 नवम्बर, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय की पाँच सदस्यीय संविधान पीठ ने अयोध्या मामले में 40 दिन सुनवाई के बाद 161 वर्ष पुराने कानूनी विवाद का निपटारा किया. सर्वोच्च न्यायालय की पाँच सदस्यीय संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से केस के वादी रामलला विराजमान अर्थात् राम के बाल रूप को 2·77 एकड़ विवादित भूमि का मालिकाना हक दिया. अदालत ने देवता को कानूनी व्यक्ति माना. इस प्रकार अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया.

ऑपरेशन/अभियान

कटलैस एक्सप्रेस (Cutlass Express), 2019

27 जनवरी–6 फरवरी, 2019 के दौरान जिबूती, मोजाम्बिक और सेशेल्स के आसपास के क्षेत्रों में बहुराष्ट्रीय समुद्री नौसैन्य प्रशिक्षण अभ्यास 'कटलैस एक्सप्रेस (Cutlass Express), 2019' सम्पन्न हुआ. इस अभ्यास का उद्देश्य कानून प्रर्वतन क्षमता में सुधार करना, क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देना, अन्तर पश्चिमी हिन्द महासागर में अवैध समुद्री गतिविधि को रोकने के उद्देश्य से भाग लेने वाले देशों के सशस्त्र बलों के बीच अन्तर संचालन को बढ़ावा देना था.

कृत्रिम पैर के सहारे विश्व के सातवें प्रमुख पर्वत शिखर 'माउन्ट विन्सन' का आरोहण

*3 जनवरी, 2019 को भारत की 30 वर्षीया पर्वतारोही अरुणिमा सिन्हा ने अंटार्कटिका के सर्वोच्च पर्वत शिखर **माउंट विन्सन'** (Mount Vinson) पर तिरंगा फहराया. 4892 मी. ऊँचे इस शिखर का सफल आरोहण करने वाली वह पहली दिव्यांग महिला पर्वतारोही हैं. इससे पूर्व अरुणिमा सिन्हा ने कृत्रिम पैर के सहारे एवरेस्ट सहित विश्व के 6 प्रमुख पर्वत शिखरों का सफल आरोहण कर चुकी थीं.*

MAGAZINE KING

वायु शक्ति

फरवरी 2019 के तीसरे सप्ताह में भारतीय वायु सेना ने राजस्थान के पोखरण में मेगा अभ्यास 'वायु शक्ति' का आयोजन किया. यह अभ्यास दिन-रात में किया गया. इस अभ्यास में भारतीय वायुसेना ने स्वदेशी रूप से विकसित प्लेटफार्मों और मिसाइलों की प्रभावकारिता की मारक क्षमता का प्रदर्शन किया.

सम्प्रीति–2019

14 मार्च, 2019 को तंगेल (बांग्लादेश) में भारत व बांग्लादेश का संयुक्त सैन्य अभ्यास संप्रीति-2019 सम्पन्न हुआ. भारत-बांग्लादेश संयुक्त सैन्य अभ्यास में भारतीय सेना की ओर से राजपूताना राइफल्स की 9वीं बटालियन का कम्पनी ग्रुप तथा बांग्लादेश की कम्पनी 36 ईस्ट बंगाल बटालियन ने भाग लिया. यह आठवाँ अभ्यास था.

मित्र शक्ति–2019

26 मार्च, 2019 से 8 अप्रैल, 2019 के दौरान श्रीलंका के दियातलावा में भारत और श्रीलंका के मध्य मित्र शक्ति युद्ध अभ्यास सम्पन्न हुआ. इस सैन्य अभ्यास का आयोजन भारत और श्रीलंका के बीच सैनिक कूटनीति के हिस्से के रूप में प्रतिवर्ष किया जाता है. इस अभ्यास में भारतीय सेना की ओर से बिहार रेजिमेंट की टुकड़ियों ने भाग लिया. मित्र शक्ति अभ्यास की शुरुआत 2012 में हुई थी.

आसिनडेक्स (AUSINDEX)-2019

2-16 अप्रैल, 2019 के दौरान विशाखापट्टनम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के मध्य यह संयुक्त नौसैनिक अभ्यास सम्पन्न हुआ. यह इस अभ्यास का तीसरा संस्करण है. इस संयुक्त अभ्यास में एण्टी-सबमरीन युद्ध पर फोकस किया गया. इसका उद्देश्य हिन्द महासागर क्षेत्र में द्विपक्षीय नौसैनिक सामरिक सहयोग को बढ़ावा देना है.

एफइन्डेक्स (AFINDEX)-2019

18-27 मार्च, 2019 के दौरान पुणे में औंध सैन्य केन्द्र पर भारत और अफ्रीकी सेनाओं का संयुक्त फील्ड ट्रेनिंग प्रशिक्षण अभ्यास AFINDEX-2019 सम्पन्न हुआ. अफ्रीका के 17 देश–बेनिन, बोत्सवाना, मिस्र, घाना, कीनिया, मॉरीशस, मोजाम्बिक, नामीबिया, नाइजर, नाइजीरिया, सेनेगल, द. अफ्रीका, सूडान, तंजानिया, युगांडा, जाम्बिया व जिम्बाब्वे 10 दिन के इस फील्ड ट्रेनिंग एक्सरसाइज में शामिल थे.

अल-निगाह-3 (AL-NIGAH-III)-2019

12-15 मार्च, 2019 के दौरान ओमान में जाबेल अल अखादर ट्रेनिंग कैम्प में भारत और ओमान की थलसेनाओं का तीसरा सैन्य प्रशिक्षण संयुक्त अभ्यास AL-NIGAH-III-2019 सम्पन्न हुआ. दोनों देशों के 60-60 सैनिक दो सप्ताह के इस सैन्य अभ्यास में शामिल थे. रक्षा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार अल-निगाह अभ्यास से दोनों देशों के सम्बन्धों में मजबूती आएगी तथा आपसी सहयोग में वृद्धि होगी.

रिकॉर्ड 24 बार एवरेस्ट आरोहण का कामी रीता शेरपा का विश्व रिकॉर्ड

मई 2019 में नेपाल के 49 वर्षीय कामी रीता शेरपा (Kami Rita Sherpa) ने एवरेस्ट आरोहण के मामले में दो नए विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किए. इससे पूर्व 22 बार एवरेस्ट आरोहण का रिकॉर्ड पहले से ही उनके नाम था. मई 2019 में दो बार 15 मई व 21 मई को एवरेस्ट शिखर पर चढ़कर अपने सफल एवरेस्ट आरोहणों की संख्या उन्होंने 24 कर ली. ***एक सप्ताह में दो बार एवरेस्ट का सफल आरोहण करने वाले भी वह पहले पर्वतारोही बने.***

वरुण-2019

मई 2019 में भारत व फ्रांस की नौसेनाओं का संयुक्त अभ्यास 'वरुण-2019' सम्पन्न हुआ. दो चरणों में सम्पन्न इस संयुक्त अभ्यास का पहला चरण गोवा के तट पर 1-10 मई, 2019 के दौरान सम्पन्न हुआ. इस संयुक्त अभ्यास का दूसरा चरण जिबूती (Djibouti) के तट पर 22-25 मई, 2019 के दौरान सम्पन्न हुआ. दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच वरुण शृंखला का यह 17वाँ संयुक्त अभ्यास था.

गुरुड़-VI

1-15 जुलाई, 2019 के दौरान भारत व फ्रांस की वायुसेनाओं का संयुक्त सैन्याभ्यास गुरुड़-VI फ्रांस में सम्पन्न हुआ. भारतीय वायुसेना का सुखोई 30 विमान व फ्रांसीसी वायु सेना के राफेल (Rafale) विमान इस वृहद सैन्याभ्यास में शामिल थे.

ऑपरेशन थर्स्ट

8-9 जुलाई, 2019 के दौरान रेलवे परिसरों व रेलगाड़ियों में अनधिकृत ब्राण्ड वाली पानी की बोतलों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए एक देशव्यापी अभियान रेलवे सुरक्षा बल द्वारा चलाया गया. लगभग 70 हजार अनधिकृत बोतलें इस अभियान के तहत् जब्त की गईं तथा अपराधियों से जुर्माने भी वसूले गए. इस देशव्यापी अभियान को ऑपरेशन थर्स्ट नाम दिया गया था.

स्मेलिंग फील्ड

29 सितम्बर, 2019 को भारत की तीनों सेनाओं के बीच संयुक्त रूप से आयोजित पहला युद्धाभ्यास सम्पन्न हुआ. इस युद्धाभ्यास को 'स्मेलिंग फील्ड' नाम दिया गया था. यह युद्धाभ्यास पाकिस्तान बार्डर के निकट नालिया (गुजरात) में आयोजित किया गया. इस युद्धाभ्यास का आयोजन सशस्त्र बल विशेष अभियान प्रभाग (AFSOD) द्वारा किया गया.

युद्ध अभ्यास-2019 (Udha Abhyas-19)

अमेरिकी सेना की 5-20 इन्फैन्ट्री बटालियन और भारतीय सेना के असम रेजिमेंट के सैनिकों द्वारा ज्वाइंट बेस लुईस मैककॉर्ड (Lewis McChord) वाशिंगटन में आयोजित युद्ध अभ्यास-2019 का 18 सितम्बर 2019 को समापन हुआ. यह दोनों देशों के मध्य 15वाँ आयोजन था. भारत व अमरीका के बीच इस वार्षिक युद्ध अभ्यास की शुरूआत 2004 में हुई थी. यह सैन्य अभ्यास बारी-बारी से दोनों देशों की मेजबानी में सम्पन्न होती है. ऐसा पिछला (14वाँ) 'युद्ध अभ्यास-2018' 16-29 सितम्बर, 2018 के दौरान भारत में उत्तराखण्ड में **चौबटिया** सैन्य क्षेत्र में सम्पन्न हुआ था.

एक्सरसाइज मैत्री-2019 (Exercise Maitree-18)

भारत व थाईलैण्ड की सेनाओं के बीच दो सप्ताह संयुक्त सैन्य अभ्यास मेघालय में **उमरोई** (Umroi) में 16-19 सितम्बर, 2019 के दौरान सम्पन्न हुआ. आपसी साझेदारी एवं सहयोग संवर्द्धन के उद्देश्य से सम्पन्न इस संयुक्त अभ्यास को 'एक्सरसाइज मैत्री' नाम दिया गया था. दोनों देशों के 50-50 सैनिक इस अभ्यास में शामिल हुए. भारत व थाईलैण्ड के बीच इस सैन्य अभ्यास की शुरूआत 2006 में हुई थी तथा बारी-बारी से एक दूसरे देश में इसका आयोजन होता है. ऐसा पिछला संयुक्त अभ्यास 2018 में थाईलैण्ड में सम्पन्न हुआ था.

स्लाइनेक्स-2019 (SLINEX-2019)

भारत व श्रीलंका की नौसेनाओं का 9वाँ वार्षिक संयुक्त नौसैनिक अभ्यास 'स्लाइनेक्स-2019' भारत में विशाखापट्टनम व बंगाल की खाड़ी में 7-12 सितम्बर, 2019 के दौरान सम्पन्न हुआ. यह अभ्यास दो चरणों में आयोजित किया गया. पहला बंदरगाह चरण (Harbour Phase) 7-9 सितम्बर, 2019 के दौरान विशाखापट्टनम में तथा दूसरा समुद्री चरण (Sea Phase) 10-12 सितम्बर, 2019 के दौरान बंगाल की खाड़ी में सम्पन्न हुआ. अभ्यास का उद्देश्य व्यापक समुद्री बातचीत द्वारा दोनों देशों के मध्य सम्बन्धों को मजबूत करना रहा. दोनों देशों के बीच यह वार्षिक द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 2005 में प्रारम्भ हुआ था.

मालाबार-2019

26 सितम्बर, 2019–4 अक्टूबर, 2019 के दौरान जापान के तट पर भारत, जापान और अमरीका की नौसेनाओं के बीच त्रिपक्षीय समुद्रीय अभ्यास मालाबार-2019 सम्पन्न हुआ. यह इस शृंखला का 23वाँ संस्करण था. 2018 में मालाबार-2018 का आयोजन अमरीका की मेजबानी में प्रशांत महासागर में गुआम (Guam) के तट व 2017 में यह भारत की मेजबानी में बंगाल की खाड़ी में चेन्नई के तट पर हुआ था.

सीटमेक्स-2019 (SITMEX-2019)

16-20 सितम्बर, 2019 के दौरान भारतीय नौसेना, सिंगापुर की नौसेना और रॉयल थाई नेवी के बीच प्रथम एसआईटीएम एक्स (SITMEX—Singapore India Thailand Maritime Exercise), 2019 आयोजित हुआ. इस अभ्यास के बन्दरगाह चरण का आयोजन पोर्ट ब्लेयर में किया गया, जबकि समुद्री चरण (18-20 सितम्बर, 2019) का आयोजन अण्डमान के समुद्र में किया गया.

MAGAZINE KING

रुद्रशिला

11 सितम्बर, 2019 को मेजर जनरल टी.के. आइच ने जैसलमेर मिलिट्री स्टेशन से सफेद पानी में राफ्टिंग अभियान 'रुद्रशिला' को झंडी दिखाकर रवाना किया था. इस अभियान के तहत् रुद्रप्रयाग से ऋषिकेश तक (कुल 140 किमी. की दूरी) की यात्रा किया गया. यह अभियान 4 अक्टूबर, 2019 तक संचालित हुआ.

नौमैडिक एलीफैंट-2019 (Nomadic Elephant-2019)

भारत व मंगोलिया की थलसेनाओं का 14वाँ वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास 'नौमैडिक एलीफैंट-2019' बकलोह में 5-18 अक्टूबर, 2019 के दौरान सम्पन्न हुआ. आतंकवाद एवं विद्रोही गतिविधियों पर नियन्त्रण के मामलों में आपसी सहयोग एवं सूझबूझ में सहयोग के लिए इस वार्षिक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास की शुरूआत 2006 में हुई थी.

काजिंद-2019 (KAZIND-19)

भारत व कजाखस्तान की थलसेनाओं का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'काजिंद-2019' भारत के पिथौरागढ़ में 3-15 अक्टूबर, 2019 के दौरान सम्पन्न हुआ. दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग के सन्दर्भ में यह ऐसा **चौथा** द्विपक्षीय सैन्याभ्यास था. इस अभ्यास का उद्देश्य जंगल और पहाड़ी इलाकों में अलगाववाद निरोधी, आतंकवाद निरोधी ऑपरेशन में सैनिकों का संयुक्त प्रशिक्षण है.

एक्यूवरिन (Ekuverin)–2019

7–20 अक्टूबर, 2019 के दौरान पुणे के औंध सैन्य स्टेशन में भारत व मालदीव के मध्य संयुक्त अभ्यास 'एक्यूवरिन 2019' सम्पन्न हुआ. यह दोनों देशों के बीच 10वाँ संयुक्त सैन्य अभ्यास था. भारतीय थल सेना और मालदीव की नेशनल डिफेंस फोर्सेस (MNDF) वर्ष 2009 से एक्यूवरिन युद्ध अभ्यास आयोजित कर रही है. धिवेही भाषा में एक्यूवरिन का अर्थ 'मित्र' होता है.

समुद्र शक्ति-2019

नवम्बर 2019 में इण्डोनेशिया के सुराबाया में भारत व इण्डोनेशिया की नौसेनाओं के मध्य यह नौसैनिक अभ्यास सम्पन्न हुआ. इस युद्ध अभ्यास का उद्देश्य समुद्री सहयोग को बढ़ावा देना है. यह दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच पहला द्विपक्षीय नौसैनिक युद्ध अभ्यास था.

धर्म गार्जियन-2019

19 अक्टूबर–2 नवम्बर, 2019 के दौरान भारत में मिजोरम में वैरेंट (Vairengte) स्थित काउंटर **इन्सर्जेंसी एण्ड जंगल वारफेयर स्कूल** में भारत व जापान के मध्य संयुक्त सैन्याभ्यास 'धर्म गार्जियन-2019' नाम से सम्पन्न हुआ. इसका उद्देश्य भारत व जापान सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना तथा आतंकी गतिविधियों को निपटने के लिए अपने-अपने अनुभवों को साझा करना था.

हैण्ड-इन-हैण्ड (Hand-in-Hand), 2019

भारत एवं चीन की सेनाओं के मध्य दिसम्बर 2019 में 'हैण्ड-इन-हैण्ड-2019' नाम से एक संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास उमरो , मेघालय (भारत) में सम्पन्न हुआ. यह युद्धाभ्यास कम्पनी स्तर (Compony Level) का था. इस युद्धाभ्यास का मुख्य उद्देश्य संयुक्त परिचालन क्षमता का विकास आतंकवाद विरोधी अभियानों के उपयोगी अनुभव को साझा करना तथा भारत व चीन की सेनाओं के मध्य मैत्रीपूर्ण संबंध को बढ़ावा देना है.

कतिपय विशिष्ट टिप्पणियाँ (Year 2019)

नारी शक्ति

ऑक्सफोर्ड शब्दकोश ने 26 जनवरी, 2019 को जयपुर साहित्य उत्सव में 'नारी शक्ति' को वर्ष 2018 के लिए हिन्दी शब्द घोषित किया. ऑक्सफोर्ड के अनुसार यह शब्द संस्कृत से लिया गया है और इसका उपयोग महिलाओं को 'उनके जीवन की जिम्मेदारी लेने' के प्रतीक के रूप में किया जाता है.

ब्लैक होल सिक्का

मार्च 2019 में विश्व के प्रसिद्ध वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग के सम्मान में ब्रिटेन के रॉयल मिंट ने 'ब्लैक होल सिक्का' नाम से 50 पेंस का एक नया सिक्का जारी किया.

गन्ने का रस

25 जनवरी, 2019 को पाकिस्तान सरकार ने 'गन्ने के रस' (Sugarcane Juice) को राष्ट्रीय पेय घोषित किया. सरकार ने यह घोषणा राष्ट्रीय पेय पर निर्णय लेने के लिए देश में आयोजित ट्विटर (Twitter) पोल के बाद की.

वर्ष 2017 से 2023 : प्रमुख वर्ष

वर्ष 2017
- विकास हेतु सतत् पर्यटन का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष (International Year of Sustainable Tourism for Development)
- चीन में 'मुर्गे का वर्ष' (Year of Rooster) {28 जनवरी, 2017–15 फरवरी, 2018}

2018
- चीन में 'श्वान का वर्ष' (Year of Dog)
- अन्तर्राष्ट्रीय मोटे अनाज का वर्ष (संयुक्त राष्ट्र संघ)

2019
- चीन में 'सुअर का वर्ष' (Year of Pig)
- रासायनिक तत्वों की आवर्त सारणी का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष (International Year of the Periodic Table of Chemical Elements)

2019–2028
- शांति के रूप में नेल्सन मंडेला दशक

2020
- पौधों के स्वास्थ्य हेतु अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष (International Year of Sustainable Plant Health) (संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित)

2021
- शांति और विश्वास हेतु अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष (International Year of Peace and Trust) (संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित)

2022
- कुटीर मत्स्यिकी एवं मत्स्यपालन हेतु अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष (International Year of Artisonal Fisheries and Aquaculture) (संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित)

2023
- ज्वार– बाजरा का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष (इन्टरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट) {खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) द्वारा घोषित}

__इडाइ (Idai)__–मार्च 2019 में अफ्रीकी देश मोजाम्बिक में जिम्बाब्वे व मलावी में आए चक्रवाती तूफान इडाइ ने भारी तबाही की स्थिति इन देशों में विशेषत: मोजाम्बिक में उत्पन्न की. इस तूफान में एक हजार से अधिक लोगों के मारे जाने का अनुमान है. मोजाम्बिक का एक बड़ा भूभाग इससे जलमग्न हो गया था. मोजाम्बिक का मुख्य शहर बेइरा इस तूफान से तहाब हो गया.

*__वायु__–गुजरात के तटवर्ती क्षेत्रों में **वायु** नामक चक्रवाती तूफान ने जून, 2019 में दस्तक दी.*

__फैनी (Fani)__–मई 2019 के पहले सप्ताह में ओडिशा के तटवर्ती क्षेत्रों में चक्रवाती तूफान 'फैनी' (Fani) ने भारी तबाही मचाई. हिन्द महासागर में सुमात्रा के पश्चिम में उष्णकटबंधीय डिप्रेशन से निर्मित यह तूफान ओडिशा के तटीय क्षेत्रों से 3 मई, 2019 को टकराया. एक्सट्रीमली सीवियर कैटेगरी 4 का रूप लेने के बाद यह कुछ शिथिल हो चुका था. ओडिशा के अतिरिक्त आन्ध्र प्रदेश व पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्रों में भी क्षति इसने पहुँचाई.

__फेक्साई__–9 सितम्बर, 2019 को श्रेणी-3 का तूफान जापान की राजधानी टोक्यो के उत्तर-पूर्व स्थित शीबा से टकराया. इस तूफान की उत्पत्ति अन्तर्राष्ट्रीय तिथि रेखा के पूर्व में एक उष्णकटिबंधीय के रूप में 29 अगस्त, 2019 को हुई थी. इसमें 144 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं और उत्तर-पूर्व दिशा में 216 किमी प्रति घंटा के प्रचण्ड वेग से आँधी चली.

*__हेजीबीस (Hajibis)__–12 अक्टूबर, 2019 को जापान में विगत 60 वर्षों के सबसे शक्तिशाली समुद्री तूफान **हेजीबीस** ने दस्तक दी. तूफान से कई लोग काल के गाल में समा गए और सैकड़ों लोग घायल हो गए. हेजीबीस का आशय है–तेजी/शीघ्रता (Rapidity), वेग (Velocity) या गति (Speed).*

__बुलबुल (Bulbul)__–10 नवम्बर, 2019 को भारत के पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में आए चक्रवाती तूफान ने भारी तबाही मचाई. इससे दोनों देशों में 22 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई. बांग्लादेश में 21 लाख से अधिक लोग व पश्चिम बंगाल में लगभग तीन लाख लोग प्रभावित हुए.

❑❑❑

MAGAZINE KING

खेलकूद

टेनिस (Tennis)

अमरीकी ओपन टेनिस–2019 (26 अगस्त–8 सितम्बर, 2019; न्यूयॉर्क)

पुरुष एकल :

विजेता–राफेल नडाल (स्पेन)

उपविजेता–डेनिल मेदवदेव (रूस)

☞ **2017**–राफेल नडाल (स्पेन)

☞ **2018**–नोवाक जोकोविच (सर्बिया)

महिला एकल :

विजेता–बियांडा एंद्रीस्कू (कनाडा)

उपविजेता–सेरेना विलियम्स (अमरीका)

☞ **2017**–स्लोएन स्टीफंस (अमरीका)

☞ **2018**–नाओमी ओसाका (जापान)

पुरुष युगल :

विजेता–जुआन सेबेस्टियन कबाल व रॉबर्ट फराह (दोनों कोलम्बिया)

उपविजेता–मार्सेल ग्रैनोलर्स (स्पेन) व होरैसियो जेबालोस (अर्जेन्टीना)

महिला युगल :

विजेता–एलिसे मर्टेंस (बेल्जियम) व आर्यना सबालेंका (बेलारूस)

उपविजेता–विक्टोरिया अज़ारेंका (बेलारूस) व एश्ले बार्टी (आस्ट्रेलिया)

मिश्रित युगल :

विजेता–बेथानी माटेक सैंड्स (अमरीका) व जेमी मुरे (ब्रिटेन)

उपविजेता–चान हाओ-चिंग (चीनी ताइपै) एवं माइकल वीनस (न्यूजीलैण्ड)

31वाँ हॉपमैन कप (29 दिसम्बर, 2018–5 जनवरी, 2019; पर्थ, आस्ट्रेलिया)

विजेता–स्विट्जरलैण्ड (2–1)

उपविजेता–जर्मनी

11वें ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस (जनवरी 2019; ब्रिस्बेन)

पुरुष एकल :

विजेता–केई निशिकोरी (Kei Nishikori) (जापान)

उपविजेता–डेनिल मेदवेदेव (Daniil Medvedev) (रूस)

महिला एकल :

विजेता–कैरोलिना प्लिसकोवा (Karolina Pliskova) (चैक गणराज्य)

उपविजेता–लेसिया त्सुरेंको (Lesia Tsurenko) (यूक्रेन)

टाटा ओपन (महाराष्ट्र ओपन) टेनिस (जनवरी 2019; पुणे)

एकल :

विजेता–केविन एंडरसन (द. अफ्रीका)

उपविजेता–इवो कार्लोविच (क्रोएशिया)

☞ वर्ष 2018 में केविन एंडरसन इस टेनिस प्रतियोगिता में उपविजेता थे.

युगल :

विजेता–रोहन बोपन्ना व दिविज शरण (दोनों भारत)

उपविजेता–ल्यूक बैंब्रिज व जॉनी ओ'मारा (दोनों ब्रिटेन)

कतर ओपन महिला टेनिस (16 फरवरी, 2019; दोहा, कतर)

एकल :

विजेता–एलिसे मर्टेंस (बेल्जियम)

उपविजेता–सिमोना हालेप (रोमानिया)

महिला युगल :

विजेता–चान हाओ-चिंग एवं लतिशा चान (दोनों चीनी ताइपै)

उपविजेता–एना-लीना ग्रैनोफेल्ड (जर्मनी) एवं डेमी शुअर्स (नीदरलैंड्स)

चेन्नई ओपन (4–10 फरवरी, 2019; चेन्नई, तमिलनाडु)

पुरुष एकल :

विजेता–कोरेन्टिन मौटेट (फ्रांस)

उपविजेता–एंड्रयू हैरिस (आस्ट्रेलिया)

पुरुष युगल :

विजेता–गियानलुक मेगर और एड्रिया पेलेग्रिनो (दोनों इटली)

उपविजेता–मैट रीड और ल्यूक सेविले (दोनों आस्ट्रेलिया)

113वाँ मॉंटे कार्लो ओपन टेनिस (15–21 अप्रैल, 2019; मॉंटे कार्लो)

पुरुष एकल :

विजेता–फेबियो फॉगनिनी (इटली)

उपविजेता–डुसान लाजोविक (सर्बिया)

पुरुष युगल :

विजेता–निकोला मेक्टिक व फ्रैंको स्कुगोर (दोनों क्रोएशिया)

उपविजेता–रॉबिन हास व वेस्ले कूलहॉफ (दोनों नीदरलैण्ड्स)

76वाँ इटैलियन ओपन (रोम मास्टर्स) टेनिस (13–19 मई, 2019; रोम, इटली)

पुरुष एकल :

विजेता–राफेल नडाल (स्पेन) {गत विजेता}

उपविजेता–नोवाक जोकोविच (सर्बिया)

महिला एकल :

विजेता–कैरोलिना प्लिस्कोवा (चैक गणराज्य)

उपविजेता–जोहाना कोंटा (ब्रिटेन)

मैड्रिड ओपन टेनिस (3–12 मई, 2019; मैड्रिड, स्पेन)

पुरुष एकल :

विजेता–नोवाक जोकोविच (सर्बिया)

उपविजेता–स्टेफानोस त्सित्सिपास (ग्रीस)

महिला एकल :

विजेता–किकी बर्टेन्स (नीदरलैण्ड्स)

उपविजेता–सिमोन हालेप (रूमानिया)

27वाँ हाले ओपन/गैरी वेबर ओपन टेनिस–2019 (23 जून, 2019; हाले)

पुरुष एकल :

विजेता–रोजर फेडरर (स्विट्जरलैण्ड)

उपविजेता–डेविड गॉफिन (बेल्जियम)

पुरुष युगल :

विजेता–रावेन क्लासेन (द. अफ्रीका) व माइकल वीनस (न्यूजीलैण्ड)

उपविजेता–लुकास कुबोट (पोलैण्ड) व मार्सेलो मेलो (ब्राजील)

क्वीन्स क्लब चैम्पियनशिप (17–23 जून, 2019; क्वींस क्लब, लंदन)

पुरुष एकल :

विजेता–फेलिसिआनो लोपेज (स्पेन)

उपविजेता–गिलेस सिमोन (फ्रांस)

पुरुष युगल :

विजेता–फेलिसिआनो लोपेज (स्पेन) व एण्डी मरे (ब्रिटेन)

उपविजेता–राजीव रैम (अमरीका) व जोए सैलिसबरी (ब्रिटेन)

मर्सिडीज ओपन टेनिस (10–16 जून, 2019; स्टुटगार्ड, जर्मनी)

विजेता :

☞ **पुरुष एकल** : मेट्टेओ बरेंटीनी (इटली)

☞ **पुरुष युगल** : जॉन पीएर्स (आस्ट्रेलिया) व ब्रूनो सोओरस (ब्राजील)

कोरिया ओपन, 2019 (16–22 सितम्बर, 2019; सियोल, दक्षिण कोरिया)

महिला एकल :

विजेता–कैरोलीना मुचोवा (चैक गणराज्य)

उपविजेता–मैग्दा लिनेटे (पोलैण्ड)

महिला युगल :

विजेता–लारा अरूआबैरेना (स्पेन) एवं तातजाना मारिया (जर्मनी)

उपविजेता–हेले कार्टर (अमरीका) एवं लुईसा स्टेफानी (ब्राजील)

जुहाई ओपन, 2019 (23–29 सितम्बर, 2019; चीन)

पुरुष एकल :

विजेता–एलेक्स डी मिनौर (ऑस्ट्रेलिया)

उपविजेता–एड्रियन मन्नारीनो (फ्रांस)

पुरुष युगल :

विजेता–सांदेर गिले एवं जोरान विलिएगेन (दोनों बेल्जियम)

उपविजेता–मार्सेलो डेमोलिनर (ब्राजील) एवं मैटवे मिडेलकूप (नीदरलैंड्स)

लोवर कप–2019 (20–22 सितम्बर, 2019; जेनेवा, स्विट्जरलैंड)

विजेता–टीम यूरोप

☞ पुरुष टीम टेनिस प्रतियोगिता का तीसरा संस्करण था.

☞ यह टूर्नामेंट 'टीम यूरोप' और 'रेस्ट ऑफ द वर्ल्ड' टीम के मध्य खेला जाता है.

☞ टीम यूरोप के कप्तान स्वीडन के ब्योनबोर्ग और टीम वर्ल्ड के कप्तान अमरीका के जॉन मैक्नरो थे.

MAGAZINE KING

ब्यूनस आयर्स चैलेंजर टेनिस (23–29 सितम्बर, 2019; अर्जेंटीना)

पुरुष एकल :

विजेता–सुमित नागल (भारत)

उपविजेता–फाकुंडो बैगनिस (अर्जेंटीना)

पुरुष युगल :

विजेता–गुइडो आंद्रेओजी व आंद्रेस मोल्तेनी (दोनों अर्जेंटीना)

उपविजेता–ह्युगो डेलिएन व फेडरिको जेबालॉस (दोनों बोलिविया)

सेंट पीटर्सबर्ग ओपन, 2019 (16–22 सितम्बर, 2019; रूस)

पुरुष एकल :

विजेता–डैनिल मेदवेदेव (रूस)

उपविजेता–बोर्ना कोरिक (क्रोएशिया)

पुरुष युगल :

विजेता–दिविज शरण (भारत) एवं इंगोर जेलेने (स्कोवाकिया)

उपजिवेता–माट्टेओ बेरेंटीना एवं सिमोन बोलेली (दोनों इटली)

चेंगडु ओपन, 2019 (23–29 सितम्बर, 2019; चीन)

पुरुष एकल :

विजेता–पाब्लो कारेनो बुस्ता (स्पेन)

उपविजेता–अलेक्जेंडर बब्लिक (कजाकस्तान)

पुरुष युगल :

विजेता–निकोला कैसिस व दुसान लाजोविक (दोनों सर्बिया)

उपविजेता–जोनाथन इर्लिच (इजरायल) व फैब्रिस मार्टिन (फ्रांस)

टोरे पैन पैसिफिक टेनिस (महिलाओं का 36वाँ डब्ल्यूटीए टेनिस टूर्नामेंट) {16–22 सितम्बर, 2019; टोकियो, जापान}

एकल :

विजेता–नाओमी ओसाका (जापान)

उपविजेता–एनेस्तासिया पावली चेनकोवा (रूस)

☞ **वर्ष 2018 की विजेता**–कैरोलिन वोज़्नियाकी (डेनमार्क)

युगल :

विजेता–चान हाओ-चिंग व लातिशा चान (चीनी ताइपै)

☞ **वर्ष 2018 की विजेता**–मियु काटो व माकोटो निनोमिया (जापानी जोड़ी)

चाइना ओपन टेनिस–2019 (30 सितम्बर–6 अक्टूबर, 2019; बीजिंग, चीन)

पुरुष एकल :

विजेता–डोमिनिक थिएम (ऑस्ट्रिया)

उपविजेता–स्टेफानोस सितसिपास (ग्रीस)

महिला एकल :

विजेता–नाओमी ओसाका (जापान)

उपविजेता–एश्लेघ बार्टी (ऑस्ट्रेलिया)

पुरुष युगल :

विजेता–इवान डोडिग (क्रोएशिया) व फिलिप पोलासेक (स्लोवाकिया)

उपविजेता–लुकाज कुबोत (पोलैण्ड) व मार्सेलो मेलो (ब्राजील)

महिला युगल :

विजेता–सोफिया केनिन व बेथानी मटेक-सैंडस (दोनों अमरीका)

उपविजेता–जेलेना ओस्टापेंको (लाटविया) व डायना यास्त्रेम्सका (यूक्रेन)

जापान ओपन टेनिस (30 सितम्बर–6 अक्टूबर, 2019; जापान)

पुरुष एकल :

विजेता–नोवाक जोकोविक (सर्बिया)

उपविजेता–जॉन मिलमैन (ऑस्ट्रेलिया)

पुरुष युगल :

विजेता–निकोलस माहुत एवं एडुअर्ड रोजर-वेसलीन (दोनों फ्रांस)

उपविजेता–निकोल मैक्टिक एवं फ्रैंको स्कुगोर (दोनों क्रोएशिया)

शंघाई मास्टर्स टेनिस (अक्टूबर 2019; शंघाई)

पुरुष एकल :

विजेता–एलेक्जेंडर ज़्वेरेव (जर्मनी)

उपविजेता–डेनिल मेदवेदेव (रूस)

पुरुष युगल :

विजेता–मैट पेविक (क्रोएशिया) व ब्रूनो सोआरेस (ब्राजील)

स्विस इनडोर टेनिस–2019 (21–27 अक्टूबर, 2019; बासेल)

एकल :

विजेता–रोजर फेडरर (स्विट्जरलैण्ड)

उपविजेता–एलेक्स डी मिनॉर (आस्ट्रेलिया)

युगल :

विजेता–जीन जूलियन रोजर (नीदरलैण्ड्स) व होरिया टेकाऊ (रूमानिया)

उपविजेता–टेलर फ्रिट्ज व रीली ओपेका (दोनों अमरीकी)

क्रिकेट (Cricket)

रणजी ट्रॉफी, 2018-19 (फाइनल : 7 फरवरी, 2019; नागपुर)

विजेता–विदर्भ टीम (गत विजेता) {**कप्तान**–फज़ल फैजल}

उपविजेता–सौराष्ट्र {**कप्तान**–जयदेव उनादकट}

ईरानी ट्रॉफी–2018-19 (12–16 फरवरी, 2019; नागपुर)

विजेता–विदर्भ टीम (गत विजेता) {**कप्तान**–फज़ल फैजल}

उपविजेता–शेष भारत {**कप्तान**–आजिंक्य रहाणे}

भारत–न्यूजीलैण्ड शृंखला (जनवरी–फरवरी, 2019; न्यूजीलैण्ड)

☞ **पाँच एकदिवसीय मैचों की शृंखला**
विजेता–भारत (4–1)

☞ **तीन ट्वेंटी–20 मैचों की शृंखला**
विजेता–न्यूजीलैण्ड (2–1)

भारत–न्यूजीलैण्ड महिला शृंखला (जनवरी–फरवरी, 2019; न्यूजीलैण्ड)

☞ **तीन एकदिवसीय मैचों की शृंखला**
विजेता–भारत (2–1)

☞ **तीन ट्वेंटी–20 मैचों की शृंखला**
विजेता–न्यूजीलैण्ड (3–0)

वेस्टइंडीज–इंगलैण्ड शृंखला (जनवरी–फरवरी, 2019; वेस्टइंडीज)

☞ **तीन टेस्ट मैचों की शृंखला**
विजेता–वेस्टइंडीज (2–1)

☞ **पाँच एकदिवसीय मैचों की शृंखला**
विजेता–बराबर (एक मैच अनिर्णित समाप्त)

द. अफ्रीका–पाकिस्तान शृंखला (जनवरी 2019; दक्षिण अफ्रीका)

☞ **तीन टेस्ट मैचों की शृंखला**
विजेता–दक्षिण अफ्रीका (3–0)

☞ **पाँच एकदिवसीय मैचों की शृंखला**
विजेता–दक्षिण अफ्रीका (3–2)

द. अफ्रीका–पाकिस्तान तीन ट्वेंटी–20 मैचों की शृंखला (फरवरी 2019; दक्षिण अफ्रीका)
विजेता–दक्षिण अफ्रीका (2–1)

सैय्यद मुश्ताक अली ट्राफी 2019 (मार्च 2019)
विजेता–कर्नाटक
उपविजेता–महाराष्ट्र

आईपीएल–XII क्रिकेट प्रतियोगिता, 2019 (फाइनल 12 मई, 2019)
विजेता–मुम्बई इंडियन्स (रिकॉर्ड चौथी बार विजेता)
उपविजेता–चेन्नई सुपरकिंग्स

महिलाओं की टी-20 चैलेंज (6–11 मई, 2019; जयपुर)
विजेता–आईपीएल सुपर नोवाज़ टीम
उपविजेता–आईपीएल वेलोसिटी टीम

भारत-द. अफ्रीका टी-20 व टेस्ट शृंखलाएं (सितम्बर–अक्टूबर, 2019; भारत)

(1) तीन टी-20 मैचों की शृंखला
विजेता–बराबर

(2) तीन टेस्ट मैचों की शृंखला (फ्रीडम ट्रॉफी)
विजेता–भारत (3-0)

☞ दोनों ही शृंखलाओं में भारत का नेतृत्व **विराट कोहली** ने किया.

☞ टी–20 शृंखला के लिए द. अफ्रीका के **क्विंटॉन डी कॉक** व टेस्ट शृंखला के लिए भारत के **रोहित शर्मा** को **प्लेयर ऑफ द सीरीज** घोषित किया गया.

दलीप ट्रॉफी, 2019-20 (17 अगस्त–8 सितम्बर, 2019; बैंगलूरू)
विजेता–इंडिया रैड (पारी व 38 रन; दूसरी बार विजेता)
उपविजेता–इंडिया ग्रीन
2016-17 में विजेता–इंडिया ब्ल्यू
2017-18 में विजेता–इंडिया रैड
2018-19 में विजेता–इंडिया ब्ल्यू

MAGAZINE KING

एशेज़ शृंखला, 2019 (अगस्त–सितम्बर, 2019; इंगलैण्ड)

विजेता–आस्ट्रेलिया

☞ 2017-18 की एशेज़ शृंखला का विजेता होने के नाते आस्ट्रेलिया का पहले से ही कब्जा बना हुआ था.

☞ पाँच टेस्ट मैचों की ताजा शृंखला 2-2 से बराबर रही, जिससे एशेज़ पर आस्ट्रेलिया का ही कब्जा बरकरार रहा.

विजय हज़ारे ट्रॉफी, 2019-20 (24 सितम्बर–25 अक्टूबर, 2019; विभिन्न शहरों में, फाइनल–बेंगलूरु में)

विजेता–कर्नाटक (चौथी बार)

उपविजेता–तमिलनाडु

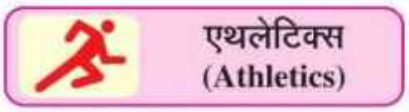

16वीं टाटा मुम्बई मैराथन (20 जनवरी, 2019; मुम्बई)

पुरुष वर्ग :

विजेता–कॉस्मस लगाट (Cosmas Lagat) (कीनिया)

(**दूरी**–42·195 किमी, **समय**–2 घंटे 09 मिनट 15 सेकण्ड)

उपविजेता–आइच्यू बैटी (इथियोपिया)

तीसरा स्थान–शुमेट एकलन्यू (इथियोपिया)

महिला वर्ग :

विजेता–वर्कनेश अलेमु (Worknesh Alemu) (इथियोपिया)

(**दूरी**–42·195 किमी, **समय**–2 घंटे 25 मिनट 45 सेकण्ड)

उपविजेता–अमाने गोबेना (इथियोपिया) {2 : 26 : 09}

तीसरा स्थान–बिर्के डिबेले (इथियोपिया) {2 : 26 : 39}

23वीं एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप (21-24 अप्रैल, 2019; दोहा, कतर)

प्रथम स्थान–बहरीन (11 स्वर्ण, 07 रजत व 04 कांस्य **कुल** 22 पदक)

द्वितीय स्थान–चीन (9 स्वर्ण, 13 रजत व 7 कांस्य **कुल** 29 पदक)

तीसरा स्थान–जापान (5 स्वर्ण, 4 रजत व 9 कांस्य **कुल** 18 पदक)

39वाँ लंदन मैराथन (28 अप्रैल, 2019; लंदन)

पुरुष वर्ग :

विजेता–एल्युड किपचोंगे (कीनिया) {**समय**–2 घण्टे 2 मिनट व 37 सेकण्ड}

महिला वर्ग :

विजेता–ब्रिगिड कोसगेई (कीनिया) {**समय**–2 घण्टे 18 मिनट व 20 सेकण्ड}

46वीं बर्लिन मैराथन (29 सितम्बर, 2019; बर्लिन)

पुरुष वर्ग विजेता–केनेनिसा बेकले (Kenenisa Bekele), इथियोपिया

(समय–2 : 01 : 41)

महिला वर्ग विजेता–एशटे बेकरे (Ashete Bekere), इथियोपिया

(समय–2 : 20 : 14)

59वीं राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप (10–13 अक्टूबर, 2019; रांची)

ओवरऑल चैम्पियनशिप–रेलवे (264·5 अंक, गत वर्ष भी ओवरऑल चैम्पियन)

दूसरा स्थान–सर्विसेज़

पुरुष वर्ग का टीम खिताब–सर्विसेज़

महिला वर्ग का टीम खिताब–रेलवे (गत वर्ष भी)

सर्वश्रेष्ठ एथलीट :

पुरुष वर्ग–आमिया मलिक (ओडिशा; 100 मी. दौड़)

महिला वर्ग–दुतीचंद (ओडिशा; 100 मी. व 200 मी. दौड़)

17वीं विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप (27 सितम्बर–6 अक्टूबर, 2019; दोहा)

प्रथम स्थान–अमरीका (14 स्वर्ण, 11 रजत व 4 कांस्य)

दूसरा स्थान–कीनिया (5 स्वर्ण, 2 रजत व 4 कांस्य)

तीसरा स्थान–जमैका (3 स्वर्ण, 5 रजत व 4 कांस्य)

☞ भारत का कोई भी एथलीट इस द्विवार्षिक आयोजन में कोई पदक जीतने में कामयाब नहीं रहा.

पुरुषों की नौवीं सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप-बी डिवीजन (7-20 जनवरी, 2019; चेन्नई)

विजेता–तमिलनाडु (4-3)

उपविजेता–केन्द्रीय सचिवालय

पुरुषों की नौवीं सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप-ए डिवीजन (31 जनवरी–10 फरवरी, 2019; ग्वालियर)

विजेता–रेलवे (3-2)

उपविजेता–पंजाब

महिलाओं की 9वीं सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप-बी डिवीजन (1-10 फरवरी, 2019; हिसार, हरियाणा)

विजेता–भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) (7-0)

उपविजेता–चंडीगढ़

महिलाओं की 9वीं सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप-ए डिवीजन (10-18 फरवरी, 2019; हिसार, हरियाणा)

विजेता–रेलवे (5-0) {गत विजेता}

उपविजेता–मध्य प्रदेश {गत उपविजेता}

भारत–फ्रांस महिला हॉकी टेस्ट सीरीज (13 फरवरी, 2019; लखनऊ)

विजेता–भारत-ए (3-1)

महिला अण्डर–21 अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट (4 जून, 2019; डबलिन, आयरलैण्ड)

विजेता–भारत (1-0)

उपविजेता–आयरलैण्ड

पुरुषों की एफआईएच (FIH) फाइनल्स हॉकी सीरीज (15 जून, 2019; भुवनेश्वर, ओडिशा)

विजेता–भारत (5-1)

उपविजेता–दक्षिण अफ्रीका

☞ **सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी**–मनप्रीत सिंह (भारत)

महिलाओं की एफआईएच फाइनल्स हॉकी सीरीज (23 जून, 2019; हिरोशिमा, जापान)

विजेता–भारत (3-1)

उपविजेता–जापान

☞ **सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी**–रानी रामपाल (भारत)

मुरुगप्पा गोल्ड कप हॉकी (93वाँ) (सितम्बर, 2019; चेन्नई)

विजेता–भारतीय तेल निगम (3-1) {गत वर्ष भी विजेता}

उपविजेता–पंजाब नेशनल बैंक

☞ 2017 का विजेता–ओएनजीसी

9वाँ सुल्तान ऑफ जोहोर कप (12-19 अक्टूबर, 2019; जोहार बाहरू, मलेशिया)

विजेता–ब्रिटेन (गत वर्ष भी विजेता)

उपविजेता–भारत (गत वर्ष भी उपविजेता)

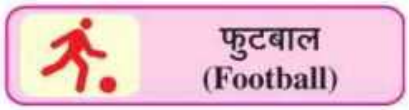

73वीं राष्ट्रीय फुटबाल का संतोष ट्रॉफी–2019 (अप्रैल 2019, लुधियाना)

विजेता–सेना (1-0) {छठी बार}

उपविजेता–पंजाब

☞ वर्ष 2018 में यह ट्रॉफी केरल ने छठी बार जीती थी.

138वाँ 'फा' कप (FA Cup) फुटबाल (18 मई, 2019; लंदन)

विजेता–मैनचेस्टर सिटी फुटबाल क्लब (6-0)

उपविजेता–वाटफोर्ड (Watford)

☞ इंगलैण्ड के पुरुषों के प्रतिष्ठित फा कप (FA Cup) अर्थात् फुटबाल एसोसिएशन (FA) कप विश्व में सबसे पुराना फुटबाल टूर्नामेंट है. इसकी शुरूआत 1871 ई. में हुई थी.

☞ 137वें फा कप का विजेता चेल्सिया क्लब था.

यूरोपीय फुटबाल का चैम्पियंस लीग (1 जून, 2019; मैड्रिड)

विजेता–लिवरपूल टीम (छठी बार विजेता)

उपविजेता–इंगलिश क्लब

यूईएफए (UEFA) नेशन्स फुटबाल लीग (9 जून, 2019; पोर्टो, पुर्तगाल)

विजेता–पुर्तगाल (1-0)

उपविजेता–नीदरलैण्ड्स

☞ यह **यूनियन ऑफ यूरोपियन फुटबाल एसोसिएशन्स** (UEFA) नेशन्स लीग का पहला संस्करण था.

☞ इस टूर्नामेंट में यूईएफए (UEFA) के 55 सदस्य देशों की पुरुषों की राष्ट्री टीमों ने भाग लिया.

MAGAZINE KING

फीफा का महिलाओं का विश्व कप फुटबाल (7 जुलाई, 2019; लियॉन)

विजेता–अमरीका (2-0) {लगातार दूसरी बार}

उपविजेता–नीदरलैण्ड्स

- महिलाओं का विश्व कप खिताब अमरीका ने रिकॉर्ड चौथी बार जीता.
- लगातार दो बार यह खिताब जीतने वाली जर्मनी के बाद यह दूसरी टीम है.

कोपा अमरीका कप फुटबाल (7 जुलाई, 2019; रियो डि जेनरो)

विजेता–ब्राजील (3-1)

उपविजेता–पेरू

- ब्राजील ने यह कप कुल मिलाकर नौवीं बार जीतने में सफलता प्राप्त की है.
- ब्राजील यद्यपि 12 वर्ष के अन्तराल के बाद विजेता बना है.

डूरंड कप (2–24 अगस्त, 2019; कोलकाता; 129वाँ आयोजन)

विजेता–गोकुलम केरला

उपविजेता–मोहन बगान

महिलाओं की 25वीं सीनियर राष्ट्रीय फुटबाल–2019 (10–24 सितम्बर, 2019, पासीघाट)

विजेता–मणिपुर {20वीं बार}

उपविजेता–रेलवे

टेबल टेनिस (Table Tennis)

80वीं सीनियर राष्ट्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता (4-9 जनवरी, 2019; कटक, ओडिशा)

टीम खिताब:

पुरुष वर्ग :

विजेता–पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (PSPB)

उपविजेता–गुजरात

महिला वर्ग :

विजेता–पश्चिम बंगाल

उपविजेता–पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (PSPB)

एकल खिताब:

पुरुष वर्ग (महाराजा पीठमपुरा कप) :

विजेता–अचंत शरत कमल (PSPB)

उपविजेता–जी. साथियान (PSPB)

महिला वर्ग (ट्रावनकोर कप) :

विजेता–अर्चना कामथ (PSPB)

उपविजेता–कृत्तिका सिन्हा रॉय (पश्चिम बंगाल)

युगल खिताब :

पुरुष वर्ग :

विजेता–अर्जुन घोष व रोनित भांजा (पश्चिम बंगाल)

उपविजेता–अर्निबाल घोष व अर्निबान नंदी (रेलवे)

महिला वर्ग :

विजेता–निखत बानू व श्रीजा आकुला (दोनों तेलंगाना)

उपविजेता–अनन्या बसाक व सृष्टि हालेंगडी (महाराष्ट्र)

मिश्रित युगल :

विजेता–अचत शरत कमल व मनिका बत्रा (PSPB)

उपविजेता–मानव ठक्कर व अर्जना गिरीश कामत

55वीं विश्व टेबल टेनिस चैम्पियनशिप, 2019 (21–28 अप्रैल, 2019; बुडापेस्ट, हंगरी)

पुरुष एकल विजेता–मा लोंग (Ma Long) {चीन}

महिला एकल विजेता–लियु शिवेन (Liu Shiwen) {चीन}

- 2015 व 2017 की भाँति वर्ष 2019 में भी पुरुष एकल, महिला एकल व युगल खिताबों सहित सभी पाँचों खिताब चीनी खिलाड़ियों के नाम रहे.
- इस चैम्पियनशिप का आगामी आयोजन 2021 में होगा.

बैडमिंटन (Badminton)

इण्डोनेशियाई मास्टर्स ग्रां.प्री. बैडमिंटन चैम्पियनशिप (22–27 जनवरी, 2019; जकार्ता)

पुरुष वर्ग :

विजेता–एंडर्स एंटोनसेन (डेनमार्क)

उपपिजेता–कैंटो मोमोटा (जापान) {गत वर्ष भी उपविजेता}

महिला वर्ग :

विजेता–साइना नेहवाल (भारत) {गत उपविजेता}

उपविजेता–कैरोलिना मारिन (स्पेन)

भारतीय बैडमिंटन संघ (BAI) का चौथा प्रीमियर बैडमिंटन लीग (PBL), 2018 (22 दिसम्बर, 2018–13 जनवरी, 2019; मुम्बई, पुणे, हैदराबाद, अहमदाबाद व बेंगलूरू)

83वीं राष्ट्रीय बैडमिन्टन चैम्पियनशिप (10–16 फरवरी, 2019; गुवाहाटी)

स्पर्द्धा	विजेता	उपविजेता
पुरुष एकल	*सौरभ वर्मा (मध्य प्रदेश), 21-18, 21-13 से*	*लक्ष्य सेन*
महिला एकल	*साइना नेहवाल (हैदराबाद) 21-18, 21-15 से* ☞ *साइना का यह चौथा राष्ट्रीय खिताब है.*	*पी. वी. सिंधु (भारत)* ☞ *दो बार की राष्ट्रीय चैम्पियन*
पुरुष युगल	*प्रणव जेरी चोपड़ा व चिराग शेट्टी*	*एम. आर. अर्जुन व श्लोक रामचन्द्रन*
महिला युगल	*शिखा गौतम व के. अश्विनी भट*	*मेघना जक्कमपुड़ी व पूर्विशा राम*
मिश्रित युगल	*मनु अत्री व के. मनीषा*	*रोहन कपूर व कुहू गर्ग*

ऑल इंगलैण्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप, 2019 : विजेताओं के नाम एक दृष्टि में
(6-10 मार्च, 2019; बर्मिंघम, इंगलैण्ड)

स्पर्द्धा	विजेता	उपविजेता
पुरुष एकल	*केंटो मोमोता (Kento Momota) (जापान)*	*विक्टर अक्सेन (Viktor Axelsen) (डेनमार्क)*
महिला एकल	*चेन युफे (Chen Yufei) (चीन)*	*थाई शू-यींग (Tai Tzu-ying) (ताइवान)*
पुरुष युगल	*मोहम्मद अहसान तथा हेन्द्र सेतिअवान (दोनों इण्डोनेशिया)*	–
महिला युगल	*चेन किंगचेन तथा जिया यिफान (दोनों चीन)*	–

विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप, 2019 : विजेताओं के नाम एक दृष्टि में
(19–25 अगस्त, 2019; बासेल, स्विट्जरलैण्ड)

स्पर्द्धा	विजेता	उपविजेता
पुरुष एकल	*केंटो मोमोता (Kento Momota) (जापान)*	*एंडर्स एंटोनसेन (डेनमार्क)*
महिला एकल	*पी.वी. सिंधु (भारत)*	*नोजोमी ओकुहारा (जापान)*
पुरुष युगल	*मोहम्मद अहसान तथा हेन्द्र सेतिअवान (दोनों इण्डोनेशिया)*	*ताकुरो होकी व युगो कोबायाशी (दोनों जापान)*
महिला युगल	*मायु मात्सुमोतो व वकाना नागाहारा (दोनों जापान)*	*युकी फुकुशिमा व सयाका हिरोता (दोनों जापान)*

MAGAZINE KING

विजेता–बेंगलूरू रैप्टर्स (Bangaluru Raptors) {4-3}
2017–चेन्नई स्मैशर्स
2018–हैदराबाद हंटर्स
उपविजेता–मुम्बई रॉकेट्स

सिंगापुर ओपन बैडमिंटन (9–14 अप्रैल, 2019; सिंगापुर)
एकल खिताब :
पुरुष वर्ग :
विजेता–कैंटो मोमोटा (जापान)
उपविजेता–एंथनी सिनिसुका (इंडोनेशिया)
महिला वर्ग :
विजेता–ताइ त्जू यिंग (चीनी ताइपै)
उपविजेता–नोजोमी ओकूहारा (जापान)

मलेशियाई ओपन सुपरसीरिज बैडमिंटन (2–7 अप्रैल, 2019; कुआलालम्पुर)
एकल खिताब :
पुरुष वर्ग :
विजेता–लिन डान (चीन)
उपविजेता–चेन लोंग (चीन)
महिला वर्ग :
विजेता–ताइ त्जू यिंग (चीनी ताइपै)
उपविजेता–अकाने यामागुची (जापान)

16वाँ सुदीरमन कप बैडमिंटन (19–26 मई, 2019; नानिंग, चीन)
विजेता–चीन (3-0) {11वीं बार विजेता}
उपविजेता–जापान
☞ इस द्विवार्षिक प्रतियोगिता में 31 टीमों ने भाग लिया था, जिसमें भारत का स्थान संयुक्त रूप से नौवां रहा.

थाइलैण्ड ओपन बैडमिंटन (अगस्त 2019; बैंकॉक)
पुरुष वर्ग :
विजेता–चोऊ तिएन-चेन (चीनी ताइपै)
महिला वर्ग :
विजेता–चेन यूफेई (चीन)
युगल वर्ग :
विजेता–सात्विक साइराज रैंकी रेड्डी व चिराग शेट्टी (भारतीय जोड़ी)

हैदराबाद ओपन बैडमिंटन (6-11 अगस्त, 2019; हैदराबाद)
पुरुष एकल :
विजेता–समीर वर्मा (भारत)
उपविजेता–लोह कीन यियु (सिंगापुर)
महिला एकल :
विजेता–यिओ जिया मिन {सिंगापुर}
उपविजेता–आन से-यूंग (द. कोरिया)

चीन ओपन बैडमिंटन (17-22 सितम्बर, 2019; चांग झोऊ, चीन)
पुरुष एकल :
विजेता–कैंटो मोमोटा (जापान)
उपविजेता–एंथनी उस. गिंटिंग (इण्डोनेशिया)
महिला एकल :
विजेता–कैरोलिना मारिन (स्पेन)
उपविजेता–ताई त्जू-यिंग (चीनी ताइपै)

डच ओपन बैडमिंटन (अक्टूबर 2019; अलमेरे, नीदरलैण्ड्स)
पुरुष एकल :
विजेता–लक्ष्य सेन (भारत) सौरभ वर्मा (भारत)
उपविजेता–यूसुके ओनाडेरा (जापान)

गोल्फ (Golf)

आगस्ता मास्टर्स गोल्फ (11-14 अप्रैल, 2019; आगस्ता, जॉर्जिया)
विजेता–टाइगर वुड्स (अमरीका)
☞ इस खिताब की प्रसिद्ध हरी जैकेट (Green Jacket) गत विजेता पैट्रिक रीड (अमरीका) ने उन्हें पहनाई.

101वाँ पीजीए चैम्पियनशिप–2019 (16-19 मई, 2019; फार्मिंगडेल, न्यूयॉर्क)
विजेता–ब्रूक्स कोएप्का (Brooks Koepka)

यूएस ओपन गोल्फ–2019 (13-16 जून, 2019; पेबल बीच, कैलीफार्निया)
विजेता–गैरी वुडलैण्ड (Gary Woodland) (अमरीका)
उपविजेता–ब्रूक्स कोएप्का (Brooks Koepka) (अमरीका)
☞ गोल्फ के वर्ष 2019 का तीसरा मेजर टूर्नामेंट
☞ 35 वर्षीय वुडलैण्ड का यह पहला मेजर खिताब.
☞ वर्ष 2018 में विजेता ब्रूक्स कोएप्का थे.

बीएमडब्ल्यू चैंपियनशिप, 2019 (18 अगस्त, 2019; इलिनोइस, अमरीका)

स्क्वैश (Squash)

विश्व स्क्वैश चैम्पियनशिप (23 फरवरी–2 मार्च, 2019; शिकागो, अमरीका)
पुरुष वर्ग :
विजेता–अली फराग (मिस्र)
उपविजेता–तारेक मोमेन (मिस्र)
महिला वर्ग :
विजेता–नूर एल शेरबिनी (मिस्र)
उपविजेता–नूर एल तायेब (मिस्र)

एशियाई स्क्वैश चैम्पियनशिप (1-5 मई, 2019; कुआलालम्पुर, मलेशिया)
पुरुष वर्ग :
विजेता–सौरभ घोषाल (भारत)
उपविजेता–लियो अउ चुन मिंग (Leo Au Chun Ming) (हांगकांग)
महिला वर्ग :
विजेता–जोशना चिनप्पा (भारत)
उपविजेता–ऐनी अउ (Annie Au) (हांगकांग)

शतरंज (Chess)

पुरुषों की 39वीं राष्ट्रीय टीम चैम्पियनशिप (7-11 फरवरी, 2019; कोलकाता)
विजेता–पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (PSPB) {गत विजेता}
उपविजेता–भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI)

महिलाओं की 17वीं राष्ट्रीय टीम चैम्पियनशिप (7-11 फरवरी, 2019; कोलकाता)
विजेता–पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (PSPB) {गत विजेता}
उपविजेता–एयर इण्डिया

कान अन्तर्राष्ट्रीय ओपन ट्रॉफी (25 फरवरी, 2019; कान, फ्रांस)
विजेता–अभिजीत गुप्त (भारत)

क्रोएशिया ग्रैण्ड शतरंज टूर प्रतियोगिता–2019 (26 जून, 2019–8 जुलाई, 2019; क्रोएशिया)
विजेता–मैगनस कार्लसन (नॉर्वे)
उपविजेता–मैक्सिम लाग्रेव (फ्रांस)

शतरंज विश्व कप–2019 (9 सितम्बर–4 अक्टूबर, 2019; खांटी मानस्सिस्क, रूस)
विजेता–टीमोर राद्जाबोव (अजरबैजान)
उपविजेता–डिंग लिरेन (चीन)

बॉक्सिंग (Boxing)

इण्डिया ओपन इंटरनेशनल बॉक्सिंग टूर्नामेंट–2019 (20-24 मई, 2019; गुवाहाटी, असम)
सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज :
पुरुष वर्ग–शिव थापा (भारत)
महिला वर्ग–फ्रांसेसा अमाटो (Francessa Amato) (इटली)

विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप–2019 (9-21 सितम्बर, 2019; एकाटेरिनबर्ग, रूस)
प्रथम स्थान–उज्बेकिस्तान (3 स्वर्ण, 1 रजत व 1 कांस्य सहित कुल 5 पदक)
दूसरा स्थान–रूस (3 स्वर्ण व 1 कांस्य सहित कुल 4 पदक)
भारत का स्थान–छठा (1 रजत व 1 कांस्य सहित कुल 2 पदक)

महिलाओं की तीसरी राष्ट्रीय मुक्केबाजी–2019
(जनवरी, 2019; विजय नगर, कर्नाटक)

वर्ग	वेट	स्वर्ण पदक विजेता
लाइट फ्लाई	45-48 किग्रा	मंजू रानी (पंजाब)
फ्लाई	48-51 किग्रा	पिंकी रानी जागड़ा (हरियाणा)
बैंटम	51-54 किग्रा	मीना कुमारी देवी (पुलिस) {गत वर्ष भी स्वर्ण पदक}
फैदर	54-57 किग्रा	सोनिया लाथार (रेलवे) {गत वर्ष भी स्वर्ण पदक}
लाइट	57-60 किग्रा	नीरज (हरियाणा)
लाइट वेल्टर	60-64 किग्रा	सिमरनजीत कौर (पंजाब)
वेल्टर	64-69 किग्रा	लवलीना बोर्गोहेन (असम)
मिडिल	69-75 किग्रा	नीतू (रेलवे)
लाइट हैवी	75-81 किग्रा	पूजा रानी (हरियाणा)
हैवी	82 किग्रा+	सीमा पूनिया (रेलवे) {गत वर्ष भी स्वर्ण पदक}

MAGAZINE KING

☞ आगामी विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप का आयोजन 2021 में होगा.

कुश्ती (Wrestling)

चौथा प्रो रेसलिंग लीग (Pro Wrestling League) (14-31 जनवरी, 2019; पंचकुला, लुधियाना, ग्रेटर नोएडा)

विजेता–हरियाणा हैमर्स (पिछले लगातार तीन वर्ष से उपविजेता) {6-3}

उपविजेता–पंजाब रॉयल्स (पिछले दो संस्करणों में विजेता)

एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप (23-28 अप्रैल, 2019; शियान, चीन)

प्रथम स्थान–ईरान (11 स्वर्ण व 6 कांस्य सहित कुल 17 पदक)

दूसरा स्थान–चीन (5 स्वर्ण, 5 रजत व 6 कांस्य सहित कुल 16 पदक)

भारत का स्थान–आठवाँ (1 स्वर्ण, 6 रजत व 9 कांस्य सहित कुल 16 पदक)

विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप (14-22 सितम्बर, 2019; नूर–सुल्तान, कजाखिस्तान)

प्रथम स्थान–रूस (9 स्वर्ण, 5 रजत व 5 कांस्य सहित कुल 19 पदक)

दूसरा स्थान–अमरीका (5 स्वर्ण व 2 कांस्य सहित कुल 7 पदक)

भारत का स्थान–17वाँ (1 रजत व 4 कांस्य सहित कुल 5 पदक)

☞ आगामी विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप का आयोजन 2021 में होगा.

फॉर्मूला-1 रेसिंग (Formula-1 Racing)

आस्ट्रेलियाई ग्रांड प्रिक्स (17 मार्च, 2019; मेलबर्न)

विजेता–वाल्टेरी बोट्टास (मर्सिडीज टीम)

उपविजेता–लुईस हैमिल्टन (ब्रिटेन, मर्सिडीज टीम)

बहरीन ग्रांड प्रिक्स (31 मार्च, 2019; साखिर, बहरीन)

विजेता–लुईस हैमिल्टन (ब्रिटेन, मर्सिडीज टीम)

उपविजेता–वाल्टेरी बोट्टास (मर्सिडीज टीम)

चीनी ग्रांड प्रिक्स (14 अप्रैल, 2019; शंघाई)

विजेता–लुइस हैमिल्टन, ब्रिटेन (मर्सिडीज टीम)

उपविजेता–वाल्टेरी बोट्टास (मर्सिडीज टीम) {गत वर्ष भी उपविजेता}

☞ वर्ष 2019 की यह तीसरी फॉमूला-1 रेस तथा फॉमूला-1 रेसों के इतिहास में 1000वीं रेस थी.

अजरबेजान ग्रांड प्रिक्स (28 अप्रैल, 2019; बाकू)

विजेता–वाल्टेरी बोट्टास (मर्सिडीज टीम)

उपविजेता–लुइस हैमिल्टन, ब्रिटेन (मर्सिडीज टीम)

स्पेनिश ग्रांड प्रिक्स (12 मई, 2019; बार्सीलोना, स्पेन)

विजेता–लुइस हैमिल्टन, ब्रिटेन (मर्सिडीज टीम) {गत वर्ष में भी विजेता}

उपविजेता–वाल्टेरी बोट्टास (मर्सिडीज टीम) {गत वर्ष में भी उपविजेता}

मोनाको ग्रांड प्रिक्स (26 मई, 2019; मोंटकार्लो, मोनाको)

विजेता–लुइस हैमिल्टन, ब्रिटेन (मर्सिडीज टीम)

उपविजेता–सेबेस्टियन वेट्टल (फरारी टीम)

कनाडा ग्रांड प्रिक्स (9 जून, 2019; मॉट्रियल)

विजेता–लुइस हैमिल्टन, ब्रिटेन (मर्सिडीज टीम)

उपविजेता–सेबेस्टियन वेट्टल (फरारी टीम)

फ्रांसीसी ग्रांड प्रिक्स (23 जून, 2019; पॉल रिकर्ड सर्किट)

विजेता–लुइस हैमिल्टन, ब्रिटेन (मर्सिडीज टीम) {गत विजेता}

उपविजेता–वाल्टेरी बोट्टास (मर्सिडीज टीम)

आस्ट्रियन ग्रांड प्रिक्स (30 जून, 2019; रेड बुल रिंग, स्पीलबर्ग, आस्ट्रिया)

विजेता–एम. वर्स्टापेन (रेड बुल टीम)

उपविजेता–सी. लेकलेर्क (फरारी टीम)

ब्रिटिश ग्रांड प्रिक्स (14 जुलाई, 2019; सिल्वरस्टोन सर्किट, यूके)

विजेता–लुईस हैमिल्टन, ब्रिटेन (मर्सिडीज टीम)

उपविजेता–वाल्टेरी बोट्टास (मर्सिडीज टीम)

☞ ब्रिटेन के लुईस हैमिल्टन रिकॉर्ड छठी बार ब्रिटिश ग्रांड प्रिक्स फॉर्मूला-1 रेस के विजेता बने हैं.

जर्मन ग्रांड प्रिक्स {(28 जुलाई, 2019; होकेनहीमरिंग (Hockenheim)}

विजेता–एम. वर्स्टापेन (Max Verstappen) (रेड बुल टीम)

उपविजेता–सेबेस्टियन वेट्टल (फरारी टीम)

हंगेरियन ग्रांड प्रिक्स (4 अगस्त, 2019; मोग्योरोड)

विजेता–लुईस हैमिल्टन, ब्रिटेन (मर्सिडीज टीम)

उपविजेता–एम. वर्स्टापेन (रेड बुल टीम)

बेल्जियम ग्रांड प्रिक्स (1 सितम्बर, 2019; स्पा-फ्रैंकोचैम्प्स, बेल्जियम)

विजेता–चार्ल्स लेक्लर्स, मोनाको (फरारी टीम)

उपविजेता–लुईस हैमिल्टन (ब्रिटेन, मर्सिडीज टीम)

इटैलियन ग्रांड प्रिक्स (8 सितम्बर, 2019; मोंजा, इटली)

विजेता–चार्ल्स लेक्लर्स, मोनाको (फरारी टीम)

उपविजेता–वाल्टेरी बोट्टास (मर्सिडीज टीम)

सिंगापुर ग्रांड प्रिक्स (22 सितम्बर, 2019; सिंगापुर)

विजेता–सेबेस्टियन वेट्टल, जर्मनी (फरारी टीम)

उपविजेता–चार्ल्स लेक्लर्स, मोनाको (फरारी टीम)

रूसी ग्रांड प्रिक्स (29 सितम्बर, 2019; सोचि, रूस)

विजेता–लुईस हैमिल्टन (ब्रिटेन, मर्सिडीज टीम)

उपविजेता–वाल्टेरी बोट्टास (मर्सिडीज टीम)

जापानी ग्रांड प्रिक्स (13 अक्टूबर, 2019; सुजुका)

विजेता–वाल्टेरी बोट्टास (मर्सिडीज टीम)

उपविजेता–सेबेस्टियन वेट्टल, जर्मनी (फरारी टीम)

मेक्सिकन ग्रांड प्रिक्स (27 अक्टूबर, 2019; मेक्सिको सिटी)

विजेता–लुईस हैमिल्टन (ब्रिटेन, मर्सिडीज टीम)

उपविजेता–सेबेस्टियन वेट्टल, जर्मनी (फरारी टीम)

अमरीकी ग्रांड प्रिक्स (3 नवम्बर, 2019; ऑस्टिन)

विजेता–वाल्टेरी बोट्टास (मर्सिडीज टीम)

उपविजेता–लुईस हैमिल्टन (ब्रिटेन, मर्सिडीज टीम)

खेलकूद के कुछ विशिष्ट आयोजन/ चर्चित गतिविधियाँ–2019

रणजी ट्रॉफी क्रिकेट, 2018-19

1 नवम्बर, 2018–7 फरवरी, 2019 के दौरान **नागपुर** में क्रिकेट की राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की वर्ष 2018-19 की रणजी ट्रॉफी (85वीं) के लिए फाइनल मुकाबला विदर्भ व सौराष्ट्र की टीमों के बीच हुआ. 3-7 फरवरी, 2019 के दौरान नागपुर में खेले गए पाँच दिवसीय फाइनल मैच को फजल फैजल के नेतृत्व वाली **विदर्भ टीम** ने सौराष्ट्र को 78 रनों से पराजित किया. विदर्भ टीम ने दूसरी बार ही रणजी ट्रॉफी जीतने में सफलता प्राप्त की है. पिछले वर्ष दिल्ली को फाइनल में हराकर विदर्भ टीम ने रणजी खिताब जीता था. यह छठा अवसर है जब कोई टीम रणजी ट्रॉफी पर अपना कब्जा बरकरार रखने में सफल रही है.

ईरानी ट्रॉफी क्रिकेट, 2018-19

रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के समापन के पश्चात् इस ट्रॉफी की विजेता टीम का बाद में शेष भारत टीम के साथ ईरानी ट्रॉफी के लिए मुकाबला प्रतिवर्ष होता है. 2018-19 की ईरानी ट्रॉफी के लिए यह मुकाबला 12-16 फरवरी, 2019 के दौरान नागपुर में खेले गए इस मैच में विदर्भ टीम ने शेष भारत की टीम को पहली पारी की बढ़त के आधार पर पराजित किया. गत वर्ष भी 27 बार ईरानी ट्रॉफी की विजेता शेष भारत टीम को बढ़त के आधार पर विदर्भ टीम ने ईरानी ट्रॉफी पर कब्जा किया था. विदर्भ टीम ने दूसरी बार रणजी ट्रॉफी पर कब्जा किया है. विदर्भ टीम के कप्तान **फज़ल फैजल** व शेष भारत के कप्तान **आजिंक्य रहाणे** थे.

73वीं संतोष ट्रॉफी-2019

अप्रैल 2019 में 73वीं राष्ट्रीय फुटबाल का संतोष ट्रॉफी के लिए खेले गए फाइनल में पंजाब को 1-0 से हराकर **सेना** ने खिताब पर कब्जा किया. सेना ने छठी बार यह ट्रॉफी जीतने में सफलता प्राप्त की है. कुल मिलाकर 10 टीमों ने इस टूर्नामेंट के लिए अर्हता प्राप्त की थी तथा कुल मिलाकर 23 मैच इस टूर्नामेंट में खेले गए.

MAGAZINE KING

17वाँ एशियन कप फुटबाल-2019

5 जनवरी–1 फरवरी, 2019 के दौरान संयुक्त अरब अमीरात में एशियाई फुटबाल महासंघ (AFC—Asian Football Confederation) के (17वें) एशियन कप फुटबाल का आयोजन हुआ. इसका खिताब जापान को फाइनल में 3-1 से हराकर कतर ने जीता. यह पहला अवसर है, जब एशियाई कप फुटबाल का खिताब कतर ने अपने नाम किया है. इस खिताबी विजय से कतर को फीफा (FIFA) के वर्ष 2021 के कॉनफेडरेशंस कप में भाग लेने के लिए पात्रता हासिल हो गई है. **फेयर प्ले ट्रॉफी** जापान को प्रदान की गई.

- 1956 से शुरू हुए इस टूर्नामेंट का आयोजन 4-4 वर्ष के अन्तराल पर होता है.
- इस टूर्नामेंट को सर्वाधिक 4 बार **जापान** ने जीता है.

सैफ (SAFF) फुटबाल कप–2019

मार्च 2019 में भारतीय महिला फुटबाल टीम ने सैफ फुटबाल कप का खिताब फाइनल में नेपाल को पराजित कर जीता. फाइनल मैच नेपाल में विराटनगर के शहीद रंगशाला स्टेडियम में खेला गया. फाइनल मैच में भारतीय टीम की ओर से डालमिया छिब्बर, ग्रेस डेंगमई तथा अंजू तमांग ने गोल किए. नेपाल की ओर एक से एकमात्र गोल सबित्रा भण्डारी ने किया. भारत ने यह खिताब लगातार पाँचवीं बार जीता है. पिछली बार भारत ने बांग्लादेश को पराजित करके सैफ फुटबाल कप के खिताब पर कब्जा किया था.

28वाँ अजलनशाह कप हॉकी–2019

मार्च 2019 में **इपोह** (मलेशिया) में सम्पन्न 28वें अजलनशाह कप हॉकी टूर्नामेन्ट का सिरमौर **दक्षिण कोरिया** ने फाइनल में पेनल्टी शूट-आउट में **भारत** को 4-2 से हराकर जीता. निर्धारित समय में भारत और दक्षिण कोरिया 1-1 की बराबरी पर थे. भारत सुल्तान अज़लान शाह हॉकी कप को अब तक 5 बार जीत चुका है. आस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 10 बार यह टूर्नामेंट जीता है.

- मलेशिया के नौवें राजा सुल्तान अजलन शाह के नाम पर इस टूर्नामेंट का नाम रखा गया है. भारत ने 1985 में पहली बार इस प्रतियोगिता का खिताब जीता था.

23वीं एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप

21-24 अप्रैल, 2019 के दौरान दोहा (कतर) में एशियाई एथलेटिक्स संघ (AAA) की 23वीं एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का आयोजन हुआ. इस प्रतियोगिता में एशियाई एथलेटिक्स संघ के 43 सदस्य देशों के एथलीट्स ने खलीफा इण्टरनेशनल स्टेडियम पर सम्पन्न इसकी विभिन्न स्पर्द्धाओं में भाग लिया. इस चैम्पियनशिप में 11 स्वर्ण, 7 रजत व 4 कांस्य सहित कुल 22 पदक जीतकर पदक तालिका में **बहरीन** ने शीर्ष स्थान प्राप्त किए. दूसरा स्थान चीन का रहा, जिसने 9 स्वर्ण, 13 रजत व 7 कांस्य सहित कुल 29 पदक प्राप्त किए. जापान का स्थान तीसरा रहा, जिसने कुल 18 पदक (5 स्वर्ण, 4 रजत व 9 कांस्य) जीते.

- 23वीं एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारत ने 3 स्वर्ण, 7 रजत व 7 कांस्य पदक सहित कुल 17 पदक इसमें जीते तथा चौथा स्थान पदक तालिका में प्राप्त किया.

आईपीएल-XII क्रिकेट प्रतियोगिता, 2019

23 मार्च, 2019 से 12 मई, 2019 के दौरान देश के विभिन्न चुनींदा शहरों में ट्वेंटी-20 क्रिकेट का भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के इण्डियन प्रीमियर लीग (IPL) का बारहवें संस्करण-आईपीएल-XII क्रिकेट टूर्नामेंट खेला गया. कुल मिलाकर 60 मैच आईपीएल-12 में खेले गए. टूर्नामेंट का फाइनल मैच 12 मई, 2019 को हैद. राबाद में राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम पर रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली **मुम्बई इंडियन्स** व महेन्द्र सिंह धोनी के नेतृत्व वाली **चेन्नई सुपरकिंग्स** के मध्य खेला गया. फाइनल में 1 रन से विजय दर्ज कर **मुम्बई इंडियन्स** ने यह टूर्नामेंट जीतने में सफलता प्राप्त की. फाइनल मैच में पहले खेलते हुए 8 विकेट खोकर 149 रन मुम्बई इंडियन्स ने बनाए. अंतिम गेंद तक चले मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स टीम निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 148 रन ही बना सकी. 14 रन देकर 2 विकेट लेने वाले मुम्बई इंडियन्स के जसप्रीत बुमराह को फाइनल मैच में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया. इस विजय के साथ ही मुम्बई इंडियन्स रिकॉर्ड चौथी बार आईपीएल खिताब जीतने में सफल रही है.

टेनिस का लावेर कप, 2019 (तीसरा)

टेनिस के खेल में एक नए लावेर कप (Laver Cup) का शुभारम्भ वर्ष 2017 में हुआ था. वर्ष 2019 में पुरुषों के इस वार्षिक टूर्नामेंट में लावेर कप के लिए मुकाबला यूरोप व शेष विश्व की टीमों के बीच स्विट्जरलैण्ड में जेनेवा में 20-22 सितम्बर, 2019 के दौरान हुआ. **यूरोप टीम** इस टूर्नामेंट में 13-11 से विजेता रही. इस प्रकार लावेर कप पर यूरोप का लगातार तीसरे वर्ष कब्जा बरकरार रहा.

विश्व सैन्य खेल–2019

18-27 अक्टूबर, 2019 के दौरान चीन के **वुहान** में विश्व सैन्य खेलों का सातवाँ आयोजन हुआ. भारत सहित 109 देशों के लगभग 10 हजार खिलाड़ियों ने 27 खेलों की 300 से अधिक स्पर्द्धाओं में इन खेलों में भाग लिया. 133 स्वर्ण, 64 रजत व 42 कांस्य पदकों सहित कुल 239 पदक जीतकर **चीन** ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया. 161 पदकों (51 स्वर्ण, 53 रजत व 57 कांस्य) के साथ **रूस** का दूसरा तथा 88 पदकों (21 स्वर्ण, 31 रजत व 36 कांस्य) के साथ **ब्राजील** का इसमें तीसरा स्थान रहा. भारत ने 1 स्वर्ण, 1 रजत व 2 कांस्य पदक सहित कुल 4 पदक जीतकर पदक तालिका में 27वाँ स्थान प्राप्त किया.

खेलकूद : मील के पत्थर

सुनील छेत्री : भारत की ओर से सर्वाधिक फुटबाल मैच खेलने का रिकॉर्ड

अन्तर्राष्ट्रीय फुटबाल मैचों में भारत के लिए सर्वाधिक **68 गोल** करने वाले फुटबालर **सुनील छेत्री** ने एक और रिकॉर्ड जून 2019 में अपने नाम किया. 5 जून, 2019 को थाईलैण्ड में किंग्स कप टूर्नामेंट के एक मैच में खेलते हुए अपने कॅरियर का 108वाँ अन्तर्राष्ट्रीय मैच उन्होंने खेला. कुराकाओ के विरुद्ध खेले गए इस मैच में भारतीय टीम 1-3 से पराजित हुई. इस मामले में सुनील छेत्री ने दिग्गज खिलाड़ी **बाइचुंग भूटिया** का रिकॉर्ड भंग किया.

आईपीएल-XII क्रिकेट टूर्नामेन्ट-2019 : प्रमुख परिणाम एक दृष्टि में

- ***विजेता***–*मुम्बई इंडियन्स (**कप्तान**–रोहित शर्मा)*
- ***उपविजेता***–*चेन्नई सुपरकिंग्स (**कप्तान**– महेन्द्र सिंह धोनी)*
- ***फाइनल मैच में 'प्लेयर ऑफ द मैच'***– *जसप्रीत बुमराह (मुम्बई इंडियन्स)*
- ***प्लेयर ऑफ द सीरीज***–*आन्द्रे रसेल (कोलकाता नाइटराइर्स)*
- ***फेयर प्ले***–*सनराइजर्स हैदराबाद*
- ***सर्वाधिक रन बनाने के लिए ऑरेंज कैप***–*डेविड वार्नर (सनराइजर्स हैदराबाद) [सर्वाधिक 692 रन]*
- ***सर्वाधिक विकेट लेने के लिए पर्पल कैप***–*इमरान ताहिर (चेन्नई सुपरकिंग्स) [सर्वाधिक 26 विकेट]*
- ***स्टाइलिश प्लेयर ऑफ द सीजन***–*के. एल. राहुल (किंग्स-XI पंजाब)*
- ***गेम चेंजर ऑफ द सीजन***–*राहुल चाहर (मुम्बई इंडियन्स)*

आईसीसी विश्व कप में पाकिस्तान के विरुद्ध भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत

16 जून, 2019 को मैनचेस्टर में आईसीसी विश्व कप के भारत व पाकिस्तान के बीच खेले गए मैच में अपने चिर प्रतिद्वन्द्वी पाकिस्तान को भारत ने 89 रनों से पराजित किया. वर्षा से बाधित इस मैच में हार जीत का फैसला डकवर्थ लुइस नियम के आधार पर हुआ. भारतीय टीम के उपकप्तान रोहित शर्मा की 140 रनों की शतकीय पारी के बल पर भारतीय टीम ने 50 ओवरों में 5 विकेट खोकर 336 रन बनाए. इसके प्रत्युत्तर में पाकिस्तानी टीम 6 विकेट खोकर 212 रन ही 40 ओवरों में बना सकी. मैच के वर्षा से बाधित हो जाने के कारण डकवर्थ लुइस नियम के तहत् उसे 40 ओवर में 302 रनों का लक्ष्य दिया गया था.

- *भारत व पाकिस्तान के बीच विश्व कप के इतिहास में अब तक कुल 7 मैच खेले गए हैं. यह सभी सातों मैच भारत ने जीते हैं.*
- *भारत के ऑल राउंडर क्रिकेटर विजय शंकर, जिन्होंने पहली बार ही विश्व कप खेला है, अपने इस डेब्यू मैच में अपनी पहली ही गेंद पर पाकिस्तान के इमाम-उल-हक को एलबीडब्ल्यू आउट करने में सफल रहे. विश्व कप में अपनी पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले वह भारत के पहले व विश्व के तीसरे गेंदबाज हैं. उनसे पूर्व ऐसी उपलब्धि प्राप्त करने वाले दो अन्य गेंदबाज इयान हार्वे (आस्ट्रेलिया, 2003 विश्व कप) व मलाशी जींस (बरमूडा, 2007 विश्व कप) हैं.*

मार्ता डा सिल्वा : फुटबाल विश्व कप (पुरुष/महिला) में सर्वाधिक 17 गोल करने वाली विश्व की पहली फुटबाल खिलाड़ी

18 जून, 2019 को ब्राजील की बहुचर्चित फुटबाल खिलाड़ी मार्ता डा सिल्वा फीफा फुटबाल विश्व कप (पुरुष/महिला) में सर्वाधिक 17 गोल करने वाली पहली फुटबाल खिलाड़ी बन गईं. मार्ता ने यह उपलब्धि फीफा महिला फुटबाल विश्व कप के ग्रुप 'सी' के एक मैच में इटली के विरुद्ध गोल कर प्राप्त की. मार्ता डा सिल्वा '**पेले इन स्कर्ट**' के नाम से प्रसिद्ध हैं. मार्ता डा सिल्वा फीफा द्वारा सर्वाधिक 6 बार सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबालर चुनी गई हैं.

मोहम्मद शमी : एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 47वीं हैट्रिक

आईसीसी विश्व कप क्रिकेट–2019 के दौरान 22 जून, 2019 को भारत व अफगानिस्तान के बीच खेले गए एक मैच में भारत के **मोहम्मद शमी** ने अफगानिस्तान के तीन खिलाड़ियों (मोहम्मद नबी, आफताब आलम व मुजीब-उर-रहमान) को अपनी लगातार तीन गेंदों पर आउट करके हैट्रिक बनाने में सफलता प्राप्त की. यह एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मैच में बनायी गई 47वीं हैट्रिक थी.

उल्लेखनीय है कि एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मैच में 45वीं हैट्रिक 3 अक्टूबर, 2018 को ब्लूमफोंटेन में दक्षिण अफ्रीका **इमरान ताहिर** ने जिम्बाब्वे के विरुद्ध तथा 46वीं हैट्रिक 7 नवम्बर, 2018 को आबूधाबी में न्यूजीलैण्ड के **ट्रेंट बोल्ट** ने पाकिस्तान के विरुद्ध बनाई थी.

इयोन मोर्गन : अन्तर्राष्ट्रीय एकदिवसीय मैच की एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड

18 जून, 2019 को आईसीसी विश्व कप क्रिकेट के एक मैच में इंगलैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने अन्तर्राष्ट्रीय एकदिवसीय मैच की एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड बनाया. इयोन मोर्गन ने अपने कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए अफगानिस्तान के विरुद्ध 71 गेंदों में रिकॉर्ड 17 छक्कों व 4 चौकों की मदद से 148 रन बनाए. इससे पूर्व अन्तर्राष्ट्रीय मैच में सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड भारत के रोहित शर्मा, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और द. अफ्रीका के एबी डी विलियर्स के नाम दर्ज था, जिन्होंने 16-16 छक्के लगाए हैं. मोर्गन ने इसके साथ ही विश्व का चौथा सबसे तेज शतक (57 गेंदों में) पूरा किया.

उल्लेखनीय है कि विश्व कप में इससे तेज शतक बनाने का रिकॉर्ड आयरलैण्ड के **केविन ओ ब्रायन** (50 गेंद), ऑस्ट्रेलिया के **ग्लेन मैक्सवेल** (51 गेंद) एवं द. अफ्रीका के **एबी डी विलियर्स** (52 गेंद) के नाम दर्ज है.

रोहित शर्मा : किसी एक विश्व कप में सर्वाधिक 5 शतक बनाने का विश्व रिकॉर्ड

भारत के रोहित शर्मा ने 6 जुलाई, 2019 को लॉर्ड्स के मैदान पर श्रीलंका के विरुद्ध विश्व कप-2019 के एक मैच में 103 रनों की पारी खेलकर इस विश्व कप में अपना पाँचवाँ शतक बनाकर इतिहास रचा. किसी एक विश्व कप में पाँच शतक बनाने वाले वह विश्व के पहले क्रिकेटर हैं. इस विश्व कप में अपने पाँच शतक क्रमशः द. अफ्रीका, पाकिस्तान, इंगलैण्ड, बांग्लादेश व श्रीलंका के विरुद्ध रोहित शर्मा ने बनाए हैं. इस मामले में श्रीलंका के कुमारसंगकारा का रिकॉर्ड रोहित शर्मा ने भंग किया, जिन्होंने 2015 विश्व कप क्रिकेट में चार शतक बनाए थे.

दुतीचन्द : किसी अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक मीट में 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की पहली धाविका

भारत की फर्राटा धाविका दुतीचन्द ने एक बड़ी उपलब्धि 10 जुलाई, 2019 को अपने नाम की, जब इटली में नापेली (Napoli) में 30वें विश्व ग्रीष्मकालीन यूनीवर्सिटी खेलों में महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक उन्होंने जीता. किसी अन्तर्राष्ट्रीय मीट में 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने वाली वह पहली भारतीय धाविका हैं.

हरमनप्रीत कौर : 100 अन्तर्राष्ट्रीय टी-20 मैच खेलने वाली भारत की प्रथम क्रिकेटर

4 अक्टूबर, 2019 को भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर 100 अन्तर्राष्ट्रीय टी-20 मैच खेलने वाली भारत की प्रथम क्रिकेटर बन गईं. उन्होंने द. अफ्रीका के विरुद्ध यह उपलब्धि प्राप्त की. हरमनप्रीत के बाद महेन्द्र सिंह धोनी व रोहित शर्मा के नाम सर्वाधिक 98-98 अन्तर्राष्ट्रीय टी-20 मैच खेलने का रिकॉर्ड दर्ज है.

टवेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट : नौंवी हैट्रिक

5 अक्टूबर, 2019 को लाहौर में श्रीलंका के विरुद्ध टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में नौंवी हैट्रिक पाकिस्तान के मोहम्मद हसनैन ने बनाई. 19 वर्ष 183 दिन की आयु में यह उपलब्धि प्राप्त करके टवेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में हैट्रिक बनाने वाले सबसे युवा गेंदबाज वह बन गए.

टेस्ट मैच में सर्वाधिक छक्के का नया विश्व रिकॉर्ड

भारत व दक्षिण अफ्रीका के बीच फ्रीडम शृंखला में 2-6 अक्टूबर, 2019 के दौरान विशाखापट्टनम में खेले गए टेस्ट मैच में कुल मिलाकर 36 छक्के लगे, जो इस मामले में नया विश्व रिकॉर्ड है. इससे पूर्व किसी टेस्ट मैच में सर्वाधिक 35 छक्कों का रिकॉर्ड नवम्बर 2014 में शारजाह में न्यूजीलैण्ड व पाकिस्तान के बीच टेस्ट मैच में बना था.

शेष पृष्ठ 180 का

द्वारा अर्थ ऑवर की शुरूआत सर्वप्रथम 2007 से आस्ट्रेलिया में सिडनी में की गई थी. प्रतिवर्ष और नए देश इस अभियान में शामिल होते गए. भारत इस अभियान सर्वप्रथम 2009 में शामिल हुआ था. इस वर्ष 2018 में अर्थ आवर का लगातार बारहवाँ आयोजन था तथा भारत सहित विश्व के अधिकांश देश इस वर्ष 24 मार्च, 2018 को इसमें शामिल थे.

- वर्ष 2018 में अर्थ ऑवर–24 मार्च, 2018
- वर्ष 2017 में अर्थ ऑवर–25 मार्च, 2017

अर्थ ओवरशूट डे (Earth Over Shoot Day)

वर्ष 2019 में 'अर्थ ओवर शूट डे' 29 जुलाई, 2019 को मनाया गया. अर्थ ओवर शूट डे (EOD—Earth Over Shoot Day) से तात्पर्य किसी कैलेण्डर वर्ष में उस तिथि से है, जिस दिन मानव ने उस वर्ष के लिए आवंटित प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर लिया है. वर्ष 2019 के 'अर्थ ओवरशूट डे' को 29 जुलाई, 2019 होने से तात्पर्य यह है कि पूरे कैलेण्डर वर्ष (जनवरी-दिसम्बर) में जितने प्राकृतिक संसाधनों का विदोहन विश्व को करना चाहिए था, वह वर्ष के पहले सात महीनों (जनवरी-जुलाई, 2019) में ही किया जा चुका था.

पूर्व वर्षों में अर्थ ओवरशूट डे दिवस

2011	27 अगस्त
2012	22 अगस्त
2013	20 अगस्त
2014	19 अगस्त
2015	13 अगस्त
2016	8 अगस्त
2017	2 अगस्त
2018	1 अगस्त

- 1987 में पहला अर्थ ओवर शूट डे 19 दिसम्बर को मनाया गया था.

आगामी खेलों की गतिविधियाँ

- **यूरो-2024** : जर्मनी ने 2024 के यूरोपीय चैम्पियनशिप की मेजबानी के अधिकार हासिल किए हैं. जर्मनी ने इससे पूर्व 2006 में फीफा विश्व कप की मेजबानी की थी.
- **22वें राष्ट्रमण्डल खेल-2022** : वर्ष 2022 के राष्ट्रमण्डल खेल बर्मिंघम (इंगलैंड) में आयोजित किए जाएंगे.
- **'फिना'** (FINA—अन्तर्राष्ट्रीय तैराकी महासंघ) की आगामी 19वीं विश्व तैराकी चैम्पियनशिप का आयोजन 2021 में जापान में फुकुओका में होगा.
- **एशियाई खेल 2022 (19वें)** : एशियाई ओलम्पिक परिषद् (OCA—Olympic Council of Asia) के वर्ष 2022 के (19वें) एशियाई खेलों का आयोजन चीनी शहर हांगझू (Hangzhou) मेजबानी में होगा.

आयोजन

आयोजन	वर्ष	मेजबान
विश्व कप क्रिकेट (13वाँ)	2023	भारत
22वाँ फीफा विश्व कप फुटबाल	2022	कतर
32वाँ ओलम्पिक खेल	2020	टोक्यो, जापान
11वाँ कॉन्फेडरेशन कप फुटबाल	2021	–
19वी विश्व तैराकी चैम्पियनशिप	2021	फुकुओका, जापान

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक महेन्द्र जैन द्वारा मैसर्स प्रतियोगिता दर्पण के लिए उन्हीं के द्वारा प्रतियोगिता दर्पण (प्रिंटिंग यूनिट) 5 एवं 6 बाई पास रोड, आगरा से मुद्रित एवं 2/11A, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2 से प्रकाशित